... हीबिधिघटबालकमारे ❀ मातपिताअतिभयेदुखारे ॥ ❀ ॥
मिन्हंतअहोश्रीपतिअसुरारी ❀ तुमबिनकासोंकरहिंपुकारी ॥
...हुसंतापमिटेकबभारी ❀ बेगिलेहुप्रभुसुरतिहमारी ॥
...हिबिधिनाथराखियेप्राना ❀ करतकंसनिबंसनिदाना ॥ ❀ ॥
बिपतिबिनाशनदुखदमनजनरंजनसुरराय ॥
अबहमकोंकोऊनहीतुमबिनऔरसहाय ॥
बिनतीप्रभुहिसुनाय मनमनदंपतिदुखितअति
होतनप्रगटजनाय कंसअसुरकेत्रासतें ॥ ❀ ॥
भई भूमिजवअधिकदुखारी ❀ बढ्यौपापअसुरनकोभारी ॥
...हिनसकीतबगोतनधारी ❀ शिवबिरंचपहजायपुकारी ॥
सकलसुरनमिलकियौबिचारा ❀ हमतेंनहिउतरेभुवभारा ॥
...बिनयकरियचलश्रीपतिपाहीं ❀ कृपाकरेंतबसबदुखजाहीं ॥
भूमिसहितसुरसकलसिधारे ❀ क्षीरसिंधुतटजायपुकारे ॥
जहांश्रीपतिश्रीसहितबिनाशी ❀ पुरुषोत्तमअविगतअविनाशी ॥
धनुअथकरिबिनयसुनाई ❀ जैजैजैत्रिभुवनकेसांई ॥ ❀ ॥
जैसुखकंदसंतहितकारी ❀ जैजगबंदभूमिभैहारी ॥ ❀ ॥
जैजैअसुरसमूहनिकंदन ❀ जैजैभक्तनकेउरचंदन ॥ ❀ ॥
...जैजैप्रणतारतमोचन ❀ दैत्यदलनसुरशोचबिमोचन ॥
...भुअंतरजामी ❀ सुनियबिनयसचराचरस्वामी ॥ ❀ ॥
... ❀ ...रियेनाथभूमिगरुवाई ॥ ❀ ॥

मैंमनवचअबकैइहजाना ● हैंमम उदर देवभगवाना ॥ ● ॥
कहाकरौंकछुयतननपाऊं ● कौनभांतियहगर्भदुराऊं ॥ ● ॥
सत्यधर्मवरजायतोजाऊ ● पतियहसुतहितकरियउपाऊ ॥
कर्मधर्मसबहरिहितभाखैं ● सोहरितजिकछुधर्महिंराखैं ॥
सुनऊंप्रियाअसकोहितकारी ● जोयहबालकलेहिउबारी ॥
सिरऊपरबैठेरखवारे ● पायनपरेनिगडअतिभारे ॥ ● ॥
कंसअसुरउपबंसविनासन ● केहिबिधिसोंउबरेतियनासन ॥
ऐसौकोसमरथजगपाई ● जोइहअौसरहोयसहाई ॥ ● ॥
षटबालकबधसुरतिकरिदंपतिदुखितबिचार ॥
अतिआकुलभयकंसकेहगनचलीबहिधार ॥ ● ॥
करुणासिंधुदयाल तातमातअतिदुखितलखि ॥
प्रगटभयेतिहिंकाल दुखमोचनलोचनसुखद ॥
योगशक्तिहरिआयसुपाई ● प्रगटीनंदभवनसोजाई ॥ ● ॥
ताकेप्रगटतहीनरनारी ● भयेनींदबसदेहबिसारी ॥ ● ॥
भादौंकारीनिसिअतिपावन ● आठैंबुधरोहिणीसुहावन ॥
अखिललोकपतिजनसुखदायक ● आकैजन्मलियौसुरनायक ॥
सीसमुकुटकलकुंडलकानन ● सरदमयंकसरसशुभआनन ॥
चारुचरणपंकजदललोचन ● चितवनसुखदतापत्रयमोचन
कुटिलअलकभ्रूमेंचकताई ● जनमनहरनपरमसुखदाई ॥
पीनबघनतनश्यामतमाला ● उरश्रीबत्सचारुमणिमाला ॥ ॥

भुजाविशालमनोहरचारी ❁ शंखचक्रगदाअंबुजधारी ॥ ❁ ॥
अंगअंगभूषणसबनीके ❁ परमविचित्रभावतेजीके ॥ ❁ ॥ ❁ ॥
चरणसरोजउदितनखजोती ❁ कमलदलनराखेजनुमोती ॥
परमप्रतापसुभगशिशुवेषा ❁ अद्भुतरूपदेवकीदेखा ॥ ❁ ॥
देखिअमितछबिचकितमतिपतिढिगलियोबुलाय ॥
दंपतिपरमानंदमनपरेहर्षिसुतपाय ॥ ❁ ॥ ❁ ॥
भरेप्रेमजलनैन अतिसनेहआकुलसिथल ॥ ❁ ॥
बोलेगद्गदबैन जोरपाणिबिनतीकरत ॥ ❁ ॥ ❁ ॥
प्रभुकिहिंबिधितुवगुणनिबखानैं ❁ तुवमायाबसतुमहिनजानैं ।
सहसाननजाकेगुणगावै ❁ नेतिनेतिजिहिंनिगमबतावै ॥ ❁ ॥
जाकीभ्रूबिलासअनयासा ❁ अखिललोकउपजेंअरुनासा ॥
जोस्वरूपमुनिध्यानलगावैं ❁ कृपाकरऋतबदरसनपावैं ॥
जोसबतेंपरअजअविनासी ❁ सोकिमिकहियउदरममबासी ॥
परमविचित्रचरित्रतुम्हारे ❁ मोहतहैंप्रभुमनहिंहमारे ॥
तातमातकेबचनसुहाये ❁ सनेप्रेमरसप्रभुमनभाये ॥ ❁ ॥
बोलेतातमातसुखदानी ❁ मधुरमनोहरअमृतबानी ॥ ❁ ॥
सुनिऊमाततैंतुमहिंसुनाऊं ❁ प्रथमजन्मकीकथाबताऊं ॥
तुमजाच्यौमोहिकरितपभारे ❁ तुमसमानसुतहोयहमारे ॥
जन्तुहितविरदमोरश्रुतिगायौ ❁ सोकैसेंकरिजातलजायौ ॥
तौमैंबरतुमकौंदीनौं ❁ सोहमआयसत्यअबकीनौं ॥ ❁ ॥ ❁ ॥

शिवब्रह्मासनिकादिमुहि ध्यानसकतिनहिंपाय ॥
सोमैंतुम्हरे प्रेमबसदियौदरसनिजआय ॥ ● ॥
कौतिकनिधसुरराय करतचरितमुनिमनहरण ॥
महामोहडरआय दियौबऊरिपितुमातमन ॥
करऊतातअबबेगउपाई ● हमहिंकंसतेंलेऊबचाई ॥ ● ॥
गोकुलहमहिंदेऊपऊंचाई ● तहांजसोदाकंन्याजाई ॥
मोहिराखिजसुदाकेपासा ● कंन्यालेआवऊअनयासा ॥ ● ॥
सोकंन्यालेकंसहिदीजै ● तातहमारौनामनलीजै ॥ ● ● ॥
ऐसहिमातपितहिसमझाई ● भयेतुरतशिशुयदुकुलराई ॥
देखिचरितसुनिप्रभुकीबाता ● बिशमयहर्षविवसपितुमाता ॥
सुनऊठायउरसोंलपटायौ ● प्रेमविवसलोचनजलछायौ ॥
कहतिदेवकीपतिसुनलीजै ● गवनबेगगोकुलकौंकीजै ॥ ● ॥
जबलगसुनहिनवहहत्यारौ ● मनवचक्रमन्टपकौनपत्यारौ ॥
बनैनाथउरधीरजधारे ● नाहिनइतनौभाग्यहमारे ॥ ● ॥
जोयहसुखनैननपुटपीजै ● ऐसेसुतकौयशसुनिलीजै ॥
दरसनसुखितदुखितमहतारी ● सोचतबिकलकंसभयभारी ॥
अतिअंधियारीअर्धनिशिभटघेरेचऊंओर ॥
कौनभांतिजैहैंदईपायनिगडअतिघोर ॥ ॥
बरषतअतिजलजोर घनगरजतचमकतचपल ॥
बीचयमुनअतिघोर पारकवनबिधिपायहैं ॥ ● ॥

कहाकरौं अबकाहिपुकारौं ॥ कौनभांतिधीरजउरधारौं ॥
कंसघरोसतबहिकिनमारी ॥ बिनतीकरपतिव्रथाउवारी ॥
ऐसौसुतबिछरतमहितारी ॥ कौनभांतिजीवेदुखभारी ॥
कृपासमुद्रभक्तसुखदानी ॥ सुनतमातकीआरतबानी ॥
कृपाकरीसबभ्रमभयढारे ॥ गिरेनिगडपायनतेंभारे ॥ ॥
तबवसुदेवहरषितेहिठांहीं ॥ लक्षधेनुमनसीमनमाहीं ॥
पुत्रगोदलैतुरतसिधाये ॥ द्वारकपाटखुलेसबपाये ॥ ॥
रखवारेसबसोवतदेषे ॥ सपदिचलेउरहरषविशेषे ॥ ॥
तबहीमघवाबृष्टिनिवारी ॥ मंदसमीरभईश्रमहारी ॥ ॥
हरिमुखचंद्रप्रभातमनासै ॥ क्षणाक्षणतडितपंथपरकासै ॥ ॥
प्रभुपरशेषकांहफनछाई ॥ आगेसिंहदहाडतजाई ॥ ॥
सोवसुदेवनजानतभेवा ॥ पहुंचेजाययमुनतटदेवा ॥ ॥

सरितदेखिगंभीरअतिमनमहसोचबिचारि ॥
गोकुलकेसनमुखधस्यौप्रभुप्रतापउरधारि ॥
यमुनापतिपहिचनि मनआनंदकुलस्यौहियै ॥
परसनहितपदपानि अतिप्रवाहऊंच्यौउछ्यौ ॥

गुलफजंघकटिलौंजलआयौ ॥ तबहरिकौंकछुऊर्धउठायौ ॥
ज्योंज्योंवसुदेवसुतहिउठावै ॥ त्योंत्योंजलऊपरचढआवै ॥
नाकपरियंतनीरजबआयौ ॥ तबहरिपदअधकौंलटकायौ ॥
प..सिनीरहूंकारहिदीनौ ॥ तुरतहिभयौगुलफतेंहीनौ ॥

भयेपार लैकै घनस्यामहिं ❁ गयेवसुदेवनंदकेधामहिं ॥ ❁ ॥
तहांसकलजनसोवतपाये ❁ सुतलैजसुमतिपाससिधाये ॥
कन्यातहांपुनीतनिहारी ❁ लईउठायराखिदैप्यारी ॥ ❁ ॥
फिर फिर सुतकोबदननिहारी ❁ चलेतुरतभैकंसबिचारी ॥
जोसंपत्तिनिगमागमगाई ❁ योगीजननआगिनहिपाई ॥
सनकादिकसरवसबिधिप्राना ❁ शंकरजासुधरतुहैंध्याना ॥
सारदनारदादिजसगावैं ❁ सहसबदनहूंपारनपावैं ॥ ❁ ॥
अहोबिलोकऊभाग्यबडाई ❁ सोईसोवतजसुमतपाई ॥ ❁ ॥

उहांदेवकीप्रेमबसअतिव्याकुलअकुलात ॥
बालकअरुवसुदेवकहिंपठयबऊतपछतात ॥
बैठतउठतअधीर व्याकुलसोरीसेजपर ॥
मोचतनैननीर बोलसकतनहिकंसभय ॥

मनमैनसुरमनायसनमानै ❁ मतयहभेददईकोऊजानै ॥
रखवारेकऊंजाननजाहीं ❁ मनकोउदुष्टमिलैमगमाहीं ॥
यातें अधिकसोचमोहिभारी ❁ क्योंटुरिहैशशिमुखउजियारी
मगमहयमुनाअतिगंभीरा ❁ केहिबिधिपऊंचहिंगेउहंतीरा ॥
गोकुलपऊंचेधोंमगमाहीं ❁ भईबेरपतिआयेनाहीं ॥ ❁ ॥
एहिबिधिसोचविवसअकुलाई ❁ इकक्षणकल्पसमानबिहाई
पऊंचेवसुदेवतिहिक्षणजाई ❁ बूझतउठीपुत्रकुशलाई ॥
केहिबिधिपुत्रराखिपतिआये ❁ समाचारवसुदेवसुनाये ॥ ❁ ॥

कन्यादईदेवकिहिंजबही ❁ द्वारकपाटगयेलगतबही ॥
बेरीह्वैगईपगतनकाला ❁ कन्यारोयउठीतिहिंकाला ॥ ❁ ॥
चहुंदिसजागपरेरखवारे ❁ तुरतकंसपहिजायपुकारे ॥
सुनतहिउठिअतिआतुरधायौ ❁ लीनेखड्गतहांचलिआयौ
कन्यालैतबदेवकीआगेराखीआय ॥ ❁ ॥
दीनबचनआधीनह्वैकंसहिकहैसुनाय ॥
अहोभ्रातयहदान तुमहमकंहअबदीजिये
हैकन्याजियजान यातेंभयतुमकौंनही ॥
सुनतकंसभगनीकीबानी ❁ मृत्युत्रासतेंसठरिसमानी ॥ ❁ ॥
यामेंकछूहोयछलकोई ❁ कोजानेबिधिनागतिगोई ॥ ❁ ॥
यहबिचारकन्यागहिलीनी ❁ पटकनकीमनसातिहिंकीनी ॥
करतेंछूटगईआकाशा ❁ दिव्यरूपतहंकियौप्रकाशा ॥ ❁ ॥
बोलतिभईगगनतेंबानी ❁ अरेमंदमतिअधमअज्ञानी ॥ ❁ ॥
ममहत्यातेंलईबृथाहीं ❁ तेरौरिपुप्रगट्यौब्रजमाहीं ॥ ❁ ॥
सर्पयसितजिमिदादुरहोई ❁ माखीखानचहतसठसोई ॥ ॥
तैसेंतूचहमारनमोही ❁ आयोकालनिकटसठतोही ॥ ❁ ॥
ऐसेंकहिकैस्वर्गसिधारी ❁ कंसहिशोचभयौसुनिभारी ॥ ॥
पस्यौदेवकीचरणनमाहीं ❁ मैंमारेतुवपुत्रबृथाहीं ॥ ❁ ॥
क्षमाकरौमेरेअपराधा ❁ हैबिधिकीगतिअलखअगाधा ॥ ❁ ॥
बसुदेवहुसनक्षमाकराई ❁ निगड़दियेपगतेंकढवाई ॥ ❁ ॥

गयौशोचिब्याकुलसदनपसौसेजपरजाहि॥
जागतहीबीतीनिसानींदपरीनहिंताहि ॥
हरिकेचरितअनूप असुरविमोहनसुरसुखद
नरनपरहिंभवकूप जेसप्रेमगावहिंसुनहिं ॥
जसुदाजबसोवततेंजागी ❁ सुतमुखदेखतहीअनुरागी॥ ❁ ॥
पुलकअंगउरआनंदभारी ❁ देखिरहीमुखशशिउजियारी ॥
गदगदकंठनकछुकहिआयौ ❁ हर्षवंतह्वैनंदबुलायौ॥ ❁ ॥
आवहुकंतपुत्रमुखदेखौ ❁ बडेभाग्यअपनेंकरिलेखौ ॥ ❁ ॥
भयेप्रसन्नआजसबदेवा ❁ सुफलभईसबहिनकीसेवा॥ ❁ ॥
सुनततनंदप्रियतियकीबानी ❁ प्रेममगनतनदसाभुलानी ॥ ॥
हर्षितउठिअतिआतुरआयौ ❁ जसुमतिसुतकौबदनदिखायौ
देखतमुखउरसुखभयोजैसै ❁ कहिनसकहिश्रुतिसारदतैसै
कहाकहौंतिहिक्षणकीशोभा ❁ मनहुंमहाछबितरुकेगोभा॥
आनंदमगननंदमनमाहीं ❁ जानतनहिंहमकोकिहिंठाहीं॥
रोयउठेतबनंदकेलाला ❁ जागिपरेसबग्वालनिग्वाला॥ ❁ ॥
जिततिततेंहर्षितउठिआये ❁ मनहुंरंकधनलूटनधाये॥❁॥
देहिंबधाईनंदकौंपरेंजसोदापाय॥ ❁ ॥
कहैंपियारेलालकौंनैकहमहिंदिखराय॥❁॥
अतिहर्षतनंदराय कह्यौबजावनसोहिलौ ॥
नारिउठीसबगाय लाग्यौबजनबधावरो॥ ॥

सुरसिद्धमुनिंदापरमश्रनंदासुनिगोकुलहरिश्राये ॥
दुंदुभीबजावतमंगलगावततियनसहितउठिधाये ॥ ❁ ॥
बिद्याधरकिन्नरसुघरकंठबरकरतगानसचुपाये ॥ ❁ ॥
गरजतनिहिकालामधुररसालाघनगतिजतनजनाये ॥
बाजतकरतालाबरषतमालासुरतरुसुमनसुहाये ॥ ॥
सबकरैंकलोलैंहर्षितबोलैंजैजैजैसुखपाये ॥ ❁ ॥ ॥
नभमहधुनिहोईसुनसबकोईभयेसबनिमनभाये ॥ ॥
संतनहितकारीश्रसुरसंहारीश्रावतक्षितसुखछाये ॥ ॥
शिवब्रह्मादिकमुनिसनकादिकपरमप्रफुल्लितगाता ॥
गुणगणसबगावैंप्रभुहिसुनावैंश्रानंदउरनसमाता ॥ ॥
भयेमनचीतेसबभयबीतेप्रगटेदनुजनिपाता ॥ ❁ ॥ ❁ ॥
श्रतिमनमहहर्षैंपुनिपुनिबरषेंसुमनजुसुरतरुजाता ॥
सुरतियमनमाहींनिरषिसिहाहींजसुमतिकेबडभागा
इनसमहमनाहींपुन्यनमाहींकहैंसहितश्रनुराग ॥ ॥
योगीजेहिंध्यावैंध्याननश्रावैंकरिकरियोगविरागा ॥ ❁ ॥
जोवेदनजानेनेतिबखानेसोसुतह्वैउरलागा ॥ ❁ ॥ ॥
भरेपरमश्रानंदसुरउपजावतश्रनुराग ॥ ❁ ॥
बारबारबर्णनकरैंनंदजसोमतिभाग ॥ ❁ ॥ ❁ ॥
रहेसदनसुरभूलि गोकुलकौउत्सवनिरखि ॥
जन्ममंगलमूल ब्रजबासीहर्षितसबै ॥ ❁ ॥ ❁ ॥

ब्रजबासिनसबहिनसुनिपायौ ❁ नंदमहरघरढोटाजायौ ॥
परमानंदलोगसबधाये ❁ नंदरायतबबिप्रबुलाये ॥ ❁ ॥ ❁ ॥
काढिलग्निग्रहयोगसुधायौ ❁ अतिविचित्रसबहिजनसुनायौ ॥
करतवेदधुनिअतिसुखपाई ❁ देहिंनंदकौंसकलबधाई ॥ ॥
तबअन्नानमहरउठिकीनें ❁ भालतिलकचंदनलैदीनें ॥ ॥
जातिकर्मकरपितरपुजाये ❁ भूषणबसनद्विजनपहिराये ॥ ॥
गैयालक्षसबत्ससुहाई ❁ बाढीदूधनवीनमगाई ॥ ❁ ॥ ❁ ॥
सबबिधिसकलअलंकृतकीनी ❁ करिसंकल्पद्विजकौंनदीनी ॥
मुदितविप्रसबदेंयअसीसा ❁ चिरजीवऊसुतकोटबरीसा ॥
हंसिहंसिबऊरिमहरनंदराई ❁ हितुकुटुंबसबनिकटबुलाई ॥
बऊसुगंधमथितिलकबनाये ❁ भूषणबसनबिबिधिपहिराये ॥
ऊनेजुकुलमेंब्रद्धजिठेरे ❁ हितसोंपायपरेसबकेरे ॥ ❁ ❁ ॥

बंदीमागधसूतगणभरेभुवनबऊआय ॥ ❁ ॥
लैलैनामबुलायसबपरतोषेनंदराय ॥ ❁ ॥ ॥
मनवांछितसबलेहिं जोजाकेभावेमनहिं ॥
नंदभरेरसदेहिं कियेअजाचीजाचकनि ॥

सुनिसुनिधाईव्रजकीनारी ❁ लेकरकमलनकंचनथारी ॥
मंगलसाजसाजसबलीने ❁ सहजसिंगारसुभगतनकीने ॥
चारुचीरतनदृगकजरारे ❁ भालतिलककचसिथलसंवारे ॥
मांगसिंदूरतरोंनाकानन ❁ रोरीरंगकियेकछुआनन ॥ ❁ ॥

अँगियाअंगकसेंछबिछाजै ❁ बिबिधिभांतिउरहारबिराजै ॥
अतिआनंदमगनमनफूली ❁ अंचलउडतसभारनभूली ॥ ❁ ॥
निजनिजमेलमिलीसबगावैं ❁ बिहसतनंदधामकौंआवैं ॥ ॥
इकभीतरइकअंगनमाहीं ❁ इकद्वारेमगपावतनाहीं ॥ ❁ ॥
सबकौंजसुमतिनिकटबुलावै ❁ मुखउघारसुतकौंदिखरावै ॥
देहिंअसीसपरेंशिशुपायन ❁ जीवहुजबलगनभतारायन ॥
पूरणकामभयौब्रजसारौ ❁ धन्यजसोदाभागतिहारौ ॥ ❁ ॥ ॥
धनसोकोखजहांसुतराख्यौ ❁ पुन्यतिहारौजाननभाख्यौ ॥ ❁ ॥

धन्यदिवसधनरातयहधन्यलग्नतिथिवार ॥
जहांजायौऐसौसुवनथिरथाप्यौपरिवार ॥
पुनपुनिसीसनवायदेहिंअसीसमनायसुर ॥
जियहुसुवननंदरायरूपीअचलकुलकीधुनी

परमानंदनंदअनुरागे ❁ चित्रविचित्रवस्त्रबहुमागे ॥ ❁ ॥
सारीसुरंगकसबकेलहगे ❁ अतिचटकीलेमोलनमहगे ॥ ॥
सिगरीबधूबोलिपहिराई ❁ जोजैसीजाकेमनभाई ॥ ❁ ॥
देहिंअसीसमुदितब्रजनारी ❁ फूलीकमलकलीसीसारी ॥ ॥
एकरहसीनिजनिजगृहजाहीं ❁ इकहुलसीआवैंगृहमाहीं
एककहैंएकनसोंधाई ❁ हौंयहबातभलीसुनिआई ॥ ❁ ॥
महरिजसोदाढोटाजायौ ❁ नंदद्वारसखिबजतबधायौ ॥ ❁ ॥
चलहुबेगिसखिदेखियेसोई ❁ बिधिनासोंचाहतहीजोई ॥

इकनाचैंइकढोलबजावैं ❁ एकनंदकौंगारीगावैं ॥ ❁ ॥ ❁ ॥
एकसाथियेद्वारबनावैं ❁ एकैबंदनबारिबधावैं ॥ ❁ ॥ ❁ ॥
ध्वजपताकतोरनछविछाई ❁ घरघरहोतअनंदबधाई ॥ ॥
पुनिपुनिसुमनदेवबरषावैं ❁ फूलनसोंसबगोकुलछावैं ॥ ❁ ॥

ध्वजपताकतोरनकलसबंदनवारदुवार ॥
गोपनकेघरघरबंधीघरघरमंगलचार ॥ ॥
नंदसदनछविचारुबरनिसकैसोकौंनकवि ॥
लियेजहांअवतारछबिसागरत्रिभुवनधनी ॥

ग्वालबृंदसबसुनिउठिधाये ❁ बालबृंदसबनिकटबुलाये ॥ ॥
घसिबनधातचित्रसबकीने ❁ गुंजाभूषितभूषणलीने ॥ ❁ ॥ ॥
जद्यपिअरुभूषणतनमाहीं ❁ तद्यपिअद्विरनगुंजसुहाहीं
एककहैएकनसमझाई ❁ आजबनहिंकोऊनहिजाई ॥ ॥
गैयांलेयनसहुतबनावो ❁ चित्रविचित्रबेगलैआवो ॥ ❁ ॥ ❁ ॥
पूतनंदकेघरहैजायो ❁ भयोसबनकेमनकोभायो ॥ ❁ ॥ ॥
कतहोगहरकरतबिनकाजा ❁ बेगचलोसबसहितसमाजा ॥
दधिमाखनकेमाटभराये ❁ कछुइकहरदीरंगमिलाये ॥ ❁ ॥
लियेसीसपरकेतिकगावैं ❁ केतिकतालमृदंगबजावैं ॥ ❁ ॥ ॥
मिलमिलनिजनिजयूथनिमाहीं ❁ नंदसदननिरततसबजाहीं
देखिनंदअतिआनंदपावैं ❁ हंसिहंसिसबकौंनिकटबुलावैं ॥
छुइछुइचरणभेटधरआगें ❁ देहिंबधाईअतिअनुरागें ॥ ❁ ॥

नाचतगावतमगनमनभईसदनऋतिभीर ॥
मनौआयेउत्साहसबधरिधरिगोपशरीर ॥
देहधरेआनंद मनऊनंदतिनमधिलसें ॥
जनमेआनंदकंद कहनसकहिसुखसहसमुख
इकनाचतइकगावतठाढे ॥ इककूदतअतिआनंदबाढे ॥
छिरकतएकदूधदधिडोलें ॥ एककुलाहलकरतकलोलें ॥
मचौनंदघरदधिकौकादौं ॥ बरषतदूधदहीजनौभादौं ॥
एकधायएकनपैजांहीं ॥ एकैमिलतडारिगलबांहीं ॥
एकएककेपायनपरही ॥ इकदधिदूवअक्षतसिरधरही ॥
अतिउछाहसबकेमनमाहीं ॥ राजारंकगनतकछुनाहीं ॥
गोकुलमध्यदेखियेजितही ॥ करतगोपकौतूहलतितही ॥
एकैलूटनंदकौलेंही ॥ एकेएकनकौंधनदेंही ॥
एकनहितकरिनंदबुलावें ॥ पटभूषणतिनकौंपहिरावें ॥
एककहैंहमतबकछुलैहें ॥ जबलालनमुखदेखनपैहें ॥
एकजोएकनतेंकछुलेंहीं ॥ तेनिसंकएकनकौदेंहीं ॥
अतिआनंदमगनपशुपालक ॥ नाचततरुणबृद्धअरुबालक ॥
गोकुलकौआनंदसबकापैबरन्यौजाय ॥ ॥
जहांपरमआनंदमेंलियौजनमहरिआय ॥
नितनवहोयबिलास हरिमुकुंदकेजन्मतें ॥
ब्रजसंपदासुपास सुरभूलहिंकौतुकनिरखि

जबतैंजन्मलियौहरिआई ● सुखसंपतिब्रजघरघरछाई ॥
सबउदारसबपरमप्रवीना ● सबसुंदरसबरोगबिहीना ● ॥
मुदितजहांतहांसबब्रजबासी ● सबजसुमतिसुतप्रेमउपासी
नंदसदनबरन्यौकिमिजाही ● सततसुरेसलखिविभ्रमजाही ॥
अतिप्रकाशमंदिरकेमाहीं - ● फैलरहीहरिछबिकीछाहीं ॥
ग्वालगायगोपनकीभीरा ● कहूंदधिकहूंमाखनकहूंछीरा ॥
भूमिबागबनगिरिरमनीया ● खगमृगसरसरिताकमनीया ॥
विटपवेलिसबसहितफलेफल ● दिसाप्रकाशितनिरमलजलथल
सुरभीसुरसुरभीसमतूला ● भयौसकलब्रजमंगलमूला ● ॥
विभवभेदयहकोऊनजाने ● आदिहितेंहमऐसेंमाने ॥ ● ॥
हरिजन्मआनंदबधाई ● सुरनरनागतिहूंपुरगाई ॥ ● ॥ ॥
ब्रजबासिनमनअधिकउछाहू ● कहिनहिंसकहिसहसमुखकाहूं

ब्रजकौसुखकोकहिसकैसुखमाबधीअपार ● ॥
सुखनिधानभगवानजहंलियौमनुजअवतार ॥
प्रगटेगोकुलचंद संतकुमुदबनमोदकर ॥ ● ॥
तमकुलअसुरनिकंदब्रजजनचारुचकोरहित

नितनवभीरनंदकेद्वारे ● जाचकजनसबहोंयसुखारे ॥ ● ॥
गांवगांवतेंसुनिसुनिआवैं ● मनभायौसबकोऊपावैं ॥ ● ॥
पांचदिवसइहिविधिसुखपायौ ● छठयौदिवसछठीकौआयौ ॥
मंदिरसकलसुवासलिपायौ ● जहंतहंचित्रितकरवायौ ॥ ॥

ब.थाचारुसुगंधसिचाई ❁ द्वारनवंदनवारसुहाई ॥ ❁ ॥
जातिकुटुंबमित्रहितुजेते ❁ नंदरायन्यौतेसबतेते ॥ ❁ ॥ ❁ ॥
ठौरठौरबहुव्यंजनहोई ❁ रोहिण्यादिकबकरहिंरसोई ॥ ॥
गोपबधूसबबनिबनिआवैं ❁ लालनकोंपहिराबनिल्यावैं ॥ ॥
जरकसिकुरताभूषणटोपी ❁ रत्नसमेतप्रेमरंगओपी ॥ ❁ ॥
रोरीअक्षतपानमिठाई ❁ धरिधरिकंचनथारनिल्याई ❁ ॥
गावहिंमंगलकोकिलबानी ❁ नंदभवनआवहिंहरषानी ❁ ॥
करिआदरजसुदाबैठावैं ❁ देखिस्यामघनसबसुखपावैं ❁ ॥

बृषभानादिकगोपबर ब्रजबासीसमुदाय ॥
आयेसबनंदरायगृहभूषणबसनबनाय ❁ ॥
अतिआदरकरनंद शुभआसनदीनेसबन ॥
सबकेमनआनंद बजतदुंदुभीनचतनट ॥

ग्वालगावतहैंहेरी ❁ कहूंखिलावतगायघनेरी ॥ ❁ ॥ ❁ ॥
बंसप्रसंसाभाटसुनावैं ❁ कितहूंढाढीढाढिनगावैं ॥ ❁ ॥ ❁ ॥
देहिंगोपगनतिनकोंदाना ❁ भूषणबसनधेनुमणिनाना ॥ ❁ ॥
परजासकलखिलौनाल्यावै ❁ अतिअद्भुतकापैकहिआवै ॥
धरहिंनंदकेआगेआनी ❁ राखहिंसबअतिशयसुखमानी ॥
तिनहांदेहिंनिछाबरहरिकी ❁ कोमलस्यामलसुंदरबरकी ॥
बिस्वकरमापलनागढिल्यायौ ❁ रत्नजटितबहुरंगसुहायौ ॥
लागेबिबिधिखिलौनातामें ❁ देखतभूलिरहैमनजामें ॥ ❁ ॥

लालनहितसौंजदरखायौ ● विस्वकरमामनबांछितपायौ ॥
ऐसेंदिवसयामयुगआयौ ● तबसबगोपनजंदजिमायौ ॥ ● ॥
छिरकिसुगंधपानकरदीनौ ● तबसबगोपनभोजनकीनौ ॥
मंगलमेंरजनीजबआई ● गायउठीसबनारिसुहाई ॥ ● ॥
कुरताटोपीपीतरंगलालनकौंपहिराय ॥
लेउछंगपूजनकरीबैठीहर्षितमाय ● ॥
करिकुलकौव्यौहार करीआरतीस्यामकी ● ॥
करतनिछावरनारि तनमनधनशशिमुखनिररिव ॥
नेगजोगसवनेगिनपायौ ● दियैसबनिजसुदामन
प्रातहिउठिलालनअन्हवायौ ● सुदिनसोधपलन
निरखिनिरखिजसुदाबलजाई ● अरु...
ब्रजबासीजीवननंदलाला ● मातसुखतपासमदनें...
नितनवमंगलहोहिंसुहाये ● मंगलनिधजबतेंहरिआ...
नंदसुवनबरबालनुसोई ● जसुमतिसुखनअकाशब...
तहांघनस्यामश्यामतनउनए ● मंदहंसनिदामिनिदुतिजुगउ
गरजनमंदमधुरिकिलकारी ● ब्रजजनमोरनआनंदका...
दादुरगुणगनगावहिंदासा ● परमप्रीतिमनपरमउजासा ॥
पलनापचरंगमणिछबिछाई ● इंद्रधनुषउपमातिनपाई ॥
गजमुक्तकीलटलटकाई ● सोइमानौबगपांतिसुहाई ॥ ॥
ब्रजघरघरसुखसंपतिछाई ● सोईमनउभूमिहरिआई ॥

इहांस्यामपलनापरखेलैं ● करगहिपगअंगुठामुखमेलैं ● ॥
अपनेमनयहकरतविचारा ● इहममपदसंतनआधारा ● ॥
येपदपंकजरखिउरनिरखतशंभुसुजान ● ॥
इनकौरसमनमधुपकरिकरतनिरंतरपान ॥
पुनिइनपदकेध्यान मगनब्रह्मसनकादिमुनि ॥
लक्ष्मीअतिसुखमान करतेंक्षणटारतनहीं ॥
इनपदपंकजरसअनुरागा ● मगनसकलसुरनरमुनिनागा ॥
ऐसौधौंकारसइनमाहीं ● सोतौमोहिविदितकछुनाहीं ॥
मोकौंइहरसदुर्लभभारी ● देखौंधौंमैंताहिविचारी ॥ ● ॥
तातेंपदअंगुठामुखमेलैं ● लैलैस्वादमगनरसखेलैं ॥ ● ॥
ताअंतरसकटासुरआयौ ● पवनरूपकाहूनलखिपायौ ॥
रैसकटनंदगृहकेरे ● पलनाकेढिगहूतेघनेरे ॥ ● ● ॥
जमैंसोसठआयसमान्यौ ● नंदसुवनतवहीयहजान्यौ ॥
ताकौंहरिइकलातचलाई ● गिरयौसकटतबअतिघहराई ॥
दनुजनिधनकाहूनहिजान्यौ ● गिरयौसकटयहसबहिनमान्यौ
सुनतशब्दअतिव्याकुलधाये ● नंदादिकसबजुरितहांआये ॥
जसुमतिदौरिस्यामकौंलयऊ ● सबकेमनअतिविस्मयभयऊ
कारनकहाकहैंनरनारी ● गिरयौसकटआपुनितेंभारी ● ॥
पलनाढिगखेलतहुतेकछुकगोपकेबाल ● ॥
तिननकह्यौजासौसकटपलनातेंनंदलाल ॥

सोनहिंकरीप्रतीति काहूबालनकौकह्यौ ॥ ● ॥
यहतौकछुविपरीति भईकुशलअतिस्यामकी ॥
जसुमतिअतिमनमनपछिताई ● भयेआजकुलदेवसहाई ॥
बारबारउरसौंसुतलाई ● निरखिनंदपुनिपुनिबलजाई ॥
मेरेनिधनीकेधनछैया ● लगेमोहितेरीरोगबलैया ॥ ● ● ॥
ऐसैंबहुविधिलाडलडाये ● पयपियायपलनापौढाये ॥ ● ॥
मंदमंदकरठोंकिसुवावैं ● कछुवकमधुरमधुरसुरगावैं ● ॥
सोवतस्यामसुभगसुंदरबर ● चौंकिचौंकिशिशुदसाप्रगटकर
लियेमातछतियालपटाई ● मनौफणिमणिउरमांफदुराई ॥
प्रातनिरखिमुखआनंदकीनौ ● चूमिबदनसुतकौंपैदीनौ ॥
कोमलघामअजिरजबआयौ ● तहंसुतपलनापरपौढयौ ॥
आपमथनदधिभवनसिधारी ● नंदहिंसुतकेढिगबैठारी
निरखिनंदसुतआनंदभारी ● कमलबदनछविरहेनिहारी
चुटकीदैदैसुतहिंखिलावैं ● निरखिनिरखिमुखअतिसुखपावैं
किलकिउठेलखितातमुखकरपदहूगअनुराय ॥
कपटकढकिउलटेपरेसुखनिधित्रिभुवनराय ॥
सोछविकहियनजाय निरखिनंदटेरतमहरि ॥
आपनसुकृतउठाय अतिकोमललखिसकुचमन ॥
नंदहिटेरतसुनिनंदरानी ● तजीतुरतदधमथतमथानी ॥
जानेकहरिगिरेसुखदाई ● तातेंअतिआतुरउठिधाई ॥

नंदहिदेखिहंसतसुतपासा ❁ तबधीरजधरिकियौउलासा ॥
उलटिपरयौसुतदेखौआई ❁ उठनसकतकरसेजलगाई ॥
सोछविनिरखिमातसुखपायौ ❁ तुरतमुदितउलटायउठायौ ॥
उरलगायमुखचूंबनलागी ❁ कहतआजमैंभईसभागी ॥
पिटकरनहरिउलटनलागे ❁ डेढ़मासकेभयेसभागे ॥ ❁ ॥
चिरजीवउमेरौकुंवरकन्हाई ❁ आजकरौंमैंअनंदबधाई ॥
नंदरानीब्रजनारिबुलाई ❁ यहसुनिसबआनंदकरधाई ॥
हरिकौंनिरखिपरमसुखपायौ ❁ हर्षितसबहिनमंगलगायौ ॥
बांटीघरघरपानमिठाई ❁ नंदसुवनब्रजजनसुखदाई ॥
धनिधनिब्रजकीकलसभागी ❁ हरिकेबालचरितअनुरागी ॥

जननीअतिआनंदभरीनिरखतस्यामलगात ॥
जैसेंनिधनीपायधनमुदितरहतदिनरात ॥ ❁ ॥
धनिधनिब्रजकौबास धन्यजसोदाधन्यनंद ॥
धनिब्रजबासीदास जिनकौमनयारसमगन ॥

॥ अथतृणावर्त्तबधलीला ॥

जसुदाभागनजातबखाने ❁ त्रिभुवनपतिकौंसुतकरमाने ॥
हरिकौंगोदलियेपयप्यावै ❁ विविधभांतिकरिलाडलडावै ॥
कबहूंहरिमुखसौंमुखलावै ❁ कबहूंहर्षितकंठलगावै ॥ ❁ ॥
मोनिधनीकौधनसुतनान्हा ❁ खेलतहंसतरहौनितकान्हा ॥
कबधौंमधुरबचनकछुकैहै ❁ कबजननीकहिमोहिबुलैहै ❁ ॥

कबनंदहिकहिबाबाबोलै ● खेलतइ तउतश्रांगनडोलै ॥ ● ॥
कबधौंतनकतनककछुखैहै ● श्रपनेकरलैमुखमेंनैहै ॥ ● ● ॥
कबविधियहश्रभिलाषपुरावै ● मनहींमनकुलदेवमनावै ॥
किलकतहरिजननीकीकनियां ● करतचरित्रमातसुखदनियां
तृणावर्त्तहरिश्रावतजाना ● पठयौकंससहितश्रभिमाना ॥
भयेगरुबजननीभरपायो ● सहनसकीतबभुवबैठायो ॥ ● ॥
श्रापलगीगृहकाजकछुशिश्रजिरगोपाल ॥
श्रतिप्रचंडबौडरउठ्यौगोकुलपरतिहिंकाल॥
बातचक्रमिसश्राय तृणावर्त्तपापीश्रसुर ॥
हरिकौंलियेउठाय श्रंधधुंधगोकुलकियो ॥
हरिकौंलैकैगयौश्रकासा ● धूरिधूंधगोकुलचहुंपासा ॥ ● ॥
जहांतहांनरनारिछपाने ● प्रलैकालसमकरिसबमाने ॥ ● ॥
जसुमतिदौरिश्रजिरमेंश्राई ● तहांनपायेकुंवरकन्हाई ॥
नंदनंदकरिसोरलगायो ● तेरोसुतश्रंधवायुउडायो ॥ ● ॥
दौरौबेगगुहारलगावौ ● ब्रजवासिनकौंटेरबुलावौ ॥ ● ● ॥
श्रतिव्याकुलखोजतनंदरानी ● जितनितफिरतभवनबिललानी
तृणावर्त्तकौंहरियौंकीन्हौं ● ग्रीवलपटितिहिंनीचेलीन्हौं ॥
कठिनशिलापरताहिगिरायो ● ताकेउरपरश्रापुनश्रायो ॥
चूरचूरकरिताकेगाता ● कीन्हौंमुक्तमुक्तिकेदाता ॥ ● ● ॥
धूरिधुंधसबतुरतबिनासी ● खोजतहरिहिविकलब्रजबासी

ब्रजबनितनउपबनमैंपाये ❁ लियेउठायकंठलपटाये ॥ ❁ ॥
अतिआतुरजसुमतिपैल्याई ❁ ह्वैगई घर घर अनंदबधाई ॥
लियेधायकैमायनेछतियारहीलगाय ॥ ❁ ॥
नंदनिरखिसुखपायकैमनसीबकुतिकगाय
वारिवारिब्रजनारि देहिंबसनभूषणमगन ॥
जिततिलकहैंबिचारि नयोजन्महरिकौभयो
उबरेस्याममहरिबडभागी ❁ देखकुधौंककुचोटनलागी ॥
रोगलेउंबलिजाउकन्हाई ❁ हरिहैंब्रजकेजीवनमाई ॥
भलीनप्रकृतिजसोदातेरी ❁ इकलैहरिकौंछाडतिहेरी ॥
घरकौकाजइनकुतेंप्यारै ❁ बौरीब्रजहूंसुरतिसंभारै ॥ ❁ ॥
बकुतबचौरीब्राजकन्हाई ❁ भयेपूर्वलेपुन्यसहाई ॥ ❁ ॥
जसुमतिसबसौंकहतलजानी ❁ अबमैंसीखतिहारीमानी ॥
मोहिकहांहोयहसुखमाई ❁ मैंनौरंकपरीनिधिपाई ॥ ❁ ॥
अबमैंअपनौलालचितैहौं ❁ एकौक्षणाकाहूनपत्यैहौं ॥ ❁ ॥
एसैंकहिसबसौंनंदरानी ❁ कीन्हीबिदासकलसनमानी ॥
जसुमतिहरिकौंगोदखिलावै ❁ देखिदेखिमुखनयनसिरावै
अतिकोमलस्यामलतनदेखौं ❁ बारबारपछतातविशेखी ॥ ❁
कैसेंबचौजाउंबलिहारी ❁ तृणावर्त्तकीघातनिवारी ॥ ❁
नाजानौंकिहिंपुन्यातेंकोकरिलेतसहाय ॥ ॥
कियौकामवहूपूतनातृणावर्त्तयहआय ॥ ❁ ॥

मातदुखितजियजानि कृपासिंधुबत्सलभगत ॥
बालचरित्तसुखदानि करनलगेसुंदरपरम ॥
खेलतमातउछंगकन्हाई ❁ करतबाललीलासुखदाई ॥ ❁ ॥
जननीबेसरलटकतिदेखी ❁ चितवततांहिबिसारिनिमेखी ॥
तांहिगहनिकोंपाणिचलायौ ❁ तबजननीकछुबदनछपायौ ॥
नहिंपकरैततबअतिउकताई ❁ सोछविनिरखिमातबलिजाई ॥
जननीबदननिकटकरिलीनौ ॥ तबहरिकुलसिकिलकहंसिदीनौ
बिहसतिचमकिपरीदुधदंतियां ❁ जनौयुगविज्जुबीजकीपंतियां
प्रमुदितनिरखिजसोदाफूली ❁ प्रेममगनतनकीसुधिभूली ॥
बाहरतेंतबनंदबुलाए ❁ परमानंदसहितउठिधाए ॥ ❁ ॥ ॥
होपतिसुफलकरौहगआई ❁ देखहुसुतमुखदंतुलिसुहाई
हर्षितहरिहिगोदनंदलीनौ ❁ निरखितातमुखहरिहंसदीनौ
देखतबदननयनसियराने ❁ दूधदांतकिधौंछविकेदाने ॥ ❁ ॥
अहोमहरिबडभागतुम्हारे ❁ सुफलफलेमनकाजहमारे ॥
कछुदिनघटषटमासकेभयेस्यामसुखदान ॥
अन्नपरासनकौदिवसबूझकुविप्रबिद्वान ॥
सुनिपुलकेनंदराय भयेपरासनयोगहरि ॥
प्रेमरह्यौउरछाय सोसुखकापैजायकहि ॥

॥ अथअन्नप्रासनलीला ॥

प्रातकालउठिविप्रबुलायौ ❁ रासिबूझिशुभदिवसधरायौ ॥ ❁ ॥

जसुमतिसोदिनआछेपाये ❁ सखिनबोलिसुभगानकराये ॥
युवतिमहरिकैंगारीगावैं ❁ औरमहरकोनामसुनावैं ॥ ❁ ॥
मणिकंचनकेथारमगाये ❁ भांतिभांतिकेबासनआये ॥ ❁ ❁ ॥
नंदघरनिव्रजबधूबुलाई ❁ जेसबअपनीजातिसुहाई ॥
कोउजिवनारकोउपकवाना ❁ षटरसकेबहुकरतविधाना ॥
बहुप्रकारकेबिंजनआने ❁ जिनकेस्वादनजांयबखाने ॥ ❁ ॥
अतिउज्जलकोमलसुठिनीके ❁ कियेबिबिधिबिधिमनहुंअमीके
जसुमतिनंदहिबोलिकह्योतब ❁ बोलहुमहरजातिअपनीसब
आपगयेनंदसकलमहरघर ❁ ल्यायेबोलिसबनआदरकर ॥
बैठारेसबआनअथाई ❁ भीतरगयेआपनंदराई ॥ ❁ ॥ ❁
जसुमतिहरिकौंउबटिन्हवाये ❁ सुंदरपटभूषणपहिराये
तनकगुलीसिरचौतनीकरचूरादुहुंपाय ॥
बारबारमुखनिरखिकैजसुमतिलेतिबलाय ॥
लैबैठेनंदराय आनिसुभघरीगोदहरि ॥
लीनेसदनबुलाय गोपसकलआनंदभरे ॥
बैठेसकलगोपगनआई ❁ अतिआनंदमगननंदराई ॥ ❁
कनकथारभरिखीरधराई ❁ मिसरीघृतमधुडारिमिलाई
लगेनंदहरिमुखजुठरावन ❁ गोपबधूलागीसबगावन ॥ ❁
आगतबाजीबिबिधिबधाई ❁ शंखनिसानभेरसहनाई ॥
षटरसकेबिंजनहेजेते ❁ हरिकेअधरछुवायेतेते ॥ ❁ ॥

तनकअधरजलपौंछिसुहाये ❁ हरिकौं जसुमतिपैपङ्कंचाये ॥
हर्षवंतयुवतीसचुपाये ❁ लैलैमुखचुंबतिउरलाये ॥ ❁ ॥ ❁ ॥
विप्रनबोलिदक्षिणादीनी ❁ नानावस्तुनिछावरकीनी ॥ ❁ ॥
गोपनसंगमहरनंदराई ❁ बैठेपनवारेपरसाई ॥ ❁ ॥ ❁ ॥
अतिरुचिसबहिनभोजनकीनौ ❁ बीराबङ्करिसबनकौंदीनौ ॥
गोपबधूसबमहरिजिमाई ❁ दैकरिपानसुगंधसिंचाई ॥
इहिंबिधिसुखबिलसैंब्रजबासी ❁ निरखैंश्यामसुभगसुभरासी
सुरसिहांहिंललचाहिंमुनिलखिब्रजजनकेभाग ॥
धन्यधन्यकहिसुमनझरिकरहिंसहितअनुराग ❁ ॥
नितनवमंगलचारं नितनवलीलाश्यामकी ॥ ❁ ॥
कोकविबरनेपार शेषनपावैपारजिहिं ॥ ❁ ॥ ❁ ॥
नेतिनेतिजिनकौंश्रुतिगावैं ❁ तिनकौंब्रजजनगोदखिलावैं ॥
जोसुखनंदभवनकेमाहीं ❁ तीनलोकमहसोकङ्कंनाहीं ॥
नितनयेसुखजसुमतिपावै ❁ नयेनयेनितलाडलडावै ॥ ❁ ॥
नयनओटहरिकरतनकैसें ❁ जुगवतरहैफणिकमणिजैसें ॥
निंदतनिमषहोतपलओटा ❁ निरखतहीसुखपावतिढोटा ॥
तनककपोलअधरअरुनारे ❁ तनकतनककचघूंघरवारे ॥
कुटिलभ्रकुटिकीरेखसुहाई ❁ मसिबिंदुकालतापरसुखदाई
नयननासिकाभालविशाला ❁ कलबलबोलनिपरमरशाला ॥
अल्पदसनचिबुकदरग्रीवा ❁ तनघनश्याममृदुलछविसीवा ॥

मातनिरखिनैननिसुखपावै ❁ प्रेमविवसमतिगतिबिसरावै ॥
निरखिरूपजबमनअनुरागे ❁ कहतकहूंममदीठनलागे ॥
नबअंचरातरलेतछिपाई ❁ डारतिवारुवौंनअरुराई ॥ ❁ ॥ ❁ ॥

कबहुंझुलावतिपालनेकबहुंखिलावतिगोद ॥
कबहुंसुलावतिपलंगपरजसुदासहितबिनोद
नितप्रतिब्रजकीबाम आवैंजसुमतिकेसदन ॥
मुदितनिरखघनस्याम लैलैगोदखिलावहीं ॥

इहिबिधिबिहरतबालकन्हाई ❁ कछुदिनमेंसंतनसुखदाई
लागेचलनघुंटनिबनआंगन ❁ लगेमातसोंमाखनमागन ❁ ॥
खेलतमणिमयआंगनमांहीं ❁ देखरहतलखिनिजपरछांहीं
कबहुंकताकहिपकरनधावैं ❁ जानुपाणिविचरतछविपावैं ॥
कबहूंकिलकतात्मुखपेखें ❁ कबहूंहंसिजरनीतनदेखें ॥ ❁ ॥
कबहुंबुलायलेतनंदराई ❁ कबहुंजननितनआवतधाई ॥
कबहूंकिलकअनतउठिभाजै ❁ गिरतपनतघुटुवनछविछाजै
कबहुंकजातजहांबलभाई ❁ खेलतगोपबालसमुदाई ॥ ❁ ॥
कबहुंकहतकछुखंडितबाता ❁ सुनतहोतसुखपूरणगाता ॥
कहनचहतकछुप्रगटनआवै ❁ माखनमागतसैनबतावै ॥ ❁ ॥
मातसमुझमथनीतेंलेई ❁ कछुखवायकछुकरधरदेई ॥ ❁ ॥
खेलतखातकान्हमणिअंगना ❁ इतउतकरतघुटनिबनरिंगना
करचूरापगपैंजनीतनरंजितरजपीत ॥ ❁ ॥

[उरहरिनखकटिकिंकिणिमुखमंडितनवनीत ॥
होतचकितचितचाय बजतपैंजनीशब्दसुनि ॥
सुरमुनिरहतलुभाय बालदसाकेचरितलखि ॥
खेलतआंगनबालगोबिंदा ● लालमातउरकरतअनंदा ॥ ● ॥
चलतपाणिपदकीपरछांहीं ● प्रतिबिंबतमणिआंगनमांहीं ॥
मनऊंसुभगछबिसहितटपाई ● जलजभाजनलिसेतभुराई ॥
किधौंजानिपदकोमलतासन ● धरिधरिदेतकमलकेआसन ॥
निरखिसुभगशोभासुखदनियां ● लियेहृरषिसादरनंदकनियां
नीलेजलजतनसुंदरस्यामा ● सुभगअंगसबछबिकेधामा ॥
अरुणनरननखजोतिसुहाई ● कोमलकमलचरणसुखदाई
रुनिझुनिपैंजनिपायनबाजै ● मनखिजयंत्रसुनतसुरलाजै ॥
कटिकिंकिणीजटितरवकारी ● पीतझगुलियासुभगसँवारी ॥
करकमलनिचूराछबिछाजै ● रुचिरबाऊभूषणअतिराजै ॥
कठिलाहरिनखकंठसुहाये ● बिचबिचधदिकप्रवालपुहाये ॥
चारुचिबुकदुतिबरनिनजाई ● गोलकपोलपरमछबिछाई ॥
अरुणअधरमधिदसनदुतिप्रगटहँसनमेंहोति ॥
मानऊंसुंदरतासदनरूपरत्नकीजोति ॥ ● ॥
मधुरतोतरेबैन श्रवणसुखदमुनिमनहरन ॥
सुनतहोतचितचैन समझतकछूबनेनही ॥ ● ॥
नासासुभगकमलदललोचन ● भालविशालतिलकगोरोचन ॥

भ्रुकुटिनिकटमसिबिंदुकालग्यौ ❁ मनौअलिसावकसोयनजग्यौ
बालचौतनीसीससुहाई ❁ बिबिधिरंगमणिगनलटकाई ॥
बालदसाकेअचघुंघरारे ❁ छिटकिरहेकछुधूमघुमारे ॥ ❁ ॥
मंजुलतारनकीचपलाई ❁ बालदसाकीललितसुहाई ॥ ❁ ॥
चंद्बदनसुखसदनकन्हाई ❁ निरखिनंदआनंदअधिकाई
बदनचूमिउरसोंलपटायौ ❁ सोसुखकापैजाततबंटायौ ॥ ❁ ॥
ब्रजयुवतीसबचित्तवतठाढीं ❁ मनऊंचित्रपुतरीलिखकाढीं ॥
प्रेममगननंदसुवनंनिहारैं ❁ गृहकारजकीसुरतबिसारैं ॥
ब्रजयुवतीहरिसोंमनलावैं ❁ नंदसुवनसबकेमनभावैं ॥ ❁ ॥
ब्रजबासीप्रभुसबकेनायक ❁ प्रेमविवसजनकेसुखदायक ❁ ॥
बालचरितलखिसुरसुखपावैं ❁ योगदसासनकादिभुलावैं ॥
करतबाललीलालखितपरमपुनीतउदार ॥
सुंदरस्यामसुजानहरिसंतनकेआधार ॥
कापैबरन्यौजाय बालचरितनंदलालकौ ॥
कल्पनिसकहिनगाय शेषकोटिसारदसहस

अथनामकरणलीला ॥

इकदिनश्रीवसुदेवविज्ञानी ❁ पठयेबोलिगर्गमुनिज्ञानी ❁ ।
करिपूजाविधिवतबैठायौ ❁ युगपदकमलसीसतबनायौ ।
बहुरिकह्यौसुनियैऋषिराई ❁ जबतेंभयौकंसदुखदाई
तबतेंगोकुलनंदअवासा ❁ जायरोहिणीकियैनिवासा ॥ ❁

ताकेगर्भजन्मसुतलीनो ❀ कंसत्राससेंप्रगटनकीनो ॥ ❀ ॥
नामकरणताकौअबतांई ❀ भयोनाहिंतुमबिनागुसांई ❀ ॥
करिकैकृपातहांप्रभुजैये ❀ ताकोनामराखिकैऐये ॥ ❀ ॥ ❀ ॥
सुनवसुदेवबचनसुखपायो ❀ हर्षसहितमुनिगोकुलआयो
नंदरायऋषिआगमजान्यो ❀ अपनोबडोभाग्यकरिमान्यो ॥
चरणधोयचरणोदकलीनो ❀ अर्घासनअतिहितकरिदीनो
बडीकृपाकीन्हीऋषिराजू ❀ मोसमधन्यआननहिआजू ❀ ॥
अतिपुनीतभोलनबनवायो ❀ बिबिधिभांतिऋषिरांजिमायो ॥
बहुरिमहरऋषिरायसेंकह्योजोरिकरदोय ॥
किहिकारजप्रभुआगमनकह्योकृपाकरिसोय ॥
तबबोलेऋषिराज पठयोहैवसुदेवमोहि ❀ ॥
नामकरणकेकाज सुभगरोहिणीसुवनको ॥
सुनतनंदअतिभयेसुखारे ❀ लैआयेकनियांदोउबारे ❀ ॥
मुनिचरणनिमेलेदोउभाई ❀ दईअसीसमुदितऋषिराई ॥
हरिकीछबिअतिआनंदकारी ❀ देखिरहेमुनिपलकबिसारी
प्रथमनंदबलिहार्थदिखायो ❀ जन्मदिवसमुनिपाससुनायो ॥
देखिगर्गउठिकियोविचारा ❀ हैयहशिशुसब जगतअधारा ॥
अतिशुभलक्षणबलकोधामा ❀ धरयोनामतिनकोबलिरामा ॥
बहुरिनंदचरणनिसिरनायो ❀ कह्योकिऋषिममभागनिआयो
तुमसर्वज्ञअहोमुनिनाथा ❀ देखियेयबालककोहाथा ॥ ❀ ॥

मुनिबरदेखतचिन्हभुलान्यौ ● प्रेममगनसबतनपुलकान्यौ ॥
पुनिपुनिहरिकौबदननिहारी ● बोल्यौमुनिबरसुरतसंभारी
धन्यनंदधनमहरिजसोदा ● धनिधनिधन्यखिलावतगोदा ॥
सुनहुनंदमैंसत्यबखानौ ● इनकौंतुमसुतकरिमतमानौ ॥
रूपरेखजाकेनहीअलखअनादअनूप ● ॥
सोभक्तनिहितअवतस्यौनिजइच्छाअनरूप ॥
इनतैंबडोनकोय येकरतासबजगतके ● ॥
जोयेकरेंसुहोय तुमसोंहमसाचीकहैं ● ॥
इनकेनामअमितजगमांहीं ● तदपिकहौंमैंकछुतुमपांहीं ॥
इनकबहूंवसुदेवकेधामा ● लियैजन्मसुंदरबरस्यामा ● ॥
तातेंवासुदेवइकनामा ● सोसुमिरतनरपावहिंकामा ● ॥
कहिहैंहलबहुरिजगमाहीं ● जाकेसुमिरतपापनसाहीं ॥
अरुयेजैसेकर्मनिकरिहैं ● तैसेनामजगतविस्तरिहैं ॥ ● ॥
दुष्टदलनसंतनसुखदाता ● भूमिभारहरिहैंदोउभ्राता ॥
तुमकबहूंतपकरयहमागा ● तुमहिंखिलावैंअतिअनुरागा ॥
तातेंसुतकरितुमयेपाये ● मतजानौइनकौंनिजजाये ॥ ● ॥
येअतिसुखदाताब्रजकेरे ● करिहैंयेआनंदघनेरे ॥ ● ॥
सुनिऋषिमुखहरियशसुखरासी ● आनंदेसबब्रजकेबासी ॥
सुनतनंदजसुमतिसुखपायौ ● मुनिवरगर्गनिकौंसीसनवायौ
बहुतभेटलैआगेराखी ● अस्तुतिबहुतभांतिसौंभाखी ॥ ● ॥

मिटाभयेलहविराजतनंदभाग्यबडभाखि ॥
चलेमधुपुरीकोंहरविहरि मूरतिउररखि ॥
कह्यौहरविरहबिसराय सबवृतांतवसुदेवकों ॥
सुनतवनतसुखपाय हर्षविहिंपूजिकीन्हेविदा

जसुमतिसमरूगर्गकीबानी ॥ आपनिअतिबडभागनिजानी ॥
हरिकोंलैउरसोंलपटायौ ॥ प्रमुदितअस्तनपानकरायौ ॥
स्यामरामसुखनिरखतमोदा ॥ मातरोहिणीऔरजसोदा ॥
रवकिरवकिहरिबैठतगोदा ॥ भावतहरिकेबालबिनोदा ॥
हरिकोंगोदलियेदुलरावैं ॥ पुनिपुनितुतरेबोलबुलावैं ॥ ॥
कबहुंकगावतदैकरतारी ॥ कबहुंसिखावतचलनमुरारी ॥
ननकतनकभुजदैकउठावैं ॥ कमकमठाढेहोनसिखावैं ॥
पुनिगहिभुजपगद्वैकचलावैं ॥ लरखरातलखिमनसुखपावैं ॥
मनहीमनयेविधिहिमनावैं ॥ कबधौंअपनेपायनधावैं ॥ ॥
कबहुंकछोडदेतअंगनैया ॥ खेलतमुदिततहांदोउभैया ॥
गौरस्यामबलरामकन्हैया ॥ संगहिसंगफिरतदोउभैया ॥ ॥
जिमबछराकेपाछैगैया ॥ ब्रजबासीजनलेतबलैया ॥ ॥ ॥

धोलधूरिधूसरततनबालविभूषणअंग ॥ ॥
अंजनरंजितदृगचपलनिरखतलजतअनंग ॥
विहरतआनंदकंद मणिमयअंगननंदके ॥
यदुकुलकैरवचंद दहनदनुजकुलबनअनल ॥

कबहूं ठाढ़ि होंति गहि भैया ॥ कबहूं हूलत चलत कन्हैया ॥
कुलही चित्र विचित्र झगुलिया ॥ दमकि उठत द्वै ललित दंतुलिया
मुनिमनहरन मंजु मसि बिंदा ॥ सुखद चारु लोचन अरविंदा
कलरव बचन तोतरे बोलैं ॥ गहि मणि खंभ डगत डग डोलैं ॥ ॥
निरखत कनक रुकातन प्रतिबिंबै ॥ देत परम सुख पितु अरु अंबै ॥
मथित जबहिं दधि नंद कीरानी ॥ होत खरे तहं टेक मथानी ॥ ॥
मातन कदधि देत खवाई ॥ लेत प्रीति सों सो मुख नाई ॥ ॥
क्षीर समुद्र जासु रजधानी ॥ तन कदही सोंतिन रुचि मानी ॥
तनक सौ बदन तनक सी दंतिया ॥ तनक से अधर तनक सी बतिया
तनक बदन दधि तनक कपोलनि ॥ तनक हंसन मनहरन अमोलनि
तनक तनक कर तनक मांखन ॥ तनक अंगुरिया तनक चाखन ॥
तनक तनक भुज वरयासु हाए ॥ तनक सरूप मनोज लजाए ॥
तनक विलोक निजासु कीसकल भुवन विस्तार ॥
तनक सुनेयश होत है तनक सिंधु संसार ॥ ॥
तनक रहत नहिं पाप तनक नाम जाकौ लिये ॥
मिटत सकल भव पाप तनक कृपा जापर हिं करहिं

॥ अथ बरसगांठ लीला ॥

बरसगांठ लालन की आई ॥ द्विषट मास के भये कन्हाई ॥ ॥
फूली फिर तिज सो मति माई ॥ घर घर तें सब बधू बुलाई ॥
प्रमुदित मंगल गान करायौ ॥ आनंद उमगे तूर बजायौ ॥ ॥

अंगनसकलसुगंधलिपायौ ॥ रचिरचिमोतिनचौकपुरायौ ॥
फूलेफिरतनंदसुखभारी ॥ लियेगोपगनसकलहंकारी ॥
द्वारनवंदनवारबंधाये ॥ ध्वजपताकरचिबिबिधिबनाये ॥
पानफूलफलडाररशाला ॥ हरदद्रूबदधिअक्षतमाला ॥ ॥
मंगलद्रव्यसकलमंगलाई ॥ बहुरूनेबारबहुभांतिलिखाई ॥ ॥
जसुमतिकान्हउबटअन्हवाये ॥ अंगपौंछिभूषणपहिराये ॥
टोपीजरकसिपीतझंगुलिया ॥ दमकतहै दैचारदंतुलिया ॥
कठलाकंठबघनखानीकौ ॥ कियेभालकेसरकौटीकौ ॥ ॥
लटकतललितललादलटूरी ॥ बरनिनजायबदनछबिरूरी ॥
नयनअंजनभ्रुकुटीनिकटकियौमातमसिबिंद ॥
करसिंगारहरिमुखनिरखिचूम्यौमुखअरबिंद ॥
लियेगोदसुखकंद नंदबोलिजसुमतिकह्यौ ॥
बोलहुभूसुरबुंद बरधरीआवतचली ॥ ॥
काहेकौअबबाहरलगावत ॥ विप्रबेगकाहेनबुलावत ॥ ॥
नंदक्षिप्रबरबिप्रबुलाये ॥ पदपखारिआसनबैठाये ॥ ॥
लैउछंगलालननंदराई ॥ बैठेहरषिचौकपरजाई ॥ ॥
बेदमंत्रबिधिसहितपढावत ॥ बरसगांठिसुखसहितजुरावत ॥
ब्रजनारीसबबनबनआवैं ॥ मंगलतिलकआसकौंल्यावैं ॥ ॥
गावैंमंगलकोकिलबैनी ॥ हरिदरसनप्यासीमृगनैनी ॥ ॥
तिलकसबनिमोहनकौदीनौ ॥ देखिदेखिमुखअतिसुखलीनौ

बिप्रनिबहुतदक्षिणापाई ❁ बांटीसबकौंपानमिठाई ॥ ❁ ॥
धनमाणिचीरनिछावरकीने ❁ बारिबारिनेगिनकौंदीने ❁ ॥
तबसारीपचरंगमगाई ❁ हरषितमहरिबधुनिपहिराई ॥
देतअसीससकलअतिमोदा ❁ लेतिजसोमतिभरिभरिगोदा ॥
नितनवगोकुलहोतिबधाई ❁ सदास्यामजनकेसुखदाई ॥

धन्यजसोमतिधन्यनंदधनधनबालबिनोद ॥
धन्यसुमनजिनजननकेरहतसुयारसमोद ॥
धनधनब्रजकोबाल कांहकांहसुरबरषहिंसुमन ॥
धन्यधन्यनंदलाल दैत्यदलनसज्जनसुखद ॥ ❁ ॥

कान्हचलतपगद्वैद्वैधरनी ❁ होतिमुदितलखिनंदकीघरनी
करतिकुतीअभिलाषाजोई ❁ निरखतअपनेनैननिसोई ॥
रुनकझुनकनूपुरपगबाजै ❁ डगमगातडोलतछबिछाजै ❁ ॥
बैठिजातपुनिउठततुरतहीं ❁ देहरिलौंचलिजातफुरतहीं ॥
धामअवधरखतअटकाई ❁ गिरिगिरिपरतनाघिनहिंजाई
कोनीतीनपैडजिनबसुधा ❁ देहरितांहिनघावतिजसुधा ॥
पकरिपाणिकमकमउनरावै ❁ लखिसुरमुनिमनविस्मयआवै
कोटिब्रह्मांडरचैपलमाही ❁ पलमेंबहुरिमिटावैताही ॥
ताहिखिलावतिजसुमतिग्वारी ❁ नानाबिधिसुखकरिकरिभारी
कबहूंदैकरतारिनचावै ❁ कबहूंमधुरमधुरसुरगावै ॥ ❁ ॥
देखिस्यामजननीकीनाई ❁ आपनगावततारबजाई ॥ ❁ ॥

सगनूपुरकटिकिंकिणिकूजै ● लखिहुविमनअभिलाषापूजै ॥

शोभितकठुलाकंठकलउरहरिनखछविरास ॥

मनहुंस्यामघनमेंकिधौनवशशिविमलप्रकाश ॥

जननिकहतबलजाउं नचहुलेउनवनीतसद ॥

धरतरुनकरुनपाउं त्रिभुवनपतिनवनीतहित ॥

बोलनिलगेस्यामकलबानी ● कछुकृतोतरीकछुकसयानी ॥

नंदहिनातजसोदहिमैया ● बलिसोंदाऊकहतकन्हैया ॥

प्रातहिउठिमागतदोउमैया ● माखनरोटीदेयरिमैया ॥

अंचरागहेनमाननबाता ● अतिआतुरदुनकतदोउभ्राता ॥

सुनिसुनिमधुरवचनसुखपावै ● तातेंजननीगहरुलगावै ॥

जननिमध्यसनमुखशंकर्षन ● पाछेठाढेसुभगस्यामतन ॥

मनोसरस्वतीसंगयुगपक्षी ● राजहंसअरुमोरविचक्षी ॥ ● ॥

कवरीगहीस्यामखिजलाई ● मुक्तामागगहेबलिभाई ॥ ● ॥

मनहुंदुहननिजनिजभखलीनो ● जननीसोंझगरोयहुकीनो ॥

नंददेखिहंसहंसगयेलोटी ● जसुमतिमुदितकर्मकीमोटी ॥

कतहोआरिकरतगहिचोटी ● यहैबातमोहुनतेरीखोटी ॥

जोचाहोसोलेउहुमैया ● करउकलेउमैंबलमैया ॥ ● ॥

दियोकलेउमातउठिमाखनरोटीहाथ ● ॥

खातखवावतबालकनसकलविश्वकेनाथ ● ॥

जिहिध्यावेंयोगीश सनकसनंदनआदिमुनि

कौतुकनिधिजगदीश करतचरितसंतनसुखद ॥

॥ अथब्राह्मणलीला ॥

चलतलालपैंजनिकेचायन ● पुनिपुनिहरिषेंलखिलखिपायन
विविधिग्वालबालनसंगलीने ● जगमगातडोलतरंगभीने ॥
कबहूंदौरिद्वारलौंजाहीं ● कबहूंभजिआवैंघरमाहीं ॥ ● ॥
ब्राह्मणएकनंदकेआयौ ● महाभाग्यहरिभक्तसुहायौ ॥
गोपनकौंसोपूज्यकहायौ ● पुत्रजन्मसुनिकेउठिधायौ ॥ ● ॥
जसुमतिदेखिअनंदबढायौ ● आदरकरिभीतरबैठायौ ॥
पायधोयजलसीसचढायौ ● पाककरनकौंभवनलिपायौ ॥
अहोविप्रविनतीसुनिलीजै ● जोभावैसोभोजनकीजै ॥ ● ॥
धेनुदुहायदूधलैआई ● पांडेरुचिकरिखीरबनाई ॥ ● ॥
घृतमिष्टानक्षीरमिश्रितकर ● कछभोगहितथारपरसधर ॥
वेदमंत्रपढिकैहरिध्यायौ ● नैनमूंदकैध्यानलगायौ ॥ ● ॥
नैनउघारिविप्रजोदेखौ ● स्यामहिंआगेजैंवतपेखौ ॥ ● ॥

अहोजसोदाआपनेसुतकृतदेखौआय ॥
सिद्धपाकसबआयकैडारयौकान्हजुठाय ॥
महरिजोरियुगपान विनयकरीद्विजराजसन ॥
बालकअतिअज्ञान बहुरिपाकविधिकीजियै ॥

बहुरिदूधमिष्टान्नमगायौ ● ब्राह्मणजोफिरपाकबनायौ ॥
जबहीध्यानधरयौमनलाई ● तबहीलागेखानकन्हाई ॥ ● ॥

ऐसहिंबिप्रनजैंवनपावै ॥ बारबारहरिक्षैछैआवै ॥ ॥ ॥
तबजसुमतिहरिसोंरिसयाई ॥ कतहिअचकरीकरतकन्हाई
मैंइच्छाकरिविप्रजिमाऊं ॥ बारबारभोजनबनवाऊं ॥ ॥ ॥
यह्रअपनेठाकुरहिंजिमावै ॥ ताकौंतूगोपालखिजावै ॥ ॥ ॥
मैयामोहिजिनदोषलगावै ॥ बारबारयह्मोहिबुलावै ॥ ॥ ॥
नैनमूंदकरजोरिमनावै ॥ बहुतिभांतिकरिविनयसुनावै ॥
लैलैनामकहतप्रभुऐयै ॥ खीरखांडयहभोगलगैयै ॥ ॥ ॥ ॥
तबमैंरहिनसकौंउठिधाऊं ॥ याकौदीनोभोजनपाऊं ॥
प्रेमसहितजबमोहिबुलावै ॥ तबनहिंरहनमोहिबनिआवै ॥
सुनतगूढमृदुहरिकेबैना ॥ खुलगयेविप्रहृदयकेनैना ॥
॥ ॥ धनिधनिगोकुलनंदधनिधन्यजसोदामाय ॥
॥ धनिब्रजबासीधन्यब्रजजहंप्रगटेहरिआय ॥
॥ सुफलजन्मप्रभुआज प्रगटभयोसबसुकृतिफल ॥
॥ दीनबंधुब्रजराज दियोदरसमोहिंकृपाकरि ॥ ॥ ॥
बारबारकहितंदकेआगन ॥ लोटतद्विजआनंदमगनमन ॥
मैंअपराधकियैबिनजाने ॥ कोजानेकिहिभेषसमाने ॥ ॥ ॥
भक्तहेतबसरहतसदाई ॥ यहैनाथतुम्हरीबडियाई ॥ ॥ ॥
जेजेशरणतुम्हारीआये ॥ तेतेभयेपुनीतिसुहाये ॥ ॥ ॥ ॥
पतितउधारनयशविस्तारा ॥ अघजारनइकनामतुम्हारा ॥
दृढधरतगोद्विजहितलागी ॥ पायेदरसभयोबडभागी ॥ ॥ ॥

हितकीचितकीमाननिहारे ❁ सबकोजियकीजाननिहारे ॥
शरणिशरणिप्रभुशरणितुम्हारी ❁ दीनदयालकृपालमुरारी ॥
हंसतस्यामजसुमतिढिगठाढे ❁ प्रेममगनमनआनंदबाढे ॥
निजजनजानिकृपाअतिकीन्ही ❁ प्रेमभक्तिहरितांकोंदीन्ही
प्रेममगनद्विजबारहिबार ❁ कहिजैजैजैनंदकुमार ॥ ❁ ॥
पुनिपुनिपुलकतदेतअसीसा ❁ बिदाभयोघरकोंद्विजईसा ॥

देखिचरितजसुमतिचकितपरीविप्रकेपाय॥
दयेरत्नबहुदक्षिणाचलेहरषिद्विजराय ॥
जसुमतिलियेउठाय गोदखिलावतकान्हकों ॥
चितैबदनबलिजाय आनंदनिधिसुखकोसदन

॥ अथचंद्रप्रस्तावलीला ॥

शोभामेरेहरिपैसोहै ❁ मैंबलिबलिपटतरकोकोहै ॥ ❁ ॥
मेरेस्याममनोहरजीवन ❁ विहसिस्यामलागेपैपीवन ॥ ❁ ॥
ठाढीअजिरजसोदारानी ❁ गोदीलियेस्यामसुखदानी ॥
उदैभयोशशिसरदसुहावन ❁ लगीतातकोंमातदिखावन ॥
देखहुस्यामचंदयहआवत ❁ अतिशीतलदृगतापनसावत॥
चितैरहेहरिइकटकताही ❁ करतेंनिकटबुलावतवाही ॥
मैयाबहुमीठोकेखारो ❁ देखतलगतमोहिअतिप्यारो ॥ ❁ ॥
देहिमगायनिकटमैंलैहों ❁ लागीभूखचंदमैंखैहों ॥ ❁ ॥
देहिबेगमैंबहुतभुखानो ❁ मागतहीमागतविरुझानो ॥ ❁ ॥

जसुमतिहंसतिकरतिपछतायौ ❀ कान्हैकौंमैंचंददिखायौ ॥
सेवतहैहरिबिनहीजानै ❀ अबधौंकैसैंकरिकैमानै ॥ ❀ ॥
बिबिधिभांतिकरिहरिहिभुलावै ❀ आनबतावैआनदिखावै ॥
कहतिजसोदाकौंनबिधिसमझाऊं अबकान्ह ॥
भूलिदिखायौचंदमैंताहिकहतहरिखान ॥
अनहोनीक्योंहोय तातसुनीयहबातकऊं ॥
याहिखाननहिकोय चंदखिलौनाजगतकौ ॥
यहहैदेतनितमाखनमोकौं ❀ छ्याछ्यनातदेतसोतोकौं ॥ ❀ ॥
जोतुमस्यामचंदकौंखैहौ ❀ बहुरौंफिरमाखनकहांपैहौ ❀ ॥
देखतरहौखिलौनाचंदा ❀ अरिनहिंकीजैबालगोबिंदा ॥
मधुमेवापकवानमिठाई ❀ जोभावैसोलेहुकन्हाई ॥ ❀ ❀ ॥
यालागैंहठअधिकनकीजै ❀ मैंबारिबारि सहीरिसतनछीजै ॥
खसिखसिकान्हपरतकनियांतैं ❀ देशशिकहतनंदरनियांतैं ॥
जसुमतिकहतिकहाधौंकीजै ❀ मांगतचंदकहांतैंदीजै ❀ ॥
तबजसुमतिइकजलपुटलीनौ ❀ करमैंलैतेहिऊंचौकीनौ ॥
ऐसैंकहिस्यामहिबहकावै ❀ आवचंदतोहिलालबुलावै ❀ ॥
याहीमैंतूतनधरिआवै ❀ तोहिदेखिलालनसुखपावै ॥ ❀ ॥
हाथलियेंतोहिखेलतरहिहै ❀ नेकनहींधरणीपरधरिहै ॥
जलपुटआनिधरणिपरराख्यौ ❀ गहिआन्यौशशिजननीभाख्यौ
लेहिलालयहचंदमैंलीनौनिकटबुलाय ॥

रोवैइतनेकेलियेतेरीस्यामबलाय ॥
देखछस्यामनिहारि याभाजनमेंनिकटशशि ॥
करीइतीतुमआरि जाकारणसुंदरसुवन ॥
ताहिदेखिमुसिक्यायमनोहर ● बारबारडारतदोऊकर ॥
अंदापकरतजलकेमाहीं ● आवतककूहाथमेंनाहीं ॥ ● ॥
तबजलपुटकेनीचेदेखैं ● तहांचंदप्रतिबिंबनपेखैं ॥ ● ● ॥
देखतहंसीसकलब्रजनारी ● मगनबालछविलखिमहितारी ॥
तबहिस्यामकछुहंसिमुसिकाने ● बहुरौंमातासोंबिरुझाने ● ॥
लैहौंगोरीमाचंदालैहौंगो ● बाहिरअपनेहाथगहैंगो ॥ ● ॥
यहतौकलमलातजलमाहीं ● मेरेकरमेंआवतनाहीं ॥ ● ॥
बाहिरनिकटदेखियतबाही ● कहैतौमैंगहिस्यावोंताही ॥
कहतिजसोमतिसुनउकन्हाई ● तुवमुखलखिसकुचतउडराई
तुमतेसिंपकरनचहतगुपाला ● तातेंशशिभजिगयोपताला ॥
अबतुमतेंशशिडरपतभारी ● कहतअहोहरिशरणतुम्हारी
बिरुझानेसोयेदैतारी ● लियेलगायछतियामहितारी ॥ ● ॥
लैपौढायेसेजपर हरुवैजसुमतिमाय ॥ ● ● ॥
अतिबिरुझानेआजहरि यहकहिकहिपछिताय ॥
करसोंठोकिसुवाय मधुरेसुरगावतकछुक ॥
उठिबैठेअतुराय चटपटायहरिचौंकिकै ● ॥

॥ अथपुरातनकथालीला ॥

पौढैंलालकहतमहितारी ❁ कहैंकथाइकश्रवणनिप्यारी ॥
ह्वैयहसुनिमनबनवारी ❁ पौढिगयेहँसिदेतहुंकारी ❁ ॥
नगरएकरवणीकसुहावन ❁ नामअवधिअतिसुंदरपावन
बडेमहलतहांअगमअटारी ❁ सुंदरविशदचारुगचढारी ॥
बहुतगलीपुरबीचसुहाई ❁ रहैसदासबसुगंधसिंचाई ॥
भांतिभांतिबहुहाटबजारू ❁ अतिसुंदरजनौविश्वसिंगारू ॥
तहांनृपतिदशरथरजधानी ❁ तिनकेनारितीनपटरानी ॥
कौशल्याकेकईसुमित्रा ❁ तिनजन्मेसुतचारपवित्रा ॥ ❁ ॥
रामभरतलक्षमणरिपुहंता ❁ चारौंअतिसुंदरगुणवंता ❁ ॥
तिनमेंएकरामब्रतधारी ❁ अतिसुंदरजनकोहितकारी ❁ ॥
विश्वामित्रएकऋषिराई ❁ तिनहिंसंतावैंनिशचरआई ❁ ॥
तिननृपसोंद्वैसुतलियेमागी ❁ अपनीरक्षाकेहितलागी ❁ ॥
रामलषनऋषिलैगयेदनुजहतेतिनजाय ❁ ॥
ऋषिदीनीविद्याबहुततिनकौंअतिसुखपाय ॥
तहांजनकइकभूप धनुषयज्ञतानेरच्यो ॥
कन्यातासुअनूप जुरेतहांभूपतिअमित ॥
ऋषिलैगयेकुंवरतहांदोऊ ❁ जनकरायसनमानेसोऊ ॥
धनुषतोरिभूपनमुखमारी ❁ रामविवाहीजनककुमारी ॥
चारहुकुंवरव्याहतहांआये ❁ भयेअवधिपुरअनंदबधाये ॥
रामहिदैनलगेनृपराजू ❁ सज्यौसकलअभिषेकसमाजू ❁ ॥

ताहीसमयकेकईरानी ❁ चेरीकीमतिसौंबौरानी ॥ ❁ ❁ ❁ ॥
बचनमागिराजासौंलीनौ ❁ बनकौबासरामकौंदीनौ ॥ ❁ ❁ ॥
सुनिपितुबचनधर्महितधारी ❁ नारीसहितभयेबनचारी ❁ ॥
तिन्हैंचलतभ्रातासंगलाग्यौ ❁ उनकेजातपितातनत्याग्यौ ❁ ॥
चित्रकूटगएभरतमिलजब ❁ दैपदपावरीकृपाकरीतब ॥
युवतीहेतुकपटमृगमारा ❁ राजिवलोचनरामउदारा ॥ ❁ ॥ ॥
रावणहरजानकियौतबनारी ❁ सुनतस्यामघननींदविसारी ॥
चौंकिकह्यौलक्षमणधनुदेहू ❁ देखभयौजसुदहिसंदेहू ॥
संदेहजननीमनभयौहरिचौंकिधौंकाहेपस्यौ ॥
कछुडीठखेलनमैंलगीधौंस्वप्नमैंकान्हरडस्यौ ॥
बहुभांतिदेवमनायपढिपढिमंत्रदोषनिवारई ॥
लैपियतिपानीवारिपुनिपुनिराईलोनउतारई ॥
सांझहितेंविसरायहरिकरीचंदहितआरि ॥
रिझकछ्योधौंताहितेंरह्योसुरतउरधारि
बडभागिनिनंदनारि महिमावेदनकहिसकै
हरिकौबदननिहारि विसरावतित्रयतापदुख

॥ अथकर्णछेदनलीला ॥

प्रातनंदउठिहरिपहआये ❁ मुखअरबिंदेखनकौंअतुराये ॥
निशिकेद्वंदनैनअतिआरत ❁ हरखैंकरिमुखतैंपटटारत ॥ ॥
स्वच्छसेजतेंबदनप्रकास्यौ ❁ द्वंदतिमिरनयननिकौनास्यौ ॥

मनहुँमथनपैनिधिउडराई ❀ फेणफोरिकैदई दिखाई ॥
धायेब्रजजनचतुरचकोरा ❀ इकटकरहेबदनशशिओरा ❀ ॥
फूलीकुमदनिसीमहितारी ❀ कहतउठहुसुतमैंबलिहारी ॥
माखनरोटीअरुमधुमेवा ❀ जोभावैसोकरहुकलेवा ॥ ❀ ॥ ॥
सदमाखनमिसरीतबआनी ❀ कछुखवायधोयेमुखपानी ॥
देखिबदनछविमहरिसिहानी ❀ कहतिनंदसौंजसुमतिरानी
कनछेदनअबहरिकौकीजै ❀ कुंडलसहितदेखिमुखजीजै ॥
बोलिविप्रशुभदिवसगनायौ ❀ ज्ञातिकुटुंबसबन्यौतबुलायौ ॥
कुलव्यवहारकियेसबसाजा ❀ विविधिभांतिबहुबाजनबाजा
बाजीबधाईविविधिआंगननारिमंगलगावहीं ॥ ॥
सुरनिरखिअतिहर्षिसुमननिवर्षिगोकुलछावहीं ॥
करिप्रथममुंडनस्यामकौपुनिकर्णबेधनबिधिलई ॥
धरिकैसुप्यारीपानऊपरबहुरिगुरभेलीदई ॥ ॥
हंसतसुरगणसहितबिधिहरमातउरअतिधुकधुकी
अतिहिकोमलश्रवणबेधतसकतनहिंसनमुखतकी ॥
भरिसींकरोचनदेतश्रवणनिनिकटकरिअतिचातुरी
द्वैदुरमगायेकनककेकहुकहौछेदनआतुरी ॥ ❀ ॥
देखिरोवतजननिलीन्हेंबिहसितबहीफुकिअली ॥
हंसतनंदसबयुवतिगावतरूमकिभीतरलैचली ❀ ॥
कहतिसुरबनितापरस्परधन्यधनिब्रजभामिनी ॥

नहिंनइनकीकिंकरीसमहमसकलसुरकामिनी ॥
करतिनिछावरव्रजबधूधनिमणिभूषणचीर ॥
सकलअसीसतनंदसुतजहांतहांजाचकभीर ॥
पहिरावतनंदराय व्रजयुवतिनभूषणबसन ॥ ❁ ॥
आनंदउरनसमाय मनहुंउमगचहुंदिसचल्यौ
नितहीनवमुदमंगलताके ❁ मंगलमूरतिहरिसुतजाके ॥
जिहिंबिधितातमातसुखपावैं ❁ सुखनिधानसोइचरितउपावैं
जाकैभेदवेदनहिंपावैं ❁ नंदभवनसोकानछिदावैं ॥ ❁ ॥
निजभक्तनहितनरतनधारी ❁ करतबाललीलासुखकारी ॥
हरिअपनेरंगनिकछुगावैं ❁ नंदभवनभूषणमनभावैं ॥ ❁ ॥
तनकतनकचरणनिसोंनाचैं ❁ मनमनरीझिविविधिबिधिराचैं
मंदमंदपगनूपुरबाजैं ❁ बालविभूषणअंगविराजैं ॥ ❁ ॥ ❁ ॥
कबहुंभुजउठायगुहरावैं ❁ धौरीधूमरिगायबुलावैं ॥ ❁ ॥
कबहुंमाखनलैमुखनावैं ❁ कबहुंखंभप्रतिबिंबखवावैं ॥ ❁ ॥
माखनमांगदुहूंकरलेई ❁ एकभागप्रतिबिंबहिदेई ॥ ❁ ॥
तासोंकहतलेतक्यौंनाहीं ❁ डारिदेतकाहेमहिमाहीं ॥ ❁ ॥
दुरदेखतजसुमतिमहतारी ❁ उरआनंदकरतिअतिभारी ॥
हरषिजननिमुखचूंमिकैलीनैगोदउठाय ॥
परमानंदरसमगनमनसोसुखकिमिकहिजाय
कौतुकनिधिभगवान करतचरितनितनितनये ॥

सुंदरस्यामसुजान ब्रजबासिनकेप्रेमबस ॥

॥ अथमाटीखानलीला ॥

खेलतस्यामधामकेद्वारे ● सोहतब्रजनरिकासंगबारे ॥ ● ॥
अतिअज्ञानसबनिमतिभोरी ● सबकीप्रीतिस्यामसंगजोरी ॥
एकबैससबपरमसुहाये ● करतबाललीलासचुपाये ॥ ● ॥
गावतहंसतदेतकिलकारी ● लखिलखिसुखपावतमहनारी ॥
निरखिरूपसबब्रजजनमोहैं ● कोटिकामनहिंपटतरसोहैं ॥
तनपुलकितअतिगदगदबानी ● निरखिमनहिंमनमहरिसिहानी
तबहिंस्यामघनमांटीखाई ● जसुमतिदेखिसांटलैधाई ॥
पकरीभुजास्यामकीजाई ● कहतिकहायहकरतकन्हाई ॥
छगलकुबेगबदनतेंमांटी ● नाहींतौमारतिहौंसांटी ● ॥
सबदिनकुठवतहेसबग्वालन ● मोसांअबकहाकहिहौलालन
तबमोहनठानीलंगराई ● कहतकिमैंमांटीनहिंखाई ॥ ● ॥
झूठहिमोकौलोगलगावै ● माटीमोकौनैकनभावै ॥ ● ॥ ● ॥

झूठकहततोसोंसबैमांटीमोहिनसुहाय ॥ ॥
नहिमानेजोमाततूदिखराऊंमुहबाय ॥ ● ॥
दीनौबदनउघारि नयनमूंदिमातानिकट ॥
देखिचकिततनंदनारि तनकीसुरतरहीनही

दिखरायौत्रिभुवनमुखमाहीं ● नभशशिरवितारइकठाहीं ॥
सरसागरसरितागिरिकानन ● सुरअसुरनायकशिवचतुरानन

सकललोकलोकयमकाला ❁ महिमंडलसबअगजगजाला ॥
देखिचरितजसुमतिअकुलानी❁करतेंसांटिगिरतिनहिजानी
बदनमूंदतबहरिहगखोले ❁ डरसमेतमातासेंबोले ❁ ॥
मैयामैंमाटीनहिंखाई ❁ जसुमतिचकितरहीअरगाई ॥
कहतिनंदसेंजसुदारानी ❁ हरिकीकथानजातिबखानी ॥
माटीकेमिसकरिमुखबायो ❁ तीनलोकतामाहिंदिखायो ॥
स्वर्गपतालधरणिबनबागा ❁ सुरनरअसुरविपुलखगनागा
अपरसृष्टिकहिजातसुनाहीं ❁ देखीसकलबदनकेमाहीं
मोकोंपरतसांचसबजानी ❁ जोकछुकहीगर्गमुखबानी ❁ ॥
चकितनंदसुनिअचरजबानी ❁ मनमनकरतबिचारबिनानी
नंदकहतसुनिबावरीहरिअतिकोमलगात ॥
लैसांटीधावतबृथापुनिपाछैंपछतात ॥ ❁ ❁ ॥
अचरजतेरीबात कोजानेदेखोकहा ॥ ❁ ॥
कुशलरहैदोउभ्रात रामस्यामखेलतहंसत ॥
कहतिस्यामसेंजसुमतिमैया ❁ मैंतेरीबलिहारिकन्हैया ॥
मैंअजानरिसबाचनजानी ❁ बृथास्यामतुमकोंरिसियानी ॥
अरउहार्थाजिनसांटिउठाई❁बरउआंखिजिनदीठदिखाई
मधुमेवादधिमाखनछांटी ❁ खातलालतुमकाहेमांटी ॥ ❁ ॥
सिगरैइदूधपियौतुमन्यारे ❁ बलकोंबांटिनदेउपियारे ॥
कहतनंदसेंजसुमतिमैया ❁ दुहौलालकीनाटीगैया ॥ ❁ ॥

कजरीकौपैपियैगुपाला ● जोतेरीचोटीबढ़हिबिशाला ॥
सबलरकनिमैंतोतनमाहीं ● बेगबैसबलश्री अधिकाहीं ॥ ॥
मातबचनसुनिकै अनुरागे ● ज्यौंत्यौंकरिपयपीवनलागे ॥
खिनपीवलखिनखिनकचटोवै ● देखिदेखिमुखहंसतिजसोवै
मैयाकबबाढ़ैगीचोटी ● यहतौहै अबहीलौंछोटी ॥ ● ॥ ● ॥
तूजुकहतिहीबलिलौं ह्वैहै ● छोडतगुहतगोडलौंजैहै ॥ ● ॥
कितीबारभई पैपियतचोटीबडीनहोहि ● ॥
कहिकहिझूठीबातनितदूधपियावतिमोहि ॥
सुनिसुनिभोरीबात सुंदरश्यामसुजानकी ॥
जसुमतिमननघात हंसिलीनेउरलायहरि ॥

॥ अथसालिग्रामलीला ॥

भोरहिंमहरयमुनतटधाये ● दरसनकरिअतिहींसुखपाये ॥
करिअस्नाननंदघरआये ● पूजाहितयमुनाजललाये ॥ ॥
तुलसीदलअरुकमलपुनीता ● प्रभुनिमित्तआनेअतिप्रीता ॥
पायधोयप्रभुमंदिरआये ● करीदंडवतप्रेमबढाये ॥ ● ॥ ● ॥
अस्थललीपपात्रसबधोये ● पूजाकेसबसाजसंजोये ॥ ● ॥ ॥
छापतिलकसबअंगसंवारे ● प्रभुपूजाबिधिकरनसंभारे ॥ ● ॥
कुंवरकान्हखेलततेंआये ● देखतपूजाबिधिचितलाये ॥ ● ॥
बिधिवतदेवनंदअन्हिवाये ● चंदनतुलसीफूलचढाये ॥ ● ॥
पटअंतरदैभोगलगायौ ● आरतिकरिचरणनिसिरनायौ ॥

तबहीस्यामबिहँसिउठिबोले ❁ कहततातसौंबचनअमोले ॥
बाबातुमजोभोगलगायौ ❁ सोतौदेवकछूनहिंखायौ ॥ ❁ ❁ ॥
सुनिहरिबचनश्रवणसुखदाई ❁ चितैरहेमुखहँसिनंदराई
कहतनंदसुखपायकैयौंनहिंकहियेतात ॥
देवनकौंकरजोरियैकुशलरहैजिहिंगात ॥
हँसतस्यामसुखदानि नंदसरूपनजानही ॥
रह्यौतिनहिंसुतमानि करतब्रह्मबीलासगुण
देखिजननीतहाँदुरिठाढी ❁ मगनप्रेमरसआनंदबाढी ॥
बैठेनंदसमाधिलगाई ❁ तबयहलीलारचीकन्हाई ॥ ❁ ॥
सालिग्रामभेलमुखमाहीं ❁ बैठिरहेहरिबोलतनाहीं ॥ ❁ ॥
ध्यानविसर्जनकरिनंदजागे ❁ सालिग्रामनदेखेआगे ॥ ❁ ॥
खोजतचकितचितनंदराई ❁ इष्टदेवकिनलियेचुराई ॥ ❁ ॥
इतउतखोजतपावतनाहीं ❁ भयौबडौअचरजमनमाहीं ॥
बिहसतहरिकेमुखमेंजाने ❁ देखतमहरिमहरमुसकाने ॥
सुनऊतातजननीबलजाई ❁ उगलऊसालिग्रामकन्हाई ॥
मुखतेंतबहिंकाढिब्रजनाथा ❁ दियैदेवतानंदकेहाथा ॥ ❁ ॥
हरिकेचरितकहतनहिंआवैं ❁ बालबिनोदमोदउपजावैं ॥
लखिलखिमातपितापुलकाहीं ❁ देखिदेखिसुरसिद्धभुलाहीं
धन्यधन्यसबब्रजकेबासी ❁ बिहरतजहाँब्रह्मअविनासी ॥
पूरतेंपरपरब्रह्मजोनिर्गुणअलखअनूप ॥

सोव्रजभक्तनिप्रेमबसविहरतबालकरूप ॥
प्रेममगनपितुमात निशिदिनजातनजानहीं ॥
क्योंहूंमननअघात सुनतबचनदेखतदरस ॥

॥ अथन्हवावनकीलीला ॥

जसुमतिस्यामहिंकह्योन्हवावन॥सुनतहिंमचलपरेमनभावन
उबटनलैआगैगहिबांहीं ॥ लोटिगयेहरिमानतनांहीं ॥
तबजसुमतिबहुभांतिदुलारे॥मैंबलिछठकन्हाकुंजिनप्यारे
उबटनपाछेंधरेचुराई ॥ फुसलावतिसुतस्यामकन्हाई ॥ ॥
मैंबलिऐसीआरिनकीजै ॥ जोइचाहौसोइमोपैलीजै ॥ ॥
करतहिलालरोवैदुखपावै ॥ ऐसौकोजोतोहिखिझावै ॥ ॥
अतिरिसतेंमैंबलितनछीजै ॥ सुंदरकोमलअंगपसीजै ॥ ॥
बरजतहीबरजतबिरुझाने ॥ करिकरिक्रोधमनहिंअकुलाने
धरतधरतधरणीपरलोटैं ॥ गहिमाताकेचीरनिफोटैं ॥ ॥
गहिगहिअंगकेभूषणतोरैं ॥ दधिमाखनकेभाजनफोरैं ॥ ॥
धरतौतपतजलजननीपासैं ॥ मानतनाहिंताहिलखित्रासैं ॥
महरिबांहधरिकैतबआने ॥ जबहीतेंउबटनेसाने ॥ ॥
तबदुचतीकरिमातकौंगिरतपरतगरुभाज ॥
नेकनिकटलागेंनहींमनमोहनब्रजराज ॥ ॥
तबचुचकारेमात सामभेदकहिकहिबचन ॥
मैंबलिआवहुतात नहिंआवहुतौजानिहौ ॥

तुमसेरीरिसकौंहरिजानौ मोकौंनीकीबिधिपहिचानौ ॥ ❁ ॥
औनहिंआवऊमदनगोपाला ❁ आजतुम्हेंतौबांधौंलाला ॥
तबहिनंदऊतनेंचलिआये ❁ कहतहरिहिंकितअतिहिखिजाये
लैकनियांउरसोंलपटाये ❁ बदनचूंमिजसुमतिपछ्याये ॥
कततखिजवतमोहनहिंअयानी ❁ लैहियलायलियेनंदरानी ॥
कैंहूंयतनकरिजबपाये ❁ तबऊबटनहरिकेअंगलाये ॥ ॥
पुनितातौजलआनसमोयौ ❁ दियौन्हवायबदनशशिधोयौ ॥
सरसबसनलैकैतनपौछ्यौ ❁ बहुरौंबदनसरोजअंगौछ्यौ ॥ ॥
अंजनदोऊदृगभरदीनौं ❁ भ्रूपरचारुचखौंडाकीनौं ॥ ❁ ॥
सबअंगकेभूषणमंगवाये ❁ कमकमलालनकौंपहिराये ॥ ❁ ॥
ऐसीरिसनहिंकीजैकान्हा ❁ अबकछुखाऊजाऊंबलिनान्हा
तबतुतरातकह्यौकाहैरी ❁ जोमोकौंभावैसोदैरी ॥ ❁ ❁ ❁ ॥

कहतिजननियाबचनपरमैयाबलिबलिजाय ॥
जोइजोइभावैलालकौंसोइसोइल्यावैमाय ❁ ॥
कियेअमितपकवान मैंअपनेसुतकेलिये ॥ ❁ ॥
सोसबकहौंबखान जोभावैसोलीजियै ॥ ❁ ॥ ॥

सदमाखनअरुदहीसजायौ ❁ तुम्हरेंहितपैऔटिजमायौ ॥
खोवाऔट्यौमधुरमलाई ❁ तापरमिसरीपीसमिलाई ॥ ❁ ॥
अरुघ्यौसरअतिसरससंवारी ❁ तामहिंसौंठमिरचरुचकारी ॥
खीरबराकरिकैदधिबोरे ❁ मानऊचंदअमीमधबोरे ॥ ❁ ॥

खुरमाऔरजलेबीबोरी ❁ जिहिंजैंवतरुचहोतिनथोरी ❁ ॥
अरुलाडूबहुभांतिसंवारे ❁ जेमुखमेलतकोमलप्यारे ॥ ❁ ॥
अरुगूंझाबहुपूरनिपूरे ❁ अतिसुवासउज्जलअतिरूरे ॥
बाबरघेवरघीउचभोरे ❁ मिस्रिपीसतलऊपरबोरे ॥ ❁ ॥
सुंदरमालपुआमधुसाने ❁ तम्नुरतकरिरोहिणीआने ॥ ॥
अतिहीसुंदरसरसअंदरसे ❁ घृतदधिमधुमिलस्वादनसरसे
सरससंवारीदालमसूरी ❁ अरुकीन्हींसीरघनपूरी ॥ ❁ ॥
पूरीसुनिकैहियहरिहरषे ❁ तबजैंवनपरमनकरिकरषे ॥
सुनतजसोदातुरतहीलैआई हरषाय ॥
बलदाऊकौंटेरिकैलीनौंनंदबुलाय ॥ ❁ ॥
षटरसकेपरकार जेबरनेजसुदाप्रथम ॥ ❁ ॥
परसिधरेसबथार जैंवतहरिबलबीरदोऊ ॥ ॥
जैंवतएकथारदोउबीर ❁ हरषिस्यामरुचरश्यौसीर ॥ ॥
तबशीतलजललियौमगाई ❁ भरिझारीजसुमतिलैआई ॥
जलअंचवावतनैनजुडाने ❁ दोऊहर्षिहर्षिमुसकाने ॥ ❁ ॥
तबजननीहंसिचुरूभराये ❁ तनकतनककछुमुखपखराये ॥
रुचिरचिउजरेपानखवाये ❁ अतिहीअधरअरुणाह्वैआये ॥
ठाढेहंसबलब्रजदासा ❁ लागिरहेजूठनकीआसा ॥ ❁ ॥
तनकतनककछुमोहनखायौ ❁ उबर्यौसोब्रजदासनिपायौ ॥
सखानंदप्रियहारपुकारे ❁ खेलनआवहुकान्हपियारे ॥ ॥

नृपतिलटरसरसचारिकदासा ❁ हरियेबरपिनबघनतेविपासा
विनयबचनसुनिहर्षितकपाला ❁ चलेमनोहरचालरसाला ॥
लघुलघुललितचरणकरलाला ❁ कमलनैनउरबाहुविशाला॥
चंद्रबदनतनतविघनस्यामा ❁ अंगअंगभूषणअभिरामा ॥ ॥
निरखतिछविनंदलालकीथकितसकलसुरबृंद॥
निश्चलचखनचकोरजनुतकतसरदकौचंद ॥
अतिआनंदउमंग मिलेसखनिकौंजायहरि ॥ ॥
ब्रीडतकोटिअनंग क्रीडतबालकबृंदसंग ॥ ❁ ॥
खेलनदूरगयेकहुंकान्हा ❁ सखनिसंगधावतहैंनान्हा ॥ ❁ ॥
बहुतअबेरभई घनस्यामहिं ❁ खेलतनेंआयेनहिंधामहिं॥ ॥
नंदहितातमातमुहिकानन ❁ यौंहीसुनतसुहातजुआनन ॥
मनअवसेरकरतमहतारी ❁ पलकओटरहिसकतनन्यारी॥
देखतद्वारगलीमेंठाढी ❁ सुतमुखदरसलालसाबाढी॥ ❁ ॥
ततक्षणहरिखेलतनेंआये ❁ दौरिमातलैकंठलगाये॥ ❁ ॥
खेलनदूरजातकतकान्हा ❁ मैंबलितुम्हअबहींअतिनान्हा॥
आजएकबनहाऊआयौ ❁ तुमनहिजानतमैंसुनिपायौ ❁॥
इकलरिकाभजिआयौतबही ❁ सोवहमोसोंकहिगयौअबही
बहुतैपकरिलेतहैतिनकौं ❁ लरिकाकरिजानतहैजिनकौं
चलहुभाजचलियेंनिजधामहिं ❁ यहसुनिटेरलियेबलरामहिं
कनियांकरिलैआई धामहिं ❁ बडभागिनिजसुमतिसुतस्यामहिं

रूपरेखजाकौनहीं बिधिहरअंतनपाय ॥ ❁ ॥
ह्याऊसैंडरपायतिहिं जसुमतिराखतिखाय ॥
भाववश्यभगवान भावहिकरिकैपाइयै ॥ ❁ ॥
भक्तनिकेसुखदान तिहिंतैसेंजैसेंभजै ॥ ❁❁ ॥
ब्रजबीथनिखेलतमनमोहन ❁ हलधरसुबलसुदामागोहन
औरगोपबालकबहुबारे ❁ एकवैससबहरिकेप्यारे ॥ ❁ ॥
बालबिनोदमोदमनदीने ❁ नानारंगकरतरसभीने ॥ ❁❁ ॥
तारीहाथमारिसबभाजे ❁ धावतधरतहोडकरिबाजे ॥ ❁ ॥
बरजतबलिहहरितूमतदौरै ❁ लगिहैचोटगोडकहुंतोरै ॥ ॥
तबहरिकह्यौदौरिमैंजानौ ❁ मेरोगातबहुतबलवानौ ॥ ❁ ॥
हैश्रीदामाजोडहमारी ❁ तासोंमारिभजौंमैंतारी ॥ ❁❁❁ ॥
बोलउठ्यौतबहीश्रीदामा ❁ तारिमारिभाजहुतुमस्यामा ॥
तबहीस्यामभजेदैतारी ❁ धसौधायश्रीदामहंकारी ॥ ❁ ॥
तबहरिकह्यौबदौंनहितोही ❁ ठाढोभयोछुयौतबमोही ॥
ऐसेंकहिहरिताहिरिसाने ❁ कहतसखासबस्यामखिजाने ॥
तबतौकह्यौदौरिमैंजानौ ❁ हारेस्यामबुरोअबमानौ ॥ ❁ ॥
बोलउठेबलरामतबइनकेमायनबाप ॥ ❁ ॥
हारजीतजानेनहीं लरिकनिलावतपाप ॥
एहैतनकेस्याम रूठहिरुगरतसखनसंग ॥
रूठचलेहरिधाम लखिउदासपूछतजननि ॥

मैंबलिकैंऊदासघरआयौ ❁ कौंनेमेरौलालखिझायौ ॥ ❁ ॥
मैयामोहिदाऊदुखदीनौ ❁ मोंसोंकहतमोलकौलीनौ ॥ ❁ ॥
कहाकरौंयारिसकेमारे ❁ मैंनहिखेलनजानदुआरे ॥ ❁ ॥
पुनिपुनिकहतकौंनतेरीमाता ❁ कौतेरौतातकौंनतेरौभ्राता ॥
गोरेनंदजसोदागोरी ❁ तुमतौकारेआयेचोरी ॥ ❁ ❁ ❁ ॥
मोसोंकहतदेवकीजाये ❁ लैवसुदेवइहांनिशिआये ॥ ❁ ॥
मोलकछूवसुदेवहिंदीनौ ❁ ताकेपलटेतुमकौंलीनौ ॥ ❁ ॥
ऐसेंकहिकहिमोहिखिझावै ❁ अरुसबलरिकनइहैंसिखावै ॥
मोहीकौंतूमारनधावै ❁ दाऊहिंकबहूनखीझडरावै ॥ ❁ ॥
रोससहितसुनबतियांभोरी ❁ बढतमातउरप्रीतिनथोरी ॥
सुनहूंस्यामबलरामचवाई ❁ झूठहितोहिखिझावतजाई ॥
मोहिगोधनकीसोंहकन्हैया ❁ तूमेरोसुतमैंतेरीमैया ॥ ❁ ॥

पाछैंठाढेसुनतसबनंदस्यामकीबात ❁ ॥
लीनेगोदउठायहंसिसुंदरस्यामलगात ॥
बलिकौंधरियौनंद सुनिमनहर्षैस्यामतब ॥
लीलानटब्रजचंद करतचरितजनमनहरन ॥

भोजनकेसमयेनंदराई ❁ करेसुरतबलरामकन्हाई ॥ ❁ ॥
कह्यौबुलायलेहुदोउभैया ❁ मोसंगजैंवैंआयकन्हैया ॥ ❁ ॥
खेलतबहुतबेरभइआजा ❁ उनबिनभोजनकौनेकाजा ॥
जसुमतिसुनतिचलीअतुराई ❁ ब्रजंघरघरटेरतदोउभाई

कहतिबोलिलेऊकोऊस्यामहिं ॥ खेलतहैधैंकाकेधामहिं ॥
जैंवनसिद्धिसिरालधरोई ॥ ऊनबिननंदनजैंवतसोई ॥ ॥
ऐसेंजननीकेसुनबैना ॥ आयेखेलततेंसुखदैना ॥ ॥ ॥
चलऊतातमैयाबलिजाई ॥ जैंबनकौंबैठेनंदराई ॥ ॥ ॥
परस्यौथालधस्यौमगहेरति ॥ मैंतबहीतेंतुमकौंटेरति ॥ ॥
दौरिचलऊआगेंगोपाला ॥ छांडिदेऊगतिमंदमराला ॥ ॥
चलऊबेगदौरेदोऊभाई ॥ सोराजाजोआगैंजाई ॥ ॥ ॥
जोजैहैपहलैबलिभाई ॥ तौहंसिहैंनोहिंग्वालकन्हाई ॥ ॥
आयेदौरेस्यामतबतुरतहिपायपखार ॥
बैठेजैंवननंदकेसंगदोऊसुकुमार ॥
कछुडारतकछुखात कछुलपटानौंपाणिहुऊं ॥
सुभगसांवरेगात बालकेलिरसबसखरे ॥ ॥
बराकौरमेलतमुखभीतर ॥ आयगईतबमिरचदसनतर ॥
तीक्षणलगीनैनभरिआये ॥ रोवतबाहरकौंऊठिधाये ॥ ॥
रोहिणीफूंकदेतमुखमाहीं ॥ लियेलगायऊरसेंगहिबाहीं
मधुरग्रासलैतातनिहोरै ॥ लैबैठेफुसलायअकोरै ॥ ॥ ॥
जैंवतकान्हनंदकीकनियां ॥ छविनिरखतिठाढीनंदरनियां ॥
बेसनकेव्यंजनबिधिनाना ॥ बराबरीबऊशाकबिधाना ॥ ॥
मूंगछरहरीहींगलगाई ॥ दारचनाकीपीतसुहाई ॥ ॥ ॥
राजभोगकौभातपसायौ ॥ ऊज्जलकोमलसुगंधसुहायौ ॥ ॥

बेसनमिलेकनककीरोटी ❁ सदघृतबोरीपतरीछोटी ॥ ❁ ॥
अंबआदिवहुभांतिसंधाने ❁ दोउभैयाजैंवतरुचिमाने ❁ ॥
मिस्रीदधिओदनमिश्रितकर ❁ लेतस्यामसुंदरअपनेकर ॥
आपुनिखातनंदमुखनावे ❁ सोछबिकहतकौंनपैआवै ॥ ❁ ॥

भोजनकैअचमनकियेलेझारीनंदराय ॥
अपनेकरसोंस्यामकौदीनौबदनधुवाय ॥
कोकरिसकैबखान भाग्यजसोमतिनंदके ॥
ब्रह्मरह्यौरुचिमान बालरूपजिनकेसदन

बैठेस्याममातकीकनियां ❁ पियतदूधसुंदरसुखदनियां ॥
बारबारजसुमतिसमझावै ❁ हरिसोंअस्तनपानछुडावै ❁ ॥
कहतिस्यामतूभयौसयानौ ❁ मेरौकह्यौलालअबमानौ ॥ ❁ ॥
दूधपियतदेखतलरिकासब ❁ हंसततोहिनहिलाजलगतअब ॥
औहैंदांतबिगरिसबतेरे ❁ अजहूंछांडिकह्यौकरिमेरे ❁ ॥
सुनतबचनमुसकायकन्हाई ❁ अंचरातरमुखलियौछिपाई ॥
आयेतबहीसखाबुलावन ❁ मातकह्यौखेलहुमनभावन ❁ ॥
यहसुनिहर्षिउठेबनवारी ❁ मागतदैचौगानकहांरी ॥ ❁ ॥
मथनीकेपाछैंकहिदीनौ ❁ हर्षितस्यामतहांतेंलीनौ ॥ ❁ ❁ ॥
लैचौगानबटाकरिआगै ❁ चलेसखनदेखतअनुरागै ॥ ❁ ❁ ॥
कहतसखनिसोंहरिहरषाई ❁ खेलहुगेकिहिंठाहरभाई ॥
खेलतबनिहैघोषनिकासहू ❁ हरषिचलेसबसहितहुलासहू ॥

कान्हर हलधर बीर दोऊ भये भुजा बर जोर ॥
श्रीदामा अरु सुबलमिलजुरे सखाइ कठोर ॥
और सखनिके बृंद बांटि लिये जुरि जोट जुट ॥
अति आनंद नंदनंद दियौ बढाठ रि काय महि ॥
अपअपनी घात नि लैजाहीं ॥ एक एकसन पावत नाहीं ॥
इततें उत उततें इत घेरें ॥ बटा मारि चौगान नि फेरें ॥
दौर तहं सतखसत उठि मारें ॥ आप आपनी जीत बिचारें ॥
जम्यौ खेल अतिमगन कन्हाई ॥ देखत सुरगन रहे लुभाई ॥
जीतत सखा स्याम जब जाने ॥ करी खेल कछु तब मचलाने ॥
कहत सखा सब सुन ऊगुपाला ॥ रंगदैया कौ कौन खियाला ॥
श्रीदामा सौं हौ तुम हारे ॥ झूठी सौं है खात ललारे ॥
खेलत में को काकौ सैंयां ॥ कहा भयौ जो नंद गुसैंयां ॥
तातें तुम गर्बित मनमाहिंयां ॥ तनक बसत हम तुम्हरी छैंयां ॥
अति अधिकार जनावत तातें ॥ तुम्हरे अधिक गाय कछु जातें ॥
अबन हिं खेलैं हिं संग तुम्हारे ॥ भये सखा सब रिस करि न्यारे ॥
खेल्यौ हि चाहत त्रिभुवन राई ॥ दियौ दावत बपीठ चढाई ॥
जाके गुण गन अगम अति निगम न पावत ओर ॥
सो प्रभु खेलत ग्वाल संग बंधे प्रेम की डोर ॥ ॥
खेलत भई अबेर जननी टेरति स्याम कौं ॥
आव ऊधाम सबेर सांझ समें नहिं खेलिये ॥

सांझभई घर आवहु प्यारे ❁ बहुरि खेलियो होत सवारे ॥ ❁ ॥
आपहि जाय बांह गहि आने ❁ सुभग स्याम तन रज लपटाने ॥
बोलि लियेउ सुमति बलिरामहिं ❁ लै आई दोउ सुत धामहिं ॥
धूरि झारि तातो जल ल्याई ❁ तेल परसि दीने अन्हवाई ॥ ❁ ॥
सरस बसन तन पोंछि संवारे ❁ लैगोदी भीतर पग धारे ॥ ❁ ॥
करहु बियारू कछु दोउ भाई ❁ पुनि तुमकों राखों पौढ़ाई ॥ ❁ ॥
खीर पूरी सरस संवारी ❁ और धरी मेवा बहु न्यारी ॥ ❁ ॥ ॥
दीन्ही परसि कनक की थारी ❁ बलमोहन दोउ करत बियारी ॥
मिसरी मिलै दूध औटाई ❁ लै आई तबरोहिणी माई ॥ ❁ ॥
प्रेम सहित दोउ जननि जिमावत ❁ देखि देखि छवि नैन जुडावत
खात खात मोहन अलसाने ❁ बारहि बार स्याम जमुहाने ॥ ❁ ॥
आर ससों कर कौर छुडावत ❁ नैननि नींद झमकि कछु आवत ॥
उठहु लाल तन मात कहि धोये मुख अरबिंद ॥
पौढ़ये लैसेज पर बलि अरु बालगोबिंद ॥ ❁ ॥
सोये बालमुकुंद दोउ भैया सुख सेज पर ॥ ❁ ॥
जननी अति आनंद सोचति गुण गोपाल के ॥ ॥
माखन मोहन कों प्रिय लागै ❁ भूख्यो क्षण न रहत जब जागै ॥ ॥
ताहि बदौं जो गहरु लगावै ❁ नहि माने जोइ इंद्र मनावै ॥ ❁ ॥
मैं हि जानति बात स्याम की ❁ दृग मीचै नवनीत खान की ॥ ॥
लैमथनी दधि धरयो बिलोई ❁ जबलग माखन उठहि न सोई ॥

भोरभयौजागहुनंदनंदन ❁ संगसखाठाढेजगबंदन ॥ ❁ ॥
सुरभीपैहितबच्छपियाये ❁ पक्षीनरुतजचहुंदिसधाये ॥ ॥
चंद्रमलिनउडगनद्युतिनासी ❁ निशिनिघटीरविकिर्णप्रकासी
कुमदिनिसकुचीबारिजफूले ❁ गुंजतमधुपलतालगिफूले ॥
दरसनदेहुमुदितनरनारी ❁ ब्रजबासीप्रभुजनसुखकारी
सुनिजननीकेबचनरसाला ❁ खोलेदृगराजीवबिशाला ॥ ❁ ॥
हंसतउठेसंतनसुखदाई ❁ मुखछबिदेखिमातबलिजाई ॥
हरिकछुकरहुकलेऊप्यारे ❁ मैंमाखनमथधर्यौसवारे ॥
रोटीअरुमाखनतनकदैरीमामोहाथ ॥ ❁ ॥
लैआईजननीतुरतकछुमेवाधरिसाथ ॥ ❁ ॥
करतकलेऊस्याम माखनरोटीमानिरुचि ॥ ॥
त्रिभुवनपतिसुखधाम चारपदारथहाथजिहिं

॥ अथमाखनचोरीलीला ॥

मैयारीमोहिमाखनभावै ❁ औरसकूअतिरुचिनहिआवै ॥
मधुमेवापकवानमिठाई ❁ सोमोकौंनेकहुनसुहाई ॥ ❁ ॥
ब्रजयुवतीइकपाछैंठाढी ❁ हरिकेबचनसुनतरतिबाढी ॥ ॥
मनमनकहतकबहुंअपनेघर ❁ माखनखातलखौंसुंदरबर
बैठैंजायमथनियांपाहीं ❁ अपनेकरनिकाढिकैखाहीं ॥ ❁ ॥
मैंबरदेखहुंकहूंछपाई ❁ कैसेंमोघरजाहिंकन्हाई ॥ ❁ ॥
हरिअंतरजामीसबजाने ❁ ग्वालिनमनकीप्रीतिपिछाने ॥

गयेस्याममताग्वालिनिकेघर ● ठाढेभयेजायद्वारेपर ॥ ● ॥
इतउततदेखतकोऊनाहीं ● तबपैठेताकेघरमाहीं ॥ ● ● ॥
हरिकौंआवतग्वालिनिजान्यौ ● परममुदितअतिहीसुखमान्यौ
रहीदबकिदुरिदीठलगाई ● हरिबैठेमथनीढिगजाई ॥
देखीमाखनभरीकमोरी ● खानिलगेकरिअतिमतिभोरी ॥ ● ॥

चितैरहेमणिखंभमेंहरिअपनीप्रतिछांहिं ॥
जानिदूसरोग्वालतिहिंप्रभुसकुचेमनमांहिं ॥
तासोंकरतसयान कहतलेऊआधौतुमऊं ॥
हमतुमएकसमान भलौबन्यौहैसंगअब ॥

प्रथमआजमैंचोरीआयौ ● तुमकौंदेखिबहुतसुखपायौ ॥ ॥
अबतुममेरेसंगनितआवौ ● यहकाहूसोंमतहिजनावौ ॥ ● ॥
सुनिसुनिहरिकेमुखकीबानी ● उमगिहंसीव्रजयुवतिसयानी
स्यामचौंकिमुखतासुनिहारी ● भाजिचलेब्रजखोरमुरारी ॥
अतिआनंदग्वालिमनमाहीं ● पूछतसखीपरसपरनाहीं ॥
पायौआजपर्म्यौकछुतेंरी ● कहातोहिअतिआनंदहैरी ॥ ॥
गदगदकंठपुलकतनतेरौ ● सोकिनकहैकहासुखहेरौ ॥ ● ॥
तनन्यारौजियएकहमारौ ● हमेंतुम्हेंकछुभेदनन्यारौ ॥ ● ॥
सुनहुसखीमैंताहिबताऊं ● जोसुखभयौसोतोहिसुनाऊं
जसुमतिसुतसुंदरसुनगोरी ● आयौआजहमारैचोरी ॥
खंभनिकटमथनीह्वांमाखन ● लियौनिकासलग्यौतिहिंचाखन

मैंभीतरदुरदेखनलागी ❁ वामोहनछविपरअनुरागी ॥ ❁ ॥
देखिखंभप्रतिबिंबकौमनकछुसकुचेस्याम ॥ ❁ ॥
अर्धभागतिहिंदेतकहिप्रगटकरौजिननाम ॥ ॥
नवनरह्यौमोहिधीरहंसीमनोहरवचनसुनि ॥
कहाकहौंतुहिबीर मनहरिलीनौसांवरे ॥ ❁ ॥
मोहिदेखितबगयौपराई ❁ सखिसोछविकछुबरनिनजाई ॥
सुनिहरिचरितसखीअनुरागी ❁ अतिसुखपायप्रेमरसपागी
कहतिकिमैंदेखननहिंपायौ ❁ सोइअभिलाषतासुउरआयौ
हरिअंतरजामीसबजाने ❁ सबकेमनकीरुचिपहिचाने ॥ ❁ ॥
इहिंबिधिमाखनप्रथमचुरायौ ❁ कीनोग्वालिनिकौमनभायौ ॥
भक्तवत्सलसंतनसुखकारी ❁ पुनिमनमहिंयहबातबिचारी ॥
अबसबब्रजघरमाखनखाऊं ❁ माखनचोरनामकहवाऊं ॥
बालरूपमोहिजसुमतिजाने ❁ ग्वालिनिप्रेमभक्तिकरिमाने
मित्रभावकरिग्वालबखाने ❁ प्रीतिरीतिसबमोसोंमाने ॥ ❁ ॥
इनहीकेहितगोकुलआयौ ❁ करौंसबनकेमनकौभायौ ॥ ❁ ॥
यहबिचारिहरिनिजउरठाना ❁ भक्तिकृपाअंबुधभगवाना ॥
बालसखासबनिकटबुलाई ❁ तिनसोंहंसिहंसिकहतकन्हाई
माखनखैयेचोरिकैसबब्रजघरघरजाय ॥ ❁ ॥
कीजैबालबिहारयौंमेरेमनयहआय ॥ ❁ ❁ ॥
सुनिहरषेसबग्वालदेतपरसरतारिसब ॥ ❁ ॥

भलीकहीनंदलाल तुमबिनयहबुधकोकरै ॥
चलेसखनलैमाखनचोरी ❁ एकबैससबहिनिमतिभोरी ॥
देख्योझांकिझरोखाओरी ❁ मथतिएकग्वालनिदधिगोरी ॥
धर्योमठामथनीमैंजानै ❁ ऊपरमाखनहैलपटानै ॥ ❁ ॥
ग्वालनिगईकमोरीमांगन ❁ पाईघाततबहिसुंदरघन ॥
सखनिसमेततांहिघरआये ❁ दधिमाखनसबहिनमिलखाये ॥
छूछीमटुकीछांडिसिधाये ❁ हंसतहंसतसबबाहरआये ॥ ❁ ॥
आयगईद्वारेसोईबाला ❁ घरसोंनिकसतदेखेग्वाला ❁ ॥
माखनकरमुखदधिलपटान्यौं ❁ ग्वालनियहकछुभेदनजान्यौं
देखिरहीहंसिमुखकीशोभा ❁ निरखिरूपलाग्योमनलोभा ॥
चमकिगयेहरिसखनसमेता ❁ तबहीग्वालनिगईनिकेता ॥
देखीआयमथनियांखाली ❁ चकितविलोकतिइतउतग्वाली
मनहरलीनौमदनगुपाला ❁ जानेग्वालनिहरिकेख्याला ❁ ॥

घरघरप्रगटीबातयहसखाबृंदलैसाथ ॥
चोरीमाखनखातहैंनंदसुवनब्रजनाथ ॥
सबकेमनअभिलाख चोरीपकरनपाइये ॥
धरियैमाखनराख यहैध्यानसबकेहिये ॥

कहतिपरस्परग्वालिसयानी ❁ सबमोहनकेरूपभुलानी ॥
माखनखानिदेउगोपालहिं ❁ मतबरजौकोउस्यामतमालहिं ॥
तुमजानतिहरिकछूनजाने ❁ वेमोहनहैंपरमसयाने ❁ ॥

कोऊकहतिपकरिजोपाऊं ❁ तौंअपनेगहिकंठलगाऊं ❁ ॥
एककहतिजोमेरेआवैं ❁ तौमाखनहमहरिहिखवावैं ❁ ॥
कहतिएकजोमैंगहिपाऊं ❁ तौहरिकौंबऊनाचनचाऊं ॥
कोऊकहतिजोहरिकौंपैयै ❁ तौगहिजसुमतिपैलैजैये ❁ ॥
इककहआजहमारेआये ❁ द्वारहितेंमोहिदेखिपराये ❁ ॥
इहिबिधिप्रेममगनसबबाला ❁ सबकेहृदैध्याननंदलाला ॥
निशिवासरनहिनैकबिसारैं ❁ मिलवेकारणबुद्धिबिचारैं ॥
गयेस्यामसूनेग्वालनिघर ❁ सखासबैठाढेद्वारेपर ॥ ❁ ॥
देखौभीतरजायकन्हाई ❁ दधिअरुमाखनधस्यौबनाई ॥
सदमाखनदेखौधस्यौहरषेस्यामसुजान ॥
सखाबुलायेसंनदैलैलैलागेखान ॥ ❁ ॥ ❁ ॥
इतउतचितवतजात कछुडरसौमनमेंकिये ॥
बांटतदधिअरुखात उठिउठिझांकतद्वारतन ॥
देखतसोग्वालनिअंतरकरि ❁ मगनभईअतिउरआनंदभरि
लीन्हीबोलिसखीढिगबासी ❁ तिन्हैदिखावतिहरिसुखरासी ॥
देखिसखीशोभाअतिबाढी ❁ उठिअवलोकओटह्वैठाढी ❁ ॥
किहिंबिधिहैंदधिलेतकन्हाई ❁ सखनिदेतअरुआपुनखाई
बदनसमीपपाणिअतिराजै ❁ माखनसहितमहाछबिछाजै ॥
लैउपहारजलजमनोजाई ❁ मिलतचंदसौंबैरबिहाई ❁ ॥
गिरगिरपरतबदनतेंउरपर ❁ द्रवदधिसुतकेबुंदसुभगतर ॥

मानौप्रलयजलआगमहरषत ● इंदुसुधाकेकनकाबरषत ॥
मुखछविदेखिथकितब्रजनारी ● कहतनबनैरहीउरधारी ॥
बालबिनोदमोदमनफूली ● भईंसिथलसबतनसुधिभूली ॥
बरजनकौंअस्फुरतनबानी ● रहीबिचारिबिचारिसयानी ॥
गयेठगौरीलायकन्हाई ● रहीठगीसीसबसुखपाई ॥ ● ॥

बिश्वभरनपोषणकरनकल्पतरोवरनाम ॥
सोप्रभुदधिचोरीकरतप्रेमविवससुखधाम ॥
नितउठिकरतबिहार ब्रजमेंघरघरसांवरौ ॥
ब्रजजनप्राणअधार माखनचोरीव्याजकरि ॥

श्यामएकग्वालनिघरआये ● चोरीकरतपकरितिनपाये ॥
कहतिबङ्गतुमकरीढिठाई ● अबतौघातपरेहौआई ● ॥
निशिवासरमोहिबङ्गतखिझायौ ● दधिमाखनसबमेरौखायौ ॥
दोउभुजपकरिकह्यौकितजैहौ ● दधिमाखनदैछूटनिपैहौ
ताकेमुखतनचितैकन्हाई ● बोलेबचनमधुरमुसुकाई ॥
तेरीसौंमैंकियौनखाई ● सखाखायसबगयेपराई ॥ ● ● ॥
चारुचितौनचित्तउरआन्यौ ● उरतेंरोसजातनहिंजान्यौ ॥
सुनतमनोहरहरिकीबतियां ● लियेलगायग्वालनीछतियां ॥
बैठोस्यामजाउंबलिहारी ● मैंल्याऊंदधिखाउबिहारी ● ॥
हरिकौंलैनचलीदधिगोरी ● हरिहंसिनिकसिगयेब्रजखोरी
रहीठगीसीग्वालनिभोरी ● मनलैगयेसांवरेचोरी ॥ ● ॥

हरिगयेश्रौरग्वालनीकेघर ❁ देख्यौजायनकोऊभीतर ❁ ॥
माखनकाढिनिसंकह्वैलागेखानिकन्हाइ ❁ ॥
ग्वालनिश्रावतिजानिघरतबउठिरहेछपाइ ॥
ग्वालनिघरमेंश्राय मथनीढिंगठाढीभई ❁ ॥
भाजनरीतौपाय चकितविलोकतचहूंदिस ॥
श्रबहींगइश्राईइनपायन ❁ श्रायौमाखनकौंनचुरावन ❁ ॥
भीतरगईतहांहरिपाये ❁ पकरीभुजाभयेमनभाये ॥ ❁ ॥
तबहरिकहिनिजनामलजाये ❁ नैनसरोजकछुकभरिश्राये ॥
देखिबदनछविश्रानंदहीके ❁ दीन्हेजानभावतेजीके ❁ ॥
भयौग्वालिमनपरमहुलासा ❁ कहनिचलीजसुमतिकेपासा
जोतुमसुनहुजसोमतिमाई ❁ हंसिहौसुनिहरिकीलरिकाई
श्राजगयेहरिमोघरचोरी ❁ देखीमाखनभरीकमोरी ॥
मैंगइश्रायश्रचानकजबही ❁ रहेछिपायसकुचकैतबही ❁ ॥
जबमैंकह्यौभवनमेंकोरी ❁ तबमोहिंकहिनिजनामनिहोरी ॥
लगेलैनलोयनभरश्रांसू ❁ तबमैंकाननतोरीसासू ॥ ❁ ॥
सुनतस्यामसबरोहिणिरानियां ❁ सकुचतहंसतमंदमुसकानियां
ग्वालिविहसिहरितनडरवायौ ❁ माखनचोरकपरिमैंपायौ ॥
करौनोयकीदावरीबांधौश्रपनेधाम ❁ ॥
लायलियेडररोहिणीबांधसकैकोस्याम ॥
जसुमतिउरश्रानंद बालचरितसुनस्यामके ॥

कहतिसुनौनंदनंद ऐसौकामनकरऊसुत ॥
पुनिइकगृहगयेनंदनुलारे ❁ देखिफिरेतहांग्वालदुवारे ॥
तबहरिऐसीबुद्धिउपाई ❁ फांदिपरेपिछवारेजाई ❁ ॥
हूनैभवनकहूंकोउनाहीं ❁ मानऊंइनकौराजसदाहीं ॥
भांडेमूंदतधरतउतारत ❁ दधिअरुमाखनदूधनिहारत ❁ ॥
रैनजमायेगोरसपायौ ❁ लगेखानमनोआपजमायौ ❁ ❁ ॥
आहटसुनियुवतीघरआई ❁ रुलकतदेखेकुंवरकन्हाई ॥
अंधियारेघरस्यामगयेदुरि ❁ दधिमटुकीढिगबैठरहेमुरि ॥
सकलजीवउरअंतरवासी ❁ तहांकछूकचटकपरकासी ❁ ॥
ग्वालनिहरिकौंइतउतहेरै ❁ पावतनाहींधामअंधेरे ॥ ❁ ॥
कहतिअबहिंदेख्यौनंदनंदन❁कितहिगयौपछतातमनहिमन
परिगयेदीठअोदमथनीके ❁ सुंदरस्यामप्राणगथनीके ॥ ❁ ॥
तबहीग्वालनिभुजगहिलीन्हौ ❁ कहततुम्हेंअबतोमैंचीन्हौ ॥
कहौकहाचाहतफिरतधामअंधेरेमाहिं ॥
बूझेबदनदुरावतेऐधेंचितवतनाहिं ❁ ॥
दधिमथनीमेंहाथ अबकहाउतरबनायहौ ॥
सखानहींकोउसाथ कहियेअबकैसीबनै ❁ ॥
मैंजान्यौयहघरहैमेरौ ❁ ताधोखेइतह्वैगयौफेरौ ॥ ❁ ❁ ॥
दृष्टपरीचैंटीदधिमाहीं ❁ काढनिलग्यौतिन्हैंइहिंठाहीं ॥
सुनिमृदुबचनग्वालिमुसकानी ❁ तुमहौरतिनागरहरिजानी

उरलगायमुखचुंबनकीनौ॰ विधिहिमनायविदाकरिदीनौ ॥
हरिदरसनबिनक्षणनसुहाई॰उरहनमिसजसुमतिपहआई
सुनऊंमहरिनिजसुतकीकरनी॰करतअचकरीजातनबरनी
नितप्रतिकरतदूधदधिहानी ॰ कहांलगकरैंकाननंदरानी ॥
मैंअपनेमंदिरअंधियारे ॰ माखनधरयोदुरायसवारे ॥ ॰ ॰ ॥
सोईढूढलियौहरिजाई ॰ अतिनिशंकनहिनेकडराई ॰ ॥
बूझेउतरतुरतबनायौ ॰ चैंटीकाढनिकौंकरनायौ ॥ ॰ ॥
सुनिग्वालनिकेबचनसयानी ॰ हंसिकैबोधकियौनंदरानी ॥
जसुमतिकहतिस्यामसोंप्यारे ॰ परघरकाहेजातलबारे ॥
ममलोचनआगैसदाखेलऊसखनबुलाय ॥
तुम्हरेबालविनोदलखिमेरौहियौसिराय ॥
मोपैलीजैस्याम दधिमाखनमेवामधुर ॥
सबकछुतेरेधाम परघरजायबलायतुव ॥
माखनमाग्यौकुंवरकन्हाई ॰ मुदितमाततुरतहिलैआई ॥
लगीखवावनहियहरषानी ॰ स्यामकह्यौखैहौंनिजपानी ॥
दियौहाथधरिभरिकैदौना ॰ चलेखातखेलतहरिलौना ॰ ॥
सखनसंगखेलतबनमाली ॰ यमुनाजातिलखीइकग्वाली ॥
आपचलेताकेघरमाही ॰ पूछतबातकौनहैकाही ॥ ॰ ॰ ॥
लखेतहांशिशुदोयअयाने ॰ भीरदेखितेरोयडराने ॥ ॰ ॰ ॥
इतउतदेख्यौगोरसनाहीं ॰ ऊंचेधरयौसिकहरनिमाहीं ॥

तबमनमोहनरचौउपाई ❁ ग्रानितहांऊखलग्रैंधाई ❁ ॥
तापरएकसखाबैठारी ❁ ताकेकंधचढेबनवारी ॥ ❁ ❁ ॥
ऐसीबिधिकरिगोरसपायौ ❁ दधिमाखनसबहीमिलखायौ ॥
दूधडारिबछरूसबछोरे ❁ दियेनिक्रासबनहींकीग्रोरे ❁ ॥
महीछिरकिलरिकनडरपाई ❁ चलेग्रथकरिसखाकन्हाई ॥

ग्वलिनिग्रावतिदेखिकैसखागयेसबदौरि ❁ ॥
फंसिभीतरमोहनपरेरोकिलइतिनपौरि ❁ ॥
रेसभरीमुखबात प्रेमभस्योग्रंतरहियौ ❁ ॥
कहतमहरिकेतात जातकहांदधिचोरिग्रब ॥

तबहरितकेमुखतनदेखी ❁ कीन्हेउरनखघातविशेखी ❁ ॥
ग्रतिरिसग्वालनिमनउपजाई दोउभुजपकरिमहरिपैल्याई
मानौमहरिकह्यौतुममेरौ ❁ ग्रतिउतपातकरतसुततेरौ ❁ ॥
राख्यौगोरसछिकेचढाई ❁ ग्वालकंधचढिलियौकन्हाई ❁ ॥
माखनखायदूधढरिकायौ ❁ महीछिरकिबालकनिरुवायौ ॥
ग्रौरकहतसकुचतहौंबाता ❁ कहादिखाऊंतुमकौंगाता ❁ ॥
हैंगुणबडेस्यामकेमाई ❁ इहांसकुचलरिकाव्हैजाई ❁ ❁ ॥
बरजतिक्यौंनहिसुतहिंग्रनेरौ ❁ कहाकहौंनितप्रतिकौझेरौ ॥
जोकुकराखैंदूरदुराई ❁ तहींतहींतेंलेतचुराई ॥ ❁ ❁ ❁ ॥
तापरदेतबछरूग्रनछोरी ❁ बनबनफिरतवहींचऊंग्रोरी ॥
चोरीग्रधिकचतुरबनवारी ❁ सुनऊंमहरिहमइनतेंहारी

ऊखलगायमुखचुंबनकीनौ ❁ बिधिहिमनायबिदाकरिदीनौ ॥
हरिदरसनबिनक्षणनसुहाई ❁ ऊरहनमिसजसुमतिपहंआई
सुनऊंमहरिनिजसुतकीश्ररनी ❁ करतश्रचकरीजातनबरनी
नितप्रतिकरतदूधदधिहानी ❁ कहांलगकरैंकाननंदरानी ॥
मैंश्रपनेमंदिरश्रंधियारे ❁ माखनधस्यौदुरायसवारे ॥ ❁ ❁ ॥
सोईढूंढलियौहरिजाई ❁ श्रतिनिशंकनहिनैकडराई ❁ ॥
बूझेऊतरतुरतबनायौ ❁ चैंटीकाढनिकौंकरनायौ ॥ ❁ ॥
सुनिग्वालनिकेबचनसयानी ❁ हंसिकैबोधकियौनंदरानी ॥
जसुमतिकहतिस्यामसोंप्यारे ❁ परघरकाहेजातललारे ॥

ममलोचनश्रागेसदाखेलऊसखनबुलाय ॥
तुम्हरेबालविनोदलखिमेरौहियौसिराय ॥
मोपैलीजैस्याम दधिमाखनमेवामधुर ॥
सबकछुतेरेधाम परघरजायबलायतुव ॥

माखनमाग्यौकुंवरकन्हाई ❁ मुदितमाततुरतहिलैश्राई ॥
लगीखवावनहियहरषानी ❁ स्यामकह्यौखैहौंनिजपानी ॥
दियौहाथधरिभरिकैदौना ❁ चलेखातखेलतहरिलौना ❁ ॥
सखनसंगखेलतबनमाली ❁ यमुनाजातिलखीइकग्वाली ॥
श्रापचलेताकेघरमाही ❁ पूछतबातकौंनहुकाही ॥ ❁ ❁ ॥
लखेतहांशिशुदोयश्रयाने ❁ भीरदेखितेरोयडराने ॥ ❁ ❁ ॥
इतउतदेख्यौगोरसनाहीं ❁ ऊंचेधस्यौसिकहरनिमाहीं ॥

तबमनमोहनरचौउपाई ❁ आनितहांऊखलसौंधाई ❁ ॥
तापरएकसखाबैठारी ❁ ताकेकंधचढेबनवारी ॥ ❁ ❁ ॥
ऐसीबिधिकरिगोरसपायौ ❁ दधिमाखनसबहीमिलखायौ ॥
दूधडारिबछरूसबछोरे ❁ दियेनिकासबनहींकीओरे ❁ ॥
महीछिरकिलरिकनडरपाई ❁ चलेअथकरिसखाकन्हाई ॥

ग्वलिनिआवतिदेखिकैसखागयेसबदौरि ❁ ॥
फंसिभीतरमोहनपरेरोकिलईतिनपौरि ❁ ॥
रोसभरीमुखबात प्रेमभयौअंतरहियौ ❁ ॥
कहतमहरिकेतात जातकहांदधिचोरिअब ॥

तबहरिताकेमुखतनदेखी ❁ कीन्हेउरनखघातविशेखी ❁ ॥
अतिरिसग्वालिनिमनउपजाई दोउभुजपकरिमहरिपैल्याई
मानौमहरिकह्यौतुममेरौ ❁ अतिउतपातकरतसुततेरौ ❁ ॥
राख्यौगोरसछिकेचढाई ❁ ग्वालकंधचढिलियौकन्हाई ❁ ॥
माखनखायदूधढरिकायौ ❁ महीछिरकिबालकनिरुबायौ ॥
औरकहतसकुचतहौंबाता ❁ कहादिखाऊंतुमकौंगाता ❁ ॥
हैंगुणबडेस्यामकेमाई ❁ इहांसकुचलरिकाव्हैजाई ❁ ❁ ॥
बरजतिक्यौंनहिसुतहिंअनेरौ ❁ कहाकहौंनितप्रतिकौफेरौ ॥
जोछुकराखैंदूरदुराई ❁ तहींतहींतेलेतचुराई ॥ ❁ ❁ ❁ ॥
तापरदेतबछरूअनछोरी ❁ बनबनफिरतवहींचऊंओरी ॥
चोरीअधिकचतुरबनवारी ❁ सुनऊंमहरिहमइनतेंहारी

कहांलगइनकेगुणनिबखानौ ❁ तुमइनकौंऌधौमतजानौ ॥
सुनतग्वालिनीकेबचनजसुमतिहरितनदेखि॥
भयसकोचयुतमुखनिरखिकोमललालितविशेखि
कहतलगावतलोग झूठहिंसबमेरेसुतहिं ॥ ❁ ॥
कबभयेचोरीयोग पांचबर्षकेतनकसे ॥ ❁ ॥ ॥
इहिंमिसदेखनिकौंसबआवैं ❁ चोरीमेरेसुतहिंलगावैं ॥ ❁ ॥
ऐसीतौमेरौनअन्याई ❁ अतिहीबालककुंवरकन्हाई ॥ ❁ ॥
छींकेबंधेभवनअतिऊंचे ❁ तहांकैसेंयेभुजापहूंचे ॥ ❁ ❁ ॥
कौनबेगइतनौह्वैआयौ ❁ तेरौगोरसकैसेंखायौ ॥ ❁ ॥ ❁ ❁ ॥
हाथनचावतिआवतिदौरी ❁ जीभनकरहिंसमुझिकैबौरी ॥
घरहीमाखनभरीकमोरी ❁ कबहूंलेतनअंगुरिनिबोरी ॥ ❁ ॥
इतनीसुनतनिरखिघनस्यामहिं बिहसिचलीग्वालिनिनिजधामहिं
हरिसोंकहतिमहरिसमुझाई ❁मैंबलिकुंजिनजाकुकान्हाई
तुमरेइकारणषटरसनाना ❁ करिकरिराखेबिबिधिबिधाना॥
इतौउपायकरतकितजाई ❁ परघरदधिमाखनहिलगाई ॥
ब्रजकीबाढीग्वालिगंवारीं ❁ हाटबाटदधिबेचनहारीं ॥ ❁ ॥
नहिकछुलाजनकानबिचारैं ❁ बोलतिबचनकटुकमुहफारैं
झूठैदोषलगायकैनिततउठिआवतिप्रात ॥ ❁ ॥
सन्मुखबादतिसंकतजिबिकटबनावतिबात ॥
नौलखदुहियतगाय दूधदहीतेरेघनौ ॥ ❁ ॥

तूकतचोरीजाय बुरैमानि हैं नंदसुनि ॥ ❁ ॥

हरिमाखनचोरीरसगीधे ❁ कैसेंरहैं प्रेमकेबीधे ॥ ❁ ॥ ❁ ॥

एकग्वालिघरमांझअंधेरे ❁ अतिस्यामखतनपरतनहेरे ॥ ॥

कछुकधस्योगोरसनहांपायो ❁ प्रथमसुरुचिकरिभोगलगायो

कियोप्रगटदीपकगृहग्वाली ❁ तहांदेखेभीतरबनमाली ॥

भुजाचारधरदरसदिखायो ❁ ग्वालिनिलखिअतिअचरजपायो

दधिमाखनकेबूंदसुहाये ❁ सुभगस्यामउरअतिछबिछाये ॥

मानहुंयमुनाजलकेमाहीं ❁ देखिपरतउडगनपरछाहीं ॥

इहिछबिनिरखरहीछकिग्वाली ❁ बकुरांभयेद्विभुजबनमाली

देखिचरितनहरिकेब्रजबाला ❁ चकितविलोकतिहरखविशाला

मनमनकहतिकहामैंदेख्यो ❁ यहजायतकैस्वप्नविशेख्यो ॥ ॥

प्रेममगनतनकीसुधिभूली ❁ गदगदकंठरोमावलिफूली ॥ ॥

मनहरलीनोरूपदिखाई ❁ चलेवहांतेंकुंवरकन्हाई ❁ ॥

देखिस्यामकेचरितबरब्रजनारीसुखपाय ॥

होहिंहमारेपुरुषहरिमांगतिबिधिहिमनाय

घरघरकरतबिलास नानाभेषदिखायहरि

ब्रजजनपरमहुलास देखिचरितगोपालके

देखीस्यामग्वालिइकठाढी ❁ गोरसमथतिप्रातछबिबाढी ॥

डोलततनउघरेसिरअंचल ❁ बेनीचलतपीठपरचंचल ॥

जोबनमदमातीइठलानी ❁ करषतरजुदुहुंकरनमथानी ॥

इतउतअंगमोरतितकझोरी ❁ गोरेअंगदिननिकीथोरी ❁ ॥
मंढीउरोजनिअंगियागाढी ❁ मनऊंकामसांचेभरिकाढी ॥
रीझरहेलखिनंददुलारे ❁ लागेखेलनितासुदुआरे ॥ ❁ ॥
फिरचितईग्वालनिह्वारेतन ❁ परिगयेदृष्टस्यामसुंदरघन
बोललियेहरुवेह्वूनेधर ❁ लियेलगायउरसोंसुंदरबर ॥
उमंगअंगअंगियाउरदरकी ❁ तिहिंअवसरसुधिरहीनघरकी
तबहीसुंदरस्यामसुजाना ❁ भयेबरषद्वादशअनुमाना ॥
सोछबिदेखिछकीब्रजनारी ❁ बऊरिभयेशिशुरूपमुरारी ॥
हरिकेकौतुकअतिसुखदाई ❁ देखिरहीमतिगतिबिसराई ॥
माखनलैतबस्याममुखधरतिआपनेपान ॥ ॥
अतिआनंदउमंगउरबिसरीग्वालिसुजान ॥
रसिकशिरोमणिस्याम माखनखायरिझायतिय ॥
आयेअपनेधाम छबिसागरनागरनवल ❁ ॥ ❁ ॥
मनहरलीनोकुंवरकन्हाई ❁ बिनदेखेक्षणरह्यौनजाई ॥
उरहनकेमिसग्वालिसयानी ❁ आईदेखनहरिसुखदानी
सुनऊमहरिसुतकेगुणजैसे ❁ कहाकहौंकहेजातननैसे ॥
माखनखायमहीढरिकायौ ❁ चोलीफारिअबहिंभजिआयौ ॥
गोरसहानिसहीलैमाई ❁ अबकैसेंसहिजातखुटाई ॥ ❁ ॥
बीचहिंबोलउठेबनवारी ❁ झूठहिंमोहिलगावतिग्वारी ॥ ॥
खेलततेंमोहिलियैबुलाई ❁ दोउभुजभरिलीनोउरलाई ॥

मेरेकरअपनेउरधारी ❁ आपुनहीं चोलीपुनिफारी ॥ ❁ ॥
माखनआपहिंमोहिखवायौ ❁ मैंकबदहीमहीढरिकायौ ॥
अतिभेरीसुनिहरिकीबानी ❁ जसुमतिग्वालनिसोंरिसठानी
जाननिहूंजुकटाक्षतिहारे ❁ अतिभोरेसुतमेरेबारे ॥ ❁ ॥
दैदैदगाबुलावतिताही ❁ सोइसोइकरतिजोभावतजाही ॥
बोलिबोलिनिजनिजभवनभेटतिभरिभरिअंक ॥
मेरेभोरेबालकौंग्वालनिनिलजनिशंक ॥ ॥ ❁ ॥
तापरउरनखलाय फिरतिदिखावतिलाजतजि ॥
कान्हैदोषलगाय आपुनअतिभोरीभई ॥ ❁ ॥
नितउठिउरहनलैहठिधावै ❁ बिनाभींतहीचित्रबनावै ❁ ॥
मिसकरिकरिमेरेगृहआई ❁ रहतिस्यामतनदीठलगाई ॥
मेरोपांचबरषकोकान्हा ❁ अजऊंरोयपयमागतनान्हा ॥ ❁ ॥
कहांतुजोबनकेमदमाती ❁ हरिकेसंगफिरतिइठलाती ❁ ॥
ग्वालनिसुनतजसोमतिबैना ❁ मनहरलीनौराजिवनैना ❁ ॥
आननरसेप्रीतिमनमाहीं ❁ उतरदेतबनतकछुनाहीं ❁ ॥
कछुअनउतरकहिरिसपाई ❁ चलीभवनउरराखिकन्हाई ॥
जसुमतियहैसिखावतिस्यामहिं ❁ कतहीजातपरायेधामहिं ॥
येसबगोरसकेमदमाती ❁ फिरतिछीठग्वालनिइतराती ❁ ॥
नितउठिउरहनदेतिविहाने ❁ मुखसंभारिनहिबातबखाने ॥
रुचिउपजैतुम्हरेमनजोई ❁ मोपैमागलेउकिनसोई ❁ ॥

कहिकहि मधुर बचन निज ताता ● सुख रूप जा वक मेरे गाता ॥
अपने ही आंगन खेलिये सखन सहित दोउ भाय ॥
मुहि सुख दीजै आपने बाल बिनोद दिखाय ● ॥
सुंदर घन ब्रजनाथ कोटि काम शोभा हरण ॥
गोपबाल लै साथ करत बाल लीला ललित ॥ ● ॥
मथुरा जाति लखी इक ग्वाली ● चरचि लई ताकौं बनमाली ● ॥
बैठि रहे ताकों पिछवारे ● सखा संग लै नंद दुलारे ● ● ● ● ॥
कहति परोसिनि सों समुझाई ● सुनली जै सो कुंवर कन्हाई ॥
बेचन जाति सखी हौं दहियौ ● तौ लैं मेरे गृह तन लहियौ ● ॥
सदमाखन है माट धरोई ● सोंपि जाति हौं तोकौं सोई ● ● ॥
डरतौ और कछू ब्रजनाहीं ● नंदसुवन सखि आयन जाहीं ॥
याकहि चली ग्वालिनी जबहीं ● सखन सहित हरि पैठे तबहीं ॥
कछु ग्वालन कौ आहट पाई ● सो पुनि फेरि घर हीं फिरि आई ॥
देखि सखा सब चले पराई ● पकरे ग्वालिनि धाय कन्हाई ● ॥
और न जानि जानि मैं दीन्हें ● तुम कत जात अचकरी कीन्हें ॥
बांह पकरि लै चली लियाई ● कहति जसोमति देखहु आई ॥
डरहु न देत सदा रिस मानौ ● अब अपनो सुत आय पिछानौ ॥
वहै डरहु नौ नित्य कौ सत्य करं न के काज ॥
मैं गहि ल्याई स्याम कौं बांह पकरि कै आज ॥
हरि बैठे निज धाम खेलत जननी के निकट ॥

कौतुकनिधिघनस्याम करतचरितसंतनसुखद॥
जसुमतिसुनिग्वालिनिमुखबानी देखनिचलीसुतहिअकुलानी
गयेतहांहैसुनापराई ॥ देखिजसोमतिअतिरिसपाई ॥॥
तेरेआंखनमतिहियमाहीं ॥ बदनदेखिपहिचानतिनाहीं॥
देखऊरीयाकीगतिमाई ॥ याकन्याकौंकहतकन्हाई ॥॥
तेंजोमेरेसुतकौनामा ॥ सूधैकरिपायैहैस्यामा ॥॥॥
तूगहिबांहकौंनकौंल्याई ॥ खेलतमेरेधामकन्हाई ॥॥॥
रहीबालहरिकौमुखचाही ॥ समुझिसमुझिमनमनपछताई॥
बांहपकरिमैंघरतेंल्याई ॥ कीन्हेकैसेचरितकन्हाई॥॥॥
आनबनैनाकछुकहिजाई ॥ रहीग्वालिठगिसीसकुचाई॥
महरिकहतिचलिजाहिइहांतें ॥ मैंजानतिसबतुम्हरीबातें॥
हरिकेचरितनकहाकोउजानै॥ग्वालिनितनदुरिमुरिमुसकानै
हरितेंहारिचलीगृहग्वाली ॥ बुधिकरजीतीस्यामतमाली॥॥
बहुरिगयेइकग्वालिघर मनमोहनघनस्याम॥
सखनसहितहरषितभयेसूनौपायोधाम ॥॥
सबघरलियौढंढोरि माखनखायोचोरिहरि॥
भाजनडारेफोरि गोरसदियौलुढायमहि ॥
सोवतलरिकानिचुटकिजगाए ॥ महीछिरकिडरपायरुवाए॥
बडोमाटइकघीकौपोखै ॥ बहुतदिननिकौचिकनौचोखै॥
सोऊफोरिकियौबहुटूका ॥ चलेहंसतसबमिलदैकूका ॥॥

आयगई ग्वालिनितिहिकाला ❁ निकसतधरिपायेनंदलाला ॥
देखौघरबासनसबफोरे ❁ रोवतबालमहीसौंबोरे ॥ ❁ ❁ ॥
दोऊभुजगाढेगहिलीने ❁ जायमहरिढिगठाढेकीने ❁ ❁ ॥
कहतिसबैसजसोमतिआगे ❁ अबपतरहिहैयाब्रजत्यागे ❁ ॥
ऐसेहालकियेगृहमेरे ❁ सुनऊंसहरिलक्षणसुतकेरे ❁ ॥
माखनखायदहीढरिकायौ ❁ महीछिरकिबालकनखवायौ ॥
बासनफोरिधरेसबघरके ❁ उपज्यौपूतसपूतमहरके ❁ ❁ ॥
घीकौमाटयुगनिकौराख्यौ सोऊफोरिदूककरिनाख्यौ ❁ ❁ ॥
चलऊंदिखाऊंघरकौहाला ❁ सखऊबांधिआपनोलाला ॥

जननीखीजतिकान्हकौंकरतफिरतउतपात ॥
नितउठिडरहनसहतहैंतूनहिमानततात ॥
बडेबापकेपूत चोरनामप्रगट्यौजगत ॥
उपज्यौपूतसपूत नामधरावततातकौ ॥

जननीकेखीजतहरिरोये ❁ भरिआयेनैननिकेकोये ॥ ❁ ॥
झूठहिंमोहिलगावतिधगरी ❁ मेरेख्यालपरीहैंसगरी ॥ ❁ ॥
जसुमतिरोवतदेखिकन्हाई ❁ बदनपोंछिलीनोउरलाई ॥
कहतिसबैयुवतिनयहभावे ❁ नितहीनितउठिभोरहीआवे ॥
मेरेहिबारहिंदोषलगावैं ❁ झूठहिडरहनमोहिसुनावैं ॥
कबहिगयैतेरेदरवाजे ❁ दूधदहीमाखनकेकाजे ॥ ❁ ॥
धनमातीइतरातीडोलैं ❁ सकुचतिनाहिसंभारिनबोलैं ॥ ❁ ॥

मेरेकान्हतनकसैंमाई ● ताहिरुवावतिफूठलगाई ॥ ॥ ● ॥
कबहरितेरैमाखनलीनौ ● मेरेबकृतदई कौदीनौ ॥ ● ॥ ॥
कहाभयौघरगयोनिहारे ● छियौतनकदधिबालकबारे ● ॥
ग्वालिनसुनिजसुमतिकीबानी कहतिमहरितुमउठरिसानी
नितउठिहोयजासुकीहानी ● सोक्योंश्रानकहैनंदरानी ॥ ॥
तुमकछुलावतश्रौरहीलेऊआपनौगाऊं ॥ ॥
जहांबसेनहिपतरहैतजनिकह्यौसोठाऊं ॥
पूतहिदेतिपठाय भंडिहाईघरघरकरत ॥
डरहनदेतरिसाय कोबसिहैऐसेनगर ॥
सखाभीरलैपैठतधाई ● श्रापखायतौसहियैमाई ॥ ● ● ॥
जोकछुगोरसघरमेंपावै ● कछुडारैकछुसखनलुटावै ॥ ● ॥
कहलौंसहैंनित्यकीहानी ● कबलौंकरैंनंदकीकानी ॥ ● ॥
इकदिनमेरेमंदिरश्रायौ ● मोकोंदेखतबदनबिरायौ ॥ ● ॥
जबमैंसन्मुखपकरनधाई ● तबकेगुणाकहाकहौंसुनाई ॥ ॥
भाजिरह्यौदुरिदेखतजाई ● मैंपाछैश्रपनेगृहश्राई ॥ ● ॥
हरैंहरैंश्रायेसिरहाने ● चोटीपाटीबांधिपराने ॥ ● ॥ ● ॥
सुनमैयायाकेगुणमोसों ● यहसबफूठकहतिहैतोसों ॥ ● ॥
खेलततेंमोहिलियेबुलाई ● मोपैदधिकीचैंटिकढाई ॥ ● ॥
टहलकरोंमैयाकेघरकी ● यहसोवेपतिसंगनिधरकी ॥ ● ॥
सुनतबचनजसुमतिमुसकानी ग्वालिनिहंसिमुखमोरिलजानी]

सुनतकहमहरिसुतकेगुणकाने ❁ समुझत्है भोरकेस्याने ❁ ॥
॥ ❁ करतफिरतउतपातश्रतिसबव्रजघरघरजाय ॥
॥ ❁ नितउठिखेलतफागसीगरिखावतनलजाय ॥
॥ बाह्रततरुणकिशोर बोलतबचनविचित्रवर ॥
॥ ❁ इहांहीनतप्रिभुभोर तुमश्चरजमानतनहीं ॥
यौंकहिगई ग्वालिनीधामहिं जसुमतिपुनिपुनिसिखवतिस्यामहिं
घरगोरसजिनजाहुपराये ❁ तातरिसातउरहनौलाये ❁ ॥
लघुदीरघताकछुनहिजाने ❁ झगरैश्रायझूठसबठाने ॥ ❁ ॥
नौलखधेनुदूधकीतेरे ❁ श्रौरबहुतबनचरैं श्रनेरे ॥ ❁ ॥ ❁ ॥
लूकतमाखनखातचुराई ❁ छांडिदेहुश्रबयहलरिकाई ❁ ॥
यौंकहिजननीकंठलगायौ ❁ सुंदरस्यामहरषतबपायौ ॥ ॥
खेलनगयेबहुरिनंदलाला ❁ कियेजायपुनिसोई ख्याला ❁ ॥
श्रपरग्वालिउरहनलैधाई ❁ श्राई जसुमतिपहरिसयाई ॥
तेरेकान्हमेरैमाखनखायौ ❁ सखनिसहितश्रबहीभजिश्रायौ
मैं गई यमुनभरनकींपानी ❁ इुपहरहौसहूनघरजानी ॥
गयौभवनमेंखोलिकिवारी ❁ छींकनितेंदधिलियौउतारी ❁ ॥
खायलुटायबह्रायपराने ❁ बारकह्वैबरजौनहिमाने ॥ ❁ ❁ ॥
कीन्हौं श्रतिहीलाडलौलाडलडायबहूत ॥
श्रबहीतेंयेढंगकरतजायौनौखेपूत ❁ ॥
सुनिग्वालिनिकेबैन कहतिजसोमतिकान्हसों ॥

सिखयैमाननतनैन जैसटियाडाटतिभई ॥ ● ॥
माखनखातपरायेघरकौ ● मेरेरहततजहांतहाढरकौ ॥ ● ॥
नितिप्रतिमथियतसहसमथांनी ● तेरेकैंनवस्तुकीहानी ॥ ॥
कितनेझहिरजियतघरमेरे ● बेचतखातमहीबऊतेरे ॥ ● ॥
पूतकहावतनंदमहरकौ ● चोरीकरतउघारतफरकौ ● ॥
मैयामैंनहिमाखनखायौ ● मेरेबदनसखनलपटायौ ॥ ● ॥
भाजनऊचेछिंकनचढायो ● समुझिदेखिमैंकैसेंपायौ ॥ ॥ ● ॥
मैयेनान्हैंहाथपसारी ● किहिंबिधिमाखनलियौउतारी ● ॥
मुखदधिपौछतकहतकन्हाई ● दोनापाछैपीठदुराई ॥ ● ॥
डारिसांटिजसुमतिमुसकानी ● गहिउरलायलियेसुखदानी
बालबिनोदमोदमनमोह्यौ ● निरखतबदनत्रासयुतसोह्यौ ॥
भक्ताधीनवेदयशगांवैं ● सोहरिभक्तप्रतापदिखावैं ॥ ● ॥ ● ॥
जसुमतिकौसुखनिरखिअगाधा बिसरीशिवमुनिब्रह्मसमाधा
धनब्रजबासीधन्यब्रजधनधनब्रजकीगाय ॥ ● ॥
जिनकौमाखनचोरिहरि नितउठिघरघरखाय ॥
रहेसकलसुरभूल ब्रजबिलासहरिकौनिरखि ॥
हर्षहिंबर्षहिंफूल धन्यधन्यब्रजधन्यकहि ॥ ॥
आईकहतिऔरइकग्वाली ● सुनऊजसोमतिसुतकीचाली
भाजगयेमेरेभाजनफोरी ● माखनखायमहीमहिढोरी ● ॥
हांकदेतपैठतघरमाहीं ● काहूबिधिकरिमानतनाहीं ॥ ● ॥

सखासंगकीनेइकठैरी ❀ नाचत्तफिरत्तसांकरीखोरी ॥ ❀ ॥
बाटघाटकोउचलननपावै ❀ गारीदैदैसबनबुलावै ॥ ❀ ॥ ॥
गोरसहांमिकरनहैसिगरै ❀ कहांलगिकीजैनित्तउठिझगरै
घरघरकरत्तफिरत्तसुत्तचोरी ❀ ऐसीबिधिबसिहैब्रजकोरी
सुनत्तगोपिकाकीरिसबानी ❀ कहत्तस्यामसेंनंदकीरानी ॥ ॥
तूनहिमोहिडरत्तमुरारी ❀ बकत्तबकत्ततोसेंपचिहारी ॥ ❀ ॥
घटरसभरेधरेघरमाहीं ❀ तातेंतूलैखात्तक्योंनाहीं ॥ ❀ ❀ ॥
परघरचोरीकोंनित्तजाई ❀ देनिउरहनेग्वालिसदाई ॥
मोकोंउपराकहत्तसबआई ❀ तेरेघरछोटडुनअघाई ❀ ॥
सुनिसुनिलाजनिमरत्तिमैंतूनहिमानत्तबात ॥
अबतोहिराखैबांधिकेजानीतेरीघात ॥ ❀ ॥ ॥
सुनरीग्वालिनिबात कहैदेतअबतोहिमैं ॥ ❀ ॥
जबहीपावऊघात मेरीसेंायहिमारियो ॥ ❀ ॥
अबतेंमोकहुंबऊत्तखिजाई ❀ सांटिनमारिकरैंपऊनाई ॥
अजहूंमानकह्योकरिमेरै ❀ तूघरघरमत्तफिरैअनेरै ॥ ❀ ॥
जननीरिसलखिस्यामडराने ❀ अबनहिजैहांधामबिराने ❀ ॥
यौंकहिनिकरिगयेहारद्वारें ❀ खेलत्तसखनसंगमिलिप्यारें ॥
तबहीग्वालिअौरइकआई ❀ सोजसुमतिसेंकहत्तसुनाई ॥
नंदमहरिसुतभलोपठायौ ❀ ब्रजघरवीथिनशोरमचायौ ❀ ॥
मारिभजलकाहूकेलरिका ❀ खेलत्तहैकाहूकोफरका ॥ ❀ ॥

काहूकौदधिमाखनखाई ❁ काहूकेघरकरतभंडाई ॥ ❁ ॥
गारीदेतसकुचनहिमानै ❁ गैलचलतहठिकगरैठानै ❁ ❁ ॥
कहाकहाहरिकेगुणनिबतैयै ❁ तोसोंडरहमनदेतिरजैयै ॥
कछुटोनासौपढिकरिआई ❁ जोइभावतसोइकरतकन्हाई ॥
पीतांबरओढतसिरनाई ❁ अंचलदैदैमुरिमुसकाई ❁ ❁ ॥
तेरीसोंतोसोंकहतिअसकुचतयहबात ❁ ॥
तेरोमुखहरिलखतहीसकुचितनकहैजात ॥
नेकुदिखावऊआंखि नहिअबतेयेढंगभले ❁ ॥
कबलगकहियेराखि करतअचकरीस्यामअति ॥

॥ अथदावरीबंधनलीला ॥

जसुमतिसुनिहरिकेगुणगाथा ❁ रिसकरिउठीसांटिलेहाथा
कहतिजोऐसीरिसमेंपाऊं ❁ तौहरिकीगतितुमहिंदिखाऊं ॥
कैसेहालकरौंहरिकेरे ❁ लागेतातआजहैमेरे ॥ ❁ ❁ ❁ ॥
छांडोंनहीं आजबिनमारे ❁ भयेस्यामअबबडतदुलारे ❁ ॥
इहिअंतरआईइकगोपी ❁ बांहगहेहरिकीमुखकोपी ❁ ॥
भलोमहरिसूधोसुतजायौ ❁ चोलीहारखेलिदिखरायौ ॥
किननहिसुतकौलाडलडायौ ❁ कौनेनहीकठिनकरिजायौ ॥
तेरौकछूअधिकरीमाई ❁ बरजतिनाहिननेककन्हाई ❁ ॥
जसुमतिहरिकौंभुजगहलीनौ कहतिबडरिअपनौढंगकीनौ
हरवैसदियाहैकलगाई ❁ आजबांधिमेटौंलंगराई ❁ ❁ ❁ ॥

गहेभुजासुतकीवितताहीं ❁ इतउतरजुखोजतिनंदरानी ॥
हरिजननीउरकोंपनिहारी ❁ मनमनबिहसतकौतुककारी
अग्निप्रेरित्रिभुवनधनीदियौक्षीरउफनाय ॥ ❁ ॥
जसुमतिलखितजिहरिभुजालगीसंभारनजाय ॥
इहिंबिधिभुजाछुडाय दधिभाजनफोरनिलगे ॥
माखनमहिंलपटाय गोरसदियौलुढायसब ❁ ॥
रिसमेंरिसऔरेंउपजाई ❁ जानिजननिअभिलाषकन्हाई ॥
देखिजसोमतिअतिरिसपागी ❁ पकरिस्यामकौंबांधनलागी ॥
गर्वजानिनहिंदामसमाई ❁ सबरजुद्वैअंगुरिघटिजाई ❁ ॥
पुनिपुनिजसुमतिऔरमगावै ❁ हरिकेतनसबओछीआवै ❁ ॥
देखिजसोमतिअतिरिसबाढी ❁ मनपछितातग्वालिनीठाढी ॥
देखसखीजसुमतिबौरानी ❁ हरिकौंबांधनचहतिअयानी ॥
हरिकौंत्रिभुवनपतिनहिंजाने ❁ जिनतेंसकलकलेशनसाने ॥
अखिलब्रह्मांडउदरमेंजाके ❁ बांधतिमहरिउदररजुताके
ब्रह्माशिवसनकादिकज्ञानी ❁ इनहूंजिनकीगतिनहिंजानी
जलथलजिनकीयोतिसमानी ❁ कहीगर्गसबप्रगटबखानी ॥
मुखमेंत्रिभुवनदियौदिखाई ❁ ताहूपरपरतीननआई ❁ ॥
तिनहिदेखबांधतिनंदरानी ❁ अचरजकथानजातिबखानी ॥
आपबंधावतप्रेमबसभक्तनिछोरतफंद ॥
बदतवेदबाणीविदितभक्तबच्छलनंदनंद ॥

जननिहिं अतिरिसजान यमलाअर्जुनसुरनिकरि ॥
दीनबंधुभगवान जननहितगयेबंधायप्रभु ॥ ❁ ॥ ❁ ॥
जननीकेमनकीरुचिजानी ❁ आपबंधायैसारंगपानी ❁ ॥
कहतिजसोमतिलैकरडोरी ❁ बांधौंतोहिसकैकोछोरी ❁ ॥
लैलैरजुऊखलसोंजोरै ❁ हरिलखिबदननैनजलढोरै ❁ ॥
यहसुनिब्रजयुवतीउठिधाईं ❁ देखिस्यामकौंसबमुसकाईं
कहतिइन्हैंकोऊमतछोरै ❁ बहुरिस्यामअबमाखनचोरै ॥
ऊखलबांधजसोमतिडोरी ❁ मारनकौंसटियाकरतोरी ❁ ॥
सांटीदेखिग्वालिपछतानी ❁ बिकलभईंमन अतिअकुलानी ॥
कहतिजसोमतिसोंसबगोपी ❁ ऐसीकहापूतपैकोपी ॥ ❁ ॥
कहाभयौजोबालकपाहीं ❁ ढरकगईंमथनीमहिमाहीं ॥
घरघरगोकुलदईंदिवारी ❁ तूबांधतिहरिकीभुजकारी ॥ ॥
ऐसीनोहिबूझियैनाहीं ❁ गोरसलगिबांधतिसुतबांहीं ॥
चूकपरीहमतेंइहिभोरैं ❁ उरहनदियैबकसकरजोरैं ॥

बारबारजोवतबदनहिचुकिनरोवतस्याम ॥
बज्रहुतेंतेंसैहियोकठिनअहोनंदबाम ॥ ॥
कतरिसकरतिअचेत छोरउदरतेंदावरी ॥
डारकठिनकरबेत लोचनभरिभरिलेतहरि

जाहुचलीअपनेअपनेघर ❁ तुमहिसबैमिलढीठकियौबर ॥
बंधनछोरनिकौंअबआईं ❁ मोकौंमतबरजौकोउमाईं ॥ ॥

मोहिं आपनेबाबाकीसौं ● अबनपत्याउंश्यामकीबौसैं॥ ● ॥
देखिचुकीमैंइनकेख्याला ● उपजेबडेनंदकेलाला ॥ ● ॥ ॥
मैंदेवनहितपैआरायौ ● कोरीमहुकीदहीजमायौ॥ ● ॥ ● ॥
जावनदियौंनपूजनपायौ ● सोसबफोरिभूमिछरिकायौ ● ॥
तिहिंघरदेवपित्तरकहुकाके ● भयौकान्हसौंसुतघरजाकें
कहतिएकसुनजसुमतिबौरी ● दधिकारणसुतबांधतदौरी
तैंयहसीखकौंनपैलीनी ● इतनीरिसबालकपरकीनी ॥ ● ॥
जोअतिहीअचकरैकन्हाई ● तऊकोखकौजायौमाई ● ॥
नेकदेखधौंहरिहिनिहारी ● कैसेंडरतबकुटडरभारी॥ ● ॥
सोभितसजलसांवरेलोचन ● नीरजदलअतिआसभारेजन॥

नमितबदनहूखिनअधरकछुकसकुचमैंरोस॥
सांझहोतिजिमबातबसशोभितपंकजकोस ● ॥
निरखिनैनसुखदेत हरिपैसर्वसवारिये ● ॥
प्रगटेनंदनिकेत कोजानेकिहिंपुन्यबस ● ॥

एककहतिजोआयसुपाऊं ● तौमाखननिजघरतेंलाऊं ● ॥
जिहिंकारणकीनीरिसहरितें ● अजहुनडारतिसटियाकरतें
देखिडरानतेहिहरिकैसें ● सकुचतजलजसीतभयजैसें॥ ॥
बेगछोरबंधनहठत्यागी ● लैलगायउरस्यामसभागी ॥ ● ॥
कहनिलगीअबबढिबढिबानी ● माखनमोहिदेतिहैआनी॥
मानौमेरेघरकछुनाहीं ● तबनहिंडरहनदेतलजाहीं॥ ॥

छोटामेरैसुभाहिंबंधायौ ❁ डरहनदैदैमूडपिरायौ ॥ ❁ ॥ ❁ ॥
रिसहीमेंमोकौंगहिदीनौ ❁ सबकौज्ञानजानिमैंलीनौ ॥ ❁ ॥
बोलीअपरएकब्रजनारी ❁ देखऊजसुमतिसुर्नहिनिहारी
मुखछबिकोटिचंदबलिहारी ❁ येहैंसाहकिचोरबिहारी ॥
नाहिनतरुणाकिशोरकन्हाई ❁ कतहिकरतइनसेंरिसमाई
कहाभयौजोऊरहनश्राने ❁ बालकहरिअबहीकहाजाने ॥

स्रमितभ्रमिततोत्रासतेंचपलसजलदृगकोर ॥
मनऊंमीनबंसीबिधेकरतसलिलककोर ॥ ॥
लैउठायउरधारिं छोरउदरतेंदावरी ❁ ॥
प्राणदींजियेवारिं मोहनमदनगुपालपर ॥

तेरैकठिनहियौहैमाई ❁ कहतिएकग्वालिनसमुझाई ॥ ❁ ॥
ऐसौमाखनदधिबहिजाई ❁ बंधेकमलनैनजिहिंलाई ॥
जोमूरतिशिवध्यानलगावैं ❁ सपनेऊंसुरनहिंदेखनपावैं ॥
निगमनहूंखोजतनहिंपाई ❁ सोतैंदैकरतारनचाई ॥ ❁ ॥
याहीतैंतूगर्वभुलाई ❁ घरबैठेतेरेनिधिआई ॥ ❁ ❁ ❁ ❁ ॥
काहूकौसुतरोवतदेखी ❁ लेतिधायउरलायविशेखी ॥ ❁ ॥
अबयहकतसीखीचतुराई ❁ निजसुतमोंइतनीकठिनाई ॥
कहतिएकदेखऊनंदनारी ❁ कबकेऊखलबंधेमुरारी ❁ ॥
गयौछुधातेंमुखकुम्हलाई ❁ अतिकोमलतनस्यामकन्हाई ॥
भईबेरबीतियुगयामा ❁ हरिकेनिकटआयगईघामा ॥ ❁ ॥

तूलागीगृहकारजमाहीं ● हैनिर्दई दयाकछुनाहीं ॥ ● ॥
घरकौकाजइनकूतेंप्यारो ● जसुमतिनैकनहृदैबिचारो ॥
जलजलोललोचनसजलभयेत्रासतेंदीन ॥
चितवततेरेबदनतनमनमोहनआधीन ॥
केतिकगोरसहान जाकौंतोरतकानतू ॥
वारिदीजियेप्रान रोमरोमपरस्यामके ॥
हरिकौंदेखिसखाइकधायो ● तिनहलधरसोंजायसुनायो ॥
अहोरामतुम्हरोलघुभैया ● बांध्योआजजसोदामैया ॥ ●● ॥
काहूकेलरिकहिंहरिमास्यो ● जसुमतिपैतिनजायपुकास्यो ॥
तबतेंहरिहिबांधबैठायो ● छांडतिनाहिनसबनिछुडायो ॥
सोहमतुमहिंजनावनआये ● हलधरसुनततुरतउठिधाये ॥
माताडरतनअर्तिहित्रसाये ● हरिहिदेखिलोचनभरिआये
कहतभलेदोउभुजाबंधाये ● ऊखलसोंबांधेहरिपाये ॥ ● ॥
मैंबरजेकैवारकान्हाई ● अजहूंछोडदेऊलंगराई ॥ ● ॥ ॥
दोउकरजोरिकहतरीमैया ● काहेकौंबांध्योमेरोभैया ॥ ● ॥
स्यामहिंछोडिबांधबरमोही ● औरकहाकहियेअबतोही ॥
मेरोप्राणअधारकन्हाई ● ताकीभुजमोहिबंधीदिखाई ॥ ● ॥
कौनकाजगोरसधनधामा ● जिहिंकारणबांध्योघनस्यामा ॥
छुवतोऔरजोतनकोऊआजदेखतोसोय ॥
तूजननीकछुवसनहींजोकछुकरैसुहोय ॥

तेरेवसहरिञ्चाहिं कोजानेकिहिंपुन्यतें ॥
तूपहिचानतनाहिं गोरसहितबांधतहरिहि
सुनऊबातहलधरतुममेरी ❁ करनिदेऊसेवाइनकेरी ॥ ॥
माखनखातपरायौजाई ❁ प्रगटतचोरीनामकन्हाई ॥ ❁ ॥
तुमहीकहौकमीकिहिंकेरी ❁ नौनिधिकोमेरेघरछेरी ॥ ❁ ॥
हौंहारीबरजतिदिनराता ❁ मानतनाहिंनमेरीबाता ॥ ❁ ॥
कहाकरौंहरिश्चतिहिखिजाई ❁ भयौबऊतहीढीठकन्हाई
मेरीकह्यौतनकनहिंमाने ❁ नितउठिटेकश्चापनीठाने ॥ ❁ ॥
भोरहोतउरहनलैश्चावै ❁ ब्रजयुवतिनतेंमोहिलजावै ॥ ❁ ॥
जहांतहांधूममचावतजाई ❁ घरनहिंरहतक्षणेककन्हाई
तुमहूंदोषदेतहौमोही ❁ कान्हरतेंप्यारौदधितोही ॥ ❁ ॥ ॥
तोहितजश्चौरकहौंकिहिंमैया ❁ श्चौरकौनमेरौमानरखैया ॥
तेरीसौंजननीसुनमोही ❁ उरहनदेतिझूठसबतोही ❁ ॥
हैसबब्रजकौस्यामपियारौ ❁ स्यामसकलब्रजकौरखवारौ ॥
दधिमाखनपयकान्हकौकान्हहिकीसबगाय ॥
मोहूकौंबलकान्हकौतूनहिंजानतिमाय ॥ ❁ ॥
बलिदाऊकीबात सुनिजसुमतिहंसिकैकह्यौ ॥
तुमइकमतिदोऊभ्रात जानतमैंतुमरेचरित ॥ ॥
हरिहिदेखिहलधरमुसकाने ❁ यहतुम्हगतितुमबिनकोजाने
कोतुम्हछोरनबांधनहारा ❁ तुमछोरतबांधतसंसारा ॥ ❁ ॥ ॥

कारणकरनकरतमनमाने ❁ अतिहितजसुमतिहाथबिकाने
असुरसंहारनजनदुखमोचन ❁ कमलापतिराजीवविलोचन
भक्तनिकेबसरहतसदाई ❁ ताहीतेंकछुआनबसाई ॥ ❁ ॥
हरियमलार्जुनतनहेरे ❁ मनमनकहतदासयेमेरे ॥ ❁ ॥ ॥
अबहीआजुइन्हैंउद्धारैं ❁ दुसहश्रापमुनिवरकौटारैं ॥ ॥
इनहींकेहितभुजाबंधाई ❁ परसिबिटपअबदेउंगिराई ॥
दासनदुखइनकौसबटारैं ❁ इहिंमिसकरिबंधननिरवारैं ॥
भक्तवत्सलहरिदीनदयाला ❁ करुणासिंधुअगाधकृपाला ॥ ॥
भक्ताधीनवेदयशगाने ❁ पावनपतितकहावैबाने ॥ ❁ ॥ ❁ ॥
भक्तहेतुनानातनधारी ❁ करतचरित्रभक्तनसुखकारी ॥ ❁ ॥

ब्रजबासीप्रभुभक्तहितआपबंधायौदाम ॥
ताहीदिनतेंप्रगटहैदामोदरसौनाम ॥
नंदनंदनघनस्याम जनरंजनभंजनबिपति ॥
मेटतजिनकौनाम पापआपत्रयतापदुख ❁ ॥

जसुदाबाहरछांडिकन्हाई ❁ लगीमथनिदधिभीतरजाई ॥
कहतिबचनरसरिसलपटाने ❁ खातफिरतदधिधामबिराने ॥
घटरसछांडिआपनेधामा ❁ चोरीप्रगटकरतहैनामा ॥ ❁ ॥ ॥
मारिभजतब्रजलरिकनजाई ❁ जहांतहांब्रजधूममचाई ॥
रहौतुमऊंहलधरचुपसाधी इनकीमेटनदेउउपाधी ॥ ❁ ॥
ऊखलसोंबांधेबनवारी ❁ कहतिजसोमतिसोंब्रजनारी ॥ ❁ ॥

कान्हकुँतैंनोंहिमाखनप्यारौ ● श्रौरीदेखितरसतहरिवारौ ॥
डारिदेहिमथनीनंदरानी ● ह्वैहैंहरिकीभुजापिरानी ॥ ● ॥
दूधदहीहरिपैसबवारौ ● मोहनजीवनप्राणहमारौ ॥ ● ॥
हरुवैबोलिकह्यौनंदरानी ● जाकुसबैतुमयुवतिसयानी ॥ ॥
मैंखीजतिलरिकहिगुणकाजै ● तुमकतफुरतदई बिनकाजै
लरिकहितासदिखावतिरहिये ● श्रवहौंतें श्रवगुणनहिंचहिये
युवतिचलीविरुकायसबकहतिजसोदहिपोच ॥
मूरखसोंकहियैकहाकरतप्रेमबससोच ॥ ● ॥ ॥
कहाकरैंबसिजाउं कहतिचलीसबस्यामसों ॥
धरतजसोदहिनाउं श्रतिकठोरमाननमहीं ॥
तबहीस्यामसुंदरयहठानी ● युवतीघरनिगई सबजानी ॥
गृहकारजजननिहिंश्रटकायौ ● श्रापयमलश्रर्जुनपहश्रायौ
परसतपातउठेमहराई ● परेधरश्राघातसुनाई ॥ ● ॥ ॥
उखरेमूलसहितश्ररराई ● द्वियेधरनिदोउतरुनिगिराई ॥
भयेचकितसबव्रजकेबासी ● रहेसकुचितनसुधिबुद्धिनासी ॥
कोउभूमिकोउतरुनतश्रकासा ● रहेघरिकलौंजकिमनत्रासा
याहीश्रंतरयुगलकुमारा ● प्रगटेधनदतनयसुकुमारा ॥ ● ॥
नारदश्रापपापदोउभाई ● भयेकुतरुब्रजमेंतरुश्राई ॥ ● ॥
हरिकेपरसतनिजगतिपाई ● भयेपुनीतमिटीजड़ताई ॥
तिन्हैंकृपालश्रनुग्रहकीनै ● चारभुजाधरिदरसनदीनै ॥

देखिदरसअतिपुलकशरीर ❁ परेचरणदोउबंधुअधीर ॥
बारबारपदरजसिरधारी ❁ जोरिपाणिअस्तुतिअनुसारी
अनुसारिअस्तुतियुगलप्रेमानंदमगनसनमुखखरे ॥
जैजैभगतहितसगुणसुंदरदेहधरिधावतहरे ॥
जोरूपनिगमननेतिगायैबुद्धिमनवाणीपरे ॥ ❁ ॥
सोधन्यगोकुलआयप्रगटेधन्यजसुमतिउरधरे ॥
धन्यव्रजधनिगोपगोपीगायदधिमाखनमही ॥ ❁ ॥
धन्यगोविंदबाललीलाकरतमाखनचोरही ॥ ❁❁ ॥
धनिधनिउरहनौदेतनितउठिधन्यअनखबढावहीं
धनिसोजननीबांधिराखतजाहिवेदनपावहीं ❁ ॥
धन्यसोतरुजासुऊखलधनिसुजनगढिल्याइयौ ॥
धन्यसोतृणजासुकीरजुस्यामभुजनिबंधाइयौ ॥ ॥
धन्यहरिविधनिआपदीनौअतिअनुग्रहसोकियौ ❁ ॥
जासुशिवब्रह्मादिदुर्लभनाथतुमदरसनदियौ ॥
अबकृपाकरिदेहुवरप्रभुचरणपंकजमतिरहै ॥ ॥
जहांजन्महिंकर्मबसतहांएकतुम्हरीरतिरहै ॥ ॥
दीनबंधुकृपालसुंदरस्यामश्रीब्रजनाथजू ॥ ❁ ॥ ॥
राखियेनिजशरणअबप्रभुकरियहमहिंसनाथजू ॥
बारबारपदनायसिरबिनतीप्रभुहिंसुनाय ॥
प्रेममगननिरखतवदनहर्षसहितदोउभाय ॥ ॥

साधुसाधुकहिनाम भक्तिदाननितनकौंदियौ ॥
बिदाकियेघनस्याम हर्विंगयेनिजपुरयुगल ॥
बृक्षशद्दसुनिजसुमतिधाई ● देखेअजिरनकुंवरकन्हाई ॥
परेविटपमहिखखअकुलानी ● स्यामचपेतरुतरयहजानी ॥
आरतमहरिपुकारनलागी ● बंधेहरिमैंपरमअभागी ॥ ॥
सुनतशोरब्रजजनउठिधाये ● नंदद्वारसबआतुरआये ॥ ॥
देखिगिरेतरुमनहिडराने ● ढूंढतस्यामहिंअतिहिसकाने ॥
बारबारसबकरहिंबिचारा ● गिरेकवनबिधिविटपअपारा ॥
देखेदुहूंतरुबीचकन्हाई ● रहेत्रसितउखललपटाई ॥ ॥
धायलियेभुजछोरिउठाई ● ब्रजयुवतिनलीनेउरलाई ॥ ॥
कहतसबैनंदहिबडभागी ● बचेस्यामकहुंचोटनलागी ● ॥
कबहूंबांधतिमारतिकबहूं ● देतिदोषजसुमतिकौंसबहूं ॥
नैननीरभरिदौरिजसोदा ● लियौलगायकंठसुतगोदा ● ॥
जरउसोरिसजिनतुमकैंबांध्यौ जरउहाथजिनजेवरिसांध्यौ
नंदमोहिकहिहैंकहादेखितरवरनिआय ॥
कुशलरहेतुमभ्रातदोउसैंबैमरउंबलाय ॥
स्यामरहेलपटाय अतिसभीतउरमातके ● ॥
बारबारबलिजाय जसुमतिमनपछितातअति
ब्रजयुवतीलैलैउरलावैं ● निरखिबदनतनमनसुखपावैं ॥
मुखचूंमतयहकहिपछिताहीं ● कैसेबचेअगमतरुमाहीं ● ॥

बडी आयु हरि की है माई ● जहां तहां बिधि होत सहाई ॥
प्रथम पूतना मारन आई ● पय पीवत वह तहां नसाई ॥ ● ॥
तृणावर्त लै गयौ उडाई ● आपहि गिरयौ सिला पर आई ॥ ● ॥
कागासुर आवत नहिं जान्यौ ● सुनी कहति जियलेत परान्यौ
सकटासुर पलना ढिग आयौ ● को जाने तिहिं काहि गिरायौ ॥
कौन कौन कर बर बिधि टारी ● ऊखल सौं बांधे महतारी ॥ ● ॥
बकुतें उबरयौ आजु कन्हाई ● ऊपर बृक्ष परे भहराई ॥ ● ॥
सबहि नपै लिकरत मन भाई ● पुन्य नंद के बचौ कन्हाई ॥ ॥
भुज पर बंधन चिन्ह निहारी ● कहति जसोमति सौं ब्रजनारी ॥
बेगुण जसुमति आहिं तिहारे ● सकुची महरि निरखि हरि प्यारे
नबहि नंद आये घर हि दो उतरु गिरे निहारि ॥
स्याम चपन बाचे सुने देत महरि कौं गारि ॥ ● ॥
बांधति है बिन काज मेरे हरि बारे सुतहिं ● ॥ ● ॥
कुशल करी बिधि आज सोचत नंद लखित रवरनि ॥
नबहि तात कहि धाय कन्हाई ● लिये नंद कनियां सुख पाई ॥
चूं मि वदन उर सौं लपटाये ● प्रेम पुलकि लोचन भरि आये ॥ ॥
मेरे लाल मैं तुम पर वारी ● काहे कौं बांधे महतारी ॥ ● ॥ ● ॥
कैसें गिरे बृक्ष अति भारी ● चली नाहिं कछु तनक बयारी ● ॥
बार बार सोचत नंद राई ● पूछत तें कछु लख्यौ कन्हाई ॥ ● ॥ ॥
स्याम कही मैं कछू न जानौ ● ऊखल ढिग मैं रह्यौ छिपानौ ॥ ● ॥

जाहतनंदहरिबदननिहारी ● बडीआजबिधिकरबरटारी ॥
बङ्तदानहरिहाथदिवायौ ● द्विजचरणनिबैलैसुतनायौ ॥
देहिंअसीसविप्रसुखमानी ● भयेप्रसन्ननंदसुनिबानी ● ॥
तबहीस्यामजननिपहिआये ● हर्षिजसोमतिकंठलगाये ● ॥
भूखेभयेआजमेरेबारे ● काकौधौंमुखप्रातनिहारे ● ● ● ॥
ल्याईउरहनग्वालिनिभिनहीं ● यहसबकियेपसारेतिनहीं

पहिलेरोहिणिसोंकह्यौतुरतकरौजिवनार ● ॥
ग्वालबालसबबोलिकैबैठेनंदकुमार ॥ ● ॥ ॥
बेगल्यावरीमात भूखलगीमोकौंबङ्त ● ● ॥
आजनखायोप्रात सुनतवचनजसुमतिहंसी ॥

रोहिणिरहीचितैजसुमतितन ● सिरधुनिधुनिपछितातमनहिमन
परसङहरिहिविलंबनलावङ ● भूखेहरिकिनबेगजिमावङ
बङ्कव्यंजनबङ्भांतिरसोई ● कहंलगिबरनकहैकविकोई
मरसतिजातिजसोमतिमैया ● जैंवतस्यामसखाबलिभैया ॥ ॥
जोजोव्यंजनजसुमतिराखे ● तनकतनकमोहनसबचाखे ॥
स्यामकहीअबमानअघानौ ● अबमोकौंशीतलजलआनौ ● ॥
अंचवनकरिअचयेदोउभैया ● अतिसुखपायोलखिदोउमैया ॥
सहितसुगंधपानकरलीने ● बांटिसकलग्वालनकोंदीने ● ॥
भ्रातासहितआपहरिखाये ● अधिकेअधरअरुनह्वैआये ● ॥
निरखतबदनमुकुरकेमाहीं ● ब्रजबासीजनबलिबलिजाहीं

भोजनकरतभयेसुखजेतौ ● बरनसकैनहिसारदतेतौ ● ॥
जोसुखनंदभवनकेमाहीं ● सोसुखतीनलोकमेंनाहीं ● ॥
सुखजसुमतिअरुनंदकौकोकरिसकैबखान ॥
सकलसुखनकीखानिहरिजहांरहैसुखमान ॥
कोटिकोटिब्रह्मंड इकइकरोमविराटतन ● ॥
सोअपनेभुजदंड लियेउछंगजसुमतिहरषि ॥
जसुमतिकहतिकान्हसोंप्यारे ● सुनौबातमेरीनंददुलारे ॥
अपनेहींआंगनतुमखेलौ ● मेरौकह्यौकबहूंजिनपेलौ ● ● ॥
कहतिचोरब्रजबनितातोही ● सुनिसुनिलाजलगतिहैमोही
तातेंऐसहोनमनमेरे ● तबबांधतिमारतिजिमचेरे ● ● ॥
हलधरआजकहतहैमोही ● झूठहिंनामधरतसबतोही ● ॥
ग्वालिनिहंसतिकहतिइकऐसें ● चोरीनामफिरतअबकैसें ॥
चोरकहतियुवतीसबमोकौं ● झूठहिआयकहतिसबतोकौं ॥
मैंखेलौंबाहरजहांजाई ● चितैरहैंसबमेरीघाई ● ● ॥
अपनेघरसबमोहिबुलावैं ● मुखचूंमतिगहिगहिउरलावैं ॥
माखनमुहिंनिजकरनखवावैं ● हाथजोरिकछुबिधिहिमनावैं
देखतिजबहिलेतिमुहिटेरी ● मैंनहिजाऊंसोंहमोहितेरी ॥
जसुमतिनिरखिबदनमुसकानी ● उनकीबातसबैमैंजानी ॥
टेरलेहुसबनिजसखनअरुभैयाबलिराम ● ● ॥
सुखदीजैमेरेहुगनखेलहुअपनेधाम ● ● ॥

यहसुनिहरषबढाय बोलिलियेहलधरसखा॥
खेलहिंआंखमुदाय कहतसबनसोंमुदितहरि॥
हलधरकह्योआंखकोमूंदै ● हरषिकह्योहरिजननिजसोदै
हरिअपनीतबआंखमुंदाई ● जहांतहांसबरहेलुकाई ●॥
कांनलागिजननीसमुझाये ● हैंघरमेंबलिरामदुपाये॥●॥॥
बलिदाऊकौंआवनदैहौं ● श्रीदामाकौंचोरबनैहौं॥●॥॥
इतउततेंसबबालकआई ● जसुमतिगातछुवतसबधाई॥॥
स्यामछुवनकेकारणधावत ● अतिअकुलातछुवननहिंपावत॥
धायेसुबलछुवनतबस्यामा ● गह्योजायतिरछैश्रीदामा ●॥
कहतनंदकीसोंहजनाये ● जननीढिगभुजगहिलेआये॥॥
हंसिहंसिकहतसखाबलिरामा ● अबतौचोरभयौश्रीदामा॥
हर्षितकहतिजसोदामैया ● जीयौहैमेरौपूतकन्हैया॥●॥
जाकीमायाजगतखिलावै ● ब्रह्माजाकौअंतनपावै॥●●॥
ताहिजसोदाखेलखिलावै ● बालकजिमिबचननिफुसलावै॥
जाकेउरत्रयलोकथलपंचतत्त्वचोखान॥
सोबालकह्वैखेलई जसुदाकेगृहआन॥
दुर्ल्लभजपतपयोग ज्योतिरूपजगधामहरि॥
धन्यसुब्रजकेलोग बालककरिमानततिन्है॥
कहतभईजसुमतिमहतारी ● भईरातअबसुनऊमुरारी॥
करऊबयारूअबकछुप्यारे ● बऊरिखेलियऊहोतसवारे॥

मोकौंतौकछुरुचिनहिंश्चावै ● तूकाहेंभोजनकहाबनावै ॥ ॥
बेसनमिलेकनककीपूरी ● कोमलउज्जलहैश्चतिरूरी ● ॥
श्चबहीतातीतुरतबनाई ● रोहिंगितुमरेहेतुकन्हाई ● ॥
निबुश्चाश्चांबकरीलसंधानौ ● जासौंतुमश्चतिहोरुचिमानौ ॥
बलिकेसंगबियारूकीजै ● मेरेनैननिकौंसुखदीजै ॥ ● ●॥
नगकनकधरिकंचनथारी ● लैश्चाईरोहिणिमहतारी ॥ ॥
श्यामरुममिलिकरतबियारी ● श्चतिश्चानंददोउजननिनिहारी
खातखातदोऊश्चलसाने ● मुखजंभातजननीपहिचाने ● ॥
जलश्चचवायकमलमुखध्यायेे ● बांहपकरिपलकापौढाये ● ॥
सोवतरामश्यामदोऊभैया ● हरषैपायपलोटनमैया ॥ ● ॥
सोयेस्यामसुजानहरिसुखसौंबीतीरात ॥
बकुरिकलेजकेसमैंजननिजगायेप्रात ॥
दियौकलेऊप्रात माखनप्यारेस्यामकौं ॥ ● ॥
मुदितनिरखिदिनरात जसुमतिहरिकेचरितबर

॥ श्चथवृंदाबनगमनलीला ॥

महरिमहरयहमनहिंबिचारी ● गोकुलहोतउपद्रवभारी
जबतेंजन्मभयोहरिकेरी ● नितहिहोतउतपातघनेरी ॥ ●॥
श्चाकस्मातगिरेतरुभारी ● बच्योबडनिकेपुन्यमुरारी ॥ ● ॥
तातेंश्चबतजियेयहगाऊं ● बसियेचलिकहुंउत्तमठाऊं ● ॥
नंदरायसबगोपबुलाये ● समाचारयेसबनिसुनाये ॥ ● ● ॥

सबहीकेमनमेंयहआई ● बसियेअनतकहूंअबजाई ॥ ● ॥
नितहिउपाधिनईजिहिठाहीं ● बसवैभलौतहांकौनाहीं ॥
नंदकहीमैंमनहिबिचारी ● हैइकठाउंअनूतसुखकारी ॥
बृंदाबनगोबर्द्धनपासा ● तहांसबकौसबभांतिसुपासा ● ॥
तहांगोपगणसबसुखपैहैं ● बनमेंगोधनबृंदचरैहैं ● ॥
यहबिचारसबकेमनभायौ ● चलवेकौशुभदिवसधरायौ ● ॥
बृंदाबनसबचलेगुवाला ● पांचबरषकेमदनगुपाला ॥ ● ॥

सकटसौंजसबसाजकैगोधनदियेहंकाय ॥
चलेगोपगोपीहरषिबृंदावनसमुदाय ॥ ॥
निरखिअनूपमठाम सकटदियेसबछोरिकै ॥
सबकेमनबसस्याम बसेसकलबृंदाबिपन ॥ ॥

बसेसकलबृंदाबनपाहीं ● अतिआनंदगोपमनमाहीं ● ॥
गायबच्छसबहीसुखपायौ ● चरतनिकटतृणहरितसुहायौ
हलधरधेनुचरावनजाहीं ● मनमोहनलखिमनहिंसिहाहीं
प्रातचलेसबगायचरावन ● जननीसोंबोलेमनभावन ॥ ● ● ॥
मैंहूंगायचरावनजैहौं ● बडोभयौअबनाहिडरैहौं ॥ ● ● ॥
मनामनसुखाहलधरभैया ● इनकेसंगचरैहौंगैया ॥ ● ● ॥
बालनसंगयमुनातटमाहीं ● खेलहिंगेसबबटकीछाहीं ● ॥
अपनीरुचिबनकेफलखैहौं ● नेरीसोंयमुनानहिन्हैहौं ● ॥
ऐसीअबहिकहौजिनबारे ● देखऊअपनीभांतिललारे ॥

तनकपायचलिहौकिहिंभांती ● गैयनआवतह्वैहैराती ॥ ● ॥
प्रातजातगैयनलैचारन ● आवतसांझलखौसबग्वारन ॥ ● ॥
तुम्हरौकमलबदनमुरझैहै ● रेंगतघाममांझदुखपैहै ॥ ● ॥

तेरीसौंमुहिघामनहिंलागतिभूखननेक ॥
कह्यौकान्हमानतनहींपरेआपनीटेक ॥
खेलेचरावनगाय ग्वालबालबलिदेवबन ॥
हेरीटेरसुनाय गोधनकरिआगेलियौ ॥

हेरीटेरसुनतलरिकनकी ● गएदौरिहरिअतिरुचिमनकी
इतउतजसुमतिजबहिंनिहारी ● दृष्टनपरेस्यामबनवारी
बनतनजान्यौजातकन्हाई ● टेरतिजसुमतिपाछैंधाई ॥
जातचलेगैयनसंगधावत ● बलिदाऊकौंटेरिबुलावत ॥ ● ॥
पाछैंजननीआवतिजानी ● फेरफेरिचितवतभयमानी ● ॥
हलधरआवतदेखिकन्हाई ● ठाढेकियेसखासमुदाई ॥ ● ॥
पहुंचीजननिभयेजबठाढे ● रिसकरिदोउभुजपकरेगाढे ॥
बलिकहैजीनदेहुसंगमेरे ● बनतेंऐहैंआजसबेरे ॥ ● ● ॥
कह्यौजसोमतिबलिहिंनिहारी ● देखतरहियैमैंबलिहारी ॥
भ्रातसंगगयेबनहिंकन्हाई ● जसुमतियहैकहतिघरआई ॥
देखौहरिकैसौढंगलीनौ ● अपनीटेकपलौसोईकीनौ ॥ ● ॥
आजजायदेखहुबनमाहीं ● कहापरौसिधलौतिहिंठाहीं ॥

माखनरोटीऔरजलसीतलछाकबनाय ॥

दईबेगहीग्वालसंगजसुमतिबनहिंपठाय ॥
चिंतामणिसुरधेन पंचसुधारसकल्पतरु ॥
अनुदिनजाकेऐन खातछाकसोग्वालसंग ॥
बृंदाबनखेलतनंदलाला ● भयेहियेआनंदबिशाला ॥ ● ॥
जहांतहांग्वालगायसंगजाहीं ● तहांतहांआपफिरतबनमाहीं ॥
बलिदाऊसोंकहतकन्हाई ● नितप्यावऊमोहिसंगलिवाई ॥
आजमरूंकरिआवनपायो ● जननीतुम्हरेकहेपठायो ॥ ● ॥
कालिह्कवनबिधिकरिबनऐहों ● जसुमतिपैआवननहिंपैहों ॥
सोवतबोलिलीजियोमोकों ● सोंहनंदबाबाकोतोकों ॥ ● ॥
पुनिपुनिबिनयकरतसुखदाई ● बलिसोंसखनिसमेतसुनाई ॥
संध्यासमैनिकटजबआई ● घरकऊंचलोकह्योबलिभाई ॥
गैयनघेरिकरोइकठौरी ● चलेसदनसबगावतगौरी ॥ ● ॥
आवतबनतेंधेनुचराई ● ग्वालनिमध्यस्यामसुखदाई ॥ ● ॥
जिहिंजिहिंभांतिग्वालमुखभाखैं सुनिसुनिमनमोहनउरराखैं
नान्हेसुरपुनिआपुनिगावैं ● तारीदेतहंसतसुखपावैं ॥ ● ॥
मोरमुकुटबनमालउरपीतांबरफहराय ॥
गोपदरजछबिबदनपरआवतगायचराय ॥
कुटीअलकछविदेत जलजबदनपरमधुपजनु ॥
आवतसखनसमेत नंदसुवनब्रजप्राणधन ● ॥
देखतनंदजसोदाठाढे ● रोहिणिअरुब्रजजनसुखबाढे ॥

गायनसंगस्यामजबआये ● नैबलायजननीउरलाये ॥ ● ॥
आजगयौहरिगायचरावन ● मैंबलिजाउंतनकपेपावन ॥
मोकारणाकछुवनफललाये ● तुम्हैंमिलीमैंअतिसुखपाये ● ॥
अंचरसोंसबअंगअंगझारे ● बदनपोंछिमुखचूं मिदुलारे ● ॥
खाउकछूजेभावैमोहन ● देरीमाखनरोटीगोहन ॥ ● ॥
दियेजिमायतुरतदोउभैया ● अतिआनंदमगनमनसैया ॥
कहतजननिसोंश्रीब्रजनाथा ● प्रातनितहिजैहैंबलिसाथा ॥
मैंअपनीअबगायचरैहौं ● तेरेकहेघरहिनहिरैहौं ॥ ● ॥
ग्वालबालगायनकेमाहीं ● नैकउंडरलागतमोहिनाहीं ● ॥
आजनसोवौंनंददुहाई ● रहिहौंजागतकहतकन्हाई ॥
सबमिलगायचरावतजाहीं ● मैंक्यौंरहौंबैठिघरमाहीं ॥ ● ॥
सोयरहौअबस्यामतुमजननिकहैचुचकारि ॥
प्रातजानकहिहौंतुम्हैबनकौंमेंबलिहारि ● ॥
ज्यौंत्यौंराखेसाय प्रातदेनबनजानकहि ॥
जननीदाबतपाय अमितजानिबनगवनके ॥
बहुतेदुखहरिसोयगयौहै ● ज्यौंत्यौंकरिमनबोधलयौहै ● ॥
सांझहितेलाग्यौइहिबातै ● जानकहतबनउठिपुनिप्रातै ॥
यहतौसबलागहिबलिरामहिं ● गयेलिवायआजबनस्यामहिं
अबतैसोयरह्यौकहिऐसे ● प्रातबिचारकरैधौंकैसे ॥ ● ॥
कहतनंदबलिकेसंगजांई ● इतउतआवनदैफिरधाई ॥

॥ १२७ ॥

भोरभयोजसुमतिकह्यारे ● जागऊमोहननंददुलारे ॥
बीतीनिशिरविकिरणप्रकाशी ● शशिमलीनउडगनदुतिनासी
सुनऊशब्दबोलतिखगमाला ● खोलऊअंबुजनैनबिशाला ॥
सुनतश्यामजननीकीबानी ● जागिउठेसंतनसुखदानी ॥
स्याईतुरतकलेऊमैया ● माखनरोटीखाऊकन्हैया ॥ ● ● ॥
टेरतबालसखासबद्वारे ● आयेतबकेहोतसबारे ॥ ॥ ● ● ॥
खेलऊब्रजभीतरहीप्यारे ● दूरकहूंमतजाऊललारे ● ॥

टेरिउठेबलिरामतबआवऊधायकन्हाय ॥
जातग्वालबनकौंसबैचलऊचरावनगाय ॥
श्यामजोरिदोउहाथ जननीसोंहाहाकरत ॥
जैहौंग्वालनसाथ गोचारनबृंदाविपन ॥ ● ॥

टेरतमुहिदाऊरीमैया ● जैहौंबनहिंचरावनगैया ॥ ● ॥ ॥
बनफलतोरदेतमोहिजाई ● आपुनघेरतगैयनधाई ● ॥
जैहौंअरुग्वालनसंगनाहीं ● मोहिखिजावतवेबनमाहीं ॥
मैंअपनेदाऊसंगरैहौं ● देखतबृंदावनसुखपैहौं ॥ ● ॥ ॥
आगेदेख्यावतमगमाहीं ● तूक्यौंजानदेतमोहिनाहीं ॥ ● ॥
बोलेजसुमतिबलहिबुलाई ● सुनऊलालहरिकेगुणआई
कहतिजसोमतिसोंबलभैया ● जानदेहिमोसंगकन्हैया ● ॥
अपनेढिगतेंनेकुनटारौं ● जियपरतीततनकनहिधारौं ● ॥
तूकाहेडरपतिमनमाहीं ● जानदेतिहरिकौंक्यौंनाहीं ● ॥

हँसीमहरिसुनिबलिकीबानी ❁ जाऊंलिवायकहतनंदरानी

मैंबलिहारितुम्हारेमुखकी ❁ तुमहूंकहतबीरकेरुखकी ॥ ॥

अतिआनंदभयोहरिधाये ❁ दोऊसंगखरकमेंआये ॥ ❁ ॥ ॥

धायधायभेटतसखनऊर अतिहर्षबढाय ॥

पठयैमैयामोहिंबनचलहिंचरावनगाय ॥

कहतसखासुखपाय चलऊस्यामदेखऊबनहिं ॥

बनमालापहिराय करतचित्रबनधाततन ॥ ❁ ॥ ॥

चलेबनहिंसबगायचराबन ❁ सखनसंगसोहतमनभावन ॥ ॥

ग्वालबालसबकछुकसयाने ❁ नंदसुवनतिनमेंकछुनान्हे ॥ ॥

गायगोपगोसुतबलिभाई ❁ तिनकेमध्यस्यामसुखदाई ❁ ॥

हरिसेंसखाकहतसमुझाई ❁ छांडिकहूंजिनजाऊकन्हाई ॥

बृंदाबनअतिसघनबिशाला ❁ जैहौभूलिकहूंनंदलाला ❁ ॥

सुनतस्यामघनतिनकीबाता❁मनमनहंसतकहतजगत्राता ॥

तुम्हरेसंगनछाडतराई ❁ बनहिंडरातबऊतमैंभाई ॥ ❁ ॥

जातचलेसबहर्षबढाये ❁ खेलतस्यामसंगसुखपाये ॥ ❁ ❁ ॥

कोऊगावतकोऊवेणुबजावै ❁ कोऊनाचतकोऊकूदतआवै ॥

देखिदेखिहरिअतिहर्षाहीं ❁ कहतसखनसेंदैगलबाहीं ॥

भलीकरीतुममोकौंल्याये ❁ आजजसोमतिहर्षपठाये ॥ ❁ ॥

इहिंबिधिगोधनलैसबग्वाला ❁ यमुनातटपऊंचेनंदलाला ॥

दईधेनुबगरायसबचरनआपनेरंग ॥

गायचरावतनंदसुतमिलिग्वालनिकेसंग ॥
उरमुक्तनकीमाल सीसमुकुटकटिपीतपट ॥
हाथलकुठियालाल डोलतग्वालनसंगप्रभु ॥ ॥

॥ अथबत्सासुरबधलीला ॥

खेलतस्यामसखनकेमाहीं ❁ यमुनाकेतटतरुकीछाहीं ॥ ❁ ॥
बत्सासुरतिहिंअवसरआयौ ❁ पठयौकंसकाननियरायौ ॥ ॥
बत्सरूपधरिआयसमान्यौ ❁ कृस्नताहिआवतहीजान्यौ ॥
बलितनचितैकह्यौमुसकाई ❁ तुमयाकौंजानतहौभाई ❁ ॥
यहतौअसुरबत्सह्वैआयौ ❁ हमकौंमारनकंसपठायौ ❁ ॥
हलधरहूदेख्यौधरिध्याना ❁ कहतसांचतुमस्यामसुजाना ॥
ग्वालनहंसिहंसिकहतकन्हाई ❁ बछराघेरकरौइकठाई ॥
ल्यायेघेरिबत्ससबग्वाला ❁ वहनहिंघिरहिचपलविकराला ॥
बारबारहरिओरनिहारै ❁ दावघातमनमाहिंबिचारै ॥ ॥
तबहरिकह्यौयाहिमेंल्यावत ❁ तुमतौयाकौंछुवननपावत ॥
हाथलकुटियालैहरिधाये ❁ बत्सासुरकेसन्मुखआये ॥ ❁ ॥
हरिकौंजबहिजुदौकरिपायौ ❁ असुरकोपकरिमारनधायौ।

धायौअसुरकरिक्रोधमारनिस्यामकेसन्मुखगयौ ॥
ह्वैगयौनिःपापतबहींयोग्यसुरपुरकेभयौ ॥ ❁ ॥ ॥
धायकैहरिचपरितापकरपायफिराइयौ ॥ ❁ ॥
पटक्यौधरणितनअसुरप्रगट्यौफेरिसांसनआईयौ

बत्सासुरसुरपुरगयौअधमअसुरतनत्याग ॥
सुरहर्षतबर्षतसुमनगगनसहितअनुराग ॥
धायपरेसबग्वाल चकितहैअकलदेखिकै ॥
धन्यधन्यनंदलाल कहतपरमआनंदभरे ॥
असुरदेखिसबअचिरजपायौ ॥ कहतहमैंहरिआजबचायौ
बछराकरिहमजान्यौयाही ॥ यहतौअसुरभयानकआही ॥
आजसबनिधरिकोयहखातौ ॥ औरकौनपैजातनिपातौ ॥ ॥
हरषिहरषिहरिकौंउरलायौ ॥ असुरनिकंदननामसुनायौ
कहतग्वालधनिधन्यकन्हाई ॥ धन्यधन्यब्रजप्रगटेआई ॥
यहऐसौतुमअतिसुकुमारा ॥ किहिंबिधिभुजनिफिरायपछारा
सबहीकेदेखतपलमाहीं ॥ मार्‌यौअसुरडरेतुमनाहीं ॥ ॥
अबलौंहमनतुमहिंपहिचान्यौ ॥ हौतुमबडेसबनितेंजान्यौ ॥
कोउबनमालआनपहिरावै ॥ कोउबनधातरगरितनलावै ॥
कोउकुंडलसिरमुकुटसवारै ॥ अलकावलिकोउतिलकसुधारै
जातभुजनपरकोउबलिहारै ॥ ननदेखतकोउबदननिहारै
बनफलतोरिधरतकोउआगैं ॥ कहतखाउमीठेअतिलागैं ॥
इहिंबिधिहरिकौंपूजिकैग्वालबालहरखाय ॥
सांझनिकटआवतचलेघरकौंधेनुचराय ॥ ॥
परमसुदितसबग्वाल असुरमारिआवतघरहि ॥
गावैंशङ्करलाल ब्रजबासीप्रभुकेगुणन ॥ ॥ ॥

सखनमध्यसोहतनंदनंदन ❁ जलदस्यामतनचर्चितचंदन॥
मोरमुकुटपटपीतसुहावन❁इंद्रधनुषदामिनिहिंलजावन
मुक्तमालबनमालबिराजै ❁ बकसुकअवलिमनउरछबिछाजै॥
हाथलकुटकलकुंडलकानन ❁ कोटिकामछविशोभितआनन
कुटिलअलकभुवनैनविशाला ❁ गोपदरजकनदुतिछविजाला
बलिमोहनबननतेंबनिआवैं❁निरखिनिरखिव्रजजनसुखपावैं
सखनसहितहरिधाममहिंआये ❁ हरषिजसोमतिकंठलगाये॥
कहतग्वालसुनजसुमतिमैया ❁ है तेरौ रणवीरकन्हैया॥॥
बत्सरूपइकदानवबनमें ❁ आयसमानौबछरागनमें॥❁॥
हमताकौंकछुजाननपायौ ❁ सोवह हरिकौं मारनधायौ॥॥
क्षणहीमांझताहिहरिमार्यौ ❁ हमदेखतमहिपटकिपछार्यौ
यहकोऊबडौपूततेंजायौ ❁ भागहमारेव्रजमेंआयौ॥❁॥
सुनिग्वालनकेबदनतेंबत्सासुरकौघात॥
जसुमतिसबकेपायपरिबारबारपछतात॥
भयौमहरिडरत्रासु बचेआजहरिअसुरतें॥
मैंनबिगार्यौकासु भयौसहायकआनिबिधि॥
जसुदासोचकरततूजायैं ❁ यहतौख्यालकान्हकेभायैं॥❁॥
परवततुल्यविकटतनजाही ❁ कियौप्राणबिनक्षणमेंताही॥
तुम्हरीरक्षाकौयहनाही ❁ हमसबकौरक्षकयहआही❁॥
याकेचरणकमलचितलैये ❁ बारबारयाकीबलिजैये॥❁॥

ग्वालनियैंहरिकेगुणगाने ❁ ब्रजजनसबग्राश्चर्यैंभुलाने ॥ ॥
लीलासागरहरिसुखदानी ❁ मोहेसबनरनारिसुजानी ॥ ॥
हंसिजननीसोंकहतकन्हाई ❁ देखौमैंबृंदाबनजाई ॥ ॥
ग्रतिरमणीकभूमिद्रुमनीके ❁ कुंजसघननिरखतसुखजीके
ग्रतिकोमलतृणहरतिसुहाये ❁ यमुनाकेतटबच्छचराये ❁ ॥
बनफलमधुरमिष्टग्रतिनीके ❁ भूखमिटीखायेतिनहीके ॥ ॥
सखनसंगखेलतबटछाहीं ❁ बनमेंमोहिलगतडरनाहीं ॥ ॥
रोहिणिसहतजसोदामाता ❁ मुदितसुनतहरिकीमृदुबाता ॥
मोहिलियैमनजननिकौमधुरेबचनसुनाय ॥
बत्सासुरकौसोचडरक्षणमेंदियैमिटाय ॥ ❁ ॥
लगेदुहनसबगाय जहांतहांहर्षितगोपगन ॥
गयेतहांहरिधाय गायदुहनचाहतसिखन ॥
॥ ग्रथधेनुदुहनलीला ॥
धेनुदुहतहरिदेखतग्वालन ❁ कहतमोहिसिखवोगोपालन ॥
मैंदुहिहौंमोहिदेऊसिखाई ❁ बैठगयेतिनसंगकन्हाई ॥ ॥
कैसेंलैयाथनहिंलगावत ❁ कैसेंनोयपगनग्रटकावत ॥ ❁ ॥
घुटरुनगहतदोहनीकैसें ❁ मोहिबतायदेउतुमतैसें ॥ ❁ ॥
कैसेंधारदूधकीहोई ❁ देऊदिखायमोहिसबसोई ॥ ❁ ॥
कहतग्वालतुमसुनौकन्हैया ❁ भईग्रबारग्राजग्रतिभैया ॥
तुमकौंसिखवैंदुहनसवारे ❁ ग्रबकऊंलगिहैचोटतुम्हारे ॥ ॥

स्यामकह्यौसबहीसमुझाई ● मोरदुहौजिननंददुहाई ॥
मेरीसौंमोहिलीजौटेरी ● मैंदुहिहौंनिजगायनिबेरी ● ● ॥
दुष्टदलनसंतनसुखदाई ● ठाढेगैयनमांझकन्हाई ॥ ● ॥
आवहुकान्हसांझकीबिरियां ● कहतजननियहबडीकुबिरियां
हरिकाहूकछुकांडतनाहीं ● सोवहुलालआयघरमाहीं ● ॥

आयेहरियहसुनतहीजननिलियेअंकवार ॥
लैपौढायेसेजपरअजिरचांदनीचार ॥ ● ॥
कहतकहतकछुबात होयगयेबसनीदके ॥
कहतजसोमतिमात सोयगयौहरिअजिरही ॥

दोउजननीहरुवैकेहरिकौं ● सेजसहितलीनेभीतरकौं ● ॥
बहुतआजहरिसोयगयौहै ● अतिहिनींदकेबसहिभयौहै ॥
नेकनबैठतथिरघरमाहीं ● खेलहिमेंमनरहतसदाहीं ● ॥
रोहिणिकहतदेहुकिनसोवन ● खेलतहारगयौमनमोहन ॥
माताहरुवैपवनडुरावति ● निरखिबदनसुंदरसुखपावति ॥
प्रातजगावतिनंदकीरानी ● उठहुस्यामसुंदरसुखदानी ॥
नाहिनइतौसोइयतलाला ● सुनसुतप्रातसमयशुचकाला ॥
उग्यौतरुणकुमिदिनसकुचानी ● घरघरग्वालिनिमथतिमथानी
बारबारटेरतसबग्वाला ● सांझकह्यौतुमदुहनगोपाला ॥ ● ॥
होतअबारगायसबठाढी ● भरिभरिक्षीरभारथनबाढी ● ॥
बत्सपुकारतआरतताई ● दोहतनहितुमसोंहदिवाई ॥ ● ॥

तुमरैंलियेंग्वालसबठाढे ● देखतबाटप्रेमउरबाढे ॥ ● ● ॥
यहसुननहिंतुरतहिंउठेशशिमुखनंदकुमार ॥
धेनुदुहनसीखनचलेमोहननंदकुमार ● ॥
श्यावरोंहिंग्वालीमात बेगतनकसीदोहनी ● ॥
कहौसिखावनतात आजमोहिंगैयादुहन ● ॥
रोंहिंगतुरतदोहनील्याई ● घरघरतेंदेखनसबआई ॥
अटपटआसनबैठिकन्हाई ● गोथनकरलीनौसुखदाई ॥
धारअनतहीजातनिहारी ● हंसेनंदजसुमतिमहतारी ॥
चितैचौरिचितहरिहंसिलीनौ ● ब्रजबासीजनबलिबलिकीनौ
कियैाजसोमतिआनंदभारी ● दियौदानबहुविप्रहकारी ॥
गावतिमंगलब्रजकीनारी ● दुहीगायसंतनहितकारी ● ॥
अतिआनंदमगननंदराई ● बैठेप्रमुदितगोपअथाई ● ● ॥
लियेगोदसुंदरघनस्यामहिं ● ब्रजकेजीवनधनसुखधामहिं
आयौतहांएकबनिजारौ ● मूगामोतीबेचनहारौ ॥ ● ● ॥
तिहिंलखिअरगेनंदकुमारा ● देहिदेहिकहैंबारम्बारा ● ॥
दीरघमोलकह्यौव्यौपारी ● रहेठगेसबगोपनिहारी ● ● ॥
करपरराखिरहेहरिमोती ● देतनहीलखिसुंदरजोती ● ॥

॥ अथमोतीबोनेकीलीला ॥

मुक्तालैहरिघरगयेबयेअजिरबलबीर ॥
आलबालथलरोंपिकैपुनिपुनिसींचतक्षीर ॥

हंसतिजसोमतिमान कहतिकरतमोहनकहा ॥
यहनहिंजानतिबात येकरतासबजगतके ● ॥
भयेतुरतशाखादलतामें ● जसुमतिअजिरमुक्तफलजामें ● ॥
फूलतफलतनलागीबारा ● ब्रह्मादिकनिनपरतबिचारा ● ॥
सुरनरमुनिकोउमरमनजाने ● देखिदेखिभ्रांतिअचरजमाने
नंदभवनहरिमुक्तजमाये ● ब्रजबनितनगुहिहारबनाये ॥
ब्रजबासीयहप्रभुकीलीला ● सबगुणसमरथसबगुणशीला ॥
क्षणमहजासुरजायसुमाया ● प्रगटकरतब्रह्मांडनिकाया ॥
ब्रह्मादिकजेहिंपारनपावै ● नंदअजिरसोख्यालबनावै ● ॥
जाकोमहिमालखैनकोई ● निर्गुणसगुणधरैंबपुसोई ● ॥
लोकरचैनासैप्रतिपारै ● शोग्वालनसंगलीलाधारै ॥ ● ● ॥
शिवबिरंचमुनिध्याननअवै ● ताहिजसोमतिगोदखिलावै ॥
अगमअगोचरलीलाधारी ● सोबृंदाबनकुंजबिहारी ● ॥
बडेभाग्यसबब्रजकेबासी ● जिनकेसंगबिहरतअविनासी ● ॥
धनिधनिब्रजकेनारिनरधनिजसुदाधनिनंद ॥
बिहरतजिनकेसदनमेंब्रह्मसचिदानंद ॥ ● ॥
कहिकहिदेवसिहांय धन्यधन्यब्रजबागबन ॥
जहांचरावतगाय सकलसुरनसिरमुकुटमणि ॥

॥ अथबकासुरवधलीला ॥

प्रातचलेउठिगायचरावन ● हलधरसुंदरस्यामसुहावन ॥

देखतिछबिब्रजसुंदरिठाढी ॥ कहतपरस्परआनंदबाढी ॥
देखसखीब्रजतेंबनजाहीं ॥ बलिमोहनग्वालनकेमाहीं ॥
रोहिणिसुतछबिगौरसुहाई ॥ जसुमतिसुवनस्यामसुखदाई ॥
ओढेनीलपीतपटसोहे ॥ सोछबिनिरखिमदनमनमोहे ॥
युगलजलदयुगदामिनिजानौ ॥ जोरतनातपरस्परमानौ ॥
सीसमुकुटकलकुंडलकानन ॥ झलकेबिंबकपोलछबिआनन ॥
सखनमध्यसोहतनंदलाला ॥ मंदहंसनिदृगकमलविशाला ॥
कटिकिंकिणिकरलकुटसुहाये ॥ जातचलेबनमनहिंचुराये ॥
रहीथकितलखिछबिब्रजनारी ॥ गयेबनहिंबिहरनबनवारी
बनबनफिरतचरावतगैया ॥ हलधरस्यामसखाइकदैया ॥ ॥
करतबिहारविविधिबनमाहीं ॥ बालकेलिरसबरनिनजाहीं

कबहूंगावतसखनसंगकबहुंबजावतबेनु ॥
धौरीधूमरिनामलैकबहुंबुलावतधेनु ॥ ॥
कबहुंनचावतमोर सुंदरस्यामलजलदतन ॥
गरजिमुरलिधुनघोर बरषतपरमानंदजल ॥

खेलतविविधिखेलमनभावन ॥ श्रीबृंदाबनपरमसुहावन ॥
नृपितजानिगैयननंदलाला ॥ कह्यौचलहुजलदेनगुपाला ॥
लेऊबुलायसुरभिगनटेरी ॥ सुनतग्वालसबलायेघेरी ॥ ॥
गोधनबृंदहांकिसबलीनौ ॥ ग्वालनगमनयमुनतटकीनौ ॥
तहांबकासुरछलकरिआयौ ॥ मायारचितसरूपबनायौ ॥ ॥

एकचौंचभूतलमहलाई ❁ एकरहीआकाशसमाई ॥ ❁ ॥
मगमहबैठ्यौबदनपसारी ❁ ग्वालनदेखभयौभयभारी ॥ ❁ ॥
बालकजातहुतेजेआगे ❁ नाहिदेखिसोपाछेंभागे ॥ ❁ ❁ ॥
कहतभयेसबहरिसोंआई ❁ आगेएकबलायकन्हाई ❁ ॥
आवतनितहिग्वालइहिंठाहीं ❁ ऐसीकबहुलख्यौहमनाहीं
तबहिंकृष्णताकौंपहिचान्यौ ❁ आयौबकासुरमैंयहजान्यौ ॥
पलमेंआजयाहिमैंमारौं ❁ असुरचौंचधरिबदनबिदारौं ॥
निडरस्यामआगेभएचलेबकासुरपास ॥
कहतसखासबस्यामसोंनहिंजीवनकीआस
अजहूंनाहिडरात बचेकितेकउतपातनें ॥
चलेकहांहरिजात हमबरजतमानतनहीं ॥
तबहरिकह्यौचलहुतिहिपासा ❁ सबमिलिमारिकरहिंबकनासा
जबहरिसंगचलेसबग्वाला ❁ देख्यौजायबकहिविकराला ॥
ताकेनिकटगयेसबजबहीं ❁ लियौगीलहरिकौंबकतबहीं ॥
जान्यौअसुरकाजमैंकीनौ ❁ तबहीबदनमूंदकैलीनौ ❁ ॥
ग्वालपुकारतआरतभागे ❁ बलिसोंआयकहनसबलागे ॥ ❁ ॥
हमबरजतहठिगयेकन्हाई ❁ लीनेगीलअसुरबकधाई ॥
हरिचरित्रकछुजानिनजाहीं ❁ उपजीआगअसुरतनमाहीं
लाग्यौजरनिभयौअतिव्याकुल ❁ हरिकौंउगलदियौअतिआकुल
बकुरौंपकरनिकौंमुखबायौ ❁ चौंचपकरिहरिचीरबहायौ ॥

मरतचिकार असुर अतिपारी ❁ व्याकुलभयेग्वालभयभारी ॥
ग्वालनिविकलदेखिबलरामा ❁ कहतअसुरमास्यौघनस्यामा
टेरिउठेउतकुंवरकन्हाई ❁ आवऊसखाबृंदसबधाई ॥ ॥
बकविदारिहरिसखनकौंटेरतआवऊधाय ॥
चौंचफारिमास्यौअसुरतुमहूंकरौसहाय ॥ ॥
गयेसखासबधाय सुनतस्यामकेबचनबर ॥
निरखिनैनसुखपाय पुनिपुनिभेटतपुलकितन
कहतपरस्परसखासयाने ❁ येकोउब्रजप्रगटेहमजाने ❁ ॥
इन्हैंनाहिंकोऊघातकरैया ❁ येहैंअसुरनकेदलवैया ॥ ❁ ॥
जबतेंइन्हैंजसोमतिजाये ❁ तबतेंअसुरकितेकउआये ॥ ॥
तृणापूतनासकटामारे ❁ तबयेरहेबऊतहीबारे ॥ ❁ ❁ ॥
हमदेखतबत्सासुरमास्यौ ❁ कितिकबातयहबकाबिदास्यौ ॥
इनकेगुणककुजानिनजाहीं ❁ हमअपनेजियडरेंवृथाहीं ॥
धनिजसुमतिजिनइनकौंजाये ❁ धनिहमइनकेसखाकहाये
बकहिमारसुंदरघनस्यामा ❁ यमुनातटआयेसुखधामा ॥ ॥
सुरभीगनसबनीरपियाये ❁ सखनसमेतआपप्रभुन्हाये ॥ ॥
घसिबनधातचित्रतनकीनौ ❁ मोरमुकुटमाथेधरलीनौ ❁ ॥
बनमालारचिसखनबनाई ❁ प्रेमसहितहरिकौंपहिराई ॥
बनफलमधुरगोपलैआये ❁ सखनसहितहरिभोगलगाये ॥ ॥
बलमोहनघरकौंचलेजानिसांकरीबेर ॥

लीनीगैय्यांघेरसबमुरलीकीधुनिटेर ॥
चलेबजावतबैन ग्वालबृंदकेमध्यहरि ॥ ॥
अंगअंगछबिकीसैन ब्रजजनमोहनसांवरौ ॥
सुनिमुरलीकीटेररसाला ❁ देखनकौधाईब्रजबाला ॥ ❁ ॥
कहतपरस्पर अतिसुखपावत ❁ देखसखीबनतेंहरिआवत ॥
नानारंगसुमनकीमाला ❁ स्यामहियेछबिदेतिविशाला ❁ ॥
मोरपक्षसिरमुकुटविराजै ❁ मधुरमधुरमुखमुरलीबाजै ❁ ॥
भ्रकुटीविकटनिकटसुखदाई ❁ तिलकरेखछबिबरनिनजाई
कुंडललोलअलकघुंघरारी ❁ निरखसखीलागतिअतिप्यारी ॥
नासानिकटअधरअरुणाई ❁ जनुसुकबिंबहिचोंचचलाई ॥
मंदहंसनिघनदामिनिजैसैं ❁ दुरिदुरिप्रगटहोतहै तैसैं ॥
तनघनस्यामकमलदलनैना ❁ बोलतमधुरमनोहरबैना ॥ ॥
मुखअरबिंदमंदसुरगावत ❁ नटबररूपसबनमनभावत ॥
सबअंगचंदनखौरबनाये ❁ गुंजमालमनलेतचुराये ॥ ❁ ॥
यामोहनछविपरबलिजैये ❁ नंदनंदनदेखतसुखपैये ❁ ॥
ग्वालबालगोधनलियेहरिहलधरदोउभाय ॥
सांझसमयबनतेंबनेआयेधेनुचराय ॥ ❁ ॥ ❁ ॥
रंभतिधाईगाय बच्छसुरतकरिपयश्रवत ॥
हरखिजसोदामाय कहतिस्यामआवतघरहि ॥
इतनीकहतस्यामघरआये ❁ जननीदौरिहरषिउरलाये ॥

ब्रजलरिकासबतुरतहिधाये ❁ महरिमहरपदसीसनधाये ॥
ऐसौपूतधन्यतुमजायौ ❁ इनकौगुणकछुजातनगायौ ॥ ॥
आजगयेबनगायचरावन ❁ चलेयमुनतटजलहिपियावन ॥
तहांअसुरइकखगतनधारी ❁ रह्यौयमुनतटबदनपसारी
एकचौंचमहिसौंलपटाई ❁ एकरह्यौआकाशलगाई ॥ ❁ ॥
हमबरजतपहिलेंहरिधायौ ❁ ताकेमुखमेंजायसमायौ ❁ ॥
हमसबडरपिभजेबलपासा ❁ अतिव्याकुलतनभयेनिरासा ॥
कैसेंधौंहरिबाहिरआयौ ❁ चौंचफारतेहिंमारगिरायौ ❁ ॥
सुनतनंदजसुमतिब्रजनारी ❁ चकितचित्तरहेहरिहिनिहारी
जसुदाकहतिकहाकोउजाने ❁ नितप्रतिहोतआनकीआने
भयौआजकोउसुकृतसहाई ❁ बिधिकीगतिकछुजानिनजाई
जन्मभयौहैस्यामकौतबतेंयहैउपाधि ॥ ❁ ॥ ॥
कहासखौहमरेजतनबिधिगतिअगमअगाधि ॥
किनधौंकरीसहाय कोजानेभावीप्रबल ॥
कोमेरेपछताय करीअयानीबूझबिन ॥ ॥
लैबलायछतियाहरिलाये ❁ प्रेमसलिललोचनभरिआये ॥ ॥
मैंबलिजाउंकहतिकछुखाहू ❁ तुमकतगायचरावनजाहू ॥
नंदमहरसौपितातुम्हारें ❁ मोसीमातजायबलिहारें ॥ ❁ ॥
खेलतखातरहौअपनेघर ❁ दधिमाखनपकवानविविधिबर
निरखिबदनसुनिबचनतुम्हारे ❁ लोचनश्रवणसिरातहमारे

दुष्टदलनभक्तनसुखदानी ❁ बोलेमधुरमातसोंबानी ॥ ❁ ॥
मैयामैंनचरैहौंगैया ❁ अबबनमेरीजातबलैया ॥ ❁ ❁ ❁ ॥
मोसोंसबैग्वालबनजाई ❁ गायघिरावतहैंबरिआई ❁ ❁ ॥
दौरतमेरेपायपिराहीं ❁ अबमैंबैठिरहौंतरुछाहीं ❁ ❁ ॥
जोनपत्यायबूझबलभाई ❁ देहिआपनीसोंहदिवाई ॥ ❁ ॥
यहसुनतहिजसुमतिरिसयानी ❁ गारिदेतिग्वालनदुखमानी
मैंपठवतिलरिकहिंबनजाई ❁ आवहितनकमनहिंबहराई
जानहिंकहाचरायकैअबहीमोहनगाय ❁ ॥
अतिबारोमेरोसुवनमारततेहिरिंगाय ॥ ❁ ॥
हरिजनकेसुखदाय कोजानेतिनकेचरित ॥
मधुरेबचनसुनाय मोहिलियोमनमातको ❁ ॥
॥ अथचकईभौंराखेलनलीला ॥
कछुकखायहरिनिसिकोंसोये ❁ प्रातजगायजननिमुखधोये ॥
कियोकलेऊकछुसुखदाई ❁ जननीसोंबोलेहरषाई ॥ ❁ ॥
दैमैयाभौंराचकडोरी ❁ खेलतरहिहौंब्रजकीखोरी ❁ ❁ ॥
हरषिजननिआरेपरभाखे ❁ तुमहितनयेमोललैराखे ❁ ॥
लैआयेहरितुरतनिकारी ❁ भयेमगनअतिरंगनिहारी ❁ ॥
बारबारहरषितमुखभाखै ❁ मैयाविनअरुकोलैराखै ॥ ❁ ❁ ॥
विहसचलेफेरतचकडोरी ❁ खेलनसखनसंगब्रजखोरी ❁ ॥
जैसेइआपसखासबतैसे ❁ सुंदरकोटिमनोभवजैसे ❁ ❁ ॥

निरखिनिरखिसबगोपकिशोरी ॥ बारबारडारतितृणतोरी
सबहीकौंमनमोहनभावैं ॥ सबब्रजतियहरिसोंमनलावैं ॥ ॥
यहवासनाकरैंब्रजबाला ॥ हैंहिहमारेपतिनंदलाला ॥ ॥
हरिअंतरजामीसबजाने ॥ सबकेमनकीरुचिपहिचाने ॥ ॥
चित्तदैजोहरिकौंभजैकोउकौंनेहूंभाव ॥ ॥
ताकौंतैसेइंसदाप्रगटतत्रिभुवनराव ॥ ॥ ॥
भक्तनकेसुखदानभक्तवत्सलभगवानहरि ॥
नारिपुरुषनहिंमानप्रेमभावकेबससदा ॥
गोपिनकेयहध्यानसदाई ॥ नेकनअंतरहौंहिंकन्हाई ॥ ॥
हरिउनकेमनकीरुचिजानी ॥ करहिंबातउनकेमनमानी ॥
मारगचलततिन्हैंहठिरोकैं ॥ खेलतमांझजहांतहांटोकैं ॥ ॥
चकरीभौंराडोरफिरावैं ॥ तिनकेभूषणसोंअरुझावैं ॥ ॥ ॥ ॥
काहूसोंहंसिबदनसकोरैं ॥ काहूसोंहगभौंहमरोरैं ॥ ॥ ॥
काहूसोंअंखियांमटकावैं ॥ आपहंसैंअरुतिन्हैंहंसावैं ॥ ॥ ॥
युवतिनकेमनबसैंकन्हाई ॥ देखेबिनइकपलनसुहाई ॥ ॥
हरिकौंखेलतमांझखिझावैं ॥ खटकौरीदैगारीगावैं ॥ ॥ ॥ ॥
गेंदउरोजनमांहिदुरावैं ॥ इहिंबिधिहरिसोंअंगछुवावैं ॥ ॥
कंचुकिफारिआपहीलेहीं ॥ जसुदाहिजायउरहनोदेहीं
अंतरभुजगहिहरिहिडरावैं ॥ कहैंचलौनंदरानिबुलावैं ॥ ॥
जसुमतिपैतुमकौंलैजैहैं ॥ कुटिलभौंहकियेहमनडरैहैं ॥ ॥

यौंब्रजबनतननेहबसआनंदछविघनरास ॥
रसिकपुरंदरसांवरौब्रजमेंकरतविलास ॥ ॥
अबबरनौंसुखखानहरिबृषभानकुमारिकौ ॥
प्राणएकहीजानप्रथममिलनदोउदेहकौ ॥

॥ अथराधाजूकीप्रथममिलनलीला ॥

खेलनहरिनिकसेब्रजखोरी ॥ मेघस्यामतनपीतपिछौरी ॥
श्रवणनिकुंडलकीछविछाजै ॥ मोरपखनकौमुकुटबिराजै ॥
दसनदमकदामिनिद्युतिथोरी ॥ हाथलियेफेरैंचकडोरी ॥ ॥
गयेयमुनकेतटमनमोहन ॥ नाहींतहांसखाकोउगोहन ॥
औचकदृष्टपरीतहांराधा ॥ प्रेमरासिगुणरूपअगाधा ॥ ॥
नयनविशालभालदियेरोरी ॥ नीलबसनतनकीछबिगोरी ॥
बेनीपीठछरतझकझोरी ॥ अतिछविपुंजदिननकीथोरी ॥ ॥
संगलरिकिनीआवतिदेखी ॥ चितैरहेमुखएकनिमेखी ॥ ॥
रीझरहेघनस्यामकन्हाई ॥ अनुपमछविलखिरहेलुभाई ॥
नैननैनमिलिपरीठगौरी ॥ बूझतस्यामकौनतेंगोरी ॥ ॥ ॥
रहतकहांकाकीहैबेटी ॥ अबलोंनहीकहूंब्रजभेटी ॥ ॥
काहेकोहमब्रजतनआवै ॥ खेलतरहतआपनेगावै ॥ ॥ ॥
सुनतरहतश्रवणनसदानंदढोटाब्रजमाहिं ॥
घरघरतेंनितचोरिकैमाखनदधिलैखाहिं ॥ ॥
विहसिकह्यौघनस्याम तुमरौकहाचुरायहैं ॥

आवहुकिनब्रजधाम नितह्विखेलियेसंगमिल ॥

रसिकसिरोमणिनागरदोऊ ❁ प्रीतिपुरातनजाननकोऊ ॥

ब्रजबासीप्रभुकुंजबिहारी ❁ बातनभुरैलईहरिप्यारी ॥ ॥

प्रथमसनेहदुहुनमनजान्यौ ❁ गुप्तप्रेमशिशुताप्रगटान्यौ ॥

कहुनस्यामनकतसकुचावहु ❁ खेलनकबहुहमारेआवहु

दूरनहीकछुसदनहमारौ ❁ श्रवणनसुनियतबोलपुकारौ ॥

बीजैमोहिटेरिनंदपौरी ❁ कान्हनाममेरौसुनगोरी ॥ ❁ ॥

कहूधीबहुतदेखियततुमहूं ❁ तातेंसाथकीजियतहमहूं ॥ ॥

तुम्हैंबबावृषभानदुहाई ❁ घरीपहरखेलौइतआई ॥ ❁ ॥

गैयागिननिनंदजबजैहैं ❁ तिनकेसंगहमहूंउतऐहैं ❁ ॥

जोतुमगायदुहावनऐहौ ❁ खरकमांझतौमोकौंपैहौ ॥ ❁ ॥

रसिकसिरोमणिजाननिराई ❁ इमप्यारीसंकेतबुलाई ॥ ॥

सुनतगूढहरिकीमृदुबानी ❁ मनहीमनप्यारीमुसकानी ॥

गुप्तप्रीतिप्रगटीनहींदोउअनहदैछपाय ॥

मनमोहनप्यारीचलीघरकौंनैनचलाय ॥ ॥

चलीसदनसुकुमार मनमेंउरमैसांवरौ ॥

जानीबडीअबार मातत्रासउरआनकै ❁ ॥

कहतिसखिनसौंचलीकुंवरिबर ❁ कोजैहैखेलनइनकेघर

चलौबेगअपनेघरजाहीं ❁ भईअबारयमुनतटमाहीं ॥ ❁ ॥

बचनकहतऊपरमुखमाहीं ❁ हृदैप्रेमदुखमनहरिपाहीं ॥

गई भवनबृषभानकुमारी ● जननीकहतिकहांऊतिप्यारी ॥
अबलौंकहांअबारलगाई ● गैयाखरकदेखिमैं आई ॥ ● ॥
ऐसेंकहिमातहिबहराई ● अंतरगतिबसरहेकन्हाई ॥ ● ॥
बिरहबिकलतनगृहनसुहाई ● सुंदरस्यामामोहनीलाई
खानपानकछुनेकनभावै ● चंचलचित्तपुलकितनआवै ● ॥
मातपिताकौमानतित्रासा ● नैननिहरिदरसनकीप्यासा ॥ ॥
कहतिदोहनीदेमोहिमैया ● जैहौंखरकदुहावनगैया ॥ ॥
अहिरदुहततबगायहमारी ● जबअपनीदुहिलेतसवारी
घरिकमोहिलगिहैतहांजाई ● तूमतआउखरिकअतुराई ॥
लई मातसौंदोहनीचलीदुहावनगाय ॥ ● ॥
मनअटक्यौनंदलालसौंगईखरकसमुहाय ॥ ॥
मगमगसोचतिजाय कबदेखौंवहसांवरौ ॥ ॥
जिनमनलियोचुराय खरकमिलनमोसौंकह्यौ
देखैजायतहांहरिनाहीं ● भईचकितप्यारीमनमाहीं ॥ ● ॥
कबहूंइतकबहूंउतडोलै ● प्रेमविकलकछुमुखनहिबोलै ॥ ॥
देखेनंदसंगहरिआवत ● ललकिलगेलोचनसुखपावत ● ॥
देखीस्यामराधिकाठाढी ● लईबुलायप्रीतिअतिबाढी ॥ ● ॥
कह्यौमहरलखिखेलऊदोऊ ● दूरकहूंमतिजैयौकोऊ ॥
सुनिबृषभानसुताइतआई ● अपनेसंगखिलावकन्हाई ॥
हरितनरहियैनेकनिहारै ● कोईकहूंगायजिनमारै ● ॥

नंदबबाकीबातसुनैाहरि ❁ जाऊनमोढिगतेंकतहूंटरि ॥
महरसेंपिद्दमकैांतुमदीने ❁ राधेहरिहिबांहगहिलीने ❁ ॥
तुमकैांकहूंजाननहिदैहैां ❁ जोजैहातैापकरिवैसैहैां ॥ ॥
मेरीबांहछोडिदैराधा ❁ कहतस्यामऊपरमनसाधा ॥ ❁ ॥ ॥
तुम्हरीबांहनतजैांकन्हाई ❁ महरखीभिहैंहमकैांआई ॥

परमनागरीराधिकाअतिनागरब्रजचंद ॥
करतआपनीघातदोऊबंधेप्रेमकेफंद ॥ ॥
समुभिपुरातननेह ब्रजबिलासहितनधरे ॥
चलनचहतबनगेह युगलबिहारीकुंजके ॥

तबहिस्यामघनघटाउठाई ❁ गरजमेघमहिचहुंदिसछाई ॥
पवनभकोरचलीभकभोरी ❁ चपलाचपलचमकचहुंओरी ॥
ह्वैगईभूमिसकलअंधियारी ❁ तैंसियतरुनमाद्युतिकारी ॥
डरेदेखिकैकुंवरकन्हाई ❁ कह्योराधिकासेंनंदराई ॥ ❁ ॥
कान्हैंसंगलियेघरजारी ❁ भईअकाशघटाअतिभारी ❁ ॥
लियेबांहगहिकुंवरकन्हाई ❁ चलेयुगलबनघरहरषाई ॥
नवलराधिकानवलबिहारी ❁ पुलकअंगमनआनंदभारी ॥ ॥
नवलनेहनवरंगमनभायो ❁ नवलकुंजबनसुभगसुहायो ॥
नवलसुगंधनवलतरुफूले ❁ गुंजतभ्रमरमत्तरसभूले ❁ ॥
सुभगयमुनजलपवनभकोरैं ❁ उठतस्यामछविकुंजहिलोरैं
बनजविपुलबहुरंगसुहावन❁चारुविचित्रपुलिनअतिपावन

गयेयुगलतहाँरसिकरसीले ❁ नागरनवलप्रेमरसगीले ❁ ॥
बिहरतविविधिविलासबनयुगलरूपकीरास ॥
गुणगावतमुनिवेदविधिअहिपतिपतिकैलास ॥
अतिरहस्यसुखदाय बनविहारनंदलालको ॥
क्योंसुकहैकविगाय वेदभेदपावैंनहीं ॥ ❁ ❁ ॥

॥ अथश्लोकगीतगोविंदस्य ॥

मेघैर्मेदुरमम्बरम्बनभुवःश्यामस्तमालद्रुमैर्नक्तम्भीरुरयन्त्वमेव तदिमंराधेगृहम्प्रापय ॥ इत्थंनन्दनिदेशतश्चलितयोःप्रत्यध्वकुञ्जद्रुमंराधामाधवयोजयन्तियमुनाकूलेरहःकेलयः ॥

चलेसदनप्रभुकुंजविहारी ❁ गृहपठईअंकमदैप्यारी ❁ ॥
प्यारीकीसारीहरिलीनी ❁ पीतपिछौरीप्यारिहिदीनी ॥ ॥
बादरजहंतहंदियेउडाई ❁ आयेसदनस्यामसुखदाई ॥
रहीजसोमतिहरिहिनिहारी ❁ ओढेदेखिसीसपरसारी ॥
मनधौंकहतकहांयहपाई ❁ पीतपिछौरीकहांगंवाई ❁ ॥
जसुमतितुरतआंखपहिचानी ❁ ब्रजयुवतिनभुरयेयहजानी
पूछतिहरिहिविहसिनंदरानी तरुणिनिकीसिखईबुद्धिठानी
पीतपिछौरीकितहिबिसारी ❁ इहतोलालतियनकीसारी ॥ ॥
जानलईजननीहरिजानी ❁ तबइकबुद्धितुरतउरआनी
मैलैगायगयोयमुनारी ❁ तहांवहभरतिजलीपनिहारी ❁ ॥
बिडरीगायभजीसबनारी ❁ बचीबंसुरियाबकुतसंभारी ॥ ॥

हौंलैभजौश्रौरकीसारी ✽ सोलैचादरगईहमारी॥ ✽ ✽ ॥
पीतपिछौरीलैभजीमैंपहिचानतवाहि ॥
मैयारीमैंजायकैधरिलैश्रावततनाहि॥ ✽ ॥
हरिमायाकोजानि पीतांबरताकौकियौ ॥॥
जननिदिखायौश्रानि कहतलैश्रायौताहिसों
राधागईसदनसमुहाई ✽ हाथदोहनीदूधभराई ॥ ✽ ✽ ॥
परमप्रीतिहरिबसनदुरायौ ✽ जननीद्वारहितेंगुहरायौ ॥॥
श्रौरकीश्रौरकहतमुखबानी ✽ जननीदौरिदेखिभयमानी ॥
कहतदीठलागीकुंवारी ✽ डरलगायपछितातनिहारी ॥॥
बूझतिनेहविकलमहतारी ✽ कहाभयौराधातोहिप्यारी ✽ ॥
श्रबहीखरकगईतूनीकै ✽ श्रावतकौनविथाभईजीकै॥ ✽ ॥
इकलरकनीसंगहीमेरे ✽ कारेडसीश्रायतिहिनेरे ॥ ✽ ॥ ॥
मूर्छिपरीवहधरणिमझारी ✽ मैंडरपीश्रपनेजियभारी ॥ ✽ ॥
स्यामवरनइकढोटाश्रायौ ✽ कहतसुन्यौवहनंदकौजायौ ॥
कछुपढिकैउनतुरतझारी ✽ जानतिनहीकौनकीबारी॥
मेरेमनभरित्रासगयौरी ✽ श्रबकछुनीकौनेकुभयौरी ॥ ✽ ॥
इतिप्रवीनबृषभानदुलारी ✽ यहकहिसमझाईमहतारी ॥
सुनजननीराधावचनउरसौलीनीलाय ॥
कहतटरीकरबरबडीबारबारपछिताय ॥
एकसुताहैतात पायेदेवनद्वारपरि ॥

॥ भई व्राजकुशलात बचीसर्प तेंलाडिली ॥

खीरीकळूकु वरिपैजननी ● घरनहिरहतिफिरतिभइहरनी
कितनैंकहतितोहिमैंहारी ● दूरकळूंबाहरजिनजारी ॥
हैलरिकनीसबनघरमाहीं ● तोसीनिडरकहूंकोउनाहीं ● ॥
कबहुंखरककबहूंबनजाई ● कबहुंफिरतियमुनातटधाई ॥
चितेंझकाशघरतिपगधरनी ● बातकहतलागतितोहिजरनी
सातबरषकीभईकुमारी ● बहुतमहरबृषभानदुलारी ● ॥
व्राजकुशलकुलदेवनकीनी ● बिधिबचायबिषधरतेंलीनी ॥
सीतलजललैतुरतन्हवाई ● अंगअंगोछबसनपहिराई ● ॥
बारहिबारकहतिकछुखारी ● अबकहुंखेलनदूरनजारी ॥
यहसुनिहंसैमनहिंमनप्यारी ● हृदैध्यानहरिकुंजबिहारी
कहतिदूरअबकलहुनजैहों ● गांवघरहिंखेलतिनितरैहों
जिनकेगुणनिबिरंचभुलाने ● तिनकेचरितकहाकोउजाने ॥

जनरंजनभंजनकलुषशधानंदकुमार ● ● ॥
गुप्तप्रगटलीलाकरतब्रजमेंयुगलबिहार ॥ ॥
देखिअनूपमबाल मातपितागुरुजनहरिहि ॥
असुरलखतविकराल नवकिशोरचितचोरतिय

सर्वरूपसबघटकेवासी ● सबबिधिकरनसकलसुखरासी ● ॥
सर्वभावसबफलकेदायक ● सर्वोपरिसबगुणकेनायक ● ● ॥
सर्वआदिसबअंतरजामी ● सबतेंपरेसकलकेस्वामी ॥ ● ● ॥

मायाब्रह्मरूपअरुराधा ॥ प्रेमप्रीतिदोउअगमअगाधा ॥
अविसृंगारमनऊंअभजोरी ॥ करतबिहारस्यामअरुगोरी ॥
बसेस्यामस्यामाउरमाहीं ॥ देखेबिनभावतक्षणनाहीं ॥
खेलनमिसवृषभानकिशोरी ॥ आईनंदमहरकीपोरी ॥
टेरतमधुरबचनसकुचाई ॥ घरभीतरहेकुंवरकन्हाई ॥
सुनतस्यामकोकिलसमबानी ॥ अतिआतुरराधापहिचानी ॥
मातासौंकछुकलहकरतघरि ॥ तुरतहिसोबिसरायदियोहरि
तूपहिचानतिइनकौंमैया ॥ कहतबारहीबारकन्हैया ॥
मैंयमुनातटकाल्हभुलान्यौ ॥ बांहपकरिमोकोंइनआन्यौ ॥
तुहिसकुचतिआवतिइहांमैंदैसौंहबुलाय ॥
अतिनागरजननीहृदैदियैप्रेमउपजाय ॥
भीतरलेऊबुलाय कहतिमातहरिसौंहरषि ॥
चलेस्यामसुखदाय लखिप्यारीआनंदभयौ ॥
नैनसैनमिलिदोउसुखपायौ ॥ बिरहतापदुखद्वंदनसायौ ॥
मनहीमनआनंदअतिभारी ॥ भयेमगनदोउरूपनिहारी ॥
कहतस्यामराधाकिनआवै ॥ तुमकौंजसुमतिमायबुलावै ॥
बांहपकरिल्यायेबनवारी ॥ जसुमतिबोलिनिकटबैठारी ॥
देखिरूपमनमांझसिहानी ॥ बूझतिनंदमहरकीरानी ॥ ॥
ब्रजमैंतोहिनकबहूनिहारी ॥ कौनगांवहैतेरैप्यारी ॥
कोतेरैतातकौनमहतारी ॥ कहानामतेरैहैप्यारी ॥ ॥

भूलिगयौहोकालकन्हाई ❁ भलीकरीतूकरगहिल्याई ❁ ॥
धन्यकोखजिनतोकंधारी ❁ धन्यघरीजहिंतूअवतारी ॥
देखिरूपजसुधाअभिलाषी ❁ सवितासोबिनतीकछुभाषी ॥
नैनविशालबदनशुभछोटी ❁ भलीबनीहैसुंदरजोटी ॥ ❁ ॥
बारबारबूझतिहरषाई ❁ हैतूकौनमहरकीजाई ❁ ❁ ❁ ॥
मैंबेटीबृषभानकीतुमकौंजानतिमाय ॥ ❁ ॥
बहुतबारमिलनौभयौयमुनाकेतटआय ॥ ॥
अबमैंलीनीजान वेतौकुलटाहैंबडी ❁ ❁ ॥
हैलंगरबृषभान गारिदेतिहंसिनंदघरनि ॥
राधाबोलिउठीइतआई ❁ करीकछूबाबालंगराई ❁ ❁ ❁ ॥
ऐसीसमरथकबउनपाई ❁ हंसिजसुमतिराधाउरलाई ॥
कहतिमहरिकीरतहमजोटी ❁ अबकीजतहैतेरीचोटी ❁ ॥
जसुमतिराधाकुंवरिसंवारै ❁ प्रेमसहितबारनिनिरवारै ॥
बडेबारकोमलअतिकारे ❁ लैसुमनासुतअँछसंवारे ॥ ❁ ॥
मांगपारिबैनीरचिगूथी ❁ मानऊंसुंदरछविकीयूथी ❁ ❁ ॥
गोरेबदनबिंदुकरिबंदन ❁ मानौइंदुमध्यभुवनंदन ॥ ❁ ॥
सारीनईसुरंगनिकारी ❁ जसुमतिअपनेहाथसंवारी ❁ ॥
बदनपोंछिअंचरसोंदीनौ ❁ उरआनंदनिरखिछविकीनौ ॥
तिलचांवरीबतासेमेवा ❁ कुंवरिगोदभरिविनवतिदेवा ❁ ॥
कह्योकान्हसंगखेलौजाई ❁ यहसुनिकुंवरिमनहिहरषाई ॥

सुंदरस्यामसुंदरीराधा ● खेलतदोउछबिसिंधुअगाधा ● ॥
छबिसिंधुपरमअगाधदोऊनंदसदनविराजहीं ॥ ● ॥
लखिरूपकोटिककामरतिघनदामिनीदुतिलाजहीं ॥
जसुमतिविलोकतिचकितदंपतिरूपमनआनंदभरी ॥
सोइभावदेख्यौदुहुनकेउरजोइअभिलाषाकरी ॥ ● ॥
खेलतदोउरगरनलगेभरेपरमअह्लाद ● ॥
मानौघनअरदामिनीकरतपरस्परबाद ॥ ● ॥
अमियबचनरसमूल अकथनीयछबिअमितगुण ॥
रहीजसोमतिभूल युगलकिशोरविहारलखि ॥
पुनिमहरिसोंकहिसुकमारी ● सदनआपनेजानिअबारी ॥
जसुमतिनिरखिकह्यौहरषाई ● खेल्यौकरिहरिसंगनितआई
बोलउठेमोहनसुनराधा ● तूकतसकुचकरैजियबाधा ● ॥
मैंबोलततूआवतिनाहीं ● जननीसोंडरपतिमनमाहीं ● ॥
तोकौंलखिमैयासुखपावै ● देखिकितोकरिछोहबुलावै ● ॥
सुनिमोहनकेबचनसियानी ● चितैरहीमुखमनमुसिकानी
विहसिचलीवृषभानदुलारी ● हरिमूरतिउरटरतनटारी
गईसदनभूलतिमहतारी ● कहांरहीअबलौंरीप्यारी ● ॥
बैनीगूंथिमांगकिनकीनी ● बैंदीभाललालकिनदीनी ॥ ● ॥
खेलतरहीनंदकेद्वारी ● जसुमतिबोलिनिकटबैठारी ॥ ● ॥
बूझनामलगीपुनिमेरै ● बाबाकोपूछ्यौअरुतेरै ॥ ● ● ● ॥

मोहिचितैपुनिसुतहिनिहारी ❁ कछुसवितासोंगोदपसारी ॥
मेरीसिरबैंनीगुहीबैंदीलालबनाय ❁ ॥
पहिराईनिजहाथसोंसारीनईमगाय॥
तिलचांवरिदैगोद बिधनासोंबिनतीकरी ॥
उरकरिकैअतिमोद तोहिबिहसिगारीदई ॥
बिहसिकह्योतोकोंनंदरानी ❁ वहजैसीतैसीमैंजानी ॥ ❁ ॥
तोहिनावधरिधसौबबाकों ❁ कह्योधूतबृषभानसदाकों ❁ ॥
तबमैंकह्योठग्योकबतुमही ❁ हंसिलपटानिलगीतबहमहीं
सुनिकीरतराधाकीबातैं ❁ सरलसुभावभरीशिशुतातैं ❁ ॥
कहतिज्याबतैंनीकोदीनो ❁ बेटोदावआपनोलीनो ॥ ❁ ❁ ॥
जोककुमोहिकह्योनंदघरनी ❁ सोसबहैउनहींकीकरनी ॥
हंसिहंसिकीरतकहतिसुभाये ❁ मनमेंअतिआनंदबढाये ॥
फेरिफेरिजसुदाकीबातैं ❁ बूझतिहैजननीराधातैं ॥ ❁ ❁ ॥
सुनिसुनिबरसानेकीनारी ❁ गावतिजसुमतिकोंहितगारी
सुनिबातैंकीरतमुसक्यानी ❁ नंदरानीकेजियकीजानी ❁ ॥
मेरीसुताविमलचपलासी ❁ वेहरिमेघस्यामछबिरासी ॥ ❁ ॥
बाढ्योउरआनंदउलासा ❁ कीरतगईसमुझिपतिपासा ॥ ॥
समुझिपतिकेपासकीरतगईअतिआनंदभरी ॥
प्रीतिरीतिजनायहितसोंबातसबपरगटकरी ॥ ॥
भयोअतिउत्साहदंपतिहरषिमनआनंदभरे ॥

निव्यदूलहस्यामस्यामावेदगुणगावतखरे ॥
युगलकिशोरसरूपबरबृंदाबनरसखान ॥
नवदुलहिनदूलहसदाराधास्यामसुजान ॥
दूलहदुलहिनचार मंडवबृंदाविपनके ॥
गावतनित्यबिहार शेषमहेशगरोशविधि ॥
कहतिजसोमतिसोंहरिप्यारे ● जहुंतहंरहतखिलौनाडारे
राधाजिनलैजायचुराई ● आवतसांझसवारसदाई ॥ ● ॥
चितैरहतिमुरलीकीघांहीं ● मेरेप्राणबसतइहिमांहीं ● ॥
तेरेभांयेंनैकनमाता ● रखिउठायमानमोबाता ॥ ● ● ● ॥
बबहूकैंपतियाहिनराई ● राखिखिलौनासबहिछिपाई ॥
कहतिजननिहंसिलालनमेरे ● कोलेजायखिलौनातेरे ● ॥
नेकसुननताकोंजोपाऊं ● वाकोंब्रजनेंवासनसाऊं ॥ ● ● ॥
बिनदेखेतूकाकोंकेहै ● सोकछुकेसेंकैप्रगटैहै ॥ ● ● ॥
आवतहीराधालेजैहै ● फिरतूपाछैरीपछितैहै ॥ ● ॥ ● ॥
ब्रजहूंराखिउठायसवारी ● मागेतेंपुनिदैहैकारी ॥ ● ● ॥
जननीहरिकीबतियंभोरी ● श्रवणसुनतरुचिहोततथोरी ॥
देवआपनेसुतकीजाने ● विरमानेक्यौंहूंनहिमाने ॥ ● ॥
सैनतिहैहरिकेहरषिमहरिखिलौनाजान ॥
भौंराचकई मुरलिकागेंदबटाचौगान ॥ ● ॥
जसुमतिसुखकीरास नंदभवनभूषणपरम ॥

ब्रजमैंकरतबिलास ब्रजबासीजनजाहिबलि ॥
कहतिस्यामसोंजसुमतिमैया ● पियऊदूधकछुलैंऊंबलैया ॥
आजसवारदुहीमैंगैया ● सोईदूधप्यावमुहिमैया ॥ ● ● ॥
और दूधरुचिमोहिनआवै ● जोतूकोटियत्नकरिप्यावै ● ॥
जननीतबहिंसोंहकरिल्याई ● यहधौरीकोदूधकन्हाई ॥
तुमतेंऔरकौनमोहिप्यारो ● औटिदेउँतुम्हरेहितन्यारो ॥
तातीजानिबदननहिंल्यावै ● फूंकिफूंकिपयजननीप्यावै
पयपीवतमोहनअलसाये ● सुंदरसेजजननिपौढ़ाये ॥ ● ॥
प्रातजगावतिनंदकीरानी ● उठऊलाडलेसारंगपानी ॥ ● ॥
भोरभयौजागऊमेरेप्यारे ● ठाढ़ेग्वालबालसबद्वारे ॥ ● ॥
हरऊतापमुखकमलदिखाई ● करऊकलेऊमिलदोउभाई
सदमाखनदधिरैनजमायौ ● मागलेऊअरुजोमनभायौ ॥ ॥
सखाबुंदसबलेऊबुलाई ● उठऊलालजननीबलिजाई ॥
तबहुंखिचितयेसेजतेंउठेस्यामसुखदानि ॥
जसुमतिजलझारीलियेमुखधोयौनिजपानि
बोलउठेबलराम उठेसंवारेआजहरि ॥ ॥
हर्षिमिलेघनस्याम दाऊजूकहिभ्रातसों ॥
द्वारेतेंसबसखनबुलायौ ● देखिबदनसबहिनसुखपायौ ॥ ॥
सखनसहितसुंदरसुखदाई ● कियौकलेऊकछुदोउभाई
गैयनलैबनचलेगुवाला ● संगचलेमोहननंदलाला ॥ ● ● ॥

टेरसुननबालकसबधाये ❁ घरघरकेबछरनलैआये ॥ ❁ ॥
सखाकहतसबसुनऊकन्हैया ❁ चलऊआजबृंदाबनभैया
यमुनातटसबबच्छचरै हैं ❁ बंसीबटखेलतसुखपै हैं ॥ ❁ ॥
भलीकहीहंसिकह्यौगुपाला ❁ चलेसकलबृंदाबनग्वाला ॥ ॥
कोउटेरतकोउघेरलैआवै ❁ कोउसुरभीगणजोरिचलावै
कोउशृंगीकोउवेणुबजावै ❁ कोऊपरस्परहेरीगावै ॥ ❁ ॥
हेरीटेरसुनतमनमोहन ❁ कहतमोहिंसिखवऊनिजगोहन
हरिग्वालनसंगटेरउठाई ❁ हंसेसकलपूरीनहिंआई ❁ ॥
कहतस्यामअबकौफिरलीजो ❁ अबकैजायतबैहंसिदीजो ॥

गावतखेलतहंसतसबसखाबृंदगोसाथ ॥
पठुंचेबृंदाबनसघनबृंदाबनकेनाथ ॥
फिरतचरावतधैन दीनबंधुदुष्टनदलन ॥
कृष्णकमलदलनैन सर्वअंगसुंदरसुखद ॥

॥ अथअघासुरबधलीला ॥

तहांअघासुरबनमैंआयौ ❁ कंसराजकरिकोपपठायौ ❁ ॥
ताकेएकबहनद्वैभैया ❁ मारेप्रथमहिंकुंवरकन्हैया ॥ ❁ ॥ ॥
एकपूतनाजोब्रजआई ❁ बत्सासुरअरुबकदोउभाई ❁ ॥
तिनकौवैरअसुरउरधारी ❁ कियौगर्वमननैंअतिभारी ॥ ॥
आजराजकौकारजकीजै ❁ औरवैरभाइनकौलीजै ॥ ❁ ❁ ॥
गिरिसमानअजगरतनधारी ❁ पर्यौअसुरमगबदनपसारी

बनघननदीरचीमुखमाहीं ॥ मायाकृतपहिचानिनजाहीं ॥
वाहीमगनिकसेनंदलाला ॥ गायबच्छलीनेसबग्वाला ॥ ॥
हरिअंतरजामीसबजानी ॥ कपटरूपयहखलअभिमानी ॥
याकोंआजतुरतसंहारौं ॥ असुरमारभूभारउतारौं ॥ ॥
ग्वालनअहिपर्वतकरिजान्यौ ॥ तासुबदनगिरिकंदरमान्यौ ॥
देखिसुहावनतृनहरिआई ॥ गायबच्छपैठेसबधाई ॥ ॥
गायबच्छग्वालनसहितसबमुखगयेसमाय ॥
कहतपरस्परआजबनसुरभीचरैंअघाय ॥
सबमुखगयेसमाय असुरसकोसौबदनतब ॥
अंधकारगयोछाय ॥ मानौघनघेरैनिसा ॥ ॥
अतिअकुलायउठेतहांग्वाला ॥ गायबच्छसबविकलविहाला ॥
कहतपरेधौंहमकहांआई ॥ त्राहित्राहिघनस्यामकन्हाई ॥
सबकेप्राणगयेइहिंबारा ॥ तुमबिनकौंनउबारनहारा ॥ ॥
श्रवणसुनतप्रभुआरतबानी ॥ भयेदुखितचिंताउरआनी ॥
दीनबंधुभक्तनसुखदाई ॥ पैठेआपअघामुखजाई ॥ ॥
अघाअसुरउरअतिहर्षाई ॥ लियौओठसोंओठलगाई ॥
विद्याधरमुनिबरगंधर्वा ॥ अतिभयविकलगगनसुरसर्वा ॥
तबहिंकह्यमनबुद्धिउपाई ॥ अविगतगतिभक्तनसुखदाई ॥
मुखतेंदेहद्गुणविस्तारी ॥ रुंधीस्वासभौत्रासदेवारी ॥ ॥
सुक्यौनहींतबअसुरसंभारी ॥ कियौशब्दआघातपुकारी ॥

फूटगयोसिरदसमदुवारी ● निकसीप्राणयेतिउजियारी ॥
सोवह्वयोतिस्वर्गकौंधाई ● बहुरिआयहरिमांझसमाई ● ॥
याहीमगअघवदननतेंनिकसेगोकुलराय ॥ ● ॥
कहतसखनआवहुनिकसिमैंकरिलईसहाय ॥
अतिहिसकानेग्वाल गायबछव्याकुलसकल ॥
मिट्यौतिमिरतिहिंकाल जहंतहंह्वैबचनसुनि
हर्षसहितबाहरसबआये ● हरिकौंदेखिपरमसुखपाये ॥
हमअज्ञानबृथाभयपाई ● स्यामहमारेसाथसहाई ॥ ● ॥
धन्यकान्हधनिधनिपितुमाता ● जिनजायौतुमकौंब्रजत्राता ॥
गिरिसमअसुरसर्पतनधारी ● ताहिहन्योतुमहोअसुरारी ॥
कहतकान्हतुमकरीसहाई ● तबमार्यौमैंअसुरअन्याई ॥
जौतुममेरेसंगनहोते ● तौयहमार्यौजातनमोते ● ● ● ॥
देखिअघासुरबधसुरज्ञानी ● बर्षिसुमनकहिजैजैबानी ॥
बिद्याधरकिन्नरगंधर्वा ● अतिआनंदगुणगावतसर्वा ॥ ● ॥
अघाअसुरकीकरतबड़ाई ● हरिमधिजाकीयोतिसमाई ॥
करतअनेकयत्नमुनियामा ● अंतकालदुर्लभहरिनामा ॥ ● ॥
सोहरिअंतकालजगपावन ● बसेआपअघमुखदुखदावन ॥
इहिंसमऔरकौनबड़भागा ● कहतदेवसबअतिअनुरागा ॥
जैजैजैप्रभुजगतहितजगत्राताजगदीस ॥
जाकौमारनहूंप्रगटतारनविस्वावीस ● ॥

हरषिसुमनबर्षाय जैजैध्वनिनभकरतसुर ॥
ग्वालगायसुखपाय अतिआनंदनिरखतहरिहि
तबहिसखनसोंबिहसिक्रपाला ● बोलेकरुणासिंधुगोपाला ॥
चलहुसकलबंसीबटछांहीं ● आईहैछाकतहांहीं ॥ ● ॥
भोजनकरियेसबमिलजाई ● बछरहांकलेहुअगुवाई ॥ ॥
हर्षिचलेतहांतेंबलबीरा ● आयेसबबंसीबटतीरा ॥ ● ● ॥
बंसीबटअतिसुभगसुहावन ● औरचहूंदिसबहुद्रुमपावन
चरतबच्छसबबनकेमाहीं ● बैठेआयस्यामबटछाहीं ॥ ● ॥
औरपासगोपनकेबालक ● मध्यस्यामसुंदरजगपालक ● ॥
मोरमुकुटकलकुंडलकानन ● कोटिकामछबिसोहतआनन
गेरूकादिचित्रिततनस्यामा ● पीतबसनबनमालललामा ॥
बाहुबिशाललकुटकरलीने ● गुंजनकेआभूषणकीने ● ॥
सखाबृंदसबसुंदरसोहैं ● निरखतरूपमदनमनमोहैं ॥
प्रेममगनमनपरमहुलासा ● करतपरस्परहासबिलासा ॥ ॥
तहांछाकघरघरनतेंआईभरिभरिभार ॥
जसुमतिपठयेकान्हकोंबिंजनबहुतप्रकार
छाकपठाईमात हरषिकहतहरिसखनसों ॥
दधिलवनीबहुभात सबमिलभोजनकीजियै ॥
बनभोजनविधिकरतकन्हाई ● छाकसबैइकठावरखाई ॥ ॥
जलतेंपुरइनपातमंगाये ● दोनाबहुपरसकेलाये ॥ ● ॥ ॥

कछुकछु बृंदाबनके नीके ❁ लियेमगायभावते जीके ॥ ❁ ❁ ॥
बैठेमंडलजोरगुवाला ❁ मध्यस्यामसुंदरनंदलाला ॥ ❁❁ ॥
भांतिभांतिबिंजनरसपागे ❁ परसिधरेसबहिंनकेआगे ❁ ॥
कछुकहथेरिनपरधरलीन्हो ❁ शाकखोलअंगुरिनबिचकीन्हौ
मुरलीमुकुटकांखतरलीने ❁ भोजनकरनलगेरसभीने ❁ ॥
मधुमंगलपरसैनसुदामा ❁ सुबलसुखमनाअरुश्रीदामा ॥
अपरअनेकगोपसुतलोने ❁ जैंवतमिलिसंगस्यामसलोने ॥ ॥
लेतपरस्परकौरछिडाई ❁ कबऊंकतिनकौदेतकन्हाई ❁ ॥
कबहूकाहूदेनबुलावैं ❁ डहकितांहिअपनेमुखनावैं ॥ ❁❁ ॥
मीठेखाटेस्वादबखाने ❁ हासबिलासकरतसुखसाने ॥ ❁ ॥
देखतसुरगणसिद्धमुनिचढेविमानअकास ॥
लखिकौतुकचकितसबैगयेकमलभवपास ॥ ❁ ॥
कह्योब्रह्मसोंजाय कहतजाहिपरब्रह्मतुम ॥
सोग्वालनसंगखाय छोरिछोरिकरतेंकवर ॥ ॥

॥ अथब्रह्माकेमोहकीलीला ॥

हरिमायामोहेसबप्रानी ❁ कहाब्रह्माकहासुरमुनिज्ञानी ॥
सुनिविरंचसुरगणकीबानी ❁ भयौमोहउरमहइहआनी ॥
गोकुलजन्मकीनयहआयौ ❁ मैंकछुवाकोभेवनपायौ ॥ ❁ ॥
परचौलैदेखौंप्रभुताई ❁ बालबच्छहरिल्यावोंजाई ॥ ❁ ॥
जोसर्वज्ञईशभगवाना ❁ लेहैतुरतमंगायसुजाना ॥ ❁❁❁ ॥

यहबिचारबिधिमनठहरायौ ❁ चरथौतुरतवृंदाबनआयौ ॥
देखिसरितबनमेंअतिपावन ❁ पुञ्जपलताद्रुमपरमसुहावन
अतिरमणीककदमचहुंपासा ❁ बंसीबटमधिसुखदनिवासा ॥
गोपमंडलीमंडनमोहन ❁ भोजनकरतसखनकेगोहन ❁ ॥
देखिविरंचचकितभ्रमभारी ❁ बछराहरिलीनेबनचारी ॥ ॥
हरिअंतरजामीसबजानी ❁ बिधिकेमनकीरुचिपहिचानी
तबपठयेंद्वैग्वालकन्हाई ❁ ल्यावहुबछघेरसबजाई ॥ ❁ ॥

ग्वालसकलबनढूंढिकैफिरआयेहरिपाहिं ॥
कहतबछगयेदूरकहुंखोजमाइयतनाहिं ॥
तबहंसिकह्यौकन्हाय तुमसबरहंबैठेरहौ ॥
मैंधांदेखौजाय चलेआपबछरायतब ॥ ❁ ॥

जबगयेदूरबनहिंजनत्राता ❁ तबहीबालकहरेबिधाता ॥ ॥
प्रभुलीलाकीगमकछुनाहीं ❁ गर्वितगयौलोकनिजमाहीं ❁ ॥
निजमायासोंकरिमतिभोरी ❁ राखेबालबछइकठोरी ॥ ❁ ॥
गुणसागरनागरनंदनंदन ❁ बंसीबटआयेजगबंदन ॥ ❁ ॥
दीनबंधुभक्तनहितकारी ❁ यहअपनेउरमांझबिचारी ॥ ॥
बालबछजोब्रजनहिंजैहैं ❁ मातपिताइनकेदुखपैहैं ॥ ❁ ॥
तातेंरूपसबनकोधारौं ❁ याबिधितिनकौदुःखनिवारौं ॥ ❁ ॥
बालबछबिधिलैगयौजेते ❁ भयेस्यामतबआपुनतेते ॥ ❁ ❁ ॥
वैसौइरूपवैसगुणशीला ❁ वैसियबुद्धिपराक्रमलीला ॥ ❁ ❁ ॥

रंगरेखजैसीजिहिमाहीं ॥ अंगचिन्ह अंतरकछुनाहीं ॥ ॥
बोलनहंसनचलनचतुराई ॥ हेरनटेरनफेरनराई ॥ ॥
भूषणबसनलकुटकरजैसे ॥ भयेस्यामसबआपनतैसे ॥ ॥
मारनउद्धारनयदपिहैंसमर्थभगवान ॥ ॥
तदपिजानिनिजदासबिधिकरीताहुकीकान ॥
आपनौकरिबिधिजान अनजानतढीठौकरी ॥
तातेंकीनेआन मनभायौबिधिकोकियौ ॥ ॥
कह्यौस्यामसबसखनबुलाई ॥ ल्यावहुघेरिबच्छसबजाई ॥
ब्रजकौचलहुसांझनियराई ॥ हरषिचलेबालकसमुदाई ॥
चहूंपाससबसखासुहाये ॥ मध्यस्यामबछरनआगुवाये ॥ ॥
वेणुबिशालरसालबजावत ॥ आपनेआपनेरंगसबगावत ॥ ॥
रंभतिगायबच्छहितलागी ॥ देखतब्रजयुवतीअनुरागी ॥ ॥
मोरमुकुटकुंडलबनमाला ॥ हंसनमनोहरनैनबिशाला ॥ ॥
गोपदरजमुखपरछबिछाई ॥ मनहुंचंदकनअमियनिकाई
ब्रजबनितासबतनमनवारत ॥ निरखिरूपभेटनचितआरत
पहुंचेब्रजहिस्यामसुंदरबर ॥ गयेबच्छबालकनिजनिजघर
गोसुतग्वालबालहरषाई ॥ लीनेजातमातउरलाई ॥ ॥
परमप्रीतिकरिभोजनदीन्हौ ॥ कृष्णचरितकाहूनहिचीन्हौ
जसुमतिकहतिसुतहिमिलिप्यारे ॥ बनहिरातकतकरतललारे
मैंसवेरेघरकौंचल्यौसखाकरतसबरात ॥

॥ १६३ ॥

देखिअगमबनमैंडसौवेडरपावतजात ॥
बारबारपछितायलैबलायजसुमतिकहति ॥
ग्वावहिंगायचराय काल्हिजाइवेईसबै ❁ ॥
यहसुनिकैहंसिकहतकन्हैया ❁ कालचरावनजातिबलैया ॥
लागीभूखबहुतमोहिहैरी ❁ भोजनकौंतुरतहिकछुदैरी ॥
सुनततुरतमाखनलैआई ❁ तबलौंखाहुजननिबलिजाई ॥
लैजलतपघामकौप्यारे ❁ तेलपरसतन्हाहुलबारे ॥ ❁ ॥
जातेंबनकौश्रममिटजाई ❁ भोजनकरहुबहुरिदोउभाई
तबजननीगहिबांहन्हवाये ❁ जैंवनकौंबलरामबुलाये ❁ ॥
अतिरुचिसौंजैंवतदोउभाई ❁ परमप्रीतिपरसतहैमाई ॥
जैंइउठेअचमनतबकीनौ ❁ बीरादुहुनरोहिणीदीनौ ❁ ॥
जानिउनींदसेजबिछाई ❁ जननीपौढायेदोउभाई ॥ ❁ ॥
स्यामरामसोवतदोउभैया ❁ सुखपावतिनिरखतिदोउमैया ॥
अघमरद्यौबिधिगर्वनवायौ ❁ ब्रजबासिनकछुभेदनपायौ ॥ ॥
बालबत्सहरिनयेउपाये ❁ सबजानतवेईहैंआये ॥ ❁ ❁ ॥
बालबत्सनौहततिन्हैंब्रजबनिताअरुधैन ॥
पूरवप्रीतिहुतेंअधिककरततरहतउरचैन
ब्रजमंगलभगवान ब्रह्मसच्चिदानंदप्रभु ॥
भक्तनकेसुखदान लगेदेनसुखघरनघर
तबबिरंचकेमनयहआई ❁ ब्रजकेलोगनदेखौंजाई ॥ ❁ ॥

ह्वै है करत बिलाप कलापू ❀ बिन बच्छन गैयन संतापू ॥ ❀ ॥
आय बिरंच तुरत तहां देख्यौ ❀ घर ही घर सब कौतुक पेख्यौ ॥
जहां तहां दुहत गाय पशुपालक ❀ खेलत निज निज घर सब बालक
देखि बिरंच चकित मन माहीं ❀ है यह ब्रज कैधौं वह नाहीं ॥
मैं बिधि ना सब सृष्टि उपाई ❀ यह रचना धौं किन हि बनाई ॥
कैधौं हौं इहि भ्रमहि भुलानौ ❀ हैं हरि अविनाशी नहि जानौ ॥
अंतरजामी जानत सब ही ❀ बाल बच्छ धौं ल्यायें तब ही ॥ ❀ ॥
अति संभ्रम बिधि ज्ञान भुलायौ ❀ गयौ फेर निज लोक हि धायौ ॥
देखे बच्छ बाल जहां राखे ❀ चकित बहुरि ब्रज कौं अभिलाखे ॥
क्षणभूत लक्षण लोक सिधारै ❀ बाल बच्छ दुहुं ठौर निहारै ॥ ॥
बरष दिवस इहिं भांति बितायौ ❀ भयौ थकित अति भ्रम उर छायौ

मोह बिकल अति देखि कै सुंदर स्याम सुजान ॥
प्रगट कियौ जन जानि निज बिधि के उर में ज्ञान ॥
छूटै भई तब सुद्धि सपूरण औतार प्रभु ॥
धृक धृक मेरी बुद्धि बैर बढायौ कृष्ण सौं ॥

मैं मति हीन भेव नहि जान्यौ ❀ मोह विवस प्रभु सौं छल ठान्यौ ❀ ॥
यह अपराध बहुत मैं कीन्हौ ❀ निज अज्ञान न प्रभु कौं चीन्हौ ॥
भई गलानि बहुत मन माहीं ❀ सनमुख होत सकत बिधि नाहीं
भयौ सोच उर मांझ विशेषा ❀ प्रभु प्रभाव तब परगट देषा ॥ ❀ ॥
बालक बच्छ सहित सब साजू ❀ कृष्णरूप सब लख्यौ समाजू ❀ ॥

शिवब्रह्मादिकदेवअनेका ❀ देखेअधिकएकतेंएका ॥ ❀ ॥
चरणकमलबंदनप्रभुकेरे ❀ गावतगुणगंधर्वघनेरे ॥ ❀ ❀ ॥
देखिचकितचितभमनसान्यौ ❀ पूरणब्रह्मरूपपहिचान्यौ ॥
शरणशरणकहिअतिअनुराई ❀ परयौचरणकमलनपरजाई
अनजानतमैंकरीढिठाई ❀ क्षमाकरहुत्रिभुवनकेराई ❀ ॥
मैंप्रभुतुवप्रतापनहिजान्यौ ❀ तुम्हरीमायामांरुभुलान्यौ ॥ ॥
चूकपरीमोतेंनिजभोरे ❀ नाथनबनेतुम्हैमुखमोरे ॥ ❀ ❀ ॥

मैंअपराधीहीनमतिपरयौमोहकेजाल ॥ ॥
ममकृतदोषनमानियेंतुमप्रभुदीनदयाल ॥
कहाजानौतुवभेव मैंब्रह्मातुमरौकियौ ॥ ॥
तुमदेवनकेदेव आदिसनातनअजितअज

जोजनतेंबिगरैबिनजाने ❀ सोअपराधनप्रभुकछुमाने ॥ ❀ ॥
ज्यौशिशुअज्ञदोषउरमाहीं ❀ माताकबहूंमानतिनाहीं ॥
तोषपोषताकौबहुकरई ❀ विकसितचित्तअंकलैभरई ❀ ॥
रदरसनादंसिजोरिसहोई ❀ कहौकौनपरकीजैसोई ॥
निजतनव्याधिपीरजनपावै ❀ यदपियत्नकरिनहीबचावै ॥ ॥
तैसेहीप्रभुमोकौंकीजै ❀ क्षमिममदोषशरणगहिलीजै ❀ ॥
तुमजानेंबिनजीवसदाहीं ❀ उतपतिपरलैमांरुसमाहीं ❀ ॥
तुमकरिकृपाजनावहुजाकौं ❀ सोजानेतुम्हरीप्रभुताकौं ॥
मैंबिधिएकलोककौसाई ❀ जिमकृमिगूलरमांरुगुसाई ॥ ❀ ॥

तुम्हरेरोमरोमप्रतिगाता ॥ कोटिकोटिब्रह्मांडबिधाता ॥ ॥ ॥
कोटिखद्योतप्रकाशकराहीं ॥ रविसमकबौंहूंहोंहिंसुनाहीं
अवप्रभुबनेसंभारेतोही ॥ राखियचरणशरणनिजमोही ॥
अतिहीअगमअगाधतुवअविगतिगतिकोजान ॥
तासुपारचाहैंलह्यौमैंविधिअतिअज्ञान ॥ ॥
करियेबिरदकीलाज ममकृतदोषनमानिये ॥
दीनबंधुब्रजराज शरणागतिपालनहरे ॥ ॥
ञवबिधिकहीदीनबहुबानी ॥ शरणशरणकहिअतिभैमानी
तबनहिंबालबच्छकछुदेखे ॥ एकैरूपकृष्णबिधिपेखे ॥ ॥ ॥
कृपाकरीतबश्रीब्रजनाथा ॥ हस्तकमलपरस्यौबिधिमाथा ॥
अभयकियौबिधिसोचमिटायौ ॥ चरणकमलतेंसीसउठायौ ॥
बारबारपदकमलनिहोरी ॥ अस्तुतिकरतदुहूंकरजोरी ॥
डैजगधामस्यामसुखरासी ॥ ज्योतिरूपसबउरपुरबासी ॥ ॥
गुणगनअगमनिगमनहिंपावे ॥ ताहिजसोदागोदखिलावे ॥
धरजलअनलअनिलनभछाया ॥ पंचतत्वमिलजगतउपाया
कालडरैजाकेभयभारी ॥ सोऊखलबांधेमहतारी ॥ ॥ ॥ ॥
जगकरतापालनसंहरता ॥ विश्वंभरसबजगकेभरता ॥ ॥
तेगैयनसंगग्वालनमाहीं ॥ ब्रजमैंहंसिहंसिजूठनखाहीं ॥ ॥
बडेभाग्यब्रजबासिनकेरे ॥ तिनकेप्रेमरहततुमघेरे ॥ ॥ ॥ ॥
रहृतजिनकेप्रेमघेरेधन्यब्रजबासीसबै ॥

ब्रह्मएकअनीहअविगतघरनघरजिनकेफबै ॥ ❁ ॥
धन्यश्रीवसुदेवदेवकिपुत्रकरिजिनपाइयौ ॥ ❁ ❁ ॥
धन्यजसुमतिनंदजिनपयप्यायगोदखिलाइयौ ❁ ॥
धन्यब्रजकेगोपजिनसंगधन्यगायचरावहीं ॥ ❁ ❁ ॥
चारमुखमैंकहाबरनौसहसमुखनितगावहीं ॥ ❁ ॥
धन्यबालकबच्छजिनतेनाथयहदरसनलयौ ॥ ❁ ॥
परसिचरणसरोजमस्तकपापतजिपावनभयौ ॥ ❁ ॥
अबदेहुब्रजकौबासमुहिप्रभुआसयहमेरेहिये ❁ ॥
रेणुतृणद्रुमलताखगमृगहोऊंजोतुम्हरेकिये ॥ ❁ ॥
यहनित्यब्रजलीलातुम्हारीतुम्हअनुग्रहतेंलही ❁ ॥
महतश्रीबृंदाबिपनकौअमितमितसकेकोकही ❁ ॥
लोकमोहिनसुहातअवप्रभुआनबिधिकोउकीजिये ॥
मोहिग्वालनकौकरौभृतखायजूठनजीजिये ॥ ❁ ॥
बारबारमनाययुगपदनाथयहबरमागहूं ॥ ❁ ❁ ॥
ह्वैरहौंबृंदाबिपनरजचरणपंकजलागहूं ॥ ❁ ❁ ॥
करिअस्तुतिगदगदबचनदृगजलपुलकिशरीर ॥
परसौचरणपंकजबहुरिबिधिअतिप्रेमअधीर ॥
तबहंसिबोलेस्याम गर्वप्रहारीभक्तहित ॥
जाहुआपनेधाम बचनहमारौमानिअब ॥
औरकाहिअबकरौंबिधाता ❁ तुमहौंकर्मधर्मकेदाता ॥ ❁ ❁ ॥

तुमतेंहैयहसबसंसारा ❀ ममभायाकौंनाहिंनपारा ॥ ❀ ❀ ॥
तातेंअबममअग्यायसुकीजै ❀ ब्रजकीजायप्रदक्षिणादीजै ❀ ॥
जातेंतनकेपापनसाहीं ❀ बहुरिजाउलोकहिसुखमाहीं ॥
हरिउरहारबिधिहिपहिरायौ ❀ बिदाकियौसबसोचनसायौ
प्रभुआयसुमाथेंपरधारी ❀ पांयप्रसादहरषबिमुखचारी ❀ ॥
ब्रजदाहिनफिरपापनसाये ❀ बालबत्सप्रभुपहपहुंचाये ॥ ॥
बारबारचरणनसिरनाई ❀ बिधिनिजलोकगयौसुखपाई ॥
ग्वालनयहकछुमरमनजान्यौ ❀ वाहीसमयसबहिनमनमान्यौ
हरिसौंकहतबिलंबकहांलाई ❀ हमतुमबिनाछाकनहिंखाई
तुमसबभोजनमांझभुलाने ❀ बछजायबनदूरहिराने ॥ ❀ ॥
खोजतखोजतक्यौंहूंपाये ❀ सोमैंलैतुमपहपहुंचाये ॥ ❀ ॥
अबरांखौसबघेरिकैदूरनिकसनहिंजाहिं ❀ ॥
तबसुचितव्हैकैसबैरुचिसौंभोजनखाहिं ॥ ❀ ॥
ऐसेंकहिब्रजराज सखनसहितभोजनकियौ ॥
बहुरियमुनतटजाय जलअचयौधोयेबदन ॥
संध्यासमैंचलेघरग्वाला ❀ मध्यस्यामसुंदरनंदलाला ॥ ❀ ॥
बछघेरआगेकरिनीके ❀ कांधिनपरधरलीनेछीके ॥ ❀ ॥
जनजनभृंगबजावतगावत ❀ बनतेंबनेब्रजाहिंहरिआवत ॥
घरआयेब्रजमोहनलाला ❀ कहतजसोमतिसोंसबग्वाला ॥
अहोमहरिबनआजकन्हाई ❀ महादुष्टमासौइकजाई ॥

पन्नगरूपगिलेशिशुबच्छा ॥ करीप्राजसवकीहरिरच्छा ॥
गिरिकंदरसमतिनमुखबायो ॥ पैठिस्यामतिहितुरतनसायो।
याकेबलहमबदननकाहू ॥ फिरतसकलबनसहितउछाहू ॥
जीतेसबैअसुरवनमाहीं ॥ यहकाहूतेहारयौनाहीं ॥ ॥
बीतेबरषकहतसबग्वाला ॥ आजअघामारयौनंदलाला ॥
यहप्रभुलीलाअपरंपारा ॥ कौनकौनकैमुरैनपारा ॥ ॥ ॥
जसुमतिसुनिचकतपछिताई ॥ मैंबरजतबनजातकन्हाई ॥
केतीकरबरतेंबच्यौतऊननैकडरात ॥ ॥
अतिविचित्रगतिईशकीजानीजातनबात
खीजतिजसुमतिमात माननतनहिमेरौकह्यौ ॥
स्याममनहिमुसकात कहतअबनबनजायहौं ॥
हरिकीलीलाकहतनआवै ॥ सुरनरअसुरसबहिंभरमावै ॥
पयपीवतपूतनानसाई ॥ पटक्यौतृणाशिलापरआई ॥ ॥
तीनलोकमुखमेंदिखराये ॥ यमलाअर्जुनबृक्षढहाये ॥ ॥
बत्सासुरबकबकुरिनसायो ॥ अघामारबिधिगर्वनवायो ॥
जसुमतियहपुर्षारथदेखी ॥ तापरखिजपछितातविशेखी ॥
अघामारिआयेनंदलाला ॥ घरघरकहतफिरतसबग्वाला ॥
सुनिसुनिब्रजयुवतीउठिधाई ॥ चकितविलोकतिहरिमुखआई
मनमनकरतियहैअनुमाना ॥ इनकीसरकोउनहिआना ॥
येईहैंब्रजकेरखवारे ॥ येईहैंपतिप्राणहमारे ॥ ॥ ॥ ॥

कहतपरस्परसुनऊंसयानी ॥ हैयेजगतीपतियहजानी ॥
प्रेममगनब्रजकेनरनारी ॥ लहतपरमसुखहरिहिनिहारी
ब्रजमोहनसुंदरसुखरासा ॥ भोजनमागतजसुमतिपासा ॥

खाऊलालजोभावईरुचिसोंसखनसमेत ॥
सदमाखनव्यंजनघरसर्करिरखेतुमहेत
दैरोटीनवनीत औरमोहिभावैनही ॥ ॥ ॥
दियौमातअतिप्रीत खातहंसतमिलिसखनसंग ॥

॥ अथगोदोहनलीला ॥

हंसिजननीसोंकहतकन्हैया ॥ दुहनीदेदुहिहौंमेंगैया ॥ ॥
नंदबबामोहिदुहनसिखायौ ॥ ग्वालनकीसरदुहनचढायौ
धौरीधूमरिकाजरिगैया ॥ तुरतहिदुहिल्याऊंदैमैया ॥ ॥
भयौमोहिबलमाखनखाई ॥ अबनडरातबूझबलभाई ॥ ॥
तोहिनहींपतियारोआवै ॥ बैठिऊठकरैभावबतावै ॥ ॥
अंगुरीभावदेखिहंसिमाता ॥ उरलगायलियेसांवलगाता ॥
कहतकहांइतनीबुद्धिपाई ॥ हरषिनिरखिमुखबलिबलिजाई
लैदोहनीदईकरमाता ॥ हर्षितचलेदुहनसुखदाता ॥ ॥
बछराछोरितुरतथनलायौ ॥ मातदुहतलखिहर्षबढायौ ॥ ॥
सखापरस्परकहतकन्हाई ॥ हमहूतेंतुमकरतबडाई ॥ ॥
दुहनदेऊकछुदिनमुहिगैया ॥ तबकरियैमेरीसरभैया ॥
जबलगिएकदुहौतबताई ॥ दसनदुहैंतौनंददुहाई ॥ ॥

सखाकहतसबजूठहीनंददुहाईखात ॥
प्रातसाथहमदुहहिंगेदेखहिंकोअधिकात
कह्यौकान्हहरषाय भलीकहीयहबाततुम ॥
प्रातदुहहिंगेगाय हमतुमहोडलगायकै ॥ ॥
श्रीबृषभानकुंवरिमनमाहीं ● स्यामसुरतक्षणबिसरतिनाहीं
दरसलालसाहगननथोरी ● देख्यौइचहतिबहोरिबहोरी
उठिपरभातदोहनीलीनी ● सुरतस्यामदरसनकीकीनी ॥
जननीदेखिकह्यौदुलराई ● जातिकितैराधाअतुराई ॥ ● ॥
खरकहिजातदुहावनमैया ● दुहतसबेरग्वालसबगैया ● ॥
कान्हिननकमैंबिलंबलगाई ● उठेअहीरसबमोहिरिसाई ॥
गईगायसबबच्छपियाई ● रीतीदुहनीलैफिरिआई ॥ ● ॥
तुमहूंखीजनलगितबमोही ● जातसवारआजकहतोही ॥
ऐसेंकहिजननीसमुझाई ● घरतेंचलीब्रजहिसमुहाई ॥ ॥
नंदसदनआईहरिप्यारी ● दुहतगायगृहद्वारविहारी ॥
दुहनपरस्परलखिसुखपायौ ● निरखिबदनछविहृदयबढायौ
राधहिदेखिमहरिनंदरानी ● लईबुलायनिकटहरषानी ॥
दंपतिकौसुखदेखिकैमुदितजसोमतिमाय ॥
बारबारलखियुगलछविमनहीमनबलिजाय ॥
महरिमुदितमुसकाय मथनकह्यौदधिकुंवरिसैं
भानदुहाईआय आयसुतैंठाढीभई ॥ ● ॥

नैतिपाणिमनअतिअनुरागी ❁ रीतीइमादबिलोवनलागी ॥
तैसियभई स्याममतिभोरी ❁ मनलाग्यौजहां कुंवरिकिशोरी ॥
वृषभानंहिसोंजोइ लैलैया ❁ बिसरगयेठाढीकितगैया ॥ ❁ ॥ ॥
दंपतिदसादेखिनंदरानी ❁ रहीचकितनहिंजातबखानी ॥
राधासोंकहिप्रगटजनायौ ❁ किनयहतोकौंमथनसिखायौ ॥
निजघरमथतिऐसहीजानी ❁ कैमेरेघरआयभुलानी ❁ ॥
मैंनहिंमथनकबहूंदधिकीनी ❁ तुममोहिंसोंहबबाकीदीनी ॥
तातेंमथनकरनमैंलागी ❁ तुमरौबचनसकीनहिंत्यागी ॥ ❁ ॥
तबनंदघरनीमथनबतायौ ❁ राधेहरितनध्यानलगायौ ❁ ॥
दुहनस्यामगैयाबिसराई ❁ लैयावृषभपायअटकाई ❁❁ ॥
दुहनीस्याममांगतबलीनी ❁ तुरतसखाइकलैकरदीनी ❁ ॥
कहतदुहौहरिकरौचढाई ❁ हंसतगोपबालकसमुदाई ॥ ॥

॥ ॥ हंसतकहतहरिसोंसबैकहातुमरहेभुलाय ॥
सुनतसखनकीबाततनहिंप्यारीसोंचितलाय ॥
प्रियाबदनदृगलायरहेस्यामइकटकनिरखि ॥
देहदसाबिसराय भूलगयेसबचतुरता ॥ ❁ ❁ ॥

जसुमतिकहतिराधिकाहिटेरे ❁ येढंगहैंरीप्यारीतेरे ❁ ॥ ॥
ऐसोहावमथतदधितेरौ ❁ हरिभयौमानहुंचित्रचितेरौ ❁ ॥
तेरेमुखसमशशिनहिंभ्राजै ❁ नैननलखिखंजनगतिलाजै ॥
चपलाहूतेंचमकतहैरी ❁ करिहैकहास्यामकौंनैरी ॥ ❁ ॥ ॥

मैंकह्यौसुनतकछुनाहीं ॥ है धैंकह्यागुनतमनमाहीं ॥ ॥
इकटकदीठतबहिनेंलाई ॥ ननकीसुरतसबैबिसराई ॥ ॥
अबहींतेंऐसेढंगपोही ॥ अबहीबजतहोनहैतोही ॥ ॥
ऐसेढंगलगायौस्यामहिं ॥ काजनहीकछुतेरेधामहिं ॥ ॥
चितयौमतहिकरैढकलाई ॥ हिलमिलिखेलस्यामसंगआई ॥
कैरहौनैठआपनेधामहिं ॥ धेनुदुहनदेमेरेस्यामहिं ॥ ॥
देखततोहिस्यामसुधिजाई ॥ तूचितवतितनसुधिबिसराई ॥
सुधेरहिजोइहांतुआवै ॥ ऐंसौढंगमोकौंनहिभावै ॥ ॥

करतिअचकरीआयतूयहनहिमोहिसुहाय ॥
सूधेखेलहिस्यामसंगकेतूइनमतआय ॥ ॥
ऐसैंमहरिरिसाय सीखदईहरिभावतिहिं ॥
नबकछुमनसुधिपाय बोलीअतिभोरेबचन ॥

मुहिखीजतबरजतिसुननाहीं ॥ नितउठिमोहिबुलावनजाहीं
मोहिकहतबिनतोहिनिहारे ॥ रहतनमेरेप्राणसुखारे ॥
छोहलगतमोकौंसुनिबानी ॥ तबआवतिमैंह्यांघरजानी ॥ ॥
मुखपावतिआवतिमैंनातें ॥ तुमकछुलावतिऔरहिंबातें ॥ ॥
जसुमतिसुनिप्यारीकीबानी ॥ भोरेभायसमझिसकुचानी ॥
अंकहिपकरिउरसोंलैलावति ॥ प्यारीमननेंरोसमिटावति ॥ ॥
हंसतकहतमैंतोसोंप्यारी ॥ मनमेंकछूबिलगजिनलारी ॥ ॥
सिखवतितोहिसीखगुणकारी ॥ मैंतेरीजैसीमहतारी ॥ ॥

सुनियतमहरिसुघरअधिकाई ● गृहकारजकछुनोहिसिखाई
सुनिजसुमतिकेबचनसप्रीती ● बोलीअतिनागरिशिशुरीती
मैयामोसोंटहलकरावै ● खोरततनातदेखिजोपावै ॥ ● ● ● ॥
सुनिजसुमतिराधाकीबानी ● श्रीवृषभानलाडलीजानी ● ॥
अतिसप्रेमदुलरायकैलई बकुरिउरलाय ● ॥
श्रीराधाकेचित्ततेंदीनौछोभमिटाय ● ● ● ॥ ॥
कापैबरनीजाय हरिप्यारीकीचतुरता ● ॥
दीनीसहजसुभाय बातनहीजसुमतिभुरै ॥ ॥
कहतसखाहरिसोंमुसकाई ● छुहतकहातुमआजकन्हाई ॥
कालदुहतहेहोंडलगाई ● बिसरगयेसबआजबडाई ● ॥ ॥
गिरतिदोहनीकंपितहाथा ● नोवतवृषभबलैसाथा ● ॥ ॥
सुनिग्वालनकेबचनगुपाला ● कछुकसकुचविहसेनंदलाला
बछकोरदियौखरकचलाई ● आपजननिसोंकहतकन्हाई
मुरलीमुकुटदेहिपटमेरो ● सुनिआऊंदाऊमोहिटेरो ॥
जननीहरषितुरतसबदीनो ● लैहरिमुकुटसीसधरिलीनो ॥
चारुपीतपटकटिलपटाई ● करमुरलीलैमधुरबजाई ॥ ● ॥
मुरलीमेंकहैप्यारीप्यारी ● गयेबुलायखरकसुखकारी ॥
लखिप्यारीहरिकीचतुराई ● कहतिजसोमतिसोंअतुराई ॥
जातिघरहिप्रातहिमैंआई ● खरकदुहावनकौंनिजगाई ॥
पायेग्वालखरककोऊनाहीं ● खोजतिमैंआईइतमाहीं ॥ ॥

इहांअजिरगैयादुहतदेखेआयकन्हाई ॥
ततनकदोहनीतनककरदेखिरहीचितलाय ॥
सुनिअतिसरससुभाय सनेप्रेमप्यारीबचन ॥
असुर्मतिमनसुखपाय कहतिकुंवरिसोंजानघर
आप्यारीघरआवतिरहियौ हमरैमिलनमहरिसोंकहियौ ॥
यहसुनिकुंवरिचलीहरषाई मनहरलीनौकुंवरकन्हाई
गईखरककरदोहनिलीने चितवतमगजहांस्यामप्रवीने ॥
तहांमिलीबहुसखीसहेली बूझतिराधहिकहांअकेली ॥
प्रातदुहावनमातपठायौ तहांखरिककोऊअहिरनपायौ ॥
इतआईमैंग्वालबुलावन जातिखरकअबगायदुहावन ॥
बोलउठेहरितबइतआवौ हमदुहिदेइंदोहनील्यावौ ॥
दुहनदेनकहिस्यामबुलाई सुनतगईप्यारीसुखपाई ॥
कहतिसखीसबमनमुसकाई कहांप्रीतिइनआयलगाई ॥
बरसानेयहब्रजहिकन्हैया आईकहांदुहावनगैया ॥ ॥
हरिमुखलखिबृषभानकिशोरी प्रेमविवसभईतनसुधिभोरी
मोहनलईदोहनीकरतें प्रियाप्रीतिरसबसभईबरतें ॥
धेनुदुहावतलाडलीदुहतनंदकोलाल ॥ ॥
सोसुखकापैजायकहिदेखतिब्रजकीबाल ॥
बछरापदअटकाय गोथनलीनौहाथहरि ॥
प्रियाबदनदृगलाय दूधधारछांडतछलन ॥

दुहतधेनुअतिहीछविबाढी ❁ प्यारीपासदुहावतठाढी ❁ ॥
एकधारदुहनीमेंडारें ❁ प्यारीतनइकधारपखारें ॥ ❁ ❁ ॥
हरिकरतेंपैधारछुटाहीं ❁ लसतछींटप्यारीमुखमाहीं ❁ ॥
मनहुंमयंककलंकपखारी ❁ शोभितजहंतहंचंद्रसुधारी ॥
कैधौंपैनिधिखेरिमयंका ❁ लसतसुधासहसोयकलंका ॥
लसतनीलपटकनककिनारी ❁ मोरतमुखहिमुदितमनप्यारी
मनहुंसरदशशिसुधाउदारा ❁ घनदामिनिघेलीइकबारा ॥
इहिबिधिरहसनबिलसतदोऊ ❁ हेतहियेथोरेनहिंकोऊ ॥
मनहुंउभयआनंदसरभारी ❁ मिलनचहतमर्यादविसारी ॥
हावभावरसदंपतिपूरे ❁ निरखतिबनितादिकदुरदूरे ❁ ॥
इहिंविधिश्रीवृषभानदुलारी ❁ हरिपैधेनुदुहावतिप्यारी ❁ ॥
बिलसतब्रजबिलासब्रजप्यारे ❁ येसुखतीनभुवनतेंन्यारे ॥ ॥

दुहीकुंवरनंदलाडलेश्रीराधाकीगाय ❁ ❁ ॥ ॥
दुहनीदेतनहूंसिप्रियामागतहाहाखाय ❁ ॥ ॥
ज्यौंज्यौंहंसतकन्हाइ ज्यौंज्यौंप्रियहाहाकरत ॥॥
सोसुखबरनिनजाइ अरुदेदोऊप्रेमरस ❁ ॥

फिरहाहाकरकहतकन्हाई ❁ अबकैदैहौंनंददुहाई ❁ ॥
फेरिकरीहाहाहंसिप्यारी ❁ दईदोहनीविहसिविहारी ॥
हावभावकरिमनहरिलीनौ ❁ कुंवरिहिंकान्हबिदातबकीनौ
यहछविनिरखिसखीहरषानी ❁ चलीअयहैकछुकसयानी ॥

प्यारीनिरखिस्यामसुंदरकौं ● चलनचहतपगचलतनघरकौं
अंनरनेकनहरिसोंभावै ● पुरजनसकुचबहुरिसकुचावै ॥
धिकयहलाजकहतमनमाहीं ● निरखनदेतस्यामजोनाहीं
कछुदिनज्यौंत्यौंग्रौरबिताई ● दूरकरौंपुनिइहिंदुखदाई ॥
यहविचारमनमेंठहराई ● चलीसदनडरशखिकन्हाई ॥
मुरिमुरिनंदनंदनतनहेरै ● ग्रावतिबिरहबिथातनघेरै ● ॥
ग्रागेधरतपरतपगनाहीं ● मनफेरतमनमोहनपाहीं ● ॥
चितवतस्यामखरिकमहठाढे ● प्यारीतनमनग्रानंदबाढे ॥

● भयेदृगनतेंग्रोटदोउगयेसदनसुखरास ॥
बिरहबिकलप्यारीगईज्यौंत्यौंसखियनपास
सखियनग्रावतिदेख श्रीवृषभानकुमारिकौं ॥
उरग्रानंदविशेष हरखिसबैठाढीभई ● ॥

बूझतसखीसबैमुसकानी ● कहहुराधिकाकुंवरसयानी ॥
ग्रौरग्रहिरतुम्हरेकितप्यारी ● हरिदुहिदीनीगायतुम्हारी
यहसुनिचकितभईमतिभोरी ● गिरीधरणिमुरझायकिशोरी
देखिसखीसबग्रातुरधाई ● लईउठायकुंवरिउरलाई ॥
क्योंनागरीगिरीमुरझाई ● दूधदोहनीदईगिराई ॥ ● ॥
यहबानीकहिसखिनसुनाई ● कारेमोहिडसीरीमाई ॥
भईबिकलकछुतनसुधिनाहीं ● कहतिसखीसबग्रापसमाहीं
ग्रबहीदेखतिनीकेग्राई ● कहाभयौकारेकितखाई ॥ ● ॥

यहनौकारौकु वरकन्हाई ❁ हमहूंकौंजिनफूंकलगाई ॥ ॥
जाकीमुरमुसकानबिषबांकौ ❁ याकेरोमरोमबिषताकौ ॥ ❁ ॥
तनमनदृगनसांवरौछायौ ❁ देहगेहसबनेहभुलायौ ॥ ❁ ॥
सबसखियनमनयहठहराई ❁ लैराधिहिंसदनपहुंचाई ॥
लेहुमहरिकीरतिसुताअपनीदेखहुआय ॥
कहुकारेयाकौंडसीगिरीधरखिमुरझाय ॥ ॥
ल्यावहुगुनीबुलाय बेगयतनयाकौकरहु ❁ ॥
गयौबदनकुम्हलाय ज्यौंत्यौंहमल्याईइहां ❁ ॥
जननीसुनतउठीअकुलाई ❁ रोवतिधायकंठलपटाई ❁ ॥
प्रातगईनीकेउठिघरतें ❁ मैंबरजीमान्यौनहिअरतें ॥ ❁ ॥
अतिहिहठीलीकह्यौनमाने ❁ सोईकरतिजुमनमहआने ॥
डरीमाततलखिअंगसबजूडे ❁ अतिहीसिथलस्वेदजलबूडे ॥
महरिनगरतेंगुनीबुलये ❁ सुनतसकलआतुरउठिधाये ॥ ॥
मंत्रयंत्रबहुभांतिजगावैं ❁ थकेसकलकछुभेदनपावैं ॥ ❁ ❁ ॥
गारडुहारिरहेमनमाहीं ❁ महरिबिकलअतिमनपछिताहीं
फिरफिरबूझतिसखिनबुलाई ❁ कहाप्यारीकोहितुमहिसुनाई
कहतिसखीसबपरमसयानी ❁ सुनहुमहरिइतनीहमजानी
हमआगैंयहपाछैंआई ❁ गिरीधरगिदुहनीछरकाई ॥
यहीकह्यौकारेमुहिखाई ❁ तबहमआतुरलईउठाई ❁ ॥
सोकारौहमहूंपुनिदेख्यौ ❁ लग्यौसबनबिषयाहिविशेख्यौ ॥

सोअबहमतुमसोंकहैंमानजेऊयहबात॥
बडौगारडूयहैनंदमहरकौतात॥ ● ॥
त्यावऊताहिबुलाय देखतहीविषजायगौ॥
तुरतहिलेहिंजिवाय हमनीकेयहजानहीं॥
देखऊधौंयहबातहमारी ● एकहिमंत्रजियावहिझारी॥
त्रिभुवनगुणीऔरनहिऐसौ ● हैवहनंदमहरकौजैसौ ● ॥
कीरतिमहरिसुनीयहबानी ● अपनेमनहिसांचकरिमानी
इकदिनराधाह्वयंहबानी ● मोसोंकहीऊतीयहजानी ● ॥
कीरतिचलीनंदकेधामहिं ● बोलनआतुरगारडुस्यामहिं॥
महरिजसोदाहिजायपुकारै ● अहोगारडूसुवनतुम्हारै॥
मेरीसुतालाडिलीगोरी ● बिह्वलबिकलपरीमतिभोरी ● ॥
प्रातहिखरकदुहावनआई ● तहांकहूंकारेडसिखाई ● ॥
नेकपठैसुतकाजबिचारौ ● वहयशह्वैहैबडौतुम्हारौ॥ ● ॥
सुनिजसुमतिकीरतिकीबानी ● कहतमहरितुमभईअयानी
मंत्रयंत्रकहाजानेमेरौ ● अतिहीबालबरषषटकेरौ॥ ● ● ॥
किनतुमकौंदीनौबहकाई ● यहतुमबूझौगुणिनबुलाई ● ॥
मैंचकततुमबदनसुनिइहअचरजकीबात॥
स्यामभयोकबगारडूतुमआईअतुरात॥ ● ● ॥
अबलौंसुनीनकान भयौकान्हकबगारडू॥ ● ॥
बालकअतिअज्ञान यंत्रमंत्रजानेकहा॥ ● ॥

महरिगारङूकुं वरकन्हाई ● इकदिनराधामोहिसुनाई ॥
एकलरकिनीकारेखाई ● नाकोंतुरतहिस्यामजियाई ॥
तातेंमैं आई अतुरानी ● पठवऊसुतहिनेकनंदरानी ॥ ● ॥
हैमसकुं वरिविकलअधिकाई ● प्रातखरककारेकऊंखाई ॥
बडौधर्मजसुमतियहलीजै ● बेगबुलायकान्हकौंदीजै ● ॥
यहसुनिजसुमतिमनमुसकाई ● अबहिंहतीमेरेघरआई
हैराधामोहनकछुकारन ● चुपह्वैमनमैंलगीबिचारन ॥ ● ॥
ऊहांसखीललिताहिसयानी ● प्यारिहिंदेखिहृदैअनुमानी
याहिडसीबंसीधरकारे ● चितवनफणमुसकनबिषयारे ॥
प्रेमप्रीतिदैाडारतजारे ● लगैनमंत्रगुणीसबहारे ॥ ● ॥
थकेसकलकरिबिबिधिउपाई ● यहबिषमोहनबिननहिजाई
सखीएकहरिपासपठाई ● तिनमोहनसोंजायजनाई ॥ ॥

अहोमहरकेलाडलेमोहनस्यामसुजान ॥
कितसीखेयहगोदुहनहमसोंकहौबखान ॥
दुहिदीनीजिहिंगाय आजभोरहीखरकमें ॥
बेगबिलोकौजाय निजनैननताकीदसा ॥ ● ॥ ॥

जबतेंदुहिदीनीतुमगैया ● अहोअनौखेगायदुहैया ॥ ● ॥
घरलौंकुंवरजाननहिपाई ● बीचहिगिरीधरणिमुरझाई
देखतसंगसखीसबधाई ● जैसेंतैसेंगृहपऊंचाई ॥ ● ● ॥
सोअबतनकीसुधिनसंम्हारै ● परीबिकलनहिदृगनउघारै

सकसकातनखेदबढ़ाई उलटिपलटिभरलेतजभाई ॥ ॥
कहतिमोहिकारेग्रहिखाई ● कियौयत्नबहुगारडुआई ॥
नाहिकछूउपचारनलागै ● तुम्हरेनामलेतकछुजागै ॥ ● ॥
ह्यांपठईइकसखीसयानी ● यहविधतुम्हरेनिहचैजानी ● ॥
यहकारेग्रहिरूपतुम्हारे ● मुसकनिबिषताऊपरडारे ● ॥
अबजोचाहौताहिजिवावौ ● बेगचलौजिनगहरलगावौ ॥
अतिहिबिकलवहबिरहअधीरा ● दरसदिखायहरौतनपीरा
तुमअश्विनीकुमारकन्हाई ● बेगचलौहरिलेजुजिवाई ॥
नजरदीठइहसवरीदेरकहतहमकान ● ॥
नहिजागतितोदेहिंगीनंदद्वारसबप्रान ● ॥
व्याकुलजननीतास घरनिमहरवृषभानकी ॥
गईजसोमतिपास बेगजायसुधिलीजियै ● ॥
कीरतिआगमसुनतकन्हाई ● कीनीबिदासखीमुसकाई ॥
जोकहुडसीभुजंगमप्यारी ● तौहमआयदेहिंगेझारी ● ॥
ऐसेंकहिहरिसदनहिआये ● देखिजसोमतिनिकटबुलाये ॥
तूकछुजानतमंत्रकन्हैया ● बूझतिविहसिजसोमतिमैया ● ॥
कीरतिमहरिबुलावनआई ● कुंवरिराधिकाकारेखाई ॥
आवहुझारिबेगसंगजाई ● कुंवरिजिवायेअतिहिभलाई ॥
गारडुभयेभलैंसुतजानी ● आजसुनीश्रवणनयहबानी ॥
मैयाएकमंत्रमैंजानो ● तेरीसौंकहिसत्यबखानो ● ● ● ॥

अहिकाख्यौमोद्दृष्टजुत्रावे ● मेपैक्यौहूमरननपावे ॥ ● ॥
जननिकह्यौसुतजाऊकन्हाई ● देऊराधिकहिजायजिवाई
जननीबचनसुनतब्रजनाथा ● चलेहरषिकीरतिकेसाथा ॥
चलीमहहरिहरिसंगलिवाई ● गईबृषभानपुरासमुहाई ॥
श्दितमहहरिलखिकुंवरिकौंअतिहिगईकुम्हिलाय ॥
शिथलअंगबानीनिरखिलीनीकंठलगाय ॥ ● ● ॥
तबहिस्यामकेपाय परीकुंवरिलैकैमहहरि ॥
मोहनदेऊजिवाय अतिव्याकुलमेरीसुता ॥
आयेगारडुकुंवरकन्हाई ● कुंवरिकानमेंयहसुनिपाई ॥
धन्यधन्यआपुनकौंजानी ● हृदैहरषदृगआनंदपानी ● ॥
प्रगटरोमतनखेदबढाई ● बिह्वलदेखिजननिअकुलाई ॥
अंतरभावभेदहरिजानै ● रसिकसिरोमणिमनमुसकानै ॥
तबकछुपढिकैकुंवरकन्हाई ● मुरलीअंगसोंदईछुवाई ॥
ततक्षणलोचनकुंवरिउघारे ● सन्मुखसुंदरस्यामनिहारे
देखतदृगनपरमसुखलीनो ● सकुचिसंभारिबसनसमकीनो
बूझतबातजननिसोंप्यारी ● आजकहायहहैमहतारी ● ॥
जननीकहतिहरखिउरलाई ● तोहिमरततेंकान्हजिवाई
करतिलाजतूकारीप्यारी ● करबरबडीआजबिधिटारी ॥
यौंकहिमहहरिहृदैअनुरागी ● नंदसुवनकेपायनलागी ॥
बढौमंत्रतुमकियौकन्हाई ● सुताहमारीमरतजिवाई ●॥

उरलगायमुखचूमिकैपुनिपुनिलेतिबलाय ॥
धन्यकोखजसुमतिमहरिजहांआतरेआय ॥
कछुमेवापकवान कह्यौखानघनस्यामसौं ॥ ॥
बिदाकियेदैपान कीरतिस्यामसुजानकौं ॥
महरिमनहिमनमेंअनुमानी जोरीभलीबिधाताबानी ॥
ब्रजघरघरयहघेरचवाई बडोगारडूकुंवरकन्हाई ॥
सखीकहतिहरिसोंमुसकाई भलेभयेहोगारडुराई ॥
प्रगट्योगारडुनामतुम्हारो भलैंआजतुमविषहिउतारो ॥
जननिकहतिमेरोअतिबारो अबधौंकौनकरैनिरवारो ॥
जान्यौकठिनबसतब्रजकारो अबइहमंत्रहिमतहिबिसारो
फिरकारोकउंकरहिपसारो हमतबलैहैंनामतुम्हारो ॥
यहगारुडीकहांतुमपाई प्यारीएकहिटेरजिवाई ॥
अबहमजानीबाततुम्हारी जाऊआपनेसदनबिहारी ॥
रसिकमुकटमणिकुंजबिहारी हंसिबसकीनीघोषकुमारी
बिवसभई सबब्रजकीबाला गयेसदनमोहननंदलाला ॥
ब्रजबिलासबिलसतब्रजप्यारो ब्रजबासीजनकौरखवारो ॥
कासेसुतनंदरायकौजाकीलीलानित्त ॥ ॥ ॥
तिनहींकौहठिडसतिहैजिनकोउज्यलचित्त ॥ ॥
धन्यधन्यब्रजबाल धनिधनिब्रजकेग्वालसब ॥
जिनकेसंगनंदलाल दुहतचरावतगायनित ॥

प्रातहोतबलमोहनलाला ॥ गायबच्छसंगलैसबग्वाला ॥
चलेचरावनबनघनमाहीं ॥ क्रीडाकरतसकलमगजाहीं ॥
देखिमुदितसबब्रजकीबाला ॥ बृंदाबनगयेमदनगुपाला ॥
गैयांबगरिगईबनमाहीं ॥ बैठेकान्हकदमकीछाहीं ॥ ॥
सखालियेसंगसुबलसुदामा ॥ क्रीडाकरतसहितबलरामा ॥
ग्वालजहांतहांगायचरावैं आनंदभरेकृष्णगुणगावैं ॥ ॥ ॥
करतविहारविविधिसबग्वाला ॥ गयेदूरबनसघनविशाला ॥
कोऊगैयनघेरनधायो ॥ कोऊबच्छरनलैबिलगायो ॥ ॥
हलधररहेकहूंबनजाई ॥ आपअकेलेरहेकन्हाई ॥ ॥
मनमनकहतस्यामसुखदाई ॥ सखारहेकतबनबिरमाई ॥
गोरंभनकछुसुनियतनाहीं ॥ गयेनिकसिधौंकितबनमाहीं
आलसगातजानिमनमाहीं ॥ बैठेबंसीबटकीछाहीं ॥ ॥

सखाबृंदहलधरसहितलियेबच्छअरुगाय ॥
बृंदाबनघनछांडिकैरहेतालबनजाय ॥ ॥
मनहरषेसबग्वाल देखिभूमिसुंदरपरम ॥
फरेविपुलतरुताल अतिरसमयमीठेमधुर ॥

॥ अथधेनुकबधलीला ॥ ॥ ॥

गोधनबृंदलियेबगराई ॥ लगेखानफलमनहरषाई ॥
अचयौबलरसतालरसाला ॥ बाढ्यौउरआनंदविशाला ॥
सुरतनंदनंदनकीआई ॥ कह्यौसखनसोंकहांकन्हाई ॥

आवकुघेरजायसबगैया ❁ चलकुवेगजहींकुंवरकन्हैया ॥
सुनतसखाहलधरकीबानी ❁ बनमेंस्यामअकेलेजानी ❁ ॥
आतुरगैयनघेरनधाये ❁ टेरदईसबग्वालबुलाये ॥ ❁ ❁ ॥
तहांअसुरइकधेनुकनामा ❁ खरकेरूपरहैबनधामा ॥ ❁ ॥
सोयौकुतौविटपकीछाया ❁ सुनतशोरकरतामसधाया ❁ ॥
अतिबलवानविशालकराला ❁ परमभयंकरमानकुंकाला ॥
दाऊकह्यिसबग्वालपुकारे ❁ भागेजिततिततभयकेमारे ॥ ❁ ॥
असुरमहाबलगर्वबढाई ❁ बलकेसन्मुखगरजौआई ॥ ❁ ॥
मत्ततालकेरसबलराई ❁ देखिअसुरमनरिसउपजाई ॥ ॥

बलसंभारिउठिकोपकरि असुरप्रचारयौजाय ॥
अग्रजभ्राताश्यामकौतिकुंपुरजासुबडाय ॥ ❁ ॥
बलकौआवतजानि असुरजोरिदोऊचरण ॥
चपरिचलाईआनि बकुरौंहटठाढौभयौ ॥ ❁ ॥

बकुरौंफिरमारनकौंधायौ ❁ बलजूकौंतामसअतिआयौ ॥ ॥
जबहिअसुरफिरचरणचलायौ ❁ गहिलीनौकरिकोपफिरायौ
पटक्यौलैतरुतालहिलाई ❁ भयौप्राणबिनतरहिगिराई ॥ ॥
तरुसोंतरुटूटेभहराई ❁ उठ्यौसकलबनघनघहराई ❁ ॥
औरबकुतधेनुकपरवारा ❁ कीनौबलसबकौसंहारा ॥ ❁ ❁ ॥
मार्यौअसुरमहादुखदाई ❁ ग्वालबालसबकरतबडाई ॥
आयेसबबृंदाबनमाहीं ❁ जहांतहांश्यामढिंटेरतजाहीं ॥

चढिचढिद्रुमनपुकारतग्वाला ❁ आवहुह्वांमोहननंदलाला ॥
ल्यायेघेरिमिलीसबधेनू ❁ अवहुमधुरबजावहुबेनू ॥ ❁ ॥
कोमलचरणकहूंमतधावहु ❁ कंटककठिनमहीइतआवहु
ऐसेंहरिकौंटेरतजाहीं ❁ तृषितभयेंसबबनकेमाहीं ॥ ❁ ॥
ग्वालबालसबयमुनहिंआये ❁ बछरसमेतनपहुंचनपाये ❁ ॥

गोपगायअंचवतभयेकालीदहकौनीर ॥
निकसतसबअकुलायकैबैठगयेजलतीर ॥
परेसकलमुरझाय जहांतहांविषझारतें ॥
ग्वालबच्छअरुगाय भयेमनौबिनप्राणसब ॥

हरिठाढेबंसीबटछाहीं ❁ बारहिबारकहतमनमाहीं ॥ ❁ ॥
अबहिरहेसबसंगचरावत ❁ निकसिगयेधौंकितबनधावत ॥
गोरंभनग्वालनकेबैना ❁ अनकतकछुनसुनतबनऐना ❁ ॥
तरुचढिइतउतगैयनहेरत ❁ लैलैनामसखनकौटेरत ॥ ❁ ॥
कालीदहतनआहटपाई ❁ सोधलेतउतचलेकन्हाई ॥ ❁ ॥
बनघनढूंढतहरितहांआये ❁ गायग्वालसबमूर्छितपाये ❁ ॥
मनमेंध्यानकरतहीजान्यौ ❁ कालीअहिह्यांआयसमान्यौ ॥
रहतइहांखगपतिभयमानी ❁ अंचयोइनताकौबिषपानी ॥
अमीदृष्टप्रभुसकलनिहारे ❁ तुरतउठेसबभयेसुखारे ❁ ॥
देखकृष्णकौंअतिसुखपाई ❁ मिलेसकलप्रेमातुरधाई ❁ ॥
बोलेहरिमृदुबचनसुहाये ❁ तुमसबमोहिछोडिकैआये ❁ ॥

किततैंकितहुतनिकसेआई ● मैंबनहूंफिरह्यौपछिताई ॥

खोजलेतआयैाइहांदेखेसबबेहाल ॥

मुरछिपरेकाहेधरणिभयौकहाजंजाल

गायबच्छअरुग्वाल उठेरकहीबारपुनि ॥ ॥

कहाकियौइहख्याल देखिमोहिअचरजभयौ

सुनिहरिबचनपरमसुखदाई ● कहतसखासबसुनऊकन्हाई

अचयौतुबितयमुनजलआई ● तबहिगिरेसबतटअकुलाई ॥

कारणकछुहमजान्यौनाहीं ● भयेप्राणबिनसबक्षणमाहीं ॥

इहहमजानीकुंवरकन्हाई ● तुमहीहमहिजिवायौआई ॥

होतुमब्रजजनकेरखवारे ● जहांतहांतुमहमहिउबारे ॥ ॥

तबहरिबलदाऊकौंहेरै ● कह्यौचलऊबनहोतअंधेरै ● ॥

सखाबोलिल्याएबलरामहिं ● हंसेदेखिसुंदरघनस्यामहिं ॥

बडीबेरभईतुम्हैंकन्हैया ● रहेअकेलेबनमेंभैया ॥ ● ● ॥

चलऊबेगअबघरकौंजाहीं ● लेऊनिबाहिगायबनमाहीं ॥

हेरीदेतचलेसबग्वाला ● गावतगुणसुंदरगोपाला ॥ ● ● ॥

गोधनआगेदयेचलाई ● सखनमध्यमोहनबलभाई ॥ ● ॥

चलेब्रजहिब्रजजनसुखदाई ● निरखिबदनछबिमदनलजाई

सुनिब्रजसुंदरपरस्परकहतिमुरलिसुरघोर ॥

आवतबनबसिअहरनिसिआगमनंदकिशोर ● ॥

धाईतजगृहकाज निरखनकौंमनभावतौ ॥

सुंदरसुतब्रजराज लाजसाजसबछांडकै ॥
वेदेखौआवतबलमोहन ❁ सुबलसुदामसुदामागोहन ॥ ॥
मेघस्यामतनगैयनपाछे ❁ सीसमुकुटकटिकछनीकाछे ❁ ॥
कमलबदनकरबेणुबजावे ❁ गौरीरागमिलेसुरगावे ॥ ❁ ❁ ॥
नैनविशालकमलतेंआछे ❁ कोटिमदनकीछविकौंबाछे ॥ ❁ ॥
कुंडलश्रवणबदनछविछाई ❁ गोरजछविकछुचंदछपाई ॥
निरखिमुदितसबब्रजकीबाला ❁ पछुंचेआयसदननंदलाला
ब्रजजीवनबलमोहनभैया ❁ निरखिजननिदोऊलेतिबलैया ॥
ग्वालकहतधनजसुदामाता ❁ धनिधनिबलमोहनदोऊभ्राता
नरतनधरेदेवयेकोऊ ❁ ब्रजअवतारलियोइनदोऊ ❁ ॥
येहैंसबब्रजकेरखवारे ❁ गायगोपकेराखनहारे ॥ ❁ ❁ ❁ ॥
गईभरूपअसुरइकभारी ❁ ताहिआजहलधरबनमारी ॥
हमसबयमुनातटमुरझाये ❁ तहांकान्हसबमरतजिवाये ॥ ॥
अबहमकाहूडरतनहियेहैंहमेंसहाय ॥
बलमोहनकेबलफिरतबनबनचारतगाय
परतगाढजबआय तबतबहोतसहायहरि ॥
चिरजीवौदोउभाय जसुमतियेतेरेकुंवर ॥
जसुमतिसुनिग्वालनकीबानी ❁ कह्योगर्गसबसत्यबखानी ॥
नितनवचरितसुनतइनकेरे ❁ हैंकोऊयेबडनबडेरे ॥ ❁ ॥
धन्यधन्ययेब्रजमेंआये ❁ धन्यधन्यहमसुतकरिपाये ॥ ❁ ❁ ॥

अतुलितकर्मदुहूनकेजानी ❁ दोउजननीमनमांहसिहानी
स्यामरामदोउनंदरानी ❁ लियेलायछातीहरखानी ॥ ❁ ❁ ॥
भूखेजानतुरतअन्हवाये ❁ षटरसव्यंजनपरसिजिमाये ॥ ❁ ॥
भोजनकरिअचयेदोउभाई ❁ लीनेपानसंतसुखदाई ॥
पौढेसेजदासहितकारी ❁ व्रजजनबासीहैवविहारी ❁ ❁ ॥
चिंतामणिहरिजनसुखदानी ❁ कालीकीचिंताउरआनी ॥
ग्वालगायनितबनकोंजाहीं ❁ दुखपावतकालीदहमाहीं ॥
बिषधरकोरहवोजलमाहीं ❁ बृंदाबनढिगनीकोनाहीं ❁ ॥
कालीहकाढिइहांतेंदीजै ❁ यमुनाकोजलनिर्मलकीजै ❁ ॥
यहबिचारमनमेंकरनभयेनीदबसस्याम ॥
जसुमतिहरिपौढायकेआपलगीगृहकाम ॥
खरैनबोलनदेत घरमेंकाहूकोंमहरि ॥
बलमोहनकेहेत जागिपरैंमतनीदतें ❁ ॥
शिवसनकादिदिवसनिशिध्यावैं ❁ कवहूंजाकोअंतनपावैं ❁ ॥
ब्रह्मसनातनआनंदखानी ❁ सोनंदसदनसोवतसुखमानी ॥
देखैनंदकान्हअतिसोवत ❁ अमितजानबनकेमुखजोवत ॥
मानतनाहिकहोकिनकोऊ ❁ आपहठीलेभैयादोऊ ❁ ❁ ॥
करसोंपोछतसुभगशरीरा ❁ कहियतयहैप्रेमकीपीरा ❁ ॥
निजपलकातहांलियोमगाई ❁ सोयेहरिकेढिगनंदराई ❁ ॥
जसुमतिहूपौढीतहांआई ❁ निशिबीतेअधिकेअधिकाई ॥

जागउठेतबकुंवरकन्हैया ❁ कहांगईमोढिगतैंमैया ॥ ❁ ॥
संगसोवतजान्यौबलभाई ❁ अतिहीस्यामउठेअकुलाई ॥
जागेनंदरूमहरिजसोदा ❁ हरिकौंऐंचलियौनंदगोदा ❁ ॥
काहेफिरकिउठ्यौअनियासा ❁ तुरतहिदीपककियौप्रकासा ॥
सपनेगिर्यौयमुनजलजाई ❁ कान्हूमोकौंदियौगिराई ❁ ❁ ॥
नितप्रतिमैंबरजतरहौंतूउठियमुनाजाय ❁ ॥
सुधिरहगईअन्हानकीजिनहोलालडराय ❁ ॥
कोरैलैनंदराय पौढायौनिजसंगतब ॥ ❁ ❁ ॥
बृंदाबनतूजाय किहिंकारणजिततितफिरत ॥
अबतूबृंदाबनजिनजाई ❁ तहांकौनधौंरहतबलाई ॥ ❁ ॥
सोयेदंपतिबीचकन्हाई ❁ तुरतहिगईनीदफिरआई ❁ ॥
सपनौसुनिजननीअकुलानी ❁ कहतनंदसौंजसुदारानी ॥
देखौधौंकहासुपनकन्हाई ❁ याब्रजकेजीवनदोउभाई ॥
यहैयत्नइनकौअबकीजै ❁ गायचरावनजाननदीजै ❁ ❁ ॥
गृहसंपतिहैतनककछुटौना ❁ इनहीलौंबलभोगठुटौना ❁ ॥
येबनजातचरावनगैया ❁ हंसीकरतब्रजलोगलुगैया ❁ ❁ ॥
दंपतिआपसमेंइहिभाती ❁ करतबिचारबीतगईराती ❁ ॥
तारागनसबगगनछिपाने ❁ गयौतिमिरअंबुजविकसाने ❁ ॥
उठिजसुमतिलागीगृहकाजा ❁ भूलगयौनिसिसोचसमाजा ॥
प्रातस्नानयमुननितजाई ❁ नंदहितुरतहिदियौउठाई ❁ ॥

मथनहारग्वारिनिसबजागी ❀ जिततितनदहीबिलोवनलागी ॥
हरिप्यारीसुरभीनकौजाँयौजुदधिविलगाय ॥
सोहरिहितमाखनलियेमथतिजसोदामाय ❀ ॥
सदमाखननिजपानि मथतुरंतमथनीधरयौ ॥
बडभागिनिनंदरानि माखनप्यारेलालहित ॥
लगीजगावनहरिकौंजाई ❀ उठहुतातमाताबलिजाई ॥
प्रगट्यौतरनिकिरनमहिछाई ❀ खोलहुदेहुमुखकमलकन्हाई
सखाद्वारसबतुमहिंबुलावैं ❀ तुमकारनसबधायेआवैं ❀ ❀ ॥
उठितिनकौंमिलकैसुखदीजै ❀ होतअबारकलेऊकीजै ॥
तबहरिउठिकैदरसनदीनौ ❀ मातानिरखिमुदितमनकीनौ
दाऊजूकहिस्यामपुकारयौ ❀ नीलांबरगहिमुखतेंटारयौ ❀ ॥
मनोघनतेंशशिभयौनियारौ ❀ प्रगट्यौसुंदरमुखउजियारौ ॥
हंसतउठेसुंदरदोउबीर ❀ गौरस्यामअतिसुभगशरीर ॥
सैनभवनतेंबाहरिआये ❀ लखिदोउजननिपरमसुखपाये ॥
दतवनलैदोउवनकरदीनी ❀ चौकीबैठिमुखारीकीनी ❀ ॥
मातननिजनिजकरमुखधोयौ ❀ नैननिकौआरससबखोयौ
अंचरनसौंमुखकमलअंगौछे ❀ उरलगायसबअंगनपौंछे ❀ ॥
करहुकलेऊलालदोउतबकहुंबाहरजाउ ॥
मथ्यौतुरतमीठौमधुरमाखनरोटीखाउ ❀ ॥
दईदुहुनकौंमात रोटीअरुमाखनमधुर ॥

हरषिपरस्परखात मातात्र्प्रंतरहेतलखि ॥

॥ अथकालीदमनलीला ॥

ऋषिनारदहरिभक्तसयाने ❁ प्रभुकेमनकीरुचिपहिचाने ॥
गावतगुणहरिपरमहुलासा ❁ गयेनुरतमथुरानृपपासा ❁ ॥
देखिकंसत्र्प्रादरत्र्प्रतिकीनो ❁ करिदंडवतबरासनदीनो ❁ ॥
नारदकह्योकुशलनृपराई ❁ कछूसोचबसपरतलखाई ❁ ॥
तुमप्रतापमुनिकुशलसदाई ❁ एकसोचमोहिबडोगुसाई ॥
येदोउब्रजमेंनंदकुमारा ❁ जानपरतमोहिकोउत्र्प्रतारा ❁ ॥
कहतजिन्हेंबलरामकन्हाई ❁ तिनकीगतिमतिजाननपाई ॥
तृणावर्त्तसेदैत्यपठाये ❁ सोउनपलइकमाहिंनसाये ❁ ❁ ॥
बकीपठायदईपहिलेहीं ❁ ऐसिनकोबलसबलेलेहीं ॥ ❁ ॥
उनतेंभयोनहीकछुकाला ❁ यहसुनिसमरुहोतमुहिजाला ॥
त्र्प्रबतुममुनिकछुकहहुबिचारा ❁ जिहिंबिधिमारौंनंदकुमारा
मुनिहरिकेगुणनीकेजाने ❁ सुनिनृपबचनमनहिमुसकाने

तबबोलेमुनिन्दपतिसोंसत्यकहीतुमबात ॥
येदोउत्र्प्रतारहैंइनगतिजानिनजात ॥
ह्वैयेतुम्हरेकाल प्रगटभयेब्रजत्र्प्रायके ॥
नंदगोपकेबाल तुमइनकोंराखौमतहि ॥

एकबातमेरेमनत्र्प्रावै ❁ करहुकंसतुमकोंजोभावै ❁ ❁ ❁ ॥
कालीत्र्प्रहिरह्योयमुनात्र्प्राई ❁ तहांकमलफूलेविपुलाई ॥

फूलतहांतेंमांगपठावऊ ❁ दूतपठैनंदहिडरपावऊ ॥ ❁ ॥
यहसुनिब्रजकेलोगडरैहैं ❁ यहैबातवेऊसुनिपैहैं ॥ ❁ ॥
जैहैंअवसिफूलकेकाजा ❁ तहांघातकरिहैंअहिराजा ❁ ॥
यहसुनिकंसबहुतसुखपायौ ❁ भलौमंत्रमुनिमोहिबतायौ
धनिधनिकहिपुनिपुनिसिरनावत हरखिचलेमुनिहरिगुणगावत
तबहिकंसइकदूतबुलायौ ❁ ब्रजहिनंदकेपासपठायौ ॥ ❁ ॥
दीनौताकौंपत्रलिखाई ❁ कहियौयहैनंदकौंजाई ❁ ❁ ॥
कोटिकमलकालीदहकेरे ❁ पठंचावैलैकाल्हसवेरे ❁ ❁ ॥
कंसराजअतिकाजमगाये ❁ बनिहैंतुमकौंतुरतपठाये ❁ ❁ ॥
चल्यौदूतचातुरब्रजधाई ❁ जानिलईसबकुंवरकन्हाई ॥
आपरहेतादिनघरहिबनहिपठायेग्वाल ॥ ❁ ॥
ब्रजबासीजनकेसुखदब्रजजीवननंदलाल ❁ ॥
दूतोंहआवतजान आपगयेबहुरायहरि ❁ ॥
सुंदरस्यामसुजान खेलतग्वालनसंगमिल ॥
आयेनंदयमुनजलन्हाए ❁ पैठतसदनछींकभईबाए ❁ ॥]
महरमलिनमनअसगुणजान्यौ ❁ आजकहाडरसोचसमान्यौ
तबहीचल्यौदूतब्रजआयौ ❁ नंदमहरघरहीमेंपायौ ❁ ॥
बोललियेपातीकरराखी ❁ नृपकीकहीमुखागरभाखी ॥ ❁ ॥
कालीदहकेफूलमगाये ❁ ताकारणअतिडाटपठाये ❁ ॥ ❁ ॥
जोनहिमोकौंफूलपठावऊ ❁ तौकोऊब्रजरहनपावऊ ॥

गोपनंदउपनंदजितेका ❀ डारौंमारनराखौंएका ॥ ❀ ❀ ॥
जोनहिकालकमलमैंपाऊं ❀ तौदोउसुततेरेबांधमगाऊं ॥
यहसुनिनंदगयेमुरझाई ❀ औरगोपसबलियेंबुलाई ❀ ॥
तिनसबकौंसबबातसुनाई ❀ परीआयअतियहकठिनाई ॥
कोटिकमलकालीदहमाहीं ❀ कहोकौनधौंकाढनजाहीं ॥
कह्यौफूलजोकाल्हनपाऊं ❀ तौसुततेरेबांधिमंगाऊं ❀ ॥
मेरेसुतदोउन्टपतिउरखटकतहैंदिनरात ॥
आजकहीयहबातमोबलमोहनपरघात ❀ ॥
चढिहैब्रजपरधाय काल्हकंसअतिकोपकरि ॥
बन्यौमरनअबआय कोराखैकितजाइयै ❀ ❀ ॥
मुहिअपनेजियकौडरनाहीं ❀सोचस्यामबलकोउरमाहीं ॥
अबउबारदिखियतनहिकोई ❀ बलमोहनहिराखियैगोई
बरमोहिराखैबांधिन्टपाला ❀ रहैसदनबलमोहनलाला ॥
नंदबचनसुनिसबब्रजबासी ❀ भयेदुखितमनपरमउदासी ॥
काहूपैकछुबातनआई ❀ अतिभयेचिंतितगयेमुरझाई ❀ ॥
चकितमहाब्रजबासीठाढे ❀ मानऊंचित्रकिन्हूलिखकाढे ॥
नंदघरनिब्रजनारिबिचारै ❀ अतिव्याकुलनैननजलढारै ॥
ब्रजहिबसतसबजन्मसिरान्यौ ❀ इहिंबिधिकंसनकबऊरिसान्यौ
कालीदहकेफूलमगाये ❀ कहौकौनबिधिजातसुपाये ❀ ॥
अतिहिसोचबससबनरनारी ❀ भयेकंसभैबहुतदुखारी ❀ ॥

कोउकहतचलौशरणसबजाहीं ॥ शरणगयेकहिहैकछुनाहीं
कोउकहदेहिंजितौधनचाहैं ॥ ऐसेंसबमिलबुद्धिउपाहैं ॥
यहैसोचसबमिलिपरेनहीकहूंनिरवार ॥
ब्रजभीतरनंदभवनमेंघरघरयहीबिचार ॥
अंतरजामीजानि खेलततेंआयेघरहि ॥
देखतहीनंदरानि दृगभरलियेलगायउर ॥
चितवतमाताकुंवरकन्हाई ॥ बूझतकतरोवतिदुखपाई ॥
बूझहुजायतातसोंबाता ॥ मैंबलिजाउंबदनजलजाता ॥
तुमहींकाजकंसअकुलाई ॥ बाहरमतबजुजाहुकन्हाई ॥
जायतातकौसोचमिटावौ ॥ अपनेमधुरेबचनसुनावौ ॥
आयौस्यामनंदपैधायौ ॥ जान्यौमातपितादुखपायौ ॥
बूझतनंदहिकुंवरकन्हैया ॥ तातदुखितकततुमअरुमैया ॥
मोसोंबातकहौकिनसोई ॥ कहासोचबसहौसबकोई ॥
नंदलालकनियांबैठारे ॥ कहाकहौंतुमसोंमैंप्यारे ॥
जबतेंजन्मभयौसुततेरौ ॥ करतकंसतुमसोंअरुमेरौ ॥
केतीकरबरटरीतुम्हारी ॥ कुलदेवनकीनीरखवारी ॥
प्रथमहिंअधमपूतनाआई ॥ सकटतृणापुनिआयौधाई ॥
बत्सबकाअघपुनिदुखदीनौ ॥ सबतेंतोहिराखिबिधिलीनौ ॥
कालीदहकेफूलअबपठयेभूपमंगाय ॥
सबतेंयहगाढीपरीकोकरिलेयसहाय ॥

जौनहिं आवैं फूल लिखौ कंस मोहिं डांटि कै ॥
करैं ब्रज हिं निरमूल बांधमगाऊं तुमसुतन ॥
बाबा तुमका हेदुखपाई ॥ कहत कौं नधीं कर सहाई ॥ ॥
सोदेवताब्रजहि केमाहीं ॥ रहत हमारे संगसदाहीं ॥ ॥
जौनैंजिन सबठौर बचाई ॥ करि है है सोइ देव सहाई ॥
सोई कंसहि फूलपठै हैं ॥ ब्रजवासिन कौ सोच मिटै हैं ॥ ॥
कंसकेसगहि सोई मारैं ॥ असुर मारि भूभार उतारैं ॥ ॥
सबमिलि सोई देव मनावौ ॥ अपने मनतें सोच मिटावौ ॥ ॥
सुनत महर हरिमुखकी बानी ॥ भये सुखी धीर जउर आनी ॥
इष्टदेवकौं सीसनवायौ ॥ जहांतहां तुमस्याम बचायौ ॥ ॥
शरणशरणप्रभु शरणतुम्हारी ॥ अब हूं कर उसहाय हमारी ॥
जातें कंसत्रास मिटजाई ॥ रहैं सुखी बलराम कन्हाई ॥ ॥
मातपितहि हरिइहिं ढंग लाई ॥ आपचले खेलन हरषाई ॥
सखन मध्य गये कुंवर कन्हाई ॥ कह्यौ खेलियै गेंद मगाई ॥ ॥
श्रीदामा यह सुनतहीं गयौ धाम निज धाय ॥ ॥
अपनी गेंद लै आयकै दीनी हरि कौं आय ॥ ॥
चलौ खेलियै धाय बाहर घोषनिकास कै ॥ ॥
जहां कोउ आयन जाय गेंद खेलबनि है तहां ॥
सखनसंग लै बाहर आई ॥ रच्यौ गेंद कौ खेल कन्हाई ॥ ॥
इक मारत इक भाजत जाहीं ॥ एक लेत इक बीचहि माहीं ॥

आपसमाँरूपरस्परमारैं ❁ नानारंगकरिकैकिलकारैं ॥❁॥
भाजतमारगदूजौजाहीं ❁ मारनधायअऊरिसोताही ❁ ॥
स्यामसखनकौंखेलतमाहीं ❁ यमुनातटतनकीनेजाहीं ❁ ॥
आपनजातकमलकौंलालन ❁ सखासंगलीनेसबग्वालन ❁ ॥
कोजानैयेहरिकेख्याला ❁ यमुनानिकटगयेसबग्वाला ❁ ॥
स्यामसखाकौंगेंदचलाई ❁ अंगमोरिसोगयौबचाई ❁❁ ॥
परीगेंदयमुनाजलमाहीं ❁ ह्वैगयौखेलभंगतौंहंठाहीं ❁ ॥
पकरीधायफेंटश्रीदामा ❁ मेरीगेंददेऊतुमस्यामा ॥❁❁॥
जानबूझतुमगेंदगिराई ❁ बनिहैंदीनेगेंदमगाई ॥❁ ❁॥
औरसखामोकौंमतजानौ ❁ मोसोंमतनहिंढिठाईठानौ ॥❁॥

सखासहितसबतारिदैभलोकरोतुमकान्ह ॥
दीनीगेंदबहायजलदेऊश्रीदामहिआन ॥
सकललोकसिरताज पारनपावैंब्रह्मशिव ॥
ताहिगेंदकेकाज फेंटपकरिझगरतसखा ॥

छांडिदेऊमेरीफेंटसुदामा ❁ राडबढावतथोरहिकामा ॥
बदलेगेंदलेऊतुममोसों ❁ फेंटनगहौकहौंमैंतोसों ॥❁❁॥
छोटेबडेनजानतकाहू ❁ करतबराबरपकरतबाहू ॥❁ ॥
हमकाहेकेतुमहिंबराबर ❁ तुमऊपजेअबबडेनंदघर ॥❁॥
ऐसेहमअबगयेबिलाई ❁ तुमहिंबराबरनाहिंकन्हाई ॥
सुनऊस्यामहमतुमइकजोटा ❁ कहाभयौतुमनंदकेढोटा ॥

गेंददियेहीवनमेंगाई ॥ मोसोंचाबिहैनाहिधुताई ॥ ॥ ॥
मुहसंभारिबोलतनहिमोसों ॥ करिहोंकहाधुताईतोसों ॥ ॥
पुनिपुनिकरतबराबरिआई ॥ मैंनहिजानतमेरिधुताई ॥
प्रथमपूतनासकटामाखौ ॥ कागासुरअरुतृणापछाखौ ॥ ॥
बत्सबकासुरबनकेमाहीं ॥ माखौसोकहाजानतनाहीं ॥ ॥
अघमाखौपुनिदेखततोही ॥ ऐसोधूतनजानतमोही ॥ ॥ ॥

तुममारेसोसांचसबकतहीखालडरऊ ॥ ॥ ॥
कंसकमलअबदेऊतबहमहिमारियैजाऊ ॥
कालहिपरिहैजानि पकरिमगैहैंकंसजब ॥
देतफूलकिनआनि बऊतअचकरीकरिरहे ॥

सांचकहौंमैंसुनौश्रीदामा ॥ आयोइहांफूलकेकामा ॥ ॥
कितिकबापसैंकंसबतायो ॥ जाकेभैतुममोहिडरायो ॥ ॥ ॥
केसपकरिमहितनाहिपछारौं ॥ देखऊगेतुमदेखतमारौं ॥ ॥
कोटिकमलतिहिआजपठाऊं ॥ ब्रजतेंताकौत्रासनसाऊं ॥
कालीदहजलपियतमरेसब ॥ गहिल्याऊंसोईकालीअब ॥
लीनीरिसकरिफैंटछुडाई ॥ चढेकदमपरधायकन्हाई ॥ ॥
नीचेसखाहंसनसबलागे ॥ श्रीदामाकेडरहरिभागे ॥ ॥
रोयचलेश्रीदामाघरकौं ॥ जायकहतमैंमहरिमहरकौं ॥ ॥
देरतकहिकहिसखाकन्हाई ॥ लेऊगेंदमैंल्यावतजाई ॥ ॥
यहकहनटबरमदनगुपाला ॥ कूदपरेजलमेंनंदलाला ॥

हायहायकहिसखापुकारे ● भयेस्यामबिनबकुतदुखारे ● ॥
रोवतचलेब्रजहिसबधाई ● श्रीदामाकैंदोवनजगाई ॥ ● ● ॥
कोमखतनअतिसांवसैसाजेनटवरराज ॥
जलमेंपैठगयेतहांजहांसोवतअहिराज ॥
इहिंअंतरहरिमाय भूखेह्वैहैंजानहरि ॥
खेलततेंअबआय मोसोंभोजनमागिहैं ● ॥
जसुमतिचलीरसोईकारन ● तबहींछींकउठीइकबारिन
ठठकिरहीडरसोचतिठाढी ● भलीनहींकछुचिंताबाढी ॥
आईअजिरनिकसिपछताई ● चलीबहुरिसोदोषमिटाई ॥
मंजारीतबपंथकटाई ● बहुरिजसोमतिबाहरआई ॥ ● ॥
व्याकुलभईनिकरिगईद्वारे ● कहांधौंखेलतमेरेबारे ● ॥
बांयेकागदाहिनेखरखर ● सुनिआईअतिव्याकुलफिरघर
खिनबाहरखिनआंगनमाहीं ● टेरतहरिहिसांतमननाहीं
तबहींनंदचलेघरआवत ● देखोस्वानश्रवणफटकारत ● ॥
दहिनेकाहूरोयसुनायौ ● माथेपरह्वैकागउडायौ ॥ ● ● ॥
सनमुखगररीकरतनसई ● डरेनंदअशकुनबहुपाई ● ॥
आयेघरमनमलिनविशेषी ● व्याकुलमलिनबदनतियदेषी ॥
बूझतजसुदहिनंदडराई ● काहेतुवमुखगयौमुराई ● ● ॥
चलीरसोईकरनहींछींकभईमोहिआज ॥
आगेह्वैमंजारिपुनिगईदूसरेभाज ॥ ● ● ॥

तबतेंमोंजियसोच हरिधैंखेलतहैंकहां ॥
समरुर्कसलतपोच मेरेमनमेंत्राशङ्कति ॥
नंदकहतपैठतघरमाहीं ● मोहूशकुनभयेशुभनाहीं ● ॥
आजकहायहसमभिनजाई ● हैधैंकितबलरामकन्हाई ॥
महरमहरिमनत्राशजनाई ● खोजतहरिहिचलेअकुलाई
सखासकलइहिंअंतरधाये ● रोवतब्रजहिपुकारतआये ● ॥
अहरमहरिसेंआयजनाई ● यमुनाबूडेकुंवरकन्हाई ॥
सुनतंपतिबूझतअकुलाई ● कैसेंकहाकहौसमुझाई ॥ ● ॥
खेलतकदमचढेहरिधाई ● कूदपरेकालीदहजाई ॥ ● ॥
सुनतहिपरीधरणिगिरमैया ● कोनैासपनैासघकन्हैया ॥
रोवतनंदयमुनतटआये ● बालकसबनंदहिसंगधाये ॥ ● ॥
ब्रजघरजहांतहांइहबाता ● ब्रजबासीधायेबिलखाता ● ॥
कहांपरेगिरकुंवरकन्हाई ● टईबालकनठौरबताई ॥
आहित्राहिकरिनंदपुकारे ● गिरेधरणिनहिअंगसंभारे ॥
लोटतअतिव्याकुलधरणिपर नचलतजलधाय ॥
कहतस्यामतुमदियौदुखमोकोंबैसबुझाय ॥ ● ॥
लोकउठेसबरोय दीनबचनसुनिनंदके ॥ ● ॥
कहतबिकलसबकोय हरितुमब्रजसूनैाकियौ ॥
नंदहिगिरतसबहिगहिराख्यौ ● तासुणकोंदुखजातनभाख्यौ
कहतगोपनंदहिसमुझाई ● वन्यौमरणसबहीकोआई ● ॥

हरिबिनकोजीवैब्रजमाहीं ❁ कहौकान्हकिहिजीवननाहीं
मोहमगनअतिजसुमतिमैया ❁ टेरतमेरेबालकन्हैया ❁ ॥
आजकहांतुमबेरलगाई ❁ माखनधरयौखाउकिनआई ❁ ॥
अतिकोमलतुमरेमुखजोगू ❁ जेंबहुबालबैहुंमैंरोगू ॥ ❁ ॥
धौरीदूधधरयौऔटाई ❁ तुमनिजकरदुहगयेकन्हाई ❁ ॥
सदमाखनअतिहितमैंराख्यौ ❁ आजनहीतुमनेकहुचाख्यौ ॥
प्रातहितैंमैंदियेजगाई ❁ दंतवनकरिजुगयेदोउभाई ❁ ॥
मैंचितवततुवपंथकन्हाई ❁ खेलतआजअबारलगाई ॥ ❁ ॥
बैठौआयसंगदोउभैया ❁ तुमजेंवौमैंलेहुंबलैया ॥ ❁ ❁ ॥
शोकसिंधुबूडीनंदरानी ❁ तनकोसुधिबुधिसबैभुलानी ॥ ❁ ॥

ब्रजयुवतीसुनिमहरिकेबचनप्रेमआधीर ॥
अकुलानीरोवतसबैबढीकठिनउरपीर ॥ ❁ ॥
बरजतजसुदहिग्वाल यहकहिकहिहरिहैंभले ॥
सुतवियोगविकराल जाततनहीकहिमातकौं ॥ ❁ ❁ ॥

चौंकिपरीतनकीसुधिआई ❁ रोवतदेखेलोगलुगाई ॥ ❁ ॥
तबजानीदहगिरेकन्हाई ❁ पुत्रपुत्रकहिकैउठिधाई ❁ ॥
ब्रजबनितासबसंगहिलागी ❁ स्यामवियोगविथातनपागी ॥
कान्हकान्हकहिसकलपुकारें ❁ तोरतलटउरसोंकरमारें ॥
अतिव्याकुलयमुनातटजाई ❁ गिरीधरणिजसुदातकुअलाई
सुररूपरीतनदसाभुलाई ❁ प्राणरह्यौहरिसुरतसमाई ॥

ब्रजबासीसबउठेपुकारी ● जबभीतरकह्याकरतमुरारी ॥
संकटमेंतुमकरतसहाई ● अबक्यौंनाहिंबचावतआई ॥ ● ॥
मातपिताअतिहीदुखपावैं ● रोयरोयसबकहुअबुलावैं ॥ ● ● ॥
आयगयेहलधरतिहिंकाला ● देखीजननीविकलबिहाला ॥
नाकमूंदजलसींचजगाई ● जननीकहिकहिटेरलगाई ॥
बारबारजबहलधरटेसी ● भयौचेतकछुबसतनहेसी ● ॥
कहतिउठीबलरामसेंअमनहिंतज्योलघुभ्रात ॥ ॥
कान्हतुमहिबिनरहतनहिंतुमसोंक्यौंरहौजात
मरनखोचसरमांऊकहतलैआवऊकान्हकोऊ ॥
भूखेह्वैगईसांझआजकछूखायौनहीं ॥ ● ॥ ॥
कबऊंकहतबनगयेकन्हाई ● कबऊंबतावतघरसमुहाई ॥
कान्हकान्हकहिटेरलगावै ● कितखेलतकहिलालबुलावै ॥
अतिहीमोहबिकलनंदरानी ● करतबोधहलधरमृदुबानी ॥
कतरोवततूजसुदामैया ● नीकेहैंघरधौरकन्हैया ॥ ● ● ॥
स्यामहिनेककहूंडरनाहीं ● तूकतडरपतहैमनमाहीं ● ॥
तेरीसोंमैंकहतपुकारे ● वहकाहूकेमरैनमारे ॥ ● ● ॥
जिमकालीभयहोऊदुखारी ● तूअपनेमनदेखबिचारी ● ॥
पहिलैवकीकपटकरिआई ● तबदिनदसकेहतेकन्हाई ॥
संकटातृणावृतपुनिआयौ ● तोदेखतहरितिन्हेंनसायौ ● ॥
बत्सबकाअघबनमेंमारे ● बिबजलतेंसबसखाउबारे ॥ ● ॥

अबवेकालीनाथलैएहैं ❀ कमलपठायकंसकौंदैहैं ॥ ❀ ❀ ॥
मोहिभरैसोकान्हरकेरौ ❀ मानौसत्यकह्योसुनिमेरौ ॥ ❀ ॥
मोहिदुहाईनंदकी अबहीआवतस्याम ॥
नागनाथलैआवहीतौकहियौबलराम ॥ ❀ ॥
सुनिहलधरकेबैन अतिउदारहरिकेचरित
भयौकछुकउरचैन जोकछुकरहिंसुसोहसब ॥
बांहपकरिबलकौंबैठाई ❀ लैबलायउररहीलगाई ॥ ❀ ॥
अतिकोमलतनधरेकन्हाई ❀ पऊंचेकालीकेढिगजाई ❀ ॥
हरिकौंदेखिउरगकीनारी ❀ रहीचारुमुखचंदनिहारी ॥
कहतिकौंनतूइतकितआयौ ❀ अतिकोमलतनकाकौजायौ ॥
बारहिबारकहतिअकुलाई ❀ बेगभाजइततेंकिनजाई ॥
देखेनागजागकैजबही ❀ ह्वैहैभस्मछिनकमैंतबही ॥ ❀ ॥
सुनतनागनारीकीबाणी ❀ बोलेहंसिहरिसारंगपाणी ❀ ॥
पठयौमोहिकंसन्टपराई ❀ तूयाकौंअबदेहजगाई ॥ ❀ ❀ ॥
कंसकहातूइनहिंबतेहै ❀ एकफूंकहीमेंजरिजैहै ॥ ❀ ॥
अजहूभाजिकह्योकरिमेरौ ❀ लगतछोहदेखतमुखतेरौ ॥ ॥
मरउकंसजिनतोहिपठायौ ❀ तूकतइहांमरनकौंआयौ ॥
बालकजानिदयाअतिमेरे ❀ दुखपैहैंपितुमातातेरे ॥ ❀ ॥
अरीबावरीसर्प्पसौंकहाडरावतमोहि ॥
जौलौंसबबालकप्रगटअबहिदिखाऊंतोहि ॥

तूकिनदेतजगाय देखैंमैयाकेबलहिं ॥
यापरकमलनदाय लैजैहोंइहिंनाथव्रज

सुनतबचनअहिनारिरिसानी ❁ छोटेबदनकहतबडबानी
खगपतिसोंसुरवरजिनठानी ❁ ताहिकहतनाथनअज्ञानी
देखनहीहौहैजरझारा ❁ केतकतूवपुरोसुकुमारा ॥ ❁ ❁ ॥
वपुरोमोहिकहतिअहिनारी ❁ बोलतिनाहिनबातसंभारी ॥
अबहीतोहिवपुरीकरिडारौं ❁ एकहिलातखसमतुवमारौं ॥
सोवतकाहूमारियेनाहीं ❁ चलिआईयहबातसदाहीं ❁ ॥
तातेंनृपतिदेहिजगाई ❁ देखौंमैंयाकीमनुषाई ॥ ❁ ❁ ❁ ॥
जोपैतोहिंमरनबुद्धिआई ❁ तौतूहीकिनलेतजगाई ❁ ॥
तबहरिजूरकिताहिदैगारी ❁ दावीचरणपूछअहिकारी ॥
मसकीनेकधरणिसोंलाई ❁ कालीउरगउठ्यौअकुलाई ॥
आयौजानिगरुडभयबाढौ ❁ देख्यौबालकआगेठाढौ ॥ ❁ ॥
तबहिक्रोधकरिगर्वबढायौ ❁ तटिकपूंछअतिरिसकरिधायौ

दावघातलाग्योकरनसहसौफनफटकार ॥
बारबारफुंकारकरडारतविषकीझार ॥
जरतयमुनकौनीर जातफेनउतरातविष ॥
परसतनाहिशरीर अहिमदमोचनस्यामके ॥

कियौयुद्धबहुउरगअघाई ❁ मुरेनहीनेकहुयदुराई ❁ ॥
कहतपरस्परअहिकीनारी ❁ देखहुयहबालकअतिभारी

विषज्वालाजलज्जरतयमुनकौ ॥ याकेतनपरसततनहितनकौ ॥
यहकछुमंत्रयंत्रधौंजाने ॥ अतिकोमलबिषनेकनमाने ॥ ॥
सहसौफननकरनअहिघाता ॥ अबलगबचौपुन्यपितुमाता
तबअहिराजस्यामतनहेरी ॥ कहतपूंछदाबीइनमेरी ॥ ॥
अतिहिक्रोधकरिआतुरधाई ॥ हरिकेअंगगयौलपटाई ॥
नखतेंसिखलौंअहिलपटाई ॥ कहतकरीइनबडुतढिठाई ॥
कौतुकनिधिहरिसबगुणखानी ॥ दियौदावइहिअहिकौंजानी
तिहिंअवसरसुरमुनिगंधर्वा ॥ अतिव्याकुलआयेब्रजसर्वा ॥
उरगनारिमनमनपछतांहीं ॥ हरिकौरूपसमुझिमनमांहीं
कहैगर्वकरिअतियहआयौ ॥ कालविवसपगइतहिचलायौ ॥
कालीहरिसौंलिपटकैगर्वकियौमनमाह ॥ ॥
कहतमोहिजानतनहीमैंसर्पनकौनाह ॥ ॥
गंजनगर्वगोपाल गर्वभरेसुनिअहिबचन ॥
कीनौवपुषविशाल विकलभयौअहिराजतब ॥
जबहिस्यामतनअतिविस्तारौ ॥ टूटनलगौअंगतबसारौ ॥ ॥
शिरशिरगिलतबउरगपुकारै ॥ मैंनहिजान्यौरूपतिहारै ॥
जीवदानप्रभुमोकौंदीजै ॥ अबमैंसरणशरिवमुहिलीजै ॥ ॥
यहबाणीसुनतहिभगवाना ॥ सकुचगयेहरिकृपानिधाना ॥
यहैबचनगजराजसुनायौ ॥ गरुडछांडताकेहितधायौ ॥ ॥
यहैबचनसुनद्रुपदसुताकौ ॥ बसनबढायदियैपुनिवाकौ ॥

यहैबचनसुनिलक्षागृहतें ● लीनेराखिपंडवनिजरतें ॥ ● ॥
यहबानीसहिजाननस्यामहिं ● दीनबंधुकरुणाकेधामहिं ॥
लीनौअंगसंकोचकृपाला ● देख्यौविकलसिथलजबव्याला ॥
पगखेंचापिनाकधरिफोरी ● लीनौनाथहाथगहिडोरी ॥
कूदचढेहरिताकेसीसा ● मनमनकरतबिचारअहीसा ● ॥
मैंयहसुन्यौहतौविधिपाहीं ● कृष्णअवतारहोहिब्रजमाहीं ॥
तेगोकुलमेंअवतरेमैंजान्यौनिरधार ॥ ● ॥
येअविनासीब्रह्महैंब्रजकृष्णाअवतार ॥ ● ॥
कियेबहुतफनघात बारबारपछतातमन ॥
अस्तुतिकरतलजात रह्यौदीनह्वैसकुचअति ॥
देखौव्यालबिहालकृपाला ● दियौदरसनिजदीनदयाला ॥
देखिदरसमनहरषबढाई ● बोल्यौदीनबचनअहिराई ॥
मैंअपराधकियौअनजाना ● क्षमौनाथतुमक्षमानिधाना ● ॥
तामसयोनिकीटविषसानौ ● कौनभांतितुमकौंपहचानौ ● ॥
अबकीनौप्रभुमोहिसनाथा ● दीनौदरसजगतकेनाथा ● ॥
असरणसरणनाथतुवबाना ● कहतसंतसबवेदपुराना ● ॥
तेअपराधक्षमासबकीजै ● अबप्रभुसरणराखिमोहिलीजै ॥
आजधन्ययहमेरौमाथा ● जापरचरणदियेतुमनाथा ● ॥
अबयेचरणपरसप्रभुतेरे ● मिटेदोषदुखअघसबमेरे ॥ ● ॥
जेपदकमलपुनीततुम्हारे ● निसदिनरहतरमाउरधारे ॥

शिवविरंचिसनकादिकध्यावैं ॥ जेपदयोगीध्यानलगावैं ॥ ॥
जेपदपद्मसलिलसुरसरिता ॥ तीनलोककीपावनकरता ॥
जिनपदपंकजपरसतेंगतिपाईं ऋषिनारि ॥
सुरनरमुनिबंदिततिन्हैंसंततनप्राणअधारि ॥
फिरतचरावतगाय श्रीबृंदाबनजेचरण ॥ ॥
भक्तनकेसुखदाय ब्रजबासीजनदुखहरण ॥
जेपदपंकजपरमसुहाये ॥ प्रभुमैंआजसुलभकरिपाये ॥ ॥
गरुडत्रासतेंइतभजिआयौ ॥ भलोकियेमुहिंगरुडसतायौं ॥
जानेंदरसभयौप्रभुतेरौ ॥ अबभयतापमिट्यौसबमेरौ ॥ ॥ ॥
आजभयौमैंनाथसनाथा ॥ गहीनाथममप्रभुनिजहाथा ॥ ॥
सुनतदीनकालीकीबानी ॥ दीनबंधुअतिशयसुखमानी ॥
फनप्रतिचरणसरोजकुवाये ॥ ताकेसबसंतापनसाये ॥ ॥ ॥
तबब्रजनाथभक्तहितकारी ॥ यहअपनेमनमाहिंविचारी ॥
कालीकौंब्रजलोकदिखैये ॥ कमलभारयापैलैजैये ॥ ॥ ॥
ह्वैहैंब्रजकेलोकदुखारी ॥ करौंजायअबतिनहिंसुखारी ॥
कमलकंसकौंदेऊंपठाईं ॥ काल्हचढैगौब्रजपरआईं ॥ ॥
लीनेअहिपरकमललदाईं ॥ चलेब्रजहिब्रजजनसुखदाईं
लियेनाथगहिअहिउचकाईं ॥ फनपरठाढेकुंवरकन्हाईं
उरगनारिसबजोरिकरप्रभुकेसन्मुखआय ॥ ॥
करतिविनयअतिदीनह्वैपतिहितहरिहिसुनाय

छुनतजसुमतिउरमाहिं उठीलहरि अतिप्रेमकी
कान्हर आयौनाहिं कहतिरोयबलरामसें ॥

कहनलगोसुनजसुमतिमैया ॥ अबहीआवतकुंवरकन्हैया
नेकधीरधरमतअकुलाई ॥ यहसुनिकैबलकीबलिजाई ॥
पुनियहकहतिकान्हहीनअब ॥ झूठहिमोहिप्रबोधकरतसब
भई विनासुतव्याकुलमैया ॥ कहतिकहांमेरौबालकन्हैया ॥
गिरीधरणिव्याकुलमुरझाई ॥ रोयउठेसबलोगलुगाई ॥
ब्रजबासीसबभयेबिहाला ॥ कहतकहांमोहननंदलाला ॥
तुमबिनयहगतिभईहमारी ॥ आवतनहीधायबनवारी ॥
प्रातहितेंजलमाझसमाने ॥ तुमहिंबिनायुगजामबिहाने ॥
अबकोबसेजायब्रजमाहीं ॥ धृकधृकजीवनतुमहिंबिनाहीं॥
अतिव्याकुलरोवतनंदराई ॥ विकलमनहुफणिमणीगवाई ॥
जसुमतिधायचलतिजलमाहीं ॥ राखतिब्रजयुवतीगहिबांहीं
हलधरसबहिनकौंसमझावै ॥ बिनास्यामकोउधीरनपावै ॥

कहतजसोदानंदसैंधृकधृकबारहिबार ॥
औरकितेकदिनजियहुगेमरतनहीमोहिमार ॥
करदेखहुमनज्ञान ऐसेदुखमेंमरनसुख ॥
नंदभयेबिनप्रान मुरछपरेसुनितियबचन ॥

तबहिधायबलपितांजगायौ ॥ बारबारकहिकहिसमुझायौ ॥
बृथामरतकाहेसबरोई ॥ कान्हहिमारनहारनकोई ॥ ॥

हलधरकहतसुनतब्रजबासी ❀ वेअंतरजामीअविनासी ॥
सबगुणसागरआनंदरासी ❀ रमासहितजलधीकेबासी ❀ ॥
ऐसैकह्यौसत्यकरिमानौ ❀ आवतस्यामधीरउरआनौ ❀ ॥
यमुनाकेभीतरतिहिकाला ❀ उछ्यौसलिलझकोरविशाला ॥
बोलउठेआतुरबलरामा ❀ वेदेखोआवतघनस्यामा ॥ ❀ ॥ ॥
सुनतबचनलखिजनउठिधाये ❀ यमुनानीरतीरसबआये ॥
कोउजलमेंकोउबाहरठाढ़ै ❀ दरसातुरबिरहानलबाढ़ै ॥
प्रगटभयेजलतेंतिहिकाला ❀ ब्रजजनजीवननंदकेलाला ॥
कमलभारकालीपरलीने ❀ नटबरभेषमनोहरकीने ॥ ❀ ॥
भयेसुखीसबब्रजकेबासी ❀ लखिहरिबदनपरमसुखरासी

हरिबदनलखिरससुखकीमुदितब्रजबासीभये ॥
मनहुँबूड़तनावपाईपरमउरआनंदछये ॥ ❀❀ ॥
मातपितुलखिजोभयौसुखजातसोकापैकह्यौ ❀ ॥
पुलकितनमनहरविगदगदप्रेमजललोचनबह्यौ ॥
चकितहरितनलखतइकटकमिलनकौंआतुरहिये
स्यामनिर्ततअहिफननप्रतिखौरचंदनतननकिये ॥
श्रवणकुंडललोललोचनचारुमुकुटबिराजहीं ❀ ॥
मनहुंभरकतगिरिशिखरमणिमोरतापरराजहीं ॥
पीतपटकटिकाछनीउरमालमणिभूषणसजै ❀ ॥
निर्त्ततांडवकरतफणप्रतिव्यौमदिवदुंदुभिबजै ॥

भई जयध्वनिगगनबर्षैंहिंसुमनसुरआनंदभरे ॥
भगनगंधर्वगुणनिगावततानतालनअनुसरे ॥ ॥
उरगनारीस्यामसन्मुखकरतअस्तुतिआवही ॥
नाथअबअपराधक्षमिकरिकृपाममपतिपावही ॥ ॥
राखेचरणनिजसीसयाकेअतिबडाईइनलई ॥
ऐसीबडाईऔरकौंप्रभुनाहितुमकबहूंदई ॥ ॥
शेषइकब्रह्मांडभरिसिरराखिमनगर्वितकियौ ॥
कोरिकोरिब्रह्मांडतुवतनअधिकइनयहभरलियौ
सुरअसुरनरनागखगमृगकीटजनसबरावरे ॥
क्षमियेअबअपराधअहिकेसुभगसुंदरसांवरे ॥ ॥
सुनअहिनारिनकेबचनकरुणामययदुराय ॥
उतरिपरेअहिसीसतेंयमुनाजलतटआय ॥
तटपरकमलधराय कालीकौंआयसुदियौ ॥
उरगदीपअबजाय कररुबासनिर्भयसदा ॥
तबकालीकहसुनकृपाला ॥ तुवबाहनडरडरतबिशाला
धनरुचिआपदियौहैताही ॥ तातेंआयसकतयहांनाही ॥ ॥
तबमैंभाजिबचौइतआई ॥ नातरलेतमोहिसोखाई ॥ ॥
चरणचिन्हलखितुवफणमेरे ॥ परहैगरुडपायअबतेरे ॥
तूअबमतखगपतिहिडराई ॥ अपनेदीपकरउसुखजाई ॥
यातेंबडौकौनसुखनाथा ॥ अभैदानपदपरसौमाथा ॥ ॥

जेपदकमलभजनपरतापा ❁ जनप्रह्लादमिटेसंतापा ॥
तेपदचिन्हसीसपरधारी ❁ जन्मजन्मकौंभयौसुखारी ❁ ॥
उरगिनसहितनायपदमाथा ❁ गयौउरगदीपहिअहिनाथा
जौजैध्वनिनभसुरनबखानी ❁ धन्यधन्यजनकेसुखदानी ॥
शरणराखिकालीअहिलीनौ ❁ जललैंकाढिकृपाकरिदीनौ ॥
फनपरचरणचिन्हप्रगटाई ❁ कठिनगरुडकोत्रासमिटाई
धन्यधन्यप्रभुधन्यकहिमुदितसुमनबरषाय ॥
गयेदेवनिजनिजसदनहृदैपरमसुखपाय ॥
दीपपठायौव्याल सुरगणसुरलोकनपठै ❁ ॥
आयेनिकसिगुपाल ब्रजबासीजनसुखकरन ॥
धायमिलेसिगरेब्रजबासी ❁ बिरहतापतनकीसबनासी ❁ ॥
मातादौरिकंठलपटानी ❁ पुलकिरोमतनगदगदबानी ❁ ॥
नैननीरअतिप्रेमअधीरा ❁ उरलगायमेटतिउरपीरा ❁ ॥
कहिकहिमेरौबालकन्हैया ❁ दुहूंकरनसोंलेतबलैया ॥ ❁ ॥
धायनंदउरसोंलैलाये ❁ गयेप्राणमानहुंफिरआये ॥ ❁ ॥
गदगदबैननैनजलढारैं ❁ कहनजन्मफिरभयौतुम्हारै ❁ ॥
बारबारउरसोंलपटावत ❁ दारुणउरकौतापनसावत ॥ ॥
प्रेमाकुलदेखीबलमाता ❁ मिलेरोहिणीसोंसुखदाता ॥ ❁ ❁ ॥
निरखिबदनकहजसुमतिमैया ❁ मैंबरजौंनितुम्हैकन्हैया
यमुनातीरलालमतिजाहू ❁ तुमबरजौमानतनहिकाहू ॥

मैंनिविषपनमेंमाऊडशन्यौ ● सोईकछूश्राजप्रगटान्यौ ॥ ● ॥
कंसकमलकेफूलमगाये ● ब्रजबासीसबश्रतिडिराये ॥ ● ॥
मैंगेंदहिखेलतइहांश्रायौयमुनातीर ॥
मोहिडारिकाछूदियौकालीदहकेनीर ॥
देखौउरगविशाल जायतहंमैंडसौश्रति ॥
तबपूछीमुहिब्याल किनपठयौतोकौंइहां ● ॥
तबऐसैंमैंताहिबतायौ ● कमलकाजमोहिकंसपठायौ ॥ ● ॥
यहसुनतहिश्रहिउठ्यौडराई ● मोकौंफणिपरलियौचढाई
कमललियेनिजपीठलदाई ● श्रापहिश्रायगयौपहुंचाई ॥
ऐसैंजननीबोधिउपाया ● सुनतबचनसबब्रजकीबाला ● ॥
लैलैहरिकौंउरसौंलावैं ● कठिनबिरहकीशूलमिटावैं ॥
श्यामबिनावहुतेंदुखपायौ ● सोहरितिनकौतापनसायौ ॥
सखेसखासबश्रारतबाढे ● प्रेमातुरमिलवेकौंठाढे ॥ ● ● ॥
गयेदौरतिनपासकन्हाई ● मिलेधायसबकंठलगाई ॥ ● ॥
कहतसखाधनधन्यकन्हैया ● जोतुमकह्यौकियौसोईभैया ॥
तुमहौसबब्रजकेसुखदानी ● कंसमारिहौतुमहमजानी ॥ ॥
कहाभयौजोतुमहौबारे ● हैंतुमरेगुणसबतेंन्यारे ॥ ● ॥ ॥
भलौयदपिसिंहनिकोछोटौ ● कौनश्राजगजलौंबोंलोटौ ॥
तुमहमपररिसकरिगयेसोश्रबदेउभुलाय ● ॥
यहसुनतहिहरिहंसिउठेमिलेबहुरिहरबार

तबहलधरअरुस्याम मिलविहसेदोउमनहिंमन
निरखमगनननरवाम भेदनकोऊजानही ॥ ● ● ॥
सबकोउकहतधन्यबलरामा ● तुमजोकहीकरीसोइस्यामा ॥
तबहरिकह्योनंदसोंजाई ● मेरेमनहिंबातयहआई ● ॥
आजबसेंसबयमुनातीरा ● अतिरमणीकसुगंधसमीरा ● ॥
इहांकीजियेभोगबिलासा ● होतप्रानसबचलहिंअवासा ॥ ॥
कसजपठायकंसकोंदीजै ● सुनऊंतातअबबिलमनकीजै ॥
गोपजायआवैंपऊंचाई ● कान्हचहैनतौब्रजपरधाई ● ॥
यहसुनिनंदबऊतसुखपायौ ● सबब्रजबासिनकेमनभायौ ॥
पुरनग्वालबऊघरनिपठाये ● बटरसभोजनबऊतमगाये ॥
यमुनातीरगोपसमुदाई ● भोजनकियौबऊतसुखपाई ● ॥
नंदरायतबसकटमगाये ● कोटिकमवतिनपरलदवाये ॥ ● ॥
बऊतभारदधिघृतकेकीने ● तेअहिरनकांधेधरलीने ॥ ● ॥
अपनीसरजेगोपसुहाये ● तिनहिंसंगकरिन्टपहिंपठाने ॥
बऊतबिनयकरिकंसकोंदीनौपत्रलिखाय ॥
कहियेमेरीओरतेंन्टपसोंऐसीजाय ॥ ● ॥
गयौकमलकेकाज कालीदहमेंसुवन ॥
तुवप्रतापतेंराज आयगयौपऊंचायअहि ॥
कोटिकमलन्टपभागपठाये ● तीनकोटितहांतेंहैंपाये ॥ ● ॥
सोराखेजलमांऊसजाई ● आयसुहोयतौदेऊंपठाई ● ॥

नवगोपनसौंकुंवरकन्हाई ❁ ऐसैंबोलउठेमुसकाई ॥ ❁ ॥
न्रपसौंलीजोनामहमारौ ❁ यहकारजहमकियौतुम्हारौ ॥
कमलसकटदधिघृतकेभार ❁ चलेगोपलैन्रपकेद्वार ॥ ❁ ॥
राजद्वारसकटनपहुंचाई ❁ आयपौरियनखबरजनाई ❁ ॥
तुरतपौरियाभीतरधाये ❁ समाचारसबन्रपहिसुनाये ❁ ॥
सुनतबातयहमनहिंडरनौ ❁ आपनिकसिआयौआतुरनौ ॥
देखीसकटभीरअतिभारी ❁ भयौचकितसुधिबुद्धिबिसारी ॥
कमलदेखिभयभयौबिशाला ❁ लगेताहिमनौव्यालकराला ॥
नंदविनयतबगोपनभाखी ❁ दीनौपत्रभेटसबराखी ❁ ❁ ॥
गोपनवकुरिकह्यौन्रपराई ❁ नंदसुवनयहकह्यौकन्हाई ॥
हमकालीदहजाययहकियौराजकौकाम ॥
न्रपहमकौंजाननतनहीकहियैमेरौनाम ❁ ॥
सुनतस्यामसंदेस देखिकमलअतिभैविकल ॥
भीतरगयौनरेस मनबाढीचिंताविपुल ॥ ❁ ॥
मनहीमनयहकरतविचार ❁ यासौंमेरौनाहिउबार ❁ ॥
दैत्यगयेतेसबहिनसाये ❁ कालीतेंएसैंबचिआये ॥ ❁ ❁ ॥
ताहीपरकमललनलैआये ❁ सहससकटभरिमोहिपठाये ❁ ॥
कबहुकहतगोपनकौंमारौं ❁ इनकौंयहांतेंतुरतनिकारौं ❁ ॥
फेरकहूमनमैंभयपावै ❁ करतबिचारनकछुबनिआवै ❁ ॥
पुनिसंभारधीरजउरकीनौ ❁ गोपनबोलिभितरहीलीनौ ॥

हृदै दुखितऊपर सुखमानी ॥ पहिरायेदीनेसनमानी ॥ ॥
सरोपावनंदहूकौंदीनौ ॥ कह्यौकाजबडौतुमकीनौ ॥ ॥
तेरेसुतबलरामकन्हाई ॥ एकदिवसदेखिहौंबुलाई ॥ ॥
यहसुनिब्रजतिपुरबारथकीनौ ॥ कालीदहकेफूलनलीनौ ॥ ॥
यहकहविदाकियेसबग्वाला ॥ भयोकंसउरशोचविशाला ॥
मनहीमनसोचतहरिकेगुन ॥ रह्यौकाठज्यौभीतरहीघुन ॥
तबदावानलबोलिकैकह्यौमरमसबताहि॥
देखौंमैंतेरेबलहितूअबब्रजकौंजाहि ॥ ॥
जारकीजियोछार ब्रजसबब्रजबासिनसहित ॥
बचहिननंदकुमार ऐसैयत्नबिचारिउर ॥

॥ अथदावानललीला ॥

दावानलसुनिन्टपकीबानी ॥ चल्यौरिसायगर्वउरआनी ॥
करौंभस्मइकपलमहजाई ॥ सहितगोपनंदसुवनकन्हाई
न्टपकौकाजआजकरिआऊं ॥ जोकहुंएकठौरसबपाऊं ॥
इहांगोपकमलनपहुंचाई ॥ आयेयमुनतीरहरषाई ॥ ॥
नंदतुरतसबनिकटबुलाये ॥ सुनतसकलब्रजजनजुरिआये
गोपनकहीनंदसौंआई ॥ लियेकमलन्टपअतिसुखपाई ॥ ॥
दियोहर्षतुमकौंपहिरायौ ॥ मुदितनंदलैसीसचढायौ ॥ ॥
अपनेसबपहिरावदिखाये ॥ लखिसबब्रजबासिनसुखपाये ॥
हरिकौनामसुन्यौजबराजा ॥ डरयिकह्यौकीनौउनकाजा ॥

इकदिनबलमोहनदोउभाई ● देखऊंगैमैंइहांबुलाई ॥
यहसुनिनंदबऊतसुखपायौ ● हरषिभूपमोसुतनबुलायौ ॥
करीऊपाअतिन्हपहरिपाहीं ● सबनरनारिहरषमनमाहीं
कहतस्यामबलरामसोंहंसिहंसिकैयहबात ● ॥
न्हपहमतुमदेखनचियेकह्यौबुलावनतात ● ॥
अजजनपरमउलास इकसुखहरिअहिलैंबचे
मिल्यौकंसकौत्रास दुतियकमलपठायन्हप ● ॥

॥ अथदावानलवर्णनलीला ॥

इहिविधिब्रजजनअतिसुखपायौ●खानपानकरिदिवसबितायौ
सोयेसबनिसयमुनातीरा ● रखिहृदैसुंदरबलबीरा ॥ ● ॥
तहांअसुरदावानलआयौ ● चाहतहैसबब्रजहिजरायौ ॥
देखेसबब्रजजनइकठाहीं ● कियौहर्षअपनेमनमाहीं ● ॥
प्रगटीदावानलचऊंओरा ● अतिहिप्रचंडपवनझकझोरा ॥ ॥
दसऊंदिसतेंघेरतआवै ● तृणतरुखगमृगजीवजरावै ● ॥
जागपरेसबब्रजनरनारी ● कहैंचऊंदिसलगीदवारी ● ॥
भयेचकितसबअतिमनमाहीं ● काऊंदिसमगदीसतनाहीं ॥
चहतचलनभजिनहींनिकासू ● लेतसबैभरिसोचउसासू ॥
आयगईदौअतिहिनिकटहीं ● चलेकहतसबयमुनातटहीं ॥
अवनदेखियतकहूंउबारा ● बढीअनलपऊंचीनभझारा ● ॥
ब्रजकेलोगअतिहिअकुलाने ● जरेसकलमनमांझडराने ॥

अतिबिकलसबडरे ब्रजजन देखि अनलभयावनौ ॥
भई धरनभज्वालपूरणधूमधुंधडरावनौ ॥ ❁ ॥
लपटझपटतजरततरुबर गिरतमहिभयदायकै ॥
उठतशब्द अघातचहुंदिसबढतजरजहदायकै ॥
फटतफलफूटतपटकदलजरतबरतलताघनी ॥
कांसचटकतबांसपटकअंगारउचटतनभतनी ॥
हरिणमोरबराहबनपशुविकलपंथनपावहीं ॥
जरतजहंतहंजीवखगमृगविपुलजिततितधावहीं
दावानलअतिक्रोधकरिलियोदसहुंदिसघेर ॥
उठीअनलज्वालाप्रबलमानहुंअचलसुमेर ॥
धूमधुंधविकराल भयोअंधेरौगगनसब ॥ ❁ ❁ ॥
बिचबिचचमकतज्वाल तडितमालजनौसघनघन
भयेदेखिब्रजलोगदुखारे ❁ तबसबहरिकोशरणपुकारे ❁ ॥
कहतस्यामतुमकरहुसहाई ❁ जरतसकलब्रजलेहुबचाई ॥
तृणासकटबकअघतुममारे ❁ कंसत्रासतेंतुमहिउवारे ❁ ॥
अहंतहंमरीगाढहमआई ❁ तहांतहांतुमकरीसहाई ॥
अबहरियनकहूसोकीजै ❁ हमहिबचायअग्नितेंलीजै ❁ ॥
व्याकुलगोपनंदमनमाहीं ❁ करतबिचारबनतकछुनाहीं ॥
असुमतिसबहिनकहतपुकारे ❁ दईपरयोहैख्यालहमारे ॥
नानारूपअसुरबहुआये ❁ कोउखगकोउपशुरूपबनाये ॥

कोउपवनरूपह्वैआयौ ❁ भयौतहांकोउपुन्यसहायौ ❁ ॥
आजउरगसोंबचौकन्हाई ❁ मरुकरमनन्दपत्रासनसाई ॥
अबयहबाढीअग्निअपार ❁ होतसकलब्रजकौसंहार ॥ ❁ ॥
किमिबाचहिंयेबालकदोऊ ❁ मोहिलखिपरतउपायनकोऊ
सुनजननीकेबचनप्रभुलखिसबब्रजबेहाल ॥
कह्यौसबनधीरजधरौमतिडरपौलखिज्वाल ॥
कौतुकनिधिगोपालकोजानेतिनकेगुणन ॥ ॥
दुखसुखजिनकौख्याल जनकेहितकारकसदा
तबहरिकह्यौडरौमतिकोई ❁ बिनवऊदेवबऊरिसबसोई ॥
जिनसहायकीनीअबताई ❁ सोईकरैसहायसदाई ॥ ❁ ॥
हरिहंसिसबसोंआंखमुदाई ❁ करिगयेअग्निपानसुखदाई
ह्वैगईचऊंदिसशीतलताई ❁ रह्यौनअग्निलेशकऊंराई ॥
खोलदेऊदृगतबहरिबोले ❁ सुनततुरतसबनदृगखोले
देखिचकितसबब्रजनरनारी ❁ कहतधन्यधनतुमबनवारी ॥
धरणिअकाशबराबरज्वाला ❁ लपटझपटअतिहीविकराला ॥
नहिबरस्यौनहिसींचौकाहू ❁ गयौबिलायकहांधौंदाहू ॥
कैसेंयहसबअग्निबुझानी ❁ हमयहकछूनकाहूजानी ॥ ❁ ॥
तबहंसिबोलेकुंवरकन्हाई ❁ वहकरनीयहकहनिसुहाई
तृणाकीआगप्रथमबऊजागै ❁ फिरतिहिबुझतबिलंबनलागे ॥
सुनतस्यामकीकोमलबानी ❁ भयेसुखीसबत्रासनसानी ॥

जीवजंतुखगमृगजितेभयेसुखीततकाल ॥ ॥
द्रुमबेलीतृणहरितसबप्रफुलितबनसुखमाल
स्यामसहायकजाहि नाहिकहौडरकौनकौ ॥
यहनबडाईवाहि पंचतत्वउनकेकिये ॥ ● ॥
कहतिपरस्परब्रजकीनारी ● हैसखिबडोबीरबनवारी ● ॥
देखतकोमलस्यामसलौना ● यहसखिजानतहैकछुटौना ॥ ॥
नाथ्यौनागपतालहिजाई ● लायौतापरकमलधराई ॥ ● ॥
मागेकमलकंसन्हपराई ● कोटिकमलतिहिंदियेपठाई ॥ ● ॥
दावानलनभधरशिबशबर ● घेरलयेब्रजकेनारीनर ॥ ● ॥
नैनमुदायकछाधौंकीन्हौ ● रह्यौनहीकछुताकौचीन्हौ ● ॥
येउतपातमिटेंइनहीपै ● औरनहोयसकैकिनहीपै ॥ ● ॥
यहकोउसखीबडौअवतारा ● हैयहईकरतासंसारा ॥ ● ॥
लखिहरिचरितजसोमतिमैया ● चकितनिरखिमुखलेतबलैया
लखिसुतचरितमुदितनंदराई ● करतगोपगनसकलबडाई
कहतदेवमुनिअतिअनुरागा ● हैंब्रजबासिनकेबडभागा ● ॥
जिनकेस्यामसंगसुखशीला ● करतरहलनितनवरसलीला ॥
एकदिवसनिसयमुनतटबसिसबगोपीग्वाल ॥
होतप्रातनिजनिजसदनआयेसहितगोपाल ॥
हरिजनकेसुखकार विलसतविविधिविलासब्रज ॥
संतनप्राणअधार ब्रजबासीजनजाहिबलि ॥ ● ॥

हरिब्रजजनकेदुखबिसरावन ● कहतचरितसुरमुनिमनभावन
तुरतसकलब्रजलोकभुलाये ● कौनकंसकबकमलमंगाये ● ॥
कबहरियमुनाजलहिसमाये ● कालीनागनाथकबल्याये ॥
कबदावानलजारनआयौ ● एकदिवसनिसकहांबितायौ ॥
नहिजानतकछुनंदजसोदा ● करतस्यामसोइबालबिनोदा
माखनमांगतकुंवरकन्हाई ● बारबारजननीसोंजाई ● ॥
आतुरदधिहिमथतनंदरानी ● सदमाखनहरिकीरुचिजानी
कहततनकतुमरहुललारे ● तुम्हैंदेउंनवनीतपियारे ॥
मैंबलिभूखलगीतुमभारी ● बातनलावतसुतहिदुलारी ● ॥
बूझतबातकाल्हकीकान्हहि ● कहतस्यामसोसुनततनकानहि
रूठहिदेतहुंकारीजननी ● भूलिगईसबहरिकीकरनी ॥
तबलौंमथिदधिमाखनकीनौ ● तुरतहिलैसुतकेकरदीनौ ॥
लैलैअधरनघरसकरिमाखनरोटीखात ॥ ॥
कहतप्रसंग्रामधुरकहिसुनतप्रफुल्लितमात
जोप्रभुअलखअपारि दुर्ल्लंभशिवसनकादिकहू ॥
धन्यनंदकीनारि ताकौंसुतकरिमानई ॥ ● ॥

॥ अथप्रलंबासुरबधलीला ॥

नितनवलीलाकरतकन्हाई ● तातमातब्रजजनसुखदाई ॥
मुदितसकलब्रजकेनरनारी ● निसदिनमुखहरिचंदनिहारी
इकदिनस्यामरामदोउभाई ● खेलतसखनसंगबनजाई ॥

नानाबिधिसबकरतकलोलैं ● भाँतिभाँतिकीबानीबोलैं ● ॥
कबहूंमोरहंसकीनाई ● बोलतहैंसुतस्यामसुखदाई ॥ ● ॥
कबहूंमधुरेसुरसबगावैं ● मध्यस्यामघनवेणुबजावैं ॥ ● ॥
कबहूंचलततरुनपरधाई ● कूदपरतगहिडारनवाई ● ॥
नानाबिधिकेखेलनखेलैं ● बालबिनोदमोदरसकेलैं ॥ ● ॥
तहांप्रलंबअसुरइकआयौ ● कंसताहिदैपानपठायौ ॥ ● ॥
सोकलरूपगोपवपुधारी ● मिल्यौआयसबसखनमझारी ॥ ॥
ताकौंग्वालनकाहूजान्यौ ● यहतौअसुरस्यामपहिचान्यौ ॥
बलदाऊकौंदियौजनाई ● ताहिहतनकौरचौउपाई ● ॥
सखाबुलायेनिकटसबनिन्हैंकह्यौनंदलाल ॥
फलबुझायअबखेलियेभयेमुदितसुनिग्वाल ॥
द्वैबालककरिराय सखालियेतबबांटिसब ॥
आधेइकदिसआय आधेएकदिसाभये ॥ ॥
निजनिजजोटसखनजोरिलीनौ ● हलधरजोटदनुजसंगकीनौ
आपसमेयहहोडलगाई ● जोहारैसोपीठचढाई ॥ ● ● ॥
भांडीरबनलौंलैजाही ● फेरिइहांपकुंचावैंताही ॥ ● ॥
फलकौनामबुझावनलागे ● बूझदियौबलसबतेंआगे ॥ ● ● ॥
चलेसखाचढिचढिनिजजोरी ● चढ्योदनुजबलधींगमशेरी ॥
भांडिरबनअबपहुंचेजाई ● फिरेसखासबठांवबुलाई ● ॥
असुरचल्यौलैबलकौंआगे ● प्रगट्यौदनुजशरीरअभागे ॥

तबलदेवकोपकरिभारी ● मुष्टिएकताकेसिरमारी ॥ ● ॥
विकसगयौसिरगिरौअधीरा ● उतरिपरेतबश्रीबलबीरा ॥
भयौपलकमेंसोबिनप्राना ● देखतसुरमुनिचढेबिमाना ● ॥
भईगगनतेंजैजैबानी ● फूलनकीबरखाबरखानी ॥ ●● ॥
बहुविधिअस्तुतिबलहिसुनाई ● मुदितसकलसुरमुनिसमुदाई
ग्वालबालचकतसबैदौरिगयेबलपास ॥ ● ॥
मृतकअसुरतनदेखिकैतबमनकियौउलास
धन्यधन्यबलराम धन्यतुम्हारेमातपित ॥ ॥
बडोकियौयहकाम कपटरूपमाखौअसुर ॥
यहसठगोपवेषह्वैआयौ ● हमकाहूइहिंजाननपायौ ● ॥
जोयहसठमहिंजातनिपातौ ● तौकाहूहरिकहिलैजातौ ॥
हौतुमबडेबीरदोउभाई ● जहंतहंहमकौंहोतसहाई ॥
बनकेदुष्टसकलतुममारे ● हौतुमहमसबकेरखवारे ॥ ● ॥
ताहिकहौकाकौडरभैया ● जासुमीतबलरामकन्हैया ॥ ● ॥
देतग्वालसबबलहिंबडाई ● आयमिलेतबहंसेकन्हाई ● ॥
दुष्टमारिबलमोहनलाला ● आयेसदनसहितसबग्वाला ॥
ग्वालनकहीआयसबबाता ● सुनतचकितब्रजजनपितुमाता
करतसकलबलरामबडाई ● जननीमुदितलियेउरलाई ॥
बलमोहनदोउबीरनिहारी ● दोउजननीजातबलिहारी
भूखेजानबनहिंतेंआये ● दोउभैयनभोजनकरवाये ॥ ● ॥

जोसुखलहतनंदकीरानी ❁ सोसारदनहिंसकहिंबखानी ॥
सुतसनेहजसुभतिमगनंनिसदिनजाततनजान ॥
करतचरितखंतनसुखदभक्तवस्यभगवान ॥ ॥
नितनवपरमहुलास ब्रजबासीहरिसंगलहत ॥
बिलसतबिबिधिबिलास बाटघाटगृहबनसघन ॥

॥ अथपनघटलीला ॥

पनघटयमुनाकेतटमाहीं ❁ ठाढेस्यामकदमकीछाहीं ❁ ॥
सखाबृंदचहुंओरबिराजै ❁ कोटिकामछबिनिरखतलाजै ॥
सीसमुकुटकोलटकसुहाई ❁ सुरंगखोरकेसरछबिछाई ॥
कुंडलझलकअलकघुंघरारी ❁ कंठकनककंठीदुतिकारी ॥
चटकीलीटटकीबनमाला ❁ परसतिचरणसरोजविशाला ॥
मुक्तमालमणिमालसुहाई ❁ उरविशालपैअतिछबिछाई ॥ ॥
अरुणअधरदसननदुतिनीकी ❁ मुरिमुसिकानमोहनीजीकी
चटकीलोपटपीतबिराजै ❁ कटितटछुद्रघंटिकाराजै ॥ ❁ ॥
भुजबिशालभूषणयुतसोहै ❁ करमुद्रिकाजटितमनमोहै ❁ ॥
तनघनस्यामरसीलेनैना ❁ हंसिहंसिकहतसखनसोंबैना ॥
कनकलकुटसोंपगलपटान्यौ ❁ भूषणसहितनजातबखान्यौ
गहिद्रुमडारितिरीछेठाढे ❁ अंगअंगअनुपमछबिबाढे ॥ ❁ ॥
कबहुंबजावतअधरधरिकरिमुरलीधुनिघोर ॥
निकटबुलावतबनमृगनकबहुंनचावतमोर ❁ ॥

रह्योगगनघनछाय सुखदछांहसीतलकिये ॥
बरषाव्रतुकौंपाय निरखतसुतनंदरायकौ ● ॥

हरितभूमिचहुंओरसुहाई ● मनहुंकामसमसनंदनिछाई ॥
बहतसमीरधीरसुखदाई ● शीतलअधिकसुगंधसुहाई ॥
बहतयमुनबहुजलतेंपूरी ● परतभवरजहंतहंछविरूरी ॥
उठतस्यामजलसुभगतरंगा ● छवितरंगजिमहरिकेअंगा ॥
याईविसोंपनघटहरिठाढे ● संगगोपबालकहितबाढे ॥ ● ॥
यमुनाजलतियभरननजाहीं ● ग्वालभीरदेखतसकुचाहीं ॥
हरिकेगुणमनमेंसबजाने ● रोकतटोकतसंकनमाने ॥ ● ॥
तातेंजायसकतकोउनाहीं ● दरसलालसाअतिमनमाहीं ॥
सबकेअंतरजामिकन्हाई ● युवतिनकेमनकीगतिपाई ● ॥
तबइकबुद्धिरचीनंदलाला ● रसिकशिरोमणिमदनगोपाला
सखनएकतरुतरबैठाई ● पनघटतेंसबभीरमिटाई ॥ ● ॥
आपरहेद्रुमओटछिपाई ● हेरतयुवतिनमगचितलाई ● ॥

इहिंअंतरआवतलखीयुवतीइकघनस्याम ॥
आपरहेद्रुमओटदुरियमुनातटगईबाम ॥
मगरिजलहिहिलोर भरिगागरिसिरधरिचली ॥
पीछेमेंचितचोर घटलैदियौलुभायमहि ॥ ● ● ॥

गहीचतुरग्वालिनिभुजहरिकी ● पाईकनककलकुटियाकरकी
सबसोंतुमकरिरहेढिठाई ● जैसेहिंमोसोंखगमकन्हाई ● ॥

देनखगेतबहरिहंसिगागरि ॥ लेतनहीं ग्वालनिश्रतिनागरि ॥
कहतिकिरीतौघटनहिंलैहों ॥ जलभरिदेऊलकुटतबदैहों ॥
कहाजोतुमनंदसुवनकन्हाई ॥ हमहूंवडेमहरकीजाई ॥
एकगांववबसबासहमारो ॥ मैंनहिंसहिहौंकह्यौतुम्हारो ॥ ॥
एककहैतौदसमैंकहिहौं ॥ मैंकछुतुमसौंडरपिनजैहौं ॥ ॥
यहसुनिहंसिदीनौंनंदलाला ॥ लियौचोरिचितमदनगोपाला ॥
कहतलकुटियादैरीमेरी ॥ मैंभरिदैहौंगागरितेरी ॥ ॥ ॥
देखतरूपसुनतमृदुबानी ॥ ग्वालनितनकीदसाभुलानी ॥
लागीहृदैमदनकीसाटी ॥ मनपरिगयौप्रेमकीघाटी ॥ ॥
करतेंलकुटगिरतनहिजान्यौ ॥ विवसभई चितचेतहिरान्यौ
तबघटभरिहरिभावतेदीनौसीसउठाय ॥ ॥
नैकहूंसुधितातननहीचलीब्रजहिसमुहाय ॥
कियौहृगनमेंधाम सुंदरनटनागरसुखद ॥
जितदेखैतितस्याम पंथताहिदीसैनहीं ॥ ॥
उनेंश्रपरग्वालिनइकआई ॥ कहतिकहांतूरहीभुलाई ॥ ॥
सूधेपंथचलतिहैनाहीं ॥ कहासोचतेरेमनमाहीं ॥ ॥ ॥
श्रबहीहंसतिभरनजलआई ॥ कहांचलीइतआपगंवाई ॥
ताकौदेखिकहतिसुनआली ॥ मोपरस्याममोहनीघाली ॥
मैंजलभरतश्रकेलीआई ॥ मेरीगागरिकृष्णउठाई ॥ ॥
तबमैंकनकलकुटगहिलीनौ ॥ उनमोतनलखिकैहंसिदीनौ

वहहंसनिमहिंपरीठगौरी ॥ तबहीतेंमैंह्वैगइबौरी ॥ ॥
कहाकहौंतोसोंअबआली ॥ मेरेचितवहचितवनसाली ॥
बस्योकान्हमेरेदृगमाहीं ॥ औरकछूमोहिदीसतनाहीं ॥
सुनतबातवहग्वालिसयानी ॥ आपविलोकनकौंअतुरानी ॥
ताहिबांहिगहिघरपहुंचाई ॥ आपगईजलकौंअतुराई ॥
देखौजायस्यामतहांनाहीं ॥ इतउतलखिसोचतमनमाहीं ॥
हरिदेखततरुओटह्वैग्वालनिमनदुखपाय ॥
चलीनीरभरिगागरीबारबारपछिताय ॥
मनकेजाननहार देखीग्वालनिविकलअति ॥
प्रगटेनंदकुमार ॥ आयअचानकनिकटही ॥
गहलीनीअंकमेंभरिग्वारी ॥ ताकेतनकीतपनिनिवारी ॥
तातनचितैकह्यौतूकोरी ॥ तोहिकबहुंदेख्यौनहिगोरी ॥
मनहरलीनोरूपदिखाई ॥ बहुरिभयेतरुओटकन्हाई ॥
मिलिहरिसोंसुखपायोग्वाली ॥ छकीप्रेमरसलखिबनमाली ॥
नहिजानतकोमैंकितआई ॥ भईमगनमनतनबिसराई ॥
घरकौपंथभूलगईनागरि ॥ इतउतफिरतसीसलियेगागरि ॥
औरसखीइकउततेंआई ॥ देखिदसातिननिकटबुलाई ॥
कहाफिरतिभूलीमगमाहीं ॥ बूझतिसखीसुनतिकछुनाहीं
चौंकिपरीसपनेजौंजागी ॥ तासोंवचनकहनतबलागी ॥
स्यामबरनइकमिल्यौढुटौना ॥ तिनमोकौंकछुकीनोटौना ॥

मैंभरिगागरिसीसउठाई ❁ उनऔचकमुहिअंकमेंलाई ॥
मोसनकह्यौकौननतूगोरी ❁ देखीनाहिकबहूंब्रजखोरी ❁ ॥
ऐसेंकहिचितयौबिहसिमैंलखिरहीभुलाय ❁ ॥
तबहिभयौअंतरकहूंमेरौचित्तचुराय ❁ ❁ ॥
कहीसखीसोंबात ग्वालनिलाजबिसारिकै ❁ ॥
निरखिनंदकौतात भईजलधिकीबूंदजिमि ॥
सोसखिसावधानकरिताकौं ❁ चलीआपआतुरयमुनाकौं ॥
देखीस्यामयुवतिढिगआई ❁ ठाढेतरुकीओटकन्हाई ❁ ॥
तासुअंगछबिरहेनिहारी ❁ गोरेबदनचूनरीसारी ॥ ❁ ॥
छूटीअलकबदनछबिछाई ❁ मनहुंजलजअलिअवलिसुहाई
हाथनचूरीचारुबिराजै ❁ कंकनमुंदिरनअतिछबिछाजै ॥
सहजसिंगारउरोजउठौंहैं ❁ अंगअंगसुठिसुंदरसोहैं ❁ ॥
ग्वालनिहरिकौंदेखौनाहीं ❁ जानेकहूंगयेबनमाहीं ❁ ॥
जलभरिचलीमनहिंपछताई ❁ गागरिनागरिसीसउठाई ॥
औचकस्यामगहीलटआई ❁ यहकहिकहांचलीअतुराई ॥
चिवुकपरसउरसोंकरलायौ ❁ ग्वालनिमनहिहर्षअतिपायौ
ऊपरकहतिबंककरिभौंहन ❁ छांडिदेऊमेरीलटमोहन ॥
उरपरसतकछुसकुचनमानत ❁ औरग्वालिसीमोकौंजानत
छांडिदेऊलटदेखिहैब्रजयुवतीकोउआइ ❁ ॥
हाहामैंपायनपरतितुमकौंनंददुहाइ ❁ ❁ ॥

इतनेहीकौंमोहि सोंहद्दिवावतवावरी ॥ ॥
पहिचान्यौनहितोहि तातेंमुखदेखततनक ॥
यौंकहिस्यामछांडिलटदीनी ॥ मुरिमुसकनिनागरिबसकीनी
चलीभवनतनमनहरिलीनौ ॥ जियचहकहतिकहाहरिकीनौ
पगद्वैचलतठठकिरहिजाई ॥ भूलिगईमारगजिहिंआई ॥
प्रेममगनतनसुधिबिसराई ॥ रहेदृगनिमेंस्यामसमाई ॥
गृहगुरजनकीसुधिजबआई ॥ तबकछुजियमेंगईलजाई
ज्यौंत्यौंकरिपहुंचीगृहमाहीं ॥ डरतेंस्यामटरतक्षणनाहीं ॥
सखीसंगकीबूझतिआई ॥ कहांयमुनातटबेरलगाई ॥
औरैदसाभईकछुतेरी ॥ कहतिनहीहमसोंसखिहेरी ॥
कहाकहौंतुमसोंरीआली ॥ मोह्योमोहिस्यामबनमाली ॥
सुनहुसखीरीवायमुनातट ॥ मैंजलभरत्योअकेलीपनघट ॥
लैगगरीसिरमारगडगरी ॥ कितहूतेंआयोमोढिगरी ॥
औचकआनिगहीलटमेरी ॥ कह्योनेकुमुखदेखनदेरी ॥
मैंमृदुबचनश्रमोलसुनिदेखिबदनजलजात ॥
ज्कोचकीसीह्वैरहीउनपरज्योंमोगात ॥ ॥
प्रफुलतहियेगुबारि मनमोहनकेरसबिबस ॥
कुलकीलाजबिसारि कहीसखिनसोंबातसब ॥
सुनतबातसबसखीसयानी ॥ स्यामबिलोकनकौंललचानी ॥
इकक्षणकान्हनबिसरतकाहू ॥ सुनतभयोयहअधिकउछाहू

घरघरतैंधाईं सबनागरि ॥ लैलैआई जलकौंगागरि ॥ ॥
चलीयमुनतटअतिअतुराईं ॥ देखौकुंवरनंदकौजाई ॥ ॥
मोरमुकुटकटिकछनीसोहै ॥ कुंडलचटकलटकमनमोहै ॥
पीतबसनलखितडितलजाई ॥ नयनविशालअधरअरुणाई ॥
देखनकह्यौसखिनढिगजाई ॥ ठगतफिरतहौनारिपराई ॥
काहिठग्योकैसेंठगचीन्हौ ॥ तुमरौकहौकहाठगलीन्हौ ॥ ॥
कौनठग्योकहिकहावखाने ॥ औरहिकेठगतुमकौंजाने ॥ ॥
कहाठग्यौसोहमनहिमाने ॥ कहौनामधरितबहमजाने ॥
सबसठगतपलककेमाहीं ॥ कहाठग्योसोजानतनाहीं ॥ ॥
ठगकेलक्षणमोहिबतावऊ ॥ कैसेंहमकौंठगठहरावऊ ॥ ॥

ठगलक्षणहमपैसुनऊ फांसीमृदुमुसकान ॥ ॥
रूपठगोरीतेंठगनब्रजतियमनंधनप्रान ॥ ॥
फिरतबिकलबेहाल लोकलाजकुलकानतज ॥
ठगीनंदकेलाल मईबिहितततिऊंलोकतिय ॥ ॥

अपनेलक्षणमोहिलगावऊ ॥ जैसेंतुमसबचितहिचुरावऊ ॥
कहतिकिप्रगटीतिऊंपुरबाता ॥ ब्रजतियठगतनंदकोताता ॥
यहनहिंकछुनकहतसबकोई ॥ सुरनरमुनिवेदऊनहिगोई ॥
तीनलोककौठाकुरजोई ॥ ब्रजबनितनबसकीनोसोई ॥ ॥
यौंसुनिसबग्वालनिमुसिकानी ॥ कहैसखीसुनौहरिकीबानी ॥
हरितुमबातऊलढयहठानत ॥ तुमरीनागरताहमजानत ॥

अतिहिकान्हतुमकरतढिठाई ● छांडिदेऊअबयहलंगराई
कान्हकीठारतहोगगरी ● कान्हलटगहिकरतअचकरी ● ॥
कान्हकोअंकमेंलैलावत ● ब्रजलोकनपैसबनहंसावत ● ॥
तुमतेंमगकोउचलननपावत ● बाटघाटडरपतसबआवत ॥
यमुनाभरनदेतनहिपानी ● बहुतअचकरीअबतुमठानी ॥
कहौतोंजसुदहिजायसुनावैं ● फेरितुम्हैंऊखलबंधवावैं ॥

यहसुनिहरिरिसकरिउठेइंडुरीलईछिंडाय ॥
कहौजायसबमातसोंलीजोमोहिबंधाय ● ॥
मोहिकहतिठगचोर आपभईसाहनसबै ॥
डारीगगरीफोर कहतजाऊचुगलीकरऊ ॥

तवयुवतीसबहरिढिगआई ● कहतिइंडुरीदेऊकन्हाई ॥
नहितौतुमकौंगहिलैजैहैं ● जसुमतिपासननेकडरैहैं ● ॥
बाटघाटतुमकरतढिठाई ● काऊननेकडरातकन्हाई ● ॥
इंडुरीलैफोरीसबगगरी ● आजमिटावैंतुमरीलंगरी ॥ ● ॥
तबहरिचढेकदंबपरजाई ● इंडुरीदीनीजलहिबहाई ॥
बदनसकोरतभौंहमरोरत●मुरिमुसकनिसबकेचितचोरत॥
कहतकहौमैयासोंजाई ● सबमिललीजोमोहिबुलाई ● ॥
तुमसबजुरिमोहिमारनधाई ● तबमैंइंडुरीजलहिबहाई
ऐसोकरितुमसोकौंपायौ ● मानऊंमोकौंमोलमगायौ ॥ ● ॥
यहसुनियुवतिकहतिमुसकाई●कहतिजसोमतिसोंहमजाई

वेदिनबिसरिगयेमनमोहन ● बंधेमातञ्जोखरीगोहन ● ॥
व्हांईरहीतौबदहिंकन्हाई ● जाउकहूंतौनंददुहाई ● ॥
कान्हैंसोंहदिवायकैउरहनलैसबबाम ॥
ऊपररिसञ्चंतरसुखीचलीनंदकेधाम ॥
मथतिमहरिनिजधाम दधिहरिकेमाखनलिये ॥
तिहिंञ्चंतरव्रजबाम ञ्चावतिदेखीभीरञ्चति ● ॥
मैंजानतिहरिइनहिंखिजाई ● तातेंसबउरहनलैञ्चाई ॥
कहतियुवतिसबरिसभरिञ्चाई ● ऐसौढीठकियौसुतमाई ॥
भरनदेतनहिंयमुनापानी ● रोकतघाटकरतकलकानी ॥
कान्हकीगागरिढरकावै ● ईंढुरीलैजलमाहिंबहावै ॥ ● ॥
कान्हकौघटडारतफोरी ● गारीदेतसबैनितकोरी ॥ ● ॥
महरिकहतितुमसोंसकुचाहीं ● हरिकेगुणतुमजानतिनाहीं
ञ्चबनाहींव्रजबासहमारौ ● करतञ्चचगरीसुवनतुम्हारौ ॥
नेकनहींसकुचतमनमाहीं ● महरिसुतहितुमबरजतिनाहीं
जसुमतिसबहिनकहतनिहोरी ● कहाकरौंसोतुमहिंकहौरी
जोहरिकौंमैंव्हांगहिपाऊं ● तौतुमसबकौंञ्चबहिदिखाऊं ॥
तुमहूंजानतिहौगुणहरिके ● ऊखलसोंबांधेमैंधरिके ● ॥
मारनलगीसांटिलैजबही ● बरजौमोहितुमहिंतबसबही ॥
ञ्चबघरञ्चावैजबहिहरितबहिकरौंसोइहाल ॥
बरकाईतेंञ्चचगरौमैंजानतिगोपाल ॥ ● ● ॥

॥ अबजोपकरनजाउं ताहिगहनपाउंकहां ॥
सुनतहिमेरैनाउं कोजानेभजिजायकित ॥
यह अपराधक्षमोसबहमकों ॥ यहैकहतिहौंमैं अबतुमकों ॥
इहिंविधियुवतिनबोधकराई ॥ महरिसबनकोंघरनपठाई ॥
इततेंघरनचलीसबग्वारी ॥ उततेंघरआवतबनवारी ॥
ह्वैगई भेटबीचमगआई ॥ तुरतनैनहरिगयेलजाई ॥
मातबुलावनिजाउकन्हाई ॥ बहुतबडाईकरिहमआई ॥
निरखिवदनहंसिकह्योकन्हैया ॥ मैंसमझायलेउंगोमैया ॥
सकुचतहीआयेघरमोहन ॥ द्वारहितेंलागेहरिजोहन ॥
देखिजननिगृहकाजलागी ॥ गोपिनकेउरहनरिसपागी
भीतररहिहिंधिपाकबनावै ॥ कहिकहितिनसोंबातसुनावै ॥
इसवैहरुवेंतबहरिजाई ॥ सुनतआपपाछेंचितलाई ॥
इहैकहतिजसुमतिरिसपाई ॥ गयोकहांधौंभाजकन्हाई
पनघटरोंकतधूममचावत ॥ यमुनाजलकोउभरननपावत
मारिदेतबेटीबहुनवेआवतह्यांधाय ॥
ह्यांहामैंसबसोंकरतिकौंहूंखूटकुडाय
इंडुरीदेतबहाय सबकीगागरिफोरिकै ॥
कितधौंगयोपराय यहकहिधिरवतहैसुतहि
जातिपांतिसोंकहलंगराई ॥ मारउमाननताहिकन्हाई ॥
तबपाछेंतेंहरिउठिबोले ॥ मधुरबचनकोमलअतिभोले ॥

तूमोहीकौंमारनजानै ❁ उनकेगुणननाहिंपहिचानै ❁ ॥
कहतिजुवेमानततूसोई ❁ तिनकेचरितनजानतकोई ❁ ॥
कदंबतीरतेंमोहिबुलावैं ❁ बातेंगढिगढिआपबनावैं ॥ ❁ ॥
मटकतगिरैसीसतेंगगरी ❁ नामलगावतिमेरैसिगरी ॥ ❁ ॥
फिरचितईदेखेहरिपाछैं ❁ सुंदरस्यामपीतपटकाछैं ॥ ❁ ॥
कहतूकहांरह्यौमोपाहीं ❁ मैंकहातोकौंजानतिनाहीं ❁ ॥
हरिमुखदेखतिहीनंदनारी ❁ तुरतहिभूलगईरिसभारी ॥
कहतिकिउरहनलैसबआवैं ❁ झूठहिंखोरकान्हकौंलावैं ॥
मैंजानतिगुणउनसबहीके ❁ बातनजोरिबनावतिनीके ॥
वेसबयोबनकेमदमाती ❁ फिरतिसदाहरिसोंअठलाती ❁ ॥
कहांस्याममेरौतनकवेसबयोबनजोर ॥
अबउरहनलैआवहींतौपठऊंमुखमोर
तूकतउनढिगजात मैंबरजतिमानतनही ॥
लावतिझूठीबात वेसबढीठगुवालनी ॥ ❁ ❁ ॥
यहकहिचूमिसुतहिउरलायौ ❁ मनमोहनमनहर्षबढायौ
ब्रजघरघरयहबातजनाई ❁ पनघटरोकतकुंवरकन्हाई ॥
स्यामबरणनटबरवपुकाछैं ❁ मुरलीमधुरबजावतआछैं ॥
करतअचगरीजोमनभावै ❁ यमुनाजलकोउभरननपावै ॥
बैठतआपकदंबकीडारी ❁ सबनबुलावतदैदैगारी ॥ ❁ ॥
कान्हकीगागरिगहिफोरै ❁ कान्हकीइंडुरीजलबोरै ❁ ॥

काहूकौंअंकमेंगहिलावै ❁ काहूकौघटभूमिलुठावै ॥ ❁ ❁ ॥
नैनसैंनदेचित्तहिंचुरावत ❁ काहूसोंमनअपनोलावत ॥ ❁ ॥
ब्रजयुवतीसुनिसुनिउठिधावैं❁बिनहरिदरसनक्षणाकलपावैं
कोउबरजैकोउकहैकोटिबिधि❁सबकेध्यानस्यामसुंदरनिधि
मनक्रमबचनतिन्हैंरतिहरिसों ❁ नातौनेहनमानतिघरसों
निसिदिनसोवतजागतमाहीं ❁ नंदनंदनक्षणविसरतनाहीं

यहलीलासबकरतहरि ब्रजयुवतिनकेहेत ॥
कृष्णभजैजोभावजिहिंतिहिंतैसोफलदेत ॥
चिंतामणिजिहिंनाम चिंतनफलदायकजनन ॥
सबहीकोसबठाम जैसेकोतैसोसदा ॥ ❁ ❁ ॥

सुनियहश्रीबृषभानदुलारी ❁ पनघटअठेकुंजबिहारी ॥
देखनकौंचित्तअतिअतुराई ❁ कह्योसखिनसोंकुंवरिबुलाई
चलउयमुनतटल्यावैंपानी ❁ सुनतबातयहसबहरषानी ॥
इकइककलससबनगहिलीनो❁तुरतगवनयमुनातटकीनो ॥
देखेतहांकुंवरनंदलाला ❁ सुंदरस्यामलनैनविशाला ❁ ॥
प्यारीमनअतिहरषबढायौ ❁ प्यारिहिंदेखिस्यामसुखपायौ
रहेरीझहरिदीठलगाई ❁ भरौनीरप्यारीमुसकाई ❁ ॥
चलीघरहिंयमुनाजलभरिकै सखिनमध्यगागरिसिरधरिकै
मंदमंदगतिचलतिसुहाई ❁ मोहनमनहिंमोहनीलाई ॥
चलेस्यामसंगहिउठिलागे ❁ विवसभयेप्यारीरसपागे ❁ ॥

सखियनबीचनागरीसोहै ● गागरिसिरपैहरिमनमोहै ॥
डुलतग्रीवलटकतनकबेसर ● बंदनबिंदुआडदियेकेसर ॥
लोचनलोलविशालअतिमुरिमुरिचितवतिजाय ॥
भ्रुकुटीधनुषकटाक्षसरहरिदृगमृगनलगाय ● ॥
अंगअंगछविसमुदाय मानऊंसेनाकामकी ॥ ● ॥
अंचलध्वजफहराय ठठकचलतहरिमनहरत ॥
रीझेस्यामनिरखिछविप्यारी ● संगहिचलेलागिबनवारी ॥
कबऊंकआगेजातकन्हाई ● कबऊंरहतपाछेंचितलाई ॥
नानाभांतिनभावबतावैं ● प्यारिहिंनिजअभिलाषजनावैं ॥
कनकलकुटलेकरकेमाहीं ● आगेपंथसंवारतजाहीं ॥ ● ॥
देखतजहांप्रियापरछांहीं ● तहांमिलावतनिजतनछांहीं ॥
छविनिरखततनवारिजनावैं ● पीतांबरलैसीसफिरावैं ● ॥
कबऊस्यामपाछैंरहिजाहीं ● निरखतकबरीछविललचाहीं
गागरिताकिकांकरीमारै ● उचटिउचटितियअंगनपारै ॥
ओटपीतपटसीसनवाई ● इहिंमिसनिकसतढिगह्वैआई ॥
प्यारीअपनेचित्तअनुमाने ● मेरेहितहरिभावनठाने ● ॥
सखियनमध्यनागरीजाई ● नहिंपावतलगलगनकन्हाई ॥
कियेचरितलबरसिकबिहारी ● सखिनसहितमोहीसुकुमारी
मिसकरिनिकसेनिकटह्वैनिरखवदनमुसिकाय ॥
मनहरिलीनौसबनकौदियौकामरुपजाय ॥ ● ॥

भई विवससुकुमार अंगउमगअंगीदरकि ॥
मोहीनंदकुमार सुधिबुद्धिबिसरीदेहकी ॥
सखिनसंगपकुंचीघरआई ● अटकिरहीमनहरिसंगजाई
पुनिपुनिउरयहकरतिविचारा ● कैसेंमिलहिंस्यामसुकुमारा ॥
गागरिनिजनिजगृहपकुंचाई ● बकुरिसखींप्यारीढिगआई
बारबारसबकहतिनिहोरी ● चलियेयमुनाजलहिंबहोरी
तिनकौंउत्तरदेतनप्यारी ● चितउरमोचितवनबनवारी ॥
ठगिसीरहीमनहिमनसोचै ● प्रेमविवसदृगवारिविमोचै ॥
देखिदसाबूझतसबग्वारी ● कहाभयौतोकौंरीप्यारी ॥ ● ॥
सोचतिकहाकहैकिनसोरी ● काहूलियौचोरकछुचोरी ॥
उत्तरहमैंदेतिक्यौंनाहीं ● कहाठगीसीहैमनमाहीं ॥ ● ॥
गहिगहिभुजाकहतिसबगोरी ● चलहिनयमुनाआवहिंखोरी
तबसखियनबृषभानदुलारी ● लीनीसबननिकटबैठारी ॥
जलजनयनजलभरिअनुरागी ● हरिकेचरितकहनसबलागी
कहौसखीकैसेंचलैंवायमुनाकीओर ॥
गैलनछाडतसांवरौरसियानंदकिशोर ॥
धरैनकोऊनांव इहसंकनिडरपतिहियौ ॥
एकभांतिकौगांव वहचंचलमानेनहीं ● ॥
मोकौंदेखतजहांकन्हाई ● मेरेसंगलगतउठिधाई ॥ ● ॥
इतउतनैनचुरायनिहारै ● मोकौंमगमेंआनिजुहारै ॥ ● ॥

आगेचलतलकुटकरलाई ❁ मेरोपंथसंवारतजाई ॥ ❁ ॥
सोवहमोहिनिहोरैलाई ❁ फिरचितवैमोतनमुसकाई ॥
जबमैंयमुनाकोजलभरिकै ❁ चलतिगागरीसिरपैधरिकै ॥
तबघटमेंवहकांकरिमारै ❁ ऊचटिलगतितबअंगनिहारै ॥
मेरेउरअंचरफहराई ❁ सोवहदेखिदेखिललचाई ॥ ❁ ॥
कबहूंपीतांबरसिरफेरै ❁ बारबारकरिमोतनहेरै ॥ ❁ ॥
कबहूआपनिछविदरसावै ❁ मेरेचितकोंआनिचुरावै ॥ ❁ ॥
जबदेखौंतबमोतनहेरै ❁ नेकनहींदृगइतउतफेरै ॥ ❁ ॥
जहांजातिमेरीपरछांई ❁ तहांमिलायरहतनिजछांई ॥
जबलगलामनपावतनाहीं ❁ तबबाकोजियअतिअकुलाहीं
मोतनकूंवेहरचलैताहिभरतहैअंक ॥
हौंसकुचनबोलौंनहीलोकलाजकीसंक
ब्रजघरघरयहशोर कोजानेकहियतकहा ॥
चितवतवहचितचोर विबसहोतसखिप्राणतन ॥
कहियेकहासखीजियजैसी ❁ भइगतिसांपछछूंदरकैसी ॥
घरतेंनिकसतबननहिआवै ❁ लोकलाजकुलकानसतावै ॥
जोघररहौंरह्योनहिजाई ❁ तनघरमेंमनजहांकन्हाई ॥
कितोकरौंआवतइतनाहीं ❁ बंध्योपीतपटअंचरमाहीं ❁ ॥
अबतोमेरेमनयहराची ❁ करिहौंप्रीतिस्यामसंगसाची ❁ ॥
ब्रजकेलोकहंसोकिनकोऊ ❁ कुलमर्य्यादजाउकिनसोऊ ॥

कहालाभसोकहहूसयानी ❀ जामेंहोयजीवकीहानी ❀ ॥
सोनाकहाकानजिहिंटूटै ❀ अंजनकहाअंखजिहिंफूटै ❀ ॥
कहाकांचसंग्रहतेंहोई ❀ जोअमोलमणिकरतेंखोई ❀ ॥
बिषसुमेरकहाकौनेकाजा ❀ सुखदबूंदइकअवधिराजा ॥
कुलकोकानकाचकरचाई ❀ चिंतामणिकोखानिकन्हाई ॥
कहालेहुंकहातजोंसयानी ❀ सिखवहुमोहिसखीजियजानी
मुहितोअबहूजोनहींबिनवहमृदुमुसकानि ॥
कापैन्यारैहोतरंगहरदीचूनोसानि ॥ ❀ ॥
मेटिलोककोकानि पतिब्रतराख्योस्यामसों ॥
यहैबनीअबआनि भलोबुरोकोऊकहो ॥
सुनतगोपिकाराधाबानी ❀ हरिअनुरागसिंधुमगनानी ॥
गद्गदकंठपुलकतनआये ❀ लोचनजलजप्रेमतनछाये ॥
भईप्रेमबसगोपकुमारी ❀ लोकसकुचकुलकानिबिसारी ॥
बारहिबारकहतब्रजनारी ❀ धन्यधन्यबृषभानदुलारी ॥
हमसबतोसोंसत्यबखाने ❀ तेंहरिभलीभांतिपहिचाने ॥
यहमोहनसबकोमनमोहै ❀ तियलखिविवसनहोयसुकोहै
अंगअंगप्रतिअतिछविछाजै ❀ समताकोटिकामदुतिलाजै ॥
सुभगस्यामदोउपाणिपकरिकै ❀ करतवेणुधुनिअधरनधरिकै
लबयहदसासबनकीहोई ❀ जडचेतनमोहतसबकोई ॥
बनमृगनिकटधायसबआवैं ❀ खगहूमैाननअंगडुलावैं ❀ ॥

तृणगहिदंतधेनुरहिजाहीं ● थननतेंक्षीरपियतबछनाहीं ॥
यमुनाबहिबेतेंरहिजाई ● जलचरप्रगटतबाहिरआई ॥
जडचेतनचेतनजडहिसुनतहोतकलबैन ॥
कैबिषकैमदकैश्रमीकिधौंभस्रौरसमैन ॥ ॥
गृहबनकछुनसुहाय सुनतिश्रवणवहमधुरधुनि ॥
गृहकारजबिसराय चकितथकितरहियतसबै ॥
बाटघाटजहांमिलतकन्हाई ● मोहतसुंदररूपदिखाई ॥
नईनईछबिक्षणक्षणमाहीं ● फलकावतसबअंगनजाहीं ॥
ऐसौकोजुदेखिनहिमोहै ● नंदसुवनसमसुंदरकोहै ● ॥
वहसखिसबहीकेमनभावै ● सबकोउवाहिदेखिसुखपावै ॥
लोकलाजकुलकौंनेकामहिं ● जोपावहिंसुंदरबरस्यामहिं ॥
पैयहमोहिअगमअतिलागै ● यहसुखमिलैनहींबिनभागै ॥
इनकौंगर्गकह्यौनंदपाहीं ● बिनासुकृतयेप्रापतिनाहीं ॥
तुमहूंइनकौतपकरिपायौ ● ऐसेंनंदहिंगर्गसुनायौ ● ॥
कहांसखिइततौभागहमारे ● जोबरपावहिंनंददुलारे ॥
तातेंमोमनमेंयहआवै ● कीजैजोसबकेमनभावै ॥ ● ● ॥
तपकीजैहरिकेहितलागी ● पूजिगौरिपतिसौंबरमागी ॥
नंदसुवनसुंदरबरपावैं ● औरसकलकामनानसावैं ● ॥
जपतपसंयमतेंमतेंप्रभुप्रगटतपावान ● ॥
तातेंसब्रतपकीजियेऔरउपावनआन ● ॥

श्रीजैयहदृढनेम प्रातजायजमुनानदी ॥
बूजहिंसबकरिप्रेम तौपावहिंपतिकरिहरिहिं
तपकरियोगीजनहरिध्यावैं ॥ मनवंछितफलतपकरिपावैं ॥
सकलकामनाकेशिवदाता ॥ कहतवेदबिधिपंडितज्ञाता ॥
हमकौंमनवांछितसखिएहा ॥ नंदसुवनपदकमलसनेहा ॥
सुनतसप्रेमसखीकीबानी ॥ श्रीवृषभानसुताहरषानी ॥
यहैमंत्रसबकेमनमान्यौ ॥ धन्यधन्यकहिताहिबखान्यौ ॥
कहतसबैंकीजैसखिसोई ॥ जाबिधिनंदनंदनहितहोई ॥
बृयाजन्मजगजाननदीजे ॥ जसुमतिसुतसोंहितकरिलीजै
यहैमंत्रसबहिनदृढकीनौ ॥ नंदनंदनसोंपतिब्रतलीनौ ॥
धन्यधन्यब्रजगोपकुमारी ॥ जिनकेहितपतिकृष्णमुरारी ॥
मनबचक्रमहरिसोंमतिमानी ॥ लोकलाजतिनुकासमजानी
इकछणस्यामनऊरतेंटरहीं ॥ नेमधर्मब्रतहरिहितकरहीं
जिनकौयशसारदश्रुतिगावै ॥ ब्रजबासीजनकहाबतावै ॥
जाग्रतस्वप्नसुसुप्तहू ब्रजयुवतिनमनमाहिं ॥
सदाएकतुरियारहति और अवस्थानाहिं ॥
ऐसेकौंनप्रवीन चहैप्रेमब्रजतियनकौ ॥
हरिछबिजलमनमीन बिछुरसकतनहिंएकपल

॥ अथचीरहरणलीला ॥

भवनरवनसबहीनबिसरायौ ॥ ब्रजयुवतिनहरिसोंमनलायौ ॥

यहैवासनासबउरजामी ❁ होयगुपालहमारौस्वामी ❁ ॥

कामवासनाकरिउरध्यावै ❁ हरिकेहेततपहिमनलावै ॥

षटदससहस्रगोपकीकन्या ❁ करनलगीतपहरिहितधन्या

रहतिक्षुधायुततपकौंसाधै ❁ छांडिदईसबभोगउपाधै ॥ ❁ ॥

प्रातकालयमुनाजलन्हाहीं ❁ प्रहरपर्यंतरहैंजलमाहीं ॥ ॥

अर्पहिंउमापतिहरबृषकेतू ❁ सुंदरस्यामकृष्णपतिहेतू ॥

शीतभीतमनमेंनहिल्यावैं ❁ नैनमूंदिकैध्यानलगावैं ॥ ❁ ॥

बारबारयहकहैंमनाई ❁ हमबरपावैंकुंवरकन्हाई ॥ ❁ ॥

जलतेंबहुरिनिकसिसबआई ❁ पूजहिंगोपेश्वरशिवजाई ॥

चंदनबिल्वपत्रजलधारा ❁ अक्षतसुमनसुगंधअपारा ❁ ॥

प्रीतिसहितसबशिवहिचढावैं ❁ धूपदीपकरिअस्तुतिगावैं ॥

करहिंअस्तुतिगानबहुबिधिपाणिपंकजजोरहीं ॥

बारबारनवायमस्तकप्रेमसहितनिहोरहीं ❁ ॥

जयमहेशकृपालशिवआनंदनिधिगिरिजापते ॥ ॥

कैलाशपतिकल्याणअगजगनाथसर्वनमामिते ❁ ॥

जटाजूटत्रिपुंडशशिकलगंगयुतशोभितसिरे ❁ ॥

कमलनैनविशालसुंदरचारुकुंडलश्रुतिधरे ॥ ❁ ॥

नीलकंठभुजंगभूषणभस्मअंगदिगंबरे ॥ ❁ ❁ ॥

अर्धंगगौरिविशालउरशिरमालधरकरुणाकरे ॥

कपूरगौरप्रसन्नआननपंचवक्त्रत्रिलोचने ॥ ❁ ॥

कामप्रदसुखधामपूरणकामशोचविमोचने ॥ ॥
भगवानभोभवभयहरणभूतादिपतिशंभूहरे ॥
प्रणतजनपूरणमनोरथजगतपतिमनमथअरे ॥
बृषभवाहनत्रपुरअरिमृगराजबरछालांबरे ॥ ॥
शूलपाणित्रिशूलमूलनिमूलकरशिवशंकरे ॥ ॥
सुरअसुरनरनागतवपदवंदिमनवांछितलहैं ॥
पूजतेपदकमलप्रभुहमकृष्णपतिचाहतिअहैं ॥
तुमसर्वज्ञसुजानशिवज्ञानतजनमनपीर ॥
यसदानदीजैहमैंसुंदरबरबलबीर ॥ ॥
यहबरदाननआन शिवतुमसोंचाहतिअहैं ॥
कृष्णकमलपदध्यान रहैहमारेउरसदा ॥ ॥
इहिंबिधिब्रजतियनेमनिबाहैं ॥ शिवकौंपूजिकृष्णपतिचाहैं ॥
नितप्रतिप्रातयमुनजलखोरैं ॥ प्रीतिरीतिसोंमननहिंमोरैं ॥
सवितासोंबहुभांतिनिहोरैं ॥ गोदपसारयुगलपदजोरैं ॥
तेजरासिदिनमणिजगस्वामी ॥ जगतचक्षुसबअंतरजामी ॥
प्रणतमनोरथपूरणकारी ॥ हमपरहोऊदयालमुरारी ॥ ॥
कामहमारेतनहिंजरावै ॥ नंदसुवनबरहमकौंभावै ॥ ॥
होयहमारोपतिनंदलाला ॥ करऊकृपासोदीनदयाला ॥ ॥
ऐसेंहरिहितगोपकुमारी ॥ करैंनेमब्रततपतनगारी ॥ ॥
गेहदेहकीसुरतबिसारी ॥ कसतनभईपरमसुकुमारी ॥

बरषदिवसयौंकरतबिहान्यौ ● प्रभुअंतरजामीसबजान्यौ ॥
मोहितशिवपूजतिब्रजनारी ● औरकामनासकलनिवारी ॥
सकलभावकेहरिहैंज्ञाता ● सकलदेवश्राशफलदाता ॥ ● ॥
देखिनेमयहप्रेममयगोपिनकौगोपाल ● ॥
भयेप्रसन्नकृपालचितजनहितदीनदयाल ॥
मोकारगाजलन्हात भयेजलहिमेंप्रगटहरि ॥
सुंदरस्यामलगात नवकिशोरबरवपुधरे ● ॥
न्हातजहांयुवतीसबआछैं ● मौजतपीठसबनकेपाछैं ॥ ● ॥
चकितसबनपाछैंफिरहेरै ● देखौकान्हकुंवरनंदकेरै ● ॥
मनमेंहर्षितभइसबनारी ● ब्रतफलप्रगटेकुंजबिहारी ॥
नवलकिशोरध्यानमनलायौ ● सोईरूपप्रगटदरसायौ ● ॥
दृष्टपरतहीसकललजानी ● लागीअंगदुरावनपानी ॥ ● ॥
एकएककौभेदनजाने ● हरिकौंसबअपनेढिगमाने ॥ ● ॥
कहतिलाजलागतिनहिंतुमकौं ● बिनाबसनदेखतिहौहमकौं
हंसिनिकसेतबकुंवरकन्हाई ● चोरहारलैचलेपराई ● ॥
हांकदेनिसबसपथदिवावैं ● फिरजुबसनभूषगाहमपावैं ॥
डारिबसनभूषगातबदीने ● गोपिनतुरतदौरिकैलीने ॥ ● ॥
चीरफटेभूषगासबटूटे ● लेतनबनेतहांनहिंछूटे ॥ ● ● ॥
एकएककोलाजलजाही ● बसनआभूषगापहिरतिजाही ॥
लगेस्यामढीठौकरनयहकहिकहिपछितात ॥

अंतरगतिआनंदअतिझूठहिखीझतिज्ञात ॥
लोकनकहतिसुनाय कान्हकरतलंगराइअति ॥
जसुमतिकेढिगजाय कहतिचलीकहियेसबै ॥
चलीजसोमतिपैसबग्वारी ❁ प्रेमविवसतनदसाबिसरी ॥ ❁ ॥
पुलकिअंगअंगियादरकानी ❁ टूटेहारलियेनिजपानी ❁ ॥
चीरचीरनखघातबनाई ❁ यहमिसकरिउरहनलैआई ॥
देखौमहरिस्यामकेयेगुन ❁ ऐसेहालकियेसबकेउन ❁ ॥
चोलीचीरहारदिखराये ❁ घेरकरतइतकौंभजिआये ॥ ❁ ॥
औरबातइकसुनऊनमाई ❁ ढीठभयौअतिकुंवरकन्हाई
बिनाबसनहमन्हातिजहांसब ❁ मीजतपीठजायपाछैंतब ॥
औरकहतितुमसोंसकुचावैं ❁ उरउघारिकहातुमहिंदिखावैं
महरिबिचारतिकहतिकहासब❁भयौस्याममइहिंलायकधौंकब
सुनियुवतिनकेमुखयहबानी ❁ बोलीविहंसिनंदकीरानी ॥
बातकहौसोजोनिबहैरी ❁ बिनाभींतनहिंचित्रलहैरी ❁ ॥
तुमकौंकहतलाजनहिंआवति ❁ चोरीरहीछिनारीलावति ॥
तुमचाहतिहौगगनतेंगहनतरैयाबाम ॥
सोकैसेंकरिपायहौतुमलायकनहिस्याम ॥
मैंबूझीसबबात तुममोसौंकहिहौकहा ॥ ❁ ॥
बृथाफिरतिइठलात मष्टकरौसुनिहैजगत ॥
इहिअंतरहरिआयगयेघर ❁ सीसमुकुटलीनेमुरलीकर ॥

अतिकोमलतनभूषणसोहैं ❁ बालभेषदेखतमनमोहैं ॥ ❁ ॥
जननीबोलिबांहगहिलीनी ❁ कहतिसवनसौंरसरिसभीनी
देखहुरीतुमसबइतआवौ ❁ इनहीकौंअपराधलगावौ ❁ ॥
देखहुसमुझिलाजनहिंआवति❁इनहींकेनखहुरनदिखावति
मेरोकान्हअबहिंसुनिबारौ ❁ तुमकोउऔरहिंजायनिहारौ
देखिनिहारिहियुवतिभइभोरी❁कहतिमहरिकछुतुमहिनखोरी
देनउरहनैतुमकौंआई ❁ नीकीपहरावनहमपाई ॥ ❁ ॥
आपसमेंसबकहतिसुनाई ❁ देखहुरीयहभावकन्हाई ❁ ॥
यमुनातीरमिलेजबआई ❁ कहांगईतबकीतरुणाई ❁ ॥
इनकेगुणऐसेकोजानै ❁ औरकरतऔरैधरठानै ❁ ❁ ॥
घरआवतहीभयेनन्हाई ❁ ऐसेतनकेचोरकन्हाई ❁ ❁ ॥
देखिचरितनंदलालकेभईबालमतिभोर ❁ ॥
सुधिबुद्धिमनकछुथिरनहींकहतिऔरकीऔर
सकुचीबहुरिसंभारि विवसदेखिअपनीदसा ॥
चलीघरनब्रजनारि हरिमुखकमलनिहारिकै ॥
गईघरनब्रजगोपकुमारी ❁ चितहरलीनोमदनमुरारी ॥
नेकनमनलागतघरमाहीं ❁ धामकामकीकछुसुधिनाहीं ॥
मातपिताकोडरनहिमानै ❁ गारिदेतकोउसुनततनकानै ॥
प्रातहोतहीगोपकुमारी ❁ गईयमुनतटसबसुकुमारी ❁ ॥
देखेतहांजायनंदनंदन ❁ मोरमुकुटशोभिततनचंदन ❁ ॥

मकराकृतकुंडलउरमाला ❁ पीतबसनदृगकमलविशाला ॥
दरसदेखिअँखियांतृपितानी ❁ भईंसुखीउरतपतबुझानी ॥
कहतिपरस्परमिलिसबग्वाली ❁ यमुनातटठाढेबनमाली ॥
कौनभांतिकरिआजअन्हैवौ ❁ बनतनाहिंअबयमुनाऐवौ ॥
कैसेंकरिहमबसनउतारैं ❁ कान्हहमारीओरनिहारैं ❁ ॥
भींजतपीठऔचकहिआई ❁ बसनअभूषणलैभजिजाई ॥
कहौफेरिकैसेंतबपावैं ❁ अबनहिंकाल्हघाटपहिंआवैं ॥ ❁ ॥

कहतसकुचकीबातसबउपरमनआनंद ॥
अंतरगतिकीबृत्तिकौंजाननसबनंदनंद ॥
जानीजाननराय लाजांतरयुवतीकरति ॥
सोअबदेउंमिटाय अंतरभलौनप्रेममें ❁ ॥

औरबातइकस्यामबिचारी ❁ येजलभीतरन्हातउघारी ॥
जोतियजलमेंनागीन्हाई ❁ ताकौंदोषहोतअधिकाई ॥ ❁ ॥
ताकोदोषनासतबपावै ❁ नागीपरपतिसन्मुखआवै ॥ ❁ ॥
सोइनकौयहदूषणटारैं ❁ औरलाजअंतरनिरवारैं ॥ ❁ ॥
करौंआजइनसोंबिधिसोई ❁ इनकौहितममकौतुकहोई ॥
जोकछुचूकदासतैंहोई ❁ आपसुधारलेतहरिसोई ॥ ❁ ॥
अंतरप्रभुकौंनेकनभावै ❁ भजैनिरंतरजबहरिपावै ॥ ❁ ॥
अंतररहितभक्तिहरिप्यारी ❁ कहतवेदसबसंतपुकारी ❁ ॥
तबहरिमनयहकियैबिचारा ❁ इनकेबसनहरौंइकबारा ❁ ॥

प्रभुसबकीतबदृष्टिबचाई ❁ कदंबवृक्षचढिरहेलुकाई ❁ ॥
जबगोपिनहरिदेखेनाहीं ❁ चकितविलोकीइतउतमाहीं
जानेसदनगयेनंदलाला ❁ न्हानचलीतबसबब्रजबाला ❁ ॥
धरेउतारिउतारिसबतटपरभूषणचीर ॥
नग्नहोयअस्नानहितपैठीयमुनानीर ॥ ❁ ॥
ग्रीवालौंजलमाहिं पैठिकरतिअस्नानसब ॥
मुखछविकहीनजाहिं कनककंजफूलेमनहुं ॥
बारबारबूडतजलमाहीं ❁ प्रेमसहितमनमुदितनहाहीं ॥
शिवसोंविनतीकरतिनिहोरी ❁ कबहुंरविवंदैकरजोरी ॥
यहकामनाकरिसबध्यावैं ❁ नंदनंदनकौंपतिकरिपावैं ❁ ॥
कामातुरसबगोपकुमारी ❁ धरैंध्यानउरकुंजविहारी ❁ ॥
मूंदहिंनैनदरसचितलावैं ❁ शब्दबिचारिश्रवणसुखपावैं ॥
भुजजोरतिअंकमहितलागी ❁ मगनप्रेमरसतियबडभागी ॥
प्रभुअंतरजामीसबजाने ❁ देखकदंबचढेसुखमाने ॥ ❁ ❁ ॥
कहतधन्यधनधनब्रजबाला ❁ मेरेहिततपकरतिविशाला ॥
प्रीतिरीतिसबकीपहिचानी ❁ क्षणक्षणकीसेवाहरिमानी ॥
कहूभावमोहिकोउध्यावै ❁ मोहिबिरदराखेबनिआवै ॥ ❁ ॥
कियैबहुतश्रममममहितकारण ❁ अबइनकोदुखकरौंनिवारण
उपजीकृपासमुझिजनपीरा ❁ उतरेतरतेंश्रीबलबीरा ॥ ❁ ॥
प्रेममगनयुवतीसबैंरहीध्यानमनलाय ॥

हरिसबभूषणबसनलैचढेकदमपरजाय
भूषणबसनअपार सोरहसहसबधूनके ॥
हरेएकहीबार लैशखेनरुनीपपर ॥
कह्यौनीपतरुअतिविस्तारा ॥ फूलेसुमनसुगंधअपारा ॥
लैलैबसनडारिअटकाये ॥ जहांतहांभूषणलटकाये ॥
नीलांबरपाटांबरसारी ॥ सेतपीतचूनरिअरुनारी ॥ ॥
जहांतहांशाखनिप्रतिसोहै ॥ देखतछबिबसंतमनमोहै ॥
नातरुशाखापरमसुहाई ॥ बैठेछबिकीशसिकन्हाई ॥ ॥
युवतिसुक्ततरुतनधरिमानौ ॥ फल्यौसुकृतपूरणफलजानौ
देखतिकदमचढेनंदलाला ॥ बसनविनाजलमेंसबबाला ॥
ध्यानकरततेंजबसबजागी ॥ तबजलबाहरनिकसनलागी ॥
जलतेंनिकरिआयतटदेख्यौ ॥ भूषणबसनतहांनहिपेख्यौ ॥
इतउतचितैचकितभइभारी ॥ सकुचगईफिरजलसुकुमारी
नाभिप्रयंतनीरमेंठाढी ॥ भुजलगायउरचिंताबाढी ॥ ॥
कंपतसीततेंअतिअकुलाहीं ॥ बारबारकहिकहिपछिताहीं
ऐसोकोभूषणबसनसबकोएकहिबार ॥
तटतेंलयेचुरायकैलगीननैकउबार ॥
हमजानतयहबात अंबरहरिहरिलैगये ॥ ॥
औरकौनकौगात जोब्रजमेंढीठौकरै ॥ ॥
दीनहोयतबयुवतिपुकारी ॥ हौकउश्यामजाहिंबलिहारी ॥

जिनकेपुरुषहुतेघरमाहीं ❁ तिनकौंज्ञानदेतसोनाहीं ❁ ॥
कहतज्ञाततुमकितअतुराई ❁ लोकलाजतनदसाभुलाई ॥
तिनसोंकहतिभईतेनारी ❁ हमकोंश्रीगोपालहंकारी ❁ ॥
भोजनमांग्योहैहमपाहीं ❁ तिनहिदेनग्वालनसंगजाहीं ॥
तिनकौंदरसदेखिसुखपैहैं ❁ बहुरितिहारेघरहमऐहैं ॥

यहसुनिपतिअतिक्रोधकरितिन्हैंदिखायोत्रास॥
कहतभईतुमबावरीबैठतिनहीअवास ❁ ॥
जिनकेडरनंदलाल बसेलकुटमुरलीलिये॥
तिनहिनभययमकाल कौनभांतिरोकेरुकहिं॥

हरिपैहमेंजानपियदेहू ❁ काहारोकिअपयशसिरलेहू ❁ ॥
देखनदेहुनंदकेलालहि ❁ त्रिभुवनपतिप्रभुमदनगुपालहि
इतनीबातमानपियलीजै ❁ हाहाहमेंदानयहदीजै ❁ ॥
वेहैंयज्ञपुरुषभगवाना ❁ अंतरजामीकृपानिधाना ❁ ❁ ❁ ॥
करतयज्ञबिधितिन्हैंबिसारी ❁ कहासरैगीबाततिहारी ❁ ॥
कहांलगिकहौंबातसमुझाई ❁ जातदरसकीअवधिबिहाई
जोतुमस्वामीमानतनाहीं ❁ तोहमसत्यकहैंतुमपाहीं ❁ ❁ ॥
मनतोमिल्योजायनंदलालहि ❁ करिहौकहारोककेख्यालहि
लेहुसंभारदेहयहसारी ❁ जासोंपियतुमकहतहमारी ॥
कोशखैइतनेजंजालहि ❁ मिलिहैंप्राणजसोदालालहि ❁ ॥
जोनिहचैनहिंस्यामसनेहा ❁ तोयहकौनकाजकीदेहा ❁ ॥

सबसखियननतें आगेजाई ❁ देखहुंगीछविकुंवर कन्हाई ॥
ऐसें देह अरु गेहतज पतिकी कान निवारि ॥
पहुंचीसबतें प्रथमतें जेरी कीद्विजनारि ❁ ॥
कठिनप्रेमकौ पंथ तहां नेमकीगमनही ॥
कहतसकलसद्ग्रंथ जहां नेमतहां प्रेमनही
ऐसैभाजनलैद्विजबाला ❁ पहुंचीबनजहांमोहनलाला ❁ ॥
नटवरभेषचित्रतनकीने ❁ ठाढेसखासंगभुजदीने ❁ ❁ ॥
मोरमुकुटवैजंतीमाला ❁ करमुरलीदृगनैनविशाला ❁ ❁ ॥
कुंडलअलकतिलकझलकाहीं ❁ कोटिकामछविपटतरनाहीं
मुखमृदुहंसनिलसनपटपीरे ❁ निरखतनैनतापभयेसीरे ॥
भोजनलैहरिआगेराखे ❁ अपनेभाग्यधन्यकरिभाखे ❁ ❁ ॥
तिन्हैंदेखिहरिमनसुखमान्यौ ❁ बचननिकरितिनकौंसनमान्यौ
तिनसौंबहुरौंकह्यौकन्हाई ❁ गृहपतितजितुमकतइतआई
कहियतविप्रवेदअधिकारी ❁ हौतिनकीतुमपतिव्रतनारी ॥
वेसबयज्ञकरतबनमाहीं ❁ तुमबिनयज्ञहोयहैनाहीं ❁ ॥
यहतुमकछूभलौनहिंकीनो ❁ पतिकौकह्योमाननहिलीनो ॥
पतिआयसुतियपालैजोई ❁ चारपदारथपावेसोई ❁ ❁ ॥
पतिसेवतासुतीयकहिंवेदबचनपरमान ॥
जाकुवेगतुमपतिनपहिंतातेंयहजियजान
सुनिहरिबचनप्रमान कर्मधर्ममानैसुखद ॥

भलीकरीनंदराय तुमहमकौंदीनीसुरत ॥
सुरपतिकौंसिरनाय क्षमाकरवतपापसब ॥
बिदाहोयसबगोपसिधाये ❁ घरघरबाजनलगेबधाये ❁ ॥
पूजाकोबिधिकरतसबैमिलि ❁ जिहिंजिहिंभांतिसदाआईचलि
अमितभांतिपकवानमिठाई ❁ होतघरनघरबरनिनजाई
नंदमहरघरबजतिबधाई ❁ गावतमंगलअतिहरषाई ❁ ॥
नेवजकरतजसोदाआतुर ❁ आठौंसिद्धघरहिअतिचातुर
मैदाकेअनेकपकवाना ❁ बेसनकेबहुकरतबिधाना ॥ ❁ ॥
घृतमिष्ठानसबैपरपूरण ❁ मिश्रीकरतपाककोचूरण ॥ ❁ ॥
बिबिधिभांतिपकवानमिठाई ❁ कहांलगिनामकहौंसबगाई
औरनारिब्रजकीसंगलागी ❁ घृतपककरतसबैअनुरागी ❁ ॥
जहांतहांबहुचठीकढाई ❁ जसुमतिसवनसराहतिजाई
जोसामामागतिहैजोई ❁ रोहिणिताहिदेतिहैसोई ॥ ❁ ॥
महरिकरतिरचिऔरनिरारे ❁ धरतजोरिबिधिन्यारेन्यारे ॥
सैंतिसैंतिअतिनेमसोंधरतिअछूतेजात ॥
स्यामकहूंपरसैनहींयहमनमांहिडरात ॥
संककरतमनमांहि सुरपतिपूजाजानजिय ॥
जसुमतिजानतिनांहि सबदेवनकौदेवहरि ॥
खेलततेंसंतनसुखदाई ❁ भीतरआयेकुंवरकन्हाई ❁ ॥
जननीकहतिइहांजिनआवै ❁ लरिकनकौंयहदेवडरावै ॥

रहेठठकिआंगनहिंडराई ❁ मनहींमनहंसिकहतकन्हाई ॥
मैयारीमोहिदेवदिखैहैं ❁ इतनौभोजनसबवहखैहैं ❁ ॥
यहसुनिखीजकहतिहैमैया ❁ ऐसीबातनकहौकन्हैया ॥
जोरिजोरिकरदेवमनावैं ❁ बालककौअपराधक्षमावैं ॥ ❁ ॥
बाहिरचलेस्यामअनखाई ❁ युवतिकहतिहरिगएरिसाई ॥
जानदेउहरिअबहिंअयाने ❁ देवकाजबालककहाजाने ॥
कैहैकहूंस्यामयहभोजन ❁ उनकीपूजाजानेकोजन ❁ ॥
औरनहींहमकाहूजाने ❁ कैसुरपतिकैगोधनमाने ॥ ❁ ॥
यहकहिकहिइंद्रहिसिरनावैं ❁ रामस्यामकीकुशलमनावैं
औरदेवनहितुमहिसरीसा ❁ कहांनहिंकृपाकरैसुरईसा ॥
ऐसेसुरपतियशहितजसुमतिकरतिविधान ॥
द्वारेंबैठेनंदजहांगयेतहांकोकान ॥ ❁ ॥ ❁ ॥
जुरेनंदढिगआय ब्रजकेजेउपनंदसब ॥
बैठेअतिसुखपाय करतबातविधियज्ञकी
दीपमालिकारचिरचिसाजत ❁ पकुपमालमंडलीविराजत
ढोलनिशानबाजनेबाजैं ❁ मुदितग्वालगणजिततितगाजैं ॥
गैयनचित्रविचित्रबनावैं ❁ अंगनआभूषणपहिरावैं ❁ ❁ ॥
सातबरषकेकुंवरकन्हाई ❁ खेलतमनआनंदबढाई ❁ ॥
द्वारनयुवतीचित्रबनावैं ❁ मंगलगानमुदितमनगावैं ❁ ❁ ॥
थयियारचिपुनियापहिंहाथा ❁ पूजादेखिहसेंब्रजनाथा ॥

मोत्रागैसुरपतिकीपूजा ● मोतेंत्रौरदेवकोदूजा ● ● ● ॥
ब्रजबासीमोकौंनहिंजाने ● मोत्रच्छतसुरपतिकौंमाने ● ॥
अबयहमेटौंयज्ञबिहाने ● लीनैभोगबज्ञतदिनयाने ● ॥
ब्रजवासिनपैत्रापपुजाऊं ● गिरिगोवर्द्धननामधराऊं ● ॥
यहबिचारमनमेंठहराई ● गएनंदढिगकुंवरकन्हाई ● ॥
हरषिनंदकनियांबैठाये ● बदनचूमिङरसोंलपटाये ● ॥
तबहरिबोलेनंदसोंमधुरमंदमुसकाय ॥
करतपुजाईकौनकीबाबामोहिबताय ॥
कौनदेवसोत्राहि काहेकौंपूजततिन्हैं ● ॥
मैंनहिजाननताहिकहौमोहिसमझायसब
नंदकह्यौतबसुनऊंकन्हाई ● इंद्रसकलदेवनकोराई ॥
तिनकौंपूजतगोपसदाई ● कुलमेंयहैरीतिचलित्राई ● ॥
तातेंतिन्हैंपूजियेतता ● जातेंकुशलरहैदोउभ्राता ● ● ॥
यापूजातेंसुरपतिहरषै ● ह्वैप्रसन्नतबजलवेबरषै ● ● ॥
तृणत्रनाजउपजतहैजातें ● गायगोपसुखपावततातें ● ॥
यातेंसदायज्ञयहकीजे ● जोगोधनधनकबज्ञनछीजे ● ॥
तबहरिकह्यौसुनऊंनंदताता ● ऐसेंतुमजुकहीयहबाता ॥
जहांइंद्रपूजतनहिंप्रानी ● तहांकहाबरषतनहिंपानी ॥
जवहरिऐसेंबचनसुनायौ ● तबनंदहिउत्तरनहिंत्रायौ ॥
सुनिहरिबचनरहेसकुचाई ● मनहिंकहतत्र्प्रतिचतुरकन्हाई

हैबालकअबहीअतिनान्हा ❁ देवकाजकह्वाजानेकान्हा ❁ ॥
तबचुचुकारिकह्यौनंदराई ❁ सदनजाऊतुमकुमरकन्हाई
ऐसेमेंजिनजाऊकऊंभीरबडीहैतात ॥
कोजानेकिहिंभावकोकितधौंआवतजात ॥
सोयरहौंगोपाल मेरेपलगाजायतुम ❁ ॥
मैंहूंआवतलाला पाछेंतेंतुम्हरेनिकट ॥
तबहरिमनइकबुद्धिउपाई ❁ बैठेआरमहरढिगजाई ❁ ॥
तिनकौंहरियौंकहिसमुझायौ ❁ आजमोहिसपनौंइकआयौ ॥
पुरुषपुनीतएकअतिचारू ❁ चारभुजातनसुभगसिंगारू ॥
तिनमोसौंयौंकह्यौबुझाई ❁ इंद्रहिपूजेकहाबडाई ❁ ❁ ॥
मैंतुमकौंइकदेवबताऊं ❁ गिरिगोवर्द्धनप्रगटदिखाऊं ❁ ॥
यहपूजासबइनहिंचढावै ❁ जातेंमुहमागेफलपावै ❁ ❁ ॥
तुमआगेभोजनसबखैहै ❁ प्रगटआपनौरूपदिखैहै ❁ ❁ ॥
चारपदारथकेयेदाता ❁ अनधनगोधनकेतिकबाता ❁ ❁ ॥
ऐसेदेवछांडिघरमाहीं ❁ तुमपूजतसुरपतिहिवृथाहीं ❁ ॥
कोटिइंद्रक्षणमेंवेमारैं ❁ क्षणहीमेंपुनिकोटिसवारैं ❁ ❁ ॥
गोवर्द्धनसमदेवनदूजा ❁ करऊजायउनहींकीपूजा ❁ ॥
तातेंमोमनमेंयहआई ❁ पूजऊगोवर्द्धनसबजाई ❁ ❁ ॥
चकितगोपहरिबचनसुनिकहतअकथयहबात ॥
सुनेनअबलौंदेवकऊंप्रगटहोयकैखात ॥ ❁ ❁ ❁ ॥

सुनीबातयहनंद सोचतसबछपनंदमिलि ॥
कहाकहतनंदनंद समुरूपरतनहिंसपनयह
सुनियहबातसबनब्रजपाई ❁ देख्यौऐसौसुपनकन्हाई ॥
सुरपतिपूजादेतमिटाई ❁ गोवर्द्धनकीकरतबडाई ॥ ❁ ॥
कोऊकहतकान्हकहैसाची ❁कोऊकहतबातयहकाची ❁ ॥
बालकजानेकहापुजाई ❁ कोऊकहतकहैकोभाई ❁ ❁ ॥
कोऊइंद्रहिकहतसकानें ❁ हमतौकछुयहबातनजानें ॥
हलधरकहतसुनौब्रजबासी ❁ कोमहिमाजानतअविनासी
इनकौबालककरिमतिजानौं ❁ जोहरिकह्यौसत्यकरिमानौं
नंदनिकटजोगोपसयानै ❁ हरिकौबलप्रतापसबजानै ❁ ॥
कहतनंदसौंतेसुखपाई ❁ कीजैसोइजोइकहतकन्हाई ॥
कहतनंदतबसबनसुनाई ❁ मेरेहूमनमैंयहआई ❁ ❁ ॥
हरिकौसुपनझूठनहिंहोई ❁ हैप्रतीतमेरेमनसोई ❁ ❁ ॥
कालीकौसुपनौहरिदेखै ❁ भयोप्रातहीतासुविशेखै ❁ ॥
तातेंसोईकीजियैकान्हकहैजोइबात ❁ ॥
सबब्रजबासीपूजियैगोवर्द्धनचलिप्रात ❁ ॥
यहीमंत्रठराय बूझतहरिसौंहरषिसब ॥
कहौकान्हसमझाय कौंनभांतिगिरिपूजियै
हरषियाभतबसबिनिबुलायौं ❁ इंद्रयज्ञहितजोबनायौ
बहुव्यंजनपकवानमिठाई ❁ सोसबसकटनलेऊभराई ❁ ॥

नाचतगावतसहितहुलासा ॥ चलहुसकलगोवर्द्धनपासा ॥
तहांजायगिरिवरहिमनाई ॥ पूजहुबहुबिधिभोगलगाई ॥
मांगिमांगितुमसेंगिरिखैहैं ॥ मुहमांगेतुमकौंफलदैहैं ॥ ॥
मेरौकह्यौसत्यकरिमानौ ॥ मेरौसपनझूठजिनजानौ ॥ ॥ ॥
यहपरचौतुमआंखनिदेखौ ॥ तबहिमोहिसाचौकरिलेखौ ॥
जोचाहौव्रजकीठकुराई ॥ तौपूजौगोवर्द्धनराई ॥ ॥ ॥ ॥
कान्हरजोकछुआज्ञादीनी ॥ सबहिनबातमानसोलीनी ॥ ॥
कहहिंपरस्परसबसुखपाई ॥ चलहुगोवर्द्धनकहतकन्हाई ॥
ब्रजघरघरसबहोतकुलाहल ॥ फिरतगोपआनंदउमाहल
मिलतपरस्परअंकमदैदै ॥ सकटनसाजतभोजनलैलै ॥ ॥ ॥
बहुव्यंजनपकवानबहुबहुतमिठाईपाक ॥
रसगोरसमेवाबिबिधिअमितभांतिकेशाक ॥ ॥
षटरसकेसबभोग कछुसकटनकछुकावरन ॥
गृहगृहतेंव्रजलोग लैलैगिरिपूजनचले ॥ ॥
नंदमहरकेघरकीसामा ॥ कहांलगिबर्णबताऊंनामा ॥ ॥ ॥
सहससकटपकवानमिठाई ॥ रसगोरसबहुभारभराई ॥
नंदसदनतेंलैबहुग्वाला ॥ चलेअग्रउरहर्षविशाला ॥ ॥ ॥
पटभूषणसबगोपनसाजे ॥ भांतिअनेकबाजनेबाजे ॥ ॥ ॥
नंदमहरअरुमहरजितेका ॥ औरगोपबहुभीरअनेका ॥
बलराजअरुकुमरकन्हैया ॥ सुभगसिंगारकियेदोउभैया ॥

सखावृंदसुंदरसबलीन्हें ❁ कोटिकामछविलज्जितकीन्हें ॥
शोभितनंदमहरकेसाथा ❁ चलेसकलपूजनगिरिनाथा ॥
जसुमतिश्ररुरोहिणिमहतारी ❁ नंदगांवकीश्ररुजेनारी ॥
भूषणबसनसंवारिसंवारी ❁ चलीहरविउरश्रानंदभारी ॥
पुरबृषभानश्रादिजेग्रामा ❁ चलीसकलगोपनकीबामा ॥ ❁ ॥
श्रीराधावृषभानदुलारी ❁ ललितादिकसबगोपकुमारी ❁ ॥
नौसतसाजसिंगार श्रतिपटभूषणबहुरंग ॥
यूथयूथजुरिकैचलीकीतरजूकेसंग ॥ ❁ ॥
सबकेमनयहकाम देखनकोहरिरूपदृग ॥
परममुदितसबबाम सबकेमनमोहनबसे ॥ ॥
चंद्रबदनसीसबमृगनैनी ❁ सकलसुघरसबकोकिलबैनी ॥
नवयोबनतनसबछविप्रवीना ❁ सबकोमनमोहनश्राधीना ॥
चलीसकलगोवर्द्धनघांहीं ❁ भईभीरश्रतिमारगमांहीं ॥
सकटबृंदश्ररुगोपसमूहा ❁ जातचलेयुवतिनकेजूहा ❁ ॥
कौतुककरतगोपगणराजें ❁ तालमृदंगश्रनेकनबाजें ॥ ❁ ॥
कोउगावतकोउनाचतजाहीं ❁ कोउठाढेमगपावतनाहीं ॥
कोऊसकटनसोजसंवारे ❁ कोऊएकनएकपुकारे ॥ ❁ ॥
गावतिमंगलगोपकुमारी ❁ निरखिस्यामछविहोंतिसुखारी ॥
होतकुलाहलश्रतिमगमाहीं ❁ कोऊबातसुनतकछुनाहीं ॥
कौतुकस्यामदेखिहर्षांहीं ❁ श्रतिउत्साहसबनमनमाहीं ॥

सखनसंगखेलत हरिजाहीं ❀ सबकीसुरतस्याकेमाहीं ❀ ॥
ब्रजबासिनकीभीरसुहाई ❀ उपमामेपैबरणिनजाई ❀ ॥
॥ उपमानमेपैजातिबनीभीर अतिसुंदरभई ॥
॥ बढ्यौआनंदसिंधुकौसुखविविधितनधरसोहई
॥ छबिउजागरनगरकैधौंसुकृतपुंजसुहावने ॥
॥ तिनमध्यसबकेस्यामनायकसबहिलायकपावने ॥
नंदमहरउपनंदसबस्यामरामदोउभाय ❀ ॥
पहुंचेगोवर्द्धननिकटनिरखिशिखरसुखपाय
उतरेसहतसमाज चहूंओरब्रजलोकसब ॥
मधिशोभितगिरिराज कोटिकामशोभासरस ॥
चहुंदिसफेरकोसचौरासी ❀ उतरेघेरसकलब्रजबासी ❀ ॥
ब्रजबासिनकीभीरअपारा ❀ लगेचहूंदिसचारबजारा ॥ ❀ ॥
वस्तुअनेकबरणिनहिंजाई ❀ बिनमोलहिसबसोजबिकाई
ठौरठौब्रजयुवतीगावैं ❀ जहंतहंनटवानाचदिखावैं ॥ ❀ ॥
कहूंविदूषकहासहंसावैं ❀ हरषमांझअतिहरषबढावैं ❀ ॥
नरनारीसबपरमहुलासा ❀ अतिआनंदउमगचहुंपासा ॥
बूझतपूजनबिधिनंदराई ❀ अधिकारीतहंकुंवरकन्हाई ॥
कह्यौकन्हतबविप्रबुलावो ❀ प्रथमयज्ञआरंभकरावो ॥ ❀ ❀ ॥
पूर्ववेदबिधितिनसोंलीजै ❀ वाहीबिधिगिरिपूजाकीजै ❀ ॥
तनहिंविप्रनंदरायबुलाये ❀ आदरसहिंतगोपलैआये ❀ ॥

सुनिबानीहरिनागरिनटकी ❁ दैदैसैनयुवतिसबमटकी ॥
मनहीमनअतिहरषबढाई ❁ बोलीहरिसोंतबमुसकाई ❁ ॥
ऐसेंकह्यौबनजकौअटके ❁ अबलौंस्यामकहांतुमभटके ❁ ॥
हमहूंकहिमनमांरुजजाई ❁ कहामांगतदधिदानकन्हाई
बणिजहतुरोकीअबजानी ❁ तबहीक्यौंनकहीयहबानी ॥
हंसिबोलीराधाकुंवरिकहाबणिजहमपास ॥
कहौस्यामसोनामधरिदेहिंदानहमतास ❁ ॥
भूलेकहाकन्हाय बणिजकहायुवतीकरत ॥
कासोंलियैचुकाय सोहमकौंबतलाइयै ❁ ॥
कहौतुमहिंबूझतकहहमहीं ❁ लैलैनामबतावौतुमहीं ❁ ॥
तुमजानतिमैंहूंकछुजानौ ❁ तुमपैमालसुनाहिंछिपानौ ❁ ॥
डारिदेऊजापरजोलागै ❁ फिरनकछूतुमसोंकोउमांगै ॥
इतनेहीकौंखरतबृथाहीं ❁ देखौसमुझसबैमनमाहीं ॥ ❁ ॥
कहतिपरस्परग्वालिसयानी ❁ समझतिहौकछुइनकीबानी
इनहींसोंबूझौसबकोऊ ❁ कहाबतावतसुनियेसोऊ ❁ ❁ ॥
हरिकोगूढमधुररसबातें ❁ सुनिसुनिसुखपावतिसबजातें ॥
कोउकाहूकौभेदनजाने ❁ लोकलाजडरसबकोऊमाने ❁ ॥
मनमनहर्षभईसबसुंदर ❁ जानहिंहरिसबरसिकपुरंदर
तबबोलीहंसिकैब्रजबाला ❁ कहतनाहिंक्यौंतुमहिगुपाला ॥
कहामालदेख्यौहमपाहीं ❁ जिहिंकारणरोकीबनमाहीं ❁ ॥

वैलखदायेदेखौहमकौं ❁ कहौहमैंबूझतिहैंतुमकौं ❁ ❁ ॥
लैंगजायफरलायचीगिरीछुहाशदाख ॥
कहालादेहमजातिहैंसोकहियेकिनभाख ॥
दीजैवणिजबताय ताकोदेहिंजगातहम ॥
तुमकौंनंददुहाय जोअबवेगकहौनहीं ॥
कौनवणिजकहिमोहिबतावौ❁लौंगमिरचकहिकाहिबहिकावौ
तुमतौमालगयंदलदायौ ❁ महिसबूषभकहिमोहिसुनायौ ॥
बडेमोलकीवस्तुजुहोई ❁ कैसेंदुरतदुशयेसोई ॥ ❁ ❁ ❁ ॥
मोआगेतुमकहाछिपावौ ❁ देहौदानजाननवपावौ ❁ ॥ ❁ ॥
भयेचतुरहरितुमअबजानी ❁ दधिकौदानमेटियहठानी ॥
देतीदहीकछुकहमछोहन ❁ खातेलैग्वालनसंगमोहन ❁ ॥
इनबातनअबखोयैसोऊ ❁ यहकहियुवतीहंसिसबकोऊ ॥
स्यामकहीमैंजाननतुमकौं ❁ छूधेदाननदैहौहमकौं ❁ ❁ ॥
दधिमाखनतौलैहौंछोरी ❁ उठिकरभुजगहिगहिझकझोरी
तबपीतांबरझटक्यौप्यारी ❁ कहतिभईतुमढीठमुरारी ❁ ❁ ॥
हरिरिसकरिअंकमगहिलीनी ❁ इहिंमिसिभेटप्रेमकीकीनी
छूटगईप्यारीउरमाला ❁ तवघेरेयुवतिननंदलाला ❁ ❁ ॥
गहिगहिअंकमलेतसबझगरतरसहिबढाइ ॥
हंसतसखासबलारदेपकरेगयेकन्हाइ ❁ ॥
हांकदईनंदलाल तबहिसखनललकारकै ॥

धायपरेसबग्वाल लीनेस्यामछुडायतब ॥
रिसकरिबोलेग्वालसयाने ● भईढीठहरिकौंनहिंजाने ॥
हमभईढीठभलौतुमकीन्हौ ● दैहौ ज्वाबदईकौंचीन्हौ ● ॥
वनभीतररोकीसबबाला ● देखौहमेंकियोजंजाला ● ॥ ● ॥
बातकहनकौंएहुआवत ● बडेसुधर्मीआपकहावत ● ● ॥
ऐसीसाखसखाकोभरिसब ● आवउगेन्हपजीतसबैतब ● ॥
जानीबाततुम्हारीसबकी ● नजउख्यालजरिकाईतबकी ॥
जोयुर्वातनकौंहाथलगैहौ ● कियौआपनौतौतुमपैहौ ॥ ● ॥
जोयहबातघरनसुनिपैहैं ● मातपिताहमकौंकहाकैहैं ● ॥
तौसौमुक्ताहारकन्हाई ● घरहिकहाकैहैंहमजाई ● ॥
आपनभईसबैतुमभोरी ● हरिकौंदोषलगावतिगोरी ● ● ॥
जबतुमरुटकीपीतपिछोरी ● तबउनमोतिनकीलरतोरी ॥
मंगतदानस्यामकबसेती ● तुमअठिलातिज्वाबनहिदेती ● ॥
लेहिंछोरिसबतेंअबहिं देखतहीरहिजाउ ॥
रुकजोरुरुरीकरतिनंदनंदहिनडराउ ॥
कोत्रिभुवनकेमाहिं मोहनकीसरदूसरै ॥
तुमसबजानतिनाहिं नंदनंदनब्रजराजसुत
कहाबडाईइनकीखरिमैं ● इनकौंजानतिनीकेकरिमैं ● ॥
न्हपतित्रासबसुदेवनिकारे ● नंदजसोमतिनेप्रतिपारे ● ॥
आयेहैंश्रुभघरकेमाहीं ● काह्नबदततातेहितेंनाहीं ● ● ॥

पहिलेजबउनभुजाफकोरी ❁ तबहमरटकीपीतपिछोरी ॥
यातेंढीठकहीतुमकौंहम ❁ स्यामहिंफिरकनहारभईतुम ॥
इतनेपरमानतनहिंहारी ❁ तबतेंहमैंदेतहौगारी ❁ ॥ ❁ ॥
बहुतसहीहमबाततुम्हारी ❁ बणिजकरतिअरुफगरतिग्वारी
ब्रजऊपरमनमोहनदानी ❁ अबलौंतुमयहबातनजानी ॥
बोलिउठेतबकुंवरकन्हाई ❁ अबनहिंछोडैंनंददुहाई ॥
अबतौदावआपनौलैहौं ❁ तबहीजानसबनकौंदैहौं ❁ ❁ ॥
कौनबातयहकहतकन्हाई ❁ मांगतकहाजाननहिंजाई ॥
फिरफिरकरिकरिनंददुहाई ❁ डरपावतिहौहमकौंआई
डरपावहुतुमजायतिन्हजोकोउतुम्हैंडराहिं ॥
यहांडरावतकौनकौंतुमतेंघटहमनाहिं ॥ ❁ ॥
जैहैंजसुमतिपाहिं तोसौंहारभलीकरी ॥
यहौबनतपैनाहिं इतनौधनकहांपायहौ ॥
एकहारमोहिकहाबतावौ ❁ सबअंगभूषणकाहिदुरावौ ॥
मोतीमांगजराऊटीकौ ❁ करणफूलबेसरनगनीकौ ❁ ❁ ॥
कंठसिरीदुलरीतिलरीगर ❁ तापरऔरहारजोचौसर ॥
सुभगहमेलविजौटाबाजू ❁ कंकणपहुंचिनमुंदरिनसाजू ॥
कटिकिंकिणिनूपुरपगदेखौ ❁ जेहरबिछियायेसबलेखौ ॥
शोभासाजऔरअंगमाहीं ❁ सबकौनामलेतिक्यौंनाहीं ❁ ॥
याहूमेंकछुबांटतुम्हारै ❁ अचरजआयसुनौरीभारै ❁ ❁ ॥

भूषणदेखनसकतहमारे ॥ याहीलियेभयेघटवारे ॥ ॥
आपनहूंकछुदईगवाई ॥ महरिजसोमतिकैनंदराई ॥ ॥
आईपहरिजितौहमजाहीं ॥ यातेंदूनौहैघरमाहीं ॥ ॥
देखिपरतकछुबहुतलुभाने ॥ बनधींसूनौलखिललचाने ॥
बांटकहातौलौंसबमेरे ॥ जौलौंतुमनहिंदाननिवेरे ॥ ॥
आभूषणकोंकहाकहतबहुतवस्तुतुमपास ॥
मानौमैंजानतनहीसोकिनकहतप्रकास ॥ ॥
लैहौंसबकोदान समफलैहिंगेबांटिपुनि ॥ ॥
पैहौतबहीजान मैंतुमसेंसांचीकहत ॥ ॥ ॥
भयेस्यामऐसेरसनागर ॥ युवतिनमेंअबहोतउजागर ॥ ॥
कालहिगायचरावनजाने ॥ छाकिमांगिग्वालनसंगखाते ॥ ॥
कांधेकामरिलकुटीहाथा ॥ बनमेंफिरतेबच्छरुनसाथा ॥ ॥
आजपीतपटकटिकसिआये ॥ लैकरलकुटीबड़ेकहाये ॥ ॥
भयेकछूअबनवलसुजाना ॥ मांगतयुवतिनसोंयहदाना ॥ ॥
दैहौदानकिफगरतिहौतुम ॥ बहुततुम्हारीबातसुनीहम ॥
प्रथमदानजंजालनिवारिये ॥ तापाछैतुमहमहिंनिदरिये ॥
कहतकहानिदरेसेहोतुम ॥ सहजहिबातकहतितुमसेंहम
आदहितेंतुमकोंपहिचाने ॥ दानकहासोहमनहिजाने ॥
ग्वालिनचलीसबैरिसकरिकरि ॥ दधिमटुकीमाथेपरधरिधरि
नबहरिगहिअंचरफफकारी ॥ जातिकहांहौरीबनजारी

इतनौबणिजलियेतुमजाहू ● बिनादानक्यौंहोतनिबाहू ॥
नामतुम्हारेबणिजकेसबमैंदेऊंबताय ॥
देऊदानतबमोहितुमदेखऊसबठहराय
सबक्यौंछोड्यौजात एकहोयतौछोडिये ॥
तुमबिचारयहबात देखऊअपनेचित्तमें ॥
एतीवस्तुलियेतुमजाओ ● दानदेतिमेरेखिजराओ ● ● ॥
मत्तगयंदतुरंगमतुमसैं ● कैसेंदुरतदुरायेहमसैं ॥ ● ● ॥
हंसमोरकेहरमृगबारे ● कनककलसमदरससैंभारे ● ॥
चमरसुगंधकपोतकीरबर ● कोकिलविद्रुमवज्रधनुषसर ॥
एतौधनखगमृगतुमपाहीं ● कैसेंनिवहतदानबिनाहीं ● ॥
सुनियहचकितकहतिब्रजबाला ● कहाबतावततुमनंदलाला
तिनकौनामलेतहमपाहीं ● जोहमसपनेदेखौनाहीं ● ॥
कहांतुरंगमगजहमपाये ● कबहमकंचनकलसगढाये ● ॥
मानसरोवरहंसरहाहीं ● चमरधनुषसरकहाकहाहीं ● ॥
येसबहमपैकहाबतावौ ●जहांहोयतहांदानचुकावौ ॥ ● ॥
इतनौसबैतुम्हारेपाहीं ● करिबिचारदेखौमनमाहीं ● ॥
अपनेसबअंगअंगनिहारौ ● जोबनरूपऔरहैन्यारौ ॥ ● ॥
करऊनिबेरौबेगसबकाहेकरतिअबेर ● ॥
कहौतुमऊंककुहमकहैं घरकौजाऊसबेर ॥
दीजैदानचुकाय अबजान्यौअपनौबणिज ॥

कहौंफेरिसमझाय जोकछुधोखोहोयचित ॥

चमरचिकुरभ्रूधनुषसंवारे । सरकटाक्षमृगदृगकजरारे ॥
कंठकपोतकोकिलाबानी । रदहीरसुकनाकबखानी ॥
अधरसधरविद्रुमसोजानौ । है मयूरघूंघटपटमानौ ॥
कंचनकलसउरोजनिहारै । जोबनमदरसभरेविचारै ॥
कटिकेहरकेरूपसुहाई । हंसगयंदचालछबिछाई ॥
सौरभअंगसुगंधसुहायौ । जोबनरूपनजातबतायौ ॥
इतनौहैसबबणिजतिहारै । होयअंससोदेहुहमारै ॥
घेरिकियेनिबहैगीकैसें । लैहौंदानदेहुगीजैसें ॥ ॥
यहसुनिहंसिबोलीब्रजनारी । अबसमुझीहरिबाततुम्हारी
मांगतऐसौदानकन्हाई । जानपरीप्रगटीतरुणाई ॥
याहीलालचअंकभरतहौ । पुनिपुनिगहिअंचरझगरतहौ ॥
अपनीओरदेखतौजीजै । तापाछैंबरियाईकीजै ॥ ॥

याहीलालचफिरतहौसखानियेबनसंग ॥
घेरतहौयुवतीनकौंप्रगट्यौअंगअनंग ॥
बैठरहौघरजाय यहमतिचितमेंमतधरौ ॥
घटिमर्यादाजाय ऐसीबातनसौंललाकी ॥

यहसुनिविहसकह्योबनमाली । कतहमपररिसकरतिगुवाली
सूधेहमइकबातबखानी । तुमकतशोरकरतिअनखानी ॥
कबहुघटावतिहौमर्यादा । कबहूजोइसोइकरतिविवादा

प्रातहिंनैंझगरतिबिनकाजे ● दाननिबेरजातिंनहिंसाजे ॥
बेटीबहूबडेघरकीहौ ● कतबिलंबबनमेंकरतीहौ ● ॥ ● ॥
हरियैंाकबतेंभयेसयाने ● उलटहितुमहमपरसतराने ● ॥
बूझियेतुमसोहमजोबखाने ● सोतुमकहूआगेसतराने ● ● ॥
कहियेमोहनबातबिचारी ● कहवावतसरवज्ञबिहारी ● ॥
परगटऐसोदानसुनावत ● हमरौब्रजउपहासकरावत ● ॥
परैबातहमरानेजाई ● तुमहिलाजकैहमहिंकन्हाई ● ॥
ब्रजमेंजोयेबातसुनेंगे ● जातपंतिकेलोगहंसेंगे ● ॥ ● ॥
जानदेऊअबहमहिगुपाला ● कहियैाप्रातफेरिनंदलाला ॥
बोलउठ्यौइकसखातबसुनऊग्वालिनीबात ॥
प्रीतिकरतनंदलालसोंकतबावरीलजात ॥
हरिसंगकरऊविहार नवलस्यामनवलातुमऊ ॥
हसनदेऊसंसार भलौमनावौकान्हकौ ॥ ● ● ॥
सुनिबोलीब्रजयुवतिरिसाई ● कहवावतयह बातकन्हाई ॥
आपुनजोबनदानबताबत ● तापरजोइसोइसखनसिखावत
बनमेंसबनघेरबैठाई ● करतस्यामतुमअतिलंगराई ● ॥
भूलिगयेवेदिवसकन्हाई ● घरघरमाखनखातचुराई ● ॥
खीजतहौदृगनीरचुचाते ● डरडरातगृहकौंभजजाते ● ॥
बांधेऊखलजबहिजसोदा ● हमहिछुडायलियेतबगोदा ॥
अबभयेबडबढीचतुराई ● तातेंजोबनदानसुनाई ● ● ॥

लरकाई कीबातबखानै ॐ कैसोभई कहाहमजानैं ॐ ॐ ॐ ॥
कबधौं खायौमाखनचोरी ॐ मैयाधौंबांधेकबडोरी ॐ ॐ ॐ ॥
नेकउतांकीसुधिनहिजानै ॐ मानअमाननतबहमनाने ॥
भलेबुरेकौज्ञाननहोई ॐ अपनौपरकछुसमरुनकोई ॐ ॥
खेलतखातहरषहीमाहीं ॐ बालपनेकेदिवसबिहाहीं ॐ ॥
अपनीसुरतकरतनहींन्हातियमुनकेतीर ॥
कदमचढायेसबनकेजबमैंभूषणचीर ॥ ॐ ॥
जबमैंरहीछुपाय बिनाबसननागीसबै
पुनिपुनिहाहाकराय दियेबसनमैंसबनतब
बिनाबसनबाहिरसबआई ॐ हाथजोरिमोहिबिनयसुनाई
कैसीभांतिभईतबसबकी ॐ सोसुधिभूलिगईअबतबकी ॐ ॥
मोकौंकहतिचोरिदधिखायो ॐ ऊखलसोंहमजायछुडायो ॥
भेदबचनजबकहेबिहारी ॐ सुनिकेहंसिसकुचीब्रजनारी ॥
कहतभयेअतिनिलजकन्हाई ॐ ऐसीकहतनसकुचतराई
जाऊचलेलोगनकेआगे ॐ झूठीबातबनावनलागे ॐ ॐ ॐ ॥
करतहंसीतुमसखनसुनाई ॐ निजनिजगृहसबकहिहैंजाई
झूठीबातकहाहमजाने ॐ हमतौसांचीसदाबखाने ॐ ॐ ॥
जैसीभांतिभजैमोहिकोई ॐ मानतमैंताकौंतैसोई ॐ ॐ ॐ ॥
जोझूठैमोकौंतुमजानौ ॐ तौकतमेरेहितठानौ ॐ ॐ ॥
जोतुमअपनेमनमेंठानी ॐ मैंअंतरजामीसबजानी ॐ ॐ ॥

अबक्यौं इतौ निठुर मन कीनौ ❁ काहे दान जान नहिं दीनौ ॥
दान सुने रिस होति है यह नहिं हमैं सुहाइ ॥
भली बुरी अरु जो कहौ सो सहलैंहिं कन्हाइ ॥
छांडि देउ सब जाहिं सुनिये मोहन लाल अब ॥
भई बेर बन माहिं मात पिता खिजहैं हमैं ❁ ॥
काहे कौं तुम करति अबारी ❁ दधि बेचउ घर जाउ सबारी ॥
मैं कहा करौं तुम्हैं यह भावत ❁ लेखौ करि नहिं दान चुकावत ॥
शुद्ध सुभाव समुझि सब कोई ❁ लेखौ करि दैहौ मोहि जोई ❁ ॥
तब सोई तुमसौं मैं लैहौं ❁ तब ही तुम्हैं जान पुनि दैहौं ❁ ❁ ॥
काहे कौं हमसौं हरि लागत ❁ जानन परत कहा तुम मांगत ❁ ॥
बातन कछू जनावत नाहीं ❁ लेखौ कहा करत हम पाहीं ❁ ॥
निपट हि परे हमारे ख्याला ❁ इन बातन कहा पावत लाला ॥
अब तुम निपट करी बड़ताई ❁ सुनि हंसि हैं ब्रज लोग लुगाई ॥
मारग जिन रोकौ हम जाहीं ❁ घर तें ली जो दान उगाहीं ❁ ॥
अब लौं यह है कियौ तुम लेखौ ❁ हम तुम रौ बिचार सब देखौ ❁ ॥
मो कौं ऐसी बुद्धि सिखावत ❁ कर कंकण दरपन हि दिखावत ॥
तुम्हरी बुद्धि दान हम लैहैं ❁ काहि न जान तुम्हैं हम दैहैं ॥ ॥
आप भई तुम चतुर सब मो कौं करति गंवार ॥
उगहत फिरि हैं दान हम ठाढ़े ह्वै ह्वै द्वार
तुम्हैं देउं घर जान फेरि कहौ पाऊं कहां

जापैपैहौंदान न्टपहिज्वाबकहादेउंगौ ॥
भलीभई न्टपमान्यौतुमहूं ❁ चलिहैंकंसहिपैअबहमहूं ❁ ॥
तबतेंलैनकहतहेदानहिं ❁ नंदमहरकीकरिकरिआनहिं
हमहूंअबलौंऐसीजानी ❁ भयेस्यामघरहीतेंदानी ॥ ❁ ॥
अबजान्यौतुमकंसपठाये ❁ न्टपतेंदानपहारितुमआये ❁ ॥
सुनिहरियेगोपिनिकेबैना ❁ हंसेकछूतिरछेकरिनैना ❁ ॥
सोछविनिरखिकहतिब्रजनारी ❁ कहाहंसेमुखमोरिमुरारी
सोईकहौमनहिजोआई ❁ तुमकौंजसुमतिनंददुहाई ❁ ॥
औरसौंहतुमकौंगोधनकी ❁ सांचीबातकहौतुमसनकी ❁ ॥
हंसेकहाहमसौंकछुरीझे ❁ कैधौंकछुमनहीमनखीझे ❁ ॥
यहसुनिअधिकहंसेगोपाला ❁ कहतश्रीदामासौंनंदलाला
यहअचरजइनकौतुमहेरौ ❁ कहतिकहातुमहंसिमुखफेरौ ॥
ऐसीबातनसौंहदिवावत ❁ तातेंअधिकहंसीमोहिआवत ❁ ॥
तबहिंश्रीदामातियनसौंबोलिउठ्यौमुसकाय ॥
हंसतस्यामतुमसमझिकैबूझतिसौंहदिवाय ❁ ॥
हमनदिवावैंआन हंसऊतुमऊंनिजसंगमिलि
यहैअनैसीबात थोरेमेंखिसियाततुम ❁ ॥
सहजहंसतनाहिनसकुचैयै ❁ नाहिनलोगनसौंहदिवैयै ॥
वेहैंदानीप्रभुसबहीके ❁ देऊदानमांगतकबहीके ❁ ॥ ❁ ॥
हमजानतिवेकंवरकन्हाई ❁ प्रभुतुम्हरेमुखअबसुनिपाई ॥

होतिनहीप्रभुताइहिं भांती ❁ दहीमहीकेभयेजगाती ❁ ॥
वेठाकुरतुम्हरीशिवकाई ❁ जानेप्रभुअरुसबप्रभुताई ❁ ॥
दधिखायौअरुभूषणतोरे ❁ छांडिदेऊअबदई निहोरे ❁ ॥
जोकछुबचौसोऊअबलीजै ❁ क्यौंहूंजानहमैंघरदीजै ❁ ॥
तबहंसिबोलेश्यामसुजाना ❁ तुमघरजाऊदेइकैदाना ❁ ॥
आयौहांपठयौमैंजाकौ ❁ देउंकहांलैकैपुनिताकौ ❁ ❁ ❁ ॥
अबहीपठवैमोहिबुलाई ❁ तबताकेसनमुखकोजाई ❁ ❁ ॥
तुमसुखकरौजायघरमाही ❁ नृपकीगारिमारकोखाही ॥
जबनृपबरमोकौंअटकावै ❁ तबपुनितुमविनकौंनछुरावै ❁ ॥
लेतनाममुखनृपतिकौजामुखनिदखौजाहि ॥
आपुनतौनृपनृपतिकेअबकहासमुझेताहि ॥
लियौकंसकौनांव ऐसीतुम्हैंनबूझिये ❁ ॥
भलेश्यामबलिजांव जिहिंनिंदियेतिहिंबंदिये
जवहमकंसदुहाईदीनी ❁ तबतौतुमनृपपररिसिकीनी ॥
अबैकहानृपकीसुधिआई ❁ जोतुमऐसेडरेकन्हाई ❁ ॥
कहाकह्यौकछुजाननपायौ ❁ कबहमकंसहिसीसनवायौ ॥
कबहमनामकंसकौलीनौ ❁ कंसत्रासकबधौंहमकीनौ ❁ ॥
निपटभईतुमग्वारिगंवारी ❁ बसतहमारेगांवमझारी ❁ ॥
कितककंसजाकौंहममाने ❁ कहात्रासताकौउरआने ॥
तुम्हरेमनेबातयहआवत ❁ कंसनृपतिकेहमकहवावत ❁ ॥

तौतुमकहौकौनन्दपजाके ● आपुनकहवावतहौताके ● ● ॥
ताकौनामहमकछुंसुनिपावैं ● हमकछुंपुनिताकेकहवावैं ● ॥
यासंसारलोकत्रयमाहीं ● दूजौकंसन्दपतितैंनाहीं ● ● ॥
सोन्दपबसत्तकहांसोऊजाने ● तौहमसबताहीकौमाने ● ॥
यहसुनिहमअबअतिडरपायौ ● कैधौंझूठहिहमहिडरायौ
जान्दपकेहमहैंअरीकोनहिजाननताहि ॥
जडचेतननरनारिसबतिहूंभुवनबसजाहि ॥
बसतसुमनपुरमाहि कहांलगितिन्हैंप्रसंसिये
सबमाननहैंजाहि तिनपठयौमोहिपानदै ॥
सुनतगूढमोहनकीबानी ● बोलीब्रजसुंदरीसयानी ● ॥
जातितुम्हारेन्दपकीपाई ● अबलौंराखीकहांछिपाई ● ॥
जैसेतुमतैसेओऊहैं ● एकरूपगुणकेदोऊहैं ॥ ● ● ● ॥
यहअनुमानकियौमनमेंहम ● एकैदिनजन्मेंदोऊतुम ॥
जैसीप्रजातैसेईराजा ● बन्यौभलौअबसंगसमाजा ॥ ● ॥
चोरीठगीनिपुणगुणदोऊ ● यापटतरकौऔरनकोऊ ● ॥
बोलतनाहिंनबातसंभारी ● ठगतिफिरतिठगनीतुमनारी ॥
भईछीठनहिंनेकुबिचारै ● आवतमुखसोईकहिडारै ॥ ● ॥
अपनेगुणऔरनपरडारी ● जातिजनावतिदैदैगारी ॥ ● ॥
हमभईठगनीअरुबटपारी ● तुमभयेकान्हसुधर्माभारी ॥
अपनेन्दपकौयहैसुनावौ ● ऐसियेचुगलीजायलगावौ ● ॥

राजाबडेजानयह्रपाई ❁ स्यावकुहमपरधैंसचढाईं ॥ ❁ ॥
तुमतौठगआइबेबनेबनमेंराकीनारि ॥
हमैंकहौकाकैंठग्यौकोहमडारयौमारि
तुमहीजानतस्याम यंत्रमंत्रटोनाठगी ❁ ॥
ठगतफिरतसबबाम आपनढंगऔरनकहत
मौनगहौबातेंसबपाई ❁ यहैजानिहमपरचढिआई ॥ ❁ ॥
जोचाहौसोईकहिडारौ ❁ हमनहिमानैविलगतिहारौ ❁ ॥
तुममोहीकौंदोषलगायौ ❁ मैंतौन्टपकौपठयौआयौ ॥ ❁ ॥
जोबनरूपलियेतुमइतही ❁ आवतिहौइहिंमारगनितही
लोचनदूतनजायसुनायौ ❁ तबन्टपरिसकरिमोहिबुलायौ
शैशवमहलनतेंन्टपराई ❁ बैठ्यौसिंहासनतरुणाई ॥ ❁ ॥
तुरतहिमोहिदानपहिरायौ ❁ दैबीरातुमपासपठायौ ॥ ❁ ॥
तिनकौनामअनंगभुआला ❁ उनकौदानदेऊब्रजबाला ॥
तिनकीआनकहतहौंकीने ❁ पैहौजानिदानकेदीने ॥ ❁ ॥
सुनियहमोहनकेमुखबानी ❁ प्रेमसिंधुयुवतीमगनानी ❁ ॥
कामन्टपतिकीफिरीदुहाई ❁ अटक्यौजोवनरूपहिआई ॥
कोहमकहांरहतिकहांआई ❁ यहसुधिबुधितनदसाभुलाई
त्रसतभईडरमदनकेनैनमूंदिधरिध्यान ॥ ❁ ॥
कहतिकान्हअवशरणहमलीजैसरवसदान ॥
ऐसेंकहिमनमाहिं देहदसाभूलीसबै ॥

लेऊस्यामबलिजाहिं यहधनतुमहितसंचियौ ॥

जोबनरूपनाहिंतुमलायक ❁ सकुचततुम्हैंदेतिब्रजनायक

नवलकिशोररूपगुणआगर ❁ अहोस्यामसुंदरबरनागर

यहयोवनधनतुमढिगऐसें ❁ जलधिनिकटजलकणिकाजैसें

ध्यानमगनइहिंबिधिब्रजनारी ❁ मनहींमनबिनवतिबनवारी

अंतरजामीहरिसबजानै ❁ मनहींकीकरनीसबमानै ❁ ॥

मनहीसबनमिलेसुखदाई ❁ तनकीसुरतसबनलबआई ॥

खुलगयेनैनध्याननैंतवहीं ❁ देखेमोहनसन्मुखसबहीं ❁ ॥

तबजान्यौहमबनमेंठाढी ❁ सकुचगईअतिअचरजबाढी ॥

कहतिपरस्परआपसमाहीं ❁ कहांहतीहमजानिनजाहीं ॥

स्यामविनायहचरितकरैको ❁ ऐसीबिधिकरिमनहिंहरैको

रहीचकितसीसबब्रजनारी ❁ बोलिउठेतबकुंजबिहारी ॥

कहाठगीसीहौब्रजबाला ❁ पस्यौकहाउरशोचबिशाला ॥

कह्यौदानलेखौकछूरहीजहांतहांसोच ॥

प्रगटसुनावौसोहमैंदूरकरौसबसोच ❁ ॥

बऊरिनरौकैकोय यागममेंकोऊतुम्हैं ❁ ॥

निसिवासरभयखोय सुखसौंआवऊजाऊनित

हमैंऔररोकैसोकोहै ❁ रोकनहारसुवननंदकोहै ❁ ❁ ॥

टोनाडारतसीसहमारे ❁ आपरहतठाढेहैन्यारे ॥ ❁ ❁ ॥

जाकेकामनृपतिकौजोरा ❁ ठगतफिरतयुवतिनबरजोरा ॥

सुनऊंस्यामबूझियनहीऐसी ❁ तुमकौंबानपरीयहकैसी ॥
मैसेंहूअबलपाकरौहरि ❁ जाहिंसबैअपनेअपनेघरि ॥ ❁ ॥
दानमानघरकौंसबजाहू ❁ बऊरिनमेरौकौंगोकाहू ❁ ॥
मैंहूंजाननहींकछुलेखौ ❁ तुमहूंआपसमुझिमनदेखौ ❁ ॥
पिछलौदेऊनिबेरआजसब ❁ आगेपुनिदीजौजानौजब ॥
अबमैंभलौकहनहींतुमकौं ❁ जोमानौग्वालिनितुमहमकौं ॥
कोजानेहरिचरितुम्हारे ❁ अहोरसिकबरनंददुलारे ॥
हमरौसर्बसमनअपनाखौ ❁ अजहूदाननहीतुमपायौ ❁ ॥
देखौकरिलोजोमनभायौ ❁ खाऊकछूदधिहमसुखपायौ ॥
सदभाखननलायकतुम्हैंसखनसहितमिलिखाऊ ॥
सुखपावैंहमदेखिकेलोजैदानउगाऊ ❁ ॥
अबदधिदानीनाउं तुम्हरौप्रगटबखानिहैं ॥
खाऊदहीबलिजाउं स्याईहमतुम्हरेलिये ॥
तबहरिहंसिसबसखनबुलाई ❁ बैठेरचिमंडलीसुहाई ॥
दोनाबऊपरासकेलाये ❁ शोभितसबकेकरनसुहाये ❁ ॥
सुंदरहरिसुंदरसबग्वाला ❁ सुंदरदधिपरसतिब्रजबाला
भक्तभावकेहाथबिकाने ❁ ग्वालनसंगखातरुचिमाने ❁ ❁ ॥
निजनिजमटुकिनलैसबग्वारी ❁ देतिकरतिउरआनंदभारी
स्यामपनूखिनसौमुखनावैं ❁ निरखिनिरखिग्वालिनिसुखपावैं
धन्यधन्यआपुनकौजान्यौ ❁ सुफलजन्मसबहिनकरिमान्यौ

रिझयेस्यामसुजान कहैदेतिअंगकीपुलक ॥
मोसोंकरतिबखान सगिबगिरहीसनेहजल ॥
हंसतिकहतिकैधौंसतबानी ● तेरीसौंमैंकछुनजानी ● ॥
कहाकह्यौमोहिबकुरिसुनावै ● ताहिसोंहिमेरीजुदुरावै ॥
कबहूंकछूभावयहपायो ● तैंदेख्योकैकिनहुंसुनायो ॥ ● ॥
ऐसीकहतऔरजोकोऊ ● सुनतीमेपैउतरसोऊ ॥ ● ॥
बूझहिमोहिलगावतताही ● सपनेहुंमैंदेख्योनहिजाही ॥
ऐसीमोहिकहैजिनकोई ● झूठीबाततनिपरदुखहोई ● ॥
उचटायेपैहैकछुमोसों ● बकुरिनहींबोलौंगोतोसों ॥ ● ॥
तोतैंऔरकाहिहितुपैहौं ● जातेंहितकीबातजनैहौं ॥ ● ॥
यहपरतीततनतोकौंहोई ● मैंराखतितोतेंकछुगोई ॥ ● ● ॥
चतुरसखीमनमेंजबजानी ● मोतेंतौकछुनाहिछिपानी ॥
त्रासभईयाकेमनमाहीं ● तातेंबातकहतियहनाहीं ॥ ● ॥
तबयहकहीहंसतिमैंतोसों ● जिनमनमेंदुखमानेमोसों ● ॥
मानीतेरीबातअबकहतूकहांवेस्याम ॥
हमहूंउन्हैंजानेनहींबसतकौनधौंगाम
हमआगेकीआहि भईसयानीलाडली ॥
हंसतिकह्योघरजाहि तेंनहिहरिकबहूंलखे
सकुचसहितबृषभानदुलारी ● गईसदनगुरुजनडरभारी ॥
जननीकहतिकहांहुतीप्यारी ● डोलतिफिरतिअजहुंहैवारी

घरतोहिंतनकदेखियतनाहीं ● दधिलैजातिफिरतिबनमाहीं
स्यामसंगबैठतिहैजाई ● आजतोहिंघिरवतहोभाई ॥ ● ॥
काहेकौंउपहासकरावति ● दधिहिबेचहूधैंकिनआवति ॥
बृथाकरतिमैयारिसमोसों ● कोअबबातकहैरीतोसों ॥ ● ॥
ऐसीकोबहिगईबिधाता ● स्यामसंगफिरिहैसुनिमाता ॥
कौनेबातकहीयहतोसों ● ताकौनामलेहिंकिनमोसों ॥ ● ॥
धन्यभ्रातधनिधनितूमांई ● ऐसीबातकहतिमोहिलाई ॥
तूपरघरअखाअखाकतजाई ● मैंबरजतिनहीनेकुडराई ॥
स्यामास्यामसकलब्रजमाहीं ● हैरहेलाजलगतितुहिनाहीं
बडेमहरकीसुताकहावति ● काहेकौंपितुमातलजावति ● ॥

खेलनकौंमैंजाउंनहिकहाकहतिरीमात ॥
मोपैजातिसहीनहीयहअनखौंहींबात ● ॥
घरघरखेलनजातगोपनकीसबलरकिनी ॥
तूमोहीरिसियाततिनकेमातपितानहीं ॥ ● ॥

मनहीमनसमझतिमहितारी ● अबहीतौमेरीहैबारी ● ॥
कहाभयौतनबाढभईहै ● लरिकाईअबहीनगईहै ॥ ● ॥
झूठहिबातउडीयहसारी ● स्यामास्यामकहतनरनारी ● ॥
खेलतदेखिकहतसबकोऊ ● अबहीतौबालकहैंदोऊ ● ॥
सुनतसुतामुखरिसकीबानी ● मनहीमनकीरतमुसक्यानी
तबगहिउरलाईचुचकारी ● परमोधतिउरसौंरिसटारी ॥

खेलहुसंगलरिकिनिनमाहीं ● खेलनकौंमैं बरजतिनाहीं
स्यामसंगसुनिहोतदुखारी ● मूठहिलोकलगावतगारी ॥
जातेंकुलकौंदूषणहोई ● सुनप्यारीकीजैनहिंसोई ● ॥
अबरधातूभईसयानी ● मेरीसीखलेहिजियमानी ● ● ॥
जननीकेमुखकीसुनिबानी ● श्रीवृषभानसुतामुसकानी ॥
मनमनबिनयकरतिहरिपाहीं ● सुनहुस्यामतुमसबघटमाहीं
मातपितामानतमनहिंलोकलाजकुलकान ॥
नहिंजानततुमकौंसुखदजगतईशभगवान ॥
लेततुम्हारौनाव सकुचतहौंइनकेनिकट ॥
यहैसमुरूपछताव तुमविमुखनमेंकौरहौं ॥
तुममोहिकह्यौकानिकुलराखौ ● क्यौंविषखायसुधाजिनचाखौ
जिन्हैंनाथतुमपददृढप्रेमा ● कैसेंतिनसोंनिबहतनेमा ● ॥
अहोस्याममैंमनक्रमबानी ● नाथतिहारेहाथबिकानी ॥
ऐसेंकहबहृदेमेंआनी ● बोलीजननीसोंहंसिबानी ॥ ● ॥
तूअबकहतिकहामोकौंरी ● अकथबातहैमाकछुतोरी ● ॥
अबहरिसंगनखेलौंजाई ● जाकारणातूमोहिसुगाई ● ॥
आवनदेबाबाघरमाहीं ● यहसबबातकहौंउनपाहीं ● ॥
देतिगारिमुहिस्यामलगाई ● ऐसेलायकभयेकन्हाई ● ॥
रोकीमोकौंकाल्हिगलीमें ● सखिनसंगमैंजातिचलीमें ● ॥
लागेकहनबंसुरियामेरी ● तूलैगईचुरायसुदेरी ● ● ॥

छठेआठेमेसोंहैजिनसों ❁ मोहिलगावतिहैतूतिनसों ❁ ॥
सुनसुनकरिराधाकीबानी ❁ मुखनिरखतजननीमुसकानी
कहुतिमनहिमनअबहिहौंनहींगईबरिकाइ ॥
बारेहीकेढंगसबैअपनीटेकचलाइ ❁ ❁ ❁ ॥
अबजैहैमचिलाय कापैजायमनाइपुनि ❁ ॥
हारमानरहिमाय बालकबुद्धिजियजानिकै ॥
बोलिलईहंसिकैदुलराई ❁ पुनिपुनिकहिमेरीरिसहाई ॥
कंठलगायलईअतिहितसों ❁ रहीचकितशोभालखिचितसों
चतुरसिरोमणिहरिकीप्यारी ❁ परमचतुरबृषभानदुलारी
बातनहींमाताबहुराई ❁ नीकेंसखिलईचतुराई ❁ ❁ ❁ ॥
कृष्णप्रेमधनपायछिपायो ❁ संगसखीतिनहूंनजनायो ❁ ॥
जैसेंकृपणमहाधनपावै ❁ धरतदुरायनप्रगटजनावै ॥ ❁ ॥
सखीमिलीजोमारगमाहीं ❁ कह्योजायतिनसखियनमाहीं ॥
सुनऊसखीराधाकीबातें ❁ कैसीआजकरीउनघातें ॥ ❁ ॥
बृंदाबनतेंअबहीआई ❁ हर्षसहितमैंलखिमगपाई ❁ ॥
औरैभावअंगछविछाई ❁ स्यामहिंमिलीभईमनभाई ❁ ॥
मोकोंदेखतहीहंसिदीनो ❁ मैंहूंहर्षमनहिंमनकीनो ॥ ❁ ॥
जबमैंकहीमिलेहरितोसों ❁ तबरिसकरिफेरौमुखमोसों ॥
मोसोंतबलागीकहनकोहरिकाकोनांव ॥
कैगोरेकैसांवरेबसतकौनसेगांव ॥ ❁ ॥

मैंनौजानतिनाहिं लेतिनामतूकौनकौ ॥ ● ॥
लखेनसपनेहुंमाहिं सांचकहतिकैहंसतिमुहि
ऐसैंकहिटेढीकरिभौंहैं ● चितईनेकुनमोतनसौंहैं ॥ ● ॥
वहनिधरकमैंसकुचगईरी ● औरकहौंतोकरतिखईरी ॥
तबमैंयहकहिघरपठईरी ● मैंझूठीतूसांचिभईरी ॥ ● ॥
दोऊएकभयेअबजाई ● हमहूंसोंयहबातदुराई ॥ ●● ॥
घरधौंजायकहाअबकैहै ● कैसीधौंतहांबुद्धिउपैहै ॥ ● ॥
सुनिकैबातसखीमुसकानी ● प्यारिहिदेखनकौंअतुरानी ॥
कहतिसबैजबहीहमजैहैं ● तबहीजायप्रगटकरिदैहैं ● ॥
कहारहैयहबातछिपानी ● दूधदूधपानीसोपानी ॥ ●● ॥
आंखिनदेखतहीलखजैहैं ● कैसेंहमसोंबातछिपैहैं ॥ ● ॥
अपनोभेदनहीवहकैहै ● सुनिहौकैसेगालबजैहैं ॥ ● ॥
लखउचरित्रजायतुमवाकौ ● राधाकुंवरिनामहैजाकौ ● ॥
मैंबूझोकरिबहुचतुराई ● नेकहुंथाहनवाकीपाई ॥ ● ॥
बडेगुरुकीबुद्धिपढीवहकाहूनपत्याय ॥
एकोबातनमानिहैसोसेसोंहैखाय ॥ ● ॥
रहिहैसबपछताय सुमनबच्चनवाकेबदन ॥
अबजैहैरिसपाय बातनबैरबढायहौ ॥ ● ॥
कहाबैरहमसोंवहकरिहै ● बातमकैसैंहमहिंनिदरिहै ॥
औरनसोंजोकरतिनदानी ● तोहमहूजानतीसयानी ● ॥

वाकीजातिभलैहमपाई ॥ हमहींसोंयहबातचुराई ॥ ॥
परिहैजबमेरेफंदआई ॥ दूरकरोंवाकीलंगराई ॥ ॥
जोनहिहमसोंभेदकहैगी ॥ तौपुनिकैसेंकैतिबहैगी ॥
हमसोंबैरकियेकहापैहै ॥ बकुरिलियेमटुकासिरऐहै ॥
चलौसबैदेखैंघरताकौं ॥ हैनिधरककधौंडरवाकौं ॥ ॥
बूझैबातकहाधौंकैहै ॥ हमसोंमिलहैकैदुरजैहै ॥ ॥
रिसकरिहैकैधौंहंसिबोलै ॥ बातछिपावैकैधौंखोलै ॥ ॥
सहजसुभावकिधौंगरवानी ॥ यहकहिचलीअलीसबस्यानी
गईनिकटराधेकेजबही ॥ जानिलईनागरिमनतबही ॥
एसबमोपररिसकरिआई ॥ तबइकमनमेंबुद्धिउपाई ॥ ॥

काहूकौकीनौनहीआदरकरिचतुराइ ॥
मौनगहीबोलतिनहींबैठिरहीनिठुराइ ॥
लखिसबसखीसुजान बैठिगईढिगआपई ॥
औरैबातबखान आपसमेंबागीकरन ॥ ॥

राधाचतुरचतुरसबआली ॥ चतुरचतुरकीभेटनिराली ॥ ॥
उनतौगहीमौननिठुराई ॥ इनलखिलईतासुचतुराई ॥
मुहांचहीआपुसमेंकीन्ही ॥ याकीबातसबैहमचीन्ही ॥ ॥
कहाभेदहमसोंयहभाषै ॥ उलटेहमहीपररिसराखै ॥ ॥
बूझइनहिंखुनटकरिकोई ॥ कहाआजइनमौनजयोई ॥
हमसौंकहाओटइनलीनी ॥ साटसईहमहीकरिदीनी ॥

एकसखीतबविहसिसुनायौ ❁ कहौमौनब्रतकिनसिखरायौ
धनिवहगुरूमंत्रजिनदीनौ ❁ कानलगतहीऐसौकीनौ ❁॥
काल्हिऔरपरभांतहिऔरै ❁ अबहिंभईकछुऔरकोऔरै ॥
सुनियहबातसबैहमधाई ❁ चकितभईदेखनतुहिआई ॥
कहामोनकौफलअबकहिये ❁ सुनेंकछूतौहमहूंगहिये ॥
इकसंगभईसबैतरुणाई ❁ मंत्रलियौतबहमलबुलाई ॥ ❁ ॥
अबतुमहीकौहमकरैंगुरुदेऊउपदेस ॥
हमहूंराखैंमोनब्रतकरैंतुम्हैंआदेस ❁ ॥
हमकौंकियौअज्ञान चतुरभईतूलाडली ❁ ॥
कहांसीखौयहज्ञान ऐसीविधिलागीकरन ॥
रहतएकसंगहमतुमप्यारी ❁ आजहिंचटकभईतून्यारी
कहाभयौतोहिंकिनहिंसिखाई ❁ नईरीतियहकहाचलाई
हमतौतेरेहितकीकरिये ❁ औरकहैतासोंसबलरिये ॥ ❁ ॥
सुनतिकुंवरिसखियनकीबानी ❁ ठालीकरतसबैयहजानी
गुणागारनागरीसयानी ❁ बोलीसहितनिठुरईबानी ॥ ❁ ॥
तुमप्रीतमकैबैरनिमेरी ❁ बूझतितुम्हैंकहौसखिहेरी ॥ ❁ ॥
वाकौकहतिजुगैलमिलीरी ❁ नहीकहीउनमोहिभलीरी ॥
कह्यौमोहितुहिस्याममिलेरी ❁ मैंचकिरहीसोंहमोहितेरी
मेरेअंगछविऔरबताई ❁ तबमैंभईबहुतदुखदाई ॥ ❁ ॥
जिनकौमैंसपनेनहिंजानैं ❁ फिरफिरतिनकीबातबखानैं ॥

मेरीकछुदुखहैतुमसों ● तुमहींकहौसखीसबहमसों ॥ ● ॥
कहांरहतिमैंकहांकन्हाई ● घरघरकरतचवावलुगाई ॥
औरकहैतौमोहिकछुनहिंव्यापहिमनमाहिं ॥
तुमहीकहौजोबातयहतौदुखहोयकिनाहिं ॥
तुमपररिसमोगात ताते आदरनहिकियौ ॥
सुनिप्यारीकीबात रहीसबैमुखतनचितै ॥
बोलीएकसखीतिनमाहीं ● हमतौतोहिकह्योकछुनाहीं ॥
ताहीपरहोतीरिसहाई ● जिनयहतोसोंबातचलाई ● ॥
प्रथमहिंहमैंप्रगटयहकरती ● हमहूंताहीसोंसबलरती ● ॥
कौसखिप्यारिवदोषलगावै ● झूठीबातनबैरबढावै ॥ ● ॥
तेरेस्यामकह्यंइनदेखे ● काहेकौसपनेहूंपेखे ॥ ● ● ● ॥
भेदहिभेदकहतसबबातें ● दैदैसैनकरतसबघातें ॥ ● ● ॥
प्यारीसबकेमनकीजानै ● सबसोंरूखेबचनबखानै ॥ ● ॥
कौनकौनकौमुखसखिगहिये ● जाकौंजोभावैसोकहिये ● ॥
मनतेंगढिगढिबातबनावै ● झूठीकौंसांचीठहरावै ॥ ● ● ॥
विनाभींतहीचित्रउकेरै ● बातनगहिआकाशहिफेरै ॥ ● ॥
नेकहोयतौसबहीसहिये ● झूठीसबैसुनतडरदहिये ● ॥
आवलबोलनसुनिसुनिबातें ● रहियतमौनसबनतेंयातें ॥
बृथाफेरमोसोंकरतकहिकहिझूठीबात ॥ ● ॥
भलौनहीउपहासयहमैंसकुचतदिनरात ॥

मिलैसखीजोस्याम औरकह्यायातैंभली ॥
सुनियतहैअभिराम नंदमहरकौसुवनअति
कैसेहैंवेकुंवरकन्हाई ● जिनकौनामलेतियहमाई ॥ ● ॥
नयननिभरिमैंदेखेनाहीं ● सुनियतसदारहतब्रजमाहीं ॥
कहतिलजातिबातइकतुमकौं ● इकदिनमोहिंदिखावऊउनकौं
देखऊंधौंकैसेहैंतिनकौं ● तुमसबमोहिकहतिहौजिनकौं ॥
सुनिबृषभानसुताकीबानी ● हंसीसबैगोपिकासयानी ॥
सुनप्यारीतैंसीखहमारी ● कहनदेहिकाहिकरैंकहारी ॥
तोकौंझूठकहेकह्यापैहैं ● आपनकौंवेपापकमैहैं ॥ ● ● ॥
यहकाहूपैजातछिपायौ ● नेहसुगंधनदुरतदुरायौ ॥ ● ॥
तैंकाहेकौंकान्हहिदेख्यौ ● खरकदुहावनहूनहिंपेख्यौ ● ॥
सुनऊसखीराधाकीबानी ● कहतिकछूयहअकथकहानी
रहतिसदाब्रजगांवसंझारी ● इननहिदेखेरीगिरिधारी ॥
जोहमसुनीरहीसोनाहीं ● ऐसेहिबायबहीब्रजमाहीं ॥
सुनिप्यारीअबतोहिहमदिखरैंहैंनंदनंद ॥
नवबदिहैंयहराखिहौदेखिऊन्हैंछलछंद ॥
जबएहैंइतस्याम तबहमतोहिबतायहैं ॥
तोहिंदेखिहैंबाम हैऊनहूंअभिलाषअति ॥
तबतूचीन्हलीजियोऊनकौं ● कहतिनहीदेखेमैंजिनकौं ॥
हैंकैसेकारेकैगोरे ● सुंदरचतुरकिधौंअतिभोरे ● ● ॥

तोहिदेखिवेऊसुखपैहैं ● तेरेहितबांसुरीबजैहैं ● ● ॥
नानाभावकरैंगेजबही ● हमसबतोहिकहैंगीतबही ॥ ● ॥
तुमहीचतुरराधिकाजैसें ● वेऊस्यामचतुरहैं तैसें ॥ ● ● ॥
हंसतिकहतिसबगोपकिशोरी ● चिरजीवऊयहसुंदरजोरी
कबहूंतौफंदपरिहौआई ● तबहीदेहिंचिन्हायकन्हाई ॥
सुनतव्यंगसखियनकीबानी ● मनमनविहसतकुंवरिसयानी
चतुराईनीकैगहिराखी ● सखियनसोंऐसेंहंसिभाखी ॥ ● ॥
जोतुमजियमेंअरैजानी ● मेरीबातप्रतीतनमानी ॥ ● ● ॥
जोअबमोहिस्यामसंगपावौ ● तबकीजोअपनौमनभावौ ॥
कान्हपीतपटवेसरमेरी ● लीजोछोरितबहिगहिएरी ॥
यहसुनिकैसबहंसिउठीप्यारीबदननिहारि ॥
आईहौअतिगर्वकरिचलीसखीघरहारि ● ॥
कहतपरस्परजात निडरभईअतिराधिका ॥
कबहूंतोहमघात परिहैंदोऊआयकैं ॥ ● ॥
तौसऊदिनजोचोरचुरैहै ● साहएकहूदिननतौपैहै ॥ ● ॥
बोलीएकसखीतबतिनसों ● भेदलियैचाहतितुमउनसों ● ॥
दूरधरौमनतेंयहमाई ● बैठिरहौअपनेघरजाई ॥ ● ● ॥
अतिबरबोलगईकहाकीन्हौ ● कैसीनिठुरभईकछुचीन्हौ
वहनहिफंदतुम्हारेआवै ● छंदबंदवाकेकोपावै ॥ ● ● ॥
वहसबहिनमेंबडीसयानी ● मेरीबातलेऊतुममानी ॥ ● ॥

बोलीअपरसखीसुनमोसों ❁ नीकखैंचभावतमैंतोसों ॥ ❁ ॥
फेरफारदेखौहमधरिहैं ❁ ऐसेंकैसेंहमहिंनिदरिहैं ❁ ॥
अबलौंभेदकियौहैप्यारी ❁ हमहूंकौंयहरिसहैभारी ❁ ॥
तबलगमनमेंधीरनलैहैं ❁ जबलगचोरीपकरिनपैहैं ॥ ❁ ॥
निसिवासरअबहमसबकोऊ ❁ स्यामास्यामदेखिहैंदोऊ ॥
नाहींदिनतिनसोंहमलरिहैं ❁ जादिननीकैपकरिनिदरिहैं

सबब्रजगोपिनकेबसीबातयहैमनआन ॥
हरिराधादोऊमिलैंनिसिवासरयहध्यान
सबहिनमुखयहबात औरकछूचरचानहीं ॥
नंदमहरकौतात सुतामहरबृषभानकी ॥

यहैचवावकरतिसबगोपी ❁ हमसोंबातराधिकालोपी ॥ ❁ ॥
लरिकाईतेंहमसबजानैं ❁ कीनीप्रीतिस्यामसोंयानैं ॥ ❁ ॥
तबसतभावनहुतीझुठाई ❁ अबहरिसंगसीखीचतुराई ❁ ॥
आजमौनधरिकियौदुराऊ ❁ सदाहोतकिहिंभांतिबचाऊ ॥
दिनद्वैचारभोरअबटारौ ❁ रहौसुभावभोरजिनपारौ ❁ ॥
करनदेउइनकौलंगराई ❁ आपहिबातप्रगटह्वैजाई ❁ ॥
तबइकसखीकहीयौंबानी ❁ कहाकहततुमबातअयानी ❁ ॥
तुमजुकहतिवहजानतिनाहीं ❁ हैंहमसबवाकेनखमाहीं ॥
सातबरसतेंप्रीतिलगाई ❁ तुमतौआजजानिहैपाई ॥ ❁ ॥
वाकीचतुराईकिनजानी ❁ मीनकबहिंधौंपीवतपानी ॥ ❁ ॥

हरिके ढंगसीखीसबवोऊ ● हैंवारहबानीवेदोऊ ॥ ● ● ॥
देखऊकाल्हिकहूंपतियानी ● फिरिआईहमसबखिखियानी
ऐसेंसबब्रजसुंदरीमिलकैकरतिचवाय ॥
राधाहरिऊरमेंबसैंग्रौरनबातसुहाय ● ॥
यहरसभजनअनूप ब्रजबासीप्रभुप्रेमको ॥
करिकैकृष्णसरूप होयरहीब्रजकीतरुणि ॥
श्रीराधाप्रातहितहांआई ● जहांजुरीसबसखिनअथाई ॥
आवतिलखिसबरहीचुपाई ● पेखतबदनगयेसकुचाई ॥
करतिऊतीउनहींकीबातें ● सकुचगईतरुणीसबतातें ॥
अतिआदरकरिकैबैठारी ● कहौकहांआईतूप्यारी ॥ ● ॥
कहाहमारीसुधिलेंलीनी ● बडीकृपाकछुहमपरकीनी ● ॥
मैंकहाआजअनोखेआई ● तुमजुकरतिआदरअधिकाई ॥
पऊनीकरिकरियेपऊनाई ● मैंतौआवतिजातिसदाई ॥
कैसीकहतिबाततूप्यारी ● बैठनकौंनहिंकहूंकहारी ॥ ● ॥
तूआईकरिकृपाहमारैं ● हमहूंकहामोनब्रतधारैं ॥ ● ॥
तबहंसिबोलीकुंवरिसयानी ● करीतर्कमोसोंतुमजानी ● ॥
तादिनकौबदलौयहकीनौ ● मेसोंदावआपनौलीनौ ॥ ● ॥
यहसुनिहंसीसकलब्रजनारी ● कहनलगीसबसुनरीप्यारी
दावघातजाननितुमहिहमतौभुऊसुभाव ॥
तेहिमानआईसदातैसेंमाननिभाव ॥ ● ● ॥

तुमराखीमनलाय तादिनबातभई जुवह ॥
हमडारीविसराय मानलई तेरीकही ॥ ● ॥
चोरसबैचोरैकरिजानै ● ज्ञानीसबमनज्ञानहिंमानै ॥ ● ॥
सुनियहकुंवरिमनहिंमुसकानी ● कह्यौसखीयहसांचबखानी
जैसीजाकेमनमैंहोई ● बातकहतिमुखतैसीसोई ॥ ● ● ॥
मैंतौसांचकहीतुमपाहीं ● कैधौंहरिजानतिनाहीं ॥ ● ॥
हरषिसखिनतबउरसोंलाई ● कहतिकहातूरिसभरिआई
हंसतिकहतितोसोंहमप्यारी ● तूमनमानतिबिलगकहारी
तुमहींउलटीपुलटीभाखौ ● तुमहींरिसकरिउरमेंराखौ ॥
तुमहींहरिकौनामबखानौ ● तबमैंसुन्यौकछूतुममानौ ● ॥
जबहरिसंगमोहिकऊंलहियौ ● तबमनभावैसोकछुकहियौ
अबकैसेंहून्हानचलौगी ● कैमोसेंकछुफेरिलरौगी ॥ ● ● ॥
वहैबातगंठबंधनकीनी ● नहिंभूलिहौंजानमैंलीनी ॥ ● ॥
गहिगहिसबकीभुजाउठाई ● चलऊन्हानमैंकबकीआई
इहिंबिधिहासऊलासकरि सखिनसंगसुकमारि ॥
चलीन्हानयमुनानदीश्रीवृषभानकुमारि ॥ ● ॥
सकलरूपकीरास नवनागरिमृगलोचनी ॥
भरीआनंदऊलास हरप्रेममेंएकमति ॥

॥ अथस्नानलीला ॥

चलीयमुनसबनवलकिशोरी ● कनकबरनतनकोमलगोरी ॥

करतिपरस्परसबसुकमारी ● हासबिलासकुतूहलभारी ॥
गईंयमुनतटगोपकुमारी ● संगसोहतिबृषभानदुलारी ● ॥
देखिस्यामजललहरिसुहाई ● पैठीसलिलन्हानअतुराई ॥
स्यामासहितन्हातिसबनारी ● बिहरतिजलबिहारसुखकारी
कंठप्रमाणनीरमेंठाढी ● छिरकतिजलअतिआनंदबाढी ॥
करतिबिबिधबिधिहासबिलासा ● एकएकगहिकरतिकुलासा
लैलैकरसोंनीरउछारैं ● निरखिपरस्परमुखपरडारैं ॥ ● ॥
मालीअलिसेनासजिआये ● लरतजलजजलअबबनाये ॥
सुनितहांस्यामयुवतिमनरंजन ● आयेकोटिकामदुतिभंजन
निरखततटठाढेछबिभारी ● यमुनाजलबिहरतिब्रजनारी
कबहूंमधुरकलबेनुबजावैं ● नान्हेसुरनमाहिंकछुगावैं ॥
काछेनटवरभेषवरचित्रतचंदनअंग ॥
ठाढेठंगिकदंबतेंकीनेअंगत्रिभंग ॥
नवघनसुंदरस्याम ब्रजतियमनचातकसुखद ॥
नखसिखअतिअभिराम ध्यानकामपूरणसकल ॥
पदनखइंदुप्रभादुतिहारी ● चरणकमलशीतलसुखकारी
जानुजंघअतिसुभगसुहाई ● करभरंभलखिरहतलजाई
कटिपटपीतकाछनीकाछैं ● केसरकमलनपटतरआछैं ● ॥
छुद्रावलीकनकछबिछाई ● नाभिगंभीरबरनिनहिजाई ॥
मनहूंमरालबालकीश्रेनी ● सरसमीपसोहतिसुखदेनी ● ॥

बडेबडेमोतिनकीमाला ❁ बीचहुमावलिरुलकविशाला ॥ ❁ ॥
मनहुंगंगबिचयमुनाआई ❁ चलीधारमिलतीनसुहाई ॥
बाहुदंडदोउतटकमनीया ❁ चंदनअंगरेतरमनीया ❁ ॥
बनमालातरुतीरसुहाये ❁ फूलिरहेपचरंगछबिछाये ॥ ❁ ॥
कंबुकंठत्रयरेखसुहाई ❁ तीनभुवनशोभाजनौछाई ॥ ❁ ॥
चिबुकचारुगाडमनमोहै ❁ मुखछविसिंधुभवरजनौसोहै ❁ ॥
अधरदसनदुतिवरनिनजाई ❁ तडितविंबकहांवहछविपाई
सुकनासाखंजननयनभ्रकुटीकामकोदंड ॥
मणिकुंडलरविछबिहर तसोहतसीसशिखंड ॥
उपमागईजलाय निरखिश्यामकोरूपवर ॥
जहांतहांरहीछिपाय पटतरकौंपहुंचौनहीं
उपमाहरितनदेखिलजानी ❁ दुरीभूमिकोउबनकोउपानी
कोटिमदनअपनौबलिहारे ❁ मुकुटलटकभ्रूमटकनिहारे ॥
कुंडलनिरखिभ्रमतरविरहही ❁ तपनहृदेक्षणधीरनगहही
अलकनासिकाकरपदनैनन ❁ अलिसुककमलमीनखंजनगन
लखिसकुचायरहतबनमाही ❁ कहतहमेंकविकहतबृथाही
दसनदमकदामिनीलजानी ❁ छणप्रगटक्षणरहतिछपानी
समफतसधरअधरअरुणाई ❁ बिद्रुमबंधूबिंबलजाई ❁ ॥
गगनरह्यौशशिबदननिहारी ❁ घटतघटतनितसोचतभारी
चारुकंठलखिअनिसकुचानौ ❁ रहतशंखजलमांझछपानौ ॥

बाहुदेखिअहिविवरसमाने ❁ केहरिकटिलखिबनहिंपराने
गजगतिगुलफनिरखिसरमाई ❁ ऊंचीआंखनसकतउठाई
निजइच्छाछविहरिवपुधारी ❁ दीनीपटतरमेटिपरारी ❁ ॥

अनुपमछविकविकौंकहैंबिनउपमाआधार ॥
ब्रजतियमोहनमनहरणसुंदरनंदकुमार ॥
अधरमनोहरबैन मंदमंदबाजतमधुर ॥
उपजावतमनमैन ब्रजसुंदरिनवनागरिन ॥

जलविहारकरिगोपकिशोरी ❁ निकरिचलीतटकौंसबगोरी
जानुजंघजललौंसबआई ❁ चुवतनीरअंचरनछबिछाई ॥
परेदृष्टमोहनतटमाहीं ❁ ठाढेकदमविटपकीछाहीं ॥ ❁ ॥
प्यारीनिरखतिरूपलुभानी ❁ पंगुभईमतिगतिबहरानी ॥
इतहिलाजसखियनकीआई ❁ दरसनहानिनउतसहिजाई
मनहिज्ञानकरियहअनुमानी ❁ लैहैंआजसखीसबजानी ॥
जानगईयहअलीसयानी ❁ जानबूझिसबभईअयानी ❁ ॥
बहुरौंन्हानलगीसबपानी ❁ रहीइतैकरिआनाकानी ॥ ❁ ॥
प्यारीकबहुंस्यामतनहेरै ❁ कबहूंदृष्टसखिनतैंफेरै ॥ ❁ ॥
जानीसबैन्हानजलमाहीं ❁ मेरीदिसचितवतिकोऊनाहीं ॥
तबमनमेंयहबातबिचारी ❁ देखिलेऊंअबछविगिरिधारी ॥
यहदरसनकबधौंफिरहोई ❁ ललकिलगीअंखियाहठिदोई

निरखतिस्यामास्यामछविपारनिमेषनभोर ॥

नैनबदनशोभितमनौद्वैशशिचारुचकोर ॥ ॥
करतमुदितदोउपान रूपमाधुरीअमियरस ॥
तृप्तनक्यौंहूंमान विवसभयेमनदुहुनके ॥ ॥
यद्यपिसकुचसखिनकीगाढी ॥ तद्यपिरुकीनचितवनबाढी ॥
उमंगिगईसरिताकीनाहीं ॥ सनमुखस्यामसिंधुकेमाहीं ॥
भरीसलिलअनुरागअथाहा ॥ भंवरमनोरथलहरउछाहा ॥
कुलमर्यादअरारढहाये ॥ लोकसकुचतरुतीरबहाये ॥ ॥
धीरजनावगहीनहिजाई ॥ रहेथकितपलपथिकडराई ॥
इकटकघोरअखंडितधारा ॥ मिलीस्यामछविसिंधुअपारा ॥
कहतिसखीसबआपुसमाहीं ॥ नैनसैंनदैदैमुसकाहीं ॥ ॥
देखहुरीप्यारीउतअटकी ॥ नाजानियेकैंानअंगलटकी ॥
काल्हिहमैंकैसेंनिदरीहै ॥ मेरेचितअबखुटकपरीहै ॥ ॥
बातकहतमेलैमुखतुलसी ॥ देखहुअबदेखनिकिमहुलसी ॥
सुंदरपियकेरूपलुभानी ॥ वेबातेंअबसबहिभुलानी ॥ ॥ ॥
इकटकरहीनेकनहिमटकी ॥ कोजानेकाहूकेघटकी ॥ ॥
भईभावभोरेकछूदेखतहीसुखदाय ॥
चित्रपूतरीसीरहीदेहदसाविसराय ॥
उतवेरहेलुभाय नागरनवलकिशोरबर ॥
प्यारीमुखदृगलाय नैननहींमटकतकहूं ॥
औरेंभावभईसखिप्यारी ॥ बढ्यौप्रेमअंकुरुतरुभारी ॥ ॥

गईतासुजरसप्तपताला • पक्कैचौअंतरशिखरविशाला ॥
बचनपत्रअविलोकनिशाखा • सबव्रजगवांहकइ अभिलाखा
गुणबिधिसुमनसुगंधनिकाई • लगीजइ आनंदसुहाई
पूरणआसनवनिभरभारा • फललाग्यौबरनंदकुमारा •॥
रहेरीतनमनधनवारें • अरसपरसदोउरूपनिहारें ॥
नवइकसखीकह्यौमुसकाई • प्यारीदेखेकुंवरकन्हाई •॥
येईहैंसुंदरसुखदाई • जिनकीब्रजमेंहोतबडाई ॥ •॥
हमैंकहतिहीमोहिदिखावऊ • देखिलेऊअबमनसुखपावऊ
बऊतबालसाहीमनतेरे • ताहीतेंआयेहरिनेरे ॥ •॥
पूरीसादद्रसअबपाये • हमहींइनकौंबोलपठाये ॥ •॥
शखैचीन्हइन्हैंअबनीके • येहैंमनभावनसबहीके ॥ • •॥

भलेशकुनआईइहांभयौतुम्हारौकाज ॥
अबकछुहमकौंदेऊगीमिलेतुम्हेंब्रजराज
भयौनागरिहिसोच सुनिसुनिसखियनकेबचन ॥
कहतिकरीमैंपोच इनजानीअबबातसब ॥ • •॥

मैंहरितनचखिरूपबुभानी • सोयेदेखिसबैमुसकानी • ॥
काल्हिकहीइनसोंमैंवैसें • देखीआजमोहिइनऐसें • •॥
इनआगेमोबाननसानी • अबयेकरतमोहिविनपानी •॥
मोहीपरमेरीचतुराई • परीउलटिउरअतिसकुचाई ॥
कहतसखिनसोंज्वाबनआयौ • तबमनसेंहरिपियकौंध्यायौ ॥

अहोस्यामसुंदरसुखदानी ॥ मैंप्रभुतुम्हरेहाथबिकानी ॥
अबसहायसुंदरतुमकीजै ॥ मेरीबातनाथरखलीजै ॥ ॥
ऐसोउत्तरदेउजनाई ॥ जातेंमेरीपतरहजाई ॥ ॥ ॥
ऐसेंहरिकोंसुमरिसयानी ॥ तबइकबातमनहिंमनठानी ॥
उरमेंभयेबुद्धिपरकासा ॥ तबकीनोमनमाहिंउलासा ॥ ॥
सखिनकह्योअबघरचलप्यारी ॥ भईयमुनतटबहुतअबारी
कबकीन्हानइहांहमआई ॥ ऐसेंकहिंकहिसबपछताई ॥
कियोदरसतुमस्यामकोघरचलिहोकैनाहिं ॥ ॥
चीन्हरहीमिलियोबहुरियहकहिसबमुसकाहिं
तबसखियनकेसाथ चलीसदनकोनागरी ॥
उरमेंधरिब्रजनाथ प्रेममगनबोलीनहीं ॥
हंसिबूझतइकगोपकुमारी ॥ कहोस्यामकैसेहेंप्यारी ॥ ॥
भायेरीतेरेमनमाहीं ॥ हैसुंदरकछुकैधोंनाहीं ॥ ॥ ॥ ॥
कैहमसोंफिरबातलुकैहो ॥ कैअबमनकीसांचजनैहो ॥ ॥
हमबरनेजैसेतुहिपाहीं ॥ कहुतैसेहरिहैंकैनाहीं ॥ ॥
कहतिमनहिंबृषभानदुलारी ॥ मेरेख्यालपरीसबग्वारी ॥
बातनबातनकरतिउघारै ॥ येचाहतिअबहीनिरवारै ॥
मोहूतेंयेचतुरकहावैं ॥ मोकोंबातनमांझभुलावैं ॥ ॥ ॥ ॥
ऐसेंइनसोंबच्चनबखानो ॥ इनकीचातुरतागहिभानो ॥ ॥
मेरेसिरसमरत्थकन्हाई ॥ कहाकरिहैंमोसोंचतुराई ॥ ॥

प्यारीपियकेगर्वगहेली ❁ अंगअंगसुखपुंजभरेली ॥ ❁ ❁ ॥
मंदमंदगतिहंससुहाई ❁ पगद्वैचलतठठकिरहिजाई ॥
मगनस्यामरसमुखनहिबोलै ❁ धरणीचरणनखनकरिछोलै
चितवतरूधेनैकनहिंकाहूतनअनखाय ॥
रहीगर्वपियस्यामकेगरबीलीगरबाय ॥
सखिनकह्यौमुसकाय क्यौप्यारीबोलतनहीं ॥
कैहमसौंअनखाय लियैमौनअतआजपुनि ❁ ॥
कैककुबातकहीनहिजाई ❁ कैतेरौमनहरयौकन्हाई ॥ ❁ ॥
कबकुंज्ञानपहिचाननतेरी ❁ देखतहीदृगतिनहिफेरी ॥
सांचीबातकहौअबप्यारी ❁ सोचपरयौमनतोहिकहारी ❁ ॥
कहांरहीहीहरिहिनिहारी ❁ इकटकनैननिमेषविसारी
सुनिसुनिसबसखियनकीबानी ❁ बोलीहरिभावतीसयानी
कहाकहतितुमबातअलेखे ❁ मोसौंकहतिस्यामतुमदेखे ❁ ॥
मैंदेखेकैधौंनहिंदेखे ❁ तुमतौबारहजारकपेखे ॥ ❁ ❁ ॥
तुमहींहरिकौरूपबतावौ ❁ मोआगेसबकहिसमुझावौ ॥ ❁ ॥
कैसेबरनभेषहैंकैसे ❁ अंगअंगबरनौतुमतैसे ॥ ❁ ❁ ❁ ❁ ॥
तबइकसखीकह्यौमुसकाई ❁ हमतौऐसेलखेकन्हाई ❁ ॥
छंदबंदकछुहमहिनआवै ❁ सांचीबातसबनकौभावै ॥ ❁ ॥
देखेहमनंदनंदनजैसे ❁ बरनिबतावहिंतोकौंतैसे ॥ ❁ ❁ ॥
स्यामसुभगतनपीतपटचटकीलौद्युतिकारि ॥

शोभितघनपरदामिनीमनुचपलई विसारि ॥ ॥

मंदमंदसुखदात गरजतिमुरलीमधुरधुनि ॥

चितवतश्ररुमुसकात बरषतपरमानंदजल ॥

बिबिधिसुमनदलकौउरमाला॥इंद्रधनुषमनौउदितविशाला
मुक्तावलीबीचमनमोहै ॥ बालमरालपांतिजनौसोहै ॥ ॥
अंगअंगछविरूपसुहाई ॥ कदमतरेठाढेसुखदाई ॥ ॥
देखतमोहनबदनविभागा ॥ उपजतहैअंखियनअनुरागा ॥
लोचननलिननयेछविछाजैं ॥ तामधिपुतरीस्यामविराजैं ॥ ॥
मनहुंयुगलअलिभागनिवारे॥पियतमुदितमकरंदसुखारे
तामहचितवनसैंनसुहाई ॥ गूढभावसूचितसुखदाई ॥
अधरबिंबरददाडिमदाना ॥ सुकनासिकादेखिललचाना
भ्रकुटीधनुषतिलकसरधारी॥मानहुंमदनकरतरखवारी॥
मोरचंद्रसिरसुमनसुहाये ॥ कामसरनमनौपक्षलगाये॥
गडतश्रानियुवतिनमनमाहीं॥निकसतबहुरिनिकासेनाहीं
बारिजबदनमनोहरबानी ॥ बोलतमनहुंसुधारससानी

कुंडलझलककपोलछविश्रमसीकरकेदाग ॥ ॥

मानहुंमनसिजमकरमिलिक्रीडतसुधातडाग

भरेरूपरसराग ऐसेशोभाकेउदधि ॥ ॥ ॥

विनअंखियनकौभाग अवलोकतहरिकौबदन

अंगअंगसबछविकेजाला ॥ हमदेखेइहिंभांतिगुपाला ॥ ॥

कछुछलछिद्रनहीं हमजानैं ❁ जोदेखैसोसांचबखानैं ❁ ॥
सांचहिझूठकरैजोकोई ❁ सोवहझूठआपहीहोई ॥ ❁ ॥
हमइतनिनमेंनहीं दुराऊ ❁ कहतियथारथसबसतभाऊ ॥
यामहिंजोकोउझूठीमानै ❁ ताकीवातविधाताजानै ॥ ❁ ❁ ॥
हमतोस्यामनिहारेऐसे ❁ तोहिलगेप्यारीकहुकैसे ❁ ❁ ॥
तुमदेखेमैंसांचनमानौ ❁ अपनीसीगतिसबकोजानौ ॥ ❁ ॥
जिनकोवारपारकछुनाहीं ❁ द्वैअंखियनदेखेंकिमजाहीं ॥
जोतुमसबअंगअंगनिहारे ❁ धनिधनितौयेनैनतिहारे ❁ ॥
मैंतौलखिइकअंगसुलानी ❁ भरिआयेदोउअंखिनपानी ॥
कुंडलझलककपोलनछाहीं ❁ रहीचकितउतनेकेमाहीं ॥
रूंधेनीरनैनटकलाई ❁ पहिचानेनहिनेकुकन्हाई ॥ ❁ ॥
मैनबतैं अपनेमनहिंयहैरहीपछिताय ॥
देखनकोछविस्यामकीचहियतनैननिकाय
अतिछविअंखियांदोय उमंगचलततापरसलिल ॥
कैसेंदरसनहोय सखीस्यामकेरूपकौ ॥ ❁ ❁ ॥
द्वैलोचनतुमरेद्वैमेरे ❁ तुमदेखेहरिमैंनहिंहेरे ॥ ❁ ❁ ॥
तुमप्रतिअंगबिलोकनकीन्हो ❁ मैंनीकेरकौनहिचीन्हो ❁ ॥
काहूकौषटरसनहिभावै ❁ कोउभोजनकौदुखपावै ॥ ❁ ॥
अपनेअपनेभाग्यनिकाई ❁ जोबोवैसोइलुनेबनाई ॥ ❁ ॥
जैसेरंकतनकधनपायें ❁ होतनिहालआपनेभायें ॥ ❁ ॥

मोहितुम्हैंअंतरहैभारै ❁ धनितुमसबहरिअंगनिहारै ❁ ॥
तुमहरिकोसंगिनिब्रजबाला ❁ तातेंदरसदेतनंदलाला ❁ ॥
सुनऊसखीराधाचतुराई ❁ आपहिंनिंदतिहमहिंबडाई ॥
आपुनभईरंकहरिधनकौं ❁ हमैंकहतिधनवंतसबनकौं ॥
हमहरिकोसंगिनिसबग्वारी ❁ आपुहिनिर्मलहोतिनिवारी
धनिधनिधनिलाडिलीपियारी ❁ धृकधृकधृकधृकबुद्धिहमारी
नूपूरणहमनिपटअधूरी ❁ हमहिंअसंतसंततूपूरी ॥ ❁ ॥
धनिधनितेरेमातपितुधन्यभक्तिधनिहेत ॥
तेंपाहिचान्यौस्यामकौंहमसबग्वारिअचेत ॥
धनियोवनधनिरूप धनिधनिभागसुहागतुव ॥
तूमोहनअनुरूप चिरजीवऊजोरीअचल ॥
जैसोतेंहरिरूपबखान्यौ ❁ हैतैसोईयहहमजान्यौ ॥ ❁ ॥
देखनकौंहरिरूपउजेरी ❁ आंखचाहियेजैसीतेरी ॥ ❁ ॥
तैंजुकहतिलोचनभरिआये ❁ सोहरितेरेनैनसमाये ❁ ॥
अतिपुनीतअस्थलशुभजानी ❁ करीस्यामअपनीरजधानी
कियोवासहरितोदृगमाहीं ❁ औरबातदूजीकछुनाहीं ❁ ॥
ऐसेंस्यामासंगब्रजबाला ❁ कहतिपरस्परगुणगोपाला ❁ ॥
तहांअचानकहरिपुनिआये ❁ कटिकछनीनटभेषबनाये ॥
मुरलिअधरअरुणपरराजे ❁ कलधुनिमंदमनोहरबाजे ॥
करतिरहीजोमनमेंध्याना ❁ सोईअंतरजामीजाना ❁ ॥

आपगयेतिरछेमगमाहीं ❁ भावाधीनसकतरहिनाहीं ❁ ॥
तरुतमालतरतरुणाकन्हाईं ❁ ठाढेभयेआयसुखदाई ॥ ❁ ॥
थकितभई सबब्रजकीबाला ❁ लगीविलोकननंदकेलाला ॥
रत्नजटितपगपांवरीनूपुरमंदरसाल ॥ ❁ ॥
चरणकमलदलनिकटमनोबेठेबालमराल ॥
उदितचरणनखचंद जनोमणिव्योमप्रकाशकरि ॥
सुरनरशिवमुनिबंद बिरहतापब्रजतियहरन ॥
जानुकामसतछविनसंवारे ❁ युवतिनकरिमनबुद्धिविचारे
युगलजंघछविपरमपुनीता ❁ रंभाखंभमनहुंविपरीता ❁ ॥
ठाढेधरणिएकपदलाये ❁ कंचनदंडएकलपटाये ॥ ❁ ❁ ॥
तनत्रिभंगकीलटकसुहाई ❁ अटकरहीयुवतिनमनभाई
ब्रजयुवतीहरिपदमनलाये ❁ निरखतिमुनिदुर्लभसचुपाये
कुलिशांकुशध्वजचिन्हनिकाई ❁ इकटकरहीचितैचितलाई
अरुणतरुणपंकजदलचारू ❁ मानहुंसुखमाकरनिविहारू
कटिकेहरिकीकटिहिलजावै❁सूक्षमसुभगकहतनहिआवै
तापरकनकमेखलासोहै ❁ मणिनजटितसुंदरमनमोहै ॥
मनहुंबालकनसहतमराला ❁ बैठेपंगतिजोरिरसाला ❁ ॥
किधौंमदनकेसदनसुहाई ❁ बंधीबंदनवारिबनाई ❁ ॥
ब्रजतियनिरखिनिरखिसुखलेहीं❁नैननिपलकपरननहिदेहीं
शोभितनाभिगंभीरअतिमानहुंमदंनतडाग ॥

ब्रजसुभाउकृपालहिऐसे ❁ होतलुरतजैसनकौंतैसे ❁ ॥
पुनिहरिब्रजकहिंछांडिजुसाहू ❁ पौंछपीतपटजलसोंग्राहू
अधोसोंयौंबचनसुनाये ❁ भलेसुखासिखदैब्रजआये ❁ ॥
नमेंयोंप्रभुकियोबिचारा ❁ ब्रजभक्तनममरूपअधारा ❁ ॥
निबडीनिधिजोई ❁ सोवेनहीं आदरतकोई ❁ ❁ ॥
नातेंज रनकेमनभावे ❁ सोईमोहिकरतबनिआवे ❁ ❁ ॥
धीनसोपर्णहमारे ❁ ब्रजबासीमोकौंअतिप्यारे ॥ ❁ ॥
स ततातेंब्रजमांहीं ❁ इनसममोहिऔरहितुनाहीं ॥
थप्रभुसबगुणनागर ❁ ब्रजबासीजनकेसुखसागर
मनकरिहरिब्रजमेंरहैंमिलिब्रजजनमनसाथ
तनकहिदेवनकाजहितभयेद्वारिकानाथ ॥
सदाबसतब्रजस्याम नटबरवपुमुरलीधरे ॥
ब्रजजनपूरणकाम कोटिकामलावन्यनिधि
बसतसदाब्रजकुंवरकन्हाई ❁ ब्रजबासीजनकेसुखदाई ॥
कृष्णप्रेममूरतब्रजनारी ❁ कबहूंनहींकृष्णतेंन्यारी ❁ ❁ ॥
नित्यनवलनितबनहिंबिहारा ❁ ब्रजबिलासनितनवलउदारा ॥
नित्यधामबृंदाबनपावन ❁ नित्यरासरसपरमसुहावन ❁ ॥
शिवसनकादिशेषजिहिंधावैं ❁ सुरनरमुनिसबध्यानलगावैं
ब्रजगोपिनकीमंहतबडाई ❁ एकसमैंब्रह्मासनगाई ❁ ॥
भृगुनारदआदिकहरिभक्ता ❁ पूछतभयेबिनयसंयुक्ता ❁ ॥

आपगयेतिरछेमगमाहीं ❁ भावाधीनसकतरहिनाहीं ❁ ॥
नहतमालतरतरुणाकन्हाईं ❁ ठाढेभयेआयसुखदाईं ॥ ❁ ॥
थकितभईंसबब्रजकीबाला ❁ लगींविलोकननंदकौलाला ॥
रत्नजटितपगपांवरीनूपुरमंदरसाल ॥ ❁ ॥
चरणकमलदलनिकटमनौबैठेबालमराल ॥
उदितचरणनखचंद जनौमणिव्योमप्रकाशकरि ॥
सुरनरऋषिमुनिबंद बिरहतापब्रजतियहरन ॥
जानुकामसतछविनसंवारे ❁ युवतिनकरिमनबुद्धिविचारे
युगलजंघछविपरमपुनीता ❁ रंभाखंभमनहुंविपरीता ❁ ॥
ठाढेधरणिएकपदलाये ❁ कंचनदंडएककलपटाये ॥ ❁ ❁ ॥
तनत्रिभंगकीलटकसुहाईं ❁ अटकरहीयुवतिनमनभाईं
ब्रजयुवतीहरिपदमनलाये ❁ निरखतिमुनिदुर्लभसचुपाये
कुलिशांकुशध्वजचिन्हनिकाईं ❁ इकटकरहीचितैचितलाईं
अरुणतरुणपंकजदलचारू ❁ मानहुंसुखमाकरनिविहारू
कटिकेहरिकीकटिहिलजावै ❁ सूक्षमसुभगकहतनहिआवै
तापरकनकमेखलासोहै ❁ मणिनजटितसुंदरमनमोहै ॥
मनहुंबालकनसहतमराला ❁ बैठेपंगतिजोरिरसाला ❁ ॥
किधौंमदनकेसदनसुहाईं ❁ बांधीबंदनवारिबनाईं ❁ ॥
ब्रजतियनिरखिनिरखिसुखलेहीं ❁ नैननिपलकपरननहिदेहीं
शोभितनाभिगंभीरअतिमानहुंमदनतडाग ॥

रोमावलितटपर लसतरससिंगारकोबाग ॥
ब्रजतियरहीनिहारि शोभानाभिगंभीरकी ॥
मननहिंसकतिनिकारि परोजायगहरेखसकि ॥
उदरउदारबरननहिंजाई • रोमावलितापरछविछाई ॥
रहीअटकिछवितासुनिहारी • परखतिबनतननिरखततारी
कोउकहतिकामकीसरनी • कोउकहतियोगनहिंबरनी
कहतिएकअलिबालकपांती • जुरिबैठेसबएकहिभांती ॥
कोउकहैनीरदनीलसुहाई • सूक्षमधूमधारछविछाई ॥
एककहतियहरविकीजाई • मरकतगिरिउरतेंप्रगटाई
उदरभूमिशोभितसोइधार • जातिनाभिहृदैअगमअपार
हुहुंदिसफेणखातिसुतमाला • उपजतसुखमयलहरबिशाला
शोभातरिनसकतिब्रजनारी • रहीबिचारिबिचारिबिचारी
उरमुक्तनकीमालविराजै • तामधिकौस्तुभमणिछविछाजै ॥
निरमलनभमानहुंउडराजी • शशिहिंघेरिबैठीछविसाजी
भृगुपदरेखश्यामउरमाहीं • मनहुंमेघभीतरशशिछाहीं ॥
पीतहरितसितअरुणरंगरचटकीलीबनमाल ॥
प्रफुलितह्वैछविकीबवरिमानहुंचढीतमाल ॥
छविबरनीनहिजाय कंबुकंठमणिकंठकी ॥
ब्रजतियरहीलुभाय हरिउरबरशोभानिरख ॥
वृषभकंधभुजदंडसुहाई • निंदतिअहिमनसुंडनिकाई

करपल्लवनमुद्रिकासोहैं ● बाऊबिभूषणलखिमनमोहैं ॥
जनुशृंगारविटपकीडारी ● फूलरहीउपजतिछविभारी ॥
हरिमुखनिरखतिगोपकुमारी ● पुनिपुनिप्राणकरतिबलिहारी
कहतिपरस्परअतिमनलोभा ● देखहुसखीबदनकीशोभा
चिबुकचारुअधरनअरुणाई ● पानरेखतापरछबिछाई ॥
मंदहसनदुतिदसननिकाई ● उपमाकोपैजातबनाई ● ॥
अनुपमछबिचितलेतिचुराये ● जगमोहनीहमारेभाये ॥ ● ॥
गोलकपोलअमोलनवीने ● मानहुमुकुरनीलमणिकीने ● ॥
बाजनमुरलीकरकीफेरन ● चंचलनयनचपलगतिहेरन
मणिनजटितकुंडलकीडोलन ● प्रतिबिंबितसबमुकुरकपोलन
सोछबिकापैजातबखानी ● लखिब्रजतियबिनमोलबिकानी
सुभगनासिकाचपलदृगकुटिलभृकुटिकीरेख ॥
जनौयुगखंजनबीचशुकउडनसकतधनुदेख ॥
घुंघरारेकचश्याम बारिजमुखछिगभ्रमरजनु ॥
सीसमुकुटअभिराम कोटिकामशोभाहरन ● ॥
रूपसुधानिधिबदनबिराजै ● दुहुंकरअधरमुरलिकाबाजै
मानहुंयुगलकमलपटमाहीं ● लेतभरायसुधाशशिपाहीं ॥
हरिमुखनिरखतनैनभुलाने ● इकटकरहेनिपलितनहीमाने
घोषकुमारिलखतिनंदनंदन ● श्यामसुभगतनचित्रितचंदन
कनकबरनपटपीतविराजै ● देखिसखीउपमायहछाजै ● ॥

निर्मलगगनसरदघनमाला ❁ तापरश्रस्थितदामिनिजाला
श्रंगश्रंगछविपुंजसुद्दाए ❁ निरखतयुवतीजनमनभाए ॥
कोउभालतिलकछविश्रटकी ❁ मुकुटलटकछविपरकोउलटकी
कोउश्रलकलखतिचितलाई ❁ कोउलखिभृकुटिसुरतविसराई
कोउलोचनछविलखिललचानी ❁ चितवनिमेंकोउश्ररुझानी
कोउकुंडलझलकलुभानी ❁ कोउकपोलदुतिनिरखिबिकानी
कोउनासाकोउश्रधरनिकाई ❁ कोउरदचमकनिमांभुलाई
कोउबोलनिकोउमृदहंसनिकोउमुरलीधुनिलीन ॥
कोउमुरलीपरग्रीवकीलटकनपरश्राधीन ॥ ❁ ❁ ॥
चारुचिबुकदरग्रीव कोउगडितामेंरही ॥ ॥
हरिमुखशोभासींव थकीनिरखिजहांसोतहां
कोउसुंदरउरबाहुविशाला ❁ निरखिथकीकोउभूषणजाला
कोउकटिकोउपटपीतनिहारी ❁ जंघगुलफपरकोउबलिहारी
युगलकमलपदनखकीशोभा ❁ व्रजबासीजनमनकीलोभा ॥
हरिप्रतिश्रंगनिरखिव्रजनारी ❁ गेहदेहकीसुरतिबिसारी
श्रतिश्रानंदमगनमनभूली ❁ शशिमुखलखिजनौकुमुदनिफूली
किधौंचकोररहेटकलाई ❁ पियतसुधाछविशीतलताई ॥
कैरविकुंडछविहिंनिहारी ❁ विकसितकमलबदनबरनारी
कैचकईगणमनसुखमानी ❁ निरखिरहीश्रतिरतिहरषानी
कैधौंनवघनतनछविदेखी ❁ भयेचातकीमुदितविशेखी ❁ ॥

ज्यौं मृगीमुरलीधुनिमोही ॥ स्यामलखतियुवतीइमसोही ॥
हरिछविअरुजनमेंअरुझानी ॥ सुरजनसकतियुवतिविततानी
रूपरससुखरसकन्हाई ॥ प्रेमरसजनकेसुखदाई ॥ ॥
छविसागरसुखकीअवधिगुणमंदिररसखान ॥
मोहिलियेमनतियनकोरसिकनरेशसुजान ॥
मुरलीमधुरबजाय प्यारीप्यारीनामकहि ॥
अनुपमछविदरसाय गयेसुदनआनंदघन ॥
रहीठगीसीगोपकुमारी ॥ मनहरलैगयेनवलबिहारी ॥ ॥
पुनिपुनिकहतिभईसुखमानी ॥ धनिधनिराधाकुंवरिसयानी
बडभागनितोसीनहिप्यारी ॥ तेरेहीबसहीगिरिधारी ॥ ॥
धनिधनिस्यामधन्यतूस्यामा ॥ धनिजोरीधनिप्रीतिललामा
एकप्राणद्वैदेहतुम्हारे ॥ तेबिनरहितनसकतहरिन्यारे ॥
तोकोंदेखिबढतसुखपावैं ॥ मुरलीमेंतेरोगुणगावैं ॥ ॥ ॥
तेरीप्रीतिसांचहरिजाने ॥ तातेंतेरेहाथबिकाने ॥ ॥ ॥
मनबचकर्मनिर्मलतूप्यारी ॥ दुराचारनीहमसबनारी ॥
जैसेंघटपूरणनहिंडोलै ॥ होयअवधलौंसोढकढोलै ॥ ॥
परमसुजाननारितेंधीर ॥ रख्योपरखिहृदैहरिहीर ॥ ॥
धनीनअपनेधनहिबतावै ॥ धरतिछिपायनप्रगटजनावै ॥
धन्यसुहागभागतुवप्यारी ॥ कृष्णसदापतितूबरनारी ॥ ॥
सुनिसुनिबानीसखिनकीप्यारीजियअनुराग ॥

पुलकिरोमगद्गदहियैसमुझिआपनैभाग ॥ ॥
बचनकह्योनहिंजाय प्रीतिप्रगटचाहतिकियो
हरिउरहसमाय बाहरदुरतप्रकाशनहि ॥
सुनकुसखीतुमकरतिबडाई ● सुनिसुनिमेरौमनसकुचाई
मोहिकहतिस्यामहितंजान्यौ ● हरिकौंभलैपरखिपहिचान्यौ
तबतेंयहीसोचमनमाहीं ● कैसेहरिपहिचानेजाहीं ॥ ● ॥
नैनटोयछविअमितअगाधा ● तापरपलककरतिहैबाधा ॥
क्षणहीमेंभरिआवतपानी ● स्यामसरूपपरैकिमजानी ● ॥
मरूंकरमअंगलखियैकोई ● पलकपरतऔरैछविहोई ● ॥
क्षणक्षणमेंशोभापलटावै ● कहौसखीउरकिहिंबिधिआवै ॥
देखनकौंदृगअतिअकुलाहीं ● प्रगटलखतपहिचानिनजाहीं
यहसखिनहीपरतिकछुजानी ● विरहसंयोगलाभकैहानी
कैदुखसुखकैसमरसहोई ● मुहिसमुझायकहौसखिसोई ॥
घृततेंहोमअग्निरुचिजैसें ● मिटतिनहींनैननिगतितैसें ● ॥
उतछविखानिनईछविबाने ● इतलोभीदृगतृप्तिनमाने ● ॥
बिनपहिचानेकौंनबिधिकरौंस्यामसोंप्रीति ॥
नहिवहरूपनभाववहक्षणक्षणऔरैरीति ॥
यहजानीमैंबात हैआनंदकीखानिहरि ॥
पहिचानेनहिजात कहाकरौंद्वैलोचननि ॥
बड़ोकरबिधिनायहआली ● समरूपरोदेखतवनमाली ॥

करपदउदरग्रीवकटिकीनी ◉ मुखरदश्रुतिनासभ्रुभदीनी
भालशिखरनखकेसबनाये ◉ अधरजीभअरुबचनसुहाये
रचिपचिरुचिरअंगसबकीने ◉ रोमरोमप्रतिनैननदीने ◉ ॥
जोब्रजदीनौजन्महमारौ ◉ देखनकौंमनमोहनप्यारौ ◉ ॥
तौकतनैनदियेसठदोऊ ◉ बिधितेंनिठुरऔरनहिंकोऊ ॥
जोबिधनाकौंबसकरिपाऊं ◉ तौअबपंडितऔरचलाऊं ॥
रोमरोमप्रतिनैनबनावैं ◉ इकटककरहैंपलकनहिंलावैं ◉ ◉ ॥
तौकछुबनैकह्यौसखितेरौ ◉ होयमनोरथपूरणमेरौ ◉ ◉ ॥
हरिसरूपसखिजानिनजाई ◉ वहछबिद्वैलोचननसमाई
मैंपचिहारिरहीबऊतेरौ ◉ एकऊअंगननीकेहेरौ ॥ ◉ ॥
जोदेखौंतोप्रीतिकरौंरी ◉ देखनहीकीसाधमरौंरी ॥ ◉ ◉ ॥

दुरतदुरायेकौंनबिधिसखितुमसौंयहबात ॥
देखेबिननंदनंदकेधीरजधरततनगात ॥ ॥
उड्यौफिरतदिनरातइननैननिकेसंगलगि
क्षणनहिंमनठहिरातआकरुईजिमबातबस

सुनरीसखीदसायहमेरी ◉ जबतेंहरिमूरतिमैंहेरी ॥ ◉ ॥
संगहिंफिरौंदरसनहिंपाऊं ◉ मनहींमनपुनिपुनिपछिताऊं
जबमैंअपनेजियहआनौं ◉ निकटजायहरिछविपहिचानौं
तबप्रतिबिंबमेरौईआई ◉ होततहांमोकौंदुखदाई ॥ ◉ ॥
मेरेमनहरिमूरतिभावै ◉ सनमुखदृष्टतहांयहआवै ॥ ◉ ॥

मेरियदेहहोंतमुहिवैरी ● कितौदुरावतिदुरतनहैरी ॥ ● ॥
मैंअंतरतजलखतिकन्हाई ● यहअतिअंतरदेतबढाई ॥
सखीदोषनहिकाहूकेरौ ● करतस्यामयहसबऊकफेरौ ● ॥
नीकैदरसनकबहूदेहीं ● नईनईछबिकरिमनलेहीं ● ॥
चपलाहूतेंचपलघनेरी ● दसनचमकचौंधतहैएरी ॥ ● ॥
कबहूअंगनमुकरबनावै ● कबहूंकोटिअनंगलजावै ॥ ● ॥
कैसेंसबछविदेखनपैये ● कौंनभांतियहसाटपुरैये ॥ ● ● ॥

मगनदरसरसलाडिलीपुनिपुनिपुलकितगात ॥
तृप्तिनमाननिदेखिछबिकहतिलखेनहिजात ॥
लीनींसखियंनजान हरिरंगरानीलाडिली ॥
सुंदरस्यामसुजान रोमरोमयाकेरमें ॥ ● ॥

कहतिधन्यप्यारीबडभागी ● नीकैतूहरिसंगअनुरागी ● ॥
तूहैनवलनवलहरिओऊ ● रूपअगाधसिंधुतुमदोऊ ● ॥
हमजानीयहबातअबाधा ● तूहरिकीअर्धंगनिराधा ● ॥
मिलेतोहिकरिकृपाकन्हाई ● दियेसकलदुखदूरमिटाई ॥
कहुप्यारीहमसौंअबसांची ● कहेबनेयहबातनकांची ● ॥
छांडिदेऊअवयहचतुराई ● कहांमिलेकहितोहिकन्हाई ॥
खरकमिलेकैकुंजनमांहीं ● कैदधिबेचनजातिजहांहीं ॥
कैजबडरगडसनतेंबाची ● कहिकैसेंतूहरिरंगराची ● ॥
सुनिसखियनकीबातसयानी ● बोलीपरमनागरीबानी ॥

अबरीस्याममिलेनहिंजानौ ॰ सुनऊंसखीमैंसांचबखानौं ॥
गृहबनकुंजसुरतिनहिमोही ॰ दधिबेचतकैखरकविमोही
आजकेकाल्हिकहौंकहाआली ॰ कियौबासउरमेंबनमाली
नैननितेंक्षणटरतनहिनीकैलखेनजात ॥
कहाकहौंतुमसेंसखीयहअचरजकीबात ॥
मिलेमोहिजबस्याम सुनौसखीतुमसोंकहौं ॥
करिकैउरमेंधाम तबतेंमनमेरैंहस्यौ ॰ ॥
मैंयमुनाजलभरनसिधाई ॰ औचकहरितहांपरेलखाई ॥
मोतनचितैरहेमुसकाई ॰ कहाकहौंसखिनैननिकाई ॰ ॥
जीतआपनेवलजनौकीनी ॰ सरदसरोजनकीछबिहीनी ॥
जीतेसकलरूपगुणजाती ॰ नीलकोकनदअरुसतपाती ॰ ॥
येनिसमुद्रितदिवसप्रकासे ॰ क्षणप्रतिहोतमलिनदुतिनासे
वेआनंदकंदसुखमूले ॰ रहतदिवसनिशिछविसोंफूले ॰ ॥
निरखिनैनमैंदसाभुलाई ॰ उनमुसकानमोहनीलाई ॰ ॥
सिथलअंगभयेजैसेंपानी ॰ तबहीतेंउनहाथबिकानी ॰ ॥
सूधैमारगगईभुलाई ॰ ज्यौंत्यौंकरिपऊंचीघरआई ॰ ॥
तादिनतेंअखियायेमेरी ॰ सुखदुखभूलिभईहरिचेरी ॥
बसीजायवाचितवनमाहीं ॰ अबवहछविक्षणबिसरतिनाहीं
कैइननैननिआपसमानी ॰ यहचितवनकछुजातनजानी ॥
नहिंजानतिहरिकहाकियैमंदमधुरमुसकाय ॥

मनसमुभतरीभतनयनमुखकछुकह्यौनजाय ❀ ॥
तबतेंकछुनसुहाय कासोंकहियेबातयह ❀ ॥
अमलपखौदृगआय अवलोकनहरिबिधुबदन
निकसेसखीएकदिनआई ❀ द्वारहमारेकुंवरकन्हाई ❀ ॥
मैंठाढीहौअजिरअकेली ❀ देखिरहीवहछविअलबेली ॥
चंचलनयनचितैचितचोरै ❀ सुभगभृकुटिविववंकमरोरै ॥
कोटिमदनतनदुतिसमबाहीं ❀ फेरतकमलकमलकरमाहीं
मोहितलागिभयेतहांठाढे ❀ कियैभावकछुआनंदबाढे ❀ ॥
लैकरकमलभावसोंलायौ ❀ पीतांबरनिजसीसफिरायौ ❀ ॥
मैंगुरुजनडरसंकाआनी ❀ बोलनसकीकछूमुखबानी ❀ ॥
प्रेमसहिततेरेहरिआये ❀ वैसेईउनकौफेरिपठाये ❀ ❀ ॥
तूतौचतुरकुतीअतिनारी ❀ सेवाकछूकरीनहिप्यारी ❀ ॥
गुप्तभावतोसोंहरिकीनौ ❀ बातनभुरैनहीक्यौलीनौ ❀ ❀ ॥
काहेकमलभावसोंछुयौ ❀ काहेपीतांबरहिफिरायौ ❀ ❀ ॥
तैंकछुउत्तरलिन्हैंजनायौ ❀ घरआयेकाहेविसरायौ ❀ ❀ ॥
कहाकरौंगुरुजनसखीभयेमोहिदुखदाय ❀ ॥
सकुचरहीतिनकीसकुचमुखकछुवचननआय ॥
इतनौकियौसयान मैंतबबैंदीकरपरसि ❀ ॥
उरलाईहितमान सन्मुखकरिकरिआरसी ॥
अंतरजामीचतुरकन्हाई ❀ जानिलईमेरीचतुराई ❀ ❀ ॥

आपनहंसिउतपागसंवारी ॥ रहेकमलहिरदेपरधारी ॥ ॥
रहेचितैअतिहितचितलाई ॥ मोतैंसखीनकछुबनिआई ॥
कहाकरौंकछुदोषनमेरौ ॥ नयौनेहुउतगुरुजनघेरौ ॥ ॥
रहीदेखिमनआनंदभरिकै ॥ दियौकमलउरआसनकरिकै
आंचरफेरिनिछावरिकीनौं ॥ अरघसलिलअंखियनसोंदीनौं
उमंगिकलसकुचप्रगटभयेरी ॥ टूटिकंचुकीबंदगयेरी ॥ ॥
अबमनहोतिलाजअतिभारी ॥ सखीसमुझिकरनीवहसारी ॥
ऐसीमेरीमतिअज्ञानी ॥ सोप्रभुमंगलमैंकरिमानी ॥ ॥ ॥
अतिसुखमानगयेसुखदाई ॥ तबनेंमोमनकछुनसुहाई ॥
कहतिसखीराधासुनिसूरी ॥ सेवामानिलई हरितेरी ॥ ॥
अबकाहेपछितातअनेरी ॥ तोहितस्यामजातकरिफेरी ॥ ॥
नीकेकीन्हेभावसबतूअतिनागरिबाम ॥
उनलीन्हेसबजानिकैचतुरसिरोमणिस्याम
भावहिकौसनमान गुरुजनकेमधिचाहिये ॥
गयेस्यामहितमान अबप्यारीचाहतिकहा ॥
नेरेबसहिभयेहृषिदानी ॥ हमयहबातभलैंकरिजानी ॥ ॥
तेंबेंदीउनपागसंवारी ॥ उनकौंतुमउनतुमहिंजुहारी ॥ ॥
मिलीआरसीमैंतुमउनकौं ॥ उनउरधरीकमलमिसतुमकौं ॥
जानेकहाभेदयहकोऊ ॥ एकप्राणद्वैतनतुमदोऊ ॥ ॥ ॥
सुनऊंसखीमोहनसुखरासी ॥ अंखियांरूपतिदरसकीप्यासी

निकसतजबसुंदरइतआई ● कमलनैनकरवेणुसुहाई ॥
नाजानियेसखीतिहिंकाला ● सबतनअवखाकिलोचनजाला
सुरतगईप्रतिरोमनमाहीं ● नखशिखज्यौंचखदेखौंहिचाहीं
इतनेपरसमझतनहिबैना ● चितैरहतज्यौंचित्रतनैना ● ॥
सुनऊंसखीयहसांचकिसपनौं ● कैदुखसुखकैसंभ्रमअपनौं
कहाकरौंगुरुजनडरमानौ ● मनमेरोउनहाथबिकानौ ● ॥
जबतेंद्वारदरसमोहिदीनौ ● तबतेंमनअपनौकरिलीनौ ॥

भागदसाआयेसदनमेरेस्यामसुजान ॥
मैंसेवानहिकरिसकीगुरुजनकोडरिमान
यहैचूकजियजान मोहनमनहरिलैगये ॥
अबलागीपछितान फेरकौंनबिधिपाइये ॥

जबतेंप्रीतिस्यामसोंकीनी ● तबतेंनीदहगनितजदीनी ● ॥
फिरतसदाचितचक्रचढ्यौसो ● रहतहियेअतिसोचबढ्यौसो
मिलहिंकवनबिधिकुंवरकन्हाई ● यहैविचारविचारतजाई
यहदुखसखीकौंनसोंकहिये ● पशुवेदनज्यौंआपहिसहिये
सुनप्यारीतूहरिरंगराची ● बातकहैंतोसोंहमसाची ● ● ॥
तोतेंचतुरऔरनहिकोऊ ● तुमअरुस्यामएकभयेदोऊ ॥
बाकीनहींकछूअबबांची ● कहौंबातमैंरेखखांची ● ● ● ॥
एसीभईआपनभोरी ● उनकौमनतैंनाहिंचिोरी ● ● ॥
तैंउनकौमनप्रथमचुरायौ ● तबउननैमनअबपायौ ॥ ● ॥

अबकाहेकौंकरतसयानी ॥ नंदनंदनबरतूपटरानी ॥ ॥
तोसीऔरकौनबडभागी ॥ तेरेसंगस्यामअनुरागी ॥ ॥
बिलसौस्यामसंगसुखमानी ॥ अबकतवृथारहतिबौरानी ॥
स्यामकरीमोहिबावरीमनकरिलियौअधीन ॥
बंसीज्यौंवाकीअलकअटकेमोदृगमीन ॥ ॥
अबमोहिकछुनसुहाय मनमेरौमेरैनही ॥
लियौस्यामअपनाय रूपठगौरीडारिसिर ॥
बारबारमैंतोहिसुनाई ॥ तेरेमनयहबातनआई ॥ ॥
अपनीसीबुद्धिजाननिमेरी ॥ मैंपाईइतनीकहांएरी ॥ ॥
देखतिहीहरिरूपलुभानी ॥ मोतैंसुधिबुद्धिसबहिहिरानी
ऐसैंकहिप्यारीअनुरागी ॥ गदगदबचनस्यामरसपागी ॥ ॥
पुनिपुनिकहतियहैमुखबानी ॥ मनहरिलियौकैंवदंघिदानी
नबइकसखीसखीसौंबोली ॥ तूकतहोतिजानकैभोली ॥ ॥
यहपुनिपुनिमनकैंनिदरानी ॥ गुप्नबाततिनप्रगटबखानी ॥
तुमजानतिस्यामाहैछोटी ॥ हैयहज्ञानबुद्धिकीमोटी ॥ ॥
रहतसदाहरिकेसंगमाहीं ॥ हमसोंप्रगटकरतिसोनाहीं
कियेरहतिहमसौंहठओटी ॥ बातकहतिमुखचोटीपोटी ॥
भयेस्यामयाहीकेबसअबि ॥ देखिछकेबैंदीकोटीछबि ॥ ॥
भलीबनीसुंदरअबजोटी ॥ वेखोटेउनतैंयहखोटी ॥ ॥
कहतिसखीतूयहकहानिपटगंवारीबान ॥

कौप्यारीसरदूसरीजाकेबसबलभ्रात ॥
रूपशीलगुणधाम यहसबमेंव्रजआगरी ॥
दृढव्रतलीनौश्याम धन्यनयातेंऔरकोउ ॥
प्रीतिगुन्नहीकीहैनीकी ॥ कहांबातसखिअपनेजीकी ॥ ॥
मैरीजीयापरअतिभारी ॥ क्यौंखोटीजोकृष्णपियारी ॥ ॥
जोहरिकोटिमदनमनमोहै ॥ सोमोहनयाकौमुखजोहै ॥
जैसेश्यामनारियहतैसी ॥ भेदकरैसोसखीअनैसी ॥ ॥
नागरिनवलनवलकेनागर ॥ सुंदरयहजोरीछविसागर ॥
सुनऊसखीऐसैंयेराजैं ॥ एकप्राणद्वैतनसुखकाजैं ॥ ॥
एकऊपलककबऊंनहिंन्यारे ॥ सोवतजागतजानहमारे ॥
पूरवनेहनयौयहनाहीं ॥ देखऊसखीसमुझमनमाहीं ॥
मेरौकह्यौमानयहलीजे ॥ इनसेंभावप्रीतिकरिकीजे ॥
इनकीप्रीतिप्रीतिकेमाहीं ॥ बिनाप्रीतियेजानेनजाहीं ॥
जबलगइनसेंप्रीतिनमाने ॥ तबलगइनकीप्रीतिनजाने ॥
इनकीप्रीतिलखौजोचाहै ॥ तौकरिइनसैंप्रीतिनिबाहै ॥
सखीबचनसुनिसखिनकेभयौहियेअतिचैन ॥
धन्यधन्यताकौंसबैकहतिसप्रेमसुबैन ॥ ॥
धनिधनितेरौज्ञान तेंइनकौंजान्यौंभलै ॥ ॥
हमसबनृपदअजान जानकहतिऔरैकछू ॥
हमइनकौंऐसेनहिजाने ॥ येव्रजआयगुप्तप्रगटाने ॥ ॥

स्यामास्यामएककहैंएरी ❁ नौइतनेऊपहाससहेरी ॥ ❁ ॥
वैदोऊइकदूसरितूरी ❁ नेरिकुप्रीतिस्यामसौंपूरी ॥ ❁ ॥
इनसौंतेरीप्रीतिपुरानी ❁ नवतेंप्रीतिपुरातनजानी ॥ ❁ ॥ ❁ ॥
धन्यस्यामधनितूधनिस्यामा ❁ हमसबवृथाभईबिनकामा ॥
स्यामराधिकासहजसनेही ❁ सहजएकदोऊद्वैदेही ॥ ❁ ॥
सहजरूपगुणपूरणकामी ❁ सुंदरसहजसहजबनधामी ॥
देखिदुहूनकीप्रीतिविशाला ❁ भईविवससबव्रजकीबाला ॥
स्यामास्यामरंगरसपागी ❁ सोवतितैंमानऊंसबजागी ❁ ॥
उपजीप्रीतिदुहूनकीसांची ❁ दूरगईदुबिधामतिकांची ॥
भईयुगलरसबससबगोपी ❁ लाजसंकमर्यादालोपी ॥ ❁ ॥
सबकेनैनरूपरसअटके ❁ श्रीस्यामाबरनागरनटके ॥ ❁ ॥
॥ नवलनागरस्यामस्यामाप्रेममनसबकेफसे ॥
॥ नैननासाश्रवणरसनाअंगप्रतिदोऊबसे ❁ ॥
॥ उठतबैठतचलतसोवतजगतनिशिवासरघरी
॥ नहींबिसरतिध्याननकबहूंसकलब्रजकीसुंदरी
गईसकलनिजनिजसदनयुगलप्रेमरसलीन ॥
बिछुरतिनहिंएकऊघरीजैसेंजलअरुमीन ॥
रहैस्यामउरछाय बिनदेखेदृगकलनहीं ॥ ❁ ॥
गृहकारजनसुहाय गुरुजनत्रासनसुरनिकछु ॥
वोलकछुकहैंकरैंकछुऔरैं ❁ सासननदतबमोरनदौरैं ॥ ❁ ॥

कहैंयहीपितुमातसिखायौ ● ऐसैंहीढंगतुम्हैंबतायौ ॥ ● ॥
कहातुम्हारेमनयहआई ● अपनीसुधिबुद्धिकहांगंवाई ॥
तुमकुलबधूलाजनहिंआवै ● कहांलगिकोउतुम्हैंसमुझावै ॥
कबकीयमुनान्हानगईहौ ● ऐसीअबतुमनिडरभईहौ ● ॥
तुमराधाकौसंगकरतिहौ ● हरिकेपाछैंवहींफिरतिहौ ● ॥
बडेमहरकीसुताकहावै ● यहसबबातउन्हैंबनिआवै ॥ ● ॥
उनकौसबउपहासउठावत ● ब्रजघरघरप्रतियहीकहावत
ऐसेंतुमहूनामधरैहौ ● ब्रजलोगनपैहमैंहंसैहौ ॥ ● ● ॥
हमअहीरब्रजपुरकेबासी ● ऐसेंचलौहोयनहिंहांसी ● ॥
लोकलाजकुलकानहिंकरिये ● फूंकिफूंकिधरणीपगधरिये
ऐसेंकहिगुरुजनसमुझावैं ● लाजकाजमरयादसिखावैं ॥
सुनियुवतीगुरुजनबचनविहसिरहीधरिमौन ॥
हरिराधाउपहासकीमहिमाजानेकौन ॥ ● ● ॥
कहतितैसियैबात जैसीमतिजाकेहिये ॥
सुखउलूकहीरात रविकौतेजनमानहीं
विषकौकीटविषहिरुचिमानै ● कहासुधारसस्वादहिजानै ॥
येअहीरइनकौंप्रियगोधन ● नंदनंदनसुरश्रुतिशिवकौमन
तिनकीमहिमाकहायेजानै ● जिनकेगुणमुनिगर्गबखानै ॥
धनिधनिराधाकुंवरिसयानी ● स्यामहिंमिलीकर्ममनबानी ॥
स्यामकामकेपूरणहारे ● पूरणकरितिनकौंउरधारे ● ● ॥

धन्यधन्यस्यामाबनवारी ● यहरसलीलाब्रजविस्तारी ● ॥
ऐसेंगोपीगणाकरिध्याना ● करतस्यामस्यामागुणागाना ● ॥
स्यामरूपस्यामाअनुरागी ● रोमरोमताहीरंगपागी ● ॥ ● ॥
गईसदनमनलागतनाहीं ● मनमोहनबिनक्षणयुगजाहीं ॥
मनहीमनगुरुजनपरखीजै ● इनविमुखनकौसंगनकीजै ॥
कौनभांतिकरिइनसौंछूटौं ● क्यौंवहदरसरसरससुखलूटौं
बारबारजियअतिअकुलाही ● कैसेंऊहरिबिनरह्योनजाही

धृकगुरुजनकुलकानिधृकधृकलज्जाधृकधाम ॥
धृकजीवनबऊदिननकौबिनसुंदरघनस्याम ॥
पलककलपसमजाय ब्रजबासीप्रभुदरसबिन ॥
सदननैकसुहाय मनहरिलीनौसांवरे ॥

॥ अथबाटकेमिलनकीलीला ॥

श्रीबृषभानकुंवरिबरगोरी ● कृष्णप्रेमउनमत्तकिशोरी ॥
तनविह्वलमनहरिकेपासा ● दुरतनहृदेप्रेमपरकासा ● ॥
चलीयमुनजलआपअकेली ● रूपरासिगुणरासिनवेली ● ॥
दृगनस्यामदरसनकीआसा ● मनहीमनयहकरतिऊलासा
चित्तकौचोरअबवहिजोपाऊं ● तौउरकौसंतापनसाऊं ॥
राखौंबांधहृदेसौंलाई ● भुजकीदृढकरिदामबनाई ● ॥
जैसेंलियौचोरिमनमेरौ ● तैसेंलेउंचोरिउनकेरौ ● ॥ ● ॥
छांड़ौंनाहिंकरैजोकोरी ● ऐसेंजातिबिचारतिगोरी ● ॥

इततेंप्यारीयमुनहिंजाई ॥ उततेंआवतघरहिंकन्हाई ॥
नीलजलजतनशोभितआछें ॥ नटवरभेषकाछनीकाछें ॥ ॥
दूरहितेंदेखतहीजान्यौं ॥ जीवनप्राणतुरतपहिचान्यौं ॥ ॥
रहीमनोहरबदननिहारी ॥ कोटिमदनजापरबलिहारी
मनआनंदउलस्यौहियारोमपुलकिदृगबारि ॥
बोलीगदगदबचनमुखतनविहवलनसंभारि ॥
चितचोरकहांजात मैंढूंढतितबतेंतुमहिं ॥
कहांसीखीयहबात अहोनंदकेलाडले ॥ ॥
जानतजैसेंमाखनचोरी ॥ तबवहबातहुतीकछुओरी ॥ ॥
बालकहुतेकान्हतबतुमहूं ॥ भोरीसहजहुतीमनहमहूं ॥
मुखपहिचानिमानसुखलेती ॥ जसुमतिकानिजानतबदेती
असोबासखबअहइकठौरी ॥ गोरसकाजकानिनहितोरी ॥ ॥
अबभयेकुशलकिशोरकन्हाई ॥ भईसजगहमसमतरुणाई
माखनतेंअबचितकीचोरी ॥ लागेस्यामकरनबरजोरी ॥ ॥
नखशिखअंगचितचोरतुम्हारे ॥ लीनौमनधनछोरिहमारे
सोअबजातकहांतुमलीने ॥ भुजापकरिठाढेहरिकीने ॥ ॥
तुमकोंनीकेकरिहमचीन्हे ॥ बनिहैअबमेरेमनदीन्हे ॥ ॥
ब्रजमेंढीठभयेतुमडोलत ॥ मोसोंसूधेबचननबोलत ॥ ॥ ॥
अबतेंमोहिबूझघरजैहो ॥ बिनादियेमनजानदपैहो ॥ ॥
प्यारीयोंरसरतिपियपाहीं ॥ देहगेहकीसुधिकछुनाहीं ॥

बीचकरीकुललाजतबसनमुखआइंधाय ॥
बकसिनागरीचूकयहमोहिकह्यौसमझाय
चितलैगयेचुराय चूकपरीहरितेंबडी ॥
छांडिदेऊडरपाय बडेमहरकीकुंवरितुम
कुलकीलाजअकाजकियारी ॥ कहाकरौंअतिजरतहियारी
तबयौंकहतिपीयसोंप्यारी ॥ सुनऊंप्राणपतिगिरिवरधारी
देखेबिनातुमहिदुखपाऊं ॥ सोयहतुमबिनकाहिसुनाऊं ॥
गुप्तरहनमोकौंतुमभाख्यौ ॥ सोआयुसमैंसिरधरिराख्यौ ॥ ॥
नहिसुहाततुमबिनदिनराती ॥ प्राणनाथतुमहितबसमाती
तुमतेंविमुखजननकेमाहीं ॥ रह्यौंजातमोपैप्रभुनाहीं ॥ ॥
मातपिताअतित्रासदिखावैं ॥ निंदतमोहिनैकनहिभावैं ॥ ॥
भवनमोहिभाठोसोलागै ॥ इकक्षणसोचनहीडरत्यागै ॥ ॥
कहांलगिअपनीबिपतिबताऊं ॥ तुमबिनसुखकौअनततनठाऊं
सुंदरस्यामकमलदललोचन ॥ करऊकुसंगतिकोदुखमोचन
अबयहविनयस्यामसुनलीजै ॥ चरणनतेंन्यारीनहिकीजै
कुलकीकानिकहांलगिमानौं ॥ यहमनमोहनतुमहिलुभानौं
मनलुभानौतुमहिमोहनऔरतेंहिभावैनहीं ॥
बिनलखेगिरिधरनसुंदरकहूंसुखपावैनहीं ॥
लोकडरकुललाजगुरुजनकानिकहांलौंकीजिये
सिंहशरणकृपालजंबुकत्रासक्यौंसहिजीजिये

निरखिस्यामप्यारीबदनसुनिसुनिबचनसिहाय
प्रेमअधीनविलोकिअतिहरषिलईउरलाय ॥
शीतलपंकजपान परसहसौतनविरहदुख ॥
प्रेमविवसभगवान बोलेप्यारीसौंहरषि ॥

कतदुखपावतिहौतुमप्यारी ❁ यहलीलातुमहितविस्तारी ॥
बसतसदामैंतुममनमाहीं ❁ तुममममउरतेंबाहरनाहीं ❁ ॥
श्रीबृंदाबनघनसुखकारी ❁ हैविहारथलतुमरौप्यारी ❁ ॥
शीतलसघनकुंजछविधामा ❁ हमतुमसंगमिलैंतहांभामा ❁ ॥
दीजैसैनमोहिकऊंआई ❁ तबतुमपैऐहौंमैंधाई ॥ ❁ ❁ ॥
अबगृहजाऊआयहैकोऊ ❁ येंसंकेतबद्योहितदोऊ ❁ ॥
ब्रजयमुनामगबिचदोउठाढे ❁ प्रेमसंकोचअतिहिमनबाढे ॥
बिछुरतबननतनरहततहांहीं ❁ चितवतचकितचपलचहुंघाहीं
तबहियुवतिब्रजतेंकछुआई ❁ कछुयमुनातेंब्रजकौंजाई ❁ ॥
दुहूंदिसतरुणिनआवतिजानी ❁ मनहीमनराधिकाललजानी
चलेतुरतहंसिकुंवरकन्हाई ❁ मिलेहांकदैग्वालनजाई ॥
रहेकहांतबतेंसबग्वाला ❁ ऐसेंटेरकह्योनंदलाला ❁ ॥ ❁ ॥

गयेभावकरिस्यामयहलियोनागरीजान ॥
कहिहैंयहैसखीनसौंकीनोयहअनुमान ॥
सखीमोहिहरिसंग अबहिआयसबबूझिहैं ॥
जानतिइनकौरंग मनमनसोचतिलाडली ॥

तयुवतिनमोहनकोंदेखौ ॥ जानिराधिकाढिगतेंपेखौ ॥
कहनलगीआपुसमेंबातें ॥ देखहुसखिप्यारीकीघातें ॥
बातकरतिमिलिसंगबिहारी ॥ हमहिंलखतदीनेहैंटारी ॥
बूझतहीकछुबुद्धिउपैहै ॥ सांचीएकहुनाहिजनैहै ॥
इतउतउतेंआईनारी ॥ कहतिकहांतूजानपियारी ॥
अबहिंलखेतोढिगबनवारी ॥ कहांगयेपहुतातकहारी ॥
कहादुरावबनतअबकीन्है ॥ हमहूंतेंतबहीलखिलीन्है ॥
कान्हकहाबूझतहेतुमकौं ॥ सांचीबातकहौतुमहमकौं ॥
मनलैगयेतुम्हारौचोरी ॥ सोपायौअपनौतुमगोरी ॥
स्यामहिंमिलअपनौमनलीनौ ॥ देखतहमैंटारिक्योंदीनौ ॥
सदाचतुरईफबतीनाहीं ॥ अबतौआयपरीफंदमाहीं ॥
हमहिबहुततुमनिदररहीहौ ॥ कहांरहतहरिकहिनिबहीहौ
कहतरहीजबतबहितुमहरिसंगदेखहुमोहि ॥
तबकहियेजोभावईलीजोबेसरखोहि ॥
अबहमजैहिंकुडाय बेसरदैहौकैनहीं ॥
कैकरिहौचुतुराय औरकछूहमसोंअबहु ॥
तबहंसिकह्यौनागरीप्यारी ॥ तुमसबभईअजानकहारी ॥
मैंमूरखतुमचतुरबडेरी ॥ ऐसेंहिबेसरिलैहौमेरी ॥
यहीकहनमोकौंतुमआई ॥ इतउततेंसबमिलउठिधाई ॥
बेसरएकलेहुगीकोको ॥ पीतांबरदिखरावहुमोको ॥

पीतांबर अरु बेसर लीजै ❁ प्रगट जाय लब ब्रज मैं कीजै ❁ ॥
नारी एक बजनिकर दोऊ ❁ इतनौ ज्ञान करै सब कोऊ ॥ ❁ ॥
सुन राधा तो सौं हम हारी ❁ धन्य धन्य तेरी महतारी ❁ ॥ ❁ ॥
तेरे चरित कहा कोऊ जानै ❁ बस कीनौ घनस्याम सुजानै ॥
अबहिं टारि पठाये तिनकौं ❁ हम देखे तेरे ढिग उनकौं ॥ ❁ ॥
तापर निदरत है तू हमसौं ❁ कहत न बनत हमैं कछु तुमसौं ॥
अंग अंग बिरचि कपट चतुराई ❁ निज कर बिधि नातो हि बनाई ॥
इतनी बुद्धि स्याम कै नाहीं ❁ जितनी है प्यारी तो माहीं ❁ ॥

स्याम भले अरु तुम भली राज करउ घर जाय ॥
बेसर छोर तिहौ सखी बिन काजे उठि धाय ॥
ज्ञान्यौ तुमरौ ज्ञान दौरि परी मोपर सबै ॥
जो तुम हती सुजान गहती बांह दुहूंन की ॥

कऊ प्यारी सांची अब हमसौं ❁ कछु नौ स्याम कहत है तुमसौं ॥
हाहा बात कहौ सोइ प्यारी ❁ भेट करौ तौ सौं हहमारी ❁ ॥
तो ढिग तें मोहन हम हेरत ❁ गये उतें ग्वालन कौं टेरत ॥ ❁ ॥
तू क्यौं ठठकि रही मग माहीं ❁ कहा कह्यौ मोहन तो पाहीं ❁ ॥
सहज होय हमसौं यह भाखै ❁ उरमैं कछू रोस जिन राखै ❁ ॥
मैं यमुना तट जात रही री ❁ ब्रज तें आवत तुम्है लही री ❁ ❁ ॥
परखन लगी तुम हिं मग माहीं ❁ तिरछे आय गये हरि पाहीं ॥
मैं तुम ही तन रही निहारी ❁ उन पूछ्यौ मोहि ग्वालक हारी ॥

मैंसुनसन्मुखदीठनखोली ● हांनाहीं कछुमुखनहिबोली ॥
ग्वालनटेरतगयेकन्हाई ● तुममेरीबेसरकौंधाई ॥ ● ● ॥
सुनियहबातयुवतिसकुचानी ● कछुतोपरतिसांचसीजानी
ग्वालनटेरतगयेकन्हाई ● यहतौहमऊंश्रवनसुनिपाई ॥
तबहंसिकैसखियनकह्यौसुनिलाडिलीसुजान
हममानीतेरीकहीतूमतिरिसजियश्रान ● ॥
लीनीकंठलगाय अतिनिर्मलतूलाडिली ॥
झूठहिकरतचवाय ब्रजघरघरतेरौसबै ॥
अबचलिहैयमुनाकेधामा ● संगचलैंहमहूंसबस्यामा ● ● ॥
चूकपरीहमसेंयहतेरी ● नामलियौबेसरिकौएरी ● ● ॥
अहोसखीतुमनिपटअनेसी ● जानतिमोहिअपहौजैसी ॥
झूठहिधाईदोषलगावन ● अबलागीमोकोंदुलरावन ● ● ॥
अ्ासकबुद्धितुम्हरीधौंकैसी ● होतुमबडीपेटकीजैसी ● ● ॥
यहसुनहंसतिचलीब्रजनारी ● गईयमुनतैंगृहकौंप्यारी ॥
ऐसेंसखियनकौंबहरायौ ● कछुसनेहनप्रगटजनायौ ● ॥
नागरिस्यामास्यामसनेही ● चतुरस्यामस्यामाकेनेही ॥ ● ॥
स्यामाबसतिस्यामतनमाहीं ● बसतस्यामस्यामामनमाहीं ● ॥
बटसंकेतगयेघरदोऊ ● मातपिताकछुजानेनकोऊ ॥ ● ● ॥
कैसेऊंकरिकरिदिवसबितायौ ● निसनिघटेरसविरहसतायौ
अतिआतुरदोउमनमाहीं ● क्यौंहूंनीदपरतिहैनाहीं ● ॥

बिरहनदीनिशितमसलिलपैरलथकेनिहार ॥
बूड्यौमथितमचरकह्यौमिल्यौपारभिनसार ॥
सुनितमचरकीटेर अतिआनंदहुंनमन ॥
अतिहीउठेसबेर लगीचटपटीमिलनकी ॥

॥ अथसंकेतकेमिलनकीलीला ॥

स्यामउठतलखिजननीजागी ❁ हरिमुखकमलनिरखिअनुरागी
बूझतिमातजाउंबलिप्यारे ❁ आजकहातुमउठेसवारे ❁ ॥
उत्तमजलभरिदीनीझारी ❁ अतिआतुरहरिकरीमुखारी ॥
विवसस्यामप्यारीरसञाके ❁ मगनध्यानवृषभानसुताके ❁ ॥
उतवृषभानसुतासुकुमारी ❁ उठीप्रातवहभावविचारी ❁ ॥
ग्रीवासोंमोतीलरतोरी ❁ अंचरबांधिमातकीचोरी ❁ ❁ ॥
यहैव्याजअपनेउरधास्यौ ❁ कुंजधामबनजानबिचास्यौ ❁ ॥
आंगनगईभवनफिरिआई ❁ गईभवनतेंफिरिअंगनाई ॥
जातबनेनरह्यौनहिजाई ❁ इतउतफिरतभुवनवितताई ॥
मनहिकहतिकबमिलकुंकन्हाई ❁ काल्हिगयेबनधामबुलाई
मातकह्योक्योंउठीसवारी ❁ जानिकहांप्रातहिनूप्यारी ॥ ॥
आजकहाइतउततूडोलै ❁ मुखतैंकछूबचननहिबोलै ❁ ॥
अतिनागरिमोतीसरीशखीप्रथमदुराय ❁ ॥
ताहीमिसिकरिकैसकुचबोलतिनाहिडराय
पुनिपुनिचितईमात लखीग्रीवभूषणविना ॥

तबजानीयहबात खोईकछुमोतीसरी ॥
जननीभईतबहिरिसहाई ❁ कंठसरीतैंकहांगंवाई ❁ ❁ ॥
मोतिनकौगजराछविछायौ ❁ बडेमोलकौपरमसुहायौ ❁ ॥
तेरेलियेमहरबनवायौ ❁ मैंतोकौंदिनकरिपहिरायौ ❁ ॥ ❁ ॥
कौनेलियौकहांतैंगेरयौ ❁ कालहितेरैतौगरहेरयौ ॥ ❁ ❁ ॥
बूझेतोहिजवाबनआवै ❁ कहासोचतिकिनबेगबतावै ❁ ❁ ॥
सुनिराधिकामातकीबानी ❁ मनविहसतिऊपरभयमानी ॥
बोलतिनहींहृदयहरवाई ❁ कहतिभलीबुद्धिमोकछुआई
अबहीमोकौंखीजपठैहै ❁ यामिसजानस्यामपैहैहै ❁ ❁ ॥
कहतिमातसौंतबभयमानी ❁ मोहिनहीसुधिकहांहिरानी ॥
कालसखिनसंगयमुनान्हाई ❁ तहांकहूंधौंतिनहिंचुराई ॥
कैधौंगिरीकतऊजलमाहीं ❁ यहतौमैंकछुजानतिनाहीं ॥
कालहीतैंसोचतिपछिताई ❁ तेरेडरतैंकह्योनजाई ❁ ❁ ॥
नेकुनींदनहिनिसिपरीतेरीसौंसुनमात ॥
याहीडरतैंआजहौंउठीबडेपरभात ❁ ॥
सुनतसुताकेबैन महरिचकितमुखलखिरही
कृष्णप्रियागुणऐन कोऊपारनपावई ॥
तबजननीकरिक्रोधकहीरी ❁ मैंबरजततोहिहाररहीरी ॥
फिरतिनदीबनडगरनमाहीं ❁ काहूकीसंकातोहिनाहीं ॥
बहुततातातोहिलाडलडाई ❁ नौखीसुतामहरकेजाई ❁ ॥

बरजतिमैंजुकरतितूसोई ॥ भलीकरीमोतिनलरखोई ॥ ॥
एकएकनगपरमसुहायौ ॥ लाखटकादैमैंजुमगायौ ॥ ॥
जाकेहाथपरयौसोदैहै ॥ घरबैठेनिधिपायगवैहै ॥ ॥ ॥ ॥
भरिभरिनैनलेतिहैमाता ॥ मुखतेंकछूनआवतिबाता ॥ ॥
रीतीगरौनिहारतिजबही ॥ हियौउमंगिआवतहैतबही ॥ ॥
कहाकरौंजोखोयगईरी ॥ तूकतखीजतिविकलभईरी ॥ ॥
लैहौंऔरमगायववासैं ॥ देतिनहीक्यौंऔरडिबासैं ॥ ॥ ॥
करिहैकहासैंतजोराखै ॥ तादिनतुहीकितकधौंभाखै ॥ ॥ ॥
रोवतिकहाऔरहैनाहीं ॥ दैनिकासिपहिरैगरमाहीं ॥ ॥

सुनिराधातेरौनहीं अबपतियारौमोहि ॥
चौकीहारहमेलकछुनहिपहिरऊंतोहि
लाखटकाकीहानि करीआजतेंलाडिली ॥
अबनहिदैहौंआनि जबलौंवहल्यावैनहीं ॥

अबतौघरपैठनतबपैहै ॥ जलजसरीजबखोजलैऐहै ॥ ॥
जाधौंदेखिकहूंजोपावै ॥ तबहीतोहिभलाईआवै ॥ ॥ ॥
यमुनागईसंगतबकोही ॥ बूझतिनहीजायकिनओही ॥ ॥
कौनकौनकौंतोहिबताऊं ॥ कहांलगिसबकेनामगनाऊं ॥
चंद्रावलिललितादिकनारी ॥ हतीसकलब्रजगोपकुमारी ॥
देखऊंजाययमुनतटहूंरी ॥ जहांराखिमैंन्हातरहूंरी ॥ ॥
युवतीएकरहीटकलाई ॥ पूछिदेखिहौंवाकौंजाई ॥ ॥ ॥

जैहैकहांजललजलरिमेरी ❁ तिनहींलई भई सुधिएरी ❁ ॥
आजअबेरलगैगीमोही ❁ ढूंढैंगीब्रजघरघरओही ॥ ❁ ॥
ऐसेंकरिमातामतिभोरी ❁ हरषिचलीबृषभानकिशोरी ॥
निघरकचलीसदनतेंप्यारी ❁ मनअटक्यौबनकुंजबिहारी
मनहीमनयौंसोचतिजाई ❁ कैसेंहरिसौंदेऊंजनाई ❁ ॥

बारबारनंदनंदइतआतुरजोहतराह ❁ ॥
प्यारीमुखशशिउदैकीनैनचकोरनचाह ॥
भरेबिरहरसमाहिं क्षणमंदिरद्वारेक्षणक ❁ ॥
फिरिफिरिआवहिंजाहिं लगीचटपटीप्रेमकी ॥

जननीकरतरसोई आतुर ❁ लखिलखिजातस्यामघनचातुर
कह्याअबेरकरततूमैया ❁ भूखलगीमोहिकहतकन्हैया ❁ ॥
जसुमतिकह्यौतातबलिमाई ❁ अबबिलंबनहिबैठऊआई ॥
सखासंगसबलेऊबुलाई ❁ बोलिलेऊअरुहलधरभाई ❁ ॥
सादरकह्यौस्यामबलभैये ❁ दाऊजूजैंवनकौंऐये ॥ ❁ ॥
मोकौंअबहिनहीरुचिभैया ❁ सखनसंगतुमखाऊकन्हैया ॥
संगसखनलैतबमनमोहन ❁ जैंवनकौबैठेसबगोहन ॥ ❁ ॥
षटरसव्यंजनसरससंवारे ❁ परसधरेरोहिणिपनवारे ❁ ॥
स्यामसखनकौंआयुसदीनौ ❁ आपनहूंकरकौरहिलीनौ ॥
तबहीकोकिलकेसमबानी ❁ बोलिउठीराधासुखदानी ❁ ॥
नंदमहरपिछवारहिआई ❁ ऊंठहिंललिताकौंगुहराई ॥

बृंदाबनमगजातिश्रकेली ❁ आवहुबेगतुमहुंसंगहेली ❁ ॥
बिनजैंयेमोहनउठेकरतेंकौरगिराय ॥
जैंवतहीछोडेसखाचलेबनहिंअतुराय ॥
देखिचकितदोउमात चौंकिरहेसिगरेसखा ॥
कहतकहांचलेजात अतिआतुरगोपालतुम ॥
अबहीग्वालगयौकहिमोही ❁ बनमेंगायबियानीतोही ❁ ॥
मैंजैंवनबैठ्यौबिसराई ❁ सोसुधिमोहिअबहिहैआई ❁ ॥
तुमजैंवहुमैंदेखहुंजाई ❁ करीस्यामतिनसोंचतुराई ❁ ॥
तोहीमेरीगायबियानी ❁ यहकहचलेहरषउरआनी ❁ ॥
हंसतसखासबमनमनमाहीं ❁ नहीगायबछराहांनाहीं ॥
हैप्यारीरानीव्हांराधा ❁ हमजानीयहबातअगाधा ॥ ❁ ॥
जननीनहींकछूयहजानी ❁ बारबारकहिकैपछतानी ❁ ॥
भूखेस्यामगयेउठिधाई ❁ राजकरैयहगायबियाई ॥ ❁ ॥
गईसेंनदैबनश्रीस्यामा ❁ पहुंचेतहांजायघनस्यामा ॥ ❁ ॥
देखतहरषभयेमनदोऊ ❁ फूलेअंगसमातनकोऊ ॥ ❁ ॥
मिलेधायगहिअंकममाला ❁ कनकबेलिजनौतरुगीतमाला ॥
मिलिबैठेदोउकुंजसुहाई ❁ कोटिकामरतिछबिहिलजाई
नवलकुंजनवनागरीनवनागरनंदनंद ॥
प्रेमसिंधुमर्यादतजमिलेउमंगिआनंद ॥
विलसतमदनबिलास कोटिमदनमनकेमथन ॥

युगलरूपकीरास नित्यविलासविलासनिधि ॥
नागरस्यामनागरीस्यामा ❁ शोभितकुंजकुटीछविधामा ॥
चितवनदुरदुरनैननजोंहैं ❁ सोछबिबरनकहैकविकोहैं ॥
रीझेस्यामनागरीछविपर ❁ नागरिनिरखतिस्यामसुभगबर
देहदसाकीसुरतविसारें ❁ अरसपरसदोउरूपनिहारें ॥
शोभितबदनमहाछविछाये ❁ सिथलअंगश्रमबिंदुसुहाये ॥
इंदीवरसजीवकमलजनौ ❁ फूलिरहेमकरंदभरेमनौ ॥ ❁ ॥
बैठेकुंजद्वारसुखदाई ❁ कोमलकिसलयसेजसुहाई ❁ ॥
लटकतिचकुंदिसकुसमितबेली ❁ फूलिरहीतरुडारिनवेली
हरितभूमिछविबरनिनजाई ❁ बहतसमीरसुखदपुरवाई
आयेउलहिमेघसुखकारी ❁ परतिबूंदशीतलश्रमहारी ❁ ॥
भीजतसुरंगचूनरीसारी ❁ मनसकुचतलखिरसिकविहारी
बूंदबरावतमोहनपातन ❁ हंसिहंसिकरतप्रेमकीबातन ❁ ॥
भीजेरसरंगप्रेमसुखजलभीजेदोउगात ॥
भीजेअंबरकुंजगृहस्यामास्यामसुहात ❁ ॥
यहअचरजकीगाथ कोमानेकोकहिसकै ॥
गोपसुताकेसाथ रमतब्रह्मद्रुमकुंजतर ॥
इहिंबिधिकरिविलासबनमाहीं ❁ कह्यौस्यामस्यामाकेपाहीं
अबगृहजाउसांझनियराई ❁ मातपिताकरिहैंदुचिताई ॥
यहरसरीतिगुप्तकीनीकी ❁ तुमप्यारीअतिमेरेजीकी ❁ ॥

करतेंकौरडारिमैंत्र्यायौ ॥ तुमरैबोलसुनतउठिधायौ ॥ ॥ ॥
मेरैप्राणबसततुममाहीं ॥ इकक्षणतुमकौबिसरतनाहीं ॥ ॥
सुनिसुनिबातेंपियकीप्यारी ॥ करतिमनहिमनत्र्यानंदभारी
त्र्यतिसनेहबोलीसकुचाई ॥ सुनऊंप्राणप्रीतमसुखदाई ॥
कहाकरौंपगजाततनघरकौं ॥ मनत्र्यटकौनहिमानतडरकौं ॥
दृगतुमकौंदेखतसुखपावें ॥ गृहगुरुजनमोहिनेकुनभावें ॥
बरजऊंत्र्यपनींचितवनतुमहरि ॥ त्र्यौरमंदमुसकानमनोहरि
तुमरीनेकुसहजयहबानी ॥ सहियतहैहमसर्वसहानी ॥ ॥
बसीकरनहैइनकेमाहीं ॥ विवसभयौमनमानतनाहीं ॥ ॥
ऐसीबिधिपरगटकरतदंपतिनिजत्र्यनुराग ॥
भरेपरमत्र्यानंदरसबदतत्र्यापनेभाग ॥ ॥
स्यामलईउरलाय प्रीयाबोधिपठईघरहि ॥
चलेत्र्यापसुखपाय सुंदरघनसुखकेसदन ॥
करतिजननित्र्यवसेरविशाला ॥ पऊंचेसदनस्यामतिहिकाला
लीनेधायलायउरमैया ॥ कहतिलालकीलेउंबलैया ॥ ॥ ॥
करतेंकौरडारिउठिभागे ॥ सुनतगायव्याहीत्र्यनुरागे ॥ ॥
लोहीगायत्र्यापनीजानी ॥ तातेंप्रीतित्र्यधिकउरत्र्यानी ॥ ॥
वहतौनाहिंनमेरीगैया ॥ बृथाभ्रम्यौमैंसुनरीमैया ॥ ॥ ॥ ॥
गोवर्द्धनयमुनातटसारौ ॥ बृंदाबनढूंढतसबहारौ ॥ ॥ ॥ ॥
कोऊसखासंगतहांनाहीं ॥ फिरौत्र्यकेलौबनकेमाहीं ॥ ॥

युवतीएकमिलीधौंकोही ॥ सोपहुंचायगई घरमोही ॥
सुनिजसुदाअतिमनपहिलानी ॥ धोयेपदलैतातोपानी ॥
तुरतस्यामकैंभोजनदीनौ ॥ निरखिमुखारविंदसुखलीनौ ॥
लीलासागरकुंवरकन्हाई ॥ सदासदाभक्तनसुखदाई ॥
ब्रजबासीप्रभुसबगुणआगर ॥ नंदनंदनसुंदरसुखसागर ॥

नवश्रीकीरतनंदनीरूपरासिगुणखान ॥
चलीस्यामसुखदैभवननागरिनवलसुजान

लईखोलकैहाथ आंचरतैंमोतीसरी ॥
सखीमिलीइकसाथ बूझतकहांतैंलाडिली ॥

तासोंओरकहिसमुझायौ ॥ गईहुतीयहकाजबतायौ ॥
कह्योसखीनवसुनरीप्यारी ॥ ऐसीनिधरकभईकहारी ॥
ब्रजघरघरतूंफिरतअकेली ॥ संगनहींकोउसखीसहेली ॥
मोकोंसंगबेलीनाहिलिनी ॥ ऐसीतैंकरनीयहकीनी ॥
प्रातहिगईअबहितूआई ॥ बीथीफिरतनखानियराई ॥
पायोहारकिधौंपुनिनाहीं ॥ देखहुमोहिसादमनमाहीं ॥
चतुरसखीमनमेंयहजानी ॥ मिलवतहैयहझूठीबानी ॥
यहनौगईस्यामकेपासा ॥ आवतिहैकरिभोगविलासा ॥
कहप्यारीकिनहारचुरायौ ॥ कैसैंजायतहांतैंपायौ ॥
ब्रजयुवतिनसबहिनमेंजानौ ॥ कहैतौसबकेनामबखानौ ॥
ताकौनामलेहुकिनलीन्हौं ॥ प्यारीतेरेगुणमैंचीन्हैं ॥

चोरतुम्हारेकुंवरकन्हाई ॥ तिनसौंजायबिलसतूआई ॥
रसबसकीनेस्यामतैंकहाबनावतिबात ॥
कहैदेनरसरंगभरेअरसौंहैंसबगात ॥
कहाबहकावतिमोहि कहांहारकहांखालीनी
तबतैंजानतितोहि जबतैंतैंहरिसंगकियौ ॥
इनबातनकछुपावतिहैरी ॥ तोहियहैनितभावतहैरी ॥ ॥
देखतिमोहिअकेलीजबही ॥ नईबातउपजावतितबही ॥
बिनहीदेखेझूठलगावै ॥ नाहकमोसौंबैरबढावै ॥ ॥ ॥
सौंहदियेबूझतिमैंतोहीं ॥ जोरिकहतिकैदेखौमोही ॥ ॥
जबजानीप्यारीबिरुझानी ॥ तबयहचतुरसखीमुसकानी ॥
तबहंसिकह्यौजाहिघरप्यारी ॥ तूजीतीमैंतोसौंहारी ॥ ॥
चलीभवनबृषभानदुलारी ॥ अतिअवसेरकरतिमहतारी ॥
गईप्रातराधातहिआई ॥ दिवसगयौनिशिजामविहाई ॥
हारकाजमैंत्रासदिखाई ॥ तातेंरूसरहीकहुंजाई ॥ ॥
ह्वैहैधौंकाकेघरमाहीं ॥ कहांजाउंमैंढूंढननाहीं ॥ ॥
जाकुहारवहकहिपछिताई ॥ सुतासनेहअधिकअकुलाई
सुनिहैंबातमहरयहजबही ॥ मोपरअतिरिसकरिहैंतबही
सोचतिजननीविकलअतिमननलहतिविश्राम ॥
उरडरतितासीसमैंगईकुंवरिनिजधाम ॥
देखतहीउठिधाय हरषिलईउरलायकै ॥

सुतामातउरलाय शोचमिट्योधीरजभयौ ॥
लेरीमातहारमैंपायौ ❁ जाकारणतेंमोहिनसायौ ॥ ❁ ॥ ❁ ॥
मनहीमनकीरतसकुचाई ❁ पोचकरीमैंयाहिरिसाई ❁ ॥
अतिपुनीतिराधिकाप्रवीनी ❁ हरुमिलनहितयहमतिकीनी ॥
अगमअगोचरहैंप्रभुजोई ❁ व्रजबनितनबसकीनेसोई ॥
जोप्रभुशिवसनकादिकध्यावैं ❁ व्रजगोपिनसंगसोसुखपावैं ॥
हरिकीकृपाअगोचरभारी ❁ निगमनहूतेंअगमनभारी ॥
प्रीतिविवससवतेंगिरिधारी ❁ राजारंकपुरुषकहानारी ॥
देवकिउदरप्रीतिबसआये ❁ प्रीतिहितेंजसुमतिपयप्याये ॥
प्रीतिविवसबनधेनुचराई ❁ प्रीतिविवसनंदकुंवरकन्हाई ॥
प्रीतिहिकेबसदहीचुरायौ ❁ प्रीतिविवसऊखलबंधवायौ ❁ ॥
प्रीतिविवसगोवर्द्धनधारी ❁ प्रीतिविवसनटवरवनवारी ❁ ॥
प्रीतिविवसगोपिनसंगकामी ❁ प्रीतिविवसबृंदाबनधामी ॥
❁ स्यामसदाबसप्रीतिकेतीनभुवनविख्यात ॥
❁ विनाप्रीतिनहिपाइयेनंदमहरकेतात ॥
प्रीतिकरऊचितलाय ब्रजबासीप्रभुपदकमल ॥
कहतसंतश्रुतिगाय प्रभुहरीरुहैप्रतिकी ॥
॥ अथप्यारीकेघरमिलनकीलीला ॥
भयेस्यामनागरिबसऐसें ❁ फिरतछांहसंगहीसंगजैसें ❁ ॥
बदनकमलरसरूपलुभाने ❁ रहतसिलीमुखजौंमडराने ॥

बचननादरसमृगजैंगीधे ❁ नैनकटाक्षबंकसरबीधे ॥ ❁ ॥
कबहुँस्यामयमुनातटजाहीं ❁ बिनप्यारीदेखेअकुलाहीं ॥
कबहुँकदमचढ़िमगअवलोकैं ❁ कबहुँजायबनकुंजविलोकैं
गृहबनलगतकहूंमननाहीं ❁ मिलनप्रकाशचहतचितमाहीं
तबबृषभानपुरातनआवैं ❁ मुरलीमधुरबजावैंगावैं ❁ ॥ ❁ ॥
प्यारीप्रगटस्यामगतिदेखी ❁ मनहीमनहिंसिद्धान्तविशेखी
अतिअनुरागभरेदोउनागर ❁ गुणसागररसरूपउजागर ॥
अरसपरसदोउचाहतऐसें ❁ शशिचकोरअंबुजअलिजैसें ॥
चलीयमुनबृषभानदुलारी ❁ शोभितसंगनवलब्रजनारी ॥
देखेनंदसुवनतेहिंखोरी ❁ व्याकुलप्रेमविकलमतिभोरी ॥
सखिनसंगलखिनागरीमनडरपीसकुचाय ॥
स्यामपरेफंदकामकेकौनकहैसमुझाय ❁ ॥
सखियनकेसंकोच बोलसकतिनहिंबचनमुख ॥
हृदैभयोअतिशोच देखिविरहव्याकुलहरिहिं
इतहिंसखिनसोंबातबनावै ❁ उतहिस्यामकोंभावजनावै ॥
मुखमुसुकायसकुचपुनिलीने ❁ सहजअलकनिरवारनकीने
एकसखीयमुनासोंआवति ❁ ताहिभेंटियोंबचनसुनावति ॥
मेरेसदनआइयोआली ❁ हर्षभयेयहसुनिबनमाली ❁ ॥
प्यारीगुप्तभावजोकीनो ❁ स्यामसुजानजानसोलीनो ॥ ❁ ॥
हरषिगयेलबनिजगृहमोहन ❁ प्यारीचलीसखिनकेगोहन

चतुरसखिनमनमेंलखिलीनौ ❁ भावकछूहरिसोंइनकीनौ ॥
हरुवेंग्रापसमेंबतिरानी ❁ हरितनलखिकछुयहमुसकानी ॥
पुनिमुसकायकमलमुखफेस्यौ ❁ सदनबुलायसखीकोंटेस्यौ ॥
गयेस्यामउतहरषबढाई ❁ येग्रतिचतुरकरीचतुराई ❁ ॥
ग्रैरभावकैसोगनकोऊ ❁ ग्राजरेनमिलिहैंयेदोऊ ❁ ❁ ॥
लैयमुनातेंजलग्रतुराई ❁ सखिनसंगप्यारीघरग्राई ॥ ❁ ॥
भावदियेनिशिग्रायहैंमेरेमोहनग्राज ॥ ❁ ॥
ग्रतिहर्षितग्रंगनसजतिभूषणबसनसमाज ॥
सहजरूपकीखान ग्रंगसिंगारतिलाडिली ॥
कोकरिसकैबखान त्रिभुवनपतिहरिबल्लभा ॥
ग्रंगसिंगारकियोहरिप्यारी ❁ बेणीरचिनिजपाणिसंवारी ॥
मोतिनमांगजराऊटीकौ ❁ कियौबिंदुबंदनकौनीकौ ॥ ❁ ॥
लोचनग्रंजनरेखबनाई ❁ श्रवणनतरवनकीछविछाई ❁ ॥
नासानथग्रतिहीछविछाजै ❁ नागबेलरंगग्रधरनराजै ❁ ॥
सुभगग्रंगसबनौसतसाजै ❁ सुरंगसुगंधबसनशुभभ्राजै ॥
मनमोहनकोपंथनिहारै ❁ कबऊकिउत्कंठाजियधारै ❁ ॥
भयौबालशशिग्रस्तिनिहारी ❁ कहतिकिग्रबऐहैंगिरिधारी
ग्रावनपैहैंकैधौंनाहीं ❁ कैग्रावतहैंमगमाहीं ॥ ❁ ❁ ❁ ॥
कैधौंतातमातभयकरिहैं ❁ कैग्रावतमेरेघरडरिहैं ॥ ❁ ❁ ॥
ग्रावैंगेकैधौंहरिनाहीं ❁ यौंसोचतिप्यारीमनमाहीं ॥ ❁ ॥

कबहूंरचिरचिसेजसवारै ❁ हरिऐहैंमनहूरषविचारै ॥
सुमनसुगंधसेजपरधारै ❁ पुनिपुनिकरिअभिलाषनिहारै
आवैंकबकुअचानकहिजोमोगृहघनस्याम ॥
डारतिअतिअनुरागभरिसुभगपांवडेधाम ❁ ॥
प्रगटेकृपानिधान यौंअभिलाषाकरतही ॥ ❁ ॥
कोकहिसकैबखान भयौजुसुखलखिदुहुनमन ॥
वहछविकापैजातिबखानी ❁ वहरसभिरकमंदमुसकानी ❁ ॥
वहमृदुमधुरपरस्परबानी ❁ वहसंयोगप्रेमसकुचानी ❁ ॥
वहशोभावहचितवनबांकी ❁ वहरसप्रेमउमंगदुहुंघांकी
वहसुखश्रीराधामाधोको ❁ जोकहिसकैआहिजगकविको ॥
जाकीमहिमावेदनजाने ❁ कवितांकौंकिहिंभांतिबखाने ❁ ॥
स्यामास्यामसेजपरसोहैं ❁ अरसपरसदोउमनमोहैं ❁ ॥
गुणआगरछविसागरदोउ ❁ कोटिकामरतिसमनहिसोउ
भनप्रेमरसविवसविहारैं ❁ युगलपरस्परअंगसंवारैं ॥ ❁ ॥
लटपटीपागसंवारतिप्यारी ❁ अलकसुधारतश्रीगिरिधारी ॥
रसबिलासदोउअनुरागे ❁ आलिंगनचुंबनरसपागे ॥ ❁ ॥
हासबिलासविविधिरसरीती ❁ इहिंसुखरैनयामत्रयबीती ॥
अतिरसमतयुगलअलसाने ❁ पुनिपौढेदोउलपटाने ॥ ❁ ॥
निशिनिघटीतमतामिटीउडगणज्योतिमलीन ॥
गयेकुसुमकुंभिलायकैभईदीपछविछीन ॥ ❁ ॥

विकसेसरससरोज भयौपवनशीतलसुरभि ॥
धरीउतारिमनोज पनिचआपनेधनुषतें ॥ ❁ ॥
सरसबचनबोलीतबप्यारी ❁ जागऊप्राणनाथबनवारी ❁ ॥
भयौप्रातकौसमयकन्हाई ❁ प्राचीदिसपीरीपरिआई ॥ ❁ ॥
चंदमलिनचिरईचुचहानी ❁ अलिछूटेकुमदनिसकुचानी
बोलेतमचरजहांतहांबानी ❁ मिलेकोककोकीसुखमानी ॥
उठऊप्राणपतिसदनसिधारौ ❁ हैब्रजघरघरघेरहमारौ ❁ ॥
लगीरहतिपरखतिब्रजनारी ❁ जागहिंजिनगुरुजनभयभारी
सुनतउठेमोहनमुसकाई ❁ चलेसदनआपनेअतुराई ॥ ❁ ॥
गृहतेंनिकसतसखियनजानी ❁ देखिदरसतनदसाभुलानी
प्रगटदरसदैगयेकन्हाई ❁ यहउनकोमनसादपुराई ❁ ॥
सीसमुकुटमोतिनकीमाला ❁ पीतबसनकटिनैनबिशाला ॥
स्यामबरनतनसुंदरताई ❁ अंगअंगप्रतिबरनिनजाई ❁ ॥
देखिरूपमनरह्योलुभाई ❁ निकसिगयेगृहकुंवरकन्हाई ॥
बारबारजियजाडिलीयहैसोचपछितात ॥
गयेस्यामआलसभरेनेकुनसोयेरात ॥ ❁ ॥
देखेजिनसखिकोय स्यामगयेमोसदनतें ॥
मैंराख्योहैगोय अबलगियहरससखिनसों ॥
देख्योजायपवरिहैप्यारी ❁ जहांतहांठाढीब्रजनारी ॥ ❁ ॥
सकुचिगईचिंताउपजाई ❁ बारबारमनमनपछताई ❁ ॥

हरिसौंप्रीतिगुप्तहीमेरी ❁ सोइनआजप्रगटकरिहेरी ❁ ॥
निकसेस्यामहमारेघरसौं ❁ इनजान्यौह्वैहैअटकरिसौं ॥
नितहीनिलबूझतियेआई ❁ मैंनिदसौइनकौंसतराई ❁ ॥
अबतौस्यामप्रगटइनदेखे ❁ करिहैंमोसौंबऊतपरेखे ❁ ॥
यहतौदावभलौइनपायौ ❁ अबकैसैंकरिजायछिपायौ ❁ ॥
अबहीबूझहिंगीसबआई ❁ कहाकरिहौंउनसौंचतुराई ॥
प्रगटकरौंतौहोयननीती ❁ राखनगुप्तकह्यौहरिप्रीती ॥ ❁ ॥
सोचपर्यौकछुबातनआवै ❁ बारबारमनप्रभुहिमनावै ॥ ❁ ॥
प्राणनाथहरिहोउसहाई ❁ जातेंमेरीपतिरहिजाई ❁ ॥
जैसैंबोधसखिनकौंहोई ❁ दीजैनाथबुद्धिअबसोई ॥ ❁ ॥

ऐसैंसोचतिलाडलीकबहूंप्रभुहिमनाय ❁ ॥
कबहूप्रभुकौसुखसमुझिप्रेममगनह्वैजाय ॥
भयौबोधउरआय सुमरतहीमनभावतौ ॥
कहिहैंसखिनबुझाय मनमनहरषीनागरी ॥

परमकुशलराधेहरिप्यारी ❁ रच्यौसखिनकौबोधबिचारी ॥
अतिआनंदपुलकितनआयौ ❁ सोचमोहउरतेंबिसरायै ❁ ॥
जोछबिसुंदरकुंवरकन्हाई ❁ गयेप्रातसखियनदरसाई ॥
उनसौंसोईरूपबखान्यौ ❁ यहबिचारप्यारीउरआन्यौ ❁ ॥
प्यारीपियकेगर्वगहेली ❁ अंगअंगछविपुंजभरेली ॥ ❁ ॥
बैठीसदनविराजतिरूरी ❁ स्यामसनेहसुधारसपूरी ॥ ❁ ॥

करतिपरस्परसखिपरिहासा ● कहतिचलौराधाकेपासा ॥
ह्वैहैनिधरकघरमेंबैसी ● देखहिंचलौबदनछविकैसी ● ॥
कैसेअंगआभूषणकैसे ● कछुबदलेकैधौंहैंवैसे ॥ ● ● ● ॥
आजरैनहरिसोंरतिमानी ● कहिहैकहासुनेचलबानी ॥
राधागृहगवनीब्रजनारी ● गईजहांबृषभानदुलारी ॥ ● ॥
देखिनागरीमुखनहिबोली ● जान्यौआईकरनठठोली ॥
सहजरहीबोलीनहीकछूबदनसोंबैन ॥ ● ॥
निकटबुलायोसखिनकौंनयननहीकीसैन ॥
इतलीलाइनजान परमचतुरआलीसबै ॥
यहकछुरचनिसयान देखिहमैंबोलीनही
आपनोभेदकछूनहिदेहै ● कहाबोधरचिकैधौकैहै ॥ ● ● ॥
आपनीजांघवलचोरचुरावै ● कैसेऊंप्रगटनकाऊजनावै ॥
निधरकभईस्यामसंगपाई ● भूलऊमनयाकीलरिकाई ॥
निरखौभृकुटीन्यौरनिहारी ● कहैकहाधौंबातसंवारी ॥ ● ॥
राखतिगर्वतुमऊसबकोऊ ● देखऊबोलितहीकिनकोऊ ॥
कह्योविहसितबइकब्रजनारी ● सुनौअहोबृषभानकुमारी
आजकहासुखमूंदिरहीहै ● कापररिसकरिमोनगहीहै ॥
हमसोंकहतिनहीसोएरी ● हमतौसंगसखीहैंनेरी ॥ ● ॥
वैदेवनकौध्यानधरयौरी ● कैसुभावकछुयहैपरयौरी ॥ ● ॥
जबआवतिहमतेरेपारी ● तबतबयहैधरनतेंधारी ॥ ● ॥

तुमदुरावकतराखतिहमसौं ॥ हमहूंकछुराखतिहैंतुमसौं ॥
ऐसैंसोचकहामनमाहीं ॥ जोजवाबतोहिश्रावतनाहीं ॥
कछुदिननतेंतेरीप्रकृतिश्ररीपरीयहकौन ॥
निठुरभईहमसोंरहतिजबतबसाधेंमौन ॥
अपनेमनकीबात कछुहमसौंभावतिनहीं ॥
ऐसेंकहिमुसकात प्यारीसैंसबनागरी ॥
मनहीमनजानतिसबप्यारी ॥ मेसोंहंसीकरतिब्रजनारी
परमप्रवीनसकलगुणखानी ॥ बोलीमधुरमनोहरबानी ॥
सुनऊसखीबूझतिकहाहमसौं ॥ कहाबुझायकहौंमैंतुमसौं ॥
आजप्रातइकचरिततयौरी ॥ जातईतेकछुदृगनलह्यौरी ॥
नीकैंनेकुनदेखनपाई ॥ तबहीतेंमनरह्योभुलाई ॥ ॥
कैघनस्यामकिस्यामकन्हाई ॥ यहसंसोचउररह्यौसमाई ॥
बकपंक्तीकैहेगजमोती ॥ पीतदुकूलकिदामिनिजोती ॥
इंद्रसरासनकैबनमाला ॥ सीसमुकुटकैधौंअरिब्याला ॥
मंदमधुरजलधरकीगाजन ॥ कैधौंपगनूपुरधुनिबाजन ॥
देखेआजस्यामजबहीतें ॥ पस्योयहैधोखौतबहीतें ॥ ॥
कहाकहौंहरिकीचपलाई ॥ ऐसौरूपगयौदरसाई ॥ ॥
भरीस्यामरसकुंवरिसयानी ॥ कहतिसखिनसौंनिधरकबानी
सखीकहतिसबआपमैंसुनऊनयाकीबात ॥
प्रगटकरनआईजुहमआपहिप्रगटतिजात ॥

हमदेखेजिमस्याम तैसेंहीइनहूं लखे ॥
दोषदेतबिनकाम यहसुधीहमहींकुटिल
इतनेहीरहौस्रौरजिनभाखौ ● जोचाहौअपनीपतिराखौ ॥
इनसौंतुमचाहतिहौजीतौ ● मनतेंगर्वकरौयहरीतौ ॥ ● ॥
यहहरिकीप्यारीपटरानी ● कोयाकीबुद्धिसकैबखानी ● ॥
हमयाकीदासीसरनाहीं ● देखहुसखीसमझमनमाहीं ॥
हमदेखतिकछुऔरसुभाऊ ● यहदेखतिहरिकैंसतभाऊ
याकीअस्तुतिकहाबखाने ● इनहींभलेस्यामकौंजाने ॥ ● ॥
तबहंसिकह्योसखिनसुनप्यारी ● तेंजोलखेसोहेबनवारी ॥
प्रातहितेंजोआजनिहारे ● गयेकान्हवेमेघनकारे ॥ ● ● ॥
मोरमुकुटसिरमोरनहोई ● कटिपटपीतनदामिनिसोई
मुक्तमालबनमालसुवेस ● नहिबकपांतिनधनुषसुरेस ॥
पगनूपुरधुनिगरजननाहीं ● मतिराखौधोखौमनमाहीं ● ॥
देखेतेंप्रातहिगिरिधारी ● काहेकौंसोचतिमनप्यारी ॥ ● ॥
धनिधनिब्रजकीनारितुमहरिछबिलखतिअनूप ॥
मोहिहोतधोखौतबहिजबदेखतिवहरूप ॥ ● ● ॥
तुमदेखतिहरिगात कैसेंदृगठहरायसब ॥
मोपैलखेनजात करिहारीकेतौजतन ॥ ● ॥
तुमदरसनपावतिरीकैसें ● मोकूस्यामदिखावहुतैसें ॥ ● ॥
वेतौअतिछबिचपलकन्हाई ● तुमकैसेंदेखतिठहराई ॥ ● ॥

कैसेंरूपहृदेमेंराखै ❁ मोसोंसखीसांचसबभाखै ॥ ❁ ❁ ❁ ॥
मैंदेखनपावतिनहिंनीके ❁ रहतिसदाअभिलाषाजीके ❁ ॥
धनिधनितूबृषभानदुलारी ❁ धनितुवपिताधन्यमहतारी ॥
धनिसोदिवसरैनसोबारा ❁ जबतेंलीनौरीअवतारा ॥ ❁ ❁ ॥
धनितेरेबसकुंजविहारी ❁ धनितूबसकीनेगिरिधारी ॥ ❁ ॥
भावभक्तिमतिरतिधनिसोऊ ❁ एकसुभावधन्यतुमदोऊ ॥
तोहिस्यामहमकहादिखावैं ❁ तूहरिकौंहरितोकौंभावैं ❁ ॥
एकजीवद्वैदेहतुम्हारी ❁ वेतोमेंतूउनमेंप्यारी ॥ ❁ ❁ ❁ ॥
उनकीपटतरकौंतूदीजै ❁ तेरीपटतरउनकौंलीजै ❁ ❁ ॥
सुधासुधागुणक्योंबिलगाई ❁ गूंगेकौगुरकह्यौनजाई ❁ ॥
तूउनकेउरमेंबसीवेतेरेउरमाहिं ❁ ❁ ❁ ॥
अरसपरसज्यौंदेखियेदरपनदरपनछाहिं ॥
कहेकौंनपैजाहिं तुमदोउनिमिलगातअति ॥
वेतेरेरंगमाहिं तूउनकेरंगमेंरंगी ॥ ❁ ❁ ❁ ॥
नीलांबरस्यामछवितेरे ❁ तुवछविपीतवसनउनकेरे ॥ ❁ ॥
घनभीतरदामिनीविराजै ❁ दामिनिघनकेचहुंदिसराजै ॥
तुमअनूपदोऊसमजोरी ❁ नंदनंदनबृषभानकिशोरी ❁ ॥
सुनिसुनिसखियनकेमुखबानी ❁ बोलीराधाकुंवरिसयानी ॥
सुनललितासांचीकहिमोसों ❁ मैंबूझतसकुचतिहौंतोसों ❁ ॥
मोसोंमानतनेहकन्हाई ❁ मेरीसौंकहिमोहिसुनाई ॥ ❁ ॥

तुमतौरहतिस्यामसंगनितही॰मिलतिजायउनसौंजितकितही
उनकेमनकीसबतुमजानौ ॰ हाहामोसौंसांचबखानौ॥॰॥
सुनराधाइतरातकहारी ॰ तोतैंऔरकौनहैप्यारी॥॰॰॥
तेरेबसनंदनंदनऐसें ॰ रहतिपवनपंखाबसजैसें॥॰॰॥
ज्यौंचकोरशशिकेबसनाहीं ॰ हैशरीरकेबसपरछाहीं॥
नादविबसमृगदेखियेजैसें ॰ मनमोहनतेरेबसतैसें॥॰॥
मिलीखरकनूस्यामकौंदई धेनुदुहितेनोहि॥
तेरेबसहरितबहितेंकहाभुरवतिमोहि॰॥
बरनौकहासनेह नेकहुंतुमन्यारेनही॥
होतुमएकहिंदेह वेदक्षततुमवामअंग॥

॥ अथगर्वव्याजविरहलीला ॥

सुनप्यारीललितामुखबानी ॰ मैंऐसीजियमेंयहआनी॰॥
औरनहीकोउमोसरिकी ॰ हौंराधाआधाअंगहरिकी॥॰॥
अपनेहींबसपियकौंकरिहौं ॰ अनतजातदेखहुंतोलरिहौं
ऐसेंगर्वकियौजियप्यारी ॰ घरघरगईसकलब्रजनारी॥
इहिअंतरआयेगिरिधारी ॰ गर्वबिभंजनजनसुखकारी॥
हरिअंतरजामीअविनासी ॰ जानीप्यारीगर्वहुदासी॥॰॥
उझकिझांकिप्यारीतनहेरौ ॰ प्यारीदेखतहीमुखफेरौ॰॥
कह्यौकान्हतुममानतनाहीं ॰ उझकतफिरतघरनब्रजमाहीं
मिसहीमिसयुवतिनकौंहेरौ ॰ नेकुनहींछाडतघनघेरौ॥॰॥

कोउजैसैंतैसैंअपनेघर ❀ तुमआवतमानतनाहींडर ❀ ❀ ॥
ऐसैंप्रेमगर्वकरिप्यारी ❀ प्राणनाथतननाहिंनिहारी ❀ ❀ ॥
जान्यौद्वारेलगेकन्हाई ❀ बैठिरहीअभिमानजनाई ❀ ॥
ह्वैस्यामसुखधाममेंराख्यौगर्वबसाय ॥
ठौरतहांपायौनहींरहेस्यामसकुचाय ॥
जहांरहतअभिमान तहांबासमेरौनहीं ॥
सोरधा रजान आपलगेपछतानहरि ॥
तुरतहिंगवनतहांतैंकीनौ ❀ नहीदरसप्यारीकौंदीनौ ❀ ॥
चकितभई प्यारीमनमाहीं ❀ इहांस्यामआयेक्यौनाहीं ॥
आपनआयद्वारपुनिदेख्यौ ❀ तहांनहींनंदलालहिंपेख्यौ ॥
झांकनहींफिरिगयेकन्हाई ❀ मनहीमनस्यामापछिताई ॥
मोतैंचूकपरीअतिभारी ❀ तातैंमोहनमोहिविसारी ❀ ॥
इकतौबैठिरहीगर्वानी ❀ दूजैमैंहरिसौंफहरानी ❀ ❀ ❀ ॥
मेरीबुद्धिजानिकैहीनी ❀ मोसौंस्यामनिठुरताकीनी ॥ ❀ ॥
वेबहुनायककुंजबिहारी ❀ मोसीउनकैकोटिकनारी ❀ ॥
कासौंकहौंहरिहिकोल्यावै ❀ कोअबमोकौंहरिहिमिलावै ॥
भई विरहव्याकुलअकुलाई ❀ बदनसरोजगयौकुंभलाई ॥
तबआपुनकौंनिठुरकहावै ❀ सुमरिप्रीतिउरभरिभरिआवै ॥
नेकुनहीधीरजउरधारै ❀ नयनसरोजनसौंजलढारै ॥
भई विकलअतिनागरीविरहविथाकीपीर ॥

खानपानभावैनहींसुधिबुद्धितजीशरीर ॥
घरबाहरनसुहाय सुखसबदुखदायकभये ॥
रह्यौसोचउरछाय ब्रजबासीप्रभुमिलनकौं ॥
राधासदनसखीपुनिआई ● देखिदसामनअतिभरमाई ॥
अतिव्याकुलतनबदनमलीना ● नीरविहीनमीनजिमदीना
करगहिशहिबूझतब्रजनारी ● कहाभयौतोकहुंरीप्यारी ॥
ऐसेंविवसभईतूजाहे ● हमैंसुनायकहतिनहिंकाहे ● ॥
अतिप्रसन्नदेख्योतोहितबही ● क्यौंमुरझायगईरीअबही ॥
बहुरिलखैधौंकतहुकन्हाई ● उनहीतोहिठगौरीबाई ॥
स्यामनामसुनिश्रवणनिजागी ● जान्यौहरिआयेअनुरागी ॥
आतुरसखीकंठलपटानी ● चूकपरीमोतेंकहिबानी ● ● ॥
अबअपराधक्षमेरिसत्यागी ● करुणाकरिमुहिकरहुसभागी
चकितभईसबब्रजकीनारी ● रहीसोचराधिकहिनिहारी
शीतलजलतेंमुखपखरायौ ● पींछिआंचरनबचनसुनायौ ॥
आजभईकैसीगतितेरी ● परमचतुरब्रजमेंतूहेरी ● ● ॥
भयौअबिनकेबचनसुनिकछूचेतउरआय ॥
तबजानीएतौसखीगईहृदयसकुचाय ॥ ● ॥
क्यौंतुवबदनमलीन काहेतूऐसीभई ॥
कहुप्यारीपरवीन बारबारबूझतिसखी ॥
बोलीतबसखियनसोंप्यारी ● तुमसोंकरौंदुरावकहारी ● ॥

मैं तौहरिकेहाथबिकानी ● उनमोहितजीकुटिलमतिजानी
अपनीकथास्यामकीकरनी ● प्रगटकहौंतुमसेंसबबरनी ॥
बैठीहीमैंसदनअकेली ● झांकेआयद्वारहरिहेली ● ॥ ● ॥
मैंमनमेंकछुगर्वबाढायौ ● आदरकरिनहिंभवनबुलायौ ● ॥
उनमेरेमनकीसबजानी ● अंतरजामीसारंगपानी ● ● ॥
कमलनैनवेगर्वप्रहारी ● जातरहेसखिमोहिविसारी ● ॥
तबतेंविरहविकलअतिकीनौ ● अहंकारयहफलमोहिदीनौ
चितनरहैकितनौसमझाऊं ● अबकैसेंकरिदरसनपाऊं ॥
भयौभवनबनमोकऊंआली ● नहीसुहातबिनाबनमाली ॥
सुनऊंसखीलागतिमैंपाऊ ● अबहरिमिलैसुकरऊउपाऊ
बिनमनमोहनकुंवरकन्हाई ● भयेसुखदसबमोहिदुखदाई
गिरिकन्यापतितिलककरदाहतअनलसमान ॥
शिवसुतबाहनभखनकौभखभयौहलाहलपान ॥
जलधिसुतासुतहार भयौइंद्रआयुधसखी ॥
मलयजमनऊंअंगार शाखामृगरिपुबसनबर ॥
सखीदशामेरीयहहैरी ● भयौकामअबमोकौंबैरी ॥ ● ● ॥
वारिजभवसुतप्रियकीचाली ● अबनहिहरिसोंकरिहौंआली
रुतुविचारिजोमाननहिंकरिये ● सोउजरिजाऊंनउरमेंधरिये
अबसुभावरहिहौंहरिसाथा ● मोहिमिलावऊसखिब्रजनाथा
सुनराधेकरनीयहतेरी ● हमसेंभेदकियौतेंएरी ● ॥ ● ॥

उनकेगुणजैसेनहिंजाने ● अबहींतेंएसेउंगठाने ॥ ● ● ॥
एकहिबारमिलीतूधाई ● नहिंराखीमर्यादबडाई ॥ ● ॥
तेंहींउनकौंमूंडचढायौ ● तबनहिंहमकौंभेदजनायौ ● ॥
भवनविपनसंगडोलनलागी ● वेबहुतराखिरबराअनुरागी ॥
निजकरअपनौमहतगंवायौ ● परबसपरिकैंनेसुखपायौ ॥
मेरौकह्यौअजहुंमनमाहीं ● हितकरिमानेगीधौंनाहीं ॥
धीरजधरिकतमरतिबृथाही ● तुहूमानकरतिक्यौंनाही ॥
बातआपनीआपनेकरहैदेखबिचार ॥
भईकहाऐसीविवसएरीएकहिबार ॥
पुरुषभवरजियजान भोगीबहुतप्रसूनकौ ॥
विनाकियेकछुमान कौनेपियनिजबसकिये ॥
कहतिसखीतुमतौयहबाता ● कंपहोतसुनिमेरेगाता ● ॥
मैंतौमानस्यामसोंकीनौ ● तातेंइतनौदुखमोहिदीनौ ● ॥
अबतौभूलिमाननहिकरिहौं ● स्याममिलहिंतौपायनपरिहौं
विनतीकरिकरिउनहिंसुनाऊं ● यहअपनौअपराधक्षमाऊं
चूकपरीमोतेंमैंजानौ ● उनकोयहअपराधनमानौ ● ● ॥
वेआवतहैमेरेनीके ● मैंहींगर्वधस्यौसखिजीके ॥ ● ● ● ॥
सरेगर्वकौंकहाकस्यौरी ● मिथ्यौहदेसुखदुःखभयौरी ● ● ॥
जाकेंहानिआपनीहोई ● कहौसखीकोजैक्यैंसोई ● ● ॥
मानविनानहिप्रीतिरहैरी ● प्रगटदेखिमोहिकहाकहैरी ॥

धायमिलेकीगतितेरीसी ❁ भई अधीनफिरतिचेरीसी ❁ ॥
अपनैभेदउन्हैंतेंदीनौ ❁ तबदुरावहमहूंसौंकीनौ ॥ ❁ ॥
भयबिनप्रीतिहोतिनहिप्यारी ❁ सजमानहिसिखसीखहमारी
पुनिपुनिसिखवतितुमसखीमानकरनकौंमोहि ॥
मनतौमेरेहाथनहिंमानकौंनबिधिहोहि ❁ ॥
उमंगभरतदिनरात स्यामगुणनिअभिलाषकरि ॥
मननहिमानतबात मानसजौंकैसैंसखी ॥ ❁ ॥ ❁ ॥
मनमोसौंअबबामभयौरी ❁ कहाकहौंहरिसंगगयौरी ❁ ॥
अबअपनौहितउनहीं जानै ❁ मुदितमूढअपमाननमानै ॥
इंद्रीसबस्वारथरसपागी ❁ गईसंगमनहीकेलागी ॥ ❁ ॥
घरफूटेकौंरह्यौपरैरी ❁ मनहिविनाकोमानकरैरी ॥ ❁ ॥
अबकोऊमेरेसंगनाहीं ❁ रहींअकेलीमैंतनमाहीं ॥ ❁ ❁ ॥
तापरभयौकामअबबैरी ❁ विरहअग्नितनजारतहैरी ॥ ❁ ॥
इतनेपरतुममानकरावति ❁ कहौकौंनसखियहकहनावति ॥
मैंतौचूकआपनीमानी ❁ मोहिमिलावऊस्यामहिंआनी ❁ ॥
अबतौकौंहूंमाननकरिहौं ❁ ऐसीबातकहैतिहिंलरिहौं ॥
आलीमोहिनंदनंदनभावै ❁ सोईहितूजोआनिमिलावै ❁ ॥
अबजोमिलहिंस्यामबडभागी ❁ फिरतिरहौंसंगहीसंगलागी
ऐसैंकहिप्यारीअनुरागी ❁ दारुणबिरहविथाउरजागी ॥
देखिदसासहिनहिसकीअलीउठीअकुलाय ॥

हमराधाकीप्रियसखीरचियेबेगउपाय ॥ ❁ ॥
कहैंस्यामसोंजाय ऐसीचूकपरीकहा ॥
दीजैयाहिमिलाय जुरिजुरिअतिपोरीपरी
सखिनकह्योतबसुनरीप्यारी ❁ मतहिहोयव्याकुलसुकुमारी
अबहिजायहमस्यामहिल्यावैं ❁ नेकुधीरधरितोहिमिलावैं
पटसोंपोछिबदनबैठाई ❁ तरकबातबहुभाविसुनाई ❁ ॥
नेकुनहीधीरजउरधारै ❁ बारबारमुखकान्हउचारै ❁ ॥
सावधानकरिसखीसयानी ❁ गईदौरिहरिपहअतुरानी ॥
लखिहरिमुखललितामुसकानी ❁ हरिलखिहंसेदुहूंमनजानी
तबहरिललितासोंमुसकाये ❁ बूझतचितवननैनचुराये ❁ ॥
अतिआतुरआईकतधाई ❁ काहेबदनगयेमुरझाई ॥ ❁ ॥
बोलीललितातबमुसकाई ❁ सुनहुचतुरनंदनंदकन्हाई ॥
आजएकअचरजलखिपायो ❁ परमविचित्रनजातबतायो ॥
अतिहीअद्भुतरचनाजाकी ❁ बरनतबनतभांतिनहिंताकी
रीझरहीमैंताहिनिहारी ❁ रीझहुगेलखिकुंजबिहारी ॥
मैंआईतुमसोंकहनचलहुदिखाऊंनैन ॥
देखिपरमसुखपायहौजोमानौमोबैन ॥
एकअनूपमबाग सुबरनबरननजायकहि ❁ ॥
उपजतलखिअनुराग अतिविचित्रबानकबन्यौ ॥
युगलकमलअतिअमलबिराजैं ❁ तापरराजहंसछविछाजैं ॥

द्वैकदलीतरुतापरसोहैं ❁ बिनदलफलउलटेमनमोहैं ❁ ॥
तापरमृगपतिकरतबिहारू ❁ मृगपतिपरसरबरइकचारू ॥
द्वैगिरिवरसरवरपरराजै ❁ तिनपरएककपोतबिराजै ❁ ॥
निकटसनालकमलद्वैफूले ❁ शोभिततेअधदिसकौंफूले ॥
फूल्यौपुनिकपोलपरनीकौ ❁ एकसरोजभावतौजीकौ ॥ ❁ ॥
तापरएकअमोफललाग्यौ ❁ कीरएकतापरअनुराग्यौ ॥ ❁ ॥
तहांएककोयलद्वैखंजन ❁ तिनपरधनुषसुभगमनरंजन
धनुपरशशिद्वैनागिनिबारी ❁ मणिधरएकनागिनीभारी ॥
ऐसौअनुपमबागसुहायौ ❁ घटतनेहजलकछुकुम्हिलायौ
चलियनस्यामसींचसोदीजै ❁ शोभादेखिसुफलद्रुगकीजै ॥
करिविचारदेखैगिरिधारी ❁ बनीललितसबअंगपियारी ॥
मनऊंस्यामसुंदरनवलछैलछबीलेलाल ॥
तुम्हैंमिलनकौंनवलवहअतिव्याकुलहैबाल ॥
कहाभयौजोमान कियैप्रेमकेलाडतें ॥
अतिसुंदरीसुजान प्यारीजीवनजीयकी
बरनौंश्रीबृषभानदुलारी ❁ चित्तदैसुनौलालगिरिधारी ❁ ॥
कहौंप्रथमबैनीरुचिराई ❁ लसतिपीठपाछैंछविछाई ॥ ❁ ॥
अहिनीमनऊंकुटिलगतित्यागी ❁ शशिमुखसुधाचुरावनलागी
रेखाअरुणसिंदूरसुहाई ❁ शोभितसीसनजातिबताई ॥
मानऊंकिरणबालरविकेरी ❁ तिमिरसमूहविदारिउजेरी

शोभितकुटिलभृकुटिअतिनीकी ● मनहरिलेनिभावतीजीकी
जगतजीतकरिनिजबसचारी ● मनहुंमदनधनुधरेउतारी
केसरआडलिलाटसुहाई ● मनहुरूपकीबाडबंधाई ● ॥
चपलनैनबिचनाकसुहाई ● शोभितअधरनकीअरुणाई ॥
मनौयुगखंजनबिचशुकशोभा ● देखिएकबिंबाफललोभा ॥
दसनकपोलचिबुकदरग्रीवा ● बरनिनजातिमहाछविसीवा
सुभगअंगसबभूषणसोहैं ● कोटिकामतियनिरखतमोहैं ॥

अतिकोमलसुकुमारतनसकलसुखनकीसीर ॥
तुमबिनमोहनलालपियव्याकुलअधिकअधीर ॥
भरिभरिलोचननीर स्यामस्याममुखकहिउठति ॥
चलउहरउयहपीर मैंआईलखिधायकै ॥ ● ● ॥

प्यारिहिंबिकलसुनतसुखदाई ● सहिनहिसकेउठेअकुलाई
चलेविहसिललिताकेसाथा ● प्रेमहिंकेबसश्रीब्रजनाथा ● ॥
प्रेमविवसप्यारीपहआये ● देखिदसामनअतिपछताये ● ॥
परीविकलतनदसाविसारी ● प्यारीमुखदेखतगिरिधारी ॥
नीलांबरनिजकरतेटारी ● कीनौसन्मुखबदनसुधारी ● ॥
जलदपटलमानहुंविलगाई ● दियौचंदनिकलंकदिखाई ॥
भयौचेतपरसतपियपानी ● सन्मुखदृष्टपरतसकुचानी ● ॥
लईउमंगिभरिअंककन्हाई ● विकलदेखिअंखियांभरिआई
युगलपरस्परलखिसकुचाये ● इतनेहिंविरहदोउमुरझाये ॥

कंचनबेलितमालसुहायौ ❁ मनहुंप्रेमरससुधासिंचायौ ॥
हरषिदुहूंदिसमुसकनफूले ❁ परमानंदफलनकरिफूले ॥
मुरछनबिरहनुरतबिसराई ❁ लखियहमिलनसखीहरषाई
वहचितवनवहहंसिमिलनवहशोभासुखभार ॥
भईबिवसललितानिरखिइकटकरहीनिहार ॥
रहेपरस्परदेख अतिआतुरदोउछविहि ॥
परननदेतनिमेख तृप्तिनक्योंहूंमानहीं ॥
ललिताकहतिसखिनसोंबानी ❁ देखहुसखिराधाअतुरानी
कैसेंअंगअंगछविदेई ❁ मिलेस्याममनधीरनलेई ❁ ❁ ❁ ॥
तृषावंतजिमअचवतनीरा ❁ सोउतौधारतिपुनिधीरा ॥ ❁ ॥
यहआतुरछविलैउरधारै ❁ नैकनहीदृगइतउतटारै ❁ ॥
ज्यौंचकोरचंदहिटकलावै ❁ याकीसरसोउनहिंपावै ❁ ॥
होमअग्निघृतगतिहैजैसी ❁ याकीदसादेखियततैसी ❁ ❁ ॥
यदपिस्यामसंगस्यामाप्यारी❁छविनिरखतिअतिआनंदभारी
हावभावकरिपियमनमोहै ❁ बिबिधिविलासबदनछविसोहै ॥
बिरहविकलमतितदपिभ्रमावै ❁ मिलेहुप्रतीतिनउरमेंआवै
तृषार्मछिजिमसलिलहिदेखी❁ उपजतिअधिकेप्यासविशेखी
चितवतचकितरहतचितमाहीं ❁ सपनकिसत्यईशयहआहीं
बुद्धिवितर्कबहुभांतिबनावै ❁ देखहुअनदेखेठहरावै ❁ ॥
कबहुंकहतिहौंकौनहौंकोहरिकरतिबिचार ॥

यहसुखभावतकौंनकौंसचकितरहतिनिहार ॥
निपटअटपटीबात समुझिपरतिनहिंप्रेमकी ॥
उरझिसुरझिउरझात उरझनहीमेंसुरझता ॥
उतहरिरूपइतैदृगप्यारी ❁ लखिसखिमनहुंकरतहैरारी
अतिअहंकारभरेभटदोऊ ❁ नैकहुंहारिनमानतकोऊ ॥
इतिसुदृष्टकरिकामसहाई ❁ सैनसाजिसजिदृगनचलाई ॥
उनउतभूषणजालअपारा ❁ अंगअंगरचिव्यूहसंवारा ❁ ॥
इतहिंकटाक्षवाणअतिचोखे ❁ बारहिंवारहनतरणरोखे ॥
उतनहिंबदतविथाअतिरूरे ❁ पुलकअंगमानहुंशरपूरे ॥
इतअनुरागउतहिंछबिताई ❁ क्षणक्षणअधिकअधिकअधिकाई
छवितारंगसरिताअधिकानी ❁ लोचनजलनिधितृप्तिनमानी
उतउदारछविअंगश्यामके ❁ इतलोभीअतिनैनवामके ❁ ॥
ललितासंगसखिनकौंलीने ❁ दंपतिसुखदेखतिदृगदीने ॥
लखियहमिलनसखीअनुरागी ❁ कहतिकिधनिधनिदोउबडभगी
धन्यनवलनवलायहजोरी ❁ धनिधनिप्रीतिनहीरचिथोरी
धन्यमिलनधनियहलखनधनिधनिधनिअनुराग
धनिसुखलूटतपरस्परधनिधनिभागसुहाग ॥
धनिधनिपुनिपुनिभाषि हरषिचलीसिगरीअली
युगलरूपउरराषि एकहिंथलराखेयुगल ॥

॥ अथपरस्परअभिलाषलीला ॥

शोभितस्यामराधिकाजोरी ❁ अरसपरसनिरखततृणतोरी ॥
हरिरीझेप्यारीछविदेखी ❁ भयेविवसउरहरषविशेखी ॥
कबहुंपोलपटडारतवारी ❁ कबहुंमुरलिवारतगिरिधारी ॥
कबहूंमालमुक्तकीवारैं ❁ कबहूंतनमनवारिनिहारैं ❁ ॥
कबहुंसिहातदेखिमनमाहीं ❁ राधासमशोभाकहुंनाहीं ॥
इनकौंपलकओटनहिंकीजै ❁ रूपसुधानैननिपुटपीजै ❁ ॥
कबहुंनिरषिमुखहरिसकुचाहीं ❁ कोटिकामजिनकेबसमाहीं
चपलनैनदीरघअनियारे ❁ हावभावनानागतिभारे ❁ ॥
कोटिकुरंगकमलबलिहारी ❁ खंजनमीनडारियेवारी ❁ ॥
लोचननहिंठहरातस्यामके ❁ काहूअंगमुखरंगबामके ❁ ॥
भयेस्यामप्यारीबसऐसें ❁ फिरतिगुडीडोरीबसजैसें ❁ ❁ ॥
इकटकनैनअंगछविपोहे ❁ भयेविवसलखिरूपविमोहे ॥ ❁ ॥
उठेउठतहैंतुरतहीबैठेबैठतपास ❁ ॥
चलेचलतसंगबामकेज्यौंतनछांहविलास
रहीसुरतकछुनाहिं देहदसाभूलीसबै ॥
अभिलाषामनमाहिं प्यारीहीकेरूपकी ॥
मगनस्यामस्यामारसमाहीं ❁ निजस्वरूपकीसुधिकछुनाहीं
राधारूपदेखिसुखपावैं ❁ पुनिपुनिमनअभिलाषबढावैं ❁ ॥
मांगलेतिभूषणप्रियपाहीं ❁ अपनेअंगसंवारतजाहीं ❁ ❁ ॥
सजितरिवनकुंडलहिडतारैं ❁ वेसरलैनासापरधारैं ❁ ॥

बैनीगूथमांगपुनिकरहीं ॥ सीसफूलअपनेसिरधरहीं ॥ ॥
बैदीभालसंवारतजैसी ॥ शोभितहैप्यारीकौंजैसी ॥ ॥ ॥
प्यारीदृगतेंअंजनलेहीं ॥ अतिहितकरिअपनेदृगदेहीं ॥ ॥
भूषणबसनसजतसबबैसे ॥ प्यारीअंगविराजतजैसे ॥ ॥ ॥
प्यारीकौंप्रियकोछविभावै ॥ हाहाकरियौंबचनसुनावै ॥ ॥
कुंडलमुकुटपीतपटपाऊं ॥ मैंपियतुम्हरौरूपबनाऊं ॥ ॥ ॥
हंसतहिहंसनमांगसबलीनौ ॥ पियकौवेषनागरीकीनौ ॥ ॥
गोरेकान्हसांवरीराधा ॥ निरखिपरस्परपूरतसाधा ॥ ॥ ॥

कबकुंमुरलिलैनागरीअधरधरतिमुसकाय ॥
मंदमंदपूरतसुरनरिऊवतिपियर्यांहिबजाय ॥ ॥

कबकुबजावतस्याम अरसपरसअधरनधरत
पूरतहैंमनकाम सकलकामपूरणयुगल ॥

हरिकौंअपनेरूपनिहारी ॥ आपहिंहरिसरूपलखिप्यारी
यहअभिलाषाउरतबधारी ॥ कहतिसुनौपियगिरिवरधारी
तुमबैठौमाननिवृह्वैकै ॥ तुमहिंमनाऊंमैंपदछ्वैकै ॥ ॥
मोकौंयहअभिलाषविशेषी ॥ सुखपैहौंनैननयहदेखी ॥ ॥
सुनतस्याममनमनमुसकाई ॥ मुरिबैठेकरिमानरुखाई ॥
तबप्यारीमनअतिअनुरागी ॥ हरिसौंमानछुडावनलागी ॥
कहतिमानतजिप्राणपियारी ॥ मोतेंचूकपरीकहाभारी ॥ ॥
कहतनहिंमैंतुमरिसकरिमानी ॥ कहाप्रकृतिहुवपरीसयानी ॥

वृथा हठी लीमाननकीजै ❁ अवकरिकृपामोहिंसुखदीजै ॥
बारबारकरगहिगहिभाषै ❁ सीसनवायचरणपररावै ❁ ॥
आननआननजोरिनिहारै ❁ पुनिपुनिवचनअधीनउचारै
क्यौंइतनौहठकरतिनवेली ❁ बोलतिक्यौंनहिगर्वगहेली ❁ ॥
स्यामकियौहठजानिकैयहबिचारठहराय ॥
प्यारीकेउररसविरहनेकुदेउंउपजाय ॥
बैठिरहेनिठुराय नहिबोलतमानतनहीं ॥
पुनिपुनिपरसतिपाय हाहाकरिकरिलाडिली
नहींहंसतिनहिमुखतनजोवै ❁ बारबारनखभूमिकरोवै ❁ ॥
लखियहचरितहंसतिमनप्यारी ❁ चकितरहतिहरिबदननिहारी
कहतिसुनऊंपियअबहंसबोलौ ❁ तजऊमानयहघूंघटखोलौ
मोहनअबयहखेलमिटावौ ❁ कोटिचंद्रछविबदनदिखावौ
नागरिहंसतिहृदैदुखभारी ❁ सूधेनहिचितवतगिरिधारी
लखित्रियरूपपीयकोप्यारी ❁ बदनविलोकतचहतभारी ॥
अपनौरूपपुरुषकौदेषी ❁ भईमगनरसविरहविशेषी ॥ ❁ ॥
मैंनारीवेपुरुषविहारी ❁ किधौंपुरुषमैंहौंवेनारी ॥ ❁ ❁ ❁ ॥
बढीविरहसंभ्रमताभारी ❁ भईविकलतनदसाबिसारी ❁ ॥
निरखतस्यामविरहकीशोभा ❁ बोलतनहींअधिकमनलोभा
कबऊंकहतियहख्यालनत्यागत ❁ मानकरतनीकेनहिंलागत
कबऊंअंकभरिउरसौंलावति ❁ कबऊंकांफिरिपरिपायमनावति

कबहूं पाछै ह्वै रहतिकबहूं आगैजाय ॥ ❁ ॥
कब ऊंउठतिबैठतिकबऊंकबऊंकजोतिबलाय
कबऊंकहतिहैपीय कबहूंप्यारीकहूकहति ॥
धीरजधरूतनहीय भई समीपहिविरहवस ॥
भई विरहव्याकुलजबबाला ❁ हरषिहंसेतबपियनंदलाला ॥
लई तुरतप्यारीउरलाई ❁ कहतब्याज्ञहीमैं अकुलाई ❁ ॥
तुमहीमानकरनमुहिभाख्यौ ❁ भई विवसकतधीरनराख्यौ ॥
मैंतौतुमकौंभावबतायौ ❁ तुमकाहेमनमैंडरपायौ ॥ ❁ ❁ ॥
देखिविरहव्याकुलमुरझाई ❁ बारबारहरिअंकमलाई ॥
अमियबचनकहिशीतलकीनी ❁ विरहतापउरतैंहरिलीनी
तबनागरिपियलखिसुखपायौ ❁ मिट्यौविरहमनहरषबढायौ
कहतिभलौपियमानदिखायौ ❁ मेरैमनअभिलाखपुरायौ ॥
त्रियकेरूपस्यामछविदेखी ❁ पुनिपुनिपुलकितमुदितविशेखी
दंपतिहरषमनहिमनकीनौ ❁ तबनवकुंजचलनचितदीनौ
प्यारीमुकरपाणिलैदेख्यौ ❁ नटवररूपआपनौपेख्यौ ॥ ❁ ॥
हंसतहिहंसतमेटसबडार्यौ ❁ सहजरूपअपनौपुनिधार्यौ ॥
चलेहरषिबनकुंजकौंयुगलनारिकेरूप ॥
इकगोरीइकसांवरीशोभापरमअनूप ॥ ❁ ॥
अंगअंगछविजाल अतिविचित्रभूषणबसन ॥
श्रीराधानंदलाल शोभाअवधिविलासनिधि ॥

जातचलेब्रजवीथनदोऊ ● लखिनहिंसकतनारिनरकोऊ
नंदनंदनत्रियछबितनकाछैं ● शोभितहैंराधासंगआछैं ॥ ● ॥
बारबारपियरूपनिहारी ● मनहींमनरीझतहैप्यारी ● ॥
कहतिसखीदेखैंजिनइनकैां ● बूझैंतैंकहिहैांकहांतिनकैां ॥
तिहूंभुवनशोभासुखकीनिधि ● करिहैंतिनकैांगोपकवनबिधि
पगनूपुरबिछियाछबिछाजै ● गजगतिचलतपरस्परबाजै ॥
स्यामगौरसुंदरसुखजोरी ● मर्कतमणिकंचनछबिथोरी ॥
भुजभुजकंठपरस्परराजै ● याछबिकैांउपमानहिंछाजै ॥ ● ॥
जातयुगलबनकैांसुखपाई ● उततेंचंद्रावलिसखिआई ॥
दूरहितेंलखिरहीनिहारी ● इकटकनैननिमेषनिवारी ॥
पुनिपुनिमनविचारकरिजोहै ● एकराधिकादूसरिकोहै ॥
ब्रजयुवतिनइकइककरिजानै ● यहधौंकौननहींपहिचानै

औरगांवतेंयहकहूंआईहैब्रजमाहिं ॥ ● ॥
अतिहिसलौनीसांवरीअबलौदेखीनाहिं ॥
राधेमनसकुचाहि चंद्रावलिआवतिनिरखि ॥
रहीस्याममुखचाहि ब्रजहीकैांफेरतिहरिहि

कहतिजाउपियफिरिमुखमाहीं ● करतेंकरछूटतहैनाही
उतआवतिलखिसखिहिबजानी ● इतहिस्यामकेनेहभुलानी
दुखसुखहरषनहरिरसमाती ● उतचंद्रावलिइनरंगराती
कहतिनिकटदेखउधौंजाई ● बूझैांयाहिकहांतेंआई ॥ ● ॥

देखिस्यामसुखछविमुसकानी ❁ करीचतुरईइनपहिचानी ॥
इनतेंनिधरकऔरनकोऊ ❁ कैसीबुद्धिरचीइनदोऊ ❁ ॥
येदोऊअतिचतुरसयाने ❁ निजकरइन्हेंबिधाताबाने ॥ ❁ ॥
औरकहाइनकोंकोउजाने ❁ मोसोंनहीपरतपहिचाने ❁ ॥
सकुचछांडिअबइनहिंजनाऊं ❁ जानबूझकाहेंनिदराऊं ॥
जोइनकोंमैंटोकतिनाहीं ❁ ऊहैंजीतमनहिमनमाहीं ❁ ॥
येचतुरईचलेछविदोऊ ❁ प्रगटकरौंइनकेगुणसोऊ ॥ ❁ ॥
ऐसेंबहुरिइन्हेंनहिपाऊं ❁ आजप्रगटकहिलाजलजाऊं

कहिराधेयहकौनहैसंगसांवरीनारि ❁ ॥
कबहूइन्हेंदेखीनहीं अतिसुंदरसुकुमारि
कोहैइनकोनाथ कौनगोपकीयेसुता ॥
भलीबन्यौहैसाथ जैसीयेतैसीतुमऊ ❁ ॥

मथुरातेंयेआजहिआई ❁ हैइनतेंकछुप्रीतिसगाई ॥ ❁ ❁ ॥
एकदिनाललितासंगमाहीं ❁ दधिबेचनहमगईतहाहीं ॥
उनहींकेसंगभईचिन्हारी ❁ तबहीकीपहिचानहमारी ॥
वहहैसनेहजानकैआई ❁ ऐसीशीलसुभावसुहाई ॥ ❁ ॥
मैंगृहतेंइतआवनलागी ❁ येऊसंगआयअनुरागी ॥ ❁ ❁ ॥
सुनराधायहसहजसुहाई ❁ शीलसनेहरूपअधिकाई ॥
इनकोंब्रजमेंक्योंनबुलावो ❁ अपनेनिकटहिआनबसावो ❁ ॥
कैवृषभानपुराकैगोकुल ❁ राखऊइनहिंबुलायसहितकुल ॥

तुमह्वौनवलनवलहैंयेऊ ● दोऊमिलस्यामहिसुखदेऊ ॥
ऐसीहैयहनारिसुहाई ● ओरनारिमनलेतिचुराई ॥ ● ॥
हमहूंकोंअबइनहिंमिलावौ ● नीकेइनकौबदनदिखावौ ॥
हमहिंदेखिसकुचतकतप्यारी ● हमसोंघूंघटकरतकद्दारी
ऐसेंकहिचंद्रावलीगह्यौस्यामकरजाय ● ॥
यहकऊंअबलौंनहिंसुनीतियसोंतियसकुचाय
आपहिबदनउघारि घूंघटपटह्वांनैकियौ ॥
मुखछबिरहीनिहारि मानेकरिलोचनसुफल
बारहिबारकहतिमुसकाई ● चितवतिक्यौनहिंबदनउठाई
मथुरामेंहैबासतुम्हारौ ● कहानाममुखबचनउचारौ ● ॥
कियौराधिकायहउपकारौ ● दुर्ल्लभदरसनभयौतिहारौ ● ॥
कछुइकमैंपहिचाननितुमकौं ● काहेकौंसकुचतिहौहमकौं ॥
कबऊंचिबुकगहिबदनउठावै ● कबऊंकपोलपरससुखपावै
कबहूंचुटकिकहतिमुखफेरौ ● नैनउठायनैकुइतहेरौ ● ॥
नैननैनसोंहरिनहिंजोरैं ● रहेलजायभावसोंभोरैं ● ● ॥
चंद्रावलीदेखिमुसकानी ● हंसिबोलीराधासोंबानी ● ● ॥
ऐसीसखीमिलीयेतुमकौं ● तौकाहेनबिसारौहमकौं ● ● ॥
जबसोंइनसोंप्रीतिलगाई ● बऊतभईतुमकौंचतुराई ● ॥
अबलौंइनकौंकहांदुरायौ ● हमसोंकबहूंनाहिजनायौ ● ॥
त्रिभुवनकीसुखमासबगुणनिधि ● एकहिइन्हैंबनाईहैबिधि

तुमऊं कुशलयेहूं कुशलक्यौंनप्रीतिदृढहोय ॥
जानेहौचलेजाऊबनआपस्वारथीदोय ॥
दंपतिकियैविचार सुनिचंद्रावलिकेबचन ॥
यासौंनाहिंउवार हरषिमिलेउरलायतब ॥
चलेकुंजगृहहरषिविशाला ॥ उभयबामबिचमदनगुपाला ॥
वामभागप्यारीकौंलीने ॥ दक्षणभुजासखीपरदीने ॥ ॥
विविदामिनिविचनवघनमानौ ॥ रतिसमेतलखिमदनलजानौ
कैधौंकंचनलतासुहाई ॥ ललिततमालविटपलपटाई ॥
गयेकुंजबनघनछविछाई ॥ सुमनपुंजअलिगुंजसुहाई ॥
वरणवरणकुसमिततरुनाना ॥ करतिकोकिलामंगलगाना ॥
वहतसमीरत्रिबिधिसुखदाई ॥ पावनमंजुलभूमिसुहाई ॥
लखिछविपुंजकुंजअनुरागे ॥ सहचरिसहितयुगलबडभागे
नवदलकुसुमतल्पकमनीया ॥ बैठेनवलरवणरवणीया ॥
करतबिलासविविधिमनमाने ॥ कोटिकोटिरतिकामलजाने
शोभितगौरस्यामशुभजोरी ॥ निरखतिछविहिसखीतृणतोरी
सुनेरसिकदोऊरसरसिकाई ॥ बसेनिशाबनकुंजसुहाई ॥
तैसोइविपनसुहावनौतैसियपवनसुगंध ॥
तैसियनिर्मलचांदनीतैसोईसुखसंबंध ॥
तैसोइकुंजनिवास तैसोईयमुनापुलिन ॥
सकलसुखनकोरास तैसेइरंगभीनेयुगल ॥

बनहिं धामसुखरैनबिहाई ॥ उठेप्रातदोउछबिअधिकाई
बैठेयुगलरंगरसभीने ॥ आलसयुतअंसनभुजदीने ॥ ॥ ॥
अरसपरसदोउछबिहिनिहारैं ॥ रीरूपरसरतनमनवारैं
अरुणनैननखरेखसुहाई ॥ बिनगुणमालहृदैछबिछाई ॥
लटपटिपागरसमसीभौंहैं ॥ कुंडलझलककपोलनसोहैं ॥ ॥
प्रियाबदनछबिस्यामनिहारत ॥ अरुकीलटमुक्तनिरवारत
आरसनैनसुरनिरसपागे ॥ नंदनंदनपियसंगनिशिजागे ॥
टूटेहारमरगजीसारी ॥ नखसिखसुंदरपियअरुप्यारी ॥
चलेकुंजतेंयुगलबिहारी ॥ ब्रजबासीसखिलखिबलिहारी
सुंदरस्यामसुंदरीस्यामा ॥ जीनेसुंदररतिपतिकामा ॥ ॥
सुंदरअविलोकनिमृदुबोलनि ॥ सुंदरचालडगमगीडोलनि
सबबिधिसुंदरसुखनिधिदोऊ ॥ सुंदरउपमाकौनहिंकोऊ

अतिविचित्रनंदलालकीलीलाललितरसाल ॥
जोसुखदुर्लभशिवसनकसोविलसतिब्रजबाल
गयेयुगलब्रजधाम सखीसहितनिशिरसबिलसि
बसतप्रियाउरस्याम स्यामहृदैप्यारीसदा ॥ ॥

॥ अथशृंगारभूषणवर्णनलीला ॥

बैठीभवनसिंगारकिशोरी ॥ बहुरौंअंगसिंगारतिगोरी ॥ ॥
मानहुंसबनदेतिपहिराये ॥ रतिरणजीतप्रियासोंआये ॥
कटितटकिंकिणिबसननवीने ॥ बाजूबंदभुजनकोदीने ॥ ॥

करकंकणाउरहारसुहाये ● तरुवनिचारुश्रवणपहिराये ॥
नकवेसरअंजनदृगदीनौ ● बेंदालसितभालपरकीनौ ● ॥
रचीमांगसमभागसुहाई ● तामधिरेखसिंदूरबनाई ● ॥
प्रभुसोंविमुखजानिकैकादर ● बांधतिकचमनौकियेनिरादर
दियैविहसिअधरनकोंबीरा ● सन्मुखह्वैप्रहारसधीरा ● ॥
शोभितसदनसिंगारसुहाई ● श्रीवृषभानकुंवरिछविछाई ॥
नखसिखकुसमविशिखकीसैना ● कियेकान्हबसपंकजनैना
सीसफूलसिरअतिछविछाजै ● मनऊंभागमणिप्रगटविराजै
खुभीजरावफूलअरुणाई ● हरतिप्रातरविकीछविताई ● ॥
चंद्रबदनमृगशिशुनयनभृकुटीकुटिलकलंक
अलकझलकछबिदेतिजनौशोभितरजनीअंक
कुंदकलीसमदांत तिलप्रसूननासासुभग ॥
जीवबंधुकीभांत अधरअनूपमचिबुकतिल ॥
लखिकलकंठकपोतलजाहीं ● पीकलीकझलकतिजेहिमाहीं
बाऊमृनाललाजछविछाये ● कोमलपाणिसरोजसुहाये ● ॥
कुचयुगचक्रवाकजनौनीके ● लसतिरोमावलितटतटनीके ॥
त्रिवलीतरलतरंगसुहाई ● अतिगतनाभिमनोहरताई ● ॥
कसकटिकिंकणियुतछबिछाई ● पृथुनितंबशोभाअधिकाई
रंभखंभयुगजंघनिकाई ● पगनूपुरझनकारसुहाई ● ● ॥
चालविलोकिकामगजलाजै ● मधुरमधुरधुनिपायलबाजै ॥

बरनेकोपदपंकजशोभा ● हरिमनभ्रमररहतजहंलोभा
निगमनेतिनितगावतजाकौं ● राधाबसकीनोहैताकौं ॥ ● ॥
जौंचकोरचंदाकोंआतुर ● तौंनागरिबसगिरिधरिचातुर ॥
देखेबिनछनरह्योनजाई ● सदाप्रेमबसत्रिभुवनराई ॥ ● ॥
उझकिझरोखाझांकेआई ● करतिसिंगारप्रियामनभाई ॥
अंगअंगभूषणबसनरचिरुचिसकलसिंगारि ॥
लैदरपनदेखतिछबिहिश्रीबृषभानदुलारि ॥
दीठझरोखालाय रहेस्यामइकटकनिरखि ॥
उरआनंदबढाय देखतप्यारीकीछबिहि ● ॥
इककरदरपनइककरअंचरा ● पुनिपुनिदृगनसंवारतिकजरा
कबहूंसीसकौफूलसंवारै ● कबहूंकुटिलअलकनिर्वारै ● ॥
कबहूंआडरचतिकेसरकी ● कबहूंछबिदेखतिबेसरकी ॥
कबहूंरचतिसुमनसोंवेणी ● कबहूंमांगमुक्तनकीश्रेणी ● ॥
कबहूंरिसकरिभौंहसकोरै ● कबहूंनैननैनसोंजोरै ॥ ● ॥
इकटकदर्पनओरनिहारै ● नेकुबदनइतउतनहिटारै ॥
निरखिआपनीछबिसुकमारी ● रहीविवसप्रतिबिंबनिहारी
अतिआनंदभईमतिभोरी ● विसरीसुरतिदेहकीगोरी ● ॥
कहतिमनहिमनमेंसकुचाई ● यहसुंदरीकहांतेंआई ॥
करतेंमुकरदूरनहिटारै ● कछूकसकरिहृदैविचारै ॥ ● ॥
कहूंस्यामदेखैजोपाहीं ● तुरतहोययाकेबसमाहीं ● ● ॥

जोमोहनयासौंअनुरागे ● कहाचलैमेरीयाआगे ॥ ● ॥ ● ॥

यहआईकिहिंलोकतेंअतिसुंदरबरनारि ॥

ब्रजमेंतौऐसीनहींकोऊगोपकुमारि ॥ ● ॥

कोऊत्यायौयाहि कैधौंआईआपही ॥

सोबैरीममआहि जोल्याईयाकोंब्रजहि

सुनीकहूंइनहरिकीशोभा ● आईहैताहीकेलोभा ॥ ● ॥

जैसेसुंदरकुंवरकन्हाई ● तैसीसुंदरियहब्रजआई ● ॥

मनहींमनपुनिपुनिपछिताई ● पूछतिप्रतिबिंबहिसकुचाई ॥

तूहैकौनकहांतेंआई ● इहांकौनतोकोंलैआई ॥ ● ● ॥

नामकहाहैसुंदरितेरौ ● तुमजहांरहतिकौनसोखेरौ ॥ ● ॥

कहौनमुखतेंबचनसुनाई ● मतिसकुचौकहिसौंहदिवाई ॥

हमतुमदिननएकहैंगोरी ● तूककुरूपअधिकनहिंथोरी ॥

इहांअकेलीतूक्यौंआई ● काहूऔरसंगनहिंल्याई ॥ ● ॥

सुन्यौनहींअन्यावयहांकौ ● ऐसेंकहिडरपावतिताकौ ● ॥

करतकान्हब्रजमेंबरजोरी ● लेततियनकेभूषणछोरी ॥ ● ॥

जोअपनीपतिचहतिसयानी ● तौघरजाऊमानिममबानी ॥

लेऊवसनतेंअंगछिपाई ● देखैंजिनकऊस्यामकन्हाई ● ॥

तेरेहितकीकहतिहौंमानचहैमतिमान ॥

आईहैब्रजआजहीतूऊनकौंकहाजान ॥

ऐसौढीठनआन त्रिभुवनमेंकोऊकहूं ॥

जैसोब्रजमेंकान मनभायोसबसोंकरत ॥
नेकनहींकाहूडरमाने ● मथुरापतिजिहिंरहतसकाने॥ ● ॥
उनकेगुणानीकैमैंजानौ ● तोसौंअपनीदसाबखानौ ॥ ● ॥
हममथुरादधिबेचनजाहीं ● घेरलईउनमगकेमाहीं ● ॥
गोरसलियोछोरिबरिआई ● हारतोरिदीनेबगराई ● ॥
हमअनेकतूएककिशोरी ● तातेंजाउवेगगृहगोरी ॥ ● ॥
सुनिसुनिश्यामप्रियाकीबानी ● मनहींमनविहसतसुखमानी
प्यारीचकितरूपनिजदेखी ● श्यामचकितसुनिबचनविशेषी
जानदूसरीतियप्रियपाहीं ● जातनिकटमोहनसकुचाहीं
पुनिपुनिदृगठहरायनिहारैं ● बोलतनहिंउरहरषविचारैं
देखतमुकरप्रियाकरमाहीं ● अंकमलेवेकोंललचाहीं ॥ ● ॥
प्यारीकेरसबसगिरिधारी ● लेतदृगनभरिभरिछविभारी ॥
सुनिसुनिबचनहृदैसुखपावैं ● पुलकिअंगआनंदबढावैं ॥
बचनसुनिआनंदअतिमनोंनिरखिछविसुखपावहीं ॥
धनिधन्यराधारूपधनिहरिनैनइकटकलावहीं ॥ ● ॥
धन्यवहप्रतिबिंबधनिछविधन्यमुकुरनिहारहीं ॥ ● ॥
धन्यभ्रमधनिप्रेमपूरणधन्यतनमनवारहीं ॥ ● ● ॥
धन्यसुखजेहिलागिराधाकान्हब्रजतनधारहीं ॥ ● ॥
रमासहितविलासनिजबैकुंठवासविसारहीं ॥ ● ● ॥
मिलनविछुरनसुखविरहरसक्षणहिंप्रतिउपजावहीं

ब्रजविलासउल्लासहरिकौनितनयौश्रुतिगावहीं ॥

नवलप्रीतिनितनवलसुखनितनवरूपरसाल ॥
नितनवरसविलसतनवलश्रीराधानंदलाल ॥
कहतिरसीलीबात ज्यौंज्यौंतियप्रतिबिंबसौं ॥
त्यौंत्यौंसुनिहरबात ब्रजबासीप्रभुरसभरे ॥

प्यारीनितप्रतिबिंबनिहारै भईविवसनहिंसुरतिसंभारै ॥
बारबारपूछतितापाहीं क्यौंसुंदरितूबोलतिनाहीं ॥ ॥
हंसेहंसतिहेरतिहेरे फेरतिभौंहभौंहकेफेरे ॥ ॥
करतिपरस्परहमसौंहांसी अपनौनामनकहतिप्रकासी ॥
परमचतुरतुमकौंमैंजानी हमसौंतुमकछुकरतिसयानी ॥
अतिहीसुंदररूपतिहारौ देखिहोतमनमुदितहमारौ ॥
शोभितबेसरनाकसुहाई अतिअनूपअधरनअरुणाई ॥
दसनदमकदामिनिहिंलजावति चिबुकनीलकणअतिछविपावति
काहेऐसेमुखकीबानी हमैंसुनावतिनाहिंसयानी ॥ ॥
कहौबचनकाकीहौघरनी काकीसुतासहजमनहरनी ॥
कैरिसकैरसकैइतहेरति मेरेसन्मुखलोचनजोरति ॥ ॥
कछुरसकछुअरकौमनमाहीं धीरधरतिनागरिजियनाहीं

यहतौबोलतिहैनहीं अतिगरवीली बाम ॥
देखतहीयहिरीझहैं छैलछबीलेस्याम ॥
भईसौतयहआय अबहरियाकेबसभये ॥

यैंवियोगउपजाय उपजायैउरविरहदुख ॥

रहीदीठटरमनहिंलगाई ● टरतिनहींछविकीअधिकाई

उरमेंभयोविरहदुखभारी ● देखिदसारीगिरिधारी ● ॥

कबहुंचलततियढिगहिंकन्हाई ● कबहुंरहतलखिछविहिभुलाई

आंचकपाछैतेंसुखदाई ● मूंदेनैनकमलकरलाई ● ● ॥

चौंकिचकितभईमनमेंप्यारी ● जान्यौआयेछैलविहारी ॥

डरतिरहीमनमेंमैंजाकौं ● मिलेआयसुंदरहरिताकौं ॥

तबकछुसुरतभईमनमाहीं ● वहतौहीमेरीपरछाहीं ● ॥

सकुचिदुरावकरतिपियपाहीं ● मनहींमनदोऊमुसकाहीं

जानिबूझिकैपियघनस्यामहिं ● लेतिबिपुलसखियनकौनामहिं

स्यामप्रियालोचनकरलायौ ● अतिहितबैनीउरपरसायौ

शोभाकहाकहैकविकोऊ ● मेचकमणिसुमेरअंगदोऊ ॥ ॥

लाबिचमनकंपन्नगीआई ● रहीकनकगिरिसौंलपटाई ● ॥

वेष्ठितभुजमूंदेकरनदीरघखंजननैन ● ॥

मनौभखलीनौधायअहिनहिसमातफणिऐन

करतिसखिनसौंरोस मनहरषतलखीरुतबदन

भरीचतुरईकोस लूटतिमनकामनफलन

अतिआनंदभरेदोऊराजैं ● उपमाकहतकवीश्वरलाजैं ● ॥

मरकतमणिकुंदनसंगजोरी ● किधौंलियेघनतड़ितअंकोरी

कैशोभासुखतनधरिसोहै ● व्रजवासीभक्तनमनमोहै ● ॥

कोमलकरतियनैनकन्हाई ॥ रहैमूंदिछविबरनिनजाई ॥
अतिहिविशालचपलअनियारे ॥ नहिंसमातपियपाणिपसारे
छिनखोलतछिनढकतविहारी ॥ मुखरिसमनमुसकातिपियारी
ज्योंमणिधरमणिप्रगटकन्हाई ॥ फिरफिरफणतरधरनछिपाई
श्यामअंगुरियनअंतरमाहीं ॥ चंचलनैनदुरेदरबाहीं ॥ ॥
मरकतमणिपिंजरमेंमानो ॥ तरफरातविवखंजनजानो ॥
करकपोलढिगतरलतरौना ॥ शोभासदुजसुभायकरौना ॥ ॥
मनोयुगकमलमिलनशशिआये ॥ विवरविबंगसहायकल्याये
कुंवरिनागरीनागरनायक ॥ उपमाकाहिकहौंकोलायक ॥

अपनेकरपियकरपकरिलीनेनैनछुडाय ॥ ॥
रविशशिचारसरोजजनोद्वैचकोरमिलिभाय ॥
कीनेसनमुखआन. पाणिपकरिकैलाड़ली ॥
भलेभलेजूकान्‌ मैंसखियनधोखेरही ॥ ॥

भलेआयओचकबिनजाने ॥ मूंदिरहेदृगअतिहिपिराने ॥ ॥
कैसेंदौरिपैठिगृहआये ॥ नैकहुंआवतजाननपाये ॥ ॥ ॥
तुमहौतियमनहरनकन्हाई ॥ तुम्हरीगतिकछुजानिनजाई
तबहरिहरषिप्रियाउरलाई ॥ मुकुरकथासबभाषिसुनाई
सुनिनागरिहरितनमुसकानी ॥ चितैनैनकछुमनहिंलजानी
मैंतौअपनेमंदिरमाहीं ॥ सहजलखतिदरपनमेंछाहीं ॥ ॥
तुम्हरीमहिमापियकोजाने ॥ इकसुंदरअरुपरमसयाने ॥

हंसतचलेंतबकुंवरकन्हाई ❁ रसिकपुरंदरजनसुखदाई ॥
हरषितगयेसदनंनंदलाला ❁ इतनागरिउरहरषबिशाला ॥
जबप्रतिबिंबसुरतिजियआवै ❁ समुझसुदसासकुचतबपावै
तिहिंअंतरसंगसखिनलिवाई ❁ चंद्रावलिराधाढिगआई ॥
लखिप्यारीआदरअतिकीनौ ❁ तुरतसबनकौबैठकदीनौ ॥
सादरसनमानीसबैदियेहरषिकरपान ॥ ❁ ॥ ❁ ॥
पियसंगसुखचाहतिकहनरहतिसकुचपुनिमान ❁ ॥
गदगदसुरमुखबैन बारबारभाषतिहरषि ॥
झलकप्रेमजलनैन पुलकिगातपूरेसबै ❁ ॥
कहतिसखीसुनराधागोरी ❁ आजकहाअतिहर्षकिशोरी ॥
हमतेंनितहीप्रतिआवैं ❁ इतनौआदरकबऊनपावै ❁ ॥
पायौआजपस्यौकछुतेरी ❁ कैधौंमिलेस्यामकऊंहेरी ॥ ❁ ❁ ॥
उमग्यौप्रेमहरषउरमाहीं ❁ हमैंसुनावतिहैक्यौंनाहीं ❁ ॥
सुनसखियनकेबचनसयानी ❁ बोलीप्रियाहरषिकैबानी ॥
आयेआजसखीहरिमेरे ❁ कहेजातनहिंगुणउनकेरे ❁ ॥
जैसीभांतिमिलेहरिहमसों ❁ सोचितकहौंसुनऊसखितुमसों
मैंअपनेसबअंगसिंगारति ❁ लियेमुकुरकरबदननिहारति
पाछैंआनभयेहरिठाढे ❁ चतुरसिरोमणिछबिसोंबाढे ❁ ❁ ॥
भावएकभोरेमैंसाजा ❁ ताहिकहतिसखिलागतिलाजा ❁ ॥
लखिअपनौप्रतिबिंबभुलानी ❁ जानिऔरतियमनहिंडरानी

पावैंतेंयहजानिकन्हाई ॥ मूंदेनैनआंचकाआई ॥ ॥

नबछीचैंकिचकृतभई मैंसमझीनिजभोर ॥

लगीदेनउर हनतुम्हैंभई फिर तिहौचोर ॥

सुनिराधामुखबात हियहरखीसबगोपिका ॥

पुलकिप्रफुल्लितगात कहतिधन्यतूलाडिली ॥

स्यामसंगसुखलूटतिहैरी ॥ अबउनसोंनाहिंरूठतिहैरी ॥

स्यामभयेतेरे अनुरागी ॥ भलीभई तूहाररसपागी ॥ ॥

अबहरितोतें अतिरतिमानै ॥ तेरोअंतरहितपहिचानै ॥ ॥

आवतजाततहतघरतेरे ॥ क्षणनहिरहततोहिबिनहेरे ॥

चतुररूपगुणतुमदोउनीके ॥ परमभावतेहौसबहीके ॥

आजलालमेरेगृहआये ॥ वडेभाग्यमैंहितकरिपाये ॥ ॥

देखदरसनैननसुखपायो ॥ करौंआजआनंदबधायो ॥ ॥

यहउपकारतुम्हारोआली ॥ मोहिमनाय दियेबनमाली ॥

तुरतल्यायहरिमोहिमिलाये ॥ मैंअपनेअपराधक्षमाये ॥ ॥

नंदनंदनपियनैनसमाये ॥ भावतनहीनेकबिसराये ॥ ॥

सुनियहराधाकीरसबानी ॥ देतिअसीससखीहरषानी ॥

नंदनंदनवृषभानकिशोरी ॥ चिरजीवहुसुंदरयहजोरी ॥

प्रेमभरेछविसोंभरेभरे आनंदहुलास ॥

युगलमाधुरीरसभरेब्रजमेंकरतबिलास

करतअनेकबिहार रूपराशिगुणनिधियुगल ॥

राधानंदकुमार ब्रजबासीजनसुखकरन ॥

॥ अथनैनअनुरागलीला ॥

हरिअनुरागभरीब्रजनारी ● लोकसकुचकुलकानबिसारी ॥
सासननदगारीदैहारी ● सुनतनहींकोउकहतकहारी ॥
सुतपतिनेहजगतयहछोरी ● ब्रजतरुनिनतिनकासौंतोरी
वेदलोकमर्यादाडारी ● ज्योंअहिकैंचरिफिरननिहारी ॥
ज्योंजलधारमरैंतृणनाहीं ● जैसेंनदीसमुद्रहिजाहीं ● ॥
जैसेंसुभटखेतचढिधावै ● जैसेंसतीबहुरिनहिआवै ॥ ● ॥
जैसेंभजीनंदनंदनकौं ● नेकडरीनहीगृहजनकौं ● ॥
जैसेंहिंप्रेमविवसगिरिधारी ● जौंगजपंकनसकहिनिहारी
ब्रजबनितामननहिबिसरावैं ● क्षणप्रतितिन्हेंदेखिसुखपावैं
आयेपुनितिहिओरबिहारी ● सखिनसहितबैठीजहांप्यारी
भौरदेखिसकुचेमनमाहीं ● तातेंनिकटगयेहरिनाहीं ● ॥
ताहीमगनिकसेसुखदाई ● सुंदरनटबररूपदिखाई ॥

सीसमुकुटकुंडलश्रवणउरचटकीलीमाल ॥ ● ॥
पीतबसनकटिकाछनीतनदुतिस्यामतमाल ॥
चलतलटकतीचाल बंकविलोकनमृदुहंसन ॥
अंगअंगछविजाल रसिकनवलनागरछयल ॥

औचकदेखिस्यामब्रजनारी ● भईचकिततनदसाबिसारी ॥
जातचलेब्रजखोरअकेले ● कोटिकामकीछविपरहेले ॥ ● ॥

घगह्वैचलतबक्रफिरिह्वैरैं ❁ कमलसनालकमलकर फेरैं
मृगमदतिलकअलकछु घरारी ❁ ततबनधातचित्ररचिकारी
मृदुमुसकायमरोरतभौंहें ❁ नैनसैंनदेदेमनमोहैं ॥ ❁ ❁ ॥
निरखतब्रजयुवतीबिथकानी ❁ दुखसुखव्याकुलमनअकुलानी
गयेकल्पतरुछांहकन्हाई ❁ रूपठगौरीतियनलगाई ❁ ॥
लागीकहनपरस्परबानी ❁ लोचनमनअनुरागकहानी ॥
सुनऊसखीयहनंददुलारे ❁ हठकरियहमनलेतहमारे ॥
क्षणक्षणप्रतिछविऔरबनावै ❁ शोभाकछूकहतनहिंआवै ॥
मनतौइनहींहाथबिकान्यौ ❁ हमसखियहकछुभेदनजान्यौ ॥
नैननिसाटकरीनैननसों ❁ कियौमोलसैंननबैननसों ॥ ❁ ॥
बेचदियौमनआपुहीमृदुमुसकनधनपाय ॥
परीरहींहांबीचहीनैनाबडीबलाय ॥ ❁ ॥
भयौस्यामकोजाय अबरुचिमानीमनतहां ॥
मैंपचिरहीबुलाय फेरिनहीइतकौंफिरै ❁ ॥
अबमनहितहरिहीसोंकीनौ ❁ भेदहमारेसबकहदीनौ ॥
मनतौगयौनैनहैंमेरे ❁ तिनहूंबोलकियेहरिचेरे ॥ ❁ ❁ ॥
अबयेरहतवहांसेवकाई ❁ सोईकरतजुकहतकन्हाई ॥
जितहिचलतवेतितहीजाहीं ❁ हरिकेसन्मुखरहतसदाहीं
भयेबजायगुलामस्यामके ❁ रहेनकाहूऔरकामके ॥ ❁ ❁ ॥
ताकौकछुअपमाननजाने ❁ फूलेफिरतअधिकसुखमाने ॥

जगउपहाससुनतबकुतेरे ❁ लाजसंकटीनैासबडेरे ॥ ❁ ॥
आरजपथमर्याद्‌बडाई ❁ लोकवेद्‌कुलकानगंवाई ॥ ❁ ॥
मैंसमुझायरहीबकुतेरी ❁ नैकजुंकह्यौसुनतर्नाहमेरी ❁ ॥
ललितत्रिभंगीछविपरअटके ❁ मोसोंतोरिसगाईसटके ❁ ॥
हरिअबछोडततिनकौंनाहीं ❁ बैठेरहतआपतिनमाहीं ॥
राखेबांधअलककीडोरी ❁ भाजजाहिंमनकबजुंकहोरी ॥
अबयेलोचनस्यामकेसखीहमारेनाहिं ॥
बसेस्यामरसरूपयेस्यामबसेइनमाहिं ❁ ॥
कहाकरैंसखिस्याम नैननहीकौदोषयह ॥
छुठकरिभयेगुलाम तनकमंद्‌मुसकानपर ॥
बोलीअपरएकब्रजनारी ❁ सखिलोचनलोभीअतिभारी ❁ ॥
जबहिंलखतकमनीयकन्हाई ❁ तबहिंसंगलागतउठधाई ॥
मेरेहटक्योनेकुनमाने ❁ लखतजायवहछविललचाने ॥ ❁ ॥
ज्यौंखगछूटतफंद्‌बधिकते ❁ भागचलतउडिबेगअधिकते ॥
पाछैंफेरनफिरतडराई ❁ जायसघनबनमाझसमाई ॥ ❁ ॥
त्यौंद्रुगमेतिंछूटपराने ❁ हरिछविबनघनजायसमाने ॥ ❁ ॥
अबवेइतकौंनाहिनिहारैं ❁ वहछविनिरखिहरखिउरधारैं
जदपिसुधाछविपियतअघाई ❁ तदपितृपतिनहिमानतराई
भईसखीनैननगतिऐसी ❁ भरेभवनतसकरकोजैसी ❁ ॥
देखिस्यामछविधनअधिकाई ❁ अतिलालचीरहैललचाई ॥

लेतनबनेतजौनहिंजाई ❀ चकितभयेनिजसुधिबिसराई ॥
रहेविचारहिमांझभुलाने ❀ नहिंकछुकियौनत्यागपराने ॥
नैनचोरहरिमुखसदनछविधनभांतिअनेक ॥
तजतबनततनहिंएककहूंलेतबनततनहिंएक ❀ ॥
सखियेनैनाचोर मुखछविचोरनकौंगये ॥
बांधेअलकनिडोर हरिकीचितवनपाहरू
भलीभईहरिइनहिंबंधायौ ❀ निदरिगयेतैसौफलपायौ ॥
येनहिमाननकह्यौहमारौ ❀ सखिइनहींसबकाजबिगारौ ॥
कहतिएकअरुगोपकुमारी ❀ सखियेनैनकिधौंबटपारी ॥
कपटनेहहमसोंकरिभारी ❀ करीहमैंगुरुजननतेंन्यारी ❀ ॥
स्यामदरसलाडूकरदीनौ ❀ हमैंआपनेबसकरिलीनौ ॥ ❀ ॥
प्रेमठगौरीसिरपरसाई ❀ फिरतसंगहीसंगलगाई ॥ ❀ ॥
बिरहफांसिगरडारिहमारे ❀ करीविकलनहिंअंगसंभारे ॥
कुललज्यासंपदाहमारी ❀ सोइनलूटिलईसखिसारी ॥ ❀ ॥
कहरतिपरीमोहबनमाहीं ❀ लगनगांठदृगछूटतनाहीं ॥
कौंहूंनेहजीवनहिजाई ❀ सुमिरनैनगुणमनपछताई ❀ ॥
कासोंकहैंसखीयहबाता ❀ भयेनैनहमकौंदुखदाता ॥ ❀ ॥
हमकौंबिरहदुसहदुखदेहीं ❀ आपसदादरसनसुखलेहीं
इहिंबिधिनिदरतदृगनकौंभरीप्रेमब्रजनारि ॥
होतमगनसुखबिरहरसनैननिस्यामनिहारि ॥

यहीभजनयहध्यान स्यामरूपरसगुणकथा ॥
नहिजानतिकछुआन निशिदिनब्रजकीसुंदरी
कोऊकहतिनैनखगमेरे ॰ फंदेअलकफंदाहरिकेरे ॰ ॥
छबिकणचारालखिललचाने ॰ फंदगएचितवनलपटाने ॰ ॥
हरिछविअटकपरेदृगजाई ॰ अतिहिविलापभएविविसाई
रहतदीनसनमुखटकलाये ॰ दुखसुखसमुझसवैबिसराये ॥
कहवावतहेबडेसयाने ॰ वहछविलेनगएअनुराने ॥ ॰ ॰ ॥
सोतौकछूहाथनहिआयौ ॰ आपनपौइनजायबंधायौ ॰ ॥
ऐसौकोत्रिभुवनजोजाई ॰ आवैसखीसमुद्रअथाई ॥ ॰ ॥
हारजीतयेनैननजाने ॰ मानपमानकछूनहिमाने ॥ ॰ ॥
परेरहतशोभाकेद्वारें ॰ नेकऊलाजनहींउरधारें ॰ ॰ ॥
जाकीबानपरीसखिजैसी ॰ धरीटेकउरमेंतिनतैसी ॥ ॰ ॥
इतअंखियनयहटेकपरीरी ॰ लुब्धतज्यौंकमलनभ्रमरीरी ॥
ज्यौंशुकनलिनीकेबसमाई ॰ जिमकपिमुठीछोडिनहिजाई
लोभैबसजिमभीनमृगआपबंधावतआय ॥
रूपलालचीनैनतिमभयेस्यामबसजाय ॥
सकेनकाऊछिंधु लोकलाजकुलकानगिर ॥
स्यामसलौनेसिंधु मिलेत्रिबेनीह्वैनयन ॥
सखीनैनअबहरिसंगलागे ॰ मनवचक्रमउनसोंअनुरागे ॥
सनमुखरहतसदासुखपायें ॰ भूलगयेमगदहनेबायें ॰ ॰ ॥

ज्यौंमणिदेखिउरगसुखपावैं ● ज्यौंचकोरचंदहिटकलावैं ॥
मुदितरंकजैसेंधनपाई ● तैसीइनकीगतिअबमाई ● ● ॥
अबयेनैनफिरतनहिफेरे ● कियेसखीहमयत्नघनेरे ● ॥
देखेसुभगस्यामइनजबतें ● निठुरभयेहमसेंायेतबतें ● ॥
जबमैंघूंघटपटघेरेरी ● तबयेशिशुकीअरनअरेरी ● ॥
हरिअंगसंगलागिउठिधाये ● मनऊउनहिप्रतिपालकराये
मृदुमुसकनरसपायमिठाई ● क्षणहीमेंमतिगतिबिसराई ॥
अतिहठपरेननैकबिचारैं ● निमिषरुदनबलधीरनधारैं ॥
लाजलकुटउरमेंडरपाये ● वेसखिएकऊडरनडराये ● ॥
फिरेनमैंबऊभांतिबुलाये ● गयेतनकहरिकेफुसलाये ॥ ● ॥

अबहमतलफतउनबिनामरतनयहीअपसोस ॥
ग्रयखोटौसखिआपनौकहापारखहिंदोस ॥
प्रेमविवसत्रियबृंद ऐसेंदोषतिदृगनकौं ॥
तबहिछैलब्रजचंद टेरसुनाईबांसुरी ॥

॥ अथमुरलीलीला ॥

कृष्णप्रेमरसपूरणतातें ● करतऊतीनैननकीबातें ॥ ● ● ॥
परीश्रवणइहिअंतरजाई ● हरिकीमुरलीटेरसुनाई ॥
भई चकितसुनिसबब्रजगोरी ● परीआयमनौसीसठगोरी ॥
भूलिगई सुधिअंखियनकेरी ● ह्वैगई मानौचित्रउकेरी ● ॥
दुखसुखमनकौबरननजाई ● इकटकरहीपलकबिसराई

देहदसासबतुरतभुलानी ❁ स्वेदचल्यौबहिमानकंपानी ॥
भईविवसमतिकीगतिभूली ❁ प्रेमहिंडोरगोपिकाफूली ❁ ॥
कबहूंसुधिकबहूंसुधिनाहीं ❁ कबहूंमुरलीनादसुनाहीं
कछुकसंभारिधीरउरधारी ❁ कहतिपरस्परगोपकुमारी ❁ ॥
अंखियनतेंमुरलीहरिप्यारी ❁ वेबैरनियहसौतिहमारी ❁ ॥
ब्रजमेंधौंकिततेंयहआई ❁ भईकठिनहमकौंदुखदाई ❁ ॥
आवतहीऐसेढंगजाके ❁ भयेस्यामतुरतहिबसताके ॥ ❁ ॥
जारसकौंहमतपकियौवटऋतुसबब्रजबाम ॥
सोरसमुरलीलेतिअबसहजहिंबसकरिस्याम ॥
गावतमीठीतान मुरलीसंगअधरनधरे ॥
अबजाकेबसकान औरनविवसकरीवही ॥
ऐसीत्रिभुवनकौंनसयानी ❁ जोनमोहिसुनयाकीबानी ॥
यहनौभलीनहीब्रजआई ❁ भईसौतिहरिकेमनभाई ❁ ॥
अबयाकेबसगिरिवरधारी ❁ नेकअधरतैंकरतनन्यारी ❁ ॥
याहीकेअबरंगरंगेरी ❁ मधुरबचनसुनिरीझगएरी ॥ ❁ ॥
करपल्लवनतहिबैठाई ❁ रहतग्रीवतापरलटकाई ❁ ❁ ॥
बारहिबारअधररसप्यावें ❁ तासोंअतिअनुरागजनावें ॥ ❁ ॥
देखहुरीयाकीअधिकाई ❁ पियतसुधारसहमहिदिखाई
परीरहतिबनमेंधौंकैसी ❁ भईढीठआवतहीऐसी ॥ ❁ ❁ ॥
दिनहींदिनअधिकातिजातिरी ❁ सखीनहीयहभलीबातरी

आवतहीं हमरैं धनलीनौ ● चाहतऔर कछूधौं कीनौ ॥ ● ॥
मैं जो कहतिसुनौ री गोरी ● सुजगर हौस बनवर्नकिशोरी ॥
मुरलीदूर करायेबनिहै ● कछू दिननमें हमहिं नगनिहै ● ॥
फिरहैंयाकेसंगलगीलोकलाजगृहत्यागि ॥
जबजबजहंयहबाजिहैमोहनकेमुहलागि
करिहैनानारंग यहजानतटोनाकछू ॥
अमुरलीकेसंग देखऊहरिकैसेभये ॥
यहसुनिकहतिएकब्रजनारी ● सखीबातयहकहतिकहारी
अबयहदूर होतिहैकैसें ● जाकेबसनंदनंदनऐसें ● ● ● ॥
एकपायठाढेताआगे ● रहतत्रिभंगअंगअनुरागे ॥ ● ॥ ● ॥
अधरसेजपरसैनकराई ● करपल्लवनपलोटतपाई ● ● ॥
कबहुंकमिलगावतहैंतासें ● होतिविवसपक्षीसबजासें ॥
मुरलीअतिमोहनकोंभावै ● ताकेगुणनसखीकोपावै ● ● ॥
जानतरागरागिनीजेते ● हरिसंगमिलगावतिहैतेते ॥ ● ● ॥
नानाविधिकीगतिनबजावै ● तानतरंगअमितउपजावै ● ॥
जैसेहीरीझतमनमोहन ● तैसियभांतिरिझावतिगोहन ● ॥
रहतिसदामुखहींसोंलागी ● अधरपियूषस्वादरसपागी ॥
मधुरमधुरकलबचनसुहाये ● पुनिपुनिहरिकेमनहिंचुराये
ऐसोकोअबहरिकेकरतें ● दूरकरैयाकोंनिजबरतें ● ● ॥
अबमुरलीछूटैनहींयाकेबसभयेस्याम ॥

प्रगटकियौसबजगतमेंमुरलीधर निजनाम ॥
हरिकौंकरि बसमाहिं मुरलीलूटै अधररस ॥
डरडरमानतिनाहिं हमसबतेंबोलतिनिठुर ॥
निठुर बचन अबहमहिंसुनावै ॥ हरिकौमनहमतेंउचटावै
आरजपथकुलकानछुडावै ॥ हमसबहिनकौंनिलजकरावै ॥
ऐसेढंगमुरलीकेआली ॥ हमतेंनिठुरकियेबनमाली ॥ ॥
यहतौनिठुरकाठकीजाई ॥ प्रगटकियेअपनेगुणआई ॥
अपनौईस्वारथयहजाने ॥ कपटरागहरिकेसंगगाने ॥ ॥
मुरलीनिठुर कियेबनवारी ॥ मुरलीतेंहरिहमनबिसारी ॥
बनकीव्याधकहांयहआई ॥ ऐसेंकहिकहितियपछताई ॥
कहाभयौमोहनमुखलागी ॥ अपनीप्रकृतनहींइनत्यागी ॥
एकसखीबूझतभईऐसें ॥ मुरलीप्रगटभईयहकैसें ॥ ॥
कहांरहतिकाकीहैजाई ॥ कौंनजातकैसेंइतआई ॥ ॥
मातपिताहैंयाकेकैसे ॥ जैसीयहतेऊधौंऐसे ॥ ॥
बोलीअरुइकतियासयानी ॥ अबलौंतुमयहबातनजानी ॥
सखितुमअबलौनहिंसुन्यौमुरलीकौकुलधर्म ॥
सुनौसुनाऊंमैंतुम्हैंयाकीजातअरुकर्म ॥ ॥
तुमसौंकहौंबखान मैंजानतियाकेगुणन ॥
सुनिसुखपैहौकान यामुरलीकीकुलकथा ॥
बनमेंरहतिबांसकुलजाई ॥ यहतौयाकीजातसुहाई ॥ ॥

जलधर पिता धरणि है माता ॥ तिनके गुणन करौं विख्याता ॥
बनहूं तें तिनकौ घर न्यारो ॥ निपटहि जहां उजाड अपारो ॥
गुणन एक तें एक उजागरि ॥ मात पिता अरु मुरली नागरि ॥
पर अकाज विस्वास न जाने ॥ ये हैं इनके कुलहि बखाने ॥ ॥
ना जानिये कवन फल आली ॥ कृपा करी या पर बनमाली ॥ ॥
सुनहु सखी याके कुलधर्मा ॥ प्रथम कहौं मैं घनके कर्मा ॥ ॥
देखँत जल सब जग माहीं ॥ गिरि बन सर सरिता सब ठाहीं ॥
चातक सदा रहत करि आसा ॥ एक बूंद कौं मरत पियासा ॥ ॥
धरणी सब ही कौं उपजावै ॥ आपन सदा कुमारि कहावै ॥ ॥
उपजत पुनि विनसत ता हीमें ॥ सो कछु छोह नहीं ताहीमें ॥ ॥
ता कुल सुता मुरलिका जानौ ॥ अब आगे गुण प्रगट बखानौ ॥

तन हीतें प्रगटत अनल ऐसो याको सार ॥ ॥
प्रगट भई जा बंस में कर ति जारि तिहिं छार ॥
ऐसे गुणकी आहि यह मुरली सखि बांसकी ॥
आई निज कुल दाहि और कौन या तें निठुर ॥

याकी जाति स्याम नहि जानी ॥ बिन जाने कीनी पटरानी ॥ ॥
कहिये चलौ स्याम सों जाई ॥ सुनत तजेंगे कुंवर कन्हाई ॥ ॥
सखी कहा यह बात बखानौ ॥ स्याम हिं कहा भलौ तुम जानौ ॥
निज कुल जारति बिलम न लाई ॥ ह्वै है ता सों कौन भलाई ॥ ॥
जा कौं हम सब टहतु तप कीनौ ॥ सो फल तुरत मुरलि यह दीनौ

जेसन्मुखतेंबिमुखकहावैं ❁ बिमुखतुरतउत्तमफलपावैं ❁ ॥
घरकेबनबनकेघरकीन्हे ❁ कपटीपरमस्यामकौंचीन्हे ॥ ❁ ॥
एकअंगकीप्रीतिहमारी ❁ वेकपटीबहुतरसिबिहारी ❁ ॥
ज्यौंचकोरचंदाहितमाने ❁ चंदानहीनेकउरआने ॥ ❁ ॥
जलकेतीरमीनतनत्यागै ❁ जलकौंतनकदयानहिलागै ❁ ॥
ज्यौंपतंगउडिजोतिजरैरी ❁ जोतिनहींकछुकृपाकरैरी ॥
चातिकएकमेघकौंजाने ❁ वहकछुताकीप्रीतिनमाने ॥ ❁ ॥
इनसबहिनतेंहरिनिठुरतेंसियमिलीसहाय ॥
अबमुरलीअरुस्यामकीजोरीबनीबनाय ❁ ॥
येअहीरवहबैनकाहिनप्रीतिबढावही ॥
दुहुअनकौबनएेन जैसेवेतैसीवहू ❁ ॥
मुरलीनेहरिकौंपहिचान्यौ ❁ हरिकौमनमुरलीसोंमान्यौ ॥
निठुरनिठुरमिलिघातबनावैं ❁ वाहीकेबलधेनुचरावैं ॥ ❁ ॥
वाहीकीलकुटीकरधारी ❁ वाहीकीबंसीअतिप्यारी ॥ ❁ ॥
हमसोंबैरसदाहरिकीनौ ❁ दधिलेमारगजाननदीनौ ❁ ॥
पुनिभेदहिमनहस्यौहमारौ ❁ कीनौकुलकुटुंबतेंन्यारौ ❁ ॥
बहुरिबोलिअंखियनकोलीन्ही ❁ तापरसौतिमुरलियाकीन्ही
सुनिसजनीबिनकाजररैरी ❁ कर्मकरैसोकोउनकरैरी ॥
यहमहिमाकरतासबकरई ❁ कौनेबिधिधौंकापरपरई ॥
हमतपकरिइतनौपचिहारी ❁ सोघरकुलतेंभईनियारी ॥

बनकीघासइतैंसुखपावै ❁ स्यामअधरसिरछत्रधरावै ॥ ❁ ॥
भयेन्रपतिहरिमुरलीरानी ❁ औरनारिहरिकौंनसुहानी ॥
बनतेंल्यायसुहागिनकीन्हैं ❁ जातिपांतिकुलकछूनचीन्हैं ॥
तपतीरथजोपूरबहिंकियेकठिनहरिहेत ॥
अबमुरलीताकष्टकौंबैठिअधरफललेत ॥ ❁ ॥
मेटतिपिछलौदाग जोतपकरितायौतनहिं ❁ ॥
धनिधनिमुरलीभाग अबगरजतिअधरनचढी ॥
मुरलीकौंनसुकृतफलपायौ ❁ सबकलंकहरिपरसिगंवायौ ॥
तनकठोरमनजडरसहीनी ❁ अंतरछूनौसारविहीनी ❁ ॥
लघुताअंगनकछुगरुवाई ❁ बांसबंसकछुनाहिंनिकाई ॥ ❁ ॥
छिद्रविशालविपुलतनछाये ❁ हरिहिपरससबभयेसुहाये ॥
बिधितेंप्रबलभईयहमुरली ❁ हरिमुखकमलबासनजुरली
चारुबदनबिधिश्रुतिमतिभाखे ❁ नीतसहितजडचेतनराखे ॥
आठबदनमुरलीकहिनादा ❁ उलटिदईबिधिकीमर्यादा
जडनचेततचेतनजडकीने ❁ थिरचरकरिचरथिरकरिदीने
एकबारश्रीपतिसिखरायौ ❁ तबतेंज्ञानविधातापायौ ॥ ❁ ॥
याकौंतौनंदसुवनकन्हाई ❁ लगेरहतहैंकानसदाई ❁ ॥
यातेंकोअरुप्रबलप्रवीना ❁ किपैसकलजगनिजआधीना ॥
कहियेकाहिऔरकोऐसी ❁ भईस्यामसंगमुरलीजैसी ❁ ॥
अबसुरनरमुनिस्हरशशिखगमृगसलिलसमीर ॥

यासुरलीकेबससबैधुनिसुनिधरतनधीर ॥ ॥
रहीविश्वबरजीति मोहनमुखलगिबांसुरी ॥
मेटिसकलश्रुतिनीत रीतिचलावतिआपनी ॥
सखिमुरलीकौंदोषनदैहौ ॥ करिबिचारअपनेमनलैहौ ॥
हरिहितइनकीनौश्रमजोई ॥ सोश्रमऔरकौनपैहोई ॥ ॥
जोअकुलीनतऊबडभागी ॥ कियौकठिनव्रतहरिहितलागी
जबअतिवृद्धयाकौहरिजान्यौ ॥ तबबनभीतरतेंगृहआन्यौ ॥
जबयाकीकरतूतसुनौगी ॥ तबधनिधनिकरियाहिगनौगी ॥
जनमहीतेंकीनीमतिगाढी ॥ बनमेंरहीएकपगठाढी ॥ ॥
शीतउष्णबरषासहलीनी ॥ नेकऊमनसामलिननकीनी ॥
कसकीनहीनेकजबकाटी ॥ पत्रमूलशाखाजबछांटी ॥ ॥ ॥
राखीडारिघाममेंआनी ॥ सोचसोचसबदेहसुखानी ॥ ॥
मुखौनमनतनअंगदगाये ॥ विकवेहअंगअंगकरवाये ॥ ॥ ॥
तायसुलाखपरखिहरिलीनी ॥ तबमुरलीपटरानीकीनी ॥
मुरलीसहीइतीकठिनाई ॥ तबपाईऐसीठकुराई ॥ ॥ ॥
मुरलीतपफलभोगवैबृथाकरततुमआर ॥ ॥
निजगुणरिझयेस्यामजनगुणियनगुणीपियार
तुमतेंयहनहिहोय जोकरनीमुरलीकरी ॥
ताकीसमनहिहोय अतिश्रमकरिहरिबसकरे
परमपुनीतप्रीतिजवजानी ॥ तबमुरलीहरिकेमनमानी ॥

देखञरीयाकीअधिकाई ❁ कहांलगियाकीकरहिंबडाई ॥
जबहीस्यामअधरकौंपरसै ❁ तबअतिहरषिनादरसबरसै ॥
नानतरंगरंगउपजावै ❁ अतिआनंदसबजगतजनावै ❁ ॥
जियतस्यामअधरामृतपाई ❁ छूटतमौंनरहतमुरझाई ❁ ॥
क्यौंनहिंस्यामकरैंहितताकौ ❁ अधरामृतजीवनहैजाकौ ❁ ॥
मुरलीजोहरिहितकपकीनौ ❁ परमचतुरपूरणतपलीनौ ❁ ॥
तबलगिहरिकौंनहिंपतियानी ❁ सहेकष्टबोलीनहिंबानी ॥
जबलगिजीवनकरिनहिंपायौ ❁ अधरामृतरसमनकौभायौ
जबहरिसौंबांछितफलपायौ ❁ तबसबपरअधिकारजनायौ ॥
यासमञ्चौरचतुरकोञाली ❁ जिनबसकियेस्यामबनमाली ॥
क्यौंनहिंत्रिभुवनकौमनमोहै ❁ जाकेबसपतित्रिभुवनकोहै ॥
मुरलीकीसरमतकरौकह्यौहमारैमान ❁ ॥
धनिधनिताहिबखानियेसुनताकौयशकान
अधरामृतकरिपान अमरभईअबमुरलिका ॥
तिहुंपुरहोतबखान सारदादियशगावहीं ॥
हमहूंसबमिलकैतपकीनौ ❁ ताकौफलहमकौंहरिदीनौ ❁ ॥
लीनेभूषणबसनचुराई ❁ युवतिनलाजछुडायबुलाई ❁ ❁ ॥
तबअंबरदेधन्यबखान्यौ ❁ हमभोरीइतनोइसुखमान्यौ ❁ ॥
अपनौअपनौभाग्यसखीरी ❁ मुरलीसौंबिनकाजखिजीरी ॥
अबमुरलीसौंहेतकरौरी ❁ नहिजीतौगीमतहिलरौरी ❁ ॥

मुरलीहमतैंतपअधिकाई ● मुरलीकेबसकुंवरकन्हाई ॥
तनकअासरसनकीहेरी ● सोऊपुनिकरतैंजैहेरी ॥ ● ॥
हैंबडुतरुणीरमणकन्हाई ● यहूमिलीइकतिनमैंआई ॥
मुरलीकौंजिनडाहकरौरी ● तुमनहिंअपनेप्रेमटरौरी ● ॥
प्रेमहितैंहरिमानिरहैंगे ● वेसुजानसबजानिरहैंगे ॥ ● ॥
सबतजभज्यौजन्मतैंताही ● तज्यौजातकैसेंअबवाही ● ● ॥
मुरलीसौंकहाकाजहमारौ ● जीवडुमोहननंददुलारौ ● ॥
हमहितकीनौस्यामसौंमेटिलोककुलकान ● ॥
ताहीसौंहितचाहियेजासौंहैपहिचान ● ॥
हमकौंहैवहआस वेहैंअंतरजामिहरि ● ॥
करिहैंनाहिंनिरास उरअंतरकीजानिकैं ॥
कहाभयौमुरलीहरिराखी ● अपनेकरसौंताहिसुलाखी ● ॥
गुणकेकाजक्षणकदुखपाई ● देअधरामृततुरतजिवाई ● ॥
हमतैंअधिककियौडुननाहीं ● करिबिचारदेखौमनमाहीं ॥
बरषपांचसातकीजबतैं ● कियौसनेहस्यामसौंतबतैं ● ● ॥
पुनिषटडुतुतपसौंमनलायौ ● अबलौंविरहानलतपतायौ ॥
कैसेंयेसबफलनफलैंगे ● क्यौंनहिंहमकौंस्याममिलैंगे ॥ ● ॥
तबयौंकह्यौएकब्रजनारी ● मुरलीस्यामअधरपरधारी ● ॥
जोअवगुणहोतौयामाहीं ● तौयाकौंहरिछुवतेनाहीं ● ● ॥
सुनौसखीयहहैइहिलायक ● अतिहीभलीश्रवणसुखदायक

तुमहौकहतिबृथाजोइसोई ● जैसीयहऐसीनहिंकोई ॥
जोयहभलीभरीगुणकेरी ● तौयाकौंढुरिस्यामभिलेरी ● ॥
काहिनप्रीतिकरैंहरिऐसी ● हैयहतिहूंभुवनमेंजैसी ॥ ॥
एकयुवतिअरुगुणभरीबोलतिमधुरेबैन ● ॥
श्रवणसुधाप्यावततहूकौंहरिअधरधरैन ॥
हरिबरजौमनिकोय देऊबजावनबांसुरी ॥
विरहविरसतेंहोय रसकीनेरसहोतहै ● ॥
आपभलेतौजगतभलोई ● नातरसखीभलौनहिंकोई ● ॥
मुरलीलगीस्यामकेमुखरी ● तौहूहैहमसोंसनमुखरी ● ॥
सुनऊकानदैकहतिकहारी ● श्रीराधाश्रीराधाप्यारी ॥ ● ॥
तुमजानतिहरिहमहिबिसारी ● तुमहरिसोंनहिंनेकनियारी
जबजबमुरलीस्यामबजावैं ● तबतबनामतुम्हारोइगावैं ● ॥
मुरलीभईसौतिजोआई ● तौहरितेरियटहलकराई ॥ ● ॥
तूअर्धंगिनिवहहैदासी ● मेरेमनयहबातप्रकासी ॥ ● ● ॥
मुरलीतुम्हरोनामबतावै ● वाकेमुखहरितुमहिंबुलावैं ॥ ● ॥
तुमप्यारीहरिहरितुमप्यारे ● मुरलीयहयशकहतिपुकारे ॥
हरषीसकलसुनतयहबानी ● हममुरलीऐसीनहीजानी ॥
बृथाबैरयासोंहममान्यौ ● याकोशीलअबैहमजान्यौ ॥ ● ॥
मुरलीसोंऐसेंसुखपाई ● करतिसकलब्रजनारिबड़ाई ● ॥
धनिधनिबंसीबांसकीधनियाकेमृदुबोल ॥

धनिल्यायेगुणचरचिकैजनतैंस्यामअमोल ॥
धनिधनियाकोबंस धनिमुरलीहरिमुखलगी ॥
सखिनसहितपरसंस श्रीमुखश्रीराधाकह्यौ ॥

मुरलीश्रीमुरलीधरकेरी ॥ महिमाकापैजाततिबेरी ॥ ॥
जाकोयशगुणगंधर्वगावैं ॥ वेदभेदजाकौनहिंपावैं ॥ ॥ ॥
सुनतनादत्रिभुवनमनमोहैं ॥ देवदनुजनरखगमृगजोहैं ॥
बानीललितश्रवणसुखदाई ॥ बाजतहरिमुखलागिसुहाई ॥
ब्रह्मादिकमनमोहकरावै ॥ शिवसनकादिसमाधिभुलावै ॥ ॥
मायायोगकष्टकीजोई ॥ शोभितअधरमुरलिकासोई ॥ ॥ ॥
हरिकीखासजासुकीबानी ॥ ताकेगुणकोसकैबखानी ॥ ॥
जबमुरलीनंदनंदबजावैं ॥ ब्रजललनासुनिकैसुखपावैं ॥
चकृतहोतनदसाभुलावैं ॥ प्रेमविवससुधिबुद्धिबिसरावैं ॥ ॥
जकोथकीजहांतहांरहिजाहीं ॥ मानऊंलिखीचित्रकीआहीं
कबहूंदुखकबहूंसुखमानैं ॥ कबहूंनिंदहिंकबऊबखानैं ॥
ऐसीदसाहोतिघटघटकी ॥ बाजतिमुरलीजबबरनटकी ॥

जबहिमुरलीस्यामकरगहिअधरराखिबजावहीं ॥
नरलतानतरंगअगनितगतिभ्रमितरूपजावहीं ॥ ॥
रहतसुनिध्वनिमगनजलथलजीवजहंसोतहंसही ॥
कहतब्रह्मानंदजासोपासंगहूपूजतनही ॥ ॥ ॥ ॥
सबसयानसमानज्ञानगुमानतबदीजोकहै ॥ ॥ ॥ ॥

लोकवेदब्रजाइपतिब्रतचार फलतबलौंचहै ॥ ❁ ❁ ॥
तबहिलौंमनचपलबुद्धिबलसकलहिचिधनधामकी
सुनीसपनेक्रुंनाहिंजबलौंश्रवणामुरलीस्यामकी ❁ ॥
धनिधनितेनर नारिजगधनिधनितिनकेभाग ॥
ब्रजबासीप्रभुबांसुरीजिनकेमनमेंलाग ❁ ❁ ॥
राखतहैयहत्र्यास जनब्रजबासीदासहू ॥
करक्रुहियेमेंबास मुरलीधरमुरलीधरे ❁ ॥

॥ अथरासलीला ॥

बंदौंयुगलचरणसुखदायक ❁ श्रीरसरासिनायकानायक ॥
नंदनंदनबृषभाननंदनी ❁ सुरनरमुनिब्रह्मादिबंदनी ॥
रासरसिकरसरासबिलासी ❁ नित्यधामबृंदाबनबासी ॥ ❁ ॥
रूपरासत्र्पानंदनिधाना ❁ मंगलपदश्रीसुंदरस्यामा ॥ ❁ ॥
बहुरिरासपतिपदसिरनाऊं ❁ रासचरित्तमंगलत्र्पबगाऊं ॥
वेदव्यासजोरासबखानौ ❁ सोगंधर्वब्याहबिधिजानौ ॥ ❁ ॥
ब्रजगोपिनहू रहितपकीनौ ❁ स्यामहोयपतियहब्रतलीनौ
नंदनंदनतिनकौंबरदीनौ ❁ चीरहरनलीलाजबकीनौ ❁ ॥
करिहौंतुमरेमनकीभाई ❁ सरदरैनशुभलगनधराई ❁ ॥
सोजबसरदसुखदऋतुत्र्पाई ❁ राकारजनीपरमसुहाई ॥
भक्तमनोरथपूरणकारी ❁ गावतविरदविदितश्रुतिचारी ॥
गयेस्यामबृंदाबनमाहीं ❁ जहांवसंतऋतुरहतिसदाई ॥

श्रीबृंदाबनधामकीशोभापरमपुनीत ॥ ❁ ❁ ॥
बरनसकैकविकवनबिधिमनबुद्धिबचनअतीत ॥
सबचैतन्यसरूप भूमिलताद्रुमगुल्मतृण ॥
धारिरह्यौजडरूप सुंदरस्यामविहारहित
जाकीमहिमाशिवमुनिगावैं ❁ ब्रह्मादिकरजकुंवननपावैं ❁ ॥
जाकीमहिमाश्रीमुखबानी ❁ शंकरसखाप्रतिस्यामबखानी ॥
चिंतामणिमयभूमिसुहाई ❁ कोमलविमलरम्यसुखदाई ॥
सकलसुमंगलकीजननीसी ❁ कृष्णचरणपंकजरमणीसी ॥
फिरतस्यामजहांनागेपायन ❁ चरणचिन्हअंकितसबठायन
पावनहूकीपावनकारी ❁ ब्रजबासीप्रभुकीअतिप्यारी ❁ ॥
बरनबरनबरविटपसुहाये ❁ परमअनूपनजाहिंबताये ॥
सदासुमनफलसंयुतसोहै ❁ अमितसुगंधस्वादमनमोहै ॥
नवपल्लवदलपरमसुहाये ❁ जगमगातनगजोतलजाये ॥
विपुलकांतिशोभितबहुरंगा ❁ अतिविचित्रछविउठतितरंगा
परमप्रकाशदसहूंदिसमाहीं ❁ कोटिसूरशशिपटतरनाहीं
पत्रपत्रप्रतिबिंबस्यामकौ ❁ मोहतलखिमनकोटिकामकौ ॥
ठौरठौरशोभितपरमतैसेईलताबितान ❁ ॥
बृंदाबनतरुबेलिसबनखसिखछबिकीखान ॥
औरसकलसुखधाम वैकुंठादिकस्यामके ॥
यहविहारविश्राम तातेंअतिसुंदरसुखद ॥

विपुलकुंजमंजुलछविछाई ❀ जिन्हैंसंवारतकामसदाई ❀ ॥
बहतिसमीरधीरसुखदाई ❀ शीतलपरमसुगंधसुहाई ॥
चित्रविचत्रविहंगमृगनाना ❀ बोलतडोलतविविधिबिधाना ❀ ॥
गुंजतभृंगलुब्धमकरंदा ❀ अतिछविपुंजमंजुबनबृंदा ❀ ॥
तैसियेयमुनापरमसुहाई ❀ पुलिनपुनीतबरनिनहिंजाई ॥
देतिमहार्घ्यविरुलकनरेती ❀ मानहुंपरमशांतिकीखेती ॥
फूलेबनजविपुलबहुरंगा ❀ गुंजकरतमधुमातेभृंगा ॥ ❀ ॥
श्रीबृंदाबनछविसमुदाई ❀ सम्यकबरनिकौनपैजाई ॥ ❀ ॥
जाकोपटतरकौनहिंआना ❀ बनअनूपअहैतबखाना ॥ ❀ ॥
ऐसौकछूपरतहैहेरै ❀ हैअस्थूलवपुवप्रभुकेरै ॥ ❀ ❀ ॥
गोपीजनइंद्रीगणतामें ❀ हैचैतन्यआपहरिजामें ॥ ❀ ❀ ॥
नित्यधामताहीतेंगायौ ❀ यहपटतरमेरेमनभायौ ॥ ❀ ❀ ॥
सुखनिधिरसनिधिरूपनिधिबृंदाबिपनउदार ॥
सारदनारदशेषशिवबरनतबिधिश्रुतिचार ॥ ❀ ॥
सुखदनकोउआन बृंदाबनसमदूसरौ ❀ ॥
सकलविस्वसुखदान सुखपावतमोहनजहां
तहांवितिस्तइकशंखसुहायौ ❀ मणिमयसुभगश्रुतिनमेंगायौ
तापरअद्भुतकमलविराजै ❀ षोडशपत्रचक्रसमराजै ॥ ❀ ❀ ॥
योजनपंचतासुपरमाना ❀ रासस्थानसुवेदबखाना ॥ ❀ ॥
मध्यकरणिकाअतिरमनीया ❀ बैठेतहांकान्हकमनीया ॥ ❀ ॥

शोभाअमितनेतश्रुतिबानी ❁ तातेंगिराकहतिसकुचानी ❁ ॥
कोमलश्यामलअंगसुहाये ❁ निरखिकोटिसतकामलजाये
नटवरभेषसाजसबसाजै ❁ अंगअंगभूषणछविछाजै ❁ ❁ ॥
शिखीशिखंडमनोहरमाथे ❁ बीचबीचमुक्तामणिगांथे ॥ ❁ ॥
जलजमालबनमालसुहाई ❁ कुंडलअलकअलकछविछाई
कटिपटपीतकाछनीकाछे ❁ ललितसिंगारसुभगतनआछे ॥
मणिनजटितनूपुरपगनीके ❁ चरणकमलभावतजनजीके
रविशशिआदिकद्युतिधरजेते ❁ नखउपमापूजततहिंनेते ॥
अतिअद्भुतलावण्यनिधिश्रीवृंदाबनचंद ॥
निगमनेतिकिमबरनियेरसिकनवलनंदनंद
जिहिंगाबतश्रुतिचार ब्रह्मपूर्णानंदहरि ॥
सोपूरणअवतार वृंदाबनरसरासपति ॥
देखिश्यामबनधामनिकाई ❁ तैसियसरदरैनछविछाई ❁ ॥
प्रफुलितकुमदिनबनचहुंपासा ❁ ललितमालतीकरतिसुवासा
तैसोईयमुनापुलिनसुहायो ❁ तैसोईपूरणशशिछविछायो ॥
तैसियजगमगजोतिद्रुमनकी ❁ तैसियललितसुगंधसुमनकी
लखिबनसुखसमुदायकन्हाई ❁ हरषिरासरुचिमनउपजाई
तबकरलईसकलगुणजुरली ❁ ललितयोगमायासीमुरली ॥
नादब्रह्मकीउत्पतिजासों ❁ निगमअगमउपजेपुनितासों ॥
विश्वविमोहनमंत्रकलासी ❁ हरिमुखकमलबसतिकमलासी ॥

रागरंगरसरासविलासी ● सकलगुणनमेंआनंदरासी ●● ॥
श्यामअधरधरताहिबजाई ● त्रिभुवनमनमोहनधुनिछाई ॥
धरणिपतालजीवसबमोहे ● नभसुरगणसुरसुनतविमोहे
चकितचंद्रमृगमारगभूले ● बरषतअमृतकनअनुकूले ● ॥

शिवविरंचिसनकादिमुनितजितजिब्रह्मसमाधि ॥
भयेनादमुरलीमगनचकितअबलरहेसाधि ॥
रहेसबैमनभूल खिधचारनगंधर्वसुर ॥ ● ॥
तनसुधिरहीनमूल सुनमुरलीनंदनंदकी ॥

थकितपवनगतिगवनभुलानी ● रह्यौप्रबाहनदिनथकिपानी
झरनाझरहिपखानकठोरा ● नाचिउठेचहुंदिसबनमोरा ॥
चकितविलोकितमृगसबठाढे ● खगरहेमोनमनअलिखकाढे
रहीधेनुतृणगहिमुखमाहीं ● थकितबत्सपैपीवतनाहीं ● ॥
सरकिसकतनहिअहिधुनिमोहे ● उकठेविटपहरितसबसोहे
तरुबेलीसबचंचलपाता ● नवअंकुरदलप्रफुल्लितगात ॥ ● ॥
सुनिधुनिशेषनागअनुरागे ● नागसकलसोवततेंजागे ॥ ● ॥
जडचेतनगतिभइविपरीता ● हरिमुखमुरलीसुनतपुनीता
जेनरनारित्रिहुंपुरमाहीं ● भयेनादबसतनसुधिनाहीं ● ॥
सुनिधुनिचकितभईअतिभारी ● जेब्रजसुंदरिगोपकुमारी
यदपिमुरलिधुनित्रिभुवनपरसी ● तदपियथाविधितिनहीदरसी
यारसकीतेईअधिकारी ● नंदनंदनपियकीअतिप्यारी ॥

सुनतहिवौरीसीभईबिसरीसबैसयान ॥
लगीठगौरीसीमनहुमुरलीकीधुनिकान ॥
रह्यौनडरमेंधीर बाजीबाजीकहिउठी ॥
ब्राकुलबिकलशरीर सुनिमुरलीब्रजकीतरुणि
षटदससहस्रगोपिकागोरी ॥ मुरलीसुनतिभईसबभोरी ॥
कोउधरणीकोउगगननिहारै ॥ कोउमनहीमनबुद्धिबिचारै
घरघरतरुणिसबैबिततानी ॥ ब्रारजपथगृहकाजभुलानी ॥
लैलैतिनकेनामबजावैं ॥ मुरलीमेंहरिसबनिबुलावैं ॥ ॥
रहिनसकीधुनिसुनिब्रकुलाई ॥ जोजैसेसोतैसेईधाई ॥
लोकलाजगुरुजनडरडारौ ॥ चलीसकलगृहकाजबिसारौ
काहूदूधउफनतेछांडे ॥ काहूदधिहिजमावतभांडे ॥ ॥
काहूकरतिरसोईत्यागी ॥ कोउपतिहिंजिमावतिभागी ॥
बालकगोदसंभारनलीनौ ॥ दूधपियावतह्लौतजदीनौ ॥ ॥
कोउशृंगारकरतिउठिधाई ॥ उलटेभूषणबसनबनाई ॥
बाजूबंदपगनसोंबांधे ॥ लैमंजीरउरनमेंसांधे ॥ ॥ ॥ ॥
किंकिणिडारलईगरमाहीं ॥ हारलपेटतिकरसोंजाहीं ॥
सीसफूलकरणनधरेकरणफूलधरेभाल ॥
चलीसकलमुरलीसुनतविभ्रमब्रजकीबाल ॥
ब्रंजनकरिदृगएक एकरह्यौब्रंजनबिना ॥
रह्यौनकछूविवेक भईविवसमुरलीसुनत ॥

मुरलीसोंहरिटेरबुलाई ● उपजीप्रीतिसकलउठिधाई ॥
मुरलीधुनिमारगगहिलीनौ ● और कछूउरसोचनकीनौ ॥
प्रेमसरूपसकलब्रजनारी ● पंचभूतत्रयगुणतेंन्यारी ● ●॥
रोकारहेसुतपतिपितुमाता ● तेकिमरुकहिंअगमयहबात ●॥
चलीध्यानधरिहरिउरमाहीं ● गृहवनकुंजरुकीकछुनाहीं
जोप्रारब्धकरमबसकोई ● रखीरोकिपतिनगृहसोई ● ॥
भयेविरहदुखतिनकोंऐसे ● कोटिनजन्मकर्मफलजैसे ॥
पुनिधरिध्यानहरिहिउरलायौ ● कोटिस्वर्गफलमानछुपायौ
यौंकरिभोगप्रागतनबाला ● दिव्यदेहधरिमिलीगुपाला ॥
इहिबिधिबनसबचलीकिशोरी ● लोकवेदमर्यादातोरी ●॥
आतुरनिकसचलीसबऐसें ● जरतभवनचलियतहै जैसें ॥
एकएककीसुधिकछुनाहीं ● झुंडनचलीस्यामपहजाहीं ॥
गृहगुरुजनतजिलाजतजब्रजसुंदरीनिकाय ॥
मुरलीधुनिरसरंगरलीमिलीस्यामबनजाय ॥
नटबरवपुगोपाल अधरसधरमुरलीधरे ॥
सन्मुखसबव्रजबाल देखिदरसआनंदभरी ॥
ब्रजयुवतिनलखिमुदितबिहारी ● मोरमनछुकछुविघटानिहारी
कनकबरनशशिमुखसबबाला ● पहुंचीनिकटजायनंदलाला
विपनसुहावनअतिछविबाढी ● भईजायसन्मुखसबठाढी ॥
रहेचकितहरिछविअविलोकी ● अटपटेतनसिंगारविलोकी

अद्भुतरूपदेखसुखपायौ ● मनहींमनअतिहरखबढायौ ॥
अतिआदरकरिकुंवरकन्हाई ● बोलेमंदमधुरमुसकाई ॥
बांकेबचनप्रेमरससाने ● प्रेमप्रतीतककसौटीसाने ॥ ● ●॥
कह्योअहोतियब्रजकुशलाई ● निसिकाहेबनकौंउठिधाई ॥
अधरातकछुडरनहिंकीनौ ● ऐसौकहाकाजमनदीनौ ● ॥
यहकछुभलीकरीतुमनाहीं ● निजपतितजिधाईबनमाहीं
बेदपंथनिदरयौतुमभारी ● जाउब्रजकुंघरवेगसवारी ॥
यहसुनिकैगुरुजनदुखपैहैं ● बहुरौंतुमकौंत्रासदिखैहैं ●॥
निजपतितजपरपतिभजैतियकुलीननहिंहोय ॥
मरेनरकजीवततजगतभलौकहैनहिंकोय ॥ ● ॥
युवतिनकौपतिदेव कहतवेदमैंहूंकहत ● ॥
करऊतिनहिंकीसेव जोतुमचाहतसुखलह्यौ
औरकछूजियमैंजिनसंखौ ● करियेवेदबचनजोभाखौ ● ॥
तजिकैकपटकरऊपतिसेवा ● तियकौंपतितजिऔरनदेवा ॥
कूरकपूतभागबिनरोगी ● बृद्धकुरूपकुबुद्धिवियोगी ॥ ● ॥
ऐसेहूपतिकौंतियत्यागै ● बडौदोषताकेसिरलागै ॥ ● ॥
तातेंमानऊकहीहमारी ● जाउसकलघरकौंब्रजनारी ॥
मातपितातुम्हरेधैंनाहीं ● ऐसेकहिकहिहरिपछताहीं ॥
कैसेंउनतुमआवनदीनी ● कैसौधैंयहबिधितुमकीनी ● ॥
कैधैंकहिआईउनपाहीं ● कैधौंवेजानतहैंनाहीं ॥ ● ● ॥

नवयौबनतुमसबसुकुमारी ॐ निसिबसवौ बन अनुचितभारी
जोयहबातसुनेब्रजकोऊ ॐ हमैंतुम्हैंदूषणदिसदोऊ ॐ ॥
अबऐसीकीजोमतिकबऊ ॐ करि बिचार देखौमनतुमऊ ॥
बारबार युवतिनभरमाई ॐ ऐसेंसबसोंकहतकन्हाई ॥ ॐ ॥
निठुर बचनसुनिश्यामकेयुवतिउठीअकुलाय ॥
चकितभई मनगुनरहीमुखककु बचननआय ॥
बदनगयौमुरझाय जनौतुषारकमलनपरयौ ॥
सोचरहीसिर नाय खोई निधजनौपायकै ॥
बिरहबिकलचिंताअतिबाढी ॐ रहीचित्रपुतरीसीठाढी ॐ ॥
कपटखेलयहगिरिधरठान्यौ ॐ प्रेमबिवसयुवतिननहिंजान्यौ
मनहीमनविहसतनंदलाला ॐ भई बिरहव्याकुलब्रजबाला
सहिनहिंसकीदुसहयहपीरा ॐ बोलीगदगदगिराअधीरा ॐ ॥
सुनहुस्यामसुंदरबरनायक ॐ यहजिनकहौमाहितुमलायक
कोमलसुभगकमलमुखतातें ॐ कैसेंकहतकटुकयेबातें ॐ ॥
लेलेनामबुलायौसबकौं ॐ धरमसिखावतहौअबहमकौं ॐ ॥
छांडिदेऊपियथहचतुराई ॐ कर ऊहेतजिहिंभांतिबुलाई ॥
कर्मधर्मश्रुतिनाहिबखाने ॐ जोकोउधर्मकर्मबिधिजाने ॐ ॥
हमतौलोकवेदविधित्यागी ॐ चरणकमलतुम्हरेअनुरागी ॥
सकलधर्ममयचरणतिहारे ॐ बसतसदासोहृदेहमारे ॥ ॐ ॥
कहवावतहौअंतरजामी ॐ काहेयहसमझतनहिंस्वामी ॐ ॥

अबयहतुमकौंउचितनहिंसुनउंश्यामसुखरास ॥
मनहमरोअपनायकैहमकौंकरतनिरास ॥ ❁ ❁ ॥
पापपुन्यकहानाथ यहतोहमजानेनही ॥
बिकीतुम्हारेहाथ अधरामृतकेलोभलगि ॥
अरुयहमृदुमुसकानतुम्हारी ❁ सकलधर्मकीमोहनहारी ॥
ऐसीकोतियब्रजकेमाहीं ❁ जाकौमनइनमोह्यौनाहीं ❁ ॥
तैसियमुरलीमिलीसहाई ❁ जिनबिधिकीमर्यादमिटाई ❁ ॥
अबतौमृदुमुसकनमनमोहै ❁ पापपुन्यजानतिनहिकोहै ॥
हमतौपतिइकतुमकौंजाने ❁ धृकजोऔरदूसरौमाने ॥ ❁ ॥
कोटिकरौअबभवननजाहीं ❁ तुमतजिहमहिंऔरप्रियनाहीं
जानतहौसबअंतरजामी ❁ काहेयहसमुझतनहिंस्वामी ❁ ॥
मनबचकर्मतुम्हारीदासी ❁ मृदुमुसकानतुम्हारीप्यासी ❁ ॥
जरतिसकलबिरहानलज्वाला ❁ सींचकअधरामृतनंदलाला
दीनकृपानिधिनामतुम्हारे ❁ हमतेंदीनऔरबिचारे ❁ ॥
मृदुमुसकानदानअबदीजै ❁ दारिदबिरहदूरपियकीजै ॥
जोनहिंमानतबिनयहमारी ❁ तौयहतनकरिहैंबलिहारी ॥
बिरहबिकललखिगोपिकनकृपासिंधुभगवान ॥
उमगउठेदृगभरिलयेदीनबचनसुनिकान ॥
धनिधनिधनिब्रजबाल कहतमनहिंमनहरिबिहरि ॥
सदयहृदयगोपाल बोलेदुऊंकरजोरितव ॥ ❁ ❁ ॥

बोलेप्रभुताडारिगुपाला ❁ धन्यधन्यतुमब्रजकीबाला ॥ ❁ ॥
तुमसन्मुखमैंविमुखतुम्हारै ❁ दूरकरौयहदोषहमारै ॥ ❁ ॥
मैंनिर्दयबकबचनबखाने ❁ तुमअपनेजियएकनआने ❁ ॥
मोकारणगृहकुटुंबविसारी ❁ धनिधनिधनियहनेमतुम्हारै
लोकलाजसंकासबत्यागी ❁ मनबचक्रममोसोंअनुरागी ॥ ❁ ॥
योंकहिविहसिमिलेनंदलाला ❁ अंकमभरिलीनीसबबाला ॥
यदपिअकामसदासुखरासी ❁ तदपिभयेरसप्रेमबिलासी ॥
एकहिबारयुवतिसबभेटी ❁ दुसहतापविरहाकीमेटी ॥ ❁ ॥
कह्योविहसिसबसोंगिरिधारी ❁ करकशसरसभिलिसुखकारी
कृपादृष्टअवलोकतनैनन ❁ हंसिहंसिसींचतअमृतबैनन ॥
चहुंदिसहरखभरीसबग्वारी ❁ मध्यस्यामसुंदरबनवारी ॥
बिहरतबनबिहारसुखदाई ❁ नवलगोपिकानवलकन्हाई

हंसतकरतबकरसचरितयुवतिबृंदलियेसंग ॥
गयेयमुनातटस्यामतबब्रीडतकोटिअनंग ❁ ॥
सोहतिअतिकमनीय कोमलउज्जलरेततहां ॥
करीपरमरमणीय यमुनाजीनिजपाणिरचि ॥

बहतसमीरत्रिबिधिसुखदाई ❁ कुसमधूरिधुंधरछबिछाई
उडतसुगंधलपटचहुंओरा ❁ गुंजतभवरचारुचितचोरा ॥ ॥
बैठेतहांस्यामसुखसागर ❁ कोटिकाममनमथनउजागर ॥
करतविलासहासरसलीला ❁ कोटिअनंगरंगसुखशीला ॥

परिरंभनचुंबनकुचपरसन ❁ हियहुलासआनंदरसबरसन
कामभावगोपिनहरिधायौ ❁ कियौसबनकेमनकौभायौ ❁ ॥
अस अद्भुतरसप्रेमबढायौ ❁ बहुरिरासरसरंगउपजायौ ॥
सुनिपियबचनसकलअनुरागी ❁ भूषणबसनसवारनिलागी
सखिउलटेभूषणसकुचानी ❁ निरखिपरस्परपियमुसकानी
नवसतसाजभईसबठाढी ❁ परमप्रेमआनंदरसबाढी ❁ ॥
बंसीबटछविधामअनूपा ❁ कोटिकल्पतरुसमसुखरूपा ❁ ॥
तहांरचौरसरासकन्हाई ❁ भइकपूरमयभूमिसुहाई ❁ ॥
भईभूमिकपूरमयरजबरखिजलकुमकुमसिंची ❁ ॥
परमकोमलसुभगशीतलयोतिमणिकंचनखिची ❁ ॥
छबिवितहांघनस्यामसुंदररासमंडलबिधिरची ❁ ॥
बरनिकापैजातसोछबिनिरखिसारदगतिलची ❁ ॥
एकएकहियुवतिकेबिचमधुरमूरतिस्यामकी ❁ ॥
तिनमध्यजोरीरासनायकराधिकाघनस्यामकी ❁ ॥
एकरूपअनेकवपुधरिसबनकेबिचराजही ❁ ❁ ॥
करीयहलीलाप्रगटप्रभुमरमकोजनजानही ॥ ❁ ॥
भईमंडलजोरिठाढीजाननहिसुखछविभनी ❁ ❁ ॥
सहसबत्तिसउदितशशिमनौमध्यघनदामनिबनी ❁ ॥
तिहिंअवसरललनासहितआयेसुरमुनिसर्व ॥
देवनदीकिन्नरबधूतुंबरादिगंधर्व ॥ ❁ ❁ ॥

देखतचढेविमान हरबिहरखिबरषतसुमन॥
करतमुदितमनगान धन्यधन्यब्रजजन्मकहि॥
सुरगणसबबाजंत्रबजावैं ❁ निरखतिब्रजसुंदरिछबिपावैं॥
नूपरकंकणकिंकिणिबाजै ❁ मंदमधुरमुरलीसुरगाजै ॥
तालमृदंगबीनमऊचंगा ❁ सुरमंडलसारंगिउपंगा ॥ ❁ ॥
तंत्रअनेकविविधिगतिसाजैं ❁ मिलेएकसुरसोंसबबाजैं ❁॥
निर्त्तनपियसंगचंचलबाला ❁ जनौक्रीडतघनदामिनिजाला
बिचबिचस्यामबीचब्रजगोरी ❁ मरकतमणिकंचनकीजोरी
सुभगतमालतरुणानंदलाला ❁ कनकलतासमसबब्रजबाला॥
करसोंकरजोरेछबिछाजैं ❁ कोटिकामछबिनिरखतलाजैं ॥
बृंदाबनउरमनऊबिशाला ❁ लसतरासमंडलकीमाला ❁॥
हरिब्रजनारिपरस्परसोहैं ❁ कोटिकामरतिकेमनमोहैं ❁॥
सटकिचलतगतिनागरनटकी❁लटकनमुकुटलटकघूंघटकी
जनुनवघनदामिनीवरूथा ❁ निरखिनचतमोरनकेयूथा ॥
नचतमानौमोरयूथनमुकुटलकनयौंफबै ॥
चलतगतिकैनागरिनसंगस्यामनटनागरजबै॥
धरणिपगपटकनिरुटकिकरभौंहमटकनकहिपरैं॥
ग्रीवचालनहलनिकुंडलकरजुफेरनमनहरैं ॥
मणिकंठमुक्तामालउरबनमालचरणनलौंबनी ॥
बदनपंकजअलकश्रमकणझलकछबिसकैकोभनी ॥

पटपीतफर कनकाछनीकटिलालकिंकिणसोहई ॥
मलयचित्रतबाऊभूषणस्यामतनमनमोहई ॥ ❁ ❁ ॥
लखिरहतनंदलालतियछविविविधिबिधिबैणीगुही ॥
सुभगपाटीमांगमुक्तासीसफूलनछविरही ॥ ❁ ❁ ॥
जटितभालजरावबैंदीउदितदुतिभ्रूवंककी ॥ ❁ ❁ ॥
ललितबेसरनाकखंजननयनश्रुतिताटंककी ❁ ❁ ॥
अधरदसनकपोलचिवुकनकंठभूषणअतिबने ॥ ❁ ॥
करतरासविलासअद्भुतहरतमनमोहनमने ॥ ❁ ❁ ॥
कबऊललितगतिलेचलतनवलसुघरनंदनंद
निरषिहरषितेसेंचलतनवलनागरीवृंद ॥
कबऊंविचक्षणबाम लटकिलेतिनूतनगतिहिं
रीझरसिकघनस्याम तापरतनमनवारही
नितंतअरसपरसपियप्यारी ❁ बोलतबलिहारीबलिहारी ॥
कोउकलधुनिपियकेगुणगावै ❁ कोउअभिनयकरिभावबतावै
कोउसंगीतकलागुणधारी ❁ कोउउघटतचटकतकरतारी ॥
नितंततालभेदगतिलीना ❁ सुघरएकतेंएकप्रवीना ❁ ❁ ॥
ज्ञानरसिकपियबिकबिनमोलैं ❁ जबथेई ताथेई थेई थेई बोलैं
तानतरंगरंगउपजावैं ❁ लेतउपजअतिरसबरषावैं ॥ ❁ ॥
कबऊंकउघटतछैलकन्हाईं ❁ फिरतलुब्धजिमबालसुहाईं
गिरतमणिनकेभूषणतनतें ❁ झरतफूलजनौरूपबलतनतें ॥

लटकिलटकिन्हनैनभ्रुवबेली ● ग्रीवग्रीवमंजुलभुजमेली ●॥
कोउपियकेसंगमिलकरिगावै ● कोउमुरलीकौंछीनबजावै॥
काऊहिंस्यामलेतभुजभरिकै ● नजैंकमलमुखचुंबनकरिकै॥
रमतरासपियसंगछबीली ● परमप्रेमरसरंगरंगीली ● ●॥
रसरंगरंगीलीप्रेमकेबसरासरसपियसंगकरैं ● ●॥
निरखिदेवप्रसून बरषहिंहरषिउर आनंदभरैं ●॥
धन्यब्रजधनिबालब्रजकीधन्यबनपुनिपुनिकहैं ॥ ●॥
करतरासबिलासपूरणब्रह्मजहांपरगट अहैं ● ●॥
शंभुअजसनकादिनारदमुदितगुणगणगावहीं ●॥
निरखिछबिनिधिस्यामस्यामाब्रह्मसुखबिसरावहीं ॥
देवनारिबिसरिपतिगतिपरस्परकहिसोचहीं ● ●॥
ब्रजबधूबिधिहमनकीनीनिरखिसुखमनलोचहीं ॥
कहाभयोअरधबसीअरुअमरपदवीजोलही ॥ ●॥
करतिसुखजोस्यामसंगब्रजनारिसोत्रिभुवननही ●॥
बारबारमनायबिधिनाकहतियहबरदीजियै ॥ ●॥
होयदासीब्रजबधुनकीछबपदरतिकीजियै ● ●॥
धनिधनिकहिबरषहिंसुमनमुदितसकलसुरनारि
धनिमोहनधनिराधिकाधनिब्रजगोपकुमारि ॥ ●॥
धनिधनिरासबिलास. धनिसुंदरताधन्यसुख॥
धनिबृंदाबनबास सुरललनाबियकीकहति॥

रमतराससरसगोपकुमारी ● नंदनंदनपियकोसबप्यारी ● ॥
करतिगानकोकिलालजावैं ● हावभावकरिपियहिरिझावैं ॥
रागरागनीसमयसुहाये ● सहजबचनजिनकेमनभाये ॥
गतिसुधंगनिर्त्ततसबगोरी ● सहजरूपनिधिनवलकिशोरी
पगमहिपटकिभुजनलटकावैं ● फंदाकरनअनूपबनावैं ॥
निरखिलेतउपजतिछविभारी●रीझरहतलखिछविगिरिधारी
बैनीछूटिलटैंबगराहीं ● अलकैंबेसरसोंउरझाहीं ॥ ● ● ॥
श्रमजलबिंदुबदनदुतिकारी ● मनहुंसुधाकणचंदमझारी
अतिबसहोतनिरखिमनमोहन●फिरतसबनकेगोहनगोहन
नारिनारिप्रतिरूपप्रकासै ● एकहिरूपसबनकोभासै ● ॥
अद्भुतकौतुकप्रगटदिखायो ● कियोसबनकेमनकोभायो ● ॥
निर्त्ततअंगथकितभई नागरि ● रूपप्रेमगुणपरमउजागरि ॥
भई निर्त्ततथकिततरुणीरूपगुणनउजागरी ॥
उमगितबउरलायलीनीस्यामलखिनवनागरी
गिरतउरतेंहारटूटेनिरखिप्रेमजनावहीं ● ॥
लेतिबीचहिगहितिन्हैंमहिमांझपरननपावहीं
अतिप्रीतिश्रमजलपीतपटसोंपोंछिपवनडुलावहीं
उरझिबेसरसोंरहीलटकमलकरसुरझावहीं ॥
देखिबिहबलगातभूषणसिथलअंगसंवारहीं ● ॥
कहिबचनमृदुपरसरनिजपाणिश्रमहिनिवारहीं

ऐसीबिधिब्रजसुंदरिनदेतपरमसुखस्याम ॥
लखिपतिगतिस्वाधीनअतिभईगर्वितावाम ॥
परमप्रेमकीखान रूपशीलगुणआगरी ॥ ॥
कौनकरैंअभिमान जिनकेबसत्रिभुवनधनी ॥
कहतिभईनिजनिजमनमाहीं ॥ हमसमऔरयुवतिजगनाहीं
अबगिरिधरहमबसकरिपाये ॥ करतहमारेमनकेभाये ॥
अबहमतेंनहिंह्वैहैंन्यारे ॥ रहिहैंसदासमोपहमारे ॥ ॥
जोइजोइहमकहिहैंसोइकरिहैं ॥ सदाहमारेसंगविचरिहैं
कोउपियअंसभुजनकैंदीने ॥ कहतिबचनयौंगर्वहिलीने ॥
सुनौंस्याममैंअतिश्रमपायौ ॥ अबतौमेपैजाततनगायौ ॥ ॥
एककहतिममपायपिराहीं ॥ मेपैनृत्यहोतअबनाहीं ॥
एककंठभुजमेलिसियानी ॥ रहीलटकिबोलतिनहिंबानी
ऐसेभावगर्वकेकीन्हे ॥ हरिअंतरजामीसबचीन्हे ॥ ॥
गर्वदेखिमोहनमुसकाने ॥ मैंअविगतमोकौंनहिजाने ॥ ॥
करतसदाभक्तनमनभाई ॥ एकगर्वस्यामहिनसुहाई ॥
सोयुवतिनकेमनमेंजानी ॥ दूरकरनहितयहजियआनी ॥
प्रेमआभूषणकनकसममलिनगर्वतेंहोय ॥
विरहअग्नितायेबिनानिर्मलहोयनसोय ॥
यहविचारजियआन लेवृषभानकुमारिसंग ॥
ह्वैगयेअंतरध्यान ब्रजबासीप्रभुसंगतें ॥ ॥

॥ अथअंतर्ध्यानलीला ॥

प्रेमबढावनहितसुखदाई ● अंतरकरिबनदुरेकन्हाई ॥
गोपिनजबदेखेहरिनाहीं ● चकितभईंतबसबमनमाहीं ॥
कहतिएककितकुंवरकन्हाई ● उठोसकलजहांतहांअकुलाई
भईबिकलकछुमरमनपायौ ● पायमहाधनमनकुंगंवायौ ॥
खोजतिजहांतहांदृष्टपसारैं ● अतिआतुरचहुंओरनिहारैं
तबसबहिनमिलकैयहजानी ● लैगईहरिकौंकुंवरिसयानी
कछूहर्षकछुरिसउरधारी ● देतिभईहंसिरसकीगारी ॥
इनसमानकपटीकोऊनाहीं ● करतसदादुविधाहमपाहीं
चलहुखोजकुंजनमेंलैहैं ● जानकहांहमतेंबनपैहैं ● ॥
ढूंढनचलीसकलबनमाहीं ● चरणचिन्हखोजतिसबजाहीं
देखतिजहांतहांफिरतिअधीरा ● कोउबनघनकोउयमुनातीरा
कोउकुंजनकोउपुंजनहेरै ● स्यामस्यामकरिकोऊटेरै ॥

इहिंबिधिसबखोजतिफिरैं बिरहातुरब्रजबाल ॥
भईबिकलपावतिनहीं कछुखोजतनंदलाल ॥ ● ॥
यदपिकियोहरिख्याल नेकदुरेबनकुंजमह ॥
तदपिभईबेहाल युवतिस्यामदेखेबिना ॥ ● ॥

पलअंतरबिधिकौदिनजिनकौं ● बनअंतरअतिबडदुखतिनकौं
भईबिरहव्याकुलचितजबहीं ● हरिपदचिह्नलखतिभईंतबहीं
कुलिसकमलध्वजअंकुशजामें ● जगमगातबनघनमहितामें

निकटचिन्हप्यारीचरणनके ॥ अरुणकमलदलकेबरणनके
बंदनकरनलगीरजसोई ॥ शिवविरंचजाचतहैंजोई ॥ ॥
कछुइकधीरधरीमनमाहीं ॥ खोजलेतितहीमगजाहीं ॥
कुंवरिकान्हप्यारीसंगलीने ॥ फिरतसकलकुंजनरसभीने
कबहूंकुसमबनमालबनावैं ॥ निरखिहरषिप्यारिहिपहिरावैं
कबहूंसुमनसंवारतवेणी ॥ परमसुभगशोभाकीश्रेणी ॥ ॥
कबहूंसरोजसुगंधसुंघावैं ॥ नागरिमनअभिलाषबढावैं ॥
कंठकंठभुजदोऊजोरैं ॥ घनदामिनिछूटतनहिंछोरैं ॥ ॥
अतिप्यारीकेरसबसमोहन ॥ भौंहनिहारतडोलतगोहन ॥
अतिहितलखिअनकूलअतिहरिहिलाडलीहीय ॥
तातेंउपजोगर्वजियमैंअतिप्यारीपीय ॥ ॥ ॥ ॥
एकप्राणद्वैदेह तहांगर्वकहांपाइये ॥
यामेंनहिंसंदेह देहधरेकोभावयह ॥
तबप्यारीकेमनयहआई ॥ मेरेहीबसकुंवरकन्हाई ॥ ॥
मेरेहितबांसुरीबजाई ॥ मेरेहितसबतियनबुलाई ॥ ॥
मेरेहितरसरासउपायो ॥ सबहिततजमोसोंमनलायो ॥ ॥
मोसमसुंदरिचतुरउजागरि ॥ औरनहीयुवतीकोउनागरि
ऐसेगुणतिमनहिमनमाहीं ॥ ठठकिरहतिगहिपियकीबाहीं
बैठिजातिकबहूंमगमाहीं ॥ कहतकिमेरेपांयपिराहीं ॥ ॥
चलनकहततुमजहांकन्हाई ॥ मोपैपगनचल्योनहिजाई ॥

ह्व्यकरतमैंअतिश्रमपायौ ● तातैंपगनहिंजातउठायौ ● ॥
सुनऊंमित्रमोहनसुखदाई ● कंधलेऊंप्रियमोहिचढाई ॥
ऐसेंतियजबबचनवखाने ● गर्वजानिगिरिधरमुसकाने ● ॥
जहांगर्वतहांरहतनकबही ● अंतर्ध्यानभयेहरितबही ॥ ॥
मुरतहिंबिकलभईअतिप्यारी ● देखतदुरेचरित्रगिरिधारी
चकितभईतबनागरीगयेकितहिंभजिस्याम ॥
मनहींमनपछितातअतिभूलीतनसुधिबाम ॥
मैंकीनौअभिमान नारिबुद्धिओछीसदा ॥
वेपियपरमसुजान जानलईमोजीवकी ॥
भईबिकलसमझतनिजकरनी ● सोवहदसाजायनहिंबरनी
बिरहबिथाबाढीअतितनमें ● परमअकेलीरोवतिबनमें ● ॥
नैनसलिलभीजततनसारी ● कासिकासिपियकहतिपुकारी ॥
हाहानाथअनाथनकीजे ● बेगस्यामदरसनमोहिदीजे ॥
मैंतुमकृपापायगरबानी ● तातेंसकौसंभारिनबानी ॥ ● ● ॥
सोअपराधक्षमाप्रभुकीजे ● यहदूषणमनमाहिंनलीजे ● ॥
बेगकृपाकरिमिलऊदयाला ● अहोकमलदलनैनरसाला ॥
बिरहबिकलयौंबदतअकेली ● रोवतसुनिखगमृगद्रुमबेली ॥
तहांखोजतिआईसबनारी ● दूरहितेंदेखीतिनप्यारी ● ॥
मुखशशिजोतिरूपकीरासी ● जनौघनतेंबिछुरीचपलासी ॥
द्रुमशाखाअविलंबिनठाढी ● रुदनकरतिबिरहादुखबाढी ॥

व्याकुलचकितचहूँदिसजोवै ॥ कमलवरणानखभूमिकरोवै ॥
जिततितनैंधाई सबै व्रजसुंदरि अकुलाय ॥ ॥
व्याकुललखिअतिलाडिली लीनी कंठलगाय ॥
कहांगयेगोपाल बारबारबूझतसबै ॥ ॥ ॥
मुरछिपरीतनबाल मुखतैंबचननआवई ॥
देखिदसासबतियअकुलानी ॥ बैठारीअंकमगहिपानी ॥ ॥
कहिराधाक्योंबोलतिनाहीं ॥ काहेमुरछपरीमहिमाहीं ॥ ॥
याबनमेंकैसेंतूआई ॥ कहांगयेतजितोहिकन्हाई ॥ ॥ ॥
निरखिबदनसबहिनदुखकीनौ ॥ मनहुंअमीनिधिअमृतदीनौ
कोउजगीसंवारनअलकैं ॥ कोउअंचरतैंपौछतिपलकैं ॥
नैननीरकछुसुधिनहिदेही ॥ अतिव्याकुलबिनस्यामसनेही
बूझतियुवतिकहांबनवारी ॥ चलियैतहांतोहिलैप्यारी ॥ ॥
सुनतनामपियकोअनुरागी ॥ बिरहमोहनिद्रातैंजागी ॥ ॥
जान्योआपेकुंवरकन्हाई ॥ नैनउघारमिलनकौंधाई ॥ ॥
जोदेखौतौसबव्रजवामा ॥ अतिहीविलखिउठीतबस्यामा ॥
कहतिमोहित्यागीनंदनंदन ॥ तुमहूंनहीमिलेजगबंदन ॥
मैंअपनेजियगर्वभुलानी ॥ नहिंउनकीमहिमाकछुजानी ॥
बोलीपियसोंमंदमतिमैंअभिमानबढाय ॥
लीजैकंधचढायमुहिमोपैचल्यौनजाय ॥
वेप्रभुपरमसुजान विहसिकह्यौमोहिचढनकौं ॥

ह्वैगयेअंतरध्यान अपनीचूककह्याकह्यौ ॥

गयेस्यामधौंकितबनमाहीं ● मेरीद्रुष्ठपरेकछुनाहीं ● ॥
कहतिविकलनैननजलढारी ● मोकौंत्यागगयेगिरिधारी ॥
मुरछिपरीधरणीअकुलाई ● स्यामविरहदुखसह्योनजाई
देखिदसाव्याकुलसबनारी ● कहतिनिठुरहोअतिबनवारी
त्रियापुरुषसोंमानजुकरही ● पुरुषनह्योऐसीउरधरही ॥
देखहुस्यामतजीहमकैसें ● नाहिबूझियेउनकोंऐसें ● ॥
कहतिराधिकासोंब्रजनारी ● मिलिहैंस्यामधीरधरप्यारी ॥
चलीआपखोजनसबबनमें●विरहविकलकछुसुधिनहितनमें
टेरतजहंतहांघोषकुमारी ● आहोरासपतिकुंजबिहारी ॥
कहांदुरेपियहमतेंभजिकै ● जातप्राणतुमबिनतनतजिकै ॥
क्षमाकरौप्रभुचूकहमारी ● मिलहुकृपाकरिबेगमुरारी ● ॥
तुमबिनहमकोंसुनहुकन्हाई●क्षणक्षणकल्पसमानविहाई

जरतसकलतुमदरसबिनविरहअग्नितनबाम ॥
मंदमधुरमुसकनसुधाबरविबुझावोस्याम ॥
सकलविश्वसुखधाम गावततुमकोंजगतसब
तिन्हैंहोतकतबाम जेदासीबिनमोलकी ॥

सदाहमारीरक्षाकीनी ● गरलअनलजलतेंरखिलीनी ॥
अबकतनिठुरहोतहौप्यारे ● बिरहजरावतगातहमारे ॥
कतहिफिरतबनचरणउघारे ● गड़िहैंकुशकंटकअनियारे

तुमपदबसतहमारेहियमें ● तेकंटकसालतहैंजियमें ॥ ● ॥
अहोनाथयहकहाजियधारी ● सुखदैकैदुखदेतमुरारी ॥
ऐसेंकहतिसकलबनडोलैं ● अलबलबचनबदनतेंबोलैं ● ॥
अतिअकुलायगईमनमाहीं ● जडचेतनकछुसमझतिनाहीं
बूझतिबनविटपनसोंधाई ● तुमकहुदेखेकुंवरकन्हाई ● ॥
अहोकदमअहोअंबतमाला ● हमहिंबतावौकितनंदलाला
अहोजुहीमालतीनिवारी ● लखेकहूंइतजातबिहारी ● ॥
हेचंपकहेश्रीफलकदली ● हेदाडिमहेजामुनबदली ● ॥
तुमदेखेमनमोहनलाला ● स्यामकमलदलनैनबिशाला ● ॥
हेपलासहमदासतुम्हारी ● कहौकहांसुखरासबिहारी ● ॥
हे अशोकहरिशोकतुमसत्यकरौनिजनाम ● ॥
लेतनहींयशहेपनसक्यौंनकहतकितश्याम ● ॥
हेमंदारउदार हेपीपरहरिपीरमम ॥
कहींकितनंदकुमार सुंदरघनतनसांवरो
हेचंदनतनजरतजुडावौ ● नंदनंदनपियहमहिबतावौ ॥
हेअवनीचितचोरहमारे ● कितराखेनवनीतपियारे ॥ ● ॥
तुमतेंदूरकहूंहरिनाहीं ● क्यौंनमिलायदेतहमपाहीं ● ॥
कहिधौंकुंदमुकुंदकहाहैं ● हमकोंदेऊबतायजहांहैं ● ॥
हेबटनटनागरहिबतावौ ● कहूंनिकटनंदसुवनदिखावौ ॥
कहुंधौंमृगीमयाकरिहमकौं ● पूछतिहमहाहाकरितुमकौं ॥

देखियतडहडहेनैनतुम्हारे ॥ तुमकहुंमोहनलालनिहारे
हेदुखदवनपवनसुखकारी ॥ कहियतगतिसरवन्नतुम्हारी
जहांहैंयबलबीरबिहारी ॥ कहतिजायकिनबिथाहमारी ॥
हेतुलसीतुमतोसबजानो ॥ क्योंनहिहरिसेंप्रगटबखानो ॥
तुमतोसदास्यामकीप्यारी ॥ कहतनहीयहदसाहमारी ॥
बोलतनहिकोउकहततरुनकों ॥ लेगयेस्यामइनहुंकेमनकों
इहिंबिधिवनघनढूंढिसबब्रजतियबिरहउदास ॥
इतउततेंफिरआवहींकुंवरिराधिकापास ॥ ॥ ॥ ॥
मनहुंनीरबिनमीन अतिव्याकुलतरफतपरी ॥
स्यामबिरहअतिदीन कनकलतासीनागरी ॥
व्याकुलकहतिसकलब्रजबाला ॥ अजहूंनहिआयेनंदलाला
कहाकरैंअबकितकोंजैये ॥ स्यामबिनाकैसेंसुखपैये ॥ ॥ ॥
तबसबकूरियमुनतटआई ॥ जहांरसिकपियरासरमाई ॥
बैठीसबराधाढिगबामा ॥ कहनलगीहरिगुणगणग्रामा ॥ ॥
सबकेढिगहरिसोहतकैसें ॥ दृष्टबंदकरिनटबरजैसें ॥ ॥ ॥
युवतिनहीकोउउनिकोंदेखै ॥ हरिसबहीकीलीलापेखै ॥
देखिदेखिमनअतिसुखपावैं ॥ परमप्रीतिरसरीतिबढावैं ॥
करतचरित्रविचित्रविहारी ॥ सदास्यामभक्तनसुखकारी ॥
विरहअग्नितनगर्वजरावै ॥ निर्मलप्रेमभक्तिउपजावै ॥ ॥ ॥
गोपीजनसबहरिकीप्यारी ॥ नेकनहींकहुंहरितेंन्यारी ॥

कहतिस्यामब्रजप्रगटेजबतें ● देतसबनकौंसबसुखतबतें ॥
तिनमेंहमसबउनकीदासी ● क्योंहमतजिहरिभयेउदासी ॥
व्याधऊतेंकरनीकठिनहमतेंकीनीस्याम ॥
बैनबजायबुलायसबबधतमृगीलोंबाम ● ॥
कीजैकौनउपाय मोहनमुखदेखेंबिना ॥
मरनिमसोखाखाय यहमनगीध्योमाधुरी ॥
सदाहमारेमनकोंभावैं ● तिरछीचितवनचितहिचुरावैं ॥ ● ॥
जबअतिबालकऊतेमुरारी ● बालबिनोदकियेसुखकारी ॥
खेलतमेंबऊअसुरसंहारे ● विघनअनेकैंब्रजकेटारे ● ॥
अद्भुतचरितमनोहरकीनौ ● गिरिवरधरब्रजकौंरखलीनौ
हलधरसखनसंगमुरलीधरि ● गोचारनबनजातजबहिहरि
तबहमकोंबीततदिनजैसें ● जानतहैंहमरेमनतैसें ॥ ● ॥
कुंडलमुकुटकेसघुंघरारे ● गोरजरंजितद्रुमअनियारे ॥
पीतबसनबनमालविशाला ● बैनबजावतमधुररसाला ● ॥
सखनमध्यगौअनकेपाछें ● चंदनचित्रसुभगतनआछें ● ॥
सांझसमयआवतजबदेखें ● तबहमजन्मसुफलकरिलेखें ॥ ॥
ऐसेंकथतसकलब्रजनारी ● हरिगुणरूपकथाविस्तारी ॥
समरतकहतस्यामगुणरूपा ● उपजीउरअतिप्रीतिअनूपा ॥
भूलिगईसुधिदेहकीभयौविरहदुखऔन ॥
केवलतनमयह्वैगईनहिजानतिहमकौन ॥

भृंगीकीटसमान मगनध्यानरसनागरी ॥
विसरीसकलअयान भईआपहीकृष्णतन ॥
लागीकरनचरित्तसबहरिके ❀ पूरणप्रेमभईगिरिधरके ॥
येलीलाउनहींकौंसोहैं ❀ नेकनहीजानतिहमकोहैं ॥ ❀ ॥
एकभईदधिचोरकन्हाई ❀ एकपकरिगहिभुजलैआई ॥
एकजसोमतिकौवपुधरिकै ❀ बांधतिहैऊखलसौंहरिकै ॥
इकभईगायएकगोपाला ❀ बोलतवैसेइबचनरसाला ❀ ॥
कारीधौरीधूमरिकहिकै ❀ हटकतफिरतलकुटकरगहिकै ॥
कहतिएकअंबरगिरिधारी ❀ गायगोपसबरहौसुखारी ॥
कहतिएकमूंदौसबलोचन ❀ मैंकरिहौंदावानलमोचन ॥
एकयमलअर्जुनतरुभंजै ❀ एकबकासुरबदनविभंजै ❀ ॥
एकवस्त्रकौनागबनाई ❀ तापरनिरतकरतिहरषाई ❀ ॥
एकदहीकौदानचुकावै ❀ इकत्रिभंगह्वैबैनबजावै ॥ ❀ ❀ ॥
मगनभईसबयाररसमाहीं ❀ तनअभिमानरह्यौकछुनाहीं ॥
अंतरनेकुरह्यौनहीभईस्यामब्रजबाम ❀ ॥
तबअंतरकरिनहिसकेभयेनिरंतरस्याम ॥
प्रगटभयेततकाल तिनहीमधिनंदलाडले ॥
सुंदरनैनबिशाल गोपीजनबल्लभसुखद ॥
प्रेममगनअतिआतुरताई ❀ श्रीबृषभानकुंवरिउरलाई ॥
देखिप्रगटदरसनगोपाला ❀ मिलीधायआतुरब्रजबाला ॥

जौंधनरासपरीकछुपावैं ॥ लोभीजनलूटनकौंधावैं ॥ ॥
लपटीएकधायकरमाहीं ॥ एकमिलतिग्रीवादैबाहीं ॥ ॥
कोऊपरीचरणपरधाई ॥ कोऊअंगरहीलपटाई ॥ ॥
कोऊगहिकरपंकजलावै ॥ तपतविरहकीतापसिरावै ॥ ॥
कोउलटकीगहिभुजानवेली ॥ जनौश्रृंगारविटपछविबेली ॥
कोऊमुखछविरहीनिहारी ॥ कोऊरहीचरणउरधारी ॥
कोऊहृगभरिकहतिभलेहरि ॥ एकपीतपटछोररहीधरि ॥
हरिसौंमिलीलसतियौंभामिन ॥ जनुबनघनघेरेलौबहुदामिन
कछुअंजनकछुकुंकुमरेखा ॥ कहूंपीककीलीकसुवेखा ॥
युवतिनमध्यलसेंहरिप्यारे ॥ कृपादृष्टसबओरनिहारे ॥ ॥
पुनिबैठेहरिहरषितहांयुवतिवृंदचहुंपास ॥
सबकेसन्मुखराजहींसुंदरछविघनरास ॥ ॥
बोलेविहसिगोपाल हंसतकियौयहख्यालहम ॥
कतहिभईबेहाल तुमप्राणनतेंमोहिप्रिय ॥ ॥
सकुचीसुनप्यारीयहवानी ॥ मनजान्यौनहिप्रगटबखानी
कहिकहिकोमलवचनकन्हाई ॥ सबकौदुखडारयौबिसराई
अतिआनंदसबनकौंदीनौ सुफलमनोरथसबकौकीनौ ॥ ॥
जाकेसाधहुतीजियजैसी ॥ पूरणकरीस्यामतबतैसी ॥ ॥
भयेकान्हप्रीतमअनकूले ॥ बढ्यौआनंदसकलदुखभूले ॥ ॥
तबहरिसौंसबनवलकिशोरी ॥ पूछनलगीविहसिकरजोरी

प्रेमप्रीतिकीरीतिसुहाई ● हमैंकहौसमझायकन्हाई ॥ ● ॥
एकजोप्रीतिपरस्परकहिये ● एकएकहीदिसतेंलहिये ॥
एकदुहूनकौंमानतनाहीं ● ताकौंकह्यकहतजगमाहीं ॥
उत्तमप्रीतिकहावतिजोई ● कहुस्यामहमसोंतुमसोई ॥
हमअबलाजानतिकछुनाहीं ● तातेंपूछतिहैंतुमपाहीं ● ॥
सुनिगोपिनकेबचनरसाला ● भयेप्रेमबसपरमकृपाला ॥

यदपिजगतगुरुअजितप्रभुज्ञानरायब्रजचंद ॥
प्रेमविवसहारेतदपिअपनेमुखनंदनंद ● ॥
कहतभयेतबकान सुनऊप्राणबल्लभप्रिया ॥
नहितुमसमकोउआन निपुणप्रेमकेपंथमें ॥

तद्यपितुमपूछतिहौजैसें ● प्रगटकरैंलक्षणसबतैसें ॥ ● ● ॥
एकजोप्रीतिपरस्परहोई ● स्वारथहेतकरतसबकोई ● ॥
जैसेंपशूपशूकौंजाने ● आपुसमेंअतिहितकरिमाने ॥ ● ॥
सोवहप्रीतिनिकष्टकहावै ● जासोंसबसंसारबंधावै ● ● ॥
दूजीप्रीतिएकदिसजोई ● करतिधर्मअधिकारीसोई ● ॥
जैसेंमातपिताचितधरिकै ● रक्षतहैंसुतकेहितकरिकै ● ॥
सोवहमध्यमप्रीतिकहावत ● उत्तमगतितातेंजनपावत ● ॥
जोयहदोउअनकौंनहिजाने ● गुणदूषणकछुउरनहिआने
तिन्हैंसुनौमैंकहतबखानी ● कैकृतज्ञकैपुनिविज्ञानी ● ● ॥
उत्तमप्रीतिजानियेसोई ● अनायासउपजतउरजोई ● ॥

दुहूंदिसहठिकरिप्रीतिबढावै ● नहिंनिमित्तनतामेंकछुश्रावै
श्रंतरनेकुपरैनहिंकोई ● प्रीतिपुनीतिजानियेसोई ● ●॥
नहीश्रंतरनेकुजामधिप्रीतिउत्तमसोकही ॥
करीमोसोंतुमसबनसोईमैंरिणीतुमरैसही ॥
कबहूंहोऊंनउरिनतुमतेंहेप्रियाव्रजसुंदरी
करैऐसीकौनजैसीतुमनजोकरनीकरी ●॥
करहूमनतेंदूरश्रबयहदोषमैंतुमतेंकियौ ॥
कियोश्रंतरपरमसुखमेंविरहदुखतुमकौंदियौ
ऐसेंप्रेमाधीनह्वैकहिकहिबचनरसाल ● ॥
दूरकरीयुवतीनकेमनतेंगांसगुपाल ● ● ॥
बाढ्यौपरमानंद व्रजबासीप्रभुबचनसुनि ॥
परममुदिततियबृंद प्यारीप्रियनंदनंदकी

॥ श्रथमहामंगलरासलीला ॥

सुनिपियकेमुखकीरसबानी ● गोपीजनसबमनहरबानी ॥
हंसिहंसिबहुरिलालउरलाये ● मनतेंसबसंदेहमिटाये ॥
देखिसबनकीप्रीतिकन्हाई ● बहुरिरासरसरुचिउपजाई ॥
वैसोइसुखसबकौंउपजायौ ● वहैभावसबकेमनश्रायौ ● ॥
यहजान्यौसबहिनतबहीतें ● करतरासरसपियसबहीतें ॥
श्रंतरध्यानचरितसबभूली ● वैसेइंश्रानंदकेरसफूली ● ॥
वहैरासमंडलविधिजोरी ● बिचबिचस्यामबीचबिचगोरी ॥

वैसेइ मधिनायक हरि राधा ● वहै परस्पर प्रीति अगाधा ● ॥
वैसेइ मुरली स्याम बजाई ● वैसेइ थकित भयौ उडराई ● ॥
वैसेइ सुर विमानन सोहैं ● वैसेइ सुर मुनि गंधर्व मोहैं ● ॥
वैसेही खग मृग नव बेली ● वैसेइ यमुना पुलिन सुहेली ॥ ● ॥
वैसिय पवन त्रिबिधि सुखदाई ● वहै रास रस रूप निकाई ॥
करैं वैसेइ रास रस पुनि युवति अति छबि छाजहीं ॥
गौर अंग किशोर वैस सुदेस मुख शशि राजहीं ॥
जोरि पंकज पाणि बाहु मृनाल मंडल साजहीं ● ॥
मध्य सब के स्याम स्यामा रूप रास बिराजहीं ॥ ● ॥
मुकुट कुंडल बसन भूषण बरन अंगन राजहीं ● ॥
अंग अंग अनंग रति लखि कोटि कोटिन लाजहीं ॥
चरण नूपुर किंकिणी कटि बलय नूपुर बाजहीं ॥
बीन ताल मृदंग चंग उपंग सुर सुख साजहीं ● ॥
अरस परस निरखत छबि हि भरे प्रेम आनंद ● ॥
नवल नागरी ब्रज बधू नव नागर नंदनंद ● ● ॥
रहे निरखि सुर भूल सहित सुंदरी मगन सुख ॥
पुनि पुनि बरषत फूल धन्य धन्य ब्रज कहि मुखन
सोहति हरि मुख मुरली कैसें ● करि दिग बिजै न्हपति बर जैसें
बैठी पाणि सिंहासन गाजै ● अधर छत्र सिर ऊपर राजै ● ● ॥
भ्रमर चहूं दिस चिकुर सुहाये ● बैत धाणि कुंडल छबि छाये ● ॥

बलिबलिबरजनहैंसबकाहू ❁ कहतनिकटकोऊमतिजाऊ
दूरहितेंसबकरतजुहारैं ❁ सन्मुखआदरखहितनिहारैं ॥
मधुकरपिकबंदीगुणगावैं ❁ मागधमदनप्रसंखिसुनावैं ❁ ॥
मानमहीपतिबलमथिभान्यौ ❁ युवतीयूथजीतगहिआन्यौ ॥
बिनहिपनचबिनहीकोदंडा ❁ सुरसरभेदकियौब्रह्मंडा ॥
ब्रह्माशिवसनकादिकज्ञानी ❁ बोलतहैंसबजैजैबानी ❁ ॥
नारिपुरुषजडजंगमजेते ❁ कियेसकलअपनेबसतेते ❁ ❁ ॥
थक्यौपवनजलअनलसिरानी ❁ बिधिकृतमेटिआपनीठानी ॥
निजनिजठकुरायनकीरेखा ❁ बांधिसकलबसभयेविशेषा ॥
रच्यौराजश्रूयज्ञरसरासबिपनशुभधाम ॥
तहांअधिकारीसांवरौमोहनसुंदरस्याम ॥
सबहिनकौंसुखदेत दानमानरसप्रेमकौ ॥
बढ्यौमाधुरीहेत परमानंदितलोकसब ॥
गावतिगोपीसंगसबजुरली ❁ बाजतिमधुरमधुरसुरमुरली ॥
रागरागनीप्रगटदिखावैं ❁ जेसबरूपअनूपमगावैं ❁ ❁ ❁ ॥
अतिप्रवीनपियकौमनमोहैं ❁ न्रत्यकरतिसुंदरिसबसोहैं ॥
नाचतकबहूंस्यामअरुस्यामा ❁ रीझतिनिरखिसकलब्रजबामा
लेगतिचलतिपरस्परदोऊ ❁ सोछबिबरनसकैकहाकोऊ ❁ ॥
होडाहोडीरंगबढावैं ❁ तरपिलेतशोभाअतिपावैं ❁ ❁ ❁ ॥
उरझीकुंडलबेसरसोंलट ❁ पीतवसनबनमालरहीसट ॥

छरमैमनमनबैननबैना ❁ लटकीलीछविछरमैनैना ॥ ❁ ॥
नाचतयुगलचपलगतिवारी ❁ प्रेमछरमछरमैपियप्यारी ॥
छरमीगोपीजनजखिशोभा ❁ नहिंनिरवारसकतमनलोभा
अतिरसरंगबढ्यौसुखभारी ❁ थेईथेई बदतिमुदतिब्रजनारी
मगनसकलरससिंधुनिहारैं ❁ रीझरीझतनमनधनवारैं ॥
मगनसबरसशसुखनिधिहर षितनमनवारहीं ॥
हियकुलासनजायकहिछविशजयुगलनिहारहीं ॥
कियौजुतपतिहिंहेतुबारहमाससोपतिपाइयौ ❁ ॥
नवमंत्रकीनौव्याहकौसबसखिनमंगलगाइयौ ॥ ❁ ॥
ललितकुंजवितानसुभगलतानमंडपदुतिबनी ❁ ॥
बहुरंगबंदनमालचहुंदिसचारुसुमननछविघनी ॥
अतिबिचित्रपवित्रयमुनापुलिनशुभवेदीरची ॥ ❁ ॥
बरननसकैछविकौनबिधितिहुंलोकशोभाकीसची ॥
तहांनंदनंदनलाड़लौश्रीबृषभानकुमारि ॥
दूलहदुलहनराजहींशोभाअमितअपारि ॥
भरीपरमउत्साह ललितादिकब्रजसुंदरी ॥
प्रीतिरीतिकीचाह लागीकरनबिवाहबिधि ॥
मोरमुकुटरचिमौरबनायौ ❁ सोसिरधरगिरिवरधरआयौ
तनघनस्यामपीतपटसोहै ❁ घनदामिनिताकेढिंगकोहै ❁ ॥
बनमालागरमाहिंबिराजै ❁ निरखतइंद्रधनुषदुतिलाजै ॥

ललितअंगतनभूषणजाला ❁ कुंडलअलकननैनविशाला ❁ ॥
सकलकलागुणरूपनिधाना ❁ त्रिभुवनसुंदरपरमसुजाना
जाकेमनमथसैनबराती ❁ फूलेबिटपसुमनबहुभाती ❁ ॥
करिकोलाहलपिकशुकबोलैं ❁ मंजुमोरनिर्तनसंगडोलैं ❁ ॥
नभसुरपतिदुंदुभीबजावैं ❁ नाचतकिन्नरगंधर्वगावैं ॥ ❁ ॥
बरषतसुरगणसुमनसुहाये ❁ ब्रजतियकरतिसकलमनभाये
कुंवरिलाडलीसुभगसंवारी ❁ गोरेअंगचूनरीसारी ॥ ❁ ॥
नखशिखमणिभूषणछबिछाजै ❁ मुखशोभालखिउडपतिलाजै
प्रीतिरीतिजिहिंहितकरिगानी ❁ सोशुभघरीबिधाताबानी
शुभघरीसोबानीबिधाताहेतजिहिदृढब्रतलियौ ॥
सरदनिसिपून्यौविमलशशिनिरखिअलिप्रफुलतहियौ
अधरमधुमधुपर्ककरिकैपाणिग्रहणसुबिधिकरी ॥
पढतनभबिधिवेदवाणीसुरनजयधुनिउच्चरी ❁ ॥
तबअलिनहंसिगांठजोरीप्रेमगांठहियेपरी ॥ ❁ ॥
सहसभोरहसंगसखियांफिरतिभांवरिरसभरी ❁ ॥
बढ्यौअलिआनंदउरमधिसादसबपूरणभई ॥ ❁ ॥
मदनमोहनलालदूलहराधिकादुलहननई ॥ ❁ ॥
निरखिदेवबरषैंसुमनहरबनहियेसमात ॥
बृंदाबनरसरासमुखलखिसुरबधूसिहात ॥
हमतेंयहसुखदूरकहतपरस्परसुरनगण ॥

कैौंउडिलागेधूर धनिब्रजबासीधन्यब्रज ॥
सोहतियुवतिवृंदमधिजोरी ❁ नवनागरवरनवलकिशोरी
शोभाअमितपारकोपावै ❁ निरखतबनेकहतनहिंआवै ❁ ॥
दूलहस्यामदुलहनीराधा ❁ रूपसिंधुदोउपरमअगाधा ॥
रंगभीनीरंगभीनेदोऊ ❁ अतिआनंदउमगिसबकोऊ ॥
प्रेमरंगभीनीब्रजनारी ❁ निरखियुगलछबिहैंहिसुखारी ॥
भरीप्रीतिरसगारीगावैं ❁ लखिलखिपियप्यारीसुखपावैं ॥
हावविलासमोहउपजावैं ❁ बारबारदंपतिगुणगावैं ॥ ❁ ॥
विविधिभांतिदुंदुभिनभबाजैं ❁ निरतकलारंभादिकसाजैं ॥
हंसमोरपिकचातकबोलैं ❁ बनिमृगनिकटसंगसबडोलैं ॥
वारतितियभूषणहरषाईं ❁ बनकेमृगनदेतपहिराईं ॥ ❁ ॥
तबइकसखीभईनंदराईं ❁ इकबृषभानरूपधरिआईं ॥ ❁ ॥
अतिहितमिलेमहरदोउधाई ❁ तबबिनतीबृषभानसुनाई
तबजोरिकरबृषभानबिनयौसुनकुंश्रीनंदरायजू ॥
हमभयेसकलसनाथअबकिरपातुम्हारीपायजू ॥ ॥
अतिबडेपुन्यनतेंमिलेतुमसेसगेसुखसिंधजू ॥ ❁ ❁ ॥
सिरमौरगोकुलचंदआनंदकंदसबजगबंदजू ❁ ॥
तुमगेहमंजुनहेतकन्याहमनतुमसमयोगजू ॥ ❁ ॥
निजदासकरिसबजानियेबृषभानपुरकेलोमजू ❁ ॥
अष्टसिद्धिनवनिद्धिसंपतितुमसकलसुखखानिजू ॥

ऐसेंविनयकरिनंदकेचरणनलगेबृषभानजू ॥ ❁ ॥
नबनंदअतिआनंदभरिबोलेसहितअनुरागजू ॥ ❁ ॥
सुनऊश्रीबृषभानजूतुमधन्यअतिबडभागजू ॥ ❁ ॥
तुमसेसमुद्रनसोंसुनऊसम्बंधभागिनपाइये ॥ ❁ ॥
परमनिर्मलयशतुम्हारौलोकलोकनगाइये ॥ ❁ ❁ ❁ ॥
अतिनेहकान्हरसोंतुम्हारौप्रीतिपलहीपलनई ❁ ॥
दईकन्याकरिकृपागुणरूपसुखशोभामई ॥ ❁ ❁ ॥
पूरेमनोरथसकलअबहमबडेसबभांतिनभये ॥ ❁ ॥
बृषभाननंदआनंदप्रमुदितपरस्परचरणननये ❁ ॥
मनमनहर्षितनागरीनागरनवलकिशोर ॥
लखिरसरीतिसखीनकीप्रेमप्रमोदनथोर ॥
बिलसतअतिआनंद ब्रजबिलासब्रजनागरी ॥
प्रीतिविवसब्रजचंद कोकहिसकैसुहागसुख ॥
करतमनोरथसबमनभाये ❁ त्रिभुवनपतिदूलहकरिपाये ॥
व्याहरीतिकरिसबब्रजनारी ❁ गावतिजसुमतिकौरसगारी
नबकंकणछोरनविधिकीनी ❁ रचिपचिगांठचतुरतियदीनी
कहतस्यामसोंछोरौकंकन ❁ परमानंदमुदितगोपीजन ❁ ॥
बडेचतुरतोखोलऊगिरिधर ❁ यहनहोयधरवौगिरिकौकर ॥
कैछोरौकैदोउकरजोरौ ❁ दुलहनिकेपरिपायनिहोरौ ❁ ॥
बडेकहावतहौब्रजनाथा ❁ काहेकंपनलगेदोउहाथा ❁ ॥

छोरऊबेगकिसुनकंकन्हाई ❀ पठवऊजसुमतिमायबुलाई
दोऊपरस्परकंकणछोरैं ❀ प्रेमउमगिउरहरषनथोरैं ❀ ॥
पचिहारेकंकणनहिछूटत ❀ निरखिहरषिब्रजतियसुखलूटत
कहतिसहायकरऊजिनकोऊ ❀ कंकणछोरहिआपहिदोऊ
दुलहीनिदूलहकंकणखोलैं ❀ कैवृषभानबबाकैंबोलैं ॥ ❀ ॥

कमलकमलपरसोहजनौपानिलाडिलीलाल ॥
लखिकविकुलसांचेलगतरोमकटीलीनाल ॥
दूलहनंदकुमार दुलहिनश्रीराधाकुंवरि ॥
संतनप्राणअधार अविचलयहजोरीसदा ॥

यहरसरासचरितहरिकीनौ ❀ ब्रजयुवतिनवांछितफलदीनौ
ब्रजतियसुखहितकुंजबिहारी ❀ करीमासनिसिघटउजियारी
सादनहीयुवतिनमनराषी ❀ श्रीभागौतकह्यौशुकभाषी ❀ ॥
वेदउपनिषदसाखबतावैं ❀ ब्रह्माशंभुसहसमुखगावैं ❀ ॥
नारदसारदऋषियअनंता ❀ कहतसुनतगावतसबसंता ॥
सोरहसहसगोपसुकुमारी ❀ तिनकेसंगलालगिरिधारी ॥
कियैरासरसरहसअगाधा ❀ पूरणकरीसबनकीसाधा ❀ ॥
हावभावरसहासबिलासा ❀ नैनसैनमुखबचनप्रकासा ॥ ❀ ॥
भुजभरिमिलनअधररसचाखन ❀ न्रत्यगानरसरुचिशंभाषन
क्षणक्षणबढतिअधिकरसरीती ❀ इहिंबिधिरैनकरतसुखबीती
भयैासमयब्रह्मीशुभकाला ❀ रासरमतभईश्रमसबबाला ❀ ॥

तबश्रीयमुनागयेनंदलाला ❁ सोहतसंगसकलब्रजबाला ❁ ॥

सोहतसकलब्रजबालसंगनंदलालतबयमुनागये ॥
सरदनिसरसरासकरिपूरणमनोरथसबभये ॥
जैसेंमहामदमत्तगजबरयूथकरणीसंगलिये ॥
फिरहबनसरसरिलक्रीडतिनिदरिअतिनिर्भयहिये
तिमिनंदसुतजगबंदआनंदकंदरसनिधिस्यामये
मेटिवेदमृयादब्रजतियप्रेमसबआनंदभये ॥ ❁ ॥
रमतबृंदाबनयमुनरसकेलिअतिसुखमानई ॥
दासब्रजबासीप्रभूगुणनागनरसुरगानई ❁ ॥
धनिबृंदाबनधन्यसुखधन्यस्यामधनिरास ❁ ॥
धनिधनिमोहनगोपिकानितनवकरतबिलास ॥
नहिसुरपुरसमतूल बृंदाबनसुखएकपल ॥
कहिकहिबरषैंफूल सुरगणमनआनंभरे ॥

यमुनाजलक्रीडतनंदलाला ❁ सोरहसहससंगब्रजबाला ॥
मधिराजतदोउबांहांजोरी ❁ दंपतिगौरसांवरीजोरी ॥
कोउकटिलौंजलमेंसुखसाजै ❁ कोउउरग्रीवालौंछविराजै
ताकीउपमाकविकिमिकहही ❁ अतिअपारछविपारनलहही
करिकनपाणिपरस्परसोहै ❁ नंदनंदनपियकोमनमोहै ❁ ॥
सलिलसिथलसोहतनंदनंदन ❁ सेंदुरभालकुंकुमाचंदन ॥
अचरंगभयेयमुनजलजातें ❁ छविमयलहरिउठतिहैतातें

रूपछटासीतियगणतामें ● करतिबिहारलियेघनस्यामें ॥
एकएकअंगभरिभरिलेहीं ● हासबिलासकरतिछबिदेहीं ॥
एकनलेअथाहजलडारैं ● सुखब्याकुलतारूपनिहारैं ● ॥
इकभाजतिइकपाछेंधावैं ● एकस्यामकीछिपकरिलेआवैं ॥
कंठलगायलेतपियताई ● सोसुखकविसोंकह्योनजाई ● ॥

करतकेलियमुनासलिलब्रजललनासंगस्याम ॥
निसिश्रममिटिआलसगयोभयेसुखीसुखधाम
अलखलखीनहिंजाय अविगतिकीगतिकोकहै
योगीसकतनपाय सोभोगीब्रजतियनकौ ॥

खजबिहारबिहरतसुखपाई ● रसरंगमनतेंनहिंजाई ॥
युवतीमंडलकरिकरजोरे ● स्यामास्याममध्यकरिखोरे ॥ ॥
वहैभावमनमेंउपजावैं ● निरखिनिरखिमोहनसुखपावैं ॥
बिहरतिनारिहंसतनंदनंदन ● अंकमभरिभरिलेतआनंदन
प्यारीस्यामअंजुलीडारै ● सोछबितियसुखपायनिहारै ● ॥
मानहुंकमलअओरइंदीबर ● छिरकतहैंमकरंदपरस्पर ॥
जलक्रीडासुखकरतकन्हाई ● बरषतसुमनदेवफरलाई ॥
लीलासागरपरमअपारा ● कविकिहिंबिधिकरिपावैपारा ॥
करिजलकेलिसंगब्रजनारी ● आयेजलतटनिकसबिहारी ॥
भीजेपटलपटेतनमाहीं ● पटअंतरलटचीरचुचाहीं ॥ ● ॥
ठाढेयमुनातीरकन्हाई ● पुलिनपवित्रपरमछबिछाई ॥ ● ॥

निरखतनिर्मलतनकीशोभा ❁ अरसपरसविहसतमनलोभा

तबइकननदकौंविहसिकैआयुसदीनौस्याम ॥

नानाभूषणबसनबरतिनबरषेअभिराम ❁ ॥

निजनिजरुचिअनुहार लैलैब्रजकीसुंदरिन

कीनौनवलसिंगार उरआनंदनजायकहि ॥

करिसिंगारतननवलकिशोरी ❁ हरिसन्मुखठाढीसबगोरी ॥

निरखिस्यामछविमनललचाहीं ❁ बिदाकरतघरकौंसकुचाहीं

हँसिबोलेतबमदनगुपाला ❁ जाउसदनअबसबब्रजबाला ॥

अतिआदरदैदैसुखदाई ❁ पाणिपरससबसदनपठाई ॥

निसिसुखदरतनकान्हमनतें ❁ चलीसदनसबबृंदाबनतें ॥

अतिआनंदरह्यौउरभरिके ❁ भांवरिदैआईसंगहरिके ❁ ॥

मनकेसुफलमनोरथकीने ❁ नंदसुवनहितपतिकरिलीने ॥

गईसदनसबहरषबढाये ❁ घरघरलोगनसोवतपाये ❁ ॥

जगस्वामीहरियहमतिठानी ❁ ब्रजयुवतिनसबहिनघरमानी

प्रातकालसबब्रजजनजागे ❁ निजनिजकारजमेंसबलागे ॥

नंदधामगयेनंदकेलाला ❁ कान्हनहिंजान्यौयहख्याला ❁ ॥

यहरहस्यलीलाबनबारी ❁ संतजननमनआनंदकारी ॥

यहरहस्यलीलास्यामकीसबसंतसुरमनभावनी ❁ ॥

ज्ञानध्यानपुराणश्रुतिमतिसारपरमसुहावनी ॥ ❁ ॥

यहमंत्रयंत्रअनंतब्रतफलध्यानदंपतिकौरहै ❁ ❁ ॥

भावकरि नितभावमनबिनुभावयहसुखहीलहै ॥ ॥
धन्यश्रीशुकदेवमुनिभागौतयहरसगाइये ॥ ॥
निगमनेतिअगाधश्रीगुरुकृपाबिननहिंपाइये ॥ ॥
सरुचिकहिजेसुनेसीखैंप्रीतिकरिजेगावहीं ॥ ॥
ऋद्धिसिद्धिसबकहागनाऊंभक्तिअनुपमपावहीं ॥
उरबढैरसनेमदृढपदप्रेमराधास्यामकौ ॥ ॥
अहहिंअचलनिवासबृंदाविपनघननिजधामकौ ॥
यहैआसाराखिकैउरदासब्रजबासीकही ॥ ॥
कृपाकीजैस्यामस्यामाशरणपदपंकजगही ॥ ॥
चरितललितगोपालकेरसविलासअनेक ॥
कापैबरनेजातसबइतनौकहांविवेक ॥ ॥
इकसीतरैअघाय ज्यौंपपीलकासिंधुतें ॥
कह्यौयथामतिगाय तिमब्रजवासीदासहू ॥

॥ अथमानचरित्रलीला ॥

नित्यस्यामस्यामासुखकारी ॥ करतनित्यनवचरितबिहारी
निर्गुणनिर्विकारअविनासी ॥ भक्तमनोरथसदाविलासी ॥
नितबृंदाबनधामसुहायौ ॥ नित्यरासरसवेदनगायौ ॥ ॥
भक्तनहेतविविधितनधारैं ॥ भक्तनहितलीलाविस्तारैं ॥ ॥
सदाभक्तवसभक्तकृपाला ॥ दयासिंधुप्रभुदीनदयाला ॥ ॥
सरदरैनरसरासउपायौ ॥ युवतिनप्रतिनिजरूपबनायौ ॥

सुफलमनोरथसबकोकीनौ ● पतिहितकरिसबकौंसुखदीनौ
नवकृपालउरमेंयहआनी ● सदाभक्तवांछितफलदानी ● ॥
गोपिनगवंशसमेंकीनौ ● सोमैंअंतरकरिहरिलीनौ ॥ ● ॥
रहीसाधइनकेमनमाहीं ● हमकौंस्याममनायौनाहीं ● ॥
तेब्रजभक्तपरमहितमेरी ● करौंसाधपूरणइनकेरी ॥ ● ॥
अबइकमानचरित्रउपाऊं ● यायनपरिपरिसबनमनाऊं ॥
करिविभेदरसरीतिमेंदेऊंमानउपजाय ॥
इनकेमुखमंडितबचनकहवाऊंसुखदाय ॥
सकलगुणनकेधाम परमविचक्षणरसिकमणि ॥
नवरससागरस्याम एकप्रेमरसबससदा ॥ ● ॥
श्रीराधामनमोहनप्यारी ● नवनागरिनवरूपउजारी ● ॥
रासनिवृत्तिभयेगोपाला ● तारसमगनफिरतनंदलाला ● ॥
करतभवनसिंगारपियारी ● आंचकतहांगयेगिरिधारी ● ॥
देखिप्रियापियकोंहंसदीनौ ● हरषिस्यामअंकमभरिलीनौ ॥
रहेथकितछविअंगनिहारी ● जातकमलसुखपरबलिहारी
इहिंअंतरपियकेउरमाहीं ● देखीतियनिजतनपरछाहीं ॥
रूपकिउठीप्यारीभईन्यारी ● अतिसनेहभ्रमसुरतबिसारी
औरनारिपियकेउरजानी ● आपुनलिखैप्रीतिघटमानी ॥ ॥
राखतसदाहियेमेंयाही ● ल्यायेमोहिदिखावनताही ॥ ● ॥
कियौमानयहभ्रमउपजाई ● कहतबचनपियसोंअनखाई ॥

अबजानीपियबाततुम्हारी ● ऊपरहौकीप्रीतिहमारी ॥
हमसोंमुहकीबातमिलावत ● यहप्यारीउरमाहिंबसावत ॥
धनिधनियाकैभाग्यहैबसततुम्हारेहीय ॥
याहीसौंहितराखियेअबमनमोहनपीय ॥
भलीकरीसुखमानि मोहिदिखाईआनिकै ॥
यहप्यारीसुखदानि उरतेंजिनन्यारीकरौ ॥
ऐसेंकहिमुसकायकिशोरी ● कछुरिसकरिजियमैंाहसकोरी
चकितस्यामलखिसुनसुखबानी ● कहतकहांनारगीसयानी
सांचकहतिकैधौंकरिहांसी ● कतरिसकरितियहोतिउदासी
समुझीनहींकहाजियआई ● रूरुकिउठीकतभ्रतिभ्रमपाई
हंसिभुजंगहनलगेमनमोहन ● बैठतक्योंनहिंप्रियममगोहन
मोहिछुवोजिनदूररहौजू ● बसतहियेकिनताहिगहौजू ॥
तुमचतुरेसबऔरअयानी ● हमदासीअरुयेपटरानी ॥ ● ॥
उरमेंमनभावतीबसाई ● हंसीकरनकोंहमैंबनाई ॥ ● ● ॥
लखिलखिप्रियावदनसुखकारी ● हंसतमनहिमनकुंजबिहारी
कहतिकहाभामिनिभईभोरी ● तोबिनउरकोबसतकिशोरी
तूममश्रवणनैनमुखबानी ● जीवनप्राणअधारसयानी ॥ ● ॥
बृथाक्रोधकतजियमेंआने ● मेरैकह्योनहीक्योंमाने ॥ ● ॥
सुनउंस्यामहिरदेबसतसोरुपयेनरुपाय ॥
ज्यौंशीशीकेमाहिंजलपरगटपरतलखाय ॥

बातैंकहततबनाय वहदेखतहमसोंहंसत ॥
जैहैकछुंअनखाय उरलैंतबपछितायहौ ॥
जोवहकहैकरौतुमसोऊ ● वहनागरितुमनागरदोऊ ● ॥
मतहिखिजावौमोहिकन्हाई ● भलीकरीजैसौतदिखाई ॥ ॥
जाकुंचलेअबमैंसुखपायौ ● ऐसेंकहिमनमानबढ़ायौ ● ॥
रिसकरिश्रीनरहींगहिप्यारी ● देतिमनहिमनवाकौंगारी ॥
सोचतस्यामदेखिमनमाहीं ● बोलसकतनहिप्रियहिडराहीं
कहतबृथाजियमाननकीजै ● नहिअपराधजानजियलीजै
कौंरिसकरतिप्रियामनमाहीं ● मेरेउरतेरीपरछाहीं ● ॥
यहसुनिकुंवरिअधिकारानी ● बोलीरिसकरिपियसोंबानी
कहाबनावतबातेंहमसों ● जाकुंचलेबोलौंनहितुमसों ॥ ● ॥
यहकहिअरगईह्वैप्यारी ● भयेबिरहबसतबगिरिधारी ॥
अतिव्याकुलतनमनअकुलाहीं ● बारबारसोचतउरमाहीं ॥
गयौसरोजबदनकुम्हलाई ● तहांएकसखिदूतिकाआई ॥
सोहरिसोंबूझतभईकहउनमोहिसुनाय ॥
आजदसाकैसीलखतिबैठेकहागंवाय ॥ ● ॥
क्यौंतनरहेभुलाय अतिव्याकुलदेखतितुम्हैं ॥
रह्यौबदनकुमलाय ऐसौसोचकहापरयौ ॥
बोलेस्यामसखीहितजानी ● विरहबिकलकहिजातनबानी ॥
कियौमानबृषभानकिशोरी ● मैंकछुनहिअपराधकियौरी ॥

लखिमेरेउरनिजपरछाहीं ॥ रूसरहीकरिकोपबृथाहीं ॥
मैंकहिकैबहुभांतिमनाई ॥ नहिप्रतीतराधाउरआई ॥ ॥
बिनसमझेइतनौहठकीनौ ॥ तबतेंमोहिमदनदुखदीनौ ॥
ऐसेंकहिसोचतबलबीरा ॥ लेतनैनभरिसांसअधीरा ॥ ॥
परमचतुरदूतिकासयानी ॥ विरहबिकलतापियजियजानी ॥
कह्यौधीरधरियेबनवारी ॥ चलियेबनकौंकुंजबिहारी ॥
मैंप्यारीलैतुमहिमिलाऊं ॥ आजकह्यौतौतुमसौंपाऊं ॥ ॥
गईसदनतेंलैबनधामहिं ॥ तहांबिठारिधीरधरिस्यामहिं ॥
मैंलैआवतिराधाप्यारी ॥ कितेकबातयहसुनहुंविहारी ॥
मेरेआगेकीवहवारी ॥ कहामानकरिहैसुकुमारी ॥ ॥ ॥

ऐसेंकहिचातुरअलीआतुरलखिघनस्याम ॥
श्रीबृषभानललीजहांचपलचलीव्रजधाम ॥
मनमनरचतसयान नईबनाऊंबातइक ॥
अबहिछुडाऊंमान मोसोंधोंकहिहैकहा ॥

हरिसोंरूसिमानकरिबैसी ॥ अबहीकहाभईबहऐसी ॥ ॥
करतिबिचारयहैमनमाहीं ॥ गईसखीराधाकेपाहीं ॥ ॥
कुंवरिकिशोरीपरमसयानी ॥ मुखदेखतहिदूतिकाजानी ॥
सहजहिबोलितांहिढिगलीनी ॥ सहजहिकह्यौमयाकितकीनी
तुरतहिकहितबसखीसुनायौ ॥ तुमकौंबनघनस्यामबुलायौ
सुनतकह्यौप्यारीअनखाई ॥ काहेकौंमुहिस्यामबुलाई ॥

तूआईयाईकेजीन्हे ॥ मैंअबस्यामभलेकरिचीन्हे ॥ ॥ ॥
कहाकह्यौतेकौंरीआली ॥ तूहूभलीअरुवेबनमाली ॥ ॥
उनकीमहिमाकहतनआवै ॥ अबइकनईनारिमनभावै ॥
ताकौंलैउरमाहिंबसाई ॥ तोहिउहांतेंटारिपठाई ॥ ॥
आजकह्याकछुकलहभयौरी ॥ कहिधौंकछुतेंमानठयौरी ॥
तबहिआजअनमनीबखानी ॥ यहतौमैंकछुबातनजानी ॥
मोसौंनहिकछुहरिकह्यौसहजपठाईलैन ॥
कहाधौंपरीपुकारह्यांतुमचलिदेखऊनैन ॥
कहतसुनायसुनाय लैलैतेरौनामसब ॥ ॥
तैंधौंलियेछिडाय कहिकाकेकागथहि ॥ ॥
काहेकौंगथलियौपरायौ ॥ अपनौनामकुनामधरायौ ॥ ॥
डारिदेऊजाकौजोलीनौ ॥ नेरेबऊतदईकोदीनौ ॥ ॥
तबहीतेंउनशोरलगायौ ॥ ताकारनहरितोहिबुलायौ ॥ ॥
हरितेरीदिसतेंझगरेरी ॥ तूकतउनसौंरोसकरैरी ॥ ॥
यहकछुनैखीबातसुनाई ॥ मैंकाकौधनलियौछिडाई ॥ ॥
काहेकौहरिझगरतमाई ॥ इतीमयामोपैकहाआई ॥ ॥
जैसेहैंतैसेहरिजाने ॥ नहिउनकेगुणपरनबखाने ॥ ॥
बैठिकिधौंतूघरजाअपने ॥ मैंउनपैअबजाऊंनसपने ॥ ॥
हौंकह्यातेहिमनावनआई ॥ मानकरैतुमऔरसवाई ॥ ॥
परधनलैसबकौब्रजबैठी ॥ कहाकरतिबातेंयौंऐंठी ॥ ॥

देनिजबाबसबनकिनजाई ॥ मोपैकहाइतनैसतराई ॥ ॥
तबतेंसबसोंलरतकन्हाई ॥ जबमैंतोहिबुलावनआई ॥ ॥
बारबारतूकहाकहलिरीमोकोंडरपाय ॥
मैंनहिकाहूकोलियौझूठहिदोषलगाय ॥
लरतकौंनसोंस्याम कौंनेकरीपुकारबन ॥
कहैनतिनकौनाम सांचतबहिमैंमानिहौं ॥
तबबदिहाऐसैंकहिहैरी ॥ स्यामनिकटबैठेजबबैरी ॥ ॥
कहांलगिसबकेनामबताऊं ॥ एकएककरितोहिदिखाऊं ॥
नभजलधरखिबनऊमेंआये ॥ कहांलगिमोतेंजातसुनाये ॥
जोतिनकीनहिगयहिचुराई ॥ तौतूकतबनचलनिडराई ॥ ॥
परीबानतोकौंयहकैसी ॥ भलीकहतअलिजगतिअनैसी ॥ ॥
स्यामबिनाकौंन्यावचुकैरी ॥ तिनहीसोंतूरोसकरैरी ॥ ॥ ॥
कोटिकरीएकैपुनिह्वैहौ ॥ वेअरतुमकबुजियकेद्वैहौ ॥ ॥
मानकहीचलिस्यामबुलाई ॥ अवलागिहरिमोहिपठाई
जिनकीयहसबसोजतुम्हारे ॥ तेजनहरिपहजायपुकारे
इंदुकहतमोबदनबिगोयौ ॥ अलिकुलअलकमकौदुखरोयौ
हरणामीनछविद्गनचुराई ॥ खंजनकूंतहांदेतदुहाई ॥
शुककीछविनासाहरिलीनी ॥ बैननकरीकोकिलाहीनी ॥
अधरबिंबदाडिमदसनलूटेकंठकपोत ॥ ॥
लईतरणिछविछीनकैतरलतरौनाजोत ॥ ॥

चक्रवाककुचदोय कटिहरिकदलीजंघसिय ॥
गजमरालगतिजोय चरणपाणिपंकजहरे ॥
येसबहरिसोंकरतलराई ● तेंजुकरीइनसोंअधिकाई ● ॥
अनिअनीनिलखिकुं वरकन्हाई ● पठईमोहितेनतोहिआई
प्रीतिउत्तर अपनोकरिचलिके ● इहांरहीकहाबैठिमचलिकै
सुनिपियकेगुणतियहंसिदीनो ● कछुसकुचीमनमानजोलीनो
चतुर सखीजियकीसबजानी ● तबहियहरषिकहीयहबानी
आनकहाअबतोहिपरीरी ● अबतबलखिनिजकांहडरीरी ॥
मादिनदर्पनलखिभ्रमकीनो ● सोदृगमूंदमेटिहरिदीनो ॥
आजदेखिपियडरनिजछांहीं ● कियैइतोहठकुं वरिबृथाहीं
यहसुनिसमुझमनहिंसकुचाई ● सहचरिकंठविहसिलपटाई
रसकरितुरतमानबिसरायो ● सुनिवनधामस्यामसुखपायो ॥
हंसिकैकह्योसखीसोंजारी ● तूहरिसोंकहिआवतिप्यारी ॥
मैंअंगभूषणवसनसंवारी ● आवतिवनहिजहांवनवारी ● ॥
यहसुनिहरषोदूतिकागई जहांघनस्याम ॥
अतिव्याकुलतनसुधिनहीविहवलकीनोकाम ॥
बैठतउठतअधीर कोंहूंसुचपावतनहीं ॥
बर्णतिविरहकीपीर श्रीराधाराधारटत ॥
राधाविरहविकलगिरिधारी ● कहूंमालकहूंमुरलीडारी ॥
कहूंमुकुटकहूंपीतपिछौरी ● नहिंकछुसुरतिभईमतिबौरी

कबहूंलोटतकुंजनमाहीं ❁ कबहूंबैठद्रुमनकीछाहीं ❁ ॥
कबहूंमूंदिद्दगध्यानलगावैं ❁ कबहूंप्यारीकेगुणगावैं ❁ ॥
ठाढेटेकिकबहूंद्रुमडारी ❁ तकतप्रियापथपलकबिसारी ॥
देखिदसादूतिकासयानी ❁ कहीश्यामसोंआतुरबानी ॥ ❁ ॥
काहेकौंकदशनबिहारी ❁ मैंल्याईबृषभानदुलारी ॥ ❁ ॥
बिरहबिषाददूरकरिडारौ ❁ नेकुधीरअपनेमनधारौ ॥ ❁ ॥
सुनिप्यारीकौनामकन्हाई ❁ मिलेदूतिकासोंउठिधाई ॥
कहांप्रियाकहिअतिअकुलाये ❁ नैनसरोजनीरभरिआये ॥
तबहंसिकह्योदूतिकाप्यारी ❁ आवतिप्रियाअबहिबनवारी ॥
मैंजुप्रतिज्ञातुमतेंकीनी ❁ बिधिनाआजराखिसोलीनी ❁ ॥

अबअपनेमनहरविकरिदूरकरौसंदेह ॥
आवतिहैबृषभानुजाभुजभरिअंकमलेह ॥
सुखशोभाकीखान नहींकुंवरिबृषभानसी ॥
तुमसमधन्यनआन बडभागनतुमबसभये ❁ ॥

रसिकपुरंदरप्रभुसुखदानी ❁ सुनतसिहानदूतिकाबानी ॥
पुलकतअंगधीरनहिधारैं ❁ पुनिपुनिप्यारीपंथनिहारैं ❁ ॥
निजकरसुमनसुगंधलेआवैं ❁ कुंजभवनरचिसेजबनावैं ॥
अतिकोमलतनजानपियारी ❁ सेजकलीचुनिकरतनियारी ॥
जेद्रुमलतालटकितनलागैं ❁ तेऊपरधरिमनअनुरागैं ❁ ॥
प्रेमप्रीतिरसबसजगस्वामी ❁ करतचरितमानहुंअतिकामी

देखिस्यामकीआतुरताईं ❁ हंसतिसखीमनहरषबढाईं ॥
जानिप्रेमबसहरिसुखरासा ❁ गईबहुरिप्यारीकेपासा ॥
करिशृंगारनवलतनगोरी ❁ राजतिश्रीबृषभानकिशोरी ॥
सहजरूपकीरासकुमारी ❁ भईअधिकभूषणछबिभारी ❁ ॥
अंगअंगछबिपुंजबिराजैं ❁ निरखिमदनतियकोटिकलाजैं ॥
त्रिभुवनकीछबिमनहुंबटोरी ❁ बिधिकीनीबृषभानकिशोरी

देखिरूपमनमगनसखिबोलीबचनसंभार ॥
धन्यधन्यराधाकुंवरितुवगुणरूपअपार ॥ ॥
तोसमाननहितीय तिहिंपुरसुंदरिनागरी ॥
बसतिसदापियजीय तूमोहनमनभावती ॥ ❁ ॥

चलहुबेगअबसहितहुलासा ❁ जागरहीपियकीइतआसा ॥
तेरैइनामजपतमनलाईं ❁ गावततुवगुणश्यामकन्हाईं ❁ ॥
तुवतनपरसपवनजोजाही ❁ उठिआतुरपरिरंभतताही ॥
तेरौरूपआनिउरअंतर ❁ धरतध्यानदृगमूंदिनिरंतर ॥
रमीश्यामतनमनतूजातें ❁ राधारमणनामहैतातें ॥ ❁ ❁ ॥
सुनिसहिचरकेमुखकीबानी ❁ पुलकिप्रफुल्लितमृदमुसकानी
पियकौप्रेमसमुझिसुखपाईं ❁ चलीमिलनगजगतिहरषाई ॥
मुखशशिकनकलतासीगोरी ❁ बालहरनछबिनैनकिशोरी ॥
भूषणबसनअनूपसुहाईं ❁ अंगअंगशोभितछबिछाई ॥ ❁ ॥
अंगसुगंधमनोहरताईं ❁ भ्रमरभीरचहुंओरसुहाईं ❁ ॥

हंसिहंसिकहतिसखीसोंबातें ❁ झरतसुमनजनौरूपलतातें
ऐसेंकरतिप्रकाशपियारी ❁ गईजहांपियकुंजबिहारी ॥
परमप्रेमदोउमिलेश्रीराधानंदनंद ॥ ❁ ❁ ॥
गुणआगर नागरयुगलछविसागर सुखकंद ॥
जोप्रभुअगमअपार वेदभेदजानतनहीं ॥
सोब्रजकरतबिहार बरनपारकोंपावही ॥
कुंजनमंजुफबनछविछाई ❁ भवरगुंजसुखपुंजसुहाई
फूलनसेजरुचिररचिकीनी ❁ चित्रविचित्ररंगरसभीनी ॥
फूलेखगगणकरतकलोलें ❁ जहांतहांमधुरमनोहरबोलें ॥
फूलीवृंदाबनतरुडारी ❁ तनमनफूलेपियअरुप्यारी ❁ ॥
सहचरिसहितमनोहरजोरी ❁ राजतयुगलकिशोरकिशोरी
हावभावकरिरसउपजावें ❁ हासविलासकरतसुखपावें ❁ ॥
सखीकह्योतबकैअबनीके ❁ सकुचिहंसीप्यारीसंगपीके ❁ ॥
नैनकोरपियकौंह्रियताक्यौ ❁ तबहीस्यामपितांबरढाक्यौ ॥
यहछविनिरखिसखीबलजाई ❁ अचलरहौजोरीसुखदाई ॥
धनिराधाधनिकुंवरकन्हाई ❁ धन्यमानरसकेलिसुहाई ॥
धन्यकुंजबनधनिमहिपावन ❁ धन्यलताद्रुमसुमनसुहावन
धन्यसखीधनिसबब्रजबासी ❁ तिनसंगविहरतप्रभुसुखरासी
गयेस्यामस्यामासदनसखीसहितसुखपाय ॥
मानचरितरसकेलिकरिब्रजबासीबलिजाय ॥

मानचरित्रअनूप जेसुभावगावहिंसुनहिं ॥
तेनपरैंभवकूप राधाकृष्णप्रतापतें ॥ ❁ ❁ ❁ ॥

करतचरित्रनानागिरिधारी ❁ सुखसागरभक्तनहितकारी
जाकौंशिवअजध्यानलगावैं ❁ सनकादिकमुनिजपकरिध्यावैं
जाप्रभुकौयशपरमविसारद ❁ गावतअहिपतिनारदसारद ॥
अकलिअनीहअकामअभोगी ❁ योगसमाधिनपावतयोगी ॥
सोप्रभुसबकेअंतरजामी ❁ ब्रजतियप्रेमभक्तिबसकामी ॥ ❁ ॥
बहुनायकह्वैकरतविहारा ❁ ब्रजपुरघरघरनंदकुमारा ॥
रसलीलानानारूपजनावैं ❁ काहूरूठावैंकाहूमनावैं ॥ ❁ ॥
अरसपरसतियसबयहजाने ❁ हरिहैंसबकेधामलुभाने ❁ ॥
अबधबदनकाहूसोंजाई ❁ काहूकेघरबसतकन्हाई ॥ ❁ ॥
सांझकहतजाकेघरआवन ❁ जातप्राततताकेमनभावन ❁ ॥
ब्रजगोपीतिनकौंपतिजाने ❁ कोउआदरहिकोउअपमाने
खंडितवचनसुनतसुखपाई ❁ यहलीलाहरिकेमनभाई ॥

ब्रजमेंकरतविहारहरिब्रजबनितनकेसंग ॥
अखिलकामपूरणकरनभरेप्रेमरसरंग ❁ ॥
कोटिकामकमनीय सुंदरसुखसागरनवल ॥
रमणीमनरमणीय ब्रजभूषणब्रजलाडिलौ ॥

ब्रजबीथननंदनंदनठाढे ❁ अंगअंगसुंदरछविबाढे ॥ ❁ ॥
ललिताआयगईतिहिंपैंडे ❁ मनमोहनशेकीमगबैडे ॥ ❁ ❁ ॥

देखतिदृविललितालचानी ॥ बोलीविहंसिस्यामसाँबानी ॥
कतरोकतमगमेंबिनकाजै ॥ जाकृचलेजितहौहितसाजै ॥ ॥
झूठहिइतौसनेहजनावौ ॥ कबहुहमारेधामनआवौ ॥ ॥
हरिहंसिकह्यौ आजनिसऐहैं ॥ तेरीसौंहमअनततनजैहैं ॥
ऐसेंकहिमधुरेमुसकाई ॥ छांडिदई मगछैलकन्हाई ॥ ॥
ललितागईसदनसुखमानी ॥ ऐहैंस्यामआजयहजानी ॥
सांझहितेंहरिपंथनिहारै ॥ धामआपनेसेजसंवारै ॥ ॥ ॥
भूषणवसननवलतनसाजे ॥ खंजनसेदृगअंजनभ्राजे ॥ ॥ ॥
सुमनसुगंधअनूपमगाई ॥ रचिरुचिरखतिमालबनाई ॥
कबहूंठाढीहोतिदुवारे ॥ कबहूंलखतिगगनकेतारे ॥ ॥ ॥

कहतिस्यामआयेनहीहोनलगीअधरात ॥ ॥
गयेआसदेमोहिपुनिकह्याधरीजियबात ॥ ॥
वेबहुनायकस्याम किधौंलुभानेअनतकहुं ॥
मनमनसोचतबाम कारणकहाआयेनहीं ॥

कैधौंकछुख्यालहिंचितदीनौ ॥ कैधौंमाततपिताडरकीनौ ॥ ॥
कैधौंसोयरहेअलसाते ॥ कैमोघरआवतसकुचाने ॥ ॥ ॥ ॥
ऐसेंसोचतरैनबिहानी ॥ जहांतहांबोलतमचुरबानी ॥ ॥
तबबैठीअपनौमनमारी ॥ कछूसोचकछुरिसउरधारी ॥ ॥
हरिनिसवसेसखीसीलाके ॥ सुंदरस्यामधामलीलाके ॥ ॥
तहांसुखसोवतरैनगंवाई ॥ प्रातहोतललितासुधिआई ॥ ॥

चलेसहजसीलासोंकहिकै ● लियसकोचललिताकोगहिकै ॥
आयेललितासदनबिहारी ● चितैरहीमुखकीछबिप्यारी ॥
अंजनरेखअधरपरराजै ● पीकलीकनैननिछबिछाजै ● ॥
सोहतललितकपोलननीकी ● लाग्यौबंदनकाहूतीकी ॥ ● ॥
तुरतमुकुरलैउठीसयानी ● दिखरायोहरिसन्मुखआनी ॥
कहतिदेखिनिजबदनसुधारौ ● लालकहूंतबप्रातसिधारौ ॥
पीकपलकअंजनअधरदेखिस्यामसकुचाय ॥
रहेनिचोहेंनैनकरिबचनकह्योनहिजाय ॥
ज्यांज्यांसकुचतस्याम त्यांत्यांहठिनागरिकहति
देखउछबिअभिराम हाहामुखकतफेरियत ॥
सकुचतकहाबोलकेसांचे ● आयेतैमोगृहरंगरांचे ॥ ● ● ॥
रैननहीतिप्रातहिआये ● धनिधनिवहजिनलागबनाये ॥
तुमजिनमानउबिलगकन्हाई ● मैतोकरतिआनंदबधाई
क्यौंमोहनदरपननहिदेखौ ● सुधेमोतनकाहिनपेखौ ● ॥
ठाढेकतबैठतक्यौंनाहीं ● कछुकचूकपरीहमपाहीं ● ॥
रहेमूंकह्वैकहाठगेसे ● सोहतहौअलसातजगेसे ॥ ● ● ॥
उत्तरमोहिदेतक्यौंनाही ● मैंतबहीतेंबकतिबृथाही ॥ ● ॥
तबचितयेदृगकोरकन्हाई ● भावअतिहिआधीनजनाई ॥
ग्वालिप्रवीनजानसबलीनौ ● तुरतसेउरतेंतजदीनौ ● ॥
हंसिकरिमोहनकंठलगाये ● भलेस्यामऐसेहूंआये ● ● ॥

अमितअंगजागेनिसजाने ❁ अतिसनेहमनहीमनमाने ❁ ॥
अंगसुगंधमरदिअन्हवाये ❁ बसनआभूषणदैबैठाये ॥ ❁ ॥
रुचिभोजनदैसेजपरपौढायेघनस्याम ❁ ॥
रसबसकरिनवनागरीकियेसुफलमनकाम
सुरमुनिसकतनपाय प्रभुब्रजबासीदासकौं
प्रेमप्रीतबसआय सोगोपीबल्लभभयौ ❁ ॥
कहतसौंहकरिरसिकबिहारी❁तुमप्रियमोहिप्राणतेंप्यारी
सदाबसततुममोमनमाहीं ❁ तुमबिनलहतअनतसुखनाहीं
ऐसेंकहिअतिप्रीतिजनावैं ❁ चतुरबचनकहिचितहिचुरावैं ॥
यहैभावयुवतिनसोंभाखैं ❁ सबहिनकेमनकीरुचिराखैं ❁ ॥
कुलमर्यादलोकडरत्यागी ❁ सबगोपीहरिसोंअनुरागी ❁ ॥
बिनदेखेरिसभावबढावैं ❁ नैननदेखतहीसुखपावैं ❁ ❁ ॥
ब्रह्मसनातनजगसुखकारी ❁ यहलीलाब्रजमेंबिस्तारी ❁ ॥
ललिताकौंसुखदैसुखसागर ❁ चलेसदनअपनेनटनागर ॥
उततेंमगआवतिचंद्रावलि ❁ देखिरहीसुंदरछविसांवलि ॥
बनेविशालकमलदललोचन ❁ चितवनचारुमारमदमोचन ॥
इतमुसकायस्यामतिहिंहेरी ❁ खोरसांकरीभइभटभेरी ❁ ॥
बिहसिकह्यौचंद्रावलिप्यारी❁कहांरहतहरिहमहिंबिसारी
तुमकैसेंबिसरतिप्रियाहंसिबोलेघनस्याम ॥
आजआयसुखदेहिंगेरैनतुम्हारेधाम ❁ ॥

सुनिहरषीजियबाम चलीसदनमुसकायकै ॥
लखिसुखपायौश्याम मुदितगयेअपनेभवन ॥
चंद्राबलिमनअधिकउछाहू ❀ फूलीफिरतकहूतिनहिकाहू
सुखकेकरतिमनोरथनाना ❀ वासरकलपसमानविहाना ॥
भयेअस्तरविनिसिनियरानी ❀ उडगणयेलिदेखिहरषानी ॥
हरिसुखमाकेभवनसिधाये ❀ चंद्रावलिकेभवननआये ❀ ॥
सूनेघरदेखीसोग्वाली ❀ आतुरगयेतहांबनमाली ❀ ❀ ॥
सुखमालखिहरिकौंसुखपायौ ❀ अतिआदरकरिकरिबैठायौ
कोककलाकोविदबरनारी ❀ हावभावमोहेगिरिधारी ❀ ॥
बसेतहांमोहनसुखपाई ❀ चंद्रावलिकोसुरतभुलाई ❀ ॥
इतचंद्रावलिसेजसवारै ❀ बारबारहरिपंथनिहारै ॥ ❀ ❀ ॥
कबहूंभवनकबहुंअंगनाई ❀ कबहूंरहतिद्वारटकलाई ॥
कबहूंसोचकरतिमनमाहीं ❀ आवहिंगेमोहनकैनाहीं ❀ ॥
कबहूंआलसकछुजियजानी ❀ धोवतिहैनैननलैपानी ❀ ॥
कबहुंकहतहरिआयहैंउरमेंहरषबढाय ❀ ॥
कबहुंविरहव्याकुलजरतिअतिआकुलअकुलाय
कबहुंकहतसुखपाय बहुरमणीरमणीयपिय ॥
बसेअनतकहूंजाय मोसोंफूठीअवधबदि ❀ ॥
ऐसेंहिऐसेंरैनविहानी ❀ सुनीश्रवणवायसकीबानी ॥ ❀ ॥
भईकामदुखवामउदासी ❀ जानेश्यामकपटकीरासी ❀ ❀ ॥

कहुंतिनामकरिमनकेमांहीं ● स्यामनामखोटेसबग्राहीं ● ॥
कोकिलस्यामस्यामअलिदेखौ ● स्यामजलदअहिस्यामविशेखौ ।
तिनहींकीकरनीहरिलीनी ● मोसोंप्रीतिकपटकीकीनी ॥
ऐसेंक्रोधविरहबसबाला ● सुखमासदनरहेनंदलाला ॥
प्रातभयेउठिचलेतहांते ● आलसभरेनैनरंगरांते ॥ ● ● ॥
चंद्रावलीसदनचलिआये ● ठाढेअजिररहेसकुचाये ● ॥
मंदिरतेंरिसभरीगुवारी ● नखतेंसिखलौंरहीनिहारी ● ॥
मनमनकहतिकुटिलअतिगिरिधर ● प्रातहोतआयेमेरेघर
कियौमानमनमेंअतिभारी ● आंगनमैंठाढेबनवारी ॥ ● ॥
औरनारिकेचिन्हविलोकी ● रोकतिरिसहिरुकतिनहिंरोकी
तबबोलीकरिनामतियकहाकाममम धाम ॥
ताहीकेघरजाइयेबसेजहांनिसिस्याम ॥
प्रातदिखावनमोहि आयेरंगबनायकै ॥
मैंसुखपायौजोहि भलेबनेहौलालअब ॥
बिनगुणशोभितहैउरमाला ● बीचरेखनखचंदरसाला ॥
अधरदीपसुतरेखसुहाई ● नागबेलरंगपलकरंगाई ॥
लटपटीपागमहावरलाये ● आलसनैनअरुणाछविछाये ● ॥
चंदनभालमिल्यौककुंबंदन ● यहछविअधिकबनीनंदनंदन
बलयगाडबरपीठधरेहौ ● जान्यौंनागरिअंगभरेहौ ॥ ● ॥
इतनेपरडाहनमुहिआये ● सौहकरनकौंइतउठिधाये ● ॥

जाऊंतहींजासोंमनमान्यौ ॥ जैसेहैंतैसेमैंजान्यौ ॥ ॥ ॥

बिहसिकह्यौतबलालबिहारी ॥ तुमतेंऔरकौनमुहिप्यारी ॥

तुमबिनमोहिकछूंकलनाहीं ॥ बसततसदामनतेरेमाहीं ॥

यहचतुरईकहांपढिआई ॥ चीन्हेहोगुणरसकन्हाई ॥ ॥

यहकहिगईभवनमेंभामिन ॥ रीझेश्यामदेखिछविकामिन ॥

सनमुखजायभयेपुनिठाढे ॥ द्वारकपाटदियेतिनगाढे ॥ ॥

पौढिरहीतियसेजपरबदनमूंदअनखाय ॥

हरितनपुनिचितयौनहीउरमेंमानदृढाय

प्रभुगतिलखीनजाय जोचाहैंसोईकरैं ॥ ॥

पौढिरहेसंगजाय पौढीतियजहांमानकरि ॥

जोदेखैतौसंगकन्हाई ॥ चलीबहुरितियउठिरुहसाई ॥

खोलिकिवारअजिरमेंआई ॥ देखेठाढेजहांकन्हाई ॥ ॥

विनयकरतनैननकोसैंनन ॥ चकितभईदेखतितियनैनन ॥

भीतरभवनगईपुनिप्यारी ॥ तहांअंकमभरलईमुरारी ॥ ॥

नवनागरिरिसगईभुलाई ॥ चेटककरिबसकरीकन्हाई ॥

मानछुडायहुलासबढायौ ॥ तियकौंसुखदीनौसुखपायौ ॥

तबनिजधामगयेगिरिधारी ॥ चंद्रावलिउरआनंदभारी ॥

तहांसखीदसपांचिकआई ॥ चंद्रावलिबैठीजिहिठांई ॥ ॥

औरैबदनऔरअंगशोभा ॥ निरखिरहींदृगदैमनलोभा ॥ ॥

कहतित्रियाकहाहरषबढायौ ॥ कहैनलूटकहूंकछुपायौ ॥

क्यौं अंगसिथलमरगजीसारी ❁ यह्हूक्रविक्रहियनजातमझारी
हमसौंकह्यदुरावतिप्यारी ❁ हमजानीतोंहिमिलेबिहारी ॥
चंद्रावलिकरिचतुरइं ज्यावसखिननहिंदेह ॥
रहीमूंदिमुखमंदहंसिभीजीस्यामसनेह ॥
रह्योध्यानउरछाय वहलीलाबिसरैनहीं ॥
मुखसौंकह्योनजाय गूंगेकौगुरसोभयौ ❁ ॥
तबबोलीबूझतिकह्याआली ❁ युवतीमनमोहनबनमाली ॥
हैलीलाअद्भुतसबजिनकी ❁ कहीनजातबात्तसखिनिनकी ॥
हाहाकहिचंद्रावलिहमसौं ❁ हमहूंसुनेस्यामगुणतुमसौं ॥
कैतोहिमिलेयमुनकेतीर ❁ कैतोहिभवनमिलेबलबीर ❁ ॥
तबचंद्रावलिगदगदबानी ❁ हरषसहितहरिकथाबखानी ॥
सुनिहरिचरितललितसुखकारी ❁ भईप्रेमबससबब्रजनारी
चंद्रावलिधनिधन्यकहीतब ❁ कहनलगीहरिकेगुणगणसब
नंदनंदनसबलायकहैंरी ❁ सबहिनकेसुखदायकहैंरी ❁ ॥
बसेरैनकाहूकेजाई ❁ काहूदेतप्रातसुखआई ॥ ❁ ॥ ❁ ॥
काहूकौमनआपचुरावैं ❁ काहूसोंआपनौमनलावैं ॥ ❁ ॥ ❁ ॥
काहूकेजागतसिगरीनिस ❁ काहूकौउपजावतहैंरिस ॥ ॥
ब्रजबासीप्रभुकेमनभावैं ❁ तैसेइंतैसेचरितउपावैं ॥ ❁ ❁ ॥
यहलीलाआनंदमईसकलरसनकौसार ॥
भक्तनहितहरिकरतहैंगायतरतसंसार ॥

घरघरकरतबिहार ब्रजयुवतिनकेसंगहरि ॥
गावतहैंश्रुतिचार ब्रजबासीप्रभुकेयशहि ॥ ॥
श्रीराधावृषभानदुलारी ॰ नंदनंदनपियकीअतिप्यारी ॰ ॥
सहजरहैअपनेमनमाहीं ॰ नंदसुवननिरखिअंतनजाहीं ॥
नंदभवनकैमेरेगेहा ॰ रहैसदाचितयहैसनेहा ॥ ॰ ॰ ॥
स्यामबसेकाहूनारीके ॰ आयेप्रातसदनप्यारीके ॥ ॰ ॰ ॥
रतिरंगचिन्हअंगपरबाने ॰ सोहतनैनअरुणअलसाने ॰ ॥
प्यारीदेखिरहीमुखपियकौ ॰ जान्यौरंगलग्यौकाहुतियकौ
नवमनविहसिकह्यौश्रीराधा ॰ आजबन्यौपियरूपअगाधा ॥
परउपकारहेततनधास्यौ ॰ पुरवनसबकीसाधबिचास्यौ ॥
कहांपढीयहनीतिबतावौ ॰ हमहूंकौंसोठामसुनावौ ॰ ॥
कह्यौकहांकाकौंसुखदीनौं ॰ धनिधनियहउपकारजुकीनौं
धनियहबातआजमैंजानी ॰ क्यौंनहिकहियतप्रगटबखानी
धन्यमोहियहदरसदिखायौ ॰ धनिधनिजासोंनेहलगायौ ॥
भलीदिखाईआजयहअद्भुतछविअभिराम ॥
सूरउदैलोचनकमलचंद्रउदैउरस्याम ॰ ॥
उरकुचकुंकुमदाग अधरदसनछविराजई ॥
रंगीमहावरपाग यहशोभाअनुपमबनी ॥
क्यौंउठिभोरइहांकौंआये ॰ काहेकौंइतनेश्रमाये ॥ ॰ ॥
तुमहूंभलेभलीहैंवेऊ ॰ कीनौभलौभलैंमिलिदोऊ ॥ ॰ ॥

कौनैाहुइतनैाहितजिनतें ● तौ अबकितबिछुरेहौ तिनतें ● ॥
जाऊनहींबिसुनिदुखपैहैं ● बऊरेतुमसोंमननमिलैहैं ● ॥
तिनहीकोंसुखदीजैमोहन ● जिनसोंनिसिबिलसेमिलिगोहन
तियसन्मुखनहिंलखनकन्हाई ● बदननवायरहेसकुचाई ॥
कबऊनैनकीकोरनिहारैं ● कबऊचरणनखभूमिउखारैं ॥
प्रगटचित्तमनमनमुसुकाई ● खंडितबचनसुनतहरखाई
पियकोसुखप्यारीनहिंजाने ● रेसकरतऊपियमनमाने ॥
जाइ आवनसोइ बकतबदनतें ● जाऊजाऊपियकहतिसदनतें
तुमजानतजियहमहिंसयाने ● और बसतसबलोकअयाने ॥
रैनबसतकऊभोरहमारे ● आवतनाहिंलजातललारे ● ॥
तबहिंस्यामबानीमृदुलबोलेअतिसकुचाय ॥
किनदेख्योंकोंनेकह्यौझूठहितुमसोंआय ॥ ॥
कहतिझूठयहबान खोटीब्रजनारीसबै ॥
तुमतेंप्रियकोआन सैांहकरैंजोमानिये ॥
बिनहींबोलेरहियेजूपिय ● कतरेसेबचननदहियतहिय ॥
झूठीसबैरकतुमसांचे ● नीकेलाजछांडिकैनाचे ॥ ● ॥ ● ॥
सैांहकऊसुनिबोकरिपायो ● सोअबइहांकामहैआयो ● ॥
रेसैंखिजतपीयसोंप्यारी ● आईतहांऔरब्रजनारी ● ● ॥
सखियनदेखिकुंवरिमुसकाई ● उरअंतरहैरिसअधिकाई
तिन्हैकह्यौसैननमेंप्यारी ● देखऊहरिकीछबिहिनिहारी

मौनहिरहेस्यामसकुचाई ❁ युवतिविलोकतिछविअधिकाई
कहतिसबैहंसिहंसिब्रजबाला ❁ कहांपाईछवियहनंदलाला
तबहिसखिनसोंकह्योकिशोरी ❁ करनइतेपरसौंहलखौरी
निसिओरनकेचितहिचुरावत ❁ दरसनदेनप्रातइतआवत ॥
तुमहीअंगचिन्हपहिचानौ ❁ सहीपरैसोबातबखानौ ॥ ❁ ॥
कृपाकरैंतहांहीपगधारैं ❁ नहीकाजइहांबेगसिधारैं ❁ ॥
प्यारीडरअतिरोसलखिअरुसखियनकीभीर ॥
तबतहांतेंबहिरायकैद्वारगयेबलबीर ❁ ❁ ॥
सोचकरतउरमांहिं भरेबिरहआनंदरस ॥
जायसकतकछुनाहिं मनमेंप्यारीडरडरत ॥

॥ अथमध्यममानलीला ॥

जबहीस्यामगयेद्वारेतन ❁ कियोमानप्यारीअपनेमन ❁ ॥
कहतिसखिनसोंदेख्योतुमसब ❁ बहुरिदोषदेतीमोकोंतब ॥
ऐसेस्यामगुणनकेआगर ❁ चोरतचित्तफिरतअतिनागर ॥
ऐसेख्यालमोहिदिखरावैं ❁ जानदेहुअबयहांजिनआवैं ॥
इहांकाजउनकोकछुनाहीं ❁ मैंबैठीअपनेघरमाहीं ❁ ॥
जावतुमहुअपनेसबकामहिं ❁ यौंकहिप्रियागईउठिधामहिं
नखसिखरोसभरीपियप्यारी ❁ जोबनरूपगर्वउरभारी ॥
चलीसखीयहदसानिहारी ❁ द्वारेपरदेखेबनवारी ❁ ❁ ॥
कहतिसुनोमोहनपियहमसों ❁ प्रियारोसकीनौअतितुमसों

तुमरे आवत अतिरिसपाई ॥ यह तुम कहा करी चतुराई ॥
सुनत बात यह कुंवर कन्हाई ॥ भये चकित अति गये झुराई ॥
जान्यौ मान कियौ फिर प्यारी ॥ भये विरह व्याकुल तन भारी ॥
तब सखियन हरि सों कह्यौ चतुर कहावत नाम ॥
करत फिरत वैसे गुन अब क्यौं तकत स्याम ॥
तुमहिं कराये मान छटपट रूप दिखायके ॥
अब लागे पछतान प्रथम बिचार करयौ नहीं ॥
यह सुनि धीरज कियौ कन्हाई ॥ तब इक युवती और बुलाई ॥
तासों कहि सब बात जनाई ॥ दूती करि हरि ताहि पठाई ॥
कह्यो तस्याम तासों यह बानी ॥ बेग मिटे जिय मान सयानी ॥
दूती गई करति मन साधा ॥ बैठी तहां जाय जहां राधा ॥
प्यारी मान ठान दृढ़ बैठी ॥ हृदै रोस भौंहैं करि ऐंठी ॥
डर में सौति साल अति सालै ॥ नेकन हीइत उत कहुं हालै ॥
दूती कछू थाह नहिं पावै ॥ बिना भीत कह्यों चित्र बनावै ॥
मनही मन दूती पछताई ॥ अति आतुर मोहिं स्याम पठाई ॥
यह इत उत कहुं नाहिं निहारै ॥ कहा करौं मन मांझ बिचारै ॥
तब कहि उठी दूतिका नारी ॥ मान कियौ बृषभान दुलारी ॥
कहा करैं मोहन अति कीन्हीं ॥ उनकी बात आज मैं चीन्हीं ॥
ऐसे मैं उनकौं नहिं जाने ॥ अब कैसें उनसों मन माने ॥
घर घर डोलत फिरत निसि बोलत लगत न लाज ॥

आयदिखायेप्रातमुद्दितनटकेरतिरंगसाज ॥
मैंआईअबबाज जितचाह्हौतितहीफिरै ॥
उनकोइहांनकाज राजकरौब्रजमेंसदा ॥
दूतीसुनिप्यारीकीवानी ● अंतरप्रेमरोसलपटानी ॥ ● ●॥
कह्यौयमुनतेंमेंगृहआई ● सखीएकयहबातसुनाई ॥ ●॥
तबमैंरहनसकीघरमाहीं ● भलीप्रकृतहरिकीयहनाहीं ॥
अबद्वारेतेंहरिनटरतहैं ● परघरजानकीसौंहकरतहैं ॥
मनपछतातकहतघनस्यामा ● भूलेऐसोकरऊंनकामा ●॥
तुमजिनमानतजैसुनिमोसों ● यहैकहनआईमैंतोसों ●॥
अबसमरोअरहमसमरावैं ● परघरजानकीबातमिटावैं ●॥
अबमोकौयहबातलखाई ● जाहिनपरघरकुंवरकन्हाई॥
जबदूतीयौंबातबखानी ● द्वारेहैंहरितबयहजानी ●●॥
उमगिउठ्यौरससुनिमनमाहीं ●बाहरिप्रगटकियैसोनाहीं
काहेकोंहरिद्वारखरेरी ● कौनेराखेजाहिंघरेरी ॥ ●●॥
तुरहिमानकरतहिरिसपावति ● यहहरिसोंमैंहींकहिआवति
नईतीयकेहीयकीचतुरदूतिकाजान ॥
अतिआतुरहरिपैगईकहतिआनकीआन
कहीमनाऊलाल नेकुमरमनहिपाइये ● ॥
दीठनजोरतिबाल सूधेमुखबोलतिनहीं ॥
अपनीसौंबऊतेंमैंभाषी ● सुनिऊनमौनहूदैसबराखी ●॥

नेकुनहीऊतरमुखबोलै ● अतिरिसकंपनइतउतडोलै ● ॥
मैंजुकहीसोसुनऊकन्हाई ● भईबूंदबारूकीनाई ॥ ● ॥
भरिभरिलेततिनैनदृगकोरैं ● नहिडारतिबैठीमुखमोरैं ● ॥
निरखीकरिकरिभौंहनतानें ● कोटिकोटिअवगुणमुखगानें
ऐसीहैवहईठतुम्हारी ● कहावसीठिकरैकोऊनारी ● ॥
सुनऊरसिकबरकुंवरकन्हाई ● आपहिलीजेजायमनाई
याकौनामभयौगढवाई ● लीजैताहिसुरंगलगाई ॥ ● ॥
यहसुनिबिरहभरेबनवारी ● मुरछिपरेधरसुरतिबिसारी
सखीउठायलयेअंकवारी ● यौंकतविकलहोतबलिहारी ॥
नागरबडेकहावतहोजू ● धीरधरौसुखपावतहोजू ॥ ● ॥
बातननेकुताहिगहिपाऊं ● तौतबहीमैंतुमहिंमिलाऊं ● ॥
धीरजदेघनस्यामकौंदूतीगईउताल ● ॥
जायकह्योप्यारीनिकटपरेस्यामबेहाल ॥
मुखनहिंबोलतबैन अतिव्याकुलतेरेबिरह ॥
भरिभरिडारतनैन कहाकहौंनसंभारकछु ॥
बारहिबारकहतिपछतानी ● देसुखजोतूकुंवरसयानी ॥
तूहीप्रियाभावतीहरिकी ● औरनहीकोऊतोसरिकी ● ॥
तेरेहिरसबसकुंवरकन्हाई ● तेरेतनकबिरहकुम्हालाई
तेरेहिरूपअधीनखरेरी ● तेरियेचितवनकेचेरेरी ॥ ● ॥
तेरेईरंगबसनतनधारैं ● तेरेईरंगकैतिलकसंवारैं ॥ ● ॥

चंद्रबदनतेरौलखिगोरी ● मोरचंद्रसिरमुकुटकियोरी ● ॥
तेरोइचरितसुनेअरुगानै ● तूमानेभावैंजिनमानै ॥ ● ● ॥
अतिअनुरागस्यामकौतेरौ ● करिबिचारनीकेमैंहेरौ ॥ ● ● ॥
जोजाकौंनीकैकरिजाने ● सोताक्षेंतैसेंहितमाने ॥ ● ● ॥
यहप्रीतिकीरीतिपियारी ● कहैतुबोखिलेअंगिरिधारी ● ॥
तूकहांगईकहनकहाआई ● मैंजानतिहरितोहिपठाई ॥
मानतिकौंनकहीअबतेरी ● जानतिहौंहरिचरितबडेरी ॥
अबधौंकोतिनसौंमिलैजिन्हैंपरीयहबान ॥
उरमेंराखतआनकछुकहतकरतकछुआन ॥
हैंवेकपटनिधान बहुनायकपूरेगुनान ॥ ● ॥
तिनकौकरतबखान जिनवामनह्वैबलछल्यौ ॥
मानकियेअबनाहिबनेरी ● देखिबिचारहियेअपनेरी ● ॥
जाकेगुणगणसुरमुनिमोहैं ● सोतेरेगुणगणिमणिपोहैं ● ॥
सनकादिकजिहिंध्यानलगावैं ● सोतेरेदरसनसुखपावैं ॥
शिवविधिजाकेद्वारखरेरी ● सोप्रभुतेरेद्वारपरेरी ● ● ॥
जाकेपदकमलाकरलीने ● सोतुवपदचिंततमनदीने ॥ ● ॥
अतिआरतनंदलालहियेरी ● सौंहकरतिहौंसीसछियेरी ॥
सुनिप्यारीअतिहठनहिकीजे ● सर्वसुवारिस्यामपरदीजै
यहजोबनबरषाकौपानी ● गर्वनकीजैयाहिसयानी ॥ ● ॥
सबसुखहरिकेसंगकियेरी ● हरिविमुखकैकाजजियेरी ॥

पूरवपुन्यसुकृतिफलतेरौ ● भामिनिमानकह्यौकरिमेरौ ॥
हरिकेरसरंगजोमनभीजै ● रूपसुधाजोनैननपीजै ● ॥
सौंहचरणतेरेसीकीजै ● सुफलदसऊंदिसतैयेंजीजै ● ॥
बृथाजाननहिंदीजीयेहरिसौंकरिकैमान ॥
ऊठतिबैसकेदिननकौसुनतियहहैसयान ॥
हिलमिलकरहिकलोल मैंतेरेहितकीकहति ॥
लेहिस्यामकौबोल परेद्वारविलपतदई ॥ ● ॥
सोईचतुरसुलक्षणनीकी ● सदाभावतीजोपियजीकी ॥
योवनगुणदुतिअरुहितपीकौ ● हैसुंदरितेरेसिरटीकौ ॥
तेरेहितसबव्रजकीबाला ● कियैबुलायरसनंदलाला ● ॥
तूतनस्यामप्राणरीप्यारी ● परछांईअरुसबव्रजनारी ॥ ● ॥
तोसीऔरनहीव्रजगोपी ● तेरेइरूपबसेतियओपी ॥ ● ॥
सुंदरस्यामसकलसुखदायक ● कहाभयौरीजोबहुनायक
तोसमानबृषभानललीको ● शशिहिकहाडरकुमदकलीको ॥
ऐसेंजबदूतीसमुझाई ● तबबोलीतियकछुमुसकाई ॥ ● ॥
बादहिबकतिआयमेरेघर ● बेधतिहैऐसेबचननसर ● ॥
उतकीइतइतकीउतजाई ● मिलवतिझूठीबातबनाई ● ॥
जोचहिहैंतौआपहिऐहैं ● सौंहकरेंअरुहाहाखैहैं ॥ ● ॥
प्रीतिरीतिकछुसमझतिनाहीं ● जोइआवतिसोइकहतिबृथाहीं
जबप्यारीऐसेंकह्यौसखीलियैातबजानि ॥

माननज्यौंअबलाडिलीस्याममिलाऊंआनि ॥
कह्यौसखीमुसकाय नहिंमाननितेरैकह्यौ ॥
स्याममनावैंआय मैंजानीतबमानिहै ॥ ● ॥
अरीमानवेबहुतेतेरे ● लगतमाननीकोईहेरे ॥ ● ● ● ॥
हांसोखेलऔरकौमाई ● तुलतनतेरेविरसहुखाई ॥ ● ● ॥
ऐसेंहीरहिजौलगिजाऊं ● यहसुखहरिकौंआनदिखाऊं ॥
पियमननूतनचौंपबढाऊं ● अतिरसरूपअनूपहुपाऊं ● ॥
यहकहिगईस्यामपैआली ● कहतिअजूसुनियेबनमाली ॥
माननिनाहिंमनायेप्यारी ● कोजानेजियमेंकहाधारी ● ॥
हाहाकरिमेंबहुसमझाई ● सुनततनअधिकहोतिरिसहाई
तुमआतुरबैसीगतिवाकी ● आवतिजातिबीचमेंथाकी ॥ ● ॥
आपहिचलिलीजियेमनाई ● औरभांतिनहिबनतबनाई ॥
बहैबयारजैसीयेजबही ● पीठिआडियेतैसीतबही ॥ ● ॥
मोसीजोपठवौतुमकोरी ● नहिंमाननिवृषभानकिशोरी ● ॥
हौंतौकहतितुम्हारेहितकी ● पाईहैकछुवाकेचितकी ● ॥
चलेबनतिहैलालअबऔरयतननहिकोय ॥
काछकाछियेजौंनहरिनाचनाचियेसोय ॥
आपकाजमहाकाज बडेकहिगयेबातयह ● ॥
तजहुस्यामडरलाज करिबिनतीतियतेंमिलहु
चलौचलेतुमरेहुठजैहै ● देखतप्रेमहुमंगहुरएहै ॥ ● ॥

सखीसंगतबनवसबिहारी ❁ गयेभवनबैठीजहांप्यारी ❁ ॥
आगेभयेसकुचकैठाढे ❁ अतिआधीनप्रेमरसबाढे ॥ ❁ ❁ ॥
नेकनहीइततकउंडोलैं ❁ चित्रलिखेसेमुखनहिबोलैं ॥ ॥
यदपिलालगाढेअतिजीके ❁ सकलसयानपभूलेनीके ❁ ❁ ॥
प्यारीदेखिपियहिमुसकानी ❁ जियडरिपेमोतेंयहजानी ॥
अतिआनंदभयौमनमाहीं ❁ चुपहीरहीकह्यौकछुनाहीं ॥
मनमनकहतनअबकुचटाऊं ❁ आदरकरिपियकौंबैठाऊं
मोसौंस्यामबहुतसकुचाने ❁ अबनहिजैहैंधामबिराने ❁ ॥
सहचरिकह्यौदेखरीप्यारी ❁ कबकेठाढेहैंगिरिधारी ॥ ❁ ॥
मानमनायौप्यारीपियकौ ❁ तूंपियजियपियजीवनजीकौ ॥
प्राणहिंतनहिरूसबौकेसौ ❁ यहकबहूंभयौसुन्यौंनहिऐसौ ॥

करिआदरबैठारिपियहंसिलैकंठलगाय ॥
घरआयेनहिकीजियेऐसीकितसकुचाय ॥
हैतूनागरिबाम मनमेंकहाऐसीधरी ॥
बैठाढेहैंस्याम तूमुखतेंबोलतिनहीं ॥

तबहंसिकह्यौभलीपियबैसौ ❁ अबजिनकामकरहुकहूंऐसौ
अबकीचूकनहींमैमानी ❁ औरदिनाकौंरहियेजानी ॥ ❁ ॥
मेरीसौंहकरौमोआगे ❁ तजसकोचबोलौडरत्यागे ❁ ❁ ❁ ॥
कह्यौसौंहकरिमोहनतबही ❁ औरतियनपैजाततनकबही ॥
नंदभवनतेंअबहीआयौ ❁ तुमरैऐसदेखिसकुचायौ ॥ ❁ ॥

ऐसी अबकाहूकैंबोलै ॐ अबलौकीकरनीनहिखोलै ॥ ॐ ॥
अबजुकाल्हितें अनतसिधारे ॐ तौतुमहींजानौगेप्यारे ॥ ॥
तबहरिहंसिकरसिरपरराखे ॐ बारहिबारसौंहकरिभाखे ॥
सहचरिहंसितबसाखिरहीजू ॐ सखीआजतेंबातयहीजू ॥
पानदयेप्यारीतबलालहि ॐ आईसखीसकलतिहिंकालहि ॥
सौंहकरीसबहिनयहजानी ॐ हंसेश्यामश्यामामुसकानी ॥
आदरकरिसबकैंबैठायौ ॐ निरखियुगलसबहिनसुखपायै
कह्यौसखिनसौंहंसिप्रियाभरिआनंदउछाह ॥
तुमहूंसबमिलकैकह्यौभयेश्यामअबसाह ॐ ॥
लखिलखिसखीसिहात यहसुखलाडिलीलालकौ
बसेश्यामतहांरात प्रातचलेअपनेसदन ॐ ॥
चलेधामनिजश्यामसकारे ॐ देखेठाढेनंददुवारे ॐ ॐ ॥
सकुचिफिरेघरजातलजाने ॐ प्रमुदाकेघरजायसमाने ॐ ॥
चकितबालजबश्यामनिहारे ॐ कहतिलालयेख्यालतुमारे ॥
कहांऊतेगवनेकितमाहीं ॐ कबहूदरसदेतहौनाहीं ॐ ॥
रहतकहांहौसदालुभाते ॐ आयपरेइतकहांभुलाने ॐ ॐ ॥
कहौकहांहौकछूडरेसे ॐ आलसभरेजंभातखरेसे ॐ ॐ ॥
बसेकहूंनिसितियसंगजागे ॐ नैनअरुणअतिरससंगपागे ॥
मलयजउरजछापउरधारे ॐ द्वैशशिमनऊंउदितउजियारे
नैनकछूसकुचतसेऐसें ॐ शशिकेउदयसरोरुहजैसें ॥ ॐ ॥

पुतरीअलिउडिसकैनजानौ ❁ उरफरहेअधगातनमानौ ॥
डगमगातसेडगपगडोले ❁ रसमसेगातसिंगार अमोले ❁ ॥
अंगअंगशोभाकेसागर ❁ धनिधनिजह्नांबसैंरतिनागर ॥ ❁ ॥
विहसिकहिचलेस्यामतबतरककरीतुमबात ॥
समुझीसबहमआयहैंआजतुम्हारेरात ॥ ❁ ॥
सुनिहरषीजियनारि पुलकगातआनंदउर ॥
ऐहैंआजमुरारि सांझपरेमेरेसदन ॥ ❁ ❁ ॥
प्रातहितेंमनहरषबढायो ❁ नौसतसाजसिंगार बनायो ❁ ॥
बारबारदर्पनमुखदेखै ❁ भूषणबसनअंगअवरेखै ॥ ❁ ❁ ॥
कहूंसुतउविधाजतिवेणी ❁ मांगसंवारतिदधिसुतश्रेणी ॥ ॥
भुवनजीयसुतरेखसंवारे ❁ धनपतिपुरिकौनामसुधारे ॥
हीरावलिउरपरलैधारे ❁ स्याममिलनसुखमनहिविचारे ॥
रचिरचिसुमननसेजबनावै ❁ केसर चंदनअगरमिलावै ॥
बकुनायकनंदसुवनकन्हाई ❁ गयेअनतयाकौंबिसराई ॥
वासरऐसेंकरतबिहानो ❁ एकजामनिसिकोनियरानो ❁ ॥
पखैसोचविरहाअकुलानी ❁ स्यामनआयेकहाधौंजानी ॥
गयेसांझहीकौंकहिआवन ❁ अजहूंनहिआयेमनभावन ❁ ॥
कैधौंआवतहैंअबधाये ❁ किधौंपरेकहुंफंदपराये ❁ ❁ ❁ ॥
वेबहुरमणीरमणबिहारी ❁ कैधौंमेरीसुरतबिसारी ❁ ❁ ॥
कुमुदाकेघरहरिरहेबढ्योअधिकउरहेत ॥

भीजेदोऊप्रेमरसम्ररसपरसमुखलेत ॥
मुदितस्यामसंगवाम क्षिणासमबीततजामतिहिं ॥
याकौंयुगसमजाम बीततनभतारेगनत ॥
वैसेउन्हायाहिइहिंरीती ● भयेभोररजनीसबबीती ● ● ॥
मनहीमनयुवतीपछितानी ● मोसोंस्यामकुटलईठानी ● ॥
गयोमदनदुखवदनम्रुराई ● रहीबैठसदनहिमुरझाई ॥
आईतहांसहजइकआली ● देखीविरहबिकलतनग्वाली
लोचनजलजभरेजलढरैं ● मनमारेमहिनखनविदारै ॥
बूझनलगीनिकटसोजाई ● कहाभयौतोकौंरीमाई ॥ ● ॥
आनंदरहतआजमुखतेरौ ● देखतहोतविकलमनमेरो ● ॥
सोतौबातभईहैकैसी ● मोहिसुनायकहतिकिनतैसी ● ॥
तबबोलीमधुरेतियबानी ● अंचरपोंछिनैनकौपानी ॥ ● ● ॥
कहाकहौंतोसोंरीआली ● कपटीकुटिलकठिनबनमाली ॥
मोसोंगयेअबधबदिमाई ● अनतहिलुब्धरहेकछुजाई ● ॥
कियेनहीमेरेगृहआवन ● भयेसखीनैनादोऊसावन ॥ ● ॥
एसेगुणहरिकेसखीनिपटकपटकीखान ॥
अबउनसोंमोसोंकहाबनेलियेपहिचान ॥
तोहिमिलैजोआज मेरीसोंकहियोउन्है ॥
गहौकछूजियलाज बचननकेसांचेबडे ॥
उन्हैगईमैंकछूबुलावन ● आपहिअजिरगयेकरिपावन ॥

मोपैंरूपाश्रापयहकीन्ही ॥ नोसोंकहीतबहिमैंचीन्ही ॥ ॥
काल्हिकहूंजागेनियगोहन ॥ जातऊतेअपनेघरमोहन ॥
द्वारेनंदहिदेखिडराने ॥ मेरेगृहआयेसकुचाने ॥ ॥ ॥
डगमगपगदृगनींदभरेरी ॥ बारहिंबारजंभातखरेरी ॥ ॥
जबमैंकह्योकहांतेंआये ॥ तबमोतनसन्मुखमुसकाये ॥ ॥
ऊतरनहींदियैसकुचाई ॥ स्यामकरीतबयहचतुराई ॥ ॥
कह्योधाममेरेनिसिआवन ॥ आपहिंश्रीमुखबचनसुहावन
रैनजागिमेंसेजसंवारी ॥ तातेंजरीरिसहिकीमारी ॥ ॥ ॥
इतनीकहतद्वारहरिआये ॥ ग्वालनिभीतरतेंलखिपाये ॥ ॥
देखतहीरिसमेंजहरानी ॥ कहींसुनायस्यामकीबानी ॥ ॥
धन्यधन्ययहघरीबिधाता ॥ आयेमेरेजूसुखदाता ॥ ॥ ॥
ऐसेंकहिचुपह्वैरहीमुरिबैठीरिसगात ॥ ॥ ॥
मधुरेबचननसोंकहतिनिकटसखीसोंबात ॥ ॥
आयेहैंकरिगौन चतुरनारिसंगनिसिजगे ॥
इनसोंमिलिहैंकौन फिरतिकहाकोऊबही ॥
कृपाकरहिंअबइतहिनआवैं ॥ उतहीजाहिंजहांसुखपावैं ॥
सखीलखेसबअंगस्यामके ॥ जागेकऊंनिसिसंगवामके ॥ ॥ ॥
कऊंचंदनकऊंवंदनरेखा ॥ कऊंकाजरकऊंपीकसुवेखा
लखिसरूपहरितनमुसकाई ॥ मानकियैयहदियैजनाई
मनमनसोचतकुंवरकन्हाई ॥ परेकठिनतियकेफंदआई ॥

मेरौनामसुनतहीऐंठी ॥ मानकियैमोसौंफिरबैठी ॥ ॥ ॥
तबहिंस्यामकीनीचतुराई ॥ सैंननहींसोंसखीबुलाई ॥ ॥ ॥
सोकहिचलीजातिघरमाई ॥ तूजोबैठीमानदिढाई ॥ ॥ ॥
अनतहिठाढेभयेकन्हाई ॥ तहांसखीसहजहिचलिआई ॥
निरखिबदनदोउनहंसिदीनौ ॥ सखीकह्यौतुमयहकहाकीनौ
तबहंसिकह्यौसखीसोंगिरिधर ॥ मैंमनायलैहौंतूजाघर ॥
यहसुनिविहसिगईकहिआली ॥ जायमनायलेऊबनमाली
रसिकनकेमणिजानमणिबिद्यमानगुणराय ॥
आपनहूंतहांतेंगयेतिनकौंदरसदिखाय ॥ ॥
रहीअकेलीवाम फिरकैचितयौद्वारतन ॥
तहांनदेखेस्याम अधिकसोचमनमनभयौ ॥
तबजानीफिरगयेकन्हाई ॥ रहीमनहिमनतियपछिताई ॥
भईविरहव्याकुलअतिनारी ॥ मिटगयौमानहदैदुखभारी ॥
कहतिकहामैंयहबुद्धिठानी ॥ आवतहीहरिसोंरुहरानी ॥
भीतरलौंआवननहिदीनौ ॥ कहाक्रोधमोकौंयहकीनौ ॥ ॥
जौक्योंहूंकरिमोघरआये ॥ तौमैंदेखतही उचटाये ॥ ॥ ॥
बारबारऐसेंपछिताई ॥ मनहीरहीमसोसाखाई ॥ ॥ ॥ ॥
स्यामगयेनिहचैजबजानी ॥ न्हानचलीतबयमुनापानी ॥ ॥
अतिव्याकुलमनकछुनसुहाई ॥ कोऊसखीनसंगबुलाई ॥
पहूंचीयमुनातुरतअन्हाई ॥ चलीबहुरिघरकौंअतुराई ॥

भयेस्याममारगमैंठाढे ❁ पांचबरषकेह्वैकविबाढे ॥ ❁ ❁ ॥
आगैह्वैनागरिसैंबोले ❁ सुंदरकोमलबचनअमोले ॥ ❁ ॥
कहांजानिह्वैरीतूनारी ❁ चलबोलतजाकीतूप्यारी ॥ ❁ ॥
बनहिबुलाईस्यामतोहिलेनपठायैमोहि ॥
सुनतबचनचक्रतभईरहीबालमुखजोहि
स्यामनामसुनिकान अतिआनंदउरमैंभयौ ॥
अगमचरितकोजान ब्रजबासीप्रभुकान्हके ॥
करगहिलियैचलीहरषाई ❁ गोपकुमारजानगृहलाई ॥
कहतस्यामबनधामबुलायौ ❁ याबालककौंलेनपठायौ ॥ ❁ ॥
पूछैंयाहिभेदबनकौसब ❁ कहाकह्यौहैहरियासौंअब ❁ ॥
अतिआनंदभयौमनबालहि ❁ अंतहपुरलैगईगुपालहि ❁ ॥
तहांचरित्रकियौनंदलाला ❁ भयेतरुणसुंदरततकाला ❁ ॥
भुजगहिलईहरषिउरलाई ❁ चकितभईनागरिसकुचाई ॥
छांडिदेऊमनमुदितकहतितिय ❁ ऐसेचरितकरतधनिधनिपिय ;
ऐसैंहरिभामिनीमनाई ❁ सुखदैगयेसदनसुखदाई ❁ ॥
परमहरषमनभईगुवारी ❁ रैनविरहतनतापनिवारी ॥
समुझिसमुझिकैपियगुणमनमें ❁ पुनिपुनिहरषनिपुलकतितनमें
हरियेचरितकरतब्रजडोलैं ❁ जसुमतिढिगबालकजिमबोलैं
निजगृहरहेसदानंदलाला ❁ परमविचित्रस्यामकेख्याला ॥
ब्रजबासीप्रभुकीकथा अतिविचित्रसुखखान ॥

मेरौनामसुनतहीऐंठी ❁ मानकियैमोसैंफिरबैठी ❁ ❁ ॥
तबहिस्यामकीनीचतुराई ❁ सैननहीसैंसखीबुलाई ॥ ❁ ॥
सोकहिचलीजातिघरमाई ❁ तूजोबैठीमानदिढाई ॥ ❁ ॥
अनतहिठाढेभयेकन्हाई ❁ तहांसखीसहजहिचलिआई ॥
निरखिबदनदोउनहंसिदीनौ ❁ सखीकह्यौतुमयहकहाकीनौ
तबहंसिकह्यौसखीसैंगिरिधर ❁ मैंमनायलैहौंतूजाघर ॥
यहसुनिविहसिगईकहिआली ❁ जायमनायलेऊबनमाली
रसिकनकेमणिजानमणिबिद्यमानगुणराय ॥
आपनहूंतहांतेंगयेतिनकौंदरसदिखाय ❁ ॥
रहीअकेलीवाम फिरकैचितयौद्वारतन ॥
तहांनदेखेस्याम अधिकसोचमनमनभयौ ॥
तबजानीफिरगयेकन्हाई ❁ रहीमनहिमनतियपछिताई ॥
भईविरहव्याकुलअतिनारी ❁ मिटगयौमानहदैदुखभारी ॥
कहतिकहामैंयहबुद्धिठानी ❁ आवतहीहरिसैंरुहसनी ॥
भीतरलौंआवननहिदीनौ ❁ कहाक्रोधमोकौंयहकीनौ ❁ ॥
जौकौंहूंकरिमोघरआये ❁ तौमैंदेखतही उचटाये ॥ ❁ ॥
बारबारऐसेंपछिताई ❁ मनहीरहीमसोसाखाई ॥ ❁ ❁ ॥
स्यामगयेनिहचैजबजानी ❁ न्हानचलीतबयमुनापानी ❁ ॥
अतिव्याकुलमनकछुनसुहाई ❁ कोऊसखीनसंगबुलाई ॥
पहुंचीयमुनातुरतअन्हाई ❁ चलीबहुरिघरकौंअतुराई ॥

भयेस्याममारगमेंठाढे ❁ पांचबरषके ह्वैकचिबाढे ॥ ❁ ❁ ॥
आगे ह्वैनागरिसोंबोले ❁ सुंदरकोमलबचनअमोले ॥ ❁ ॥
कहांजातिहैरीतूनारी ❁ चलबोलतजाकीतूप्यारी ॥ ❁ ॥
बनहिबुलाईस्यामतोहिलेनपठायेमोहि ॥
सुनतबचनचकृतभई रही बालमुखजोहि
स्यामनामसुनिकान अतिआनंदउरमेंभयौ ॥
अगमचरितकोजान ब्रजबासीप्रभुकान्हके ॥
करगहिलियेचलीहरषाई ❁ गोपकुमारजानगृहलाई ॥
कहतस्यामबनधामबुलायौ ❁ याबालककौंलेनपठायौ ॥ ❁ ॥
पूछैंयाहिभेदबनकौसब ❁ कहाकह्यौहैहरियासोंअब ❁ ॥
अतिआनंदभयैमनबालहि ❁ अंतहपुरलैगईगुपालहि ❁ ॥
तहांचरिचकियैनंदलाला ❁ भयेतरुणसुंदरततकाला ❁ ॥
भुजगहिलईहरषिउरलाई ❁ चकितभईनागरिसकुचाई ॥
छांडिदेऊमनमुदितकहतितिय❁ऐसेचरितकरतधनिधनिपिय
ऐसेंहरिभामिनीमनाई ❁ सुखदैगयेसदनसुखदाई ❁ ॥
परमहरषमनभईगुवारी ❁ रैनविरहतनतापनिवारी ॥
समुझिसमुझिकैपियगुणमनमें❁पुनिपुनिहरषतिपुलकतितनमें
हरियेचरितकरतब्रजडोलैं ❁ जसुमतिढिगबालकजिमबोलैं
निजगृहरहेसदानंदलाला ❁ परमविचित्रस्यामकेख्याला ॥
ब्रजबासीप्रभुकीकथा अतिविचित्रसुखखान ॥

कहतसुनतगावतगुणनहरखतसंतसुजान ॥
ब्रजनायकघनस्याम नटनागरगुणआगरे ॥
ब्रजबासीसुखधाम गोपीपतिनंदलाडिलौ ॥

॥ अथगुरुमानलीला ॥

सखिनसंगबृषभानकिशोरी ● चलीन्हानप्रातहिउठिगोरी ॥
जाकेघरनिशिबसेकन्हाई ● ताघरताहिबुलावनआई ● ॥
ठाढीभईद्वारपरजाई ● कढेतहांतेंकुंवरकन्हाई ॥ ● ॥
औचकमिलेनजानतकोऊ ● रहेचकितइतउततेंदोऊ ● ॥
फिरीसदनकौंतुरतहिप्यारी ● न्हानजानकीसुरतिबिसारी
भईबिकलतनरिसअतिबाढी ● रहगईसखीनिरखिसबठाढी
रहगयेठाढेस्यामठगेसे ● सकुचानेउरसोचपगेसे ॥ ● ● ॥
अबदेखेहरिअतिमुरझाये ● तबसखियनगहिभुजसमझाये ॥
उलटिभईसबहरिकीधाई ● देकेबांहप्रियाजहांल्याई ॥
देखीस्यामआइजहांराधा ● बैठीमानदृढायअगाधा ॥ ● ॥
रिसहीकेरसमगनकिशोरी ● भईस्याममतिदेखतभोरी ॥
ठाढेचकितचित्तअकुलाहीं ● मुखतेबचनकहेनहिजाहीं ॥

ब्याकुललखिनंदलालकौंसखियनकियोबिचार ॥
अबदोऊजैसैंमिलैंकरियेसोउपचार ॥ ● ● ॥
अतिरिसनारिअचेत कोसुनिहैकासौंकहैं ॥
इतयेधरतनचेत परीरुठावनबानइन ॥ ● ॥

प्यारीनिकटगईसबआली ● ठाढेपैरिरहेबनमाली ॥ ● ॥
कहतिमानकीनौतैंप्यारी ● न्हानजानतैंफिरीकन्हारी ● ॥
तोहिलखतह्वोरीगिरिधारी ● अतिहिडरेतनसुरतिबिसारी
मुरछिपरेधरणीअकुलाई ● तरुतमालजनौगयौफुराई ● ॥
तैंऐसेंचितयौकछुउनकौं ● नेकऊचैंनरह्यौनहितिनकौं ॥
तेरेनैनअरीअनियारे ● किधौंबानखरसानसंवारे ॥ ● ● ॥
भौंहकमानतानयौंमारे ● क्यौंकरिरखैंप्राणपियारे ● ● ॥
घायलजिमिमूर्छितगिरिधारी ● अमीबचनअबसींचपियारी
बऊनायकवेतूनहिजानै ● तिनसौंकहाइतौदुखमानै ● ॥
बांहगहौहरिकौंढिगलावैं ● अबवेनिजअपराधक्षमावैं ॥ ॥
गहतिबांहतुमहींकिनजाई ● मोसौंबांहगह्यावनआई ● ॥
कालिहिसौंहमोहिउनदीनी ● आजहियहकरनीपुनिकीनी
देखिचुकीउनकेगुणनिजनैननसुखपाय ॥
तिन्हैंमिलावतिमोहिअबबांहगह्यावतिआय ॥ ॥
मिलौंनतिनसौंभूलि अबजौलौंजीवनजियौं ॥
सहौंविरहकौभूल बरताकीज्वालाजरौं ॥
मैंअबअपनेमनयहठानी ● उनकेपंथनपीऊंपानी ● ● ॥
कबहूंमैंननअंजनलाऊं ● मृगमदभूलिनअंगचढाऊं ● ॥
हसबलैपटनीलनधारौं ● नैननकारेघननिहारौं ॥ ● ● ॥
सुनौंनश्रवणनअलिपिकवाणी ● नीलजलजपरसौंनछिपाणी

सुनतप्रियाकीबातसुहाई ❁ हरषतठाढेपैरिकन्हाई ❁ ॥
सखीकहतियैंहठनहिलीजै ❁ हरिसोंऐसैमाननकीजै ॥
तूहैनवलनवलगिरिधारी ❁ यहजोबनहैरीदिनचारी ❁ ॥
क्षणक्षणजैाकरकौजलछीजै ❁ सुनरीयाकौगर्वनकीजै ॥
नंदनंदनमुखशशिसुखकारी ❁ तूकरिनैनचकोरपियारी ॥
ऊतौप्रेमधनतोयहभारी ❁ सोअबकहितेंकियौकहारी ❁ ॥
कहतिऊनीरूसोंनहिकबही ❁ सोअबरूसतहैजवतबही ॥
सुनिहैसुघरनारिजोकोई ❁ करिहैहंसीप्रेमकीसोई ॥
मानकियैजोभावतेसोंनभावतोहोय ॥
ऊरतेंरिसवतप्रेमकतअंतभावतोसोय ॥
लाखकुहौकिनकोय पियसनेहजोगोयहै ॥
चतुरनारिहैसोय लियेप्रेमपरचौकिनऊं ॥
तुमवेएकनदोयपियारी ❁ जलतेंतरंगहोतिनहिन्यारी ॥
रसरूसनोअसकनजैसो ❁ सदानरहैचाहियेतैसो ॥ ❁ ❁ ॥
तजिअभिमानमिलहिपियप्यारी ❁ मानराधिकाकहीहमारी
चुपनरहतिकहाकरतिमनावन ❁ तुमआईहौबातबनावन
बऊतसहीघरआईयातें ❁ सुरतदिवावतिपिछलीबातें ॥
मोसोंबातकहतिहौकाकी ❁ जाऊघरनअबकछुहैबाकी ❁ ॥
कोऊनकीव्हांबातचलावत ❁ हैवेअबतुमहीकोंभावत ॥ ❁ ॥
तुमपुनीतअरुवेअतिपावन ❁ आईहौसबमोहिमनावन ❁ ॥

यहकहिहरहीरोसभरभारी ❁ गईसखीयेजहांबिहारी ❁ ॥
कह्यौजायहरिसौंहरखाई ❁ आजचतुरईकहांगंवाई ❁ ॥
बिनननिजजांघनचलहिलखारे ❁ कैसेंचहतकियेसुखप्यारे
होमनमोहनतुमबड़नायक ❁ नागरनवलसकलगुणनायक
माननजैनहिलाडिलीथाकीसबैमनाय ॥
बेगयत्नकछुकीजियेरचियेआपउपाय ॥
रच्यौदूतिकारूप तबमनमोहनआपही ॥
करितियस्वांगअनूप गयेजहांप्रियमाननी ॥
बैठेनिकटसखीमिसिजाई ❁ कहतअवणछिगबातसुहाई ॥
बनघनस्यामधामतूप्यारी ❁ करिबैठीयोमानकहारी ॥ ❁ ॥
मैंऊतगईतोहिनहिपाई ❁ हरिकोदसादेखिफिरआई ॥
अतिआरतबनकुंजबिहारी ❁ इकलेखरेगहेद्रुमडारी ॥ ॥
तेरोइनामरटतमुखमाहीं ❁ औरकछूतनकौंसुधनाहीं ❁ ॥
देखतबिथाभईमुहिगाठी ❁ चलतूहोहिनेकछिगठाठी ❁ ॥
कुंजभवनठाढेदोउदेखैं ❁ तबमैंनैनसुफलकरिलेखैं ॥ ॥
अबहरिकहनकपामोहिकीजे ❁ जोबूझियेदंडसोदीजे ❁ ॥
अतिआरतप्रीतमकौंलेरी ❁ हठतजहहाकहीसुनिमेरी ॥
तबकारणबृषभानदुलारी ❁ मेरेपायपरतगिरिधारी ❁ ॥
अबमैंपायपरतिहौंतेरे ❁ करअपराधक्षमाहरिकेरे ॥ ❁ ॥
चाहतकियेस्यामकौंजोई ❁ उन्हैंजाननमेसोंकरिसोई ❁ ॥

क्षणक्षणपरसतचरणकरक्षणक्षणलेतबलाय ॥
कहतप्रियाअबमानतजपुनिपुनिहाहाखाय ॥
सखिलखिसखीसिहात चरितललितनंदलालके
मनहीमनमुसकात भरीप्रेमआनंदरस ● ॥

तबचितयौप्यारीनैननभर ● आयौउघरिलाललीलाउर ॥
स्यामचतुरईमोसौंमांडत ● वेगुणतुमअजहूंनहिंछांडत ● ॥
इनछंदनमेंमानतहौजू ● नीकेसबगुणजानतिहौंजू ॥ ● ॥
रसवादिनमोकौंकरिपाई ● वेबातेंअबदेऊंभुलाई ● ● ॥
यहकहिबहुरिभईरिसहाई ● रहेस्यामठाढेसकुचाई ॥
गहेग्रीवपटअतिआधीना ● जलकेनिकटदीनजिममीना ॥
फिरप्रैठीदैपीठस्यामकौं ● हृदेविरहदुखअधिकबामकौं ॥
करआरसीअग्रलैधारैं ● पटअंतरहरिबदननिहारैं ● ॥
रिसबसधरतनहीमनधीर ● तलफतहियेबिरहकीपीर ● ॥
इतनागरिउतनागरओऊ ● भलीचतुरईवाढेदोऊ ॥ ● ॥
जितेंजितेंमुखफेरतिप्यारी ● तितहीफिरिआवतगिरिधारी
जोइजोइबातभावतिहिंभावें ● सोइसोइबातेंस्यामचलावें ॥

करिहारेछरछंदसबकुवननपावतछांहि ॥
हठछांडतिनहिंलाडिलीहरिसोचतमनमांहि
देखिस्यामकौंदीन विरहविवसप्यारीनिकट ॥
सखियांपरमप्रवीन तबसबसमझावनलगीं ॥

लखरीकमलनैननतोत्र्प्रागे ❁ कबकेहहाकरततत्र्प्रनुरागे ॥ ❁ ॥
तेरेभयतेंकुंवरकन्हाई ❁ त्र्प्रायेतियकौरूपबनाई ॥ ❁ ॥
मधुरमधुरबचननबनवारी ❁ तोहिमनावतहैंरीप्यारी ❁ ॥
हाहाकरित्र्प्ररुपायनलागे ❁ कियौकहाचाहतिहैत्र्प्रागे ❁ ॥
लखहरिखरेमलिनमुरझाये ❁ त्र्प्रादरनहिंचुकियेघरत्र्प्राये
वेतौबनकेभवरबिहारी ❁ तोसीत्र्प्रौरबेलिकोप्यारी ॥ ❁ ॥
करिसन्मानविहसिकरवैसौ ❁ कीनौकहानिठुरमनऐसौ ॥
पावतिकहामानकेकीने ❁ कहागंवावतित्र्प्रादनदीने ॥ ❁ ॥
होतकहाघूंघटपटखोले ❁ कहानसातननकहंसिबोले ॥
ऐसीकहूंकीजियतहैरी ❁ प्रीतमछांडिशखियतबेरी ॥ ❁ ॥
निजबसमदनगुपालहिजानी ❁ ऐसीकहात्र्प्रधिकइतरानी
सुखकीकहतित्र्प्रनखसीत्र्प्रावे ❁ कहातोहिकोऊसमझावे ॥

जोनहिमानतिस्यामसेंमानहिरहिहैहाथ ॥
तबत्र्प्रपनेमनजानिहैजबदहिहैरतिनाथ ॥
ऐसेंकहिहैकौन मानप्रियाहमकहतिहैं ॥
त्रिभुवनठाकुरजौन सोतेरेबसह्वैपरयौ ❁ ॥

ऐसौसमयबऊरिनहिपैहै ❁ सुनरीफिरपाछैंपछतैहै ❁ ॥
यहजोबनहैधनसपनेकौ ❁ मानमनायौपियत्र्प्रपनेकौ ॥ ❁ ॥
त्र्प्रबयेदिनरूसनकेनाहीं ❁ प्रियाविचारिदेखिमनमाहीं ॥
पावसऋतुकियौरीफेरै ❁ गरजतगगनभयौरीघेरै ॥ ❁ ॥

बोलतदादुरचातकमोरा ❁ चहुंदिसकरतिपवनझकोरा ॥
बरषतमेघभूमिहितलागी ❁ नारिसकलप्रीतमअनुरागी ❁ ॥
जेबेलीयीघमकतुदाहीं ❁ तेउलसीतरुसोंलपटाहीं ॥ ❁ ॥
सरिताउमगिसिंधुकोंजाहीं ❁ मिलतसरीसरआपसमाहीं ॥
भयोसमोयहहृदिवसचारको ❁ नंदनंदनपियसंगविहारको ॥
सुनिसखियनकेबचनकिशोरी ❁ उमग्योप्रेमरहीरिसथोरी
नखसिखकह्योजाऊउठिताके ❁ रसकरिहायबिकानेजाके
मुखसोंभलोमनावतमेरो ❁ रहतसदाअनतहिचितघेरो ❁ ॥
साँचबखानतजगतसबविरदतुम्हारोलाल ॥
गहैरहतमनतियनकेविहसिकह्योयोंबाल ॥
भयेप्रफुल्लितस्याम विरहतापतनकोगयो ॥
हरषिउठीसबबाम प्यारीमुखविहसतनिरखि
तबबोलेहरिदोउकरजोरी ❁ तेरोसोंबृषभानकिशोरी ❁ ॥
तूहीहितचितजीवनमोको ❁ सदाकरतआराधनतोको ❁ ॥
तूममतिलकतुहीआभूषण ❁ पोषणतेरेइबचनपियूषण ❁ ॥
तेरेइगुणमैंनिसिदिनगाऊं ❁ अबतजमानहृदैसुखपाऊं ॥
करजोरेबिनतीकरिभाख्यो ❁ कहतसीसचरणनपरराख्यो ॥
यहसुनिकछुप्यारीमुसकानी ❁ तबबोलीउठिसखीसियानी
सुनऊस्यामतुमहोरससागर ❁ रूपशीलगुणप्रीतिउजागर
तुमतेंप्रियानेकनहिंन्यारी ❁ एकप्राणद्वैदेहतुम्हारी ॥ ❁ ॥

प्यारीमैंतुमतुममैंप्यारी ❁ जैसेंदर्पनछांहबिहारी ॥ ❁ ❁ ॥
रसमैंपरैबिरसजहांआई ❁ होयपरतितहांअतिकठिनाई
अबकैहमसबदेतिमनाई ❁ परसौप्यारीचरणकन्हाई ❁ ॥
अबरुठायहौजोगिरिधारी ❁ रामराम तौबङरिहमारी ❁ ॥

जबपरसेप्यारीचरणपरमप्रीतिनंदनंद ॥
छुट्यौमानहरषीप्रियामिट्यौबिरहदुखदंद
उरआनंदबढाय प्रेमकसौटीकसिपियहि ॥
अवगुणमनबिसराय मिलीप्रियाउठिस्यामसें ॥

हरषिमिलेदोउप्रीतमप्यारी ❁ भईसखीसबनिरखिसुखारी
तबदोउउबटिसखीअन्हवाये ❁ रुचिरसिंगारसिंगारबनाये
मधुरमिष्टभोजनमनभाये ❁ दोउअनएकैथारजिमाये ॥
दियेपानअचवनकरिवाये ❁ सुमनसुगंधमालपहिराये ॥
लैबीरापनेकरप्यारी ❁ दीनौंविहसिबदनगिरिधारी ॥
तबहिसुफलहरिजीवनजान्यौ ❁ परमहरषउरअंतरआन्यौ
मिलिबैठेदोउप्रीतमप्यारी ❁ तबसखियनआरतीउतारी ॥
अतिआनंदभरेदोउराजैं ❁ अरसपरसनिरखतछविछाजैं ॥
पायेबसकरिकुंजविहारी ❁ विहसिकह्यौतबपियसोंप्यारी ॥
सुनउंस्यामबरषाऋतुआई ❁ रचऊहिंडोरेशुभसुखदाई
हैमनपिययहसादहमारे ❁ सबमिलिझूलहिसंगतुम्हारे ॥
सुनतियबचनस्यामसुखपायौ ❁ ऐसेंकहिहरिमानकुङायौ

नियमानहरि सोंसैंछुडायैभक्तहितलीलाकरी ॥
निगमनेतिअपारगुणसुखसिंधुनटनागरहरी ॥
यहमानचरितपवित्रहरिकैंप्रेमसहितजुगावहीं
करहिंआदरमानतिनकोसंतजनसुखपावहीं
राधारसिकगुपालकौकौतूहलरसकेलि ● ॥
ब्रजवासीप्रभुजननकौंसुखदकामतरुबेलि ॥
सुफलजन्महैतास जोअनुदिनगावतसुनत ॥
तिनकौंसदाहुलास ब्रजबासीप्रभुकीकृपा ॥

॥ अथहिंडोरावरनलीला ॥

भक्तिवस्यप्रभुकुंजबिहारी ● भक्तनहितलीलाअवतारी ● ॥
सदासदाभक्तनसुखदाई ● करतसदाभक्तनमनभाई ● ॥
प्रेमभक्तिदृढब्रजकीबाला ● भयेवस्यतिनकेनंदलाला ॥ ● ॥
जोजोसुखतिनकेमनभावैं ● सोसोब्रजमेंस्यामबनावैं ॥ ● ॥
समैंसमैंकेसुखदविहारा ● करैंतियनसंगनंदकुमारा ॥ ● ॥
ग्रीषमगतपावसऋतुआई ● परमसुहावनजनसुखदाई ॥
श्रीराधामनकीरुचिजानी ● तबहिंडोरलीलामनआनी ● ॥
यमुनापुलनगयेमनभावन ● बृंदाबनघनपरमसुहावन ॥
सखिनसहितसोहतिसंगप्यारी ● कोटिककरतमनोजविहारी
अतिआनंदउमगिचहुंओरा ● घुमडिरहेपावसघनघोरा ॥
जहांतहांवगपांतिउडाहीं ● चपलाचमकचपलघनमाहीं ॥

गरजतमधुरश्रवणसुखदाई ❁ तैसियबहतसमीरसुहाई
नानारंगखगफूलफलनगोनगनकेचारु ❁ ॥
गजमुक्तनकेझूमकाझालरझबाअपारु ॥ ❁ ॥
शोभितलताविताल अतिउतंगतरुसुमनयुत
रहेपानमिलिपान विविधिनगनमानऊजडे
कनकबरनमयभूमिसुहाई ❁ छविहिंडोरनहिबरनिसिराई
तापररसिकछबीलेदोऊ ❁ उपमाकौंत्रिभुवननहिकोऊ ॥
नंदनंदनबृषभानकिशोरी ❁ गौरस्यामसुंदरछविजोरी ॥
चलेउमंगआनंदउरभारी ❁ निरखतछविनभसुरनरनारी
मोरमुकुटपीतांबरसोहै ❁ स्यामसुभगतनत्रिभुवनमोहै ❁ ॥
प्यारीअंगबैंगनीसारी ❁ शोभितचऊंदिसचारुकिनारी ❁ ॥
युगलअंगभूषणछविछाये ❁ रचिरुचिसखिनसिंगारबनाये ॥
उररतनकेहारबिराजे ❁ सुमनहारअतिसैछविछाजे ❁ ॥
उतकुंडलइतनरवनकीछवि ❁ रहीलजायनिरखिकंपिकोरवि
सखिगणछ्रणतृणतोरिनिहारें ❁ वारतप्राणरीझरिझवारें ॥
भरिउछाहऊंचेसुरगावें ❁ पियप्यारीकोंहरषिझुलावें ॥
तालमृदंगबासुरीबीना ❁ बाजतसरसमधुरसुरलीना ❁ ॥
यहसुखसुनिब्रजसुंदरीअपरसकलनवबाल
बृंदाबनझूलतिकुंवरिराधाअरुनंदलाल ॥
बलीसकलअतुराय नवसतसाजसिंगारतन ॥

गृहकारजविसराय मनमोहनकेरसपगी ॥

चुनकरिपहरिचूनरीसारी ● अरुणचुहचहीकोरकिनारी

यूथयूथमिलहरिपैआवैं ● तिन्हैंप्रियापियनिकटबुलावैं ● ॥

आदरबचनसप्रेमसुनावैं ● सबकेमनकीसादपुरावैं ● ॥

एकनलेतनिकटबेठाई ● एकैचढतपींगपरधाई ॥ ● ● ॥

एकझूलावतिअतिसचुपाई ● गावतिएकमलारसुहाई ॥

रागरंगसुखबरननजाई ● रह्यौजायसुरबनघनजाई ॥

युवतिबृंदचहूंओरसुहाई ● भूषणभीरबरनिनहिंजाई ॥

बसनसुगंधसनेबहुरंगा ● भवरभीरछांडतनहिसंगा ● ॥

हरिमुखशशिलखिभ्रुगअभंगा ● उमंगिमनोछविसिंधुतरंगा

देतचावभरिजबझकझोरा ● होतिअधिकछविबढतहिंडोरा ॥

ऊंचेमिलतदुमनसोंजाई ● लेतजहांतेंसुमनकन्हाई ● ॥

ज्योंज्योंपींगबढतिअतिभारी ● त्योंत्योंडरतिकुंवरिसुकुमारी

शखिशखिसखियनसहितसोंहटिवावतिजाति ॥

जबनहिसकतसंभारितनतबपियसोंलपटाति ॥

हंसतिपरस्परबाल तबहिंडोरराखतपकरि ॥

करतचरित्रसाल पियप्यारीअतिरसभरे ॥

इकउतरतइकचढतिहिंडोरै ● इकआतुरचढिवेकोंदोरै ॥

एककहतिमोहिदेऊउतारी ● एकचढनकोंविनवतिनारी

सबकेमनकीरुचिहरिराखैं ● मधुरबचनसबसोंहंसिभाखैं ॥

कबहूं अकेलेमूलतमोहन ❁ गावतियुवतीसबमिलगोहन ॥
कबहूंयुवतिनदेतचढाई ❁ आपफूलावतकुंवरकन्हाई ॥
कबहूंमुरलीमंदबजावैं ❁ कबहूंसंगसबनकेगावैं ❁ ❁ ❁ ॥
बिचबिचदेतकोकलाटेरैं ❁ रहेसजलघनमुकिअतिनेरैं ❁ ॥
परतिफुंहारमंदश्रमहारी ❁ बहतित्रिबिधिअतिसुखदबयारी
चातकपियपियरटरपुकारी ❁ राधानामरटतबनवारी ❁ ॥
ऐसेंगोपिनसोमनमोहन ❁ करतकेलिकौतुहलगोहन ❁ ॥
अतिआनंदसबनउपजावैं ❁ निरखिसुमनसुरगणबरषावैं
जैजैजैधुनिबोलतबानी ❁ धन्यधन्यब्रजकहतबखानी ❁ ॥
कहतब्रजधनिअमरअंबरसकलमनआनंदभरे ॥
कहतमनमनइहैचाहनहमनबिधिब्रजद्रुमकरे
भक्तहितप्रभुअजसनातनब्रह्मतनधरिअवतरे ॥
बरनकापैजातसोसुखकरतजोनितब्रजहरे ॥
नितलीलाआनंदनितनितनवमंगलगान ॥
धनिजिनकेचितनितरहतब्रजबासीप्रभुध्यान
हरिकेचरिततरसाल जेसप्रेमगावतसुनत
रहतसदानंदलाल ब्रजबासीतिनकेनिकट
॥ अथफागुणबर्ननलीला ॥
जैजैजैश्रीनित्यबिहारी ❁ नित्यानंदभक्तनहितकारी ❁ ॥
ब्रह्मरूपअवतरेमुरारी ❁ नितनवकरतबिहारबिहारी ❁ ॥

नित्यनवलगिरिधरअभिरामा ❁ नित्यरूपराधाव्रजवामा ❁ ॥
नित्यरासजलकेलिबिहारा ❁ नित्यमानखंडितव्यवहारा ❁ ॥
नित्यकुंजसुखनित्यहिंडोरा ❁ नित्यप्रेमसुखसिंधुहिलोरा ॥
नित्यनवलछ्बिहरिसंगजोरी ❁ नित्यनवलछबिमन्मथचोरी
नितबृंदाबनघनसुखदाई ❁ सदाबसंतरहतिजहांछाई ॥
सदासुमननवपल्लवडारी ❁ सदात्रिविधिमारुतसुखकारी
सदामधुपमधुमातेडोलैं ❁ कोकिलकीरसदाकलिबोलैं ❁ ॥
सुनिसुनिनारिहृदैसुखपावैं ❁ मनहोमनअभिलाषबढावैं ॥
बारबारकहिपियसुखपावैं ❁ ऋतुबसंतआईसमुझावैं ❁ ॥
फागुचरित्तअतिसादहमारे ❁ खेलैंमिलिसबसंगतुम्हारे ❁ ॥

ब्रजबनिताहरिसोंहरषिकहतिसुनऊंब्रजराज ॥
देखऊबनशोभानिरखिआतिहिविराजतआज ॥
खेलतहैंदोउफाग मानऊंमदनबसंतमिलि ❁ ॥
लखिउपजतअनुराग यहरसअधिकसुहावनो ॥

द्रुमनमध्यकेसूतरुफूले ❁ करतप्रकाशअग्निसमतूले ❁ ❁ ॥
मानऊंनिजनिजमेरुसुहाई ❁ हरषिसबनहोलिकालगाई
कुंजकुंजकोकिलसुखदानी ❁ बोलतविमलमनोहरिबानी
निलजभईमनौकुलकीनारी ❁ गावतिगृहप्रतिचढीअटारी ॥
नानाखगकेकीशुकसारी ❁ जहांतहांकरतकुलाहलभारी
मनऊपरसपरनरअरुनारी ❁ देतदिवावतहैसबगारी ❁ ॥

प्रफुलितलताविलोकतिजितही ● अलिमधुमत्तजातचलितितही
मानहुंगणिकादेखिसुहाई ● मतवारेलपटतहैंधाई ● ॥
पुहुपपरागअबीरसुहाई ● लियेसमीरफिरतिहैधाई ● ॥
संयोगिनरसअनरसविरहिन ● करिछांडतमनभायोसबहिन
नवपल्लवदलसुमनसुहाये ● बरनबरनविटपनछविछाये ॥
जनुरतिराजसंगछविबाढे ● बहुरंगभरेलसतजनुठाढे ● ॥

भवरगुंजनिझररशबदबजतदुंदुभीचारु ॥ ॥
रचोमंडलीमदनजनुजहांतहांविविधिविहारु
बृंदाविपनसमाज कहांलगिबरनबखानिये ॥
कान्हतुम्हारेराज क्रीडतसबआनंदभरे ॥ ● ॥

रचहुफागुसुखअबनंदलाला ● करजोरेविनवतिसबबाला
सुनिगोपिनकेबचनकन्हाई ● रचीफागुलीलासुखदाई ॥
विहसिकह्यौश्रीगिरिबरधारी ● सजहुसमाजजायतुमप्यारी
हमहूंसखनसंगलैआवैं ● फागुरंगब्रजमाहिंमचावैं ॥ ● ॥
यहसुनिमुदितभईब्रजबाला ● गयेसदनकौंमदनगुपाला ॥
सखाबृंदसबस्यामबुलाये ● सुनतसकलआतुरजुरआये ॥
हंसिहंसितिन्हैंस्यामसमझायौ ● आयौफागुणमाससुहायौ
भैयाहोसबखेलैंहोरी ● भरौअबीरगुलालनझोरी ॥ ● ● ॥
यहसुनिग्वालबालअनुरागे ● होरीसाजसजनसबलागे ॥
कंचनकलसअनेकसुहाये ● केसरकेहुरंगभराये ॥ ● ॥

अतर अरगजाविविधिविधाना॥ लियेसुगंधभाजनभरिनाना।
पीत अरुणांबर बसनबनाये ॥ स्नेहसुगंधन अतिमनभाये ॥ ॥

अंगअंगभूषणललितउरसुमननकीमाल ॥
मैनसैनशोभाहरनबनीमंडलीग्वाल ॥ ॥ ॥

पानभरेमुखलाल उसकायेबाहैंउंगा ॥
फैंटनभरेगुलाल पिचकारीकंचनकरन ॥

फैंटापीतस्यामशिरसोहै ॥ तुर्राकीफलकनमनमोहै ॥ ॥
तापरमोरचंद्रछबिन्यारी ॥ कोटिचंद्ररविछबिबलिहारी ॥
केसरखौरभालशुभकारी ॥ बीचतिलककीरेखसिंगारी ॥ ॥
भौंहैंकुटिलनैनरतनारे ॥ कुंडलफलककेसघुंघरारे ॥ ॥ ॥
चारुकपोलमनोहरनासा ॥ मंदहंसनदुतिदसनप्रकासा ॥ ॥
अधरअरुणचिबुकछबिसींवां ॥ कटिललितकंबुकलग्रीवां ॥
फगाभीनरंगपीतसुहायो ॥ शोभिततनछबिसोंलपटायो ॥ ॥
घेरदारसंजाफजरीकी ॥ फमकिरहीछबिउमंगभरीकी ॥
नैसियेकमलचरणपरपनहीं ॥ कंचनमणिमयमोहतमनहीं
करचूडामणिजटितअंगूठी ॥ लसतअंगुरियनभांतिअनूठी ॥
बाजूबिजोटाजटितरतनकौ ॥ चंदनचित्रतश्यामलतनकौ ॥
फलकतभीनफगाकेमाहीं ॥ सोछबिकहतबनतमुखनाहीं ॥

कटिपरपटपीरोकसेकनककिनारेचार ॥
तापरखौंसेमुरलिकाउरमुकतनकेहार ॥

तापर ललित विशाल माल गुलाबप्रसूनकी ❁ ॥
चितवनहंसनरसाल बन्यौछैलनंदलाडिलौ ॥
बन्यौयूथसबरंगरंगीलै ❁ मधिनायकनंदनंदछबीलौ ॥ ❁ ॥
खेलतश्यामचलेब्रजहोरी ❁ उडतअबीरगुलालनझोरी ॥
बाजततालमृदंगसुहाई ❁ डफमुहचंगबीनसहनाई ॥
औरनगारनकीकलजोरी ❁ बीचबीचमुरलीसुरबोरी ❁ ॥
कोउनाचैकोउभावबतावै ❁ होरीगीतमिलेसुरगावै ॥ ❁ ॥
ब्रजवीथनवीथनखबडोलैं ❁ होहोहोरीमुखतेंबोलैं ॥ ❁ ॥ ॥
मिलतगलिनमेंजोनरनारी ❁ बचतनहींदीन्हेंबिनगारी ॥
अबिरगुलालतासुपरडारैं ❁ भरिभरिपिचकारिनरंगमारैं
बोलतहोरीबचनसुहाई ❁ करिछाडतसबमनकीभाई ॥
गोरसकेरसमांतेडोलैं ❁ घरनघरनकेफारकाखोलैं ॥ ❁ ॥
जोकोउभाजिरहतिघरबैठी ❁ बरिआईआनततिहिंपैठी
अदनचलीदेखैंब्रजनारी ❁ छडनतेंछूटहिंपिचकारी ❁ ॥
गावतहोरीगीतखबदेहिंदिवावहिंगारि ॥
डारतिअबिरगुलालकीझोरीभरिभरिनारि ॥
इतहरिकेसंगग्वाल मुदितगुलालउडावहीं ॥
पिचकारिनकेजाल बरषतभरिकेसरललित ॥
होतकुलाहलआनंदभारी ❁ रंगेअबीरनमहलअटारी ॥
हैगईब्रजकीवीथनबीचा ❁ अबीरगुलालकुंकुमाकीचा ॥

ऐसैंसंगलियेसबग्वाला ● करतफागुकौतुकनंदलाला ॥ ● ॥
भीजरहेकेसररंगबागे ● नखतैंशिखगुलालतैंपागे ॥ ● ● ॥
आनंदभरेमुदितसबगावत ● गुनीजननकेबालनचावत ॥
बरसानेंकौंचलेकन्हाई ● यहसुधिकुंवरिराधिकापाई ● ॥
तुरतसखीसबबोलपठाई ● सुनतसकलआतुरउठिधाई ॥
नवसतसकलमनोरथसाजें ● बरनबरनबरबसनबिराजें ॥
बैंदीभालबिराजतिरोरी ● मुखतंबोलतनकीछविगोरी ॥ ● ॥
होरीखेलसुनतसबचोपी ● आईप्रियानिकटसबगोपी ● ॥
हंसिहंसिसबसौंकहतिकिशोरी ● चलउस्यामसंगखेलैंहोरी
पकरिआजमोहनकौंलीजै ● मनभाईतिनसोंसबकीजै ॥
ललितादिकब्रजनागरीमिलिसबसजौसमाज ॥
तिनमेंश्रीकीरतकुंवरिसबहिनकीसिरताज ॥
परमरूपकीरास गुणआगरनवनागरी ॥
राजतिभरीउलास मनमोहनमनभावती
नखशिखलौंसबसुंदरताई ● रचीछायछविपुंजनिकाई ॥
भूषणाजालालनगकेरे ● शोभितअंगनसुभगघनेरे ॥ ● ॥
मुखछविबरनसकैसोकोहै ● जाहिदेखिमोहनमनमोहै ● ॥
लसतिनवलतनसुंदरसारी ● केसरियाकीनीजरतारी ॥ ॥
गुलगचकौलहंगाचटकीलौ ● घेरघनौअतिछविनछबीलौ ॥
कंकणाकिंकिणिनूपुरबाजै ● होरीसाजसजेसबराजै ॥ ● ॥

रंगगुलालसंगसबलीनौ ॥ सोहतियुवतियूथरंगभीनौ ॥ ॥
मृगमदकेसरमलयमिलाई ॥ मथिमथिकोनेकलसभराई ॥
हाथनमेंलीनेनवलासी ॥ चलीश्यामघनपैचपलासी ॥ ॥ ॥
युवतियूथलैसंगकिशोरी ॥ गहीजायआगेब्रजखोरी ॥ ॥ ॥
उततेंआयेमदनगुपाला ॥ सोहतसंगभीरनवबाला ॥ ॥ ॥ ॥
देखिपरस्परआनंदबाढ्यौ ॥ दुहूंदिसगोलभयोरुपिठाढ्यौ

भरिभरिपिचकारीहरबिइततेंधायेग्वाल ॥
नवलासीलैलैकरनसिमिटचलीउतबाल ॥
भौभटभेरैआनि परीमारपिचरंगकी ॥
करतनकोउकानि मनभाईमुखतेंकहत ॥

भरिभरिमूंठिगुलालचलावैं ॥ होहोहोरीबचनसुनावैं ॥ ॥
केसररंगलैलैपिचकारी ॥ तकितकिमारतपियअरुप्यारी ॥
दुहूंदिसचलतफरफरजेरी ॥ भईगुलालकीघटाअंधेरी ॥
आयपरतजाकेजोबैंडे ॥ सोकेसरकेकलसउलैंडे ॥ ॥ ॥
लगिलगिरहेचीरअंगनसों ॥ पहिचानेनहिपरतरंगनसों ॥
मुखशोभाकछुकहीनजाई ॥ रहीगुलालझलकछविछाई ॥
कविउपमाकछिकहाबखाने ॥ शशिसरोजदोउसकुचाने ॥
सकुचरहितगारीसबगावैं ॥ दुहूंदिसलैलैनामसुनावैं ॥ ॥
बाजतबीनरबाबतंबूरा ॥ तालपखावजढोलकतूरा ॥ ॥ ॥
नवलासीचपलासीगोरी ॥ मारतिग्वालनिकहिकहिहोरी ॥

इकभागैंइकहूकालागै ❁ एकअबीरडारिमुखभागै ❁ ❁ ॥
मच्यौखेलरंगरसअतिभारी ❁ सखियनबोनकह्यौतबप्यारी
छलबलकरिकछुभेदसौंमोहनपकरैंजाय ॥
आंखआंजमुखमांडितबछांडैहाहाकराय ॥
हैंअतिलंगरकान्ह एसैंयेनहिंमानिहैं ॥
बसनचुरायेआन लैंहिदावसोंआपनौ ॥
तबइकतियछलधरवपुकाह्यौ ❁ चलीओढिलीलांबरआछ्यौ ॥
निकसियूथतैंह्वैकैन्यारी ❁ निकसीजितठाढेबनवारी ॥ ❁ ॥
हरिजान्यौआयेबलदाऊ ❁ चलेअकेलेलैंनअगाऊ ❁ ❁ ॥
गयेनिकटताकेहरितबही ❁ धरेधायअंचकतिनतबही ❁ ॥
आईधायऔरसबनारी ❁ लीनेपकरिस्यामअंकवारी ❁ ॥
हंसिहंसिकहतिसकलब्रजबाला ❁ ढीठौबडुतदईतुमलाला
सोफलआजतुम्हेंसबदैहैं ❁ दावआपनौनीकैलैहैं ॥ ❁ ❁ ॥
ठाढेहंसतदूरसबग्वाला ❁ कहतगयेपकरेनंदलाला ॥ ❁ ॥
हंसितिकुंवरिराधादुरिठाढी ❁ पियमुखनिरखिसकुचउरबाढी
किनहूंलियौपीतपटछोरी ❁ काजरदियौकिनहुंबरजोरी ॥
काहूबेनीसीससंवारी ❁ मुखगुलाललावतिकोउनारी ❁ ॥
काहूउरअरगजालगायौ ❁ काहूरंगसीसढरकायौ ॥ ❁ ॥
गयेछूटिमोहनतबैमोहनचलेपराय ॥ ❁ ॥
आयमिलेनिजसखनमेंरहीनारिपछिताय ॥

करमीजतिपछतात कहतिपरस्परबालसब ॥
भलीबनीहीघात दावलेनपाईनही ॥ ● ॥
गयेआजतुमभजनंदलाला ● जैहौकहांकाल्हिगोपाला ॥
करिराखीजैसीतुमहमसों ● सोहमदावलैंहगीतुमसों ● ॥
पीतांबरअपनौयहलीजै ● पठैग्वालकाहूकौंदीजै ॥ ● ● ॥
कैआपहीआयलैजाहू ● अबहमनहींपकरिहैंकाहू ● ॥
हंसतसखासबतारीदैकै ● बैनीछोरतहैंकरलैकै ● ● ● ॥
कहतजाऊफिरिकुंवरकन्हाई ● पीतांबरलैआवऊजाई
आजतहारहियेतेंटूटे ● पीतांबरगहनेदेछूटे ॥ ● ॥ ● ॥
तबहिकह्यौहरिनंददुहाई ● अबहिपीतपटलेतमगाई ● ॥
सखाएकहरिनिकटबुलायौ ● युवतिभेषकरिताहिपठायौ ॥
गयौसुमिलियुवतिनकेमाहीं ● हंसतजायठाढौपटपाहीं ॥
कहतदेऊपटधरैंदुराई ● अबनहिंपावहिकुंवरकन्हाई ॥
अबयहपटहरिकौंतबदैहैं ● दावआपनौजबहमलैहैं ● ॥
ऐसीकहिपटलैलियौआयौचमकिगुवाल ॥
फेसौकरसोस्यामलैचकितभईसबबाल ॥
लखिहरिकीचतुराइ भईथकतब्रजबालसब ॥
धिरवतकहतसुनाइ भलीबनाईआजतुम ॥
गयेआजबचकरिचतुराई ● अबबदहैंजोबचऊकन्हाई ॥
अबतौलागलगीहैहमसों ● जबलगिदावलेतिनहितुमसों ॥

एकरिनचार्वहिंतुमहिंबिहारी ❁ तबकहिहौहमसौंब्रजनारी
कहतस्यामअबभयेसियाने ❁ इनबातनकछुभयनहिंमाने ॥
जानलियैमैंकपटतुम्हारौ ❁ अबतुमकहाकरिसकतिहमारौ
अबहीग्वालनटेरुंलगाई ❁ छाडौंअपनीबिनयकराई ❁ ॥
नेककानिमानतहैंतिनकी ❁ सखीकहावतिहौतुमजिनकी ॥
यहसुनिसबयुवतीमुसकानी ❁ कहाकरतहौस्यामसयानी
तुम्हेंनंदकीसौंहकन्हाई ❁ जोनहिंविनयकरावहुआई ॥
सखनसहिंततबमोहनकरषे ❁ लैलैपिचकारिनरंगबरषे ॥
उनसबयुवतिहोयइकठौरी ❁ लैलैनौलासोकरदौरी ❁ ❁ ॥
दियौसबनकौंमारहटाई ❁ भाजचलेतबकुंवरकन्हाई ॥
भाजेभाजेकहतिसबनारीदैब्रजबाल ॥
जोतुमजायेनंदकेठाढेरहौगुपाल ❁ ॥
फिरबहुरिघनस्याम सखावृंदसबफेरिकै ॥
सिथलकरीब्रजबाम मारिनमारिअबीरकी ॥
ऐसेंखेलतमिलिरसहोरी ❁ इतमोहनउतकुंवरिकिशोरी
गोपीग्वालसंगसबलीने ❁ मोहनसकलरंगरसभीने ❁ ❁ ॥
कबहुपरस्परगावतगारी ❁ कबहुकरतरसवादबिहारी ॥
कबहुअबीरगुलालउडावैं ❁ कबहूंरंगसलिलबरषावैं ❁ ॥
अरसपरसछविनिरखतदोऊ ❁ परमानंदमगनसबकोऊ
ऊर्ध्वविमाननभसुरदेखैं ❁ जन्मसुफलब्रजकौंकरिलेखैं ॥

पुनिपुनिहरषिसुमनबरषावैं ❁ जैजैकरिप्रभुकौयशगावैं ॥
ऐसैंस्यामरंगरसराख्यौ ❁ ललिताआयबीचतबभाख्यौ ॥ ❁ ॥
आजस्यामतुमआचकआये ❁ हमकाहूजानननहिंपाये ❁ ॥
बहुतकरीतुमआयढिठाई ❁ भईसांझअबकुंवरकन्हाई ॥
काल्हिप्रातहैबारहमारी ❁ देखैंगीमनसायतुम्हारी ॥ ❁ ॥
ऐहैंनंदगांवलौंप्यारी ❁ रहियौसजगलालगिरिधारी ❁ ॥

प्यारीकरतेंपानलैदीनेसखीसुजान ॥ ❁ ॥
प्रातआधबदखेलकीराख्योदुहूंदिसमान ❁ ॥
घरआयेघनस्याम सखनसंगगावतहंसत ॥
गईप्रियानिजधाम सखिनसहितआनंदभरी

परमानंदसकलब्रजनारी ❁ हलकेलिसुखकीअधिकारी ॥
लोकलाजकौभयनहिमाने ❁ हलविलाससदाउरआने ❁ ॥
श्रीराधिकाकुंवरिसुखदाई ❁ प्रातसखीसबबोलिपठाई ॥
कियौविचारसबनमिलिगोरी ❁ नंदगांवखेलैंचलिहोरी ❁ ॥
मिलिमोहनसोंयहसुखकीजै ❁ फगुआनंदमहरसोंलीजै ॥
सामासकलखेलकीलीनी ❁ रंगगुलालनसोंबहुकीनी ॥ ❁ ॥
मथिमथिविविधिसुगंधनलीने ❁ भांतिअनेकअरगजाकीने
भरिभरिभाजनकनकसुहाये ❁ अमितसुगंधनजाहिंगनाये
लेकावरनअनेकअपारा ❁ चलेसंगसजिसुभगसिंगारा ॥ ❁ ॥
ग्वालिनयोबनगर्वगहेली ❁ श्रीराधासंगचलींसहेली ॥ ❁ ॥

कुंकुमउबटिकनकतनगोरी ● रूपरासवनवलकिशोरी ॥
एकबैससुंदरसबराजैं ● निरखतकोटिमदनतियलाजैं ॥
नवसतसाजसिंगारतनअंगअंगसबग्वारि ॥
चंद्रावलिललितादिसबअमितगोपसुकुमारि
कोकविबरनेपार प्यारीसबनंदलालकी ॥
शोभाअमितअपार उपमाकैंत्रिभुवननहीं ॥
सुमनसुगंधनगूंथीबेणी ● लटकतकनकरुबीछविश्रेणी ॥
मोतिनमांगबनीअतिनीकी ● केसरआडजडाऊटीकी ● ॥
कुटिलभौंहअलकेंघुंघरारी ● मनमोहनमनमोहनहारी ॥
खंजननैनमधुपमृगहारे ● अंजनरेखसुभगअनियारे ॥
श्रवणनतरिवनरविसमजोती ● नकबेसरलटकेगजमोती ॥
दसनकुंदविंबाधरसोहैं ● चिबुकनीलकणछविमनमोहैं ॥
कंठकपोतमोतिउरहार ● जनुयुगगिरिबिचसुरसरिधार
कुचचकवामुखशशिभ्रमभूले ● बैठिविछुरिमानउंदुउंकूले ॥
करकंकणचूरीगजदंती ● नखमणिमाणिकमेटतकांती ● ॥
नाभिहृदेहिकहाकविबरनै ● कटिमृगराजलेतजनुनिरनै ॥
चरणननूपुरविछियाबाजै ● चालमरालचलतकलराजै ॥ ● ॥
लहंगाकसबपीतरंगसारी ● चमकतचऊंदिसलालकिनारी
नखसिखसबशोभाभरीवनीछबीलीबाम ॥
तिनमेंश्रीराधाकुंवरिराजतअतिअभिराम ॥

लई सबनगहि हाथ पीरेसुमननकीछरी ॥
होरीहरिकेसाथ नंदगांवखेलनचली ॥

प्रेमप्रीतिकेरसबसपागी ❁ नंदनंदनपियकीअनुरागी ❁ ॥
बाजेसुघरबजावैंगोरी ❁ गावहिंकोकिलकंठनहोरी ॥ ❁ ॥
करतिकेलिकौतुकमगमाहीं ❁ अबिरगुलालउडावतिजाहीं ॥
लीनैघेरनंदगृहजाई ❁ बसतनहांमनहरनकन्हाई ❁ ॥
शोभितरूपलतासीगोरी ❁ गावतिफागुनंदकीपौरी ❁ ॥
सुनिसुंदरबरबाहिरआये ❁ हलधरग्वालगुपालबुलाये ॥
एकतएकभईसबनारी ❁ होरीखेलमचौअतिभारी ❁ ॥
मृगमदकुंकुमचंदनघोरे ❁ लैलैपिचकारीकरटोरे ॥ ❁ ॥
गोपीग्वालभरेरुकझोरी ❁ अबिरगुलालनमारहिंगोरी ॥
उडतगुलालघटाघनछाई ❁ महिकेसरकीकीचसुहाई ॥
बाजेसरसमधुरसुरबाजैं ❁ गानसुनतगणगंधर्पलाजैं ॥
धकरतएकएककछुटिभाजै ❁ गारीपढतएकतजलाजै ❁ ॥

होहोहोरीकहतसबभरेपरमआनंद ❁ ॥
सखिनसंगउतलाडिलीइतेसखानंदनंद ॥
औचकधाईबाम गहनहेतनंदनंदतब ॥
गहिपायेबलराम निकसिगयेहरिभाजकै ॥

अतिनिसंकसबब्रजकीगोरी ❁ तामेंअवसरपायोहोरी ❁ ॥
भरिभरिकेसररंगकमोरी ❁ लैलैहलधरकेसिरढोरी ॥ ❁ ॥

अविरउटायअंधेरैकीनौ ❁ ललितागहिदृगकाजरदीनौ॥
व्यंगबचनसबकहतिसुनाई ❁ लेकुरोहिणीमातबुलाई॥
हासविलासविविधिकहिगावैं ❁ इतउतबलककुंजाननपावैं
फगुआमनभावतौमंगाई ❁ हलधरकांडेविनयकराई ❁॥
हंसतसखनमिलिकुंवरकन्हाई ❁ आयेदाऊआंखिअंजाई॥
तबहलधरदुचितेहरिकीने ❁ युवतिनधायस्यामगहिलीने
सिमटेसखाछुडावनधाये ❁ युवतिनतेंहरिछुटननपाये ❁॥
लैलैनवलासीनवबाला ❁ दियेहटायमारिसबग्वाला॥ ❁॥
स्यामहिजीतयूथमेंलाई ❁ भईसबनकेमनकीभाई॥ ❁॥
रसलंपटनंदनंदकन्हाई ❁ दीनौआपुनआनिगहाई ❁॥
लैआईप्यारीनिकटहंसतिकहतिब्रजबाल॥
कहियेअबकैसीबनीबकुतकरतहेगाल ❁॥
एककहतिमुसकाय बसनहरेतेआपुही॥
हमहूंबसनछुडाय लैहिंदावअबआपनौ॥
कान्हकह्योकरिहौकह्यामेरौ ❁ सोईपायभयोअबनेरौ॥ ❁॥
ऐसेंकहतिरूपअनुरागी ❁ मुरलीछोरिबजावनलागी ❁॥
एकनलियोपीतपटछोरी ❁ एकरंगगागरिलैदोरी॥ ❁॥
हरिकेहाथगहेचंद्रावलि ❁ कज्जललैआईसंजावलि ❁॥
ललितालोचनआंजनलागी ❁ एकश्रवणलगिकछुकहिभागी
एकचिबुकगहिबदनउठावै ❁ एकगुलालकपोलनलावै ❁॥

घेरिरहीपरिधाकीनाई ❁ करतिसबैनिजनिजमनभाई ॥
काह्नबेनिगूंथिसंवारी ❁ काह्नमोतिनमांगसुधारी ॥ ❁ ॥
पहिरावतिलहंगाकोऊसारी ❁ काह्नेअंगियाउरधारी ❁ ॥
निरखिनिरखिप्यारीमुसकाई ❁ राखतआपनकुलबडाई ॥
काह्नबदलआभूषणलीन्हे ❁ नेकऊंस्यामपरतनहिचीन्हे ॥
बधूबधूकहिसबहिनगायौ ❁ प्यारीनिकटआनबैठायौ ❁ ॥

निरखिबदनप्यारीहंसीस्यामहंसेसकुचाय ॥
गहिप्यारीनिजपाणितवदीनोपानखवाय ॥
सखियांकरतिकलोल गांठिजोरिआंचरदई
ब्रजमेंरहौअडोल यहजोरीयुगयुगसदा

लीन्हेंमध्यस्यामसबग्वारैं ❁ मगनभईअबवपुनसंभारैं ❁ ॥
पियप्यारीमुखकीछविजोहैं ❁ अरसपरसदोऊमनमोहैं ॥
रंगनभरेरंगीलेदोऊ ❁ त्रिभुवनछविपटतरघटसोऊ ॥ ❁ ॥
एकनैनकोसैनमिलावैं ❁ एकयुगलछविलखिसुखपावैं ❁ ॥
गावतिएकमहरिकैंगारी ❁ बजतमजीरडफकरतारी ❁ ॥
भरिभरिमूठगुलालउडावैं ❁ ग्वालनिकटकऊलगनपावैं ॥
रहीगुलालघटाछविछाई ❁ फूलीमानऊंसांझसुहाई ❁ ॥
लबललितिताकीजसुमतिमाई ❁ घरभीतरतेंबोलपठाई ❁ ॥
हंसिकेमहरिबऊतसनमानी ❁ बिनतीकरीबऊरिमृदुबानी
आजभईभोजनकीबिरियां ❁ देखऊअबराधाकीउरियां ॥

खानपानकरिश्रमहिंनिवारै ● बकुरिखेलियेनिकटसवारै
ल्यावकुअबलाडिलिहिलिवाई ● कीरतजूकीसौंहदिवाई ॥
तवजसुमतिपहिराधिकहिललितानचलीलिवाय ॥
सकुचजानिमनस्यामअतिछूटेहाहाखाय ॥ ● ॥
हंसेग्वालमुखहेरि ननशोभादेखतखरे ॥
वक्रकौंलीनैटेरि वन्यौआजअतिसांवरै ॥
कहतसखासबदैदैसौंहन ● ऐसेंहिंचलौनंदपैमोहन ॥ ● ॥
चलेभुजागहितहांलिवाई ● छविअनूपवहबरनिनजाई ॥
उतसबयुवतिनकेचितचोरे ● चलेलालइतहैअतिभोरे ● ॥
अतिछविदेखिहंसेनंदराई ● जननीसुनतिदौरितहांआई
निरखिहरखिलीन्हेउरलाई ● अतिआनंदहृदैनसमाई ॥
बारबारकरलेतबलैया ● किनयहकीनौह्यालकन्हैया ● ॥
येऐसीसबब्रजकीबाला ● सकुचतहंसतमनहिंनंदलाला ॥
तुरतस्यामसोइभेषउतास्यौ ● कछिपटपीतमुकुटसिरधास्यौ
युवतिनसहितकुंवरिश्रीस्यामा ● आईनंदमहरकेधामा ● ॥
भूषणबसननवीनबनाये ● जसुमतिलैसबकौंपहिराये ● ॥
अतिसनेहवृषभानदुलारी ● अपनेहाथसिंगारसंवारी ● ॥
निरखिरूपप्रमुदितनंदरानी ● वारतिराईनोनसिहानी ● ॥
विविधिभांतिमेवामधुरऔरमिठाईपानि ● ॥
सादरसबकीगोदमेंभरेहरषिनंदरानि ● ॥

रह्योनंदगृहछाय होरीकौआनंदअति ॥
कहतिजसोमतिमाय फगुआकहासुदीजिये
ललकिकह्योअरैकछुनाहीं ● लैहैंकान्हरफगुआमाहीं ● ॥
देखेबिनरहिसकहिंजुजनकों ● नोमांगेदैहैंहमतुमकों ● ॥
बाढेवंसमहरनंदराई ● चिरजीवऊबलरामकन्हाई ● ॥
जिनतेंयहसुखब्रजमैंलीजति●यहअसीससबहीमिलदीजत
अतिआनंदमगनब्रजबासी ● अष्टिसिद्धिनवनिधिसबदासी
गोपीग्वालभयेअनकूला ● न्हानचलेयमुनाकेकूला ॥ ● ● ॥
जहांबरविटपविविधिरंगफूले ● गुंजतभवरमत्तरसभूले ॥
शीतलसुखदछांहछविछाई ● फूलडोलतहांरचोकन्हाई ॥
झूलतरंगभरेपियप्यारी ● गावतमिलेगोपअरुनारी ● ● ॥
ऐसेंदूरिखेलश्रमकीनो ● अतिआनंदसबनकोंदीनो ● ॥
तवयमुनाजलश्यामनहाये ● माहदेवनसिरतिलकबनाये ॥
दियेदानगिनकोंनंदलाला ● वरषतसुरसुमननकीमाला
बरबिमानप्रसूनसुरगणनिरखिछविआनंदभरे ॥
श्रीनंदसुतसुखधामपूरणकामसबब्रजजनकरे ॥
लूटिसुखरसफागुकोसबमुदितनिजनिजगृहगये ॥
गोपबालगुपालबलनिजधामआयेछविछये ॥ ● ● ॥
कियोजुफागुविहारहरिसारदकहैनपार ● ॥
ब्रजवासीसोकिमकहैबीचासिंधुअपार ॥ ● ॥

जनमनकेसुखदान चरितललितगोपालके ॥
गावतसुनतसुजान ब्रजबासीप्रभुरतिलहत

॥ अथसुदरसनश्रापमोचनलीला ॥

पूरणब्रह्मकृष्णभगवाना ● ब्रजविलासकीनेजोनाना ॥ ● ॥
शिवविधिसारदनारदशेषा ● कहिनहिसकहिंगणेशअशेषा
कीनचरित्तरहस्यअपारा ● ब्रजयुवतिनमिलिरसशृंगारा ॥
सादनरहितकाहूमनराखी ● करीसकलजोजानेभाखी ● ॥
ब्रजविलासरसकेलिबडाई ● भांतिअनेकमुनीजनगाई ● ॥
ब्रजबासीप्रभुसबगुणनायक ● जोकछुकरहिंसोसबहीलायक
सखासंगसबकौंसुखदीनो ● मनभायेंगोपिनकौकीनो ● ॥
महरिनंदपितुमातकहाये ● तिनकेहेतदेहधरआये ● ॥
बालकेलिरससुखकरिभारी ● दियौपरमआनंदमुरारी ॥
गिरिकरधरिब्रजजनसबराखे ● इंद्रादिकसुरजैजैभाखे ॥
गायबत्सबनमाहिंचराये ● कालीनागनाथलैआये ● ● ● ॥
करेचरित्रअनेकक्रपाला ● भक्तनहितप्रभुदीनदयाला ● ॥

भक्तनकेहितलेतहैंप्रभुयुगयुगअवतार ॥
असुरमारथापतसुरनहरनभूमिभवभार
गावतसंतअपार यशपुनीतपावनकरन ॥
पूरिरह्यौसंसार करताहरताआपहरि

इकदिनप्रभुभक्तनसुखदाई ● नंदहृदैयहमतिउपजाई ॥

चलियेआजसरस्वतितीर ● पूजनशंकरसकलअहीर ● ॥
लियेसंगबलमोहनदोऊ ● गोपीग्वालचलेसबकोऊ ● ● ॥
करतकुलाहलआनंदभारी ● पहुंचेतहांसकलनरनारी ॥
सरितपुनीतकियेअस्नाना ● मह्यिदेवनदीनौबहुदाना ॥
देखिदेवस्थलअतिसुखमानी ● सादरपूजेशंभुभवानी ● ॥
पूजाकरनसांझह्वैआई ● अमतिभयेसबलोगलुगाई ॥ ● ॥
खानपानकरिसहितहुलासा ● कियेरैनतहांबनमेंबासा ॥
सोयेहरिहलधरसुखरासी ● तबसोयेसबब्रजकेबासी ● ॥
आधीनिसिअजगरइकआयौ ● नंदमहरकेपगलपटायौ ॥
उठेपुकारिचौंकिनंदराई ● आयेब्रजबासीसबधाई ॥ ● ॥
अजगरदेखिडरेसबकोई ● लगेकुडाबनकुटननसोई ● ॥
हारेयनअनेककरिसर्पनछोडेपाय ● ॥
कह्यकह्यकरिनंदतबगुहरायौअकुलाय
अतिव्याकुलगयेग्वाल तबहीश्यामजगायके
कह्यौमहाइकव्याल लपटानौपगनंदके ॥
सुनतउठेआतुरगोपाला ● निकटजायदेख्यौसोइव्याला ॥
परस्यौताहिकमलपदपावन ● पापआपसंतापनसावन ● ॥
छुवतचरणतिनलइअमुहाई ● धर्योदिव्यतनबरननजाई
नायौहाथजोरिगुणगावन ● जैजैजगतईशजगपावन ● ॥
सबदेवनकेदेवमुरारी ● जैजैजैब्रजगोपबिहारी ● ● ॥

ऋषिअंगिराआपमोहिदीनो ● सोवह्नबकूरनअनुग्रहकीनो ॥
जातेंप्रभुकौंदरसनपायो ● जन्मजन्मकोपापनसायो ॥ ● ॥
ऐसीबिनतीप्रभुहिसुनाई ● आयसुपायचल्यौसिरनाई ॥
बकूरिनंदकौंसीसनवायो ● देखिमहरअतिअचरजपायो
पूछ्यौताहिनंदतबभेवा ● तुमतोदिव्यरूपकोउदेवा ॥ ॥ ● ॥
सर्पशरीरधर्योक्योंआई ● सोसबहमसौंकहौबुझाई ॥ ● ॥
नंदवचनसुनमनसुखपाई ● तबउनअपनीकथासुनाई ॥

हौंयक्षगाथकस्यामकोनामसुदरसनहोय ॥
सुंदरबिद्याधरनमैंमोतेंऔरनकोय ● ॥
इकदिनऋषिकेधाम गयोधरेंअभिमानमन ॥
कियोनतिन्हैंप्रणाम रूपद्रव्यकेगर्वतें ॥ ● ॥

ऋषिअंगिराबडेविज्ञानी ● जानिमोहिजडअतिअभिमानी ॥
दीनोआपकोपकरिएहा ● जायहोऊसठअजगरदेहा ॥
ऐसेंकह्योमोहिऋषिजबही ● अजगरभयोतुरतमैंतबही
देखिदुखितमोहिपरमकृपाला ● भयेबकूरिममशापदयाला
तबकरिकृपाकह्योयहमोही ● कृष्णदरसह्लैहैजबतोही ॥
परसिचरणरजपापनसैहै ● बकूरिआपनोततनतबपैहै ॥
तेपदआजपरससुखदाई ● भयोपुनीतरूपनिजपाई ॥
जोपदरजब्रह्मानहिपावै ● शिवसनकादिसदाचितलावै ॥
मुनिप्रसादसोरजमैंपाई ● कहांलगिमुनिकीकरौंबडाई ॥

दीनदयालजगतहितकारी ● संतसमाननकोउउपकारी ॥
ऐसेंविद्याधरसुखमानी ● नंदहिंअपनीकथावखानी ● ॥
बऊरिक्रष्णचरणनसिरनाई ● गयौलोकनिजउरहरषाई
नंदादिकआनंदसबमहिमादेखिपुनीत ॥
कहतपरस्परक्रष्णगुणगईंतहांनिसिबीत ॥
आयेसबब्रजधाम प्रातहोतआनंदसें ॥
संगस्यामबलराम प्रभुब्रजबासीदासके ॥

॥ अथशंखचूडबधलीला ॥

इकदिनसुंदरमदनगुपाला ● श्रीबलदेवऔरसंगग्वाला ॥
दिवसअंतनिसिसमयसुहाई ● उदितउडपउडुगणछविछाई
प्रफुलितचारुमालतीसोहै ● कुमुदसुगंधपवनमनमोहै ॥
गुंजतभमरमत्तरसलोभा ● चलेतहांदेखनबनशोभा ॥ ● ॥
ग्वालनमिलिगावतदोउभाई ● कबऊंबजावतवेणुकन्हाई
ब्रजबनितागणचऊंदिसघेरैं ● चलीसुनतबंसीकीटेरैं ● ॥
जिनकेतनमनबसेकन्हाई ● मगनभईछविलखिअधिकाई
पऊंचीश्रीबृंदाबनजाई ● गोपीग्वालसंगसमुदाई ॥ ● ॥
विहरतबनविहारदोउभाई ● गोपीग्वालसाथसुखदाई ॥
मंदमंदगतिइतउतडोलैं ● मृदुमुसकायवेतमनमोलैं ॥ ● ॥
रूपरासनिधिछविदोउबीरा ● बैठेजाययमुनकेतीरा ● ● ॥
पाछेंसखाबृंदसबसोहैं ● सनमुखगोपीजनमनमोहैं ॥ ● ॥

करतगानर्मिलमुदितसबभरेप्रेमरसमाहिं ॥
भयेमगनउनमत्तजिमरहीदेहसुधिनाहिं ॥
बाजततालमृदंग बीनचंगमुरलीमधुर ॥
छायरह्यौरसरंग उठतितरंगेंतानकी ॥
प्रेममगनसबघोषकुमारी ● हरिछबिनिरखतिसुरतविसारी
सिथलबसनकचसीससुहाये ● विह्वलतनमनस्यामचुराये
कोहमकहांनहीकछुजाने ● नैनस्यामकेरूपलुभाने ॥ ● ॥
रहीश्रवणमुरलीधुनछाई ● गृहबनकीकछुसुधिनहिंराई
चंद्रबदनिचपलासीगोरी ● हरिमुखनादसुनतिभइभोरी
तहांयक्षश्रीचकइकआयौ ● शंखचूडनामतिहिंगायौ ● ॥
सोवहधनदअनुगअभिमानी ● प्रभुप्रभावनहिजानअज्ञानी ॥
देखतहीबलरामकन्हाई ● सबगोपिनलीनौंअगुवाई ॥ ● ॥
घेरलेतजिमगायअहीर ● उत्तरदिसलेचल्यौअभीर ● ॥
जबगोपिनहरिदेखेनाहीं ● भयोचेतकछुतबमनमाहीं ॥
कहांजातिहमकाकेसाथा ● भईविकलजिमपरमअनाथा ॥
हलककत्तबटेरनलागी ● महादुखितअतिभयसींपागी ● ॥
सुनतश्रवणआरतबचनउठिआतुरदोउभाय ॥
अतिसमीपगोपीनकेतुरतहिपहुंचेजाय ● ॥
मैंआयौहौधाय मतडरपौतिनसौंकह्यौ ॥
अबहीलेतछुडाय तुम्हैंमारियादुष्टकौं ॥

शंखचूडफिर कैतबदेख्यौ ॥ कालमृत्युसमदुखवनपेख्यौ ॥ ॥
भयोत्रसितनबमूढअभागौ ॥ युवतिनछांडजीवलैभागौ ॥ ॥ ॥
गोपिनपासराखिबलभाई ॥ तापाछेंपुनिचलेकन्हाई ॥ ॥ ॥
अतिहीनिकटधायकैलीनौ ॥ मूकाएकतासुसिरदीनौ ॥ ॥
भयौप्राणबिनअधमअन्याई ॥ प्रभुप्रतापउत्तमगतिपाई ॥
अनीएकमणिताकेसीसा ॥ सोलेआयेहरिजगदीसा ॥ ॥
दीनीसौबलकौंनंदलाला ॥ प्रमुदितभई देखिब्रजबाला ॥ ॥
गोपीग्वालसहितदोउभाई ॥ बहुरिकियैसुखबनमेंआई
सोदुखसबकौतुरतभुलायौ ॥ परमानंदसबनउपजायौ ॥ ॥
करतविविधिविधिहासविलासा ॥ गृहआयेपुनिसहितहुलासा
नवकिशोरसुंदरसुखदाई ॥ ब्रजजीवनबलरामकन्हाई ॥
ग्वालबालगायनकेसाथा ॥ क्रीडाकरतललितब्रजनाथा ॥ ॥
देखिदेखिहरिकेचरितपरमविचित्रउदारि ॥
निसिदिनसबप्रमुदितरहतब्रजबासीनरनारि ॥
हरनसकलभयभीर दुष्टदलनजनहितकरन
नंदनंदनबलबीर ब्रजबासीप्रभुसांवरौ ॥ ॥ ॥

॥ अथबृषभासुरबधलीला ॥

नंदनंदनसंतनहितकारी ॥ कमलनैनप्रभुकुंजविहारी ॥ ॥
मुरलीमुकुटधरेब्रजराजै ॥ कोटिकामनिरखतछविलाजै ॥
नितनवसुखब्रजमेंउपजावैं ॥ सुरनरमुनित्रिभुवनयशगावैं

सुनिमुनिअगमकृष्णगुणगाहा ● कंस असुरकर दारुणदाहा
जोजिहिभावनताहिहरितैसे ● हितकैं हितजैसेकोंतैसे ● ॥
हितअनहित यह प्रभुकीलीला ● सदाश्यामसुंदरसुखशीला
रीझखीझहरिकैंजोधावै ● परमानंदअभयपदपावै ॥ ● ॥
रहैकंसडरध्यानसदाहीं ● नंदनंदनपलविसरतनाहीं ॥
शत्रुभावसोचतदिनराती ● नंदसुवनमारैंकिहिंभाती ॥ ● ॥
असुरअरिष्टनामबलभारी ● एकदिवसन्हपलियोहंकारी
तासोंकरिसवमरमबुझायो ● बलसहितब्रजताहिपठायो ॥
नंदनंदनमारनकेकाजा ● चल्यौअसुरकरिगर्वसमाजा ॥
न्हपकोंसीसनवायकैकह्योअरिष्टसुनाथ ॥
कितककाजमहाराजयहमैंकरिआवतजाय ॥
तुमअसुरनकेराज इतनेकोंसोचतकहा ॥
पलमेंमारौंआज बालकनंदअहीरके ● ॥
वृषभरूपसोईअसुरवनाई ● आयौतुरतब्रजहिसमुहाई
गिरिसमानतनअतिबिकराला ● महाकठिनदोउसींगविशाला
पूंछउठायडकारतआवै ● खोदखुरनसोंछारउडावै ● ॥
दृगआरक्तफैनमुखडारै ● कबहूंसींगसोंभूमिबिदारै ● ॥
कबहूंतरुनसोंरगरतजाई ● इतउतखोजतफिरतकन्हाई
उन्नतग्रीवचहूंदिसधावै ● जहांतहांगैयनबिडरावै ॥ ● ॥ ॥
बारबारगरजतअतिभारी ● सुनतडरेसबब्रजनरनारी ॥

बिडरीगायगोपसबभागे ॐ कह्मकह्मकहिटेरनलागे ॐ ॐ ॥
कालसरूपबृषभइकआयौ ॐ सबनकह्मसौंजायसुनायौ ॥
प्रभुसरवज्ञतुरतपहिचान्यौ ॐ बृषभनहोयअसुरयहजान्यौ
विहसिकह्यौमोहनसबपाहीं ॐ मनडरपौचिंताकछुनाहीं ॥
चलेअसुरसन्मुखमनमोहन ॐ गोपग्वाललागेसबगोहन ॥
आगैह्वैहरिहांकदैतासौंकह्यौसुनाय ॐ ॥
रेसठकहतनतरुघसतफिरतबिडरवतगाय ॥
मोसनमुखइतआय तोतनऊपजैजोकंडुजो ॥
अवहीदेऊंमिटाय कहतनंदकौसौंहकरि
बृषभासुरसुनिहरिकीबानी ॐ मनमेंगर्वकियैयहजानी ॥
याहीबालककेबधकाजा ॐ आदरदैपठयौमोहिराजा ॥ ॐ ॥
भलेशकुनमैंब्रजमेंआयौ ॐ जोयाकौंतुरतहिलखिपायौ ॐ ॥
अबहीयाहिपलकमेंमारौं ॐ न्रृपतिकाजकरिजायजुहारौं ॥
ऐसेंअपनेजियअनुमानी ॐ चल्यौस्यामसन्मुखअभिमानी ॥
नूटपस्यौहरिऊपरआई ॐ लियेसींगगहिकुंवरकन्हाई ॥
यहआवतहरिकीदिसधाई ॐ हरिपाछैंलैजातहटाई ॐ ॥
पाछेंपेलस्यामतिहिंदीनौ ॐ बऊरौंबृषभासुरबलकीनौ ॐ ॥
आवतजातअसुरजबहास्यौ ॐ यौंवमोडितबधरणिपछास्यौ ॥
पस्यौअसुरपरवतआकारा ॐ मुखतेंचलीरुधिरकीधारा ॥ ॐ ॥
असुरमारिञ्जनमगतिदीनो ॐ जैजैधुनिदेवननभकीनी ॥

भयेसुखीसबसुरसमुदाई ● बरषिसुमनअस्तुतिमुखगाई

चकितभयेलखिपरसपरकहतसकलब्रजग्वाल ॥

हमजान्यौंकोउवृषभहैयहतौअसुरकराल ॥

दुष्टदलनगोपाल मुदितकहतनरनारिसब ॥

भक्तनकौरछपाल ब्रजबासीनंदलाडिलौ ● ॥

जबअरिष्टमार्योगिरिधारी ● भयोकंससुनिबऊतदुखारी

आयेऊबिनारदतिहिंकाला ● कह्योकंससोंसुनिभूपाला ॥

जिनमारेसबअसुरतुम्हारे ● तेनहिंहैंहिंनंदकेबारे ॥ ● ॥

मैंजान्यौंनिश्चययहभेऊ ● हैंबसुदेवपुत्रवेदोऊ ● ● ● ॥

कन्यालैजोतुमहिंदिखाई ● सोबहूऊतीजसोमतिजाई ● ॥

भयोकछूयहछलसुनराजा ● कोजानेकरताकेकाजा ॥ ● ॥

यहलैपुत्रभयौहोजबही ● कहीऊतीनेसैंमैंतबहीं ● ● ॥

अपनेसौबऊतेंतुमकीनौ ● सोक्योंमिटैजुबिधिलिखदीनौ ॥

करऊयत्नतुमअबऊसबारे ● यहकहिनारदस्वर्गसिदारे ॥

ऊक्योंकंससुनिमुनिकीबानी ● भयोसोचबसमूढअज्ञानी ॥ ॥

प्रथमदेवकीअरबसुदेऊ ● छोडेऊतेबंदतेंदोऊ ॥ ● ● ॥

बऊरबुरेमान्योतिनपाहीं ● राखेबऊरिबंदकेमाहीं ॥ ● ॥

कैसेंमारौंकहाकरोंनिसिदिनयहैबिचार ॥

सालरहेन्हपकंसऊरहलधरनंदकुमार ॥

अबधौंपठऊंकाहि मनहींमनसोचतखरो ॥

काऊंनमारयौताहि असुरगयेतेसबमरे ॥ ॥

॥ अथकेशीबधलीला ॥

असुरनमांहिबडौबलधारी ॥ केशीअसुरवीरअतिभारी ॥
कंसताहितबबोलिपठायौ ॥ अतिआदरकरिढिगबैठायौ ॥
कहतकंसकेशीसुनमोसों ॥ जीकीबातकहतमैंतोसों ॥ ॥
मोसमानराजाकोउनाहीं ॥ मेरीआनसकलजगमाहीं ॥
ऐसेवकमेरेनहिंऐसे ॥ जैसेमैंचाहतहोंतैसे ॥ ॥ ॥ ॥
जासौंकहौंबातमैंजोई ॥ करिआवैकारजवहसोई ॥ ॥ ॥
तातेंमोहियहीपछतायौ ॥ तबकेशीकहिबचनसुनायौ ॥
ऐसौकहाकठिनप्रभुकाजा ॥ जाकौंतुमसोचतहौराजा ॥ ॥
तुमहौसबअसुरनकेनायक ॥ औरकौंनदूजौतुमलायक ॥
जाहिक्रोधकरिचितवौजबही ॥ ताकौनासहौयनृपतबही ॥
आयसुकहामोहिकिनदीजै ॥ सोकारजअबहीहमकीजै ॥
यहसुनिकंसहरखजियआन्यौ ॥ केशीकौंबहुभांतिबखान्यौ

असुरबंससबहीहतेकाहिकहौंब्रजजान ॥
नंदमहरकेढोहराकरिआवैबिनप्रान ॥ ॥
कियौनतिनकछुकाज आगैजेपठयेअसुर ॥
यहसुनिकेअतिलाज मारेसबनंदबालकन ॥

तोतेंकछुहैहैमैंजानत ॥ बडौबीरतोकौंमैंमानत ॥ ॥ ॥
ताकारणब्रजतोहिपठाऊं ॥ बहुतऔरकहिकहासिखाऊं

जिहितिहिंविधिछलबलकरिकोऊ ❁ मारिश्रावनंदबालकदोऊ
कैलैश्रावबांधदोउभैया ❁ कहतजिन्हैंबलरामकन्हैया ॥ ❁ ॥
यहसुनिगर्वश्रसुरभटकीनो ❁ चल्योब्रजहिन्हपश्रायसुदीनो
मनहिंकहतदेखौंधौंताही ❁ कंसन्हपतिडरपतहैजाही ॥
श्रश्वरूपह्वैब्रजमेंश्रायो ❁ श्रतिबलगरजहिचहुंदिसधायो
वेगवंतश्रतिवपुषविशाला ❁ जारतश्रीवपूछविकराला ॥ ❁ ॥
बारहिबारहिसोधुनिकरही ❁ ब्रजकेलोगनमारतफिरही
जिततितभाजचलेनरनारी ❁ भयेविकलसबश्रतिभयभारी
कह्योजायश्रातुरहरिपाहीं ❁ श्रश्वएकश्रायोब्रजमाहीं ॥
श्रतिविकरालनजातबतायो ❁ कैधौंवकुरिश्रसुरकोउश्रायो
ब्रजश्रायोकेशीश्रसुरजानलियोनंदलाल ॥
सन्मुखताकेहरषिकैचलेकंसकेकाल ❁ ॥
सीसमुकटबनमाल कटिकसिबांध्योपीतपट ॥
उरभुजनैनविशाल श्रसुरविमोहनसुरसुखद
जबकेशीदेखेहरिश्रावत ❁ भयोक्रोधकरिसन्मुखधावत ॥
श्रतिबलदोऊचरणउठाये ❁ प्रभुकेउरकैंचपलचलाये ॥
देखतडरेसकलब्रजबासी ❁ गहेबीचहीहरिश्रविनासी ॥
छूटनश्रसुरवहुतबलकीनो ❁ ठेलिस्यामपाछेंतबदीनो ॥
गिरयोधरणिपरमूर्छितभारी ❁ उठ्योक्रोधकरिबहुरिसंभारी
दावघातकरिकैबहुधावे ❁ पुनिपुनिचरणचपेटचलावे ❁ ॥

अतिहिवेगहरिआतनचाई ॥ करतयुद्धकौतुकसुखदाई ॥
देखतसुरमुनिचढेअकासा ॥ कहूहर्षमनकछुइकत्रासा ॥ ॥
चकतगोपगोपीभैबाढे ॥ चकतचित्रलिखेसेठाढे ॥ ॥ ॥
बदनपसारअसुरतबधायौ ॥ चाहतहरिकौंमुखमेंनायौ ॥
तबहिंसामयहबुद्धिउपाई ॥ दियौहाथताकेमुखनाई ॥
दांतनदाबसक्यौसोनाहीं ॥ अक्षसमानभयौमुखमाहीं ॥ ॥

एकहाथमुखनायकैतुरतकेसगहिधाय ॥ ॥
बलीसुबननंदलालकेंपटक्यौअसुरफिराय ॥
शब्दभयौआघातधरकौडरसुनकंसकौ ॥
नंदमहरकेतातजान्यौकेशीकौंहत्यौ ॥ ॥ ॥

देखतसुरगणभयेसुखारी ॥ बरषेसुमनसुमंगलकारी ॥ ॥
गावतजैयशप्रभुहिसुनाई ॥ असुरनिकंदनजनसुखदाई
प्रफुलितभयेसकलब्रजबासी ॥ बढ्यौहर्षडरमिटीउदासी ॥
धायधायहरिकौंसबभेटैं ॥ धन्यधन्यकहिकहिदुखमेटैं ॥ ॥
बडोदुष्टमोहनतुममारौ ॥ ब्रजबासिनकौप्राणउबारौ ॥ ॥
कान्हहिसदासहायहमारी ॥ धन्यधन्यमोहनगिरिधारी ॥
लियेलीयउरजसुमतिमैया ॥ पुनिपुनिमुखकीलेतिबलैया ॥
नंददेखिआनंदअतिकीनौ ॥ बहुतदानविप्रनकौंदीनौ ॥
हरिकौंलैपुनिपुनिउरलावत ॥ मुखचूंबतलखिछविसुखपावत
केशीमारिस्यामगृहआये ॥ भयेसकलआनंदबधाये ॥ ॥ ॥

घरघरसबब्रजलोगबुगाई ❁ नंदनंदनकीकरतबडाई ❁ ॥
ब्रजबासीप्रभुजनप्रतिपालक❁संतनसुखदअसुरकुलघालक
धनिधनिब्रजमेंअवतरेभक्तनकेहितआय ॥
सुखसागरशोभाअवधिबलनिधित्रिभुवनराय
बलमोहनदोउभाय चिरजीवैंजोरीयुगल॥
देतअसीसमनाय ब्रजबासीप्रभुकौंसबै॥ ❁ ॥

॥ अथव्योमासुरबधलीला॥

दूजेदिनसुंदरब्रजनाथा ❁ गयेबनहिंगायनकेसाथा ❁ ॥
बलदाऊअरुग्वालसुहाये ❁ शोभितसंगसुभगमनभाये ॥
गईगायबनमेंअगवाई ❁ जहांतहांचरनलगीसुखपाई ॥
ग्वालनसंगस्यामअनुरागे ❁ चोरमिहिचनीखेलनलागे ❁ ॥
भयेमगनतनसुधिकछुनाहीं ❁ दौरतदुरतफिरतबनमाहीं
अबहिंकंसकेशीबधसुनिकै ❁ बारबारसोचतसिरधुनिकै ॥
व्योमासुरइकअतिबलबाना ❁ मायाचरितबहुतसोजाना ॥
पठयौताकौंतबब्रजमाहीं ❁ मारनकह्यौस्यामकौंताहीं ❁ ॥
गोपभेषधरिसोब्रजआयौ ❁ ढूंढतहरिकौंबनमेंपायौ॥ ❁ ॥
गयौसमायसखनकेमाहीं ❁ ताकौंकिनहूंजान्यौनाहीं ❁ ॥
व्योमासुरयहबुद्धिउपाई ❁ प्रथमबालकनलेऊंचुराई ❁ ॥
इकलौकरिजबहरिकौंपाऊं ❁ तबमारौंकैगहिलैजाऊं ❁ ॥
दुरनजांयबालकजहांतहां असुरसंगजाय॥

आवहिं एक हिं एक लैपर बनमाहिं दुराय ॥
रहिगये थोरे ग्वाल जब यौं बक्र बालक हरे ॥
नबजान्यौं नंदलाल ब्यौमासुर के कपट कौं ॥
धर्लौ धायतब कुंवर कन्हाई ॥ हरिसौं ताकी कहा बसाई ॥
सुरतन असुर लै भूपर पटक्यौ ॥ प्राणदेहतजस्वर्गहिसटक्यौ ॥
असुरमार कै दीनदयाला ॥ बालकसौं धन चले गुपाला ॥ ॥
ऋषिनारद आये तिहिं काला ॥ देखि स्याम मुख लख्यौ विशाला
उपज्यौ प्रेम हरष उर पावन ॥ बीन बजाय लगे यश गावन ॥
जै जै ब्रह्म सनातन स्वामी ॥ आदि पुरुष प्रभु अंतरजामी ॥ ॥
अलख अनीह अनंत अपारा ॥ को जाने प्रभु रूप तुम्हारा ॥ ॥
सकल सृष्टि के सिरजनहारे ॥ पालन लैसब ख्याल तुम्हारे ॥
युग युग यहु अवतार गुसांई ॥ भक्तनहित प्रभु लेत सदाई ॥ ॥
धरणी भार पाय भइ भारी ॥ सुरन संगलै जाय पुकारी ॥ ॥ ॥
जांहि जांहि श्रीपति दैत्यारी ॥ रखिलेऊ प्रभु शरणाऊ बारी ॥
राज अनीति सुरनतबभावी ॥ शशि अरु सूर भये सब स्रावी ॥
क्षीर सिंधु अहि फेण प्रभु श्रवण न परी पुकार ॥
नबजान्यौ सुर संत महि दुखित दनुजके भार
कह्यौ भूमि अवतारि सिंधुमध्य बानी प्रगट ॥
श्रीपति प्रभु असुरारि जगत्राता दाता अभै ॥
मथुरा जन्म गोकुल हि आये ॥ मात पिता सौं बत ही पाये ॥ ॥ ॥

दैपीवतहीवकीबिनासी ॰ भयोअसुरसुनिकंसञदासी ॰ ॥
इहिंअंतरजोदनुजपठाये ॰ तेप्रभुसबकौतुकहिनसाये ॰ ॥
नंदजसोदाबालकजान्यौ ॰ गोपिनकामरूपकरिमान्यौ ॰ ॥
धन्यधन्ययेब्रजकेबासी ॰ जिनबसकियेब्रह्मसुखरासी ॰ ॥
मनबुद्धिबचनतर्कतेंन्यारे ॰ निगमअगमनपरनबिचारे ॥
तेब्रजयुवतिनबनहिंबिहारे ॰ कमलनैनप्रभुनंददुलारे ॥
नीलजलजतनसुंदरस्यामा ॰ मोरमुकुटकुंडलअभिरामा ॥
मुरलीधरपीतांबरधारी ॰ बनमालाधरकुंजबिहारी ॥ ॰ ॥
बसरूपयहउरबरपाऊं ॰ बदरिनाथप्रभुबिनयसुनाऊं
यहअबतारजबहिप्रभुलीनौ ॰ आयसुसुरनयहैप्रभुदीनौ ॥
दैत्यदहनसंतनसुखकारी ॰ अबमारउप्रभुकंसप्रचारी ॥

जबयहगाथागायकैनारदकहीसुनाय ॥
बोलेप्रभुतबकरिकृपासुधाबचनमुसकाय ॥
जाउबेगमुनिराय करउसुरनकेकाजयह ॥
पठवउमोहिबुलाय न्रपआयुसतेंमधुपुरी ॥

जबप्रभुहंसियहआयसुदीनौ ॰ तबप्रनामप्रभुकोंऋषिकीनौ
हरषिचलेमुनिन्रपकेपासा ॰ यहैबुद्धिमनकरतप्रकासा ॰ ॥
यहैबातहलधरसमुझाई ॰ जोंबानीऋषिगयेसुनाई ॰ ॥
तुमप्रभुअखिललोककेकारन ॰ जन्मोंहौभवभारउतारन ॥
परमपुरुषअबिगतिअबिकारा ॰ अबिनाशीअद्वैतअपारा ॰ ॥

सिंधुरूपजनहितसुखकारी ● त्रिभुवनपतिश्रीपतिअसुरारी
शंकरविधिजबएसैभाख्यौ ● सुनिसुनिस्यामहृदेसबराख्यौ ॥
तबहंसिकह्यौअंतसोंबानी ● जोतुमकहतबातमैंजानी ● ॥
कंसनिकंदननामकहाऊं ● केसगहौंपुहमीघसिटाऊं ● ॥
ऐसेंप्रभुहलधरसमझाये ● बालकबहुरिसोधसबलाये ● ॥
व्यौमासुरमार्‌यौनंदलाला ● भयेमुदितसबदेखिगुवाला ● ॥
धन्यधन्यसबप्रभुकोंभाखे ● कहतआजतुमहमसबराखे ● ॥
गायगोपहलधरसहितभरेपरमआनंद ● ॥
साझसमैंबनतेंचलेब्रजकौंश्रीनंदनंद ● ● ॥
आयेनंदअवास प्रभुब्रजबासीदासके ॥
गयेकंसकेपास ऋषिनारदमथुरापुरी
नारदगयेकंसकेपासा ● मनमारेमुखकरेउदासा ॥ ● ● ॥
आदरकरिआसनबैठाये ● हरषिकंसमुनिनिकटबुलाये ॥
कैसेमुखऋषिमनक्योंमारे ● कहाचिंतामनबसीतुम्हारे ॥
नारदकह्योसुनोहोराऊ ● कहाबैठेकछुकरउपाऊ ● ॥
त्रिभुवनमेंनाहींकोउऐसा ● देख्योनंदसुवनमैंजैसा ● ● ॥
करतकहाराजधानीऐसी ● उपजीतुमकोंबातअनेसी ॥ ● ॥
दिनदिनभयौप्रबलबहुभारी ● हमसबहितकीकहततुम्हारी
तबबोल्यौनृपगर्वितबानी ● यहनारदतुमकहाबखानी ● ॥
यदपिकहतहौतुमहितकेरी ● तदपिबराबरनहिंबहुमेरी ॥

कोटिदनुजमोसममोपासा ॥ जिनकौंदेखिसुरनमनत्रासा
कोटिकोटिजिनकेसंगयोधा ॥ जीतसकैकोजिनकेक्रोधा ॥ ॥
तिनकौबलकहांकहुंबताई ॥ देखतजिनकौंकालडराई ॥ ॥

रहतद्वारसंततखरीकोटिभटनकीभीर ॥ ॥
अतिप्रचंडकोदंडधरमहाबलीरणधीर ॥ ॥
महामत्तगजएक त्रिभुवनगामीकुवलिया ॥
ऐसेसुभटअनेक नामीसुभटनकोगने ॥ ॥

कहाग्वालकेबालकदोऊ ॥ यदपिबलीउपजेहैंकोऊ ॥ ॥
प्रजालोकब्रजकेसबमेरे ॥ सेवाकरतसदारहेनेरे ॥ ॥ ॥ ॥
तातेंसकुचतहौंउनकाजा ॥ बालकसुनतहोतमुहिलाजा ॥
भलीकरीयहबातबुझाई ॥ मनकीडारौंखुटकमिटाई ॥ ॥ ॥
सुनऊऔरनारदमुनिहमसैं ॥ कहतमतेकीबानीतुमसैं ॥
उनपरसैनाकहापठाऊं ॥ नंदसहितसबसहजबुलाऊं ॥
डारौंगजकेचरणखुंदाई ॥ औरप्रजाब्रजदेउंबसाई ॥ ॥ ॥
यहैबातमेरेमनआई ॥ तबसुनिमुनिबोलेमुसकाई ॥ ॥ ॥
जोतुमअपनोगर्वसंभारौ ॥ तौजानौअबकुमउनिमारौ ॥ ॥ ॥
त्रिभुवनमेंकोबलहितुम्हारे ॥ यहकहिमुनिबिधिधामपधारे
कंसआपनेजिययहजानी ॥ नारदहितकीबातबखानी ॥ ॥
अबमारौंनहिगहरलगाऊं ॥ मथुराजिहिंतिहिंभांतिबुलाऊं
यहैसोचउरमेंपरयौनहिबिचारकछुऔर ॥

कैसेंतिन्हैंबुलाइयेकरतमनहिंमनदौर ॥
कबहूंबिचारतहीय आपहिचढिधाऊंब्रजहि ॥
पुनिसकुचतहैजीय ब्रजबासीप्रभुगुणसमझि ॥
जन्महितेंवेहैंअसुरारी। सातहिंदिनवेबकीसंहारी ॥
कागासुरबलगयौबढाई। सोमुरझायगिरयौफिरिआई ॥
सकटतृणाक्षणहीमेंमारे। ग्वालहिऔरअसुरसंहारे ॥
गयेप्रतिज्ञाकरिकरिजोई। आयौनहिंजीवतफिरिकोई ॥
अबउनकौंसहजहीबुलाऊं। ऐसौकोजिहिंलैनपठाऊं ॥
जायनंदसोंकहैबुझाई। स्यामरामसुंदरदोऊभाई ॥
सुनिसुनिअतिन्हपकेमनभाये। देखनकौंमधुपुरीबुलाये ॥
ऐसेकरिजबवेह्यांऐहैं। बहुरौजियतजाननहिपैहैं ॥ ॥
यहबिचारउरमेंठहरायौ। तबआतुरअक्रूरबुलायौ ॥ ॥
सुनिअक्रूरमनमेंभयपायौ। किहिंकारणन्हपबेगबुलायौ ॥
आतुरगयौपवरिपरधाई। जायपवरियाखबरजनाई ॥
सुनतहिबोलमहलमेंलीनौ। सकुचगवनसुफलकसुतकीनौ
कछुडरकछुजियधीरधरगयौन्हपतिकेपास ॥
देखिउसौमुखसोचबसऊरधलेतउसास ॥ ॥
हाथजोरसिरनाय अनबोल्यौसन्मुखरह्यौ ॥
लीनौढिगबैठाय मरमबचनकहिकंसतब ॥
आपहिऔरतहांकोऊनाहीं। गोल्यौन्हपसुफलकसुतपाहीं

कहिजुगयेनारदऋषिबानी ● सोसबकहिकैप्रगटबखानी
सुनिअक्रूरकहतसततोकौं ● स्यामरामसावतडरमोकौं ● ॥
जिहिंतिहिंबिधिअबउनकौंमारौं ● यहकछुदोषहृदैनहिधारौं
पठवूंकाहिजाहिब्रजजोई ● कहैप्रीतिकरिनंदहिसोई ॥
बलमोहनतुवतनयसुहाये ● तुमहिंसहितन्रपराजबुलाये ॥
सुनगुणरूपहिअगमअगाधा ● है न्रपकौंदेखनकीसाधा ॥
कालीपीठकमललैआये ● तबतेंअतिन्रपकेमनभाये ॥ ● ● ॥
सोबकसीसइन्हेंअबदैहैं ● इनकेबचनसुनतसुखपैहैं ● ॥
यहकहिकैउनकौंलैआवै ● भेदसुकोऊजाननपावै ॥ ● ॥
ऐसेंकहिजबकंससुनायौ ● तबअक्रूरहिधीरजआयौ ● ॥
मनमनकहतकहायहभावै ● आपुहिअपनौकालबुलावै ॥
कियौबिचारअक्रूरतबकहतजुकछुमेंऔर ॥
तौमारैगौमोहियहअबहीयाहीठौर ॥ ● ॥
कह्यौमानिहैनाहिं कालयाहिआयौनिकट ॥
यह्वबिचारमनमाहिं सुफलकसुतबोल्यौहरषि
सुनऊंन्रपतिनीकीमनआनी ● धनिधनिनारदसत्यबखानी
बडेशत्रुहमकौंवेदोऊ ● उपजेनंदभवनमेंकोऊ ॥ ● ● ॥
कीजैवेगन्रपतियहकाजा ● तुमसरऔरकौनमहिराजा ॥
मुखतेंआयुसजोकरिपाऊं ● भोरबेगतिहिंब्रजहिपठाऊं ॥
सुफलकसुतयहकहीसयानी ● तबहरख्यौन्रपसुनियहबानी

फिरिफिरिकहतहियेगरवाई ❁ प्रातबोलिमारैंदोउभाई ॥
आधीनिसिलौंयहमनकीनौ ❁ तबअक्रूरबिदाकरदीनौ ॥
परसौसेजआनसजियजानी ❁ सेवाकरनलगीसबरानी ❁ ॥
नेकपलकलागीरुपकाई ❁ लखेसपनबलरामकन्हाई ❁ ॥
कालसरसदोउदेखडरानै ❁ रुरुकिछ्यौभरन्यौसमकानै ॥
देख्यौजागतहांनहिदोऊ ❁ चकितभईरानीसबकोऊ ॥ ❁ ॥
बूझनलगीसबैअकुलाई ❁ कहारुरुकेसपनेघ्पराई ॥ ❁ ❁ ॥
महाराजरुरुकेकहासपनेआजसकाय ॥
कहियेकाकौशोचअतिजीमेंरह्यौसमाय ॥
तबमनमेंसुकुचाय सहजहिरानिनसौंकह्यौ ॥
भेदनभयौजनाय मनशंकाउरधकधकी ❁ ॥
सावधानप्रतिपालकराये ❁ जहांतहांयोधासकलजमाये ॥
स्यामरामभयपलकनलावै ❁ अंतरसोचजप्रगटजनावै ❁ ॥
जाग्यौआपसंगसबनारी ❁ भईयामनिसियुगतेंभारी ॥ ❁ ॥
बैठतकबउंउठतअकुलाई ❁ ठाढेहोतकबउंअंगनाई ॥
घरयालीसेंपूछपठावै ❁ बारबारनिसिखबरमगावै ॥ ❁ ॥
सोचतसबप्रातहिकहाकरिहै ❁ क्रोधभसौन्टपकासिरपरिहै
कहीघरीनिसिगणिकनबाकी ❁ इकइकक्षणयुगयहगतिताकी
कहतब्रजहिधौंकाहिपठाऊं ❁ जासोंगहिनंदसुवनमंगाऊं
पठवूंअक्रूरहिकौंजाई ❁ ल्यावैब्रजतेंठगिदोउभाई ❁ ॥

इतदेखौसपनौनंदराई ❁ बलमोहनकहुंगयेहिराई ॥ ❁ ॥
ग्वालबालरोवतपछताहीं ❁ कहतस्यामतौअबब्रजनाहीं ॥
संगहिखेलतरहेहमारे ❁ निठुरहोयकहुंअनतसिधारे ॥
दूतएककोउआयकैसंगलैगयौलिवाय ॥
वाहीकेटोउहैगयेब्रजबासिनबिसराय ॥
अतिव्याकुलनंदराय मुरछिपरेधरणीसुनत ॥
बिवसजसोदामाय स्यामविरहव्याकुलखरी ॥
व्याकुलनरनारीब्रजबासी ❁ पशुपंछीसबपरमउदासी ❁ ॥
रोवतगिरतधरणिदुखपागे ❁ अतिअकुलायनंदतबजागे ॥
धकधकातउरस्रवतनयनजल ❁ सुतअंगपरसनलागेशीतल
सुसकतिसुनतअतिहिअतुरानी ❁ कहांभरमेंपूछतिनंदरानी ॥
नंदनहीकछुभेदजनायौ ❁ स्यामहिंलखिधीरजउरआयौ
अतिप्रभातरविउगननपायौ ❁ सुफलकसुतउतकंसबुलायौ
सुनतहिद्वारपालउठिधायौ ❁ सोवततेंअक्रूरजगायौ ❁ ॥
कह्यौबेगचलियेन्टपपासा ❁ समझिमंत्रनिसिचल्यौउदासा ॥
ठाढ़ौन्टपतिद्वारहीपायौ ❁ देखतदूरहिलैंसिरनायौ ❁ ॥
अतिआदरकरिनिकटबुलायौ ❁ सशेपावन्टपतुरतमंगायौ ॥
अक्रूरहिनिजकरपहिरायौ ❁ बहुतकृपाकरिवचनसुनायौ
त्यावहुनंदमहरसुतदोऊ ❁ तुमसमऔरचतुरनहिंकोऊ
मुखहरष्यौअक्रूरसुनिहृदैगयौबिलखाय ॥

असुरचासजियमेंपरयौवचनकह्यौनहिंजाय ॥
दीनौरथहिंचलाय जाऊंवेगव्रजन्हपकह्यौ ॥
लैआवऊंदोउभाय अबहीविलमनकीजिये ॥
तबअक्रूरकह्यौकरजोरी ● सुनऊंदेवबिनतीइकमोरी ॥
बलमोहनप्रातहिंदोउभैया ● बनकौंजातचरावनगैया ● ॥
जोउनकौंघरमेंनहिंपाऊं ● तातेंप्रभुयहबातसुनाऊं ● ॥
आजनंदगृहबसिहौंजाई ● प्रातहिलैआवऊंदोउभाई ॥
ऐसेंजबअक्रूरजनायौ ● कंसबातयहमानिपठायौ ॥ ● ॥
सीसनायतबरथचढिह्यकौ ● सुफलकसुतब्रजसन्मुखताकौ
बहुप्रसंससवमल्लबुलाये ● चाणूरादिसकलचलिआये ॥
तिनसौंकह्यौसुनौसबबीर ● ब्रजमेंरहतजुनंदअहीर ॥
कहियतबलीतासुसुतदोऊ ● रामकृष्णजिनकहैंसबकोऊ
बहुतअसुरमेरेउनमारे ● तातेंहैंवेशत्रुहमारे ● ● ● ॥
उनकौंमैंमधुपुरीबुलायौ ● सुफलकसुतकौंलेनपठायौ ● ॥
उनकौंमतिजानौतुमबारे ● हैंवेमहाकठिनबलभारे ॥ ● ॥
रंगभूमितातैंरचौचित्रविचित्रबनाय ॥
सावधानह्वैकैतहांरहौमल्लसबजाय ॥
ऊंचौएकमचान तहांऔरसुंदररचौ ॥
जहांअसुरपरधान बैठैंसबमेरेनिकट ॥
योधाऔरअनेकबुलावौ ● सावधानकरिसबबैठावौ ॥ ● ● ॥

तातें औरपौरिकेबाहर ॥ रहैं कुबलियागजतिहिंठाहर ॥
राखौ द्वारतीसरेंजाई ॥ गरुवकठिनअतिधनुषधराई ॥ ॥
बहुभटतहांरहैंरखवारी ॥ अस्त्रशस्त्रधारीबलभारी ॥ ॥
ऐसेंसजगरहौसबकोऊ ॥ जबआवैंवेबालकदोऊ ॥ ॥
प्रथमधनुषउनसोंचढिवाओ ॥ उन्हैंकहौयहधनुषउठाओ ॥
जबवेधनुषउठावैंनाहीं ॥ घेरलेहुउनकौंतिहिंठाहीं ॥ ॥
ताहीठौरमारदोउलीज्यौ ॥ भीतरलौंआवतनहिंदीज्यौ ॥
जोकदापिह्यांतेंचलिआवैं ॥ तौगजपैआवननहिंपावैं ॥ ॥
डारौगजकेचरणरुंदाई ॥ तुमकौंराखतअबहिजनाई ॥ ॥
जोछलबलकरिकैबचिआवैं ॥ रंगभूमिआवननहिंपावैं ॥ ॥
तौसबमल्लमारिउनलेहू ॥ मोसमीपआवनमतिदेहू ॥ ॥

ठौरहिठौरसजायकैसजगरहोइहिंभांत ॥
जिहिंतिहिंबिधिमारौउन्हैंनहींदूसरीबात ॥
मनमनमौजबढाय ऐसेंआयुसदेसबन ॥
गयौसदनन्द्रपराय सुनहुकथाअक्रूरकी ॥

सुफलकसुतमनसोचअपारा ॥ हैन्टपकंसबडोहत्यारा ॥ ॥
मंत्रकियौमिलिमेरेसाथा ॥ पठयौमोहिलैनब्रजनाथा ॥ ॥
कैसेंआनिदेहुंमैंजाई ॥ मोदेखतमारैदोउभाई ॥ ॥ ॥
नगरनिकसिरथकीनौठाढौ ॥ पछ्यौबिचारहृदैअतिगाढौ ॥
गजमुक्तहुचाणूरसुमिरकै ॥ आयौनीरलोचननिदरकै ॥

अतिबालकबलरामकन्हाई ❁ कहाकरैंकछुनाहिबसाई ॥
मोहिमारअरुबंदकरावै ❁ यहबिचारकरिरथनचलावै ❁ ॥
पुनिपुनिकृष्णहृदैमेंल्यावै ❁ चलतफिरतकछुबनिनहिआवै
प्रभुकृपालसबअंतरजामी ❁ सुफलकसुतमनपूरणकामी ॥
सुमिरतकृष्णहृदेयहआई ❁ वेश्रीपतिप्रभुत्रिभुवनराई ❁ ॥
अखिलजगतकेकारणकरता ❁ उत्पतिपालनअरुसंहरता ॥
भूमिभारटारनअवतारा ❁ कोजानेगुणरूपअपारा ❁ ❁ ॥

धन्यकंसजिनमोहिब्रजपठयोलेनगुपाल ॥
जायरूपवहदेखिहौंनिगमनेतिनंदलाल ॥
यहबिचारउरआन रथहांक्यौअक्रूरतब
भयौशकुनशुभवान मृगगणआयेदाहिने ॥

दहिनेदेखिमृगनकीमाला ❁ सुफलकसुतउरहरषविशाला
कहतआजइनशकुननजाई ❁ भुजिभरिमिलिहौंप्रभुसुखदाई
स्यामसुभगतनपरसिसुहावन ❁ इंदुबदनत्रयतापनसावन ॥
अंगत्रिभंगकियेगोपाला ❁ सारसहूतेंनैनविशाला ❁ ❁ ❁ ॥
मोरमुकुटकुंडलबनमाला ❁ कटकछनीपटपीतविशाला ❁ ॥
तनचंदनकीखौरबनाये ❁ नटवरभेषमनोजलजाये ❁ ❁ ॥
ह्वैहैंगैयनकेसंगठाढे ❁ ग्वारनमध्यमहाछविबाढे ॥ ❁ ❁ ॥
सोदरसनलखिहोयसनाथा ❁ धरिहौंजायचरणपरमाथा ॥
जेप्रभुचरणपितामहधावैं ❁ महिमाजिनकीवेदबतावैं ❁ ॥

जिनचरणनक्रमबारतिमानी ● शंभुधरयोसिरजिनकौपानी
सनकादिकनारदयशगावैं ● जिनचरणनयोगीचितलावैं॥
बलिजिनकीमर्य्यादनपाई ● हारमानिनिजपीठनपाई॥

शिलाश्रापमोचनकरनहरनभक्तउरपीर॥
आजदेखिहैंतिन्चरणसकलसुखनकीसीर॥
अरुणकंजकेरंग अंकितअंकुशकुलिशध्वज॥
गोपबालकनसंग गोचारतबनपाहीं॥●॥

परिहौंजायचरणपरजबही ● भुजनउठायभेटिहैंतबही
परसतउरआनंदउपजैहै ● अंगनपुलकितनीरुहएहै ●॥
देखतदरसपरमसुखह्वैहै ● प्रेमसलिललोचनभरिजैहै॥
कुशलपूछिहैंमोहिसुखदानी कहिनहिंसकिहैंगदगदबानी
बारहिबारबचनमृदुकैहैं ● सुनिसुनिश्रवणपरमसुखपैहैं
यौंअक्रूरध्यानमेंअटक्यौ ● भूल्यौपंथफिरतरथभटक्यौ ●॥
हरिअनुरागबढ्यौउरमाहीं ● रहीदेहकोसुधिकछुनाहीं
सांझभईगोकुलनहिंपायौ ● नहिजानतकोहौंकहांआयौ॥
किनपठयौकहांजातनजानी ● रथबाहनकीसुरतिभुलानी
भयोहरषउरप्रेमविशाला ● दसहूदिसपूरणगोपाला ●॥
हरिअंतरजामीसबजाना ● भक्तवत्सलहैजिनकौबाना ●॥
भक्तिभावकरिजोकोइध्यावै ● मिलततिन्हैंनहिंबिलमलगावै

ग्वालनसंगबृंदाविपनचारतधेनुसुजान॥

चलेहरषिहलधरसहितभक्तहेतजियजान ॥
यमुनपारकरिगाय हेरीगावतहरषिहरि ॥
गैयनतहांमगाय लागेगोदोहनकरन ॥ ❁ ॥

शायनदुऊनलगेसबग्वाला ❁ आपऊदुहतभयेनंदलाला ॥
भक्तहेतयहसुखउपजायौ ❁ तहांदरससुफलकसुतपायौ
रहिनसक्यौरथपरसुखव्याकुल ❁ उतरपर्यौभूपरअतिआकुल
भयौमनोरथमनकौभायौ ❁ दौरिस्यामचरणनसिरनायौ ॥
पुलकगातलोचनजलधारा ❁ हृदैप्रेमआनंदअपारा ॥ ❁ ॥
कृपासिंधुकरिकृपाउठायौ ❁ भक्तहेतमिलिकंठलगायौ ❁ ॥
भयौजुसुखसोसोईजाने ❁ ब्रजवासीकिहिंभांतिबखाने ॥
जोअक्रूरचरितमनकीनौ ❁ तैसियभांतिदरसहरिदीनौ ❁ ॥
मधुरबचनश्रवणनसुखदाई ❁ पुनिपुनिपूछतकुंवरकन्हाई
आननचारुनिरखिसुखकारी ❁ तबबोल्यौअक्रूरसंभारी ॥
कुशलनाथअबदरसनिहारी ❁ दैत्यदलनभक्तनहितकारी ॥
भेदहिभेदकंसकीबानी ❁ सुफलकसुतसबप्रगटबखानी ॥

सुनतबचनअक्रूरकेमुसक्यानेब्रजचंद ॥
फरकिभुजाभूभारकीटारनअसुरनिकंद
मिलेरामपुनिआय परमप्रीतिअक्रूरसों ॥
उरआनंदनसमाय वासुदेवदोऊनिरखि ॥

कहिकहिउठतइहैनंदलाला ❁ हमहिंबुलायौकंसभुआला ॥

लैवेकौं अक्रूर पठाये ❀ कालहिकरि अतिरूपामंगाये ॥ ❀ ॥
सुनतहिं भये चकित सबग्वाला ❀ कहाकहत हैं मदनगुपाला
भये प्रेमबस मति अकुलानी ❀ भरि आयौ नैननि में पानी ❀ ॥
निरषिसखनकौ मुखसुखदानी ❀ तब बोले करि स्यामसयानी
चलहु कालिह देखहिं नृपकंसा ❀ मति आनौ जियमें कछुसंसा
यह कहि चले हरषि ब्रजलालन ❀ कछू हरष कछु संसय ग्वालन
अति कोमल बलराम कन्हाई ❀ हंसि लीने अक्रूर उठाई ❀ ॥
सुमन हुतें हरवे सुखदनियां ❀ दोऊ लसत सुफलकसुतकनियां
ग्वाल सकल लीनौ रथ डोरी ❀ पहुंचे आय सकल ब्रजखोरी ॥
लखि जहांतहां ब्रजलोग चकाने ❀ कंसदूत सुनि नंद सकाने ॥
सपनौ समुझि सोच उर छायौ ❀ मनमन कहत कहांधौं आयौ ॥
आतुर उठि आगे चले लैन नंद उपनंद ॥
देखत धाये घरन तें सुनत नारि नरबृंद
स्यामराम उर लाय स्यंदनतजि सुफलकसुवन ॥
आवत लखि नंदराय भये हरषि बिस्मय बिवस ❀ ॥
सादर तिनकौ सीस नवाये ❀ कुशलप्रश्न करि गृह लै आये ॥
चरणधोय बैठक सुभ दीनी ❀ विविधि भांति भोजन बिधि कीनी
शंकरषण अरु कुंवर कन्हैया ❀ मिलगये अक्रूर हिं दोउ भैया
क्षणेक होतन हिं नेकनियारे ❀ मन हुं दुलार उनहि प्रतिपारे
तब अक्रूर संग लै दोऊ ❀ भोजन कियौ लखत सब कोऊ ॥ ❀ ॥

हरिइतउतफेरतनहिं आखैं ❁ सबब्रजलोकमनहिंमनभाखैं
उठे अचैतबपानखवाये ❁ आदरसहितपलंगबिठाये ॥ ❁ ॥
पुनिकरजोरिनंदयैंभाख्यौ ❁ कहाकृपाकरिपगइतराख्यौ ॥
तबऐसेंअक्रूरसुनायौ ❁ बलमोहनकौंन्टपहिबुलायौ ❁ ॥
तुमकौंकह्यौसंगलैआवैं ❁ सुनिसुनिगुणमेरेमनभावैं ❁ ॥
देखनकौंअभिलाषजनायौ ❁ तातेंबेगहिप्रातबुलायौ ॥ ❁ ॥
ब्रजकेलोगसुनतयहबानी ❁ भयेचकितसुधिबुद्धिहिरानी

चकितनंदजसुमतिचकितमनहीमनअकुलात ॥
हरिहलधरकौंसैंनदैसबबुलावतजात ❁ ❁ ॥
मायारहितमुकुंद योगवियोगजाकेनहीं ॥
सदाएकआनंद अविगतिअविनासीपुरुष ❁ ॥

प्रेमभक्तिकीकछुउरलाजा ❁ कीन्हौंचहैंभूमिसुरकाजा ❁ ॥
जातेंनहिकाहूतनहेरत ❁ बोलतनहींनैननहिफेरत ❁ ॥
जनुपहिचानकबहूंकीनाहीं ❁ लखिलखिसबडरपतमनमाहीं
हरिसुफलकसुतसोंमनलायौ ❁ यहैकहतन्टपहमहिंबुलायौ
ऊतीसाधहमहूंमनमाहीं ❁ कबहूंन्टपतिबोल्यौकौंनाहीं
हंसिहंसिऐसेंकहतमुरारी ❁ यहसुनिविकलसकलनरनारी
श्यामनहीकछुमनमेंआने ❁ भयेनेहतजतुरतविराने ॥ ❁ ॥
कहतिपरस्परतियअकुलाई ❁ कितेंआयौयहदुखदाई ॥
महाक्रूरअक्रूरनामकौ ❁ जैहैप्रातलिवायसामकौं ॥ ❁ ❁ ॥

जानकहतयासंगकन्हाई ❁ कैसैंप्राणरहेंगेमाई ॥ ❁ ❁ ॥
बिलखिबचनसोचतिसबठाढी ❁ मनऊंविचित्रचित्रलिखकाढी
अबहमसंगतुम्हारेजैहैं ❁ भलीभांतिन्हपदेखनपैहैं ❁ ॥
ठौरठौरऐसीदसाकहतनआवतबैन ॥ ❁ ॥
बढीस्यामबिछुरनविथाढरतऊमंगजलनैन
फिरतविकलसबग्वाल पूछतएकहिएकसें ॥
चलनकहतनंदलाल मनमलीनव्याकुलसबै ॥
ब्रजकेलोकविकलसबदोषें ❁ तबअक्रूरसबनिपरतोषें ❁ ॥
चिंतामतहिकरौमनमाहीं ❁ इनकौंकछूऔरडरनाहीं ❁ ॥
भंजनधनुषयज्ञकेकाजा ❁ मधुपुरिइनहिंबुलायोराजा ❁ ॥
व्याकुलमहरिजसोमतिधाई ❁ आतुरपरीचरणपरआई ॥
सुफलकसुतहमदासतुम्हारी ❁ सुनौकृपाकरिविनयहमारी
संततधायपरमउपकारी ❁ सुनियतकीरतिबडीतिहारी ॥
बडेदुखनमैंयेप्रतिपारे ❁ रामस्यामप्राणनतेंप्यारे ॥ ❁ ❁ ॥
धनुषतोरकहाजानेबारे ❁ इनकबदेखेमल्लअखारे ॥ ❁ ॥
राजसभाकौंयेकहाजाने ❁ कबइनन्हपजुहारपहिचाने ॥
राजअंसअपनोसबलीजै ❁ औरकहोसोअधिकौदीजै ❁ ॥
जाऊनंदउपनंदहिलैकै ❁ मैंकहाकरौंसुतनकौंदैकै ❁ ॥
हैअक्रूरतुम्हारौनामा ❁ नगरकहालरिकनकौकामा ❁ ॥
कहाधनुषयेदेखिहैंबालकअतिअज्ञान ॥

कियौन्हपतिकछुकपटयहपरनमोहियैंजान ॥
दैंऊंनहीहैंजान मोनिधनीकेस्यामधन ॥
लेऊंकंसबरप्रान कोजीवैनंदनंदबिन ● ॥

कहतिविलखिहरिसौंदुखभारी ● क्यौंमोहनममछोहबिसारी
दुखितजानिअपनीमहतारी ● मथुराजाऊंनमैंबलिहारी ॥
येअक्रूरक्रूरहतरचिके ● आयेतुम्हैंलेनरथसजिकै ● ● ॥
निरखीभईकरमगतिआई ● यहधौंबिधनाकहाबनाई ॥
मोसौंमातमहरसौंताता ● कहनरहमक्षणक्षणदोऊभ्राता ॥
तिहिमुखजानकहतहौप्यारे ● कैसेंरहिहैंप्राणहमारे ● ॥
मैंबलसेंसीजियमतिधारौ ● मथुरमेंकहाकाजतिहारौ ॥ ● ॥
निरखिरूपजसुमतिअकुलाई ● व्याकुलपरीधरणिमुरछाई
कहिअवलंबप्राणकन्हैया ● ह्वैकैनिठुरतजतहैमैया ॥ ● ॥
क्यौंअक्रूरगोकुलहिआये ● मेरेप्राणलैनकोंधाये ॥ ● ● ॥
नामअक्रूरगुणक्रूरतुम्हारौ ● करिहौसूनौभवनहमारौ ॥
रोवतबदनरोहणीमैया ● ब्रजकेजीवनयेदोऊभैया ● ● ॥

भयेनिठुरअक्रूरमिलिघरहूआवतनाहिं ॥
कहाकरौंकासौंकहौंकोरखैगहिबाहिं ● ॥
अतिव्याकुलब्रजबाम जहांतहांबिलखीकहैं ॥
चलनचहतघनस्याम धृकजुरहैसखिप्राणतन

कहावहसुखहरिकौसंगसजनी ● विविधविलाससरदकीरजनी

हरिमुखशशिशीतलसुखकारी ❁ चखचकोरलखिरहतसुखारी
कहांवहसुंदरहरिगरबाहीं ❁ पियतअधररसमननघाहीं
जगउपहाससह्यौजिहिंलागी ❁ कुलअभिमानलाजसबत्यागी
छुट्यौचहतसोहमसोंआली ❁ करीकठिनबिधिकरमकुचाली
कहूंसखीफिरिकबहूंऐसें ❁ मिलिहैंअबमिलियतहैंजैसें ॥
कहिहैंबहुरिबातहंसिकबहीं ❁ लागतपरमनिठुरसेअबहीं
विरहानलअग्निऊंतेंताती ❁ विछुरतस्यामपीरअतिछाती ॥
न्यायहिसखीनागरीनारी ❁ जरतिविरहउरअमितप्रचारी
अबसहिहैंऐसोदुखप्राना ❁ निसिदिनकरिउरबज्रसमाना
एककहतिकैसेंहरिजैहैं ❁ जसुपतिपैसखिजाननपैहैं ❁ ॥
कहाकरिहैअक्रूरहमारौ ❁ फिरजैहैकरिनिजमुखकारौ ॥
हमतजिहरिनहिंजायहैंमोहिजीयविस्वास ॥
कहालैहिंगेमधुपुरीछांडिजसोमतिपास ❁ ॥
अस्लौतनकजबधीर सुनितांकीबानीसबन ॥
सोजानेयहपीर जोरंगरातीस्यामके ❁ ❁ ॥
करतनंदउपनंदबिचारा ❁ करियेकहाकौनउपचारा ❁ ॥
कोजानेकहान्टपमनमाहीं ❁ न्टपआयुसमेट्यौनहिंजाहीं ॥
अतिबालकबलरामकन्हाई ❁ भयेसोचबसअतिनंदराई ❁ ॥
तबबोल्यौइकगोपपुरानौ ❁ प्रभुप्रभावउरराखिसयानौ ॥ ❁ ॥
कहतकिमोमनमेंयहआवै ❁ सोईकरौजोस्यामहिंभावै ❁ ॥

इनकौंबालककरिमतिजानौ ● कह्हिगयेगर्गसोइंपरमानौ
येकरताहरतासबहीके ● भारउतारनहारमहीके ॥ ● ॥
जिनगिरिकरधरिब्रजहिबचायौ ● बहुरिहमैंबैकुंठदिखायौ
जाहिगयौंसुरपतिसिरनाई ● ल्यायौनाथकालिअहिजाई
वरुणधामदेखीप्रभुताई ● करतिउतेसबतुमहिंबडाई ● ॥
कहाकंसताकौभयमाने ● इनकीमहिमायेइंजाने ● ● ॥
कितकधनुषहरितुरतचढैहै ● देखतइनहिंकंससुखपैहै ॥
जोकरिहैकछुकपटतौसबसमरथगोपाल ॥
हरिहलधरभैयाउभयेकालहुकेकाल ॥
हरखेसबैअहीर हरिप्रतापहियमेंसमुझि ॥
सबलायकबलबीर धीरधरौयहजानिकै ॥
बारबारजसुमतिअकुलाई ● कहतरहौसुनकुंवरकन्हाई
अबहीतातबहुततुमबारे ● मथुराबसतमल्लहत्यारे ● ● ॥
क्यौंबलरामकहतमुनाहीं ● तुमबिनलालमातमरजाहीं ॥
कहतरामसुनजसुमतिमैया ● नूमतिबारेजानकन्हैया ● ॥
मतिहिकंसभयव्याकुलहोही ● एकभरोसोहरिकौमोही ॥
प्रथमहिबकीकपटकरिआई ● अतिहिप्रबलबिषकुचलपटाई
चारहिदिनकेतबहिकन्हाई ● तादेखतहीताहिनसाई ● ॥
सकटत्रणावृतबसअन्याई ● अघअरिष्टकेशीदुखदाई ● ॥
एकहिपलमेंसकलसंहारे ● बिषजलतेंसबसखाउवारे ● ॥

गोवर्द्धनजिनकरपरधाखौ ● महाप्रलयकौजलसवटाखौ ॥
हरिसमबलीग्रौरकोउनाहीं ● तूमतिसोचकरैमनमाहीं ॥
हमबालककहातुमहिंसिखावैं ● धीरधरौहमफिरिब्रजग्रावैं
सुनिचरित्रगोपालकेउरग्रायौग्रवरेहि ॥
जोककुकरैसोसत्यप्रभुग्रावतहैसबसोह ॥
कह्यौनंदनबग्राय मैंलेजैहौंसंगहरि ॥
धनुषयज्ञदिखराय लैएहैं तुरतहिबहुरि
॥ ग्रथमथुरागमनलीला ॥
ऐसेंहिंसबकौंरजनिबिहानी ● भयौप्रातचिरियांचुहचानी ॥
महरकह्यौसबगोपबुलाई ● दधिघृतभारसजौबहुजाई ॥
न्टपतिभेटहितकरउसंजोई ● हरिकेसंगचलौसबकोई ॥
ग्वालसखायहसुनिग्रकुलाने●चलतस्याममधुपुरिनिजजाने
चलौसोरब्रजघरजहांताईं ● हरिमुखदेखनकौंसबधाईं ॥
सजतग्वालचलवेकौसाजा ● गैयाफिरतिदुहनकेकाजा ● ॥
कह्यौस्यामग्रक्रूरहितबही ● जोतउताततुरतरथग्रबही ॥
सुफलकसुतग्रायसुजबपायौ●सहितसकोचरथहिपलनायौ
सुफलकढिगतेंदोउभाई ● होनलग्यौप्यारेकउराई ● ॥
देखनंदीजसुमतिग्रकुलानी●परीधरणिबिलपतिबिललानी
बिकलकहतिमोहितुज्यौदुलारे ● जानकियेहनैब्रजप्यारे
यहग्रक्रूरठगौरीग्राई ● मोहेमेरेबालकन्हाई ● ● ● ॥

यहसुफलकसुतबूझियेतुम्हैंहरेमोबाल ॥
बिरधसमैंकीलकुटियामेरेमदनगुपाल ॥
देखऊमनहिंबिचार लाभकछूयामेंतुम्हैं ॥
दियोधरमडरडार कूरभयेइतआयकै ॥

चलतजानचितवतिब्रजनारी॥बिरहविकलतनसुरतिबिसारी
जहांतहांचित्रलिखीसीठाढी ॥ नैननीरनदीजिमबाढी ॥
लगतनिमेषकूलदोउनाहीं ॥ भ्रमतिनावपुतरीतामाहीं ॥
ऊरधस्वाससमीरझकोरत ॥ चित्रकपोलतीरतरुतोरत ॥
काजलकीचकुचीलकियेतट॥अधरकपोलउरजअंचलपट ॥
रहैजहांतहांपथिकजकेसे ॥ चरणहस्तमुखबचनथकेसे ॥
स्यामबिरहव्याकुलब्रजबाला ॥ नीरहीनजिमिमीनबिहाला
सूखतअधरबदनमुरझाने ॥ मनौहिमपरसकमलकुम्हिलाने
कहतिपरस्परबचनअधीरा ॥ गदगदबचनढरतदृगनीरा ॥
जीवनधनप्राणनकौप्यारो ॥ लियेजातअक्रूरहमारो ॥ ॥
सुनऊसखीअबकीजैसोई ॥ जातेंबहुरिभूलनहिहोई
गयेदूररथरह्यौनजैहै ॥पुनिपाछैंपछितायोऐहै ॥ ॥ ॥

परिहरयशआसाजियनलाजपंचकीकान ॥
करियेबिनतीस्यामसोंसखीसमयपहिचान ॥
होनीहोयसुहोय पायपरसिहरिराखिये ॥
नातरमरिहैंरोय समयचूकऊरसालिहै ॥

प्रभुअंतरजामीसुखदानी ❁ बिरहविकुलगोपीजनजानी ॥
चितयेनेककमलदललोचन ❁ सकलसोचसंतापविमोचन ॥
मृदुमुसकानठगौरीडारी ❁ स्यामठगीसबब्रजकीनारी ॥ ❁ ॥
रहगई चितवतबचननआयौ ❁ चलेस्यामरथअवसरपायौ ।
हरिकौनामसुमिरमनमाहीं ❁ चलेअक्रूरतुरंततहांहीं ॥
देखतमहरिजसोमतिधाई ❁ पुत्रपुत्रकहिटेरलगाई ❁ ॥
मोहननेकुदेखिइतलैहौ ❁ बिछुरतलालभेटमोहिदैहौ ❁ ॥
राखऊतातनबोधकरिमैया ❁ बऊरौंचलऊविमानकन्हैया ॥
लेऊनिहारजन्मकोखेरौ ❁ बऊरौंब्रजमेंहोतअंधेरौ ॥ ❁ ॥
यहकहिग्वालसखनकौंफेरौ ❁ आपनीगायजायसबघेरौ ॥
ऐसेंकहिजसुमतिबिलखाई ❁ कियेयनबऊप्राणनजाई ॥
बिलपतिविकलरामममहतारी ❁ अतिव्याकुलसबब्रजकीनारी

देखिदुखितब्रजलोकसबऔरजसोदामाय ❁ ॥
तबहरिकहियहसुखदियौबऊरिमिलौंगोआय
धरणीकेहितकारि मथुरातनजितयेबऊरि ॥
कह्यौहगनसनकारि रथहंकनअक्रूरसौं ❁ ॥

बारबारजसुदायौंभाखै ❁ कोऊचलतगुपालहिराखै ॥ ❁ ॥
सुफलकसुतबैरीभयौआई ❁ हरेप्राणधनबालकन्हाई ॥
हरऊकंसवहगोधनसारौ ❁ केकरिमोहिबंदमेंडारौ ॥ ❁ ॥
ऐसेहृदुखस्यामसभागे ❁ खेलहिंमोनैननकेआगे ॥ ❁ ❁ ॥

यहकहिमहिलोटतिबकुलानी ❁ अतिहीदुखितनंदकीरानी
गोपीजनबिरहानलडाढी ❁ रहिगईप्रेमवियोगनिठाढी ॥
जिमिकुमदिनगणानीरविहीना ❁ रविप्रकाशत्रासतेंदीना ॥
स्यामविमुखक्षणक्षणकुम्हिलानी बकुरैमिलनकठिनजियजानी
बलबुद्धिथकितस्रवतजललोचन चलिनहिसकीरहीपचिसोचन
खैडेनेंसबगईबिहाला ❁ ब्रजतजगवनकियैगोपाला ❁ ॥
लैगयेमधुअक्रूरनिकारी ❁ मांखीज्यैांसबदीनविडारी ॥ ❁ ॥
देखतरहीथकीटकलाई ❁ जबलगिधूरदृष्टमेंआई ॥ ❁ ॥
भयेओटजबदृगननतेंमुरछपरीविलखाय ॥
कहंतिगयौरथदूरअबधूरनपरतिलखाय ॥
कहाकरैंब्रजजाय मनहरिलैगयैसांबरौ ❁ ॥
परतनआगैपाय पाछैंहींलोचनलखत ॥ ❁ ॥
बदनविकलविरहारसमाती ❁ भईनपवनसंगउडिजाती ॥
रजहूनहीबिधाताबानी ❁ जातीकमलचरणलपटानी ❁ ॥
भईनहींइकरथकोअंगा ❁ जातीचलीतहांलगिसंगा ॥ ❁ ॥
बिछुरेआजस्यामसुखरासी ❁ तोपरतीतदृगनकीनासी ॥
उडिनहिगयेस्यामसंगलागे ❁ छ्मभईनहिभयेअभागे ॥
रसिकप्रेमकेजगतपखाने ❁ रूपलालचीसबकोउजाने ❁ ॥
सोकरनीकछुइमननहिकीनी ❁ बृथामीनकीछविहरिलीनी
धनिधनिमीनप्रीतिपथसांचे ❁ सखियेनैनहमारेकांचे ॥ ❁ ॥

अबयेहलसहतजियसोचत ऊमंगिऊमंगिभरिभरि जलमोचत
हरिबिन अबलखियेब्रजल्हूनौ ● समयचूकिसहियेदुखदूनौ।
भईअज्ञानसबैमनमाहीं ● काहूचलतगह्यौरथनाहीं ●॥
बृथालाजकरिकाजबिगास्यौ ● सह्यौदुसहविरहादुखभास्यौ
यौंब्रजतियपछितायसबदेखिजसोदहिदीन ॥
लैआईसबनंदगृहहृसतनबदनमलीन ● ॥
सबब्रजपरमउदास हरिबिनसुखसंपतिसपन ॥
रहेप्राणइहिआस स्यामकह्यौमिलिहैंबहुरि ॥
खगमृगविकलजहांतहांबोलैं ● गायबत्सरंभतसबडोलैं ●॥
तरुबेलीपल्लवकुम्हिलानी ● ब्रजकीदसानपरतबखानी ●॥
चलेनंदगोपनसंगलैकै ● ब्रजबासिनकौंधीरजदैकै ॥ ● ●॥
ग्वालसखाहरिकेसुखदाई ● दरसनलागिचलेसबधाई ॥
उतअक्रूरसोचमनमाहीं ● कियौकाजमैंनीकौनाहीं ॥ ●॥
बलमोहनभैयादोउबारे ● अतिकोमलनवनीतिपियारे ●॥
करिकैजननीजनकदुखारी ● व्याकुलसबैघोषकीनारी ●॥
मैंलैजातकंसपैतिनकौं ● मोदेखतमारैगोइनकौं ॥ ● ●॥
धृकधृकधृककुबुद्धियहमेरी ● जाऊंलिवायइन्हैंब्रजफेरी॥
कंसआजमारेबरमोही ● हरिकौंजायदेऊंनहिंओही ●॥
इहिअंतरयमुनानियराई ● ठाढौकियौतहांरथजाई ॥ ●॥
अंतरजामीहरिभगवाना ● भक्तहृदैसंसैपहिचाना ॥ ●॥

भूखलगीतबहुरिकह्यौहमेंकलेऊटेकु ॥
करियमुनाअस्नानपुनितातनुमकुककुलेकु ॥
सुनतबचनमृदुकानसुफलकसुतसुनितुरतही
कछुमेवापकवानभोजनदुकुंभैयनदियौ ॥
आपस्नानकरनमनदीनौ ❁ यमुनापैठिसंकलपकीनौ ❁ ❁ ॥
जबहीसीसनीरमेंडार्यौ ❁ तबअचरजइकभावनिहार्यौ ॥
रामकृष्णरथपरसुखदाई ❁ जलभीतरशोभितदोउभाई ॥
चकितभयौजलतेंसिरकाढ्यौ ❁ देख्यौरथबाहिरसोठाढ्यौ
बक्रूरोंबूडिसलिलमेंपेख्यौ ❁ वैसाइफेरितहांरथदेख्यौ ❁ ॥
क्षणजलमेंक्षणप्रगटनिहारै ❁ पुनिपुनिसंभ्रमबुद्धिबिचारै ॥
स्वप्नकिधौंजायतयहहोई ❁ कैधौंमोमतिमेंभ्रमकोई ❁ ❁ ॥
कैधौजलमेंरथकीछाया ❁ कैधौंयहहरिकीकछुमाया ॥ ❁ ॥
भयौविकथमतिथितकछुनाहीं❁देखनलग्यौबक्रूरिजलमाहीं
जबअक्रूरबकुतअकुलायौ❁निजस्वरूबतहांस्यामदिखायौ
देखतभयौतहांजलमाहीं ❁ सकलदेवठाढेहरिपाहीं ❁ ॥
अस्तुतिकरतचरणचितदीने ❁ नमितकंधकरसंपुटकीने ॥
शेषसहस्रफणमणिनयुतजगमगयोतिअमूप ॥
स्वेतवरणपटपीतयुतराजतहलधररूप ॥
नवनीरदतनस्याम पीतवासलावण्यनिधि ॥
भुजप्रलंबअभिराम शेषअंकहरिसोहहीं ॥

चारुअरुणपंकजदलनैना ❁ चितवनचारुचारुमृदुबैना ॥
चारुतिलकबरभालबिराजै ❁ चारुकुटिलकुंतलछबिछाजै ॥
चारुतिलकनासिकासुहाई ❁ चारुकपोलअधरअरुणाई ॥
सुंदरश्रवणचिबुकदरग्रीवा❁चारुदसनविहसनछबिसीवा ॥
उरविशालश्रीचिन्हविराजै ❁ उदरउदाररोमावलिराजै ॥
नाभिगंभीरक्षीणकटिदेह्न ❁ भुजविशालबरचारुसुवेह्न ॥
जंघगुलफअतिचारुसुहाई❁पदकमलननखशशिछविछाई
नखशिखअनुपमरूपविराजै ❁ दिव्याभरणसकलअंगसाजै
कुंडलमुकुटजटितमणिमाला ❁ मुक्तमालबनमालरसाला ॥
यज्ञुपवीतपितांबरकांधे ❁ कौस्तुभमणिअंगदकरबांधे ❁ ॥
करपल्लवनमुद्रिकाराजै ❁ शंखचक्रगदापद्मविराजै ❁ ❁ ॥
क्षुद्रघंटिकाअतिदुतिकारी ❁ मणिनजटितनूपुरछविभारी
नंदसुनंदादिकजितेदिव्यपारषदआहिं ❁ ॥
करजोरेठाढेसबैपरिचरजाकेमाहिं ॥ ❁ ॥
ठाढीजोरेहाथ मायानिजमायासहित ॥
भक्तभक्तकेसाथ अंबरीषप्रह्लादबलि ॥ ॥
शिवअजसहितशिवाअरुवानी❁सनकादिकनारदअरुज्ञानी
भक्तनसहितसुरासुरजेते ❁ करजोरेठाढेसबतेते ॥ ❁ ❁ ॥
इंद्रकुवेरवरुणदिगपाला ❁ मनुविसुकर्मधर्मयमकाला ❁ ॥
बंदनकरतचरणधरिमाथा ❁ गावतवेदसकलगुणगाथा ❁ ॥

जलमेंलखिअक्रूरभुजान्यौ ● कृष्णप्रभावप्रगटसबजान्यौ ॥
चिंतासकलचित्तकीनासी ● जान्यौकृष्णब्रह्मअविनासी ● ॥
मोहिंकृपाकरिदरसनदीनौ ● तहांप्रणामसुफलकसुतकीनौ
अतिआनंदबढ्यौमनमाहीं ● अस्तुतिकरनलग्यौतिहिंठाहीं
धन्यधन्यप्रभुअंतरजामी ● नारायणत्रिभुवनकेस्वामी ● ॥
सकलविश्वतुमहीं विस्तारौ ● विश्वरूपहैरूपतुम्हारौ ● ॥
निर्गुणनिर्विकारअविनासी ● लीलासगुणगुणनकीरासी ॥
प्रभुतुमसबदेवनकेदेवा ● जानेकौंनतुम्हारौभेवा ॥ ● ● ॥

कोजानतुम्हरौभेवहरितुमसकलदेवमइंप्रभो ॥
आदकारणसबहिंकेतुमविश्वसबतुम्हरौविभो ॥
नागनरसुरअसुरअगजगदाससबतुम्हरैहरी
रहतमायासबतुम्हारीजाहितुमजिहिंबिधिकरी
योगयज्ञअनेककर्मनकरितुम्हैसबध्यावहीं ॥
जैसोजाकौभावतैसोतुमहिंतेंफलपावहीं ● ● ॥
अतिअगाधअपारतुमगतिपारकाहूनहिंलह्यौ ॥
शंभुशेषगणेशबिधिनानेतिनिगमनहूंकह्यौ ● ॥
भक्तहितधरिविविधितनतुमचरितअद्भुतविस्तरै ॥
मच्छकच्छवराहवपुह्वैवेदगिरितुमउद्धरै ● ॥
होयनरहरिभक्तप्रणकरिसुरनहितवामनभये
भृगुबंसमणिअभिरामतमधरिमानमयक्षत्रीहये ॥

शमरूपनिपातरावणविभीषणकौं दपकियौ ॥ ॥
कंसअरियदुवंसभूषणकृष्णवपुधर्षबिनिधिलियौ ॥
बोधरूपदयालकलिकिहिंसादिकर्मनभावहीं ॥
निःकलंकमलेक्षहादसरूपअुतितवगावहीं ॥ ॥
नवगुणरूपअनंतप्रभुहौं अजानजगदीस ॥ ॥
यौंअस्तुतिअक्रूरकरिनायौपदपरसीस ॥
नवहिस्यामसुखदाय अंतरहितजलतेंभये ॥
निकसौअतिअकुलाय तबजलतेंअक्रूरपुनि
लखीकृष्णकीजबप्रभुताई ॥ बढ्यौहरषअतिउरनसमाई
भूलेनेमनकछुकहिजाई ॥ मगनध्यानबलरामकन्हाई ॥ ॥
कहतमनहिमनयेअविनासी ॥ पूरणब्रह्मसकलगुणरासी ॥
हरणकरणसमरथभगवाना ॥ नाहिनइनसमानकोउआना
कितककंसभेंटीउरसंसा ॥ येकरिहैंताकौनिरबंसा ॥ ॥ ॥
चल्यौहांकरथतबहरषाई ॥ नंदउपनंदमिलेतहांआई ॥ ॥
हरिअक्रूरहिबूझतजाहीं ॥ करिसयानमनमनमुसकाहीं ॥
कहौताततुमअबहरषाने ॥ प्रथमहिकछूबऊतमुरझाने ॥
कहौसांचहमसोंसोईबानी ॥ तबअस्तुतिअक्रूर बखानी ॥
धन्यधन्यप्रभुधनिश्रीकंता ॥ गुणनअगाधअनादिअनंता ॥
निगमनेतिकरिजाहिबखाने ॥ सहसाननितनवगुणगाने
करिकेकृपाजाननिजदासा ॥ दियौदरससंशयसबनासा ॥ ॥

अबमोहिप्रभुबूझतकह्यातुमत्रिभुवनकेनाथ ॥
करताहरताजगतकेसकलतुम्हारेहाथ ॥
कह्याबापुरौकंस कह्यामल्लकह्याकुबलिया ॥
अबकरियेनिबंस बेगनाथऐसेखलन ॥ ॥
सुनमोहनसुफलकसुतबानी ॥ भयेप्रसन्नभक्तसुखदानी ॥
जातचलेरथपरदोउभाई ॥ सन्मुखदृष्टमधुपुरीआई ॥
नरखिकिरणमहलनछविछाई ॥ जगमगातनभसुंदरताई
अक्रूरहिबूझतघनस्यामा ॥ कहियतयहैमधुपुरीनामा ॥
श्रवणनसुनतरहतहेजाही ॥ देख्योआजदृगनतेंताही ॥
कंचनकोटकंगूरासोहै ॥ बैठेमनऊमदनमनमोहै ॥ ॥
बनउपबनपुरकेचऊंपाहीं ॥ अतिभावतमेरेमनमाहीं ॥
लखिलखिहरिमथुराकीशोभा ॥ पुनिपुनिपुलकतकरिमनलोभा
तहांजन्मजियमेंकरिजानैं ॥ तातेंअधिकहर्षउरमानैं ॥
बाजतनौबतन्द्रपतिदुवारा ॥ होतशब्दघरियालउदारा ॥
सुनिसुनिमनआनंदबढावैं ॥ नगरशोरसुनिरुचिउपजावैं
कनककखचितमणिजटितअटारी ॥ धवलनवलअतिरुचिसंवारी
ध्वजपताकतोरणकलसजहांतहांललितवितान ॥
मुक्ताझालरझलमलैंकोकरिसकैबखान ॥ ॥
निरखिनिरखिहरबात मनमोहतअक्रूरकैं ॥
बलहिदिखावतजात ललितझालकरपल्लवन

कहैअक्रूरसुनौयदुनाथा ❁ भईआजमधुपुरीसनाथ ॥ ❁ ॥
तुमहिविलोकिविराजतऐसी ❁ पतिआगमसोहैतियजैसी ॥
कसीकोटकटकंकिणिमानौ ❁ उपबनबसनविविधिरंगजानौ
मंदिरचित्रविचित्रसुहाये ❁ जनुभूषणरचिअंगबनाये ॥
जहांतहांविविधिबाजनेबाजैं ❁ मनऊंचरणनूपुरधुनिसाजैं
धामनध्वजाविराजतहैंइम ❁ संभ्रमगतिअंचलचंचलजिम ॥
ऊंचअटनघटकलशतुछविछाजै ❁ जनौउरआनंदउमगिविराजै
भूलीअतिसुखसंभ्रमतातें ❁ प्रगटेकनककलसकुचजातें ❁ ॥
मेखाद्वारदरीचीद्वारा ❁ लागेविद्रुमकुलिशकिवारा ॥ ❁ ॥
मनऊंतुम्हारेदरसनलागी ❁ नैननरहीनिमेखनत्यागी ॥
मुक्ताफलशिखिरकिनराजैं ❁ हंसतिमनौआनंदनसाजैं ❁ ॥
जगमगजोतिरहीछविफूलीं ❁ जनुतुमपंथनिहारतिभूलीं ॥
नीकेहरिअवलोकियेपुरीपरमरुचिरूप ॥
असुरकंसकौंजीतिकैहोऊइहांकेभूप ❁ ॥
सुनिविहसेनंदलाल ललितबचनअक्रूरके ॥
पऊंचेरथततकाल जायनिकटमथुरापुरी ॥
नगरनिकटपऊंचेजबजाई ❁ सुफलकसुवनसहितदोउभाई
गौरस्यामरथपरदोउराजैं ❁ कोटिमनोजनिरखिछविलाजैं
कंसदूतलखिजहांतहांधाये ❁ समाचारकहिनृपहिसुनाये
आयेबलमोहनदोउभाई ❁ सुनतहिनामउठ्यौअकुलाई ॥

गहिकरखड्गचर्मवितनायौ ● रंगभूमिकेमहलनआयौ ॥
गजमुष्टिकचाणूरबुलाये ● औरसुभटसबबोलपठाये ● ॥
तिनसोंकह्यौसजगसबहोऊ ● ठांवहिठांवरहौसबकोऊ ॥
बकुतिकअसुरनिकटबैठाये ● धनुषपासबकुसुभटपठाये
पठवतदूतदूतपरधाई ● आयेकहांलगिदेखौजाई ॥ ● ॥
गरजैकंससैनसबसाजै ● द्वारेविविधिबाजनेबाजै ॥ ● ॥
पौरैभयौहृदेडरमान्यौ ● सूखतअधरबदनकुम्हिलान्यौ ॥
नंदमहरकेसुनसुनिआवत ● मनमनमारनगर्वबढावत ॥

परयौशोरमथुरानगरआवतनंदकुमार ॥
सुनधायेनरनारिसबगृहकौकाजबिसार

लाजकानडरडार कोउखिरकिनकोउअटनपर ॥
कोऊखरीदुवार कोउधावतगलियनफिरन ॥ ● ॥

कियौप्रवेसनगरमेंजाई ● असुरनिकंदनजनसुखदाई ॥
इंदुबरनरथपरदोउबीर ● सुभगस्यामबरगौरशरीर ॥
सीसमुकुटकुंडलछविछाजै ● कुंडलएकशमश्रुतराजै ॥ ● ॥
नीलपीतबरबसननिकाई ● मुक्तमालबनमालसुहाई ॥ ● ॥
निरखिसकलपुरजनअनुरागे ● धायधायरथकेसंगलागे ॥
युगलरूपलखिहौंहिंसुखारे ● इकटकलोचनटरहिनटारे ॥
चढीअटारिनदेखहिंनारी ● बढ्यौप्रेमआनंदउरभारी ॥
निसिदिनसुनगुणगणअभिलासी अजिआरतदरसनकीप्यासी

शशिआननमृदुवेषकिशोरी ❁ भयेनिरखिदोऊनैनचकोरी
पुलकितगातदृगआनंदपानी ❁ कहततसप्रेमपरसपरबानी ॥
येईसखिबलरामकन्हाई ❁ सुनियतजिनकीबहुतबड़ाई ॥
नंदगोपकेयेदोउछोटा ❁ गौरस्यामतनसुंदरजोटा ॥ ❁ ॥
मणिकंचनकेशिखरदोउकिधौंमानसरहंस ॥
कैप्रगटेब्रजदैनसुखत्रिभुवनकेअवतंस ❁ ॥
धनिधनिगोकुलग्राम धन्यस्यामबलरामधनि ॥
धनिधनिब्रजकीबाम प्रगटप्रीतिपालीजिन्हन ॥
सुनतिहुतीपुरुषारथजिनके ❁ देखहुरूपनैनभरतिनके ॥
अतिहिअनूपवेषनटसोहै ❁ कहहुसोकोछविदेखिनमोहै ॥
पूरवजन्मसुकृतकोउकीनौ ❁ सोविधियहनैननफलदीनौ
अतिअभिरामस्यामछविधारी ❁ इनहींप्रथमपूतनामारी ❁ ॥
सकटातृणाइनहिंसंहारे ❁ बत्सबकाअघपुनिइनमारे ❁ ॥
इंद्रकोपबरषनब्रजकीनो ❁ इनहींगिरिकरधरिरखलीनौ
जलतेंकारीइनहिंनिकास्यौ ❁ पुनिअरिष्टकेशीइनमास्यौ ॥
गौरशरीरनामबलसोई ❁ धेनुकअौप्रलंबहावोई ॥ ❁ ❁ ॥
अबअकूरपठैन्हपराई ❁ इहांबोलिप्रठयेदोउभाई ॥ ❁ ॥
रंगभूमिरचिकियौअखारौ ❁ कहांकान्हधौंहृदैविचारौ ॥ ❁ ॥
जननीधीरधस्यौधौंकैसे ❁ अतिबालकपठयेहैंऐसे ॥ ❁ ❁ ॥
देहिंअसीसमांगिबिधिपाहीं ❁ न्हातहुबारखसहुतननाहीं

लेतबलैयावारि कैआंचरयहकहिनारि ॥
करिहैं इनसोंकपटन्हपती ह्वैहैंजरिछारि ॥
सुफलभयेमनकाम देखिदरसइनकौसखी ॥
कुशलजाउनिजधाम देतअसीससुनायसब ॥

कहितयुवतिइकसुनउंसयानी ॥ मैंजोसुन्यौसुकहतिबखानी ॥
येवसुदेवकुंवरसखिदोऊ ॥ ऐसेलोककहतसबकोऊ ॥ ॥
कंसत्रासकरिमातपठाये ॥ नंदसखागृहजायदुराये ॥ ॥
करिदुलारजसुमतिपयप्याये ॥ हितकरितिनकेबालकछाये
गोरेअंगनैनरतनारे ॥ जोप्रलबकेमारनहारे ॥ ॥ ॥ ॥
कुंडलएकवामश्रुतधारी ॥ तेरोहणीसुवनसुखकारी ॥ ॥
अतिअभिरामम्हाबलधाम ॥ तातैंनामधर्यौबलरामा ॥ ॥ ॥
स्यामसुभगतनउरबनमाला ॥ सीसमुकुटदृगनैनविशाला
जिन्हैंहेतकरिसंगव्रजबामा ॥ मान्यौनाहसकलसुखधामा ॥
जिनकेचरणछुवतबडपापी ॥ पाइंसुगतिसुदरसनआपी
अमितप्रभावकहसबकहहीं ॥ जिनकेनामअधमगतिलहहीं
कहतदेवकीसुतसबतिनसों ॥ कंसराजभयमानतजिनसों ॥

आयेहैंअक्रूरसंगताततमातसुखदेन ॥
रंगभूमिरिपुजीतकेकरिहैंयदुकुलचेन
सुनिसुनिमुदितसुनारि अतिप्रियबानीतासुकी
मागतिगोदपसारि बिधिसोंऐसेहोउसब ॥

देतसबनसुखयौमनभावन ❁ उतरेजायबागइकपावन ॥
गोपनसहितनंदतहांरख्यौ ❁ तबसुफलकसुतसौंहरिभाख्यौ
कहहुतातश्रागेतुमजाई ❁ श्रायेस्यामरामदोउभाई ❁ ॥
बहुरिन्टपतिजबहमैंबुलैहैं ❁ करिविश्राम हमऊंतबऐहैं ॥
तबश्रक्रूरजोरियुगपाणी ❁ बोल्यौसुनतस्यामकीवाणी ❁ ॥
मुहिन्यारेक्योंकरतगुसाई ❁ राखौनिकटदासकीनाई ॥ ❁ ॥
कंसदूतमोकोंजिनमानो ❁ निजसेवकश्रपनोकरिजानो ❁ ॥
श्रबमेरेमनमेंयहश्रासा ❁ चलिपावनकीजैमोबासा ❁ ❁ ॥
तबहंसिकेबोलेघनस्यामा ❁ ऐहैंएकदिनातुवधामा ॥ ❁ ॥
ऐसेंकहिश्रक्रूरपठाये ❁ बिदाहोयन्टपपाससिधाये ❁ ❁ ॥
रथतेंउतरपरेदोउभाई ❁ ग्वालबालसबलियेबुलाई ❁ ॥
सखाभ्रातसंगसहितलालहु ❁ गयेयमुनतटनगरनिकालहु

बालवैसशोभितसुभगबालसखनकेसंग ॥
गौरस्यामशोभानिरखिलज्जितकोटिश्रनंग
श्रतिविचित्रकोज्ञान ब्रजबासीप्रभुकेचरित ॥
श्रमितगुणनकीखान जनरंजनदुष्टनदलन

॥ श्रथरजकबधलीला ॥

न्टपतिरजिकश्रंबरन्टपधोवै ❁ श्रावतदेखिस्यामतनजोवै ॥
हंसतसकलबातयोंचालैं ❁ कंसराजकेडरयेसालैं ❁ ❁ ❁ ॥
लघुलघुवैसगोपकेजाये ❁ बहुतश्रचगरीकरियेश्राये ❁ ॥

तृणावर्त्तप्रभुरह्यौहमारै ❁ इनहींताहिसिलापरमारै ॥ ॥
अनिखोटौजिहिंनामकन्हाई ❁ प्रथमताहिडारैमरवाई ॥
हैबलभद्रतैसोईखोटौ ❁ गोरेअंगमहाबलमोटौ ॥ ❁ ॥ ❁ ॥
ताहूकौंमारेगौरज्जा ❁ बोलेहैंयाहीकेकाजा ॥ ❁ ❁ ❁ ❁ ॥
ऐसेंकहतपरस्परबानी ❁ प्रभुअंतरजामीसबजानी ❁ ❁ ॥
ग्वालनसहितगयेतिहिंपाहैं ❁ कह्यौकछूअंबरहमचाहैं ❁ ॥
तिनकौंपहिरनृपतिपेजैहैं ❁ दैहैंबकसरितुम्हैंजबऐहैं ❁ ॥
जोपहिरावननृपसोंपैहैं ❁ तामेंकछुतुमहूंकौंदैहैं ❁ ❁ ❁ ॥
कैपहिलैहीलैहौहमसौं ❁ बूझतहैंतैसौहमतुमसौं ❁ ❁ ❁ ॥

हंस्यौवचनसुनस्यामकेकह्यौगर्वकरिबैन ॥
बलकेबकराहरहेआयेहैंपटलैन ॥ ❁ ❁ ॥
राखैंघरीबनाय ह्वैआवऊनृपद्वारलौं ॥
तबलौंजोपटआय जोभावैसोदीजिये ॥

बनबनफिरतचरावतगैया ❁ अहिरजातिकामलीउढैया ❁ ॥
नटकोवेषसाजकैआये ❁ नृपअंबरपहिरनमनभाये ॥ ❁ ॥
जुरकैचलेनृपतिकेपासा ❁ पहिरावनलेवेकीआसा ❁ ❁ ॥
नेकआसजीवनकीजोऊ ❁ खोवनचहतअबहिपुनिसोऊ ॥
यहसुनिस्यामकह्यौमुसकाई ❁ देऊवसनहैतुमहिंभलाई
हमभागतहैंसहजहितुमसौं ❁ तुमकतकरतइतौरिसहमसौं
सहजबातकौंरिसनहिकीजै ❁ मागेदेऊमानगुणलीजै ॥

भौंहऐंठितबरजकरिसानौ ● येन्टपबसननहींतुमजानौ॥
अबहींसुनतक्षणकमेंमारै ● नंदहिपकरिबंदमेंडारै ● ॥
जाऊचलेटहांतेंअबनीके ● कैहैहौअबहीबिनजीके ॥ ● ॥
करतअचकरीमोसौंआई ● दुऊनमारिहौंकंसदुहाई ● ॥
यहसुनिकियौस्यामसोख्याला ● भुजापकरिपटक्यौततकाला
तुरतगयौतनतजिस्वरगकीनौरजकविहाल ॥
जन्ममरणतेंरहगयौऐसैगुणगोपाल ● ॥
लखिकैगयेपराय संगीताकेसबरजक ॥ ॥
लीनेबसनलुटाय स्यामप्रथमहीन्टपतिके
रजकमारिसबबसनलुटाये ● आपपहरिग्वालनपहिराये ॥
विविधरंगबहुभांतिनवीने ● निजनिजरुचिग्वालनसबलीनै
चलेतहांतेंसबहरषाई ● मिल्योएकदरजीपुनिआई ● ॥
प्रभुकौंदेखिबहुतसुखपायौ ● चरणकमलकौंमाथनवायौ ॥
घाटबाटजेबसनसुहाये ● तेउनसमकरितुरतबनाये ॥ ● ॥
ताकेहितहिमानप्रभुलीनौ ● अभैदानदैनिजपददीनौ ● ॥
पुनिइकमालीहुतौसुदामा ● ताकेद्वारगयेघनस्यामा ● ॥
तुरतआयतिनपदसिरनायौ ● हरिहलधरलखिहृरषबढायौ
आदरसहितसदनमेंआने ● चरणधोयनिजभाग्यबखाने ॥
न्टपतिहेतजेहारबनाये ● तेसप्रेमप्रभुकौंपहिराये ॥ ● ● ॥
हाथजोरिबहुबिनयसुनाई ● जैजैश्रीपतिप्रभुयदुराई ॥ ॥

मोकौं बक्रुत अनुग्रह कीनो ● दीनजान अपनो कर लीनो ॥
सुनिसप्रेमताके बचन रीझे स्यामसुजान ॥
मालीपूरणकामकरि दियौभक्तिबरदान ॥
सखनसहितदोउभाय बक्रुरिहर अआगेचले ॥
तहांपंथमेंआय कुबजालैचंदनमिली ॥ ● ● ॥
निरखिस्यामछबितनसुधिभूली ● बोलीहरषिप्रेमरसफूली
होप्रभुदीनबंधुसुखदाई ● तुम्हैंनाथचंदनमैंल्याई ॥ ● ॥
मोहिकल्पनायहजगबंदन ● चरचौंअंगतुम्हारेचंदन ॥
दासीकुलकुबजाममनाऊं ● नृपकेडरचंदननितलाऊं ॥
तुम्हैंजानकैप्रभुनिहिंठाहीं ● अरिअरुमित्रबसतडरमाहीं
आजदरसप्रगटप्रभुपायौ ● मोजियकौसंतापनसायौ ॥
अबयहमलयकृपाकरिलीजै ● पूरणकामनाथममकीजै ॥
अंतरजामीप्रभुसुखदानी ● भावभक्तिकुबजापहचानी ● ॥
भावहिकेबसत्रिभुवनराई ● हितकरिकुबजानिकटबुलाई
बंदनकरिपूजेदोउभाई ● रहीस्यामछबिनिरखिलुभाई ॥
तबहरिहंसिहलधरसोंभाख्यौ ● हेतबक्रुतइनहमसोंराख्यौ
हमहूंकछुयाकौहितकीजै ● सूधेअंगनेककरिदीजै ॥ ● ॥
पगराखेपगपीठपर धरयौसीसकर स्याम ॥
नेकउठाईचिबुकगहिभईसुंदरीबाम
कोकरिसकैबखान जाहिबनाईआपहरि ॥

भई रूपगुणखान कुबजामनञ्चानंदञ्चति ॥

महाकुरूपकूबरीतैसी ॥ परसतभई तुरतरतिजैसी ॥ ॥

नबकुबजाञ्चपनेमनमान्यौ ॥ मिलेमोहिमोहनपतिजान्यौ ॥

पुनिपुनिकमलचरणसिरनाई ॥ हाथजोरिबहुबिनयसुनाई

जिमिकोनीमोहिकृपाकृपाला ॥ तिममममसदनचलहुनंदलाला

ञ्चपनेचरणकमलतहांधरिये ॥ सुफलमनोरथमेरौकरिये

तासोंबिहसिकह्यौघनस्यामा ॥ कंसदेखिऐहौंतुवधामा ॥

ञ्चपनीकरितियसदनपठाई ॥ चलेधनुषदेखनदोउभाई ॥

ग्वालसखासंगसुभगसुहाये ॥ कामसैनबररूपबनाये ॥ ॥

पुरजनभीरचहूंदिसभारी ॥ चढीञ्चटारिनदेखहिंनारी

निरखिस्यामसुखइंदुउदारा ॥ जनौपुरउदधितरंगञ्चपारा ॥

जहंतहांकहतसकलपुरबासी ॥ भईसुंदरीकुबजादासी ॥

स्यामकक्रूचेटकसौकीनौ ॥ ञ्चंगसुधारिरूपबरदीनौ ॥ ॥ ॥

रजकमारिलूटेबसनकरीकूबरीचारु ॥

बालभावमोहतमनहिंहैकोउदेवउदारु

सुनतरहेदिनरैन पुरुषारथइनकौभवन ॥

तैसेदेखेनैन ब्रजबासीप्रभुनंदसुत ॥ ॥ ॥

गयेधनुषशालादोउबीरा ॥ देखतचकितभयेभटभीरा ॥ ॥

ञ्चस्त्रसंभारउठेञ्चकुलाई ॥ देखिथकेसुंदरदोउभाई ॥ ॥

धनुषसमीपञ्चसुरसबठाढे ॥ ञ्चतिबलवंतधीरनरगाढे ॥

तहजाहिंघेरलियेदोऊभैया ● बोलउठेसबसुनऊंकन्हैया
सुनियतअतिबलभुजनतुम्हारी ● यहकोदंडचढावऊभारी
तिनसोंबिहसिकह्यौसुखरासी ● कहाकरतहमसोंयहहांसी
कहांबालहमबैसकिसोरा ● कहांधनुषअतिगरुवकठोरा ● ॥
सूरबीरएठाढेसबलहिये ● तिनसोंधनुषचढावनकहिये ॥
खेलनकहौंखेलकछुहमकौं ● सोहमखेलदिखावैंतुमकौं ● ॥
ऐसेंस्यामहंसततिनमाहीं ● अरअक्रूरगयेन्टपपाहीं ● ॥
समाचारसबजायसुनाये ● नंदसहितबलमोहनआये ● ॥
यहकहिघरअक्रूरसिधारे ● रजकजायतिहिंकालपुकारे ॥
॥ ● मारबिनदूतयाहमैंनंदगोपकेबाल ● ॥
॥ ● लीनेबसनलुटायकैपहिराएयेसबग्वाल ॥
॥ सुनतहिउठ्यौरिसाय बोल्यौसबनिबुलायन्टप ॥
॥ करीप्रथमहीआय देखौइनछोटौबडी ॥ ● ● ॥
अबमारिहौंअबश्यदोउभाई ● लेऊंआजसबब्रजहिलुटाई
देऊंबंदमैंनंदहिल्याई ● गयेअहीरबऊतइतराई ॥ ● ॥
मैंसादरकरिइनहिंबुलायौ ● आगेदैइनरजकमरायौ ● ॥
देखऊंकोउजाननहिंपावैं ● असुरजायसबकौंगहिल्यावैं
ऐसेंकंसकहतरिसयाई ● तबहीदूतनखबरजनाई ● ॥
कुबजासोंचंदनहरिलीनौ ● ताकौरूपअनूपमदीनौ ॥ ● ॥
धनुषनिकटपऊंचेदोउभाई ● यहसुनतहिकछुगयौसुखाई

बऊरि धीर धर असुर पठाये ॥ तेयह्व कह्व तस्याम पह्व आये ॥
पह्व लैतोर धनुष गोपाला ॥ बऊरि बुलायो निकह्व भुआला ॥
सुनि असुर नके बचन कन्हाई ॥ बोले मनही मन मुसकाई ॥
याही कौन्ह्व यह्वमहिं बुलायौ ॥ जोसौ बैर आन्य यह्व पायौ ॥
गहन लगे ते बालक जानी ॥ तबहिं स्याम कछुरि स कर आनी
कर आनि रिस महि पाणि तुर तहि असुर से मारि सबै ॥
अति हि बेग उठाय धनुष हि तोरि महि डारयो तबै ॥ ॥
उठे तबकरि क्रोध योधा मार मार पुकार हीं ॥ ॥
नंदसुत रणबीर होधर धीर असुर संहार हीं ॥ ॥
एक ऊटकत एकपटकत तेनमटकत फिर तहीं ॥ ॥
एक अटकत एकलटकत एक सटकत जहीं तहीं ॥ ॥
तालचटकत चमकि छटकत देखि भटकत नटभले ॥ ॥
एकपकरि फिराय पटकत जान तेन्ह पपहिं चले ॥ ॥
ग्वालहि मारे असुर सब तोरि धनुष नंदलाल ॥
चलेसामुहे पवरि तकि जहां कुवलिया व्याल ॥
देखत चढे विमान ब्रह्मादिक सुर सिद्ध मुनि ॥
डारत सुमन सुजान ब्रजबासी प्रभु पर हरषि ॥
रंगभूमि हरि हलधर आये ॥ संग सखान वग्वाल सुहाये ॥
आप आपनी छवि सब छाये ॥ रविशशि उडगण उदित सुहाये
देख्यौ हरि दह्वार पर ठाढे ॥ मन ऊंगर्व कै गिरि वर गाढे ॥

कंधकेसरीगर्वप्रहारी ● बलतनहूंसेगयंदनिहारी ● ● ॥
ताक्षखकीछविकहीनजाई ● कसतपीतपदकटिलपटाई ॥
स्यामसुभगलटयूं घरवारी ● पागपेचमिलिपागसंवारी ॥
मधुपुरिकीयुवतीसबबाळी ● कहतिपरस्परमहलनठाढी ॥
लखहुसखीअंगअंगलुनाई ● रूपरासिमनहरनकन्हाई ॥
कोटिमदनछविविधिलुनलीनी ● तबयहमूरतिसांवरिकीनी
अतिहिंकुशलयेलखेसुखदाता ● हमंबभागिकेकूरबिधाता
धनिब्रजतियइनकेसंगलागी ● निसिदिनरहतिप्रेमरसपागी
बनवीथिनकुंजनबिचडोलैं ● रासहासरसकरतिकलोलैं ॥
हेयहमारेसुनतकछुसुनहुसखीतेआज ॥
डरैंतीखौधनुषहरि त्यौंजीतैंगजराज ● ॥
सुरनमनावतिजात अतिकोमललनंदलालनखि
बचहुकुशलदोउभ्रात मातपिताकेपुन्यतें ● ॥
देखिमतंगद्वारमतवारौ ● गजपालहिंबलरामहंकारौ ● ॥
सुनहुमहावतबातहमारी ● लेहुद्वारतेंबारनटारी ॥ ● ॥
जानदेहुहमकौंन्दपपासा ● नातरह्वैहैगजकौनासा ● ॥
कहैदेतनहिंदोषहमारौ ● मतिजानेहरिकौंतूबारौ ● ● ॥
त्रिभुवनपतिदुष्टनसंहारी ● धरणीभारउतारनकारी ● ॥
सुनतबोलगजपालरिसानौ ● रेगोपालतुम्हैंमैंजानौ ॥ ● ॥
त्रिभुवनपतिअबगायचराये ● गंडेखानगजनसोंआये ● ॥

जादतनबडेंइरकीनाहीं ॥ जैहैप्राणत्र्रबहिक्षणमाहीं ॥
तौसौधनुषभयौत्र्रतिगारै ॥ नहिंजाननयहगजत्र्रतिभारै
दससहसगजकौबलयाही ॥ डरपतहैऐरापतिजाही ॥
जबलगियासौंलरिनहिलैहौ ॥ तबलगिकैसेंभीतरजैहौ ॥
ऐसेंकहिअंकुशकरलीनौ ॥ गजगजपालसामुहेकीनौ ॥
नवहिकोपइलधरकह्यौसुनरेमूढकुजात ॥
गजसमेतपटकौंत्र्रबहिमुहसंभारिकहिबात ॥
नेकनलागिहैबार बारनमरिजैहैत्र्रबहि ॥
तासौंकहतपुकार मानत्र्रजहुंमेरोकह्यौ ॥
यहसुनगजगजपालचलायौ ॥ झटकिहडबडसोंगजधायौ
लीनौलपकिसुंडकेमाहीं ॥ देखतसुरबीरचकधाहीं ॥
तबबलरामकोपकरिभारी ॥ बज्रसमानथापइकमारी ॥
तबसमेटकरकरिसकुचान्यौ ॥ दईकूकमदरसुखान्यौ ॥
तबहीऊचरदिभयेबलन्यारे ॥ त्र्रसुरसैनदेखतहियहारे ॥
हंसतनिकटठाढेदोउभाई ॥ देखिमहावतरह्यौलजाई ॥
थकितरह्यौहाथीजबजान्यौ ॥ तबमनमेंगजपालडरान्यौ ॥
जोयेबालकबधेनजाहीं ॥ मारैकंसमोहिपलमाहीं ॥
अंकुशमसकिसीसपरदीनौ ॥ बडरिगयंदहितातौकीनौ ॥
भयौक्रोधहाथीमनमाहीं ॥ गंडस्थलमदत्र्रंबुचुचाहीं ॥
पवनवेगतेंत्र्रातुरधायौ ॥ गरजबुमरिदुवनपरत्र्रायौ ॥

महाकोपकरिगहेकन्हाईं ❀ पछौरदसनदैधरणिधसाईं ❀ ॥

॥ डरपिउठेतिहिकालसबसुरमुनिपुरनरनारि

॥ दुहूंदसननिबचन्हैकढेबलनिधिप्रभुदैतारि ॥

॥ उठेगजहिकेसाथ बज्जरिख्यालईंहांकदै ॥

॥ तुरतहिभयेसनाथ देखिचरितसबश्यामके ॥

हांकसुनतअतिकोपबढायौ ❀ ऊटकिसुंडबज्रैगजधायौ।

रहेउदारतरिदबकिमुरारी ❀ गयेजानगजरह्यौनिहारी ॥

पाछैंप्रगटिबज्जरिहरिटेसौ ❀ बलदाऊअंगैंजेंघेसौ ❀ ॥

लागेगजहिखिलावनदोऊ ❀ चकितभयेदेखतसबकोऊ ॥

चऊंधांफिरतचक्रकीनाईं ❀ सूंडपूंछक्षणक्षणछ्वैजाईं ॥

नेकनहीअबसरगजपावै ❀ चारौंदिसहरिकितऊनपावै ❀ ॥

घातकरतमनहींमनमाहीं ❀ गजरिसविकलइन्हैंरिसनाहीं

कबहूंपूंछपकरिकैझेलैं ❀ जौंबालकबछरनसंगखेलैं ❀ ॥

कबहूंइनउततेंदोऊबीर ❀ भजतमारिकैमुष्टगंभीर ❀ ॥

कबऊउछरतरहैंकढिजाहीं ❀ नेकछुवनपावतगजनाहीं

नीलपीतपटकटिफहराहीं ❀ चपलनैनदौरघबरबाहीं ॥

खेलतगजसंगचंचलराजैं ❀ निर्तंतमदनमनऊंगतिसाजैं ॥

॥ जनुमदननिर्तंतसाजिमतिहमस्यामअरुगजखेलहीं ॥

॥ कबऊंखेलतपूंछकरग्रहिकबऊंआगेपेलहीं ॥ ❀ ❀ ॥

॥ हिरदलखिपुरनारिनरसबविकलबिधिहिमनावहीं ॥

बेगमारें स्यामगजकौं हमनिरखिसुखपावहीं ॥

दीनौमहावतबकरिअंकुशक्रोधकरिहाथीचल्यौ ॥

तबहिंहरिगहिपूंछपटक्यौनेकनहिंभूपरहल्यौ ॥

लयेखेंचिमृनालज्यौंरदसुमनकरदेवनकरी ॥

दासब्रजबासीहरषसबअसुरकीसैनाडरी ॥

हंसतहंसतमार्योप्रवलद्विरदकुबलियास्याम

सखनसहितठाढेमुदितछबिनिरखतपुरबाम ॥

मार्योगजबलभ्रात जहांतहांसबकोउकहत ॥

चिरजीवकउदोउभ्रात प्रभुब्रजबासीदासके ॥

॥ अथमल्लयुद्धलीला ॥

चलेजहांसबमल्लगुपाला ॥ द्विरददंतधरिकंधविशाला ॥

गौरस्यांमसुंदरदोउभाई ॥ श्रमसीकरमुखकमलसुहाई ॥

छविअपारबलनिधिगंभीरा ॥ संगगोपबालनकीभीरा ॥

सुनतकंसजियअतिभैमान्यौं ॥ नवखगज्यौंपिंजरअकुलान्यौं ॥

भाजनकौंमनमांझविचार्यो ॥ भाजिनसक्यौलाजकोमार्यो ॥

गयेरंगमहिमोहनजबही ॥ यथाभावदरसेतहांसबही ॥

कठेरकिसबमल्लअधीरा ॥ बलसमूहदेखेदोउबीरा ॥

दुष्टदेखिजुतेतहांजेते ॥ रूपभयानकदरसेतेते ॥

कंससमीपभूपजेआये ॥ तिन्हेंराजवंसीदरसाये ॥

साधसिधदेखहिंसुभधामा ॥ इष्टदेवपूरणसबकामा ॥

देखतसुरगणगगनसुखारी ❁ सत्रदेवनकेदेवमुरारी ❁ ॥
ग्वालबालदेखतसबऐसें ❁ सदासंगखेलतव्रजजैसें ॥ ❁ ॥
महलनतेंदेखैंप्रभुहिसकलसुंदरीबाम ॥
कोटिकामशोभाहरननवकिशोरसुखधाम
देखतअतिविपरीति कंसन्हपतनंदलालकौं ॥
कंपिकयौभैभीति प्रगटकालदरसतभयौ ❁ ॥
सर्वभावपूरणभगवाना ❁ अबलहिअबलबलहिबलवाना ॥
ललितहिललितसाधकौंसाधू ❁ छलनछलीसबगुणनअगाधू
जोजनजैसेंध्यानलगावैं ❁ ताकौंतिहिंविधिदरसदिखावैं ॥
कहतदेखिसबसुंदरजोटा ❁ येईनंदमहरकेढोटा ❁ ॥
रजकमारिन्हपबसनलुटाये ❁ कीनेकुविजाअंगसुहाये ॥
इनहींअसुरसमूहसंहारौ ❁ धनुषतोरहाथीइनमारौ ॥
धरैंकंधगजदंतविराजैं ❁ बालकगोपसखासंगराजैं ॥ ❁ ❁ ॥
देखतअसुरवीरचहुंपासा ❁ जिनकेबससबभूमिअकासा ॥
लीनेघेरकंसभैमानी ❁ तबचाणूरकहीहंसिबानी ॥ ❁ ❁ ॥
आबहुस्यामइतहिपगधारौ ❁ सुनतहुतेबहुनामतुम्हारे ॥
सबकोउतुम्हरेबलहिबखानै ❁ हारिजीतकाकीकोजानै ॥
कहाभयोजोगजतुममारयौ ❁ लरहुआजहमसंगअखारौ ॥
कहानामहमरौसुन्यौहंसिबोलेघनस्याम ॥
हमबालकभोरेअबहिहमैंखेलसौंकाम ॥ ❁ ॥

कहियेंबातबिचार हमैंतुम्हैलरिबोकहा ॥
अयुगतयहब्यौहार आपदेखिदेखहुहमैं ॥
जानदेहुहमकौंनृपपाहीं ❁ काहेकोरोकतमगमाहीं ❁ ॥
नृपहमकौंकरिहेतबुलायौ ❁ तुमयहहमकौंकहासुनायौ
तबचाणूरकह्यौपुनिऐसें ❁ तुमकौंबालककहियेकैसें ॥ ❁ ॥
कियेकर्मब्रजमेंतुमजैसे ❁ देखेसुनेनहींकहुंतैसे ॥ ❁ ❁ ॥
गिरिगोवर्द्धनकरपैधार्‌यौ ❁ जलतेंकालीनागनिकार्‌यौ ❁ ॥
औरौंअसुरबीरबलभारे ❁ सुनियतखेलतहीतुममारे ❁ ॥
सोबलआजदेखिहमलैहैं ❁ आगेजानतुम्हैतबदैहैं ॥ ❁ ॥
ज्यौंज्यौंकंसजरतदोउभाई ❁ त्यौंत्यौंभैव्याकुलअकुलाई ॥
कहिकहिबारहिंबारपठावै ❁ मल्लनकौंबहुत्राससुनावै ॥
क्योंरेसकुचकरतमनमाहीं ❁ मारतबेगिशत्रुक्यौंनाहीं ❁ ॥
जोदोउबालकआजनमारौ ❁ करौंसकुलतौनासतुम्हारौ ॥
नृपसंदेससुनिमल्लडराने ❁ कहतपरस्परमनसकुचाने ॥
तौननृपतिकौमानिकेनंदसुवनसौंआज ॥
लरमरियेकेमारियेकरैंकंसकौकाज ॥ ❁ ॥
लेहुसुजसनृपपास अबबिलंबनहिंकीजिये ॥
कछूक्रोधकछुत्रास बोलिउठेतबमल्लसब ॥ ❁ ॥
हमसौंस्यामलरतक्यौंनाहीं ❁ घाटनकछुहमतेंबलमाहीं ॥
पशुपालकतुमकुंवरकन्हाई ❁ जीतेबहुतिकपशुनखिलाई

अबलगिनहीमल्लकोउभेच्यौ ❁ अबतौहमसंगपरयौचपेच्यौ
मल्लयुद्धतुमसौंहमलरिहैं ❁ अबनरपतिकौकारजकरिहैं ॥
ऐसेंकहिकहिप्रभुहिसुनावैं ❁ भुजारैंठिरजअंगचढावैं ॥
ठोकैंतालगाजज्यौंमरजै ❁ गहैगांसहरितनतकितरजै ॥
आपुसमैंसबकरतबिचारा ❁ डारकुमारिउभैसुकुमारा ❁ ॥
सुनिसुनिहरिहलधरमुसकाहीं बोलेबकुरिबिहसितिहिपाहीं
सुनियेसकलमल्लसमुदाई ❁ यहैतुम्हारैंमनअबआई ❁ ॥
न्हपपैहमैंजाननहिदेहौ ❁ बडोसुयशहमसौंलरिलैहौ ❁ ॥
निपटखोजअबपरेहमारे ❁ यहनबसीउरभलीतुम्हारे ॥
हमनकहैंतौतुमचितजैसी ❁ कहतकहाकीजैअबतैसी ❁ ॥

जबहिस्यामऐसेंकह्यौविलखिउठीसबनारि ॥
देखोरीमारनचहतमल्लउभैसुकुमारि ❁ ॥
अतिकोमलअतिचार बाचैंकैसेंछंदई ॥ ॥
कहतिनैनजलढार कौंजननीपठयेइहां ॥

अतिहिनिठुरउरजातिअहीरा ❁ लोभलागिपठयेदोउबीरा
येतौबालकअतिहिअजाना ❁ कियौकहाउनयहअज्ञाना ॥
हांनचहतअबधायहकैसी ❁ करतकंसयहबातअनैसी ॥
कहतिसबैहमकौंयहभावै ❁ करिसहायबिधिइनहिंबचावै
तासौधनुषहयौगजजैसें ❁ जीतहिस्यामइनऊंकौंतैसें ❁ ॥
जोरिजोरिकरबिधिकेआगें ❁ अंचरछोरिछोरिसबमागें ॥

तबचाणूरहलजपैआयौ ● सहजस्यामकटिपटलपटायौ ॥
भुजभुजजोरिभयेभिड़ठाढे ● नकितकिदावचलादतगाढे ॥
ऐसैंई मुष्टिकबलिरामा ● भिडेबठायबादबलधामा ॥ ● ॥
दोऊबीरलरतअतिसोहैं ● देखतसुरनरकेमनमोहैं ● ॥
दीरघनैंनकमलतैंआछे ● ललितलालकछनीकटिकाछे ● ॥
तनचंदनचित्रतछविजाला ● बृखभकंधकरबाऊबिशाला ॥
सिरसौंसिरभुजसैंभुजादृष्टिदृष्टिसौंजोरि ॥
चरणाचरणगहिरूपटिकैलपटझपटझकझोरि ॥
गहनननपावतघात छूटिजातलपटानपुनि ॥
शिवबिधिपैनगहात तिन्हैंमल्लचाहतगहन ॥
स्यामसहजमल्लनसौंखेलैं ● पकरिपकरिभुजदंडनपेलैं ● ॥
भयेप्रथमकोमलतनताहीं ● सिथिलरूपपबिवतमनमाहीं ॥
तबचाणूरमनहिगरवान्यौं ● हरिकेबलहितुच्छकरिजान्यौं ॥
कोटिकुलिशसमतनतिहिकाला ● तुरतहिहोयगयेनंदलाला
करिकेकोपमुष्टिइकमारी ● फूलसमानस्यामऊरपारी ॥ ॥
पुहुपहुतैंकोमलतिहीमान्यौं ● तिनमारचौअपनेजियजान्यौं
भयोबेगिअतिहरषितियारो ● कहनलग्योमुरिअहिरपछारो
देख्योहंसतगुपालहिठाढौ ● पस्योसोचप्राणनअतिगाढो ● ॥
नंदसुवनमहिमातवजानी ● निहचैमीचआपनीमानी ॥
सबमोहनकरिकोपहंकारयौ ● जनुगजकौंमृगराजपुकारयौ

सुननहांकसबदावभुलानौं ❀ थरथरायचाणूरडरानौं ॥ ❀ ॥
धसौधायतवरुपटिकन्हाई ❀ पटक्यौमहिगहिचरनफिराई
पटक्यौचरणगहिफेरिमहिचाणूरअतिबलसांवरे ॥
धसगयौधरमसकिअंगसबविकटभुखसौदावरे ॥ ❀ ॥
भयौशद्वाघातसुनिन्रपकंसडरधसकौपरयौ ॥ ❀ ॥
निरखिपुरनरनारिनभसुरहरखिहियआनंदभरयौ
पकरिऐसियभांतिनबलरामसुष्टिकमारियौ ❀ ॥
कहतधनिधनिलोगसबजैजैयतिसुरनउचारियौ ॥
मल्लअरुअतिमल्लआदिकमल्लतहंजितनेहते ॥
उपटिकपटिपछारिकैपुनिनंदसुवननमारेतिने ॥ ॥
जबमारेहरिमल्लसबपरयौकटकमेंशोर ॥
जिमितारागणारविउदैरूपेअसुरचकोर ॥
सखनसहितदोउबीर रंगभूमिराजतखरे ॥
हरणभक्तभैपीर ब्रजवासीप्रभुनंदके ❀ ॥
जबहीश्याममल्लसबमारे ❀ चपेअसुरसबलखिहियहारे ॥
देखिकंसअतिभयौदुखारी ❀ सेनापतिनकहतदैगारी ❀ ॥
कांपतलियेखडगबडक्रोधा ❀ कहतगयेकितरेसबयोधा ॥
लेनरवारढालसबकोऊ ❀ डारउमारिनंदसुतदोऊ ॥ ❀ ॥
डारेमारिमल्लसबमेरे ❀ तनकडरअहिरनकेरे ❀ ❀ ॥
डरनहिकरतचलेइतआवैं ❀ देखउजीवतजाननपावैं ❀ ॥

असुरवीर अपनीसर जेते ● लैलैनामपठायेतेते ॥ ● ● ॥
कह्योद्वारपालनभयबाढ़ौ ● करऊकपाटपौरि कौगाढौ ● ॥
नृपभैमानिअसुर सबधाये ● अस्त्रशस्त्रलैहरिपरआये ● ॥
भयेविकललखिपुरनरनारी ● मनमनदेतकंसकौंगारी ॥ ॥
कह्यनकिभईकठिनयहबाता ● वचऊस्यामसोइकरऊबिधाता
आवतलखीअसुरकीभीरा ● भिरेह्वांकदैदैदोउबीरा ● ॥

॥ अवलोकिअसुरसमूहआवतह्वांकदैदोऊभिरे ॥
॥ मनऊंगजगणनिरखिकेहरिधायतिनऊपरपरे
॥ सुनतशब्दगंभीरहरिकौहहरिसेनापतिगये ॥
॥ लपकिगहिमल्लिपटकिजह्वांतहांक्रोधकरबलजूहये
स्यामगौरकिशोरसुंदरअसुरगणबिचयौंलरैं
जनौसांतअरुसिंगारधरितनवीरकीकरनीकरैं
जातनहिबरनीचटकगहिपटकइतउतधावहीं
भूमिभारअपारअघनिधिअसुरनिकरनसावहीं
॥ पर्‍योनगरखलभसकलअतिभैव्याकुलकंस ॥
॥ पुनिपुनिमंत्रिनसौंकहतबढ्योअधिकडरसंस
॥ कीजैकछूउपाय जियतजाहिंनहिबंधुदोऊ
॥ मारऊनंदबुलाय ब्रजकोउरह्नननपावही
पुनिवसुदेवदेवकीदोऊ ● मारऊकठिनबंधनेसोऊ ॥ ● ॥
बड़रोंउग्रसेनकौंमारों ● पितादोषकछुउरनहिधारों ॥ ● ॥

ऐसेपुनिपुनिबचनउचारे ● कंपिलरिसनखडगकरधारे ॥ ॥
अपावैठनअपाउठनअधीरा ● मारेअसुरसकलदोउवीरा ॥
अतिबलवंतनंदकेबारे ● नबसकोपनृपओरनिहारे ॥ ● ॥
गएमचानमर्चाकिचढिदोऊ ● बाजरूपटदेखतसबकोऊ ॥
ह्वैगयोचकितनृपतिभैमान्यौं ● आयोकालनिकटयहजान्यौं
रह्विगयोलियेखडगकरमाहीं ● हरिकौंमारिसक्यौंसोनाहीं
तबहीस्याममलातएकमारी ● गिरिगयोमुकटसीसतेंभारी ॥
दीनौठेलिमंचतेंभूपर ● कूदिपरेहरिताकेऊपर ॥ ● ● ॥
तहांचतुरभुजरूपदिखायो ● सोसरूपदैस्वर्गपठायो ● ॥
मास्यौकंसकहतसबबानी ● जैधुनिसुरगनगगनबखानी ॥
जैधुनिगगनसुरगनबखानीसुमनकीवरषाभई
कहतसबहरिकंसमास्यौह्वांकयहत्रिभुवनगई ॥
ब्रह्मादिसुरमुनिसिद्धगंधपमुदितमनअस्तुतिभनी
भूमिसुरउपकारहितअवतारधनित्रिभुवनधनी
धन्यगजधनिमल्लमारेधन्यकंसासुरअनी ● ॥
परसितनअनुपमलहीगतिजातनहिमहिमागनी
धन्यअखिलब्रह्मांडनायकभक्तहितनरतनधस्यौ
धन्यब्रजवासीसकलजिनप्रेमकरितुमबसिकस्यौ
करिअस्तुतिपुनिपुनिहरषिसुमनवरषिसुरबृंद ॥
मुदितबजावतदुंदुभीकहिजैजैनंदनंद ● ● ॥

मथुरापुर नर नारि अतिप्रफुलितसबकौंहियौ ॥

मनऊकुमुदबनचारि विकसतहरिशशिमुखनिरखि

मारयोकंसजबहिभगवाना ॥ भ्राताअष्टतासुबलवाना ॥

करिकरिकोपयुद्धकौंधाये ॥ तेपुनिसबबलदेवनसाये ॥ ॥

बहुरिकेसगहिकंसमुरारी ॥ दियोघसीटयमुनजलडारी ॥

कोन्हींकछुकतहांविश्रामा ॥ भयौविश्रांतघाटतिहिनामा ॥

सुनिपतिमरनकंसकीनारी ॥ औरसकलभ्राताकीप्यारी ॥

रोदनकरकरि विविधिविलापा ॥ सुमिरिभूपगुणरूपप्रतापा

निजहितसमुझभयोदुखभारी ॥ चहतमरनपतिनेहविचारी

गयेतहांबहुरोंदोऊभ्राता ॥ करुणामयकोमलसुखदाता ॥

करिप्रबोधबोलीसबरानी ॥ रहीमरततेंसुनिप्रभुबानी ॥

बहुतभांतितिनकौंसमुझाई ॥ आयेमहलद्वारदोऊभाई ॥

काकनेमकेबंससुहायो ॥ उग्रसेनसुनिकैउठिधायो ॥ ॥

तिनप्रभुचरणआयसिरनायो ॥ त्राहित्राहिकहिबचनसुनायो

त्राहित्राहिसुनायआरतवचनप्रभुचरणनगिरयौ ॥

अवकरहुकरुणानिधिक्षमाअपराधयहहमतेंपरयौ ॥ ॥

असुरमारेकंसभाइनसहितसोउचनैकरी ॥ ॥

परक्रोहरतिखलदलनहितअवतारयहतुमरौहरी ॥

करिकैकृपाअबप्रजापालनहेतुप्रभुचितदीजिये ॥ ॥

बरबैठिसिंहासनसुभगयहराजमधुपुरिकोजिये ॥ ॥

सुनिदीनबचननहरबिहरितबउग्रसेनउठायकै
बहुभांतिकरिसनमानपुनिपुनिलियेहृदैलगायकै
श्रीमुखसेंकरजोरपुनिकह्यौसुनहुमाहाराज ॥
यदुवंसिनकौंश्रापहै हमैंउचितनहिराज ॥ ❁ ॥
करहुदेवतुमराज दूरिकरौसंदेहसब ॥
हमकरिहैंसबकाज जोआयसुदैहौहमैं
जोनहीमानेआनतुमारी ❁ ताहिदंडकरिहैंहमभारी ❁ ॥
औरकछूचित्तसोचनकीजै ❁ नीतसहितपरजनसुखदीजै ॥
यादौंजितेकंसकेत्रासा ❁ गृहतजितजिभजिगएप्रवासा ॥
तिनसबकौंअबखोजबुलावौ ❁ सुखदैमथुरामांहबसावौ ❁ ॥
बिप्रधेनुसुरपूजनकीजै ❁ इनकीरक्षामैंचितदीजै ॥ ❁ ❁ ॥
यौंप्रभुउग्रसैनसमुझाये ❁ राजसिंहासनपुनिबैठाये ॥ ❁ ॥
सिरपरमंजुलछत्रफिराई ❁ निजकरचवरलियेदोउभाई
युगयुगप्रभुभक्तनसुखदाई ❁ राखतजनकीसदाबडाई ❁ ॥
बरषिसुमनसुरकहतसुखारी ❁ जैजैजैभक्तनहितकारी ॥
उग्रसैननृपकरिबैठायौ ❁ लखिमथुरालोगनसुखपायौ ❁ ॥
धनिधनिकहतसकलनरनारी ❁ अबकरिहैंपितुमातुसुखारी
यहैबातसबघरघरमाहीं ❁ इनसमऔरजगतकोउनाहीं
नरनारिसबयहकहतघरघरऔरनहिइननैंकियौ ॥
धनिमातुपितुदिनरातिधमिसोजन्मजगजबहरिलियौ

गहिकंससहितसहायमारीमरननहिरानिनदियौ ॥
उग्रसैननरेसकरिपुनिचवरकरअपनेकियौ ॥ ❁ ❁ ॥
बिबुधहरषेसुमनबरषेसुथिरसबयदुकुलभयौ ॥ ❁ ॥
अबपावहींपितुमातसुनिसुखसकलदुखछनकौंगयौ ॥
हमजिएसबनिरखिमुखछबिजन्मकौफलजगलह्यौ ॥
जियकुयुगयुगभ्रातदोउहरखिपुरबासिनकह्यौ ❁ ॥
कंसमारिभूभारहरिउग्रसैनकरिभूप ॥
कहांहमारेमातपितुतबबोलेसुखरूप ❁ ॥
संगहिचलेलिवाय उग्रसैनअक्रूरतब ॥
रामकृष्णदोउभाय ब्रजबासीजनदुखहरन
उतवसुदेवसुपनीनिखिआयौ ❁ हृदैहरषिदेवकिहिसुनायौ
रामकृष्णजनुधुमपुरिआये ❁ सुफलकसुतसंगनृपतिबुलाये ॥
असुरसैनहतिकंसहिमारयौ ❁ उग्रसैननृपकरिबैठारयौ ॥
सुनितियकहैनैनभरिपानी ❁ कहतकहापियऐसीबानी ॥
सुनिहैदूतकोउदुखदाई ❁ कहिहैअबहिकंससोंजाई ॥
हमकरिपापजन्मजगलीनौ ❁ सोफलहमहिबिधातादीनौ ॥
बधेसाततदेखतहमआगे ❁ बचौएकदुरिब्रजलैभागे ॥ ❁ ॥
तापरबंदिकरेहमदोऊ ❁ धृगजीवनपरबसजगजोऊ ❁ ॥
हमकौंमीचनीचबिधिभूल्यौ ❁ होउकंसकौबंसनिमूल्यौ ॥
कहैबसुदेवशेवैमतिनारी ❁ धेवैबदनदीम्हजलकारी ॥

कहियत हैं दुखहरण गोपाला ● गर्वप्रहारी दीनदयाला ॥
ह्वै हैं प्रगट कबहुं सुखदाई ● नातनुम्हारे त्रिभुवनराई ● ॥
अबजिन होउ अधीर तियधरहु धीर सुखपाय ॥
आयुतुलानो कंसकी देखत जायविलाय ॥ ● ● ॥
स्वप्नवृथा नहिं जाय मानिप्रियामेरो कह्यौ ॥
आजकाल्हमें आय तेरोहि मिलें रे सुवन ॥
इहि अंतर द्वारे हरि आये ● बज्रकपाट जहांजड़िलाये ● ॥
करुणाकरि हरि तिनिहिं निहारा ● गयेसहज खुलबन्धघरिकिवारा
लखिवसुदेव सामुहेंपाये ● कहतकुंवरकाके दोउ आये ॥ ॥
दियोदरस तिनिहिं प्रेमसुहायौ ● जन्मसमें जोदरस दिखायौ
मिलेधाय पितुमात निहारे ● कह्यौ नात हम सुवन तुम्हारे ॥
श्रवन मधुर निरखि सुत दंपति ● सुनहिं कंस मनहीमन कंपति
नबहीं अजकह्यौ सुनताता ● मारयौ कंस असुर हम माता ● ॥
मल्लपछारि सुभट सबमारे ● द्विरदकुबलियादंत उखारे ॥
यह कहि करि पितुमात सुखारे ● तुरत मोरिपगबंधनडारे ॥
तबजननी निश्चैकरिजानी ● श्रवनलगी कंठ लपटानी ॥ ● ॥
बारहिं बार कह्यत उरलाये ● मैंनहिं कबहूं गोदखिलाये ॥
द्वादसबरष कहां रहे प्यारे ● मातापिताजाहिं बलिहारे ॥
सुनजननीके बचन प्रभु करुणानिधयदुराय ॥
भए प्रेमबस दुखितलखि बोले अतिसकुचाय ॥

लिख्यौनमेंख्यौजाय मतिकरिमातबिषादचित ॥
अबपुरवैंदोऊभाय तुममनकेअभिलाषसब ॥
पुत्रजन्मजगमेंसुखकारी ● तुमपायौहमतेंदुखभारी ॥ ● ॥
मातपिताजातेंदुखपावैं ● बृथाजन्मसुततासुबतावैं ॥ ● ॥
सोअबदोषनमनमेंदीजै ● होनहारताकौंकहाकीजै ॥ ● ॥
अबजननीसबसोचनिबारै ● तजोशोकआनंदउरधारै ॥
सकलमनोरथतुमरेकरिहौं ● स्वर्गपताबजाततनहिंडरिहौं ॥
अष्टसिधिनौनिधलैंआऊं ● घरघरमथुरामांऊवसाऊं ● ॥
सुनिप्रभुबचनजननिसुखपायौ ● बारबारगहिकंठलगायौ
अतिआनंदभयौमनमाहीं ● सोकहिसकतसारदानाहीं ॥
कहततातत्तुमबदननिहारै ● सुफलभयौअबजन्महमारै ॥
सुनहितअवतपयोधरक्षीरा ● मिटीसकलउरअंतरपीरा ॥ ॥
बसुदेवहूदैहरषअतिपायौ ● सिद्धलाभसाधकजनुपायौ ॥
पूरवपुण्यफल्यौसुखकारी ● पायौसुतहितकरिदैतारी ● ॥

॥ अथबसुदेवगृहउत्सवलीला ॥

तुरतबोलितबबिप्रबरप्रीतसहितपरिपाय ॥
प्रथमहिसंकल्पीऊतीदईलक्षतेगाय ● ॥
औरदियौबऊदान बंदीजनअयेसुनत ॥ ॥
परितोषेसनमान अतिउछाहबसुदेवमन ॥
तबदेवकीकह्यौपतिपासा ● भरीपरमआनंदऊलासा ॥ ● ॥

प्रगटे आजसुवनममधामा ● करऊजन्मउत्सवकीसामा ॥
सुनवसुदेवपरमसुखपाई ● द्वारबद्धारदुंदुभीबजाई ॥
यदुवंसीसिगरेजुरिआये ● ध्वजपताकमंदिरनबंधाये ● ॥
रोपेकदलीखंभरसाला ● बांधीरचिरुचिबंदनमाला ॥ ● ॥
लखिहरिजन्मआनंदवधाई ● निधिसिद्धिप्रगटीसबहीआई
हाटककलसअनेकबिधाना ● मंगलद्रव्यरचेविधिनाना ॥
गजमुक्तनकेचौकबनाये ● मंदिरगलिनसुगंधसिचाये ● ॥
सुनिसबमथुरापुरनरनारी ● उमगिउठीआनंदउरभारी ॥
घरघरसबहिनमंगलसाजे ● द्वारद्वारप्रतिबाजनबाजे ॥
नवसतसाजिसकलबरनारी ● सजिसजिमंगलकंचनथारी
गानकरनकलकंठलजावै ● श्रीवसुदेवधामकौंआवै ● ● ॥

जातिपांतिपरजनप्रजावंधुहितूसबलोग ● ॥
लैलैआवतभेटसजिद्वारघतनिजनिजयोग ॥
भईभवनअतिभीर नटनाचतगावतगुणी ॥
धरिधरिमनुजशरीर मानहुंसुखआयेसुकल

तबजननीमनअतिसुचपाये ● उबटनकरिदोउसुतअन्हवाये
निजकरअंगअंगोछिसुहायौ ● तनदुतिलखिदृगतापनसायौ
केसरिमलयमिलयरुचिकारी ● कियौतिलकबरभालसुधारी
भूषणबसनसिंगारतनैसे ● राजकुंवरवरपहरतजैसे ॥ ● ॥
कंचनमणिमयरचितनवीनो ● कीटमुकुटसोभितसिरकीनो

कलगीललितजडावजडाई ❁ तुर्रमध्यअनूपसुहाई ॥ ❁ ॥
गजमुक्तनकेकुंडलकानन ❁ अतिबिसालछविसोभितआनन
कंठपदिककेहारबिराजैं ❁ उरबिसालपरअतिछविछाजैं ॥
पंचरत्नकेअंगदनीके ❁ सोभितभुजनभावतेजीके ॥ ❁ ❁ ॥
करचूरानवरत्ननिकाई ❁ पाणिपल्लवनछापसुहाई ❁ ॥
किंकिणीकलितललितरवकारी ❁ कटिकेहरपरबलितसंवारी
चूराचारुमनोहरपायन ❁ चरणकमलभक्तनसुखदायन ॥

नीलपीतवरबसनतनदोऊसुतनसिंगार ॥ ❁ ॥
चारुअलकमुखशशिझलकनिरखिजातबलिहार ॥
कृतेस्यामकेसाथ ग्वालतिन्हैंपुनिदेवकी ॥
पहिरायेनिजहाथ जानिकृष्णप्रीतमसबै ॥

ग्वालबालसबचकितनिहारे ❁ किहिनसकतकछुमनहिंबिचारे
ऐसोकृष्णदेवकीजाये ❁ झूठहिंजसुमतिसुवनकहाये ❁ ॥
करतसोचमनहीमनमाहीं ❁ अबहरिब्रजचलिहैंकैनाहीं
तबदोऊकुंवरचौकबैठारे ❁ बिप्रवृंदवसुदेवहंकारे ❁ ॥
बिधवतपूजनतिलककरवाये ❁ दानबहुतहरिहाथदिवाये ॥
बहुरआरतीमातउतारी ❁ लखिछविमुदितसकलनरनारी
वेदध्वनिमहिदेवनकीन्हीं ❁ ग्रथअनेकनिछावरिदीन्हीं ॥
वसुनरसहितसुरनभयशगावैं ❁ बरषिकुसुमदुंदुभीबजावैं
परमानंदसकलपुरबासी ❁ निधिसिधिसबगृहगृहकीदासी

बजरैसखनसहितदोऊभैया ❁ निजकरपरसिजिमायेमैया
पूरीसकलकामनाजीकी ❁ मिटीकलपनादारुणहीकी ❁ ॥
इहिविधिमारिकंसजदुराई ❁ मातपिताकीबंदिछुडाई ❁ ॥
इहिभांतिकंसनिपातियदुपतिमातपितुकौंसुखदयौ ॥
हरषिश्रांतिनरनारिमथुराघरनघरश्रानंदछयौ ॥ ❁ ॥
परमपावनयशसुहावनपलहिमेंत्रिभुवनगयौ ॥ ❁ ॥
जीवजलथलनागनरसुरसरसरसजहांतहांभयौ ॥
यहकंसहननपुनीतनितयशनरसुनहिंजेपुनिगावहीं
तेनभवबंधनपरहिंफिरश्रघसमूहनसावहीं ❁ ❁ ॥
मिटहिंदारिददोषदुरमतिविपत्तनिकटनश्रावहीं ❁ ॥
सकलमनवांछितलहैंफलभक्तिश्रविचलपावहीं ❁ ❁ ॥
कठिनश्रूलसंकटहरनमंगलकरनश्रशेष ॥
रामकृष्णकेचरितबरगावतसुनतविशेष ❁ ॥
नरतनपायसुजान श्रनुदिनगावहिहरिकथा
सकलसुखनकीखान ब्रजबासीप्रभुकौसुयश ॥

॥ श्रथकुबजागृहप्रवेशलीला ॥

श्रीयदुकुलकुलकमलतमारी ❁ दीनबंधुभक्तनहितकारी ॥
करकैजननीजनकसुखारी ❁ तबकुबजाकीसुरतसभारी
न्रपतिभुवनतजिकेश्रभिरामा ❁ चलेबसनकुबजाकेधामा ❁ ॥
कृष्णकपासबहीपैन्यारी ❁ भावभजनकुबजाभईप्यारी ❁ ॥

सांचेभावहृदैजहांजाने ❁ विबसहोयतिहिंहाथबिकाने ॥
नारिपुरुषकछुनाहिनभेदा ❁ नीचऊंचनहिकरतनिषेदा ॥
प्रथमहिआइमिलीमगपाई ❁ सोहितमानलियैयदुराई ॥
चंदनचरचितनकतनदीन्हों ❁ मनकुंकोटितपकासीकीन्हों ॥
अतिअकुलीनकंसकीदासी ❁ परसतपावनभईरमासी ॥
आयेप्रभुपुनिताकेधामा ❁ भक्तबछलहैजिनकौनामा ❁ ❁ ॥
जबकुबिजाजान्योंहरिआये ❁ पाटंवरपांवडेविछाये ❁ ❁ ॥
अतिआनंदलयेउठिआगे ❁ पूरणपुन्यपुंजसबजागे ॥ ❁ ॥
टेढीतैंसूधीकरीदियोरूपअभिराम ॥
दासीतैंरानोभईपूरेसबमनकाम ❁ ॥
कोकरिसकैप्रकास अतिविचित्रहरिकेगुणन
सदादासकौदास भयोरहैप्रभुजनके ॥ ॥
पुरबासिनसबहिनयहजानी ❁ राजाहरिकुबजापटरानी ॥
घरघरकहतसकलनरनारी ❁ कियौकहाधौंइनतपभारी ॥
मिलीतनकचंदनदैमगमें ❁ भईविदितपावनसबजगमें ❁ ॥
यहमहिमाकछुकहतनआवै ❁ कोताकीपटतरअबपावै ❁ ॥
भूलिकहतकुबिजाजोकोऊ ❁ ताहिरिसातउठतसबकोऊ ॥
सोतौभईकृष्णकीप्यारी ❁ दासिकहतडरतनरनारी ❁ ॥
करतत्रासमनमेंसबप्रानी ❁ डारहिमारिसुनेजोरानी ❁ ॥
जापरकृपाकरैंयदुराई ❁ ताहिनहीकछुयहअधिकाई ॥

सदासदाहरिकीयहरीती ❁ मानतएकभक्तसोंप्रीती ॥ ❁ ॥
धनिधनिकुबजाहरिकीरानी ❁ धनिधनिकुब्जप्रीतिकरमानी
धनिधनिचंदनअंगलगायौ ❁ धनिधनिभवनजहांहरिआयौ
कहिकहिसबसुरनारिसिहाहीं ❁ आजकूबरीसमकोउनाहीं
बसेस्यामकुबजासदनतहांकरिकछुबिश्राम ॥
पुनिआयेवसुदेवगृहजनमनपूरणकाम ॥
तबश्रीनंदकुमार ब्रजबासिनकीसुरतिकरि ॥
मनमेंकियौबिचार अबसबचलियेनंदपै ॥ ❁ ॥
लैवसुदेवसंगदोऊभाई ❁ गयेजहांउग्रसैनन्टपराई ❁ ॥
तहांबकुरिजादौंसबआये ❁ और अक्रूरउद्धवहिबुलाये ॥
तबहरिऐसेबचनसुनाये ❁ ममहितब्रजबासीसबआये ॥
नंदादिकसबगोपजितेका ❁ रह्यौनहीब्रजमेंकोउएका ॥
गायबत्ससबतजेअनेरे ❁ हैंह्यांनेमंदिरसबकेरे ॥ ❁ ❁ ❁ ॥
ह्वैहैदुखितजसोमतिमैया ❁ जिनहमप्रतिपालेदोऊभैया ॥
बऊतहेतउनसोंहमकीनो ❁ बिबिधिभांतिअबलौंसुखदीनो ॥
सकुचतहौंअपनेमनमाहीं ❁ उनसौंउरनिकबऊमैंनाहीं ॥
पलटौनहीजोउनकोंदीजै ❁ अबचलिबिदाउन्हैंब्रजकीजै
सुनिहरिबचनपरमसुखपाई ❁ सबमिलिचलेजहांनंदराई
सुनीनंदगोपनयहबाता ❁ मारौकंसजायदोऊभ्राता ❁ ॥
सांचनहींमनमेंकछुमाने ❁ प्रजाभावसबरहेसकाने ॥ ❁ ॥

मनहीमनसोचतखरे नहिआयेबलिराम ॥
ब्रजतेंआयेह्वैगयेतिन्हैंआयवैंजाम ॥
अबकैसेंब्रजजाहिं बलमोहनदोऊबिना ॥
अतिव्याकुलउरमाहिं कबधौंनैननदेखिहौं

॥ अथनंदबिदालीला ॥

आयेतबहीकुंवरकन्हाई ॥ नृपबसुदेवसहितदोऊभाई
देखतनंदमिलेउठिधाई ॥ लियेलगाइकंठसुखपाई ॥ ॥
अबचलिहैंब्रजकौंयहजान्यौ ॥ अतिआनंदहृदैंहरषान्यौ ॥
लखिवसुदेवबहुतसुखपाई ॥ मिलेनंदसौंआदरधाई ॥
उग्रसैनतबनंदजुहारे ॥ आदरसहितसकलबैठारे ॥ ॥
उग्रसैनवसुदेवउपगसुत ॥ सुफलकसुतअरुयादवगणजुत
बैठेमिलिहरिहलधरभाई ॥ नंदहिंलियेनिकटबैठाई ॥
औरगोपठाढेसबपेखें ॥ जसुमतिसुतकौंभावनदेखें ॥ ॥
नंदमनहीमनअतिअकुलाहीं ॥ चलतबेगिअबब्रजकौंनाहीं
सबहीकेमनमेंयहआई ॥ हरिअबहमसौंप्रीतघटाई ॥ ॥
करतबिचारस्याममनमाहीं ॥ प्रीतबिवसबोलतसकुचाहीं ॥
तबहरियौंमुखबचनउचारै ॥ बहुतकियैप्रतिपालहमारै
रुकिपरेनंदरायसुनिकहाकहतगोपाल ॥
मोसौंकहतकिआनसौंकिनकीन्हौंप्रतिपाल ॥
चमकतजियनंदराय मतिऐसेंमोसौंकहौ ॥

गद्गद हियभरि आय कहिसकत नहिं नैनजल ॥
नब हरि मधुर कह्यौ नंद पाहीं ❁ सुनऊ तात हम कहत न जाहीं
कह्यो गरग तुमसों जो बानी ❁ सो तुम तब निहचै नहि जानी ॥
पुत्र हेत हमकौ प्रतिपारे ❁ तात मात जिमि अधिक दुलारे ❁ ॥
खेलत हंसत बसत ब्रजमाहीं ❁ जात इते दिन जाने नाहीं ❁ ॥
हमकौं तुम दीन्हें सुख जितनै ❁ कह्यौ न जात बदन तें तितनै
तुमसम मात पिता न हमारे ❁ जहां रहैं तहां तात तुम्हारे ❁ ॥
बिछुरन मिलन मोह अरु माया ❁ यह प्रपंच जग बिधि उपजाया
ह्वै है दुखित जसोमति मैया ❁ मो बिनु ब्रज तिय अरु सब गैया ॥
तातें गवन बेगि ब्रज कीजै ❁ जाय सबनकौं धीरज दीजै ॥ ❁ ॥
जसुमति सों बिनती मम कहियौ ❁ मानै सदा पुत्र हित रहियौ ॥
मेरी सुरत न उर तें टारै ❁ मैं तुमतें कबहू न हि न्यारौ ॥ ❁ ॥
हरि यौं नंदहि बचन सुनाई ❁ बऊरौं रहे सकुच अरगाई ॥
निठुर बचन सुनि स्याम के भये बिकल अति नंद ॥
उमगि नीर नैनन चल्यौ परि गये दुखके फंद ॥ ॥
दुखित सखा अरु गोप चकित रहे हरि मुख निरखि ॥
करत मन नहिं मन कोप ये चरित्र अक्रूर के ॥ ❁ ❁ ॥
परे नंद तब चरणन धाई ❁ कहत न ऐसें कहउ कन्हाई ॥ ❁ ॥
हौं मोहन तजि चरणन जैहौं ❁ तुम बिनु जाय कहा ब्रज लैहौं ॥
मधुबन तुमहि छाडि जो जाऊं ❁ जसुदहि उत्तर कहा सुनाऊं

सनमुखसुनतदौरिजबऐहैं ॥ तुमबिनुकाहिगोदकरिलैहैं
पंथनिहारतहौंहैमैया ॥ चलऊबेगिब्रजकुंवरकन्हैया ॥
सदमाखनमथिकीन्हौंहौंहै ॥ कहौसोतुमबिनुकाहिखवैहै ॥
कौंजोहैबिनुदरसनपाये ॥ होतनिठुरकतमथुराआये ॥ ॥
बारहिबरषकियोहमगारो ॥ नहिजान्यौपरतापतुम्हारो ॥
अबप्रगटेबसुदेवकुमारा ॥ कीन्हौंबचनगरगनिरधारा ॥ ॥
कतहमकाजमहारिपुमारे ॥ कतदारिददुखहरेहमारे ॥
डारिनदियैकमलकरगिरबर ॥ दविमरतेब्रजजनताकेतर
कहैनंदयौंबिकलअधीरा ॥ भईकठिनबिछुरनकीपीरा ॥ ॥
देखिप्रीतिअतिनंदकीवसुदेवमनहिंसिहात ॥
सकुचरहेसबप्रेमबसकहिनसकतकछुबात ॥ ॥
व्याकुलसबैअहीर मानौपन्नगकेडसे ॥
हरिमुखलखतअधीर ठाढेकाढेचित्रसे ॥
तबहलधरनंदहिसमुझावत ॥ कहतताततुमकतदुखपावत
करिकछुकाजबहुरिब्रजआवैं ॥ तुमबिनऔरकहांसुखपावैं
हरिप्रगटेभूभारउतारन ॥ कह्यौगरगतुमसौंसबकारन ॥
मातपिताहमरेनहिकोऊ ॥ तुमरेइसुवनकहावैंदोऊ ॥ ॥
हमेंतुम्हेंसुतपितकौनांतो ॥ औरपसौअबहोतनहांतो ॥ ॥ ॥
बहुतकियोप्रतिपालहमारो ॥ जायकहांउरध्यानतुम्हारो ॥
जननीअकेलीव्याकुलह्वैहै ॥ तुम्हैंगयेधीरजकछुपैहै ॥ ॥

व्याकुलनंदसुनतयहबानी ❁ पुनिपुनिकहतजोरियुगपानी ॥
अबकैचलहुस्याममनमोहन ❁ ब्रजमैंमिलिआबहुफिरमोहन
मासौकंसकियोसुरकाजा ❁ दीन्हौउग्रसैनकौराजा ॥ ❁ ॥
सुखवसुदेवदेवकीपायौ ❁ भयौसकलयदुकुलमनभायौ ॥
तदपिजसोमतिबिनगिरिधारी ❁ कोजानेप्रभुदेवतुह्मारी ॥
ऐसेकहिअतिविकलह्वैरहेनंदगहिपाय ॥
भईक्षीणदुतिहीनअतिनैननजलनरहाय ॥
मायारहितमुकुंद नहीबिरहसंयोगतिहि ॥
ब्रह्मपूरणानंद सबघटबासीएकरस ❁ ॥
देखिबिरहअतिकातरनंदहि ❁ सखाबृंदअरुसबउपनंदहि
बिछुरततजनचहतहैंप्राना ❁ तबयहचरितरच्यौभगवाना ॥
मेरीअतिदुसरनिजमाया ❁ जिनकरजीवविमुखभरमाया ॥
तिनकछुदुदुकियौमनमाहीं ❁ तबहरिबोधकहतनंदपाहीं
सुनपरततातहौएतौ ❁ ब्रजअरुमथुरहिअंतरकेतौ ❁ ॥
कहादूरतुमतेंकहुजाहीं ❁ करिविचारदेखौमनमाहीं ॥
हैंब्रजकेनरनारिदुखारी ❁ तातेंकीजतबिदातुह्मारी ❁ ॥
ऐसेंबोधकियोब्रजनाथा ❁ तबनंदकह्यौजोरियुगहाथा ❁ ॥
जोप्रभुतुमकोंऐसेंभाई ❁ तोअबमेरीकहाबसाई ॥ ❁ ❁ ॥
जैहैंब्रजप्रभुकहेतुह्मारे ❁ जातबचनमोपैक्यौंटारे ❁ ❁ ॥
बहुतकरीतुममप्रभुताई ❁ नीचदसालैऊंचचढाई ❁ ॥

परमभगंवारग्वालपशुपाला ● भयौधन्यसबजगतविशाला॥
भेटिपायसंतापसबकियैासुक्रतकीखान ● ॥
भरीसाखिचौदहभुवनसुरमुनिबेदपुरान॥
ऐसेंकहिनंदराय परेबहुरिहरिकेचरण॥
लीन्हेश्यामउठाय कह्यौजानिसनमानतब॥
तबवसुदेवविनयबहुभाषी ● आगेबहुतसंपदाराखी॥ ● ॥
कियोजोहमप्रतितुमउपकारा ● ताकोबदलौनहिंसंसारा॥
बालकयेअपनेहीजानौ ● इहांउहांकछुभेदनमानौ॥ ● ॥
सुनिसुनिनंदमहरपछिताई ● रहेठगेतनदशाभुलाई ● ॥
ऊरधस्वासनैननबहपानी ● कंपिततनकहिजातनबानी॥
सोकउसंपितनंदनलीनी ● बिनतीबहुरिश्यामसोंकीनी ॥
मांगतहौंप्रभुयहकरजोरी ● ब्रजपरक्रपाहोयनहिंथोरी॥
तबसबगोपन्हपतिपहआये ● बहुतबोधकरिब्रजहिंपठाये
गोपसखाबोधेहरिसबही ● बिदाकियेआदरदैतबही ● ॥
चलेसकलब्रजसोचलभारी ● हारेसरबसमनहुंजुवारी॥
काहूसुधिकाहूसुधिनाहीं ● लटपटचरणपरतमगमाहीं॥
ब्रजतनजातबिलोकतमधुबन ● बिरहबिथाबाढीव्याकुलतन
भयेविरहबारिधमगनअतिअचेतअकुलाय॥
श्यामरामतजिमधुपुरीआयेब्रजनियराय ● ॥
ततहिगयेहरिगेह ऊधसैनवसुदेवयुत॥

ब्रजबासिनकौनेह पुनिपुनिश्रीमुखतेंकहत ॥
पुनिपुनिनंदकहतपछिताई ● चूकपरीहरिकीसेवकाई ॥
कहांलगिगनियेयहअपराधू ● कियेकमेंहमपरमअसाधू ॥
कोमलपदबनअतिकठिनाई ● तहांहरिपैहमगाइचराई ॥
रंचकदधिकेकाजरिसाई ● बांधेजसुमतिऊखलखाई ● ॥
इंद्रकोपब्रजलोगबचाये ● वरुणलोकमर्महितउठिधाये ॥
हममतिमंदनकछुनहीजाने ● निकटबसतनाहिनपहिचाने
मनधनलोभकंसभैपाई ● करिदीनेआगेदोउभाई ● ● ॥
ऐसेंसमुझिनंदनिजकरनी ● परेमुरछिव्याकुलअतिधरनी
बारबारजोवतमगमाता ● व्याकुलबिनमोहनबलिताता ॥
आवतदेखिगोपब्रजओरी ● हरवहदैआतुरउठिदोरी ● ॥
धाईधेनुवत्सकौंजैसे ● माखनप्यारेहैंधौंकैसे ॥ ● ॥ ॥ ● ॥
कनियालैवेकौंअतुरानी ● आयेबलिमोहनयहजानी ● ॥
धाईअतिहरखितहियेसुनतरोहिणीमाय ॥
दरसआसधाईसबैब्रजतियहियहुलसाय ॥
तिहिक्षणअतिआनंद ब्रजबासीब्रजतियसबै ॥
अंतसंकोचबसनंद सोदुखजातकह्यौनही ॥

॥ अथब्रजकीविरहलीला ॥

आतुरसकलगईनंदपासा ● मनमोहनदरसनकीआसा ॥
देखेनंदगोपसबदेखे ● स्यामरामदोऊनहिपेखे ● ● ● ॥

बूझतजसुमतिअतिअकुलाई ❁ कहांमेरेस्यामरामदोऊभाई
सुनतबचनव्याकुलनंदराई ❁ नैननीरभरिनारिनवाई ॥
देखतसूखिगई ब्रजनारी ❁ जनुप्रफूलितकुमुदनिहिमहारी
जान्यौअानभई विधिसोई ❁ कहिगयेबचनगर्गमुनिजोई ॥
अतिव्याकुलसबबिनब्रजनाथा ❁ भयेसकलनरनारिअनाथा
परेभूमिसबटेरलगाई ❁ कौनदोषप्रभुहमबिसराई ❁ ❁ ॥
जसुमतिअतिविलपतविलखानी ❁ कहतसरोसनंदसोंबानी
धृगधृगमहर कहायहकीन्हौं ❁ मथुरातजिसुतब्रजपगदीन्हौं
मारगसूझिपरयौकिमिहिभाती ❁ विदाहोतफाटीनहिछाती ॥
अरधबचनसुनतहिउठिधाये ❁ कहालेनसुखब्रजमेंअाये
कैसेंप्राणरहेहियेबिछुरतअानंदकंद ॥
सुनीनहीदसरथकथाकहूंश्रवणमतिमंद
मैंमधुपुरिहीजाय रहिहौंहरिकीधायहै ॥
लीजैठोकबजाय अबअपनोब्रजनंदयह ॥
यहसुनिनंदपरेमुरझाई ❁ अतिव्याकुलब्रजलोगलुगाई ॥
पुनिपुनिकहतिजसोमतिटेरे ❁ कहांछंडेदोऊसुतमेरे ॥
जीवनप्राणसकलब्रजप्यारे ❁ छोरिलियोवसुदेवहमारे ॥
सुफलकसुतवैरीभयौभारी ❁ लेगयौजीवनमूरिहमारी ❁ ॥
हौंनगई हरिसंगअभागी ❁ सिखयेइनलोगनकेलागी ❁ ॥
तौमैंजानपावतीगोहन ❁ तोक्योंछाडिअावतीमोहन ॥ ❁ ॥

ऐसैंरोवतकरतबिलापू ❁ कहिनजातजसुमतिपरतापू ❁ ॥
हरिबिनसबनरनारिउदासी ❁ आयेब्रजहिसकलब्रजबासी
नहीस्यामबिनसदनसुहाई ❁ मनहुमसानभूमिधरखाई
पूछतबिलपिजसोमतिमैया ❁ कहौनंदकहाकह्योकन्हैया ॥
तुमकोंबिदाब्रजहिजबकीन्हौं ❁ हरिकछुमोहिसंदेसोदीन्हौं
तुमकछुहरिसौंबिनयनभाषी ❁ कहास्याममनमैंयहराषी ॥
मैंअपनोसोबहुकियौवेप्रभुत्रिभुवननाथ ॥
जोचाहैंसोईकरैंकहासुमेरेहाथ ॥ ❁ ॥
कहिकैतोहिप्रनाम बहुरिस्यामऐसैंकह्यो ॥
करिकैकछुसुरकाम मिलिहैंतुमसोंआयब्रज ॥
पुनिबोलेऐसैंबलभैया ❁ दुखीहोनपावैनहिमैया ॥ ❁ ❁ ॥
धीरजदेहुतातजुमजाई ❁ कछुदिनमैंहममिलिहैंआई ॥
पठयेमोहितोहिहितलागी ❁ तबमैंबचनसक्योनहित्यागी
सुनिसंदेसजसुमतिदुखपागी ❁ रहेप्राणहरिचरणनलागी
एकपलकबिछुरतहरिनाहीं ❁ गोहरहीमिलनआसमनमाहीं
ब्रजघरघरसबकहतगुवाला ❁ कियेकृष्णमथुराजोख्याला ॥
मारयौरजकजायहरिजबही ❁ नहिनिबहैजान्योहमतबही
चंदनबहुरिकंसकोलीन्हौं ❁ रूपअनूपकूबरीदीन्हौं ॥ ❁ ॥
वैसोधनुषतोरिपुनिडारयौ ❁ फिरिदोउभाइनगजकोमारयौ ॥
रंगभूमिसबमल्लपछारे ❁ असुरअनेकयुद्धकरिमारे ❁ ॥

कहतऊतेब्रजमेंहरिजैसें ❁ कियौजाइकंसहिंपुनितैसें ॥
केसपकरिभहितुरतगिरायौ ❁ मारियमुनजलमाहिंबहायौ
उग्रसैनराजाकियौनिजकरचमरढुराय ॥
मथुरानरनारीसबैआनंदसुखपाय ❁ ॥
पुनिभेटेहरिजाय देवकीअरुवसुदेवसौं ॥
कह्यौपरमसुखपाय तातमातकहिआनदोउ
तहांभयौउत्सवअतिभारी ❁ दियौदानबहुबिप्रहकारी ❁ ॥
हरिकौंबसनभूषणपहिराये ❁ मंगलसबनरनारिनगाये ॥
मथुराघरघरबजीबधाई ❁ बहुसंपतिवसुदेवलुटाई ❁ ॥
अबनहिगोपगोपालकहावैं ❁ वासुदेवसबनावबुलावैं ❁ ॥
यदुकुलकमलसकलजगनायक❁बिरदबानबरनतगुणगायक
भयेकृष्णमथुराकेराजा ❁ अहिरनदेखिलगतअतिलाजा ❁ ॥
पुनिग्वालनयहबातसुनाई ❁ बसेस्यामकुबिजागृहजाई ॥
भयेतासुबसअतिहितमानी ❁ कीन्हीताहिआपनीरानी ॥
राजाहरिकुबिजाभइरानी ❁ गोपिनसुनीजबहियहबानी
गईबिरहतनतपतसिराई ❁ सौतिसालसाल्यौउरआई ॥
भयौदुसहदुखउरधसासा ❁ मिटीस्यामआवनकीआसा ॥
नैननिजलधाराअतिबाढी ❁ रहीसोचबैठीकोउठाढी ❁ ॥
जुरिआईब्रजतियसबैसुनिकुबिजाकीबात ॥
लागीआपुसमेकहनमनदुखमुखहरखात ॥

करीसुहागिनस्याम कुबजादासीकंसकी ॥
आपुनपतिवहबाम कियौनामतिकुपुरबिदित
तैश्रीखंडमिलीमगमाई ● सुनियततातेंअतिमनभाई ● ॥
पुरीभलीकछुजाततनचीन्हीं ● बकुतरूपदैसमकरलीन्हीं ॥
वेबक्रबरणनगरकीसोऊ ● बन्यौसंगअवनीकौओऊ ॥ ● ॥
कहतजुवहसोईअबमानै ● निसदिनवाकेगुनहिंबखानै ● ॥
जानिअनौखोनेहुबढावैं ● अबनहिंसखीस्यामब्रजआवैं ● ॥
अपरकह्योकछुऐसजनाई ● स्यामसदाकेऐसेईमाई ● ॥
जबअक्रूरलैनब्रजआयौ ● कानलागितबइहैसुनायौ ● ॥
नईकूबरीनारिबनाई ● तबहिगयेताकेसंगधाई ॥ ● ● ॥
बोलीएकओरतिनमाहीं ● कुबिजातुमदेखीकैनाहीं ॥ ● ॥
दधिबेचनजबजाततहारी ● तबनीकेहुमताहिनिहारी ॥
अतिढेठीमालिनकीजाई ● हंसतजाहिसबलोगलुगाई ● ॥
बसतढिगमन्दपमहलनजोई ● सुनियतकरीसुंदरीसोई
कोटिबारदाहौअनलकोढिकसोकिनसोय ॥
तोकतपीतरतैकहूंकैसेकुंसीनोहोय ॥ ● ॥
हरितजिदीन्हीलाज हमैहोतसुनिकैहंसी ॥
आयकूबरीकाज मथुरमासोकंसन्दप ॥ ● ॥
बोलीसखीऔरइकबानी ● अलियहबाततनहींतुमजानी ॥
कुबिजासदास्यामकीप्यारी ● वेभरताउनकोवहनारी ॥

जैसेंतहांनाहिंकरिदासी ● राखीयेअविगतिगुणरासी ● ॥
रूपरतनकूबरमेंराख्यौ ● जिमिमोतीसीपनमेंभाख्यौ ॥ ● ॥
कंसमारिकैसोअबलीन्हीं ● ताकीप्रभुनाप्रगटनकीन्हीं ॥
ब्रजबनिताव्यागीअबतातें ● बूझीसकलस्यामकीबातें ॥ ● ॥
कहतएकतवसुनसखिरगरी ● वेदिनहरिकेंबिसरिगएरी
लियेफिरतहीजबसबकनियां ● पहिरावनसिखएहमतनियां
घरघरडोलतमाखनखाते ● जसुदहिंडरहूनदेतजाने ॥
बडरिभयेजबकछुकसयाने ● बाटघाटअगुणबहुठाने ॥
जोजोउनहमसेंगुणठान्यौं ● हमसबताहीमेंसुखमान्यौं ॥
जिमिभजिआपगोकुलमेंआये ● गोपभेषकरिरहेछिपाये ॥
देवमनावतदिनगयेबडेहोनकीआस ॥
बडेभयेतबयहकियेबसेकूबरीपास ॥
जसुमतिलाडलडाय बारेतेंसेवाकरी ॥
ताहूकोंबिसराय भयेदेवकीपुत्रअब ● ॥
सुनोसखीअबकह्योहमारे ● नहिंकोजेतिनकोपतियारे ॥
जेजनजगमेंकृतहिनमाने ● निजस्वारथलगिबहुगुणठाने
ज्योंभौंराकवकुंजसुहाई ● बैठतचाहिसुमनपरआई ● ॥
रसहिचाखिपुनिनिंहितनहिमाने ● तहींजातजहांनूतनजाने
पालतकागपिकहिंहितमाने ● मिलतकुलहिंजबहोतसयाने
सोईभईहमहिंअरुनंदहि ● कहियेकहासखीगोबिंदहि ॥

जेखोटेमनकपटसयाने ● ऐसेरपरेपरैं पहिचाने ● ● ॥
बैठनअबकहपअासनमाहीं ● सुनियतमुरलीदेखिलजाहीं
मोरपंखदेखेनहिभावैं ● ब्रजकौनामलेतबकुरावैं ॥ ● ● ॥
सुरभीचित्रऊमेंजोहेरत ● तौलजायइतउतमुखफेरत ॥
हमरौनामसुनतचपिजाहीं ● सुरतकरतग्वालनकीनाहीं
केकाहाजानेपीरपराई ● जिनकीप्रकृतिपरीयहआई ●
भयौनयौअबराजहांनरामातपितगेह ॥
नईनारिकुबिजामिलीभएसखानबनेह ॥
बिसरेब्रजकौबास कुंजकेलरसरासकौ ॥
गएआपनीघात छिनदिनसुखदूनौलहैं
कौनबातकौकरैंपरेखौ ● सखिअपनेजियसोचनदेखौ ● ॥
तांहरिजानतनप्रीतिहमारी ● तिनकौदुखमानियैकहारी ॥
गोपीनाथनंदकेलाला ● अबनकहावतकान्हगुवाला ॥ ● ॥
वासुदेवअबकहांकहावत ● यदुकुलदीपभाटबरगावत ॥
नहिबनमालागुंजउरमाहीं ● मोरपखमाथेपरनाहीं ● ॥
गृहबनकीसबप्रीतिभुलाई ● वामुरलीसंगगईसगाई ● ॥
अबवहसुरनहोतकतराजन●दिनदसप्रीतिकरीनिजकाजन
सबैअजानभईतिहिंकाला ● सुनिमुरलीकौशब्दरसाला ॥
अबमनजलनिधिअगड्याथाके●फिरिफिरिशरणजहांजहिताके
कहतएकसुनरीब्रजनाथा ● ब्रजअबमानऊंकियौअनाथा

नववहरूपाकृतीब्रजपाहीं ❁ राख्यौगिरिबरकरतलमाहीं ॥
अऊरैंऔरप्रतापकियोरी ❁ ह्नमहितदावानलअचयोरी ॥ ॥
अबयहदोषलगैंहमेंसमुझतसकुचतजीय ॥
भयोबज्रह्नतेंकठिनबिछुरतफट्योनहीय ॥
अवनागदिनजान सुनसखिमोहनलालबिन
रहतदेहमेंप्रान बिनवहमूरतिसांवरी ॥ ॥
रहतबदनदेखेबिननैना ❁ श्रवणरहतसुनैबिनबैना ❁ ॥
रहतहियेबिनहरिकरपरसे ❁ बेधतबाणमनोभवबरसे ॥
अबसखियैसहियतदुखभारौ ❁ मनऊंनयनतनप्राणहमारै
जबबिधिबालकबत्सचुराये ❁ तबहरितैसेइऔरबनाये ❁ ॥
जनुवैसेइंकुंवरकन्हाई ❁ बिरहबृष्टिब्रजऔरचलाई ॥
ऐसेसनगुणगुनिगोपाला ❁ भईबिरहबससबब्रजबाला ॥ ॥
अतिहीकठिनभयोदुखमनमें ❁ व्यापीदसइंअवस्थातनमें
कोउकहलोचनदीनहमारे ❁ कौंजीवहिंबिनस्यामनिहारे
ज्यौंचकोरबिनचंदखारी ❁ जैसेंरीबारिजबिनबारी ❁ ॥
बिवरनजिमियीषमकेखंजन ❁ जैसेंदुखीभ्रमरबिनकंजन
स्यामसिंधुतेंबिछुरपरेरी ❁ तरफरातज्यौंमीनखरेरी ॥ ❁ ॥
भरतउरतपुनिपुनिअकुलाहीं ❁ हरिबिनधरतधीरदृगनाहीं
देख्यौनहींसुहातकछुगृहबनबिननंदनंद ॥
बिरहबिथाजारतनहींभयोतपनअतिचंद ॥

बिनस्वासाकीदेह औररूपहोजातजिमि ॥
तिमिलागतव्रजगेह हरिबिनसखीभयावनौ
इहिंबिरियांबनतेहरिआवत ● दूरहितेंकलबेणुबजावत ॥
कबऊंकपरमचतुरगोपाला ● गावतऊंचेस्वरनरसाला ॥
कबऊंकलैलैनामसुनावत ● धौरीधूमरिधेनुबुलावत ● ॥
देतदृगनसुखबनतेंआईं ● वहमनमोहनरूपदिखाईं ॥
औरसखीबोलीइकऐसें ● बऊरौंकबऊंदेखियेवैसें ॥ ● ॥
बैठेग्वालबालकनसाथा ● बांटतखातअसनव्रजनाथा ● ॥
इकदिनदधिचोरतममधामा ● मैंदुरिदेखिरहीछविस्यामा
वेभाजेममलखिपरछाहीं ● तबमैंधायलईगहिबाहीं ॥ ● ॥
मुखकरपौंछलिएगहिकनियां ● प्रेमप्रीतरसकेसुखदनियां
रहेलागिछातीस्योंजैसें ● सोवहकह्योजातसुखकैसें ● ● ॥
जिनधामनवेसुखअवलोके ● तेअबधरिधरिखातविलोके ॥
सुमिरिसुमिरिवेगुणगणनाना ● हरिबिनरहतअधमतनप्राना
कहंलगिकहियेएसखीमनमोहनकेखेल ॥
उनबिनअबगोकुलभयोज्योंदीयाबिनतेल ॥
रहतनैनजलछाय सुमिरिसुमिरिगुणस्यामके
कहियेकाहिसुनाय भयेपरायेकान्ह अब ● ॥
एकप्रलापकरततिनमाहीं ● कहैजायकोऊहरिपाहीं ● ॥
लेऊआपनिजगायनघेरी ● फिरतनाहिंग्वालनकीफेरी ॥

बिछुरीफिरतसकलबनमाहीं ● तुमबिननाहिंकाहिपतियाहीं
अपनेजानिसंभारऊआई ● मतिबिसरैव्रजहेतकन्हाई ॥
बिलखतगायबच्छसबग्वाला ● नेकसुनावऊबेणुरसाला ● ॥
बूडतबिरहसिंधुमेंनारी ● लेऊआइगहिभुजानिकारी ● ॥
कोऊकहतकहैकोउजाई ● बसौफेरिब्रजकुंवरकन्हाई ॥
अबनहिंतुमसौंगायचरावैं ● नहिंजगायबनप्रातपठावैं ● ॥
माखनखातबरजिहैंनाहीं ● नहिउरहनजसुदहिलेजाहीं
नहिंदाबरिजमुमतिकेंटैहैं ● नहिअबऊखलसोंबंधवैहैं ॥
चोरीप्रगटकरेंनहिंकाहू ● नहीजनावहिंअगुणताहू ● ॥
बेनीफूलगुहननहिकैहैं ● नहीमहावरचरणदिवैहैं ● ॥

मांगतदाननबरजिहै हठनहिं करिहैंमान ॥
आयदरसअबदीजियेरहतनतुमबिनप्रान ॥
ऐसेंकहिगहिपाय ल्यावहिंफेरिमनायहरि ॥
बसहिंबऊरिब्रजआय नोनंदनंदनसांवरे ॥

एककहतअबहरिनहिआवैं ● न्हपपदतजिकोंग्वालकहावैं
जहांगजरथचढिचलतकन्हाई ● इहांकोगाइचरावहिंआई
उहांपाटंबरपहिरदिखावैं ● इहांअबकोकामरिमनभावैं ॥
अबऊनजसुमतिमातुबिसारी ● कोनचलावेबातहमारी ॥
बोलीअपरसखीबिलखाई ● भयेनिठुरअबकुंवरकन्हाई ॥
करीप्रीतिहमसोंहरिऐसी ● सुनसखिलखितमीनकीजैसी

तलफतमीननिकटअकुलाने ❁ नीरकछूउरपीरनजाने ॥
इनतौदूरदयानहिंकीन्ही ❁ बीतीअवधिखबरनहिंलीन्ही
दैगयेविहसचलतपरतीती ❁ मिलिहैंआइबहुरिरिपुजीती
हारेनैनउतहिमगजोवत ❁ रोयरोयउरकंचुकिधोवत ❁ ॥
जैसेदिननिसतैसीजाई ❁ पलभरनीदपरतनहिंआई ❁ ॥
मंदसमीरचंद्रदुखदाई ❁ इनतेंजरतसेजअधिकाई ❁ ॥
सपनेहूंतौदेखियैनीदपरैजोनैन ❁ ॥
कीनेंविविधिउपायमनक्योंहूलहततनचैन
बोलिउठीइकबाम सुनसखिहैंतोसेंकहौं ॥
जबतेंबिछुरेस्याम आजलखेमैंसपनमें ॥ ❁ ॥
आयेजनुममसदनगुपाला ❁ हंसिभुजपाणिगहीनंदलाला
कहाकहौंअरिनीदभईरी ❁ एकक्षणनहिंऔररहीरी ॥
ज्यौंचकईलखिनिजपरछाहीं ❁ पतिहिजानिहरषीमनमाहीं
तबहीनिठुरबिधाताआई ❁ दियैापवनमिसरसलिलदुलाई
मेरीदसाभईसखिसोई ❁ जोजागैंतौढिगनहिंकोई ❁ ॥
देखऊंकहाअधिकअकुलाई ❁ बिरहजरीअरुकामजराई
कहाकहौंकिहिंदोषलगाऊं ❁ अपनीचूकसमुझिपछिताऊं ॥
बिछुरतहीनहिंतज्यौशरीरा ❁ समुझिपरीतबहीयहपीरा ॥
महादुखितअबअंगहमारे ❁ भयेसखीदोउनैनपनारे ❁ ॥
अतिहीभ्रममातेबिनदेखे ❁ चाहतरूपस्यामकौपेखे ॥ ❁ ॥

रसनायहहैनेमगहिराखौ ● हरिबिनऔरनचाहुतभाखौ ॥ ॥
जबतेंबिछुरेकुंवरकन्हाई ● तबतेंभयेसबैदुखदाई ● ॥
वेईनिसिवेईदिवसवेईऋतुवेईमास ॥ ● ॥
बदलेसबैसुभावजनुबिनहरिमदनबिलास ॥
चलीऔरहीचाल अबयाब्रजमेंएसखी ॥
विमुखभयेगोपाल भयेदुखदजेसुखदसब
गृहकंदरासेजभईसूली ● शशिकीकिरणिअग्निसमतूली ॥
सींचतअलीमलयघसनीरा ● होतअधिकतातेंउरपीरा ● ॥
फूलीअरुणफूलबनडारी ● रुरतदेखियतमनहुंअंगारी ॥
हरिबिनफूललगतसबकैसे ● मनहुत्रिशूलशूलउरजैसे ॥
तबइनतरुनअमृतफललागे ● अबतेफलसबबिषरसपागे ॥
त्रिविधिसमीरतीरसमलागै ● कोकिलशब्दअग्निजनुदागै ॥
तपततेलसमवारिदपानी ● उठतदाहसुनचातकबानी ॥
सुनसखिचातकदोषनदीजै ● ज्यायियापक्षीकेजीजै ॥ ● ॥
जैसेंपियपियहमरटलावत ● तैसेंहीकिहिकहिवहगावत ॥
अतिसुकंठपीतमहितमानी ● क्षणनहिरहतरटतपियबानी
आपसुधारसपीसुखपावै ● टेरिटेरिबिरहिनकोंज्यावै ॥
जोयहखगनहिकरतसहाई ● लहतप्राणतौदुखअधिकाई
यापक्षीसमऔरकोसुनसखिसुकृतसमाज ॥
सुफलजन्महैतासुकोजोआवैपरकाज ● ॥

भगनसंक्रातब्रजबाल ऐसेंहरिकेबिरहरस ॥
नहिबिसरतनंदलाल सोवतजागतदिवसनिसि
पथिकजातमधुबनतनहेरें ॥ ताहिधायब्रजतियसबघेरें ॥
कहतपरहिंहमपायतुम्हारे ॥ सुनऊधोहीबचनहमारे
जतहैंवसतनन्दब्रजनाथा ॥ कहियौतिनसौंब्रजकीगाथा ॥
तुमजुइंद्रकौयज्ञनसायौ ॥ पुनिगिरकरधरब्रजहिबचायौ
सोअबवहबिरहाह्वैआयौ ॥ चाहतहैब्रजफेरिबहायौ ॥ ॥
बरषतनिसदिनदृगघनकारे ॥ बहतकुचनबिचसलिलपनारे
ऊरधस्वासपवनझकझोरे ॥ गरजतशब्दपीरघनघोरे ॥ ॥
महावज्रदुखसुखहुमडारैं ॥ व्याकुलअंगसकलअतिमारै ॥
बिथाप्रवाहबढ्यौअतिभारी ॥ बूडतबिकलसकलब्रजनारी ॥
चितवतमगसबनाथतुम्हारौ ॥ जानिआपनौआइउबारौ ॥
गयेमिलनकहिश्रीमुखबानी ॥ अवधिबदीतेसबहिसिरानी ॥
तुमबिनतलफतप्राणहमारे ॥ जैसेंमीनसलिलतैंन्यारे ॥ ॥
एकबारफिरआयकेदेऊसुंदरसनस्याम ॥
तुमबिनब्रजऐसौलगतज्यौंदीपकबिनधाम ॥
मिलतेंबैनबजाय अबवहकृपाभईकहा ॥
पुनिकहाकरिहौआय प्राणगयेब्रजभावते
सुनऊपथिकतोहिरामदुहाई ॥ कहियौयहमोहनसोंजाई ॥
तुमबिनराधेकेतनुआई ॥ भईसबैबिपरीतबनाई ॥ ॥ ॥

बदनरूपाकरयोतिछपानी ❁ अबरहिगईकलंकनिसानी ॥
अंखियांजुतीकमलपखुरीसी ❁ सोअबमनकुरंगनिचुरीसी
अंचलरोकंचनजिमिकाचौ ❁ तिमतनबिरहानलकौताचौ ॥
कदलीदलसीपीठसुहाई ❁ सोअबमानौछलटिबनाई ❁ ॥
सुखकीसंपतिसकलनसानी ❁ जारतभईकोकिलाबानी ॥
अबसबसादमानकीनासी ❁ ह्वैरहितुम्हरेदरसपियासी ॥
चात्रकपिकमृगअतिकुलजाती ❁ तबइनकौंदेखतअनखाती ॥
अबतिनसौंपूछतह्वैधाई ❁ तुम्हरेचरणकमलकुम्हलाई ॥ ॥
ललितादिकसखियनलखिधाई ❁ जातिअटाचढिगर्वबढाई
अबकहिसखीतिन्हैअकुलाई ❁ मिलैरोयकेकंठलगाई ❁ ॥
सुधिबुद्धिसबतनकीगईरह्यौबिरहदुखछाइ ॥
ह्वैनचहततदसईदिसावेगिमिलजुतिहिंआइ ॥
ऐसेंनिजजनिजहेत कहतसंदेसेस्यामसैं ॥
पथिकहिचलननदेत होतसांझताकौंतहां।
बिरहविकलसबब्रजकीबाला ❁ हरिबियोगउरपीरबिशाला
हरिदरसनबिनकलनहिपावैं जिहिंतिहिंकहिउरबिथाजनावैं
जबपपिहाबोलतनिसिआई ❁ कहततताहिकोऊअनखाई
हेंतैविरहजरीसंतापी ❁ तूकतजारतरेखगपापी ॥ ❁ ॥
पियपियकहिअधरातपुकारे ❁ मूढमृतकअबलनकतमारे ॥
नूनहिसुखितदुखितबिननीरा ❁ तजुनसमुझतसठपरपीरा ॥

करतकहाइननीकठनाई ❀ हरिबिनबोलतब्रजपरआई ॥
उपजावतबिरहनडरआरत ❀ काहेअगिलोजन्मबिगारत ॥
एककहतचातकसोंटेरी ❀ हैंसारंगहमचेरीतेरी ❀ ❀ ॥
पैठेहोहिंजहांसुखदाई ❀ ऊंचेटेरिसुनावऊजाई ❀ ॥
गइयोबसपावससहतुआयौ ❀ सबकाहूचितचावबढायौ ❀ ॥
तुमबिनब्रजलियडोलतऐसें ❀ नावबिनाकरियाकीजैसें ❀ ॥
आनेगेतेरैकह्योतेरेहितघनस्याम ॥ ❀ ॥
देऊंसुयशचातकवडोलैआवऊसुखधाम
सुनिचातककेबैन कोऊसखिऐसेंकहत ॥
यहबिहंगसुखदैन सखिमोहिप्यारेपीवते
निसिदिनपियपियरटतबिचारौ ❀ पियकेबिरहभयौजरिकारौ
स्वातिबूंदलगिरहतदुखारौ ❀ तज्यौसिंधुकौजलकरिखारौ ॥
आपपीरपरपीरहिपावै ❀ जियकौजीवननामसुनावै ❀ ॥
प्रेमवाणलाग्यौजिमिहोई ❀ जानैब्यथाप्रेमकीसोई ❀ ❀ ॥
कोऊकहतकोकिलहिटेरी ❀ सुनरीसखीसीखइकमेरी ॥
बसतजहांहितकुंवरकान्हाई ❀ फिरिआवहिबारेकतहांजाई
तूकुलीनकोकिलासयानी ❀ सबहिसुनावतिमीठीबानी ❀ ॥
तोसमकोऊनहीउपाकारी ❀ जानतहैबिरहनदुखभारी ॥
उपबनबैठिस्यामकोंटेरी ❀ कहियोअबलनमनमथघेरी ॥
श्रवणसुनायमधुरकलबानी ❀ ब्रजलैआवस्यामसुखदानी ॥

प्राणऊपलटमिलतनहियेरी ❁ सैंतसुबिकतसुयशकीढेरी
ह्वैहैंबिनमोलनहमचेरी ❁ गावहिंगीकलकीरतितेरी ❁ ॥
कोऊऐसैंकहिउठतिबरजऊबोलतमोर ॥
रह्यौपरतनहिटेरसुनिबिनश्रीनंदकिशोर
बोलतकरतबिहाल मोरऊसखिबैरीभये ॥
बसेबिदेसगुपाल येबनतेंनटरैंमरैं ❁ ॥
बिरहमगनयौंब्रजकीनारी ❁ नहींकृष्णसैंपलभरिन्यारी ॥
रहीकृष्णछविदृगनसमाई ❁ रसनाकृष्णनामरटलाई ॥
मनमेंगुणहिसदागुणहरिके ❁ श्रवणरहेंहरिकौयशभरिकै
बसीस्याममूरतिउरमाहीं ❁ बिसरतसुरतएकपलनाहीं ॥
बैठतउठतचलतघरबाहिर ❁ स्यामसनेहगुप्तअरुजाहिर ॥
सोवतजागतदिनअरुराती ❁ प्रीतमकृष्णप्रीतरसमाती ❁ ॥
सबअंगकृष्णप्रेमरसपागी ❁ भईकृष्णमयसकलसभागी ❁ ॥
धनिसोप्रीतिकृष्णसैंलागी ❁ धनिसोसुरतकृष्णरसपागी ॥
धनिसोसुखहरिसंगबिहारी ❁ धनिसोदुखहरिबिरहदुखारी
धनिसोपरेखौहरिसोंजोई ❁ धन्यसरेखौहरिकौहोई ॥ ॥
धनिसोज्ञानध्यानधनिसोई ❁ जपतपधन्यजोहरिहितहोई
धन्यजन्मजोहरिकेदासा ❁ सबविधिधन्यजिन्हैहरिआसा ॥
नंदजसोमतिगोपिकननिसवासरहरिध्यान ॥
ब्रजबासीप्रभुदासकीआसरहेलगिप्रान ❁ ❁ ॥

बिसरैसबव्यवहार औरमदूजीगतिकछू ॥
अंधलकुटआधार एकसुरतिनंदनंदकी ॥

॥ अथश्रीकृष्णजीकीयज्ञोपवीतलीला ॥

रहेजायमथुराहरिजबतें ● नितनवमोदहोततहांतबतें ॥
देवकिमनअभिलाषपुरावै ● निरखिनिरखिदोउसुतसुखपावै
परमानंदमगनवसुदेऊ ● सुखीसकलयादवगणतेऊ ● ॥
मुदितसकलमथुरापुरबासी ● देतसबनसुखप्रभुसुखरासी ॥
एकदिवसवसुदेवसुजाना ● बोलेजेकुलमध्यप्रधाना ● ॥
करिआदरमानताबडाई ● तिनसौंकहियहबातसुनाई ॥
रामकृष्णअबलौंदोउभाई ● ग्वालनमध्यरहेब्रजजाई ● ॥
यदुबंसिनकीरीतिनजानै ● हैंअबहीकुलधर्मअयानै ● ॥
तातेंयहबिचारअबकीजै ● यज्ञुपवीतदुहूनकौदीजै ● ॥
सुनियेबचनसबनमनभाये ● गर्गआदिसबविप्रबुलाये ● ॥
पूछिसुदिनशुभलग्नधराई ● यज्ञकाजसबसौंजमगाई ● ॥
सकलतीरथनतेंजलआये ● रामकृष्णतसौंअन्हवाये ॥ ● ॥

सकलवेदविधिमंत्रपढिकरि अभिषेकपुनीत ॥
दोउभाइनतबगर्गमुनिदियैयज्ञउपवीत ॥
अंतनपावैशेस बेदव्यासजाकौसकल ॥
ताहिदियौउपदेस गायत्रीगुरुगर्गमुनि

दियौदानवसुदेवअनेका ● पूजेसर्वद्विजसहितविवेका ● ॥

सबनरनारिनमंगलगायौ ॥ बंदीजननद्रव्यबक्रपायौ ॥ ॥
लखकौतुकसुरगणसुखपावैं ॥ बरषिसुमनदुंदुभीबजावैं
अतिआनंदभयौसबकाहू ॥ तातमातउरपरमउछाहू ॥ ॥
पुनिइकदिनवसुदेवसज्ञानी ॥ यहइच्छाअपनेमनआनी ॥
पंडितभलोकहूंजोपैयै ॥ तौविद्याअबसुतनपढैयै ॥ ॥ ॥
काहूतबयहबातबखानी ॥ संदीपनपंडितबडज्ञानी ॥ ॥ ॥
रहैंअवंतीपुरिकेमाही ॥ तासमजगपंडितकोऊनाही ॥ ॥
यहसुनिकृष्णसकलगुणखानी ॥ पितुकेमनकीरुचिपहिचानी
ह्वैकेनेमसहितदोउभाई ॥ विद्यापढनगयेयदुराई ॥ ॥ ॥
वेदबिदितसेवाहरिकीन्ही ॥ अलपकालविद्यासबलीनी ॥ ॥
लखिप्रभावगुरुअतिसुखपायौ ॥ जानिजगतपतिअतिहरषायौ

तबहरिगुरुसौंजोरकरबोलेसहितसनेह ॥
गुरुदक्षिणाकछुचाहियैमागिसोहमसौंलेहु ॥
तबगुरुकह्योबिचारि तुमप्रभुकरताजगतके ॥
बूझिलेहुनिजनारि जोवहकहैसोदीजिये ॥

तबसंदीपनतियपैआये ॥ वचनकृष्णकेताहिसुनाये ॥ ॥
देनकहतहरिदक्षिणाहमकौं ॥ मागौंकहासोबूझैंतुमकौं ॥
मरेहुतेताकेसुतदोई ॥ तिनमागेहरिसौंपुनिसोई ॥ ॥
कृष्णसकलजीवनकेस्वामी ॥ जलथलसबजिनकेअनुगामी ॥
गयेबहुरिभक्तनदुखहारी ॥ जगउतपतिपालनलैकारी ॥

याहूकियैहोयसबसोई ॥ आनिदियेगुरुकेसुतओई ॥
भयेसुखीद्विजअरुद्विजनारी ॥ सुतसंतापमिख्योदुखभारी
ह्वैप्रसन्नगुरुआसिषदीन्हीं ॥ नमस्कारप्रभुगुरुकौंकीन्हीं ॥
गुरुआयसुलेपुनिदोउभाई ॥ आयेमधुपुरिजनसुखदाई
नानमानलखिअतिसुखपायौ ॥ भयौमनोरथसबमनभायौ ॥
राजकाजपुनिप्रभुसबकरई ॥ उग्रसेनआयसुअनुसरई ॥
हितजनपरजननरअरुनारी ॥ सुखीसकलहरिबदननिहारी
ऊधोअरुअक्रूरयेसखास्यामकेसाथ ॥
मिलिबैठतखेलतहंसतइनकेसंगयदुनाथ
ब्रजबासिनकौध्यान ब्रजबासीप्रभुकेसदा ॥
यदपिब्रह्मसुखखान तदपिभक्तबसप्रेमरस

॥ अथउद्धवजीकीबिदालीला ॥

ऊधौयदुपतिसखासज्ञानी ॥ एकब्रह्मसुखसैंरतिमानी ॥
हरिकौंत्रिगुणरूपकरिमानै ॥ प्रेमकथाकछुउरनहिंआनै
जबहरिब्रजकीबातचलावैं ॥ तबऊधोहंसिकैउचटावैं ॥
हरिलखिमनहीमनपछिताहीं ॥ भलीबांनियाकीयहनाहीं
रूपरेखजाकौनहिकोई ॥ घल्योनेमउरमैइनसोई ॥ ॥
निर्गुणकथायोगकीगावै ॥ जामैकछुरसस्वादनआवै ॥ ॥
मानतएकब्रह्मअबिनासी ॥ ज्ञानगर्बमेंरहतउदासी ॥ ॥
बिछुरमिलनदुखसुखजांहिंनाहीं ॥ नहिप्रेमउपजततामाहीं

कनककलसपानीबिनजैसें ● याकौरूपबन्यौहैतैसें ॥ ● ॥
जोहैंकहैंकहायहमानै ● निंदाऔरहमारीठानै ॥ ● ॥
कहियेकाहिप्रेमकीगाथा ● बन्यौहंसबायसकौसाथा ● ॥
ब्रजकौध्यानसदाउरमेरे ● प्रेमभजनयाकेनहिनेरे ॥ ● ॥

कह्वांजसोदानंदसेसुखदतातअरुमात ● ॥
कह्वांवहसुखब्रजधामकौनहिविसरतदिनरात
कह्वांसखनकौसंग कह्वांकेलिबृंदाबिपिन ॥
कह्वांवहप्रेमतरंग बंसीबटयमुनानिकट ॥

कह्वांनवलब्रजगोपकुमारी ● कह्वांराधावृषभानदुलारी ॥
कह्वांवहप्रीतिरीतिसुखसंगा ● कह्वांरासरसरासतरंगा ॥
कह्वांकुंजबनकेलनिकाई ● कह्वांमानलीलासुखदाई ॥
कह्वांलगिब्रजकेसुखनसम्हारैं ● जिहिंलगिपुरबैकुंठबिसारैं
कहियेयहरसकाकेआगैं ● ऊधौसुनतप्रेमकौभागैं ॥ ● ॥
कैसेप्रेमहोययामाहीं ● मेरेकहेमानिहैनाहीं ॥ ● ● ●॥
ब्रजकौयाकौंदेउपठाई ● पैहैप्रेमतहांयहजाई ॥ ● ●॥
याकेमनअभिमानबढाऊं ● कहियुवतिनकीप्रीतिसुनाऊं॥
यहहैबातयदुपतिउरआनी ● पठऊंब्रजइहिंथापसज्ञानी ॥
कहैंबोधतिनकौंकरिआवै ● प्रेममिटायज्ञानसमुझावै ॥
जैहैंतुरतसुनतयहबाता ● कहिहैंहरिजानतमोहिज्ञाता
करिअभिमानतुरतब्रजजैहैं ● ह्वांतेंजायसाधह्वैऐहै ॥

ऐसैंहरिबैठेकरतअपनेउरअनुमान ॥
ऊधोकेउरतेंकरौंदूरज्ञानअभिमान ॥
आयगयेतिहिंकाल ऊधोजीहरिकेनिकट ॥
विहसिमिलेनंदलाल सखासखाकहिअंकभरि ॥
अतिसुंदरसांवलिछविछायौ ❁ जनुहरिकौप्रतिबिंबसुहायौ
अंसभुजादैकैयहदुराई ❁ ऊधेसेंाब्रजबातचलाई ॥ ❁ ❁ ॥
उद्धवसुनौकहौंतुमपाहीं ❁ ब्रजकौसुखमुहिबिसरतनाहीं
नेकहुंनहोइहांमनलागत ❁ उठिउठिपुनिउतहीकौंभाजत
यहमनहोततहींपुनिजैयै ❁ गोपीग्वालनमेंसुखपैयै ॥ ❁ ॥
कहांवहहेलजसोमतिमैया ❁ दैदैमाखनलेतबलैया ॥ ❁ ॥
नहिंबिसरतमनतेंबिसराई ❁ वहराधाकीप्रीतसुहाई ❁ ॥
गोपसखावृंदाबनगैयां ❁ नहिभूलतबंसीवटछैयां ॥ ❁ ॥
त्यागतजिन्हेंबहुतदुखपायौ ❁ मिटतनहीमनतेंपछतायौ ॥
ऊधोसुनिबोलेमुसकाई ❁ कहाकहतहरियौंअकुलाई ॥
सदारहतयहहितथिरनाही ❁ जगव्योहारसकलमिथ्याही
मोसोंसुनौबातयहदुराई ❁ एकैब्रह्मसदासुखदाई ॥ ❁ ॥
जबऊधेऐसेंकहीबिहसिज्ञानकीबात ॥
तबयदुपतिसुखपायकैपुनिबोलेहरषात ॥
भाईमोमनमाहिं उद्धवकहिजोबाततुम ॥
तुमसमानकोउनाहिं सखाऔरमेरौहितू ॥

ऊधोतुमब्रजबेगिसिधारौ ❁ करिआबऊयहकाजहमारौ ॥
पूरणब्रह्मअलखअजजोई ❁ मातपितातांकैनहिंकोई ॥
रूपनरेखजातकुलनाहीं ❁ व्यापिरह्यौसबघटघटमाहीं ॥
हैताकेज्ञानातुकज्ञानी ❁ गोपीसकलप्रीतिरससानी ॥ ❁ ॥
यहमतितिन्हैंबोधकरिआवऊ ❁ प्रेममेटिकैज्ञानदृढावऊ ॥
मेरेप्रेमबिबसवेबाला ❁ सहतबिरहदुखदुसहबिशाला ❁ ॥
कामअग्नितननतूलसमाना ❁ सोचस्वासमारुतबलवाना ❁ ॥
भस्महोनपावतसोनाहीं ❁ भीजिरहतनैननजलमाहीं ❁ ॥
ऐहैंआजकालपहुहिंभाती ❁ बिरहबियाव्याकुलदिनराती ॥
एतेपैकैसेंवेनारें ❁ समाधानबिनधीरजधारें ॥ ❁ ❁ ❁ ॥
तातेंसखावेगितुमजाहू ❁ मेटौतिनकेउरकौदाहू ॥ ❁ ❁ ॥
पठऊंनारिनकेढिगसोई ❁ जोतुमहीसोंलायकहोई ॥ ❁ ॥
इकप्रवीणअरुसखासमतुमतेंज्ञानीकौन ॥
सोकीजेजिहिंब्रजबधूसाधनसीखेंपौन ॥
जिहिंसुखपावैंनारि ज्ञानयोगऊपदेसतें ॥
डारेंमोहिबिसारि ब्रह्मअलखपरचौकरें ❁ ॥
ऊधोसुनौकहतमैंतुमकौं ❁ तुमसमहितूऔरनहिहमकौं ॥
कैसऊंउनगोपिनसोंमोहौ ❁ उरनकोजियैबिनवततोहो ॥
निसदिनभक्तिमेरियैउनकौं ❁ नाहिआनिरुचकैसिऊतिनकौं
सर्वसतिननमोहिसबदीन्हौं ❁ तनमनप्राणसमर्पणकीन्हौं ॥

मुक्तितीनतिनकौंमैंदीनी ❁ सोउनहितइकहूनहिकीनी ॥
रहीएकसोयोजनकहिये ❁ सोवहज्ञानबिनानहिलहिये ॥
सोअबदेऊंतिनहितुमज्ञानू ❁ जिहिंपावैंवहपदनिर्वानू ॥
जोअंगीकृतकरैं नतासू ❁ तौमैंहौंउनकौरिणवासू ॥ ❁ ॥
गायचरावतउनकीरैहौं ❁ वृजतजिनहीं अनतकउंजैहौं ॥
यहहैबातमेरेमनभावै ❁ और नकछुमोपैबनिआवै ❁ ❁ ❁ ॥
ऊधौजाऊबिलंबकरौजिन ❁ उनकौयुगबीततमोबिनछिन
समाधानतिनकोकरिआवौ ❁ ब्रजमेंजायबिलंबनलावौ ❁ ॥
ऊधोब्रजमेंजायकैबिलमनरहियोजाइ ॥
तुमबिनहमअकुलायहैं स्यामकरतचतुराइ ॥
तुमहोसखाप्रबीन बारबारसिखऊंकहा ॥
जियेंजौंजलबिनमीन सोईभांतिबिचारियो
कहीस्यामरैसैंजबबानी ❁ तबऊधोअपनेजियजानी ❁ ॥
यदुपतियोगसाचअबजान्यौ ❁ ज्ञानगर्वअपनेमनआन्यौ ॥
बोल्यौअतिअभिमानबडाई ❁ तुमआयसुसिरपरयदुराई
तुमपठवतगोपिनकेमाहीं ❁ मैंकेसेंप्रभुकरौंकिनाहीं ❁ ❁ ॥
तुम्हारेकहेगोकुलहिजैहौं ❁ ज्ञानकथाब्रजलोगनकहिहौं
जोमानिहैंब्रह्मउपदेसू ❁ तौकहिहौंसमुझायसंदेसू ❁ ॥
हरि नहेरहिब्रजजनसुखदैहैं ❁ बऊरौंआयचरणापुनिगैहैं
हसुनिविहसिकह्यौहरितबही ❁ जाऊउअंगसुतब्रजकौंअबही

ज्ञानदृढ़ाइखबरतिनदीजो ❀ एकपंथद्वैकारजकीजो ❀ ॥
आएभ्रातइतैहमदोऊ ❀ तबतैंब्रजपठयौनहिंकोऊ ॥ ❀ ॥
जायनंदजसुमतिपरतोषौ ❀ ज्ञानकथाकहियुवतिनपोषौ ॥
सकुचौमतिहिजानिब्रजनारी ❀ कहियौज्ञानयोगविस्तारी

बचनकहृतहौसमुझिहैंवेहैंपरमप्रवीन ॥
ह्वैहैंसीतलबिरहतेज्यौंजलपायेमीन ॥
पठबतथापिमहंत ऊधोकौइहिंकाजहरि
ह्वैआवेंगेसंत ब्रजभक्तनकेदरसतें ❀ ॥

आपनौहीरथतुरतमगायौ ❀ दियौऊपंगसुतकौपठनायौ ॥
आपनेइभूषणबसनसुहाये ❀ निजकरऊधोकौपहिराये ॥
आपनौईमुकुटआपनीमाला ❀ पहिराईउरबिसदबिशाला ॥
ऊधोतदहरिरूपसुहाये ❀ इकभृगुपदकौचिन्हबराये ❀ ॥
लिख्यौपत्रतबश्रीयदुराई ❀ नंदबाबाकौविनयबड़ाई ॥ ❀ ॥
पांलागनदोऊकरजोरी ❀ जसुमतिमैयहभांतिकरोरी ॥
बालकग्वालसखासमुदाई ❀ लिख्यौमिलनसबहिनउरलाई
अरुनरनारिसकलब्रजजेते ❀ प्रीतिजनायौलिखेसबतेते ॥
लिखिगोपिनकौयोगपठायौ ❀ भावजानिकाहूनहिपायौ ॥
लेऊंदृढ़नयप्रीतिब्रजबाला ❀ यहआनीउरमेंनंदलाला ❀ ॥
लिखिपातीऊधोकरदीन्हौं ❀ औरमुखागरबिनतीकीन्हीं ॥
नीकेरहियौजसुमतिमैया ❀ कछुदिनमेंएहैंदोउभैया ॥

कह्योकहौंजादिवसतैंजननीविछुरयौतोहि ॥
तादिनतेंकोऊनहीकहतकन्हैयामोहि ॥
कह्यौसंदेसनजात अतिदुखपायौमाततुम ॥
अबमोकौंनिजतात वसुदेवअरुदेवकिकहत
कहियौनंदबाबासौंजाई ❁ कह्यामनधरीइतीनिठुराई ❁ ॥
जबतैंदियौइतैंपठुचाई ❁ बहुरैंसोधलयौनहिआई ❁ ॥
बारिकबरसानैंलौंजैयौ ❁ समाचारतह्वांकेसबलैयौ ॥ ❁ ॥
ग्वालबालसबसखाहमारे ❁ ह्वैहैंवेममबिरहदुखारे ॥ ❁ ॥
तिन्हैंजायमंमदिसतेंभेटौ ❁ कहिसंदेसतिनकौदुखमेटौ ॥
ब्रजबासीजेतेनरनारी ❁ गायबत्सखगमृगबनचारी ❁ ❁ ॥
जोजिहिंविधिनासौंतिहिंभाती ❁ अरसपरसकहियौकुशलाती
मित्रएकममदरसनपैहौ ❁ देखततासिहिपरमसुखलैहौ ❁ ॥
बृंदाबनमेंरहतनिरंतर ❁ होतनहींकबहूंउरअंतर ❁ ॥
सघनकुंजतरुलतासुहाई ❁ मिलियौताकौसीसनवाई ❁ ॥
इहिंविधिऊधोसौंयदुराई ❁ कहिसबमनकीबातसुनाई ॥
बलकरितासौंप्रेमजनायौ ❁ ज्ञानगर्वताकेउरछायौ ❁ ❁ ॥
ऐसेंऊधोसौंकरीप्रगटस्यामब्रजप्रीति ॥
ऊधोतिनकौज्ञानलैचलेकरनबिपरीति ॥
लखिऊधोकौजात हलधरलियौबुलायढिग ॥
समरुतब्रजकीबात आएजलभरिनैनयुग ॥

कहाकहौं ऊधो मैं तुमसौं ॥ जसुमति कर नहेत जो हमसौं ॥
एक दिवस खेलन मो साथा ॥ खेल कियौ ऊगरौ यदुनाथा ॥ ॥
मोकौं दौरि गोद नब लीन्हौ ॥ कर सौं ठेलि स्याम कौं दीन्हौ ॥ ॥
नंद बबा तब बन तें आये ॥ इन्हैं गोद लै मोहि खिझाये ॥ ॥ ॥
लगे कहन नान्हौ तेरौ भाई ॥ तो कौं कोह लगत नहि राई ॥ ॥
बहु हित नहि भूलत है हमकौं ॥ कहत सँदेस बनत नहि तिनकौं
कहियौ तुम प्रणाम पर जाई ॥ अरु दोऊ भैयन की कुशलाई ॥
कहियौ हम है तनय तुम्हारे ॥ मात पिता नहि आन हमारे ॥ ॥
मिलिहैं आय धायकै तुमकौं ॥ कारज कछुक और है हमकौं ॥
नहि बिसरत क्षण गोकुल गाई ॥ तुम तजि सुख कौं हमैं न ठाई ॥
सुनि बसुदेव देवकी पायौ ॥ ऊधो व्रज कौं जात पठायौ ॥ ॥ ॥

नंद जसोमति हित समुझि लिखि पाती वसुदेव ॥
पालि दिये तुम सुतन्ह मैं नहीं उतर ण तुम सेव ॥
मति सकुचौ जियमाहि राम कृष्ण तुमरे तनय ॥
हमकहि वे को आहि मात पिता तुम दुहुँन के

बालपने तुम पालन हारे ॥ बालकेलि रस तुम्है दुलारे ॥ ॥ ॥
हम तौ पाये वै सकुमारा ॥ सोय है सब उपकार तुम्हारा ॥ ॥ ॥
मत कलपौ अपने मन माहीं ॥ हरि सौं मिलि किन जात इहाहीं
स्याम राम नहि तुम्है भुलावैं ॥ दिवस रैन तुम्हरौ यश गावैं ॥ ॥
ऐसैं लिखि पाती सुखदाई ॥ ऊधो कर वसुदेव पठाई ॥ ॥

तबहरिऊधौवेगिपठायौ ● तुरतग्रंकलैरथबैठायौ ॥ ● ॥
आयसुलियौबिदाहरिकीन्हौं ● चल्यौउपंगसुतब्रजपथलीन्हौं
ऊधोचलेगर्बमनधारी ● कहाज्ञानसमुझैंगीग्वारी ॥ ● ॥
देखौंधौंब्रजलोगनजाई ● मानतइतौजिन्हैंयदुराई ॥ ● ॥
चलेउपंगसुतजबहरषाई ● गोपिनमनतबगयौजनाई ॥
पुनिपुनिभ्रमरश्रवणलगिआई ● भयोकछुकदुखकछुहरषाई
समुझिसोसगुणदरसअनुरागी ● जहांतहांकागउडावनलागी
जोगोकुलहरिआवहींतौतूउडरेकाग ॥ ● ॥
दधिओदनतौहिदेहिंगीअरुचंचरकीपाग ॥
सुनिगोपिनकेबैन उठिबैठतवायसअनत ॥
लखिपावतिसबचैन कहतपरस्परआपमें ॥
सखीआजगोकुलहरिआवैं ● कैधौंकाहुब्रजहिपठावैं ● ॥
नीकीबातसुनावैकोऊ ● फरकतबामनैनभुजदोऊ ॥ ● ॥
बिनबयारअंबरफहराई ● टूटिटूटिकंचुकिबंदजाई ● ॥
उठिउठिबैठतकागकहेतैं ● उमगतमनआनंदलहेतैं ● ॥
भ्रमरएकचहूंदिसमडराई ● पुनिपुनिकानलगतहैआई ॥
होतशकुनसुंदरशुभमाला ● आवनहारभयेनंदलाला ॥
आनतभागदशाबिधिफेरी ● दूरकरैअबदुखमननेरी ● ॥
बहुरिगोपालमिलैंजोआई ● सुखसनेहकरिलीजेमाई ॥
आसनहृदैकमलमेंदीजै ● नैननिनिरखिबदनछबिलीजै ॥

देखतरूपमानततजिदीजै ● प्रेमभजनअपनौकरिलीजै ●॥
आवैंजोब्रजकुंजबिहारी ● बडभागिनीसबैब्रजनारी ॥ ●॥
नंदजसोमतिसखिसुखपावैं ● अतिबडभागिनबज्ञरिकहावैं
घरघरसगुनबिचारहीं ब्रजकीतियबडभाग ॥
ब्रजबासीप्रभुदरसकौंसबकेमनअनुराग ●॥
मथुरातनटकलाय अनुदिनपंथनिहारहीं ॥
कबआबहिंब्रजराय यहैकरतअभिलावसब ॥
॥ अथऊधोजीकौब्रजागमनलीला ॥
ऊधोचलेब्रजहिसमुहाये ● मथुरातजिगोकुलनियराये ॥
रथपरबैठेशोभितकैसें ● दूजेनंदनंदनमनुजैसें ॥ ● ●॥
वहैमुकुटपीतांबरकाछे ● स्यामरूपशोभितअंगआछे ●॥
दूरहितेंरथकीउजियारी ● देखतहरषीब्रजकीनारी ●॥
जान्यौआवतकुंवरकन्हाई ● आतुरजहांतहांतेंउठधाई ॥
कहतपरस्परदेखऊआली ● मधुवनतेंआवतबनमाली ●॥
गयेस्यामरथपरचढिजाही ● तैसौरथआवतमगताही ●॥
तैसौइमुकुटमनोहरराजै ● तैसौइपटकुंडलछविछाजै ●॥
रथतनसबदेखतअनुरागी ● सपनेकौसुखलूटनलागी ●॥
ज्यौंज्यौंरथआतुरचलिआवे ● त्यौंत्यौंपीतांबरफहरावे ●॥
भईसकलसुखव्याकुलनारी ● प्रेमविवसआनंदउरभारी ॥
जौलौंरथआवतनियराई ● तौलगिमानऊकल्पबिहाई ॥

यहहैशोरब्रजघरघरनआवतहैंनंदलाल ॥
देखनकौंनिकसेहरषितह्वैब्रजनरबाल ॥
सुनतजसोदानंदलैनचलेआगेहरषि ॥
भयेपरमआनंदतिहिछिनब्रजकेलोगसब ॥
जबकछुरथआगेनियरायौ तबसंदेहसबनमनआयौ ॥
स्यामअकेलेरथकेमाहीं हलधरसंगदेखियतनाहीं ॥
कोउकहतनाहिंब्रजनाथा जोपैहलधरनाहिंनसाथा ॥
इतनीकहतनिकटरथआयौ ऊधौनिरखिनैनजलछायौ
रहीठगीसीसबब्रजबाला नूतनबिरहभईबेहाला ॥
मनउगईनिधिकैहूंपाई बहुरिहाथतेंतुरतगवाई ॥
ह्वैगईसपनेकीरजधानी जागतकछूनहींपछितानी ॥
जबहीकह्यौस्यामतौनाईं जहांसोतहांरहीमुरझाई ॥
परीबिकलजसुमतिजिहिंठाईं ब्रजतियधायतहांसबआई
स्यामबिनारथलखिअकुलानी जहांसोतहांरहीमुरझानी
रुदनकरतव्याकुलअतिभारी लईउठायपैछिदृगबारी ॥
जसुदहिबोधकरतसबबाला ऊधोकौंपठयेगोपाला ॥
भलीभईमारगचल्यौसखापठायौस्याम ॥
उठउबूझियैहरिकुशलकहतिमहरिसोंबाम
सुफलघरीहैआज करउजानियहमनहरष ॥
आवनकौंब्रजराज इनकेकरह्वैहैलिख्यौ ॥

यहसुनिउठीकछुकसुखपाई ● ऊधोनिकटहिपऊंचेआई ॥
हरिकेरूपनिरखिसुखपायौ ● स्यामसखाकहिसबनसुनायौ ॥
ऊधोनिरखिकहतब्रजनारी ● सुंदरिसलजसुशीलमहारी ॥
ताहीतेंहरियाहिपठायौ ● जैसंदेसमोहनकौआयौ ॥ ● ॥
नीकेनीकेबचनसुनेहै ● सुनिसुनिश्रवणानंदियौसिरैहै ॥
यहजानियैवेगिहरिऐहैं ● याकेमुखअबयहसुनिपैहैं ॥
चऊंदिसघेरलियौरथजाई ● नंदगोपब्रजलोगलुगाई ॥
गयेलिवायनंदनिजद्वारे ● ऊधोरथतेंहरषिउतारे ॥ ● ॥
अरघदेयभीतरघरलीन्हौं ● धनिधनिदिनकहिआदरकीन्हौं ॥
चरणधोयआसनबैठाये ● बऊप्रकारभोजनकरवाये ॥ ● ॥
बिबिधिभांतिकरिकेपऊनाई ● नंदस्यामकीबातचलाई ॥
ऊधौकह्यौकुशलदोऊभैया ● अरुवसुदेवदेवकीमैया ॥

कहतहमारीसुधकबऊंकऊधोबलबीर ॥
पुलकितगातगदगदबचनपूछतनंदअधीर ॥
चूकपरीअनजानकह्यपछितानेआजके ॥
घरआयेभगवान जानेहमनिअहीरकरि

प्रथमगर्गमुनिकह्यौबखानी ● भूल्यौसंगदोषहितजानी ॥
अबऊधोबिछुरेगिरधारी ● मरियतसमुझिभूलसोइभारी ॥
कह्यौजसोमतिदृगभरिपानी ● ऊधोहमऐसीनहिजानी ॥
सुतकौहितकरिकेहममाने ● हरिह्वैवासुदेवप्रगटाने ॥

जासु बिरह शिवध्यान लगावैं ● निसिदिन अंग विभूति चढ़ावैं
सो बालक ह्म अति हि अयान्यौ ● ऊखल सौं बांध्यौ गहि पान्यौ ॥
फाटत नाहीं बज्र की छाती ● अब यह समुझि हृदै पछिताती ॥
वैसे भाग कब ऊं अब पैहौं ● बऊरि स्याम कौं गोद खिलैहौं ● ॥
जबतें हरि मधुपुरी सिधारे ● तबतें ऊधो प्राण हमारे ॥ ● ॥
तलफत मीन नीर बिन जैसैं ● देखो स्याम मनोहर तैसैं ● ● ॥
उठि के प्रात जात हौं खरिका ● देखत दुहत और के लरिका ॥
उठत सूल ऊधो मन माहीं ● क्यों धौं प्राण निकस नहि जाहीं ॥
ग्वाल सखा संग जोरि अब को गैयां लै जाइ ॥
को आवे संध्या समैं बनतें गाय चराय ॥ ● ॥
का हि लेऊं उर लाय अंचर सौं रज झारि कै ॥
का की लेऊं बलाय चूममनोहर कमलमुख ॥
मैं बलि सांची कहियौ ऊधो ● कैसें स्याम रहत ह्वां सूधो ॥ ● ॥
दही मही माखन नित जाई ● खात कौन के धाम कन्हाई ● ॥
कौन ग्वाल बालन के साथा ● भोजन करत तहां ब्रजनाथा ● ॥
कौन सखा लीने संग डोलैं ● खेलत हंसत कौन सौं बोलैं ● ● ॥
का के माखन चोरें जाई ● देत उरहनौ को अब काई ॥ ● ● ॥
बन मैं यमुना तीर कन्हाई ● किन गोपिन कौं रोकत जाई ● ॥
किन कौ दूध दही ढरकावैं ● किन सैं दधि कौ दान चुकावैं ॥ ॥
इतनी बूझत जसुमति माई ● भई बिकल गुण सुमिर कन्हाई

बोलेनंदबिलखितबबानी ● कहियौऊधोसांचबखानी ● ॥
स्यामकबऊंबऊरौंब्रजऐहैं ● ब्रजबासिनकीतापनसैहैं ● ॥
मोहितातजसुमतिसौंमाता ● सदाकहतहेहरिसुखदाता ॥
कहिगयेचलतीबारमुरारी ● मिलिहैंबऊरितातइकबारी ॥
करिहैंसोअपनौवचनकबऊंस्यामप्रतिपाल ॥
कहौऊधोतुमसौंकछूकह्यौकिनाहिगुपाल ॥
भएसकलकृसगात स्यामबिरहब्रजनारिनर
युगसमदिवसबिहात ऊधोहमकौंहरिबिना ॥
लखिऊधोब्रजरीतिसुहाई ● रह्यौकछुकऊधोसकुचाई ॥
सुनतनंदजसुमतिकीबानी ● बोल्यौहृदैपरमसुखमानी ॥
कहिदोउभाइनकीकुशलाती ● दईस्यामदीन्हीसोपाती ॥
हरिकौकह्यौसंदेससुनायौ ● हलधरकौसबकह्यौसुनायौ
पातीबांचिनंदउरलाई ● भेटेमानऊंकुंवरकन्हाई ॥ ● ॥
लिखीस्यामकेकरकीपाती ● जसुमतिलैलैलावतिछाती ● ॥
दुसहबिरहकीतापनसावैं ● हरिसंदेससुनिसुनिसुखपावैं
पुनिवसुदेवलिख्योहोजोई ● ऊधोदियौनंदकौसोई ● ॥
बांचतनैननीरभरिआये ● कहतस्यामअबभयेपराये ● ॥
सुनिवसुदेवलिखोजोबाता ● बोलीबिलखिजसोदामाता ॥
यद्यपिहरिवसुदेवकुमारा ● उदरदेवकीकेअवतारा ● ॥
तद्यपिसुधिधायऊकेनाते ● बारएकमोहनमिलिजाते ● ॥

ऊधोयद्यपिहमसबैसमुगाबतब्रजलोग ॥
उठतऋूलतद्यपिनिरखिमाखनहरिमुखयोग
रोटीश्ररुनवनीत बिनमागेउठप्रातही ॥
कोटदैहैकरिप्रीत तिन्हैंबानिजानैबिना ॥

यद्यपिदेवगृहसबसुखभोगा ❁ हैवसुदेवसदनसबयोगा ॥
हमपशुपालग्वालब्रजबासी ❁ दहीमहीधनघोषनिवासी ॥
राजसुखनकोउकोटिलडावै ❁ तौऊमाखननहिंहरिसुचपावै
निसदिनरहतयहैजियसोचू ❁ लहैंहरिह्यांकरतसंकोचू ॥
एकबारगोकुलफिरिश्रावैं ❁ मनकरिमाखनभोगलगावैं ॥
सपतरहैंगोकुलमेंनाहीं ❁ उलटिबहुरिमधुपुरिकौंजाहीं ॥
ऐसेंकहिजसुपतिबिलखाई ❁ ऊधोचरणरहीसिरनाई ॥
तबऊधोबोलेसुखपाई ❁ धन्यजसोमतिधनिनंदराई ॥ ❁ ॥
धन्यधन्यहैंभागतुह्मारे ❁ जिनकौंकृष्णप्राणतेंप्यारे ❁ ❁ ॥
पूरणब्रह्मकृष्णसुखरासी ❁ जगतश्रातमासबघटबासी ❁ ॥
हैंव्यापकपूरणसबठाहीं ❁ जैसेअग्निनकाठकेमाहीं ❁ ❁ ॥
मतिजानौहरिहमतेंन्यारे ❁ वैहैंसबजनकेरखवारे ॥ ❁ ॥

मतिजानौसुतकरि तिन्हैंवेसबकेकरतार ॥
तातमाततिनकेनहीभक्तनहितश्रवतार ❁ ॥
हमहैंसबश्रज्ञान प्रभुमहिमाजानैनहीं ॥
वेप्रभुपुरुषपुरान जन्मकर्मकरिकैरहित

हमसबअपनेभ्रमहिभुलाने ● नरसमानहरिकौंकरिजाने ॥
ज्यौंशिशुआपचक्रसमफिरई ● ताकौंफिरतजानिसबपरई
तातैंप्रभूजानिहरिध्यावो ● जातैंमुक्तिपदारथपावो ॥ ● ● ॥
ऊधोजोतुमहमैंसिखावत ● हमहूंबहुतमनहिंसमुझावत ॥
तद्यपिवहमृदुरूपकन्हाई ● देखेबिनारह्यौनहिजाई ● ॥
सबब्रजकोजीवनहरिबारे ● ऊधोकैसैंजातबिसारे ● ● ॥
जादिनमोहनबननहिजाते ● तादिनबनखगमृगअकुलाते
नहिअघातदेखेवहमूरत ● रूपनिधानसांवरीसूरत ● ॥
सोमृगअबहूभरिउदरनखाहीं ● भयेरहतकृशस्यामबिनाहीं
मुरलीधुनिखगमोहेजोई ● सोअबमुखफलखातनकोई ● ॥
जेबनसदानबलसुखदाता ● तेअबसूखेजीरणपाता ● ● ॥
कोकिलकीरमोरनहिबोले ● व्याकुलभयेसकलबनडोले ॥
जिन्हैंचरावतस्यामजोफिरतदुखारीगाय ॥
जहंजहंगोदुहनकियोसूंघततहांतहांजाय
सबब्रजबिरहअधीर युगसमबीततपलहमें ॥
धरैंकौनविधिधीर ऊधोमनमोहनबिना ॥
ऐसेंहिंकहतसुनतगुणहरिके ● बैठेहिबीतगईनिसभरिके
ठाढेजसुदहिरैनबिहानी ● भरिभरिलोचनढारतपानी ॥
ब्रजघरघरसबहोतबधाई ● कहतकान्हकीपातीआई ● ॥
निपटसमीपीसखासुहायो ● ऊधोकौंहरिब्रजहिपठायो ॥

कंचनकलसदूबदधिरोरी ● नंदसदनलैश्रावतगोरी ॥ ● ॥
गोपसखासबरुक्षजउपासी ● श्रायेधायसकलब्रजबासी ● ॥
ऊधोकोंहरिरूपनिहारी ● भयेसुखीसबनरश्ररुनारी ॥
ब्रजयुवतीमिलितिलकबनावैं ● करिपरदक्षणसीसनवावैं ॥
कहतपायकेदरसतुम्हारो ● भयोजन्मश्रबसुफलहमारो ॥
बूझतकुशलसकलनरनारी ● नंदश्रबासभीरभईभारी ॥
ऊधोलखिब्रजप्रेमजकेसे ● बोलिसकतनहिंरहेथकेसे ● ॥
इकबक्तातचकुंदिसिसबठाढे ● ऊधोरहेमानगहिगाढे ● ॥
ऊधोकीलखिकेदसाब्रजजनमनश्रकुलात ॥
क्योंऊधोतुमकहतनहिंश्यामकुशलात ● ॥
इकक्षणयुगसमजाहि हमैंसुनेबिनप्रीतहरि ॥
श्रावनकह्यौकिनाहिं ब्रजहिकृपाकरिसांवरे ॥
तबऊधोबोलेधरिधीरा ● सदाकुशलहरिहलधरबीरा ॥ ● ॥
दियोतुम्हैंलिखिपत्रसंदेसू ● श्ररुश्रीमुखयहकह्यौसंदेसू ॥
करिसमाधिश्रंतरमोहिध्यावौ ● गोपसखाकरिमतिचित्तलावौ
हौंश्रनादिश्रविगतिश्रबिनासी ● सदाएकरससबघटबासी ॥
निर्गुणज्ञानबिनमुक्तिनहोई ● बेदपुराणकहतहैंसोई ● ॥
तातेंदृढकरियहमनधारौ ● सगुणरूपतजिनिर्गुणबिचारौ ॥
तुरततापत्रयतरिदुखदाई ● मिलिहौब्रह्मसुखहिसबजाई
ऊधोकहीजबहियहबानी ● गोपीजनसुनकेबिलखानी ॥

इतनीदूरबसतसुनिआली ❁ अबकछुऔरभयेबनमाली ॥
रह्योबिरहकीबातबिचारी ❁ बूडीसकलमनऊंबिनबारी ॥
मिलनआसगईसुनतसंदेस ❁ उपजोउरअतिकठिनअंदेस ॥
फैलगईजहांतहांयहबानी ❁ कहतपरस्परसबअकुलानी
यहसबदोषलगेहमैंकरमरेखकोजान ❁ ॥
प्रेमसुधारसमानिकैअबलिखिपठयोज्ञान ॥
इकऐसेंयहदेह रह्योजुरसबिरहाअनल ॥
कैलाहूतेखेह अबआयोऊधोकरन ॥ ❁ ॥
रूपरासिजोसबसुखदाई ❁ ब्रजकीजीवनमूरिकन्हाई ❁ ॥
बिछुरेजिन्हैंइतोदुखपायो ❁ सोइनहिरदेमाहिंबतायो ॥ ॥
तिन्हैंकहतचितवोमनमाहीं ❁ वेहैंपूरणभरिसबठाहीं ❁ ॥
जाकोयत्नकरतहैंयोगी ❁ निरगुणनिराकारनिरभोगी ❁ ॥
सोकरिकृपाआइकैऊधो ❁ वीथनमांझबहायोसूधो ॥ ❁ ॥
अबलनकारनस्यामयठायो ❁ व्यापकजगहगहावनआयो
भजोआयबिरहनसबकोई ❁ गायोनिर्गुणनिगमनजोई ॥
जोसमइष्टएकरसमोहन ❁ तौकितचित्तचुरायोगोहन ❁ ॥
ऊधोयहहितलागेकाहै ❁ जोपैइष्टकृष्णहियमाहै ॥ ❁ ॥
निसिदिननैनदरसहितजागत❁कलनहिंपरतपलकनहिंलागत
चहूंदिसचितवतिबिरहअधीरा❁बिलखिबिलखिभरिडारतनीरा
ऐसेऊदुखप्रगटतकौंनाहीं ❁ जोपैस्यामहिकहतइहाहीं ॥

रहनदेऊ ऐसे हि हमहिं अवध आसकी थाह ॥
फिरि चाहै नहिं पायहै डारे अगुण अथाह ॥ ● ॥
व्यायेयुवतिन योग जोयेगिनिकौ भोगतुम ॥
हमतनभस्मौ बियोग भयौ अधिकदुखश्रवणसुनि
एककहन्तदूषणनहिंयाकौ ● यह आयौ पठयौ कुबिजाकौ ॥
बानेजो कछुयाहिपठायौ ● सोईयाने आयसुनायौ ॥ ● ॥
अबकुबिजा जो जाहिसिखावै ● सोईताकौ गायौगावै ● ● ॥
कबहूं स्यामकहै नहिं ऐसी ● कही आयब्रजमेंइनजैसी ● ॥
ऐसीबातसुनेकोमाई ● उठैशूलसुनिसहिनहिजाई ● ॥
कहतभोगतजियोगअराधो ● ऐसीकैसेंकहिहैंमाधो ॥ ● ॥
जयतयसंजमनेमअचारा ● यहसबविधिताकौव्यवहारा ● ॥
युगयुगजीवकुकुंवरकन्हाई ● सीसहमारेपरसुखदाई ॥
अच्छतखसमभस्मकिनलाई ● कहौकहांकीरीतिचलाई ॥
हमरेयोगनेमब्रतएहा ● नंदनंदनपदसदासनेहा ॥ ● ॥
ऊधोतुम्हैंदोषकोलावै ● यहसबकुबजानाचनचावै ॥ ● ॥
जबयुवतिनयहबातसुनाई ● ऊधोरह्यौमौनसकुचाई ॥
योगकथायुवतिनकहीमनहीमनपछताय ॥
प्रेमबचनतिनकेसुनतरहिगयोसीसनवाय ॥
तबजान्यौमनमाहिं येगुणहैंसबस्यामके ॥
मुहिपठयौइहिंठाहिं याहीकारणकेलिये ॥

ऊधोसुनिगोपिनकीबानी ❁ गुरुकरितिन्हैप्रथमहीमानी ॥
मनमनकरिप्रणामहरषानै ❁ ऊधोचलेबऊरिबरसानै ॥
श्रीवृषभानकुंवरिहरिप्यारी ❁ औरसकलव्रजगोपकुमारी
जिनकेमनमोहननंदलाला ❁ सुनीसबनयहबातरसाला ॥
कोऊहैमधुबनतैंआयौ ❁ हितकरिश्रीनंदलालपठायौ ❁ ॥
यूथयूथमिलिअतिअनुराई ❁ पियसंदेससुननतेउठिधाई ॥
मिलेउपंगसुतपंथमझारी ❁ रथलखिकहतपरस्परनारी ॥
बऊरिसखीसुफलकसुतआयौ ❁ वैसोईरथपरनलखायौ ॥
लैगयौप्रथमहिंप्राणहमारौ ❁ अबधौंकहाकाजजियधारौ ॥
तिहिक्षणऊधोदरसदिखायौ ❁ तबधीरजसबकेमनआयौ ॥
संगीसखास्यामकौचीन्हौं ❁ सबनिप्रणामजोरिकरकीन्हौं ॥
ऊधोलखिअतिभयेसुखारी ❁ मनऊबिकलरूपपायौबारी ॥
तबऊधोरथतेंउतरि बैठेतरुकीछाहिं ॥ ❁ ॥
भईभीरगोपीनकी अतिआनंदमनमाहिं ॥
अतिप्रियपाऊनजान सुधिल्यायेब्रजराजकी ॥
करिकैअतिसनमान प्रेमसहितपूजेसबन ❁ ॥
हाथजोरिपुनिबिनयसुनाई ❁ कहियैऊधोनिजकुशलाई
बऊरिकहौमधुबनकुशलाता ❁ हैंवसुदेवदेवकीमाता ॥ ॥
कुशलक्षेमकहियैबलिदाऊ ❁ अरुअक्रूरकुशलकुब्जाऊ ॥
बूझतस्यामकुशलअकुलानी ❁ नैननीरमुखगद्गदबानी ॥

सखिगोपिनकीप्रीतसुहाई ❁ प्रेममगनभएऊधोराई ❁ ॥
पुलकिगातअँखियांजलछाई ❁ गयौज्ञानकौगर्वहिराई ❁ ॥
पुनिपुनियहैकहतमनमाहीं ❁ ऐसीहरिकौंबूझियैनाहीं ॥
ब्रजनारिनकौंयोगपठावैं ❁ चिततैंब्रजकीप्रीतमिटावैं ❁ ॥
पुनिऊधोउरमैंधरिधीर ❁ बोलेसोधिनैनकौनीर ॥ ❁ ❁ ॥
सर्वविधिकहिहरिकीकुशलाती ❁ दीनीप्रथमश्यामकीपाती
लैलैकरनमिलतिसबपाती ❁ कोऊनैनकोऊलावतछाती ॥
काहूलैकरसीसचढाई ❁ बूझतआपनलिखीकन्हाई ❁ ॥
आतिहिनपातीश्यामकीसबमिलिमिलिसुखपाय ॥
ऊधोकरदीनीबहुरिदीजैबांचसुनाय ❁ ॥
ऊधोसबनसमोधि बांचिश्यामकीपत्रिका ॥
लागेकरनप्रबोध ज्ञानकथाविस्तारिकै ॥ ॥
मोकोंहरितुमपासपठायौ ❁ आतमज्ञानसिखावनआयौ ❁ ॥
ज्ञानतैंपापनहींनियराई ❁ मनतैंविषयदेऊबिसराई ॥ ❁ ॥
हरिआपहिनरआपुहिनारी ❁ आपहिगृहीआपब्रह्मचारी
आपहिपिताआपहीमाता ❁ आपहिपुत्रआपहीभ्राता ❁ ॥
आपहिपंडितआपहिज्ञानी ❁ आपहिराजाआपहिरानी ॥
आपहिधरतीआपअकासा ❁ आपहिस्वामीआपहिदासा ॥
आपहिग्वालआपहीगाई ❁ आपहिआपदुहावनआई ❁ ॥
आपहिभ्रमरआपहीफूला ❁ आपहिज्ञानबिनाजगमूला ॥

अवरंकदूजानहिकोई ॥ आपहिआपनिरंतरहोई ॥ ॥

ज्यौंबहुदीपजोतिहैएकू ॥ तैसेंइजानौब्रह्मबिवेकू ॥ ॥

इहिंप्रकारजाकौमनलागै ॥ जरामरणनासैभ्रमभागै ॥

योगसमाधिब्रह्मचितलावै ॥ ब्रह्मानंदसुखहितबपावै ॥

सुनततिहिऊधोकेवचनरहीसबैसिरनाय ॥

मानहुंमागतसुधारसदीन्हैंगरलपियाय ॥

रहीठगीसीनारि हरिसंदेसदारुणसुनत ॥

बोलीबहुरिसंभारि ऊधेसैंकरजोरिकै ॥

भलेभलेतुमऊधोराई ॥ भलीआयकुशलातसुनाई ॥ ॥ ॥

कछुइकहुतीमिलनकीआशा ॥ कियोआयताकौतुमनाशा ॥

इनबातनकैसेंमनदीजै ॥ स्यामबिरहतनपलपलछीजै ॥

बिनदेखेवहमूरतिप्यारी ॥ कुंडलमुकुटपीतपटधारी ॥

ऊधोकहौकौनविधिजीजै ॥ योगयुक्तिलैकैकहाकीजै ॥

छांडिअहृतनंदनंदनप्यारे ॥ कोलिखिपूजेभींतिपगारे ॥

हमअहीरगोरसरसभोगी ॥ योगयुगतजानेकोउयोगी ॥ ॥

ऊधोतुमसेंसांचबखानै ॥ प्रेमभक्तहमरेमनमानै ॥ ॥ ॥

हमकौंभजनानंदपियारो ॥ ब्रह्मानंदसुखकहाबिचारो ॥

ब्यावरिबियानबंध्याजानै ॥ येहृगहरिदरसनसुखमानै ॥ ॥

पुनिपुनिहमैंवहैसुधआवै ॥ कछुरूपबिनऔरनभावै ॥

नवकिशोरकौनैननिहारैं ॥ कोटियोतिताऊपरवारैं ॥ ॥

अधर अरुणासुर लीधरें लोचनकमलविशाला ॥
क्योंबिसरतऊधोहमैंमोहनमदनगुपाला ॥
सजलमेघतनस्याम रूपरसआनंदभरयौ ॥
मोहीसबब्रजबाम औरनजानतब्रह्महम ॥
ऊधोसुनिगोपिनकीबानी ॥ बोलेबहुरैंसाजिसयानी ॥
जौंलगिहृदैज्ञाननहिनीकैं ॥ तौलौंसबपानीकीलीकैं ॥ ॥
बूझैबिनसपनोसबहोई ॥ बिनविवेकसुखपावनकोई ॥
रूपरेखवाकेकछुनाहीं ॥ नेनमूंदिचितवौमनमाहीं ॥ ॥
हृदैकमलमेंयोतिबिराजै ॥ अनहदनादनिरंतरबाजै ॥
इडापिंगलासुखमनानारी ॥ सहजशून्यमेंबसतमुरारी ॥
नासाअग्रब्रह्मकौबासा ॥ धरऊध्यानतहांयोतिप्रकासा ॥
क्रमक्रमयोगपंथअनुसरहू ॥ इहप्रकारभवदुस्तरतरहू ॥
ऊधोहमगोपालउपासी ॥ ब्रह्मज्ञानसुनिआवेहांसी ॥ ॥
जोपैरूपरेखनहिचीना ॥ हाथपावमुखनैनविहीना ॥ ॥
तौजसुदाकरिकाकौजायौ ॥ काकौंपलनाघालिझुलायौ ॥ ॥
कैसेंऊखलहाथबंधायौ ॥ चोरिचोरिकैसेंदधिखायौ ॥ ॥
कोनखिलायेगोदकरि कहेनतुतरेबैन ॥
ऊधोताकौन्यावहै जाहिनसूझैनैन ॥ ॥
नटबरभेखप्रकाश श्रीवृंदाबनचंदतजि
कसखोजैआकाश सुन्नसमाधिलगायकै ॥

आनिबूझमतिहोऊअयानी ● मानऊसत्यहमारीबानी ● ॥
भजौब्रह्मब्रह्मैसबदेहू ● छांडिदेऊममताअरुमोहू ॥ ● ॥
मायानितअंधरीनबूझै ● ज्ञानअनंतनैनसबसूझै ● ● ॥
मैंयहकहतअकथकीभाखी ● देखऊबूझिवेदसबसाखी ● ॥
लगेआगिघरघूरजरावै ● कोनिजगृहतजिघूरबुझावै ॥ ● ॥
धरीकरौबलयोगसवारौ ● भक्तिबिरोधीज्ञानतुम्हारौ ॥ ● ॥
योगकहासबआछिबिछावैं ● टुसहबचनहमकौंनहिभावैं ● ॥
अबलनआनिसिखावतयोगू ● हमभूलोकैधैंतुमलोगू ॥ ● ॥
ऐसेंकहिगोपीअनखानी ● मनमैंस्यामपरेखोआनी ॥ ● ॥
ताहीसमैंभ्रमरइकआयौ ● सहजनिकटह्वैबचनसुनायौ ॥
तासौंकहिसबबातसुनावैं ● ऊधोप्रतिऊव्यंगबनावैं ॥ ● ॥
बचनसुभावअगुणअनुसारी ● लागीकहनसकलब्रजनारी
कोऊऊधोसौंकहतकोऊअलीप्रतिबात ॥ ● ॥
जिनजिनमनकोउकततकरि अपनीअपनीघात
ऊधोभूलेज्ञान उत्तरबोलनआवही ॥ ॥
रहेमौनसोमान सुनतबचननारीनके ॥
बोलिउठीऐसेंइकग्वारी ● आयसुनोरीसबब्रजनारी ● ॥
आयौमधुपदैनपदनीकौ ● लीन्हेंसीससुजसकौटीकौ ● ॥
तजनकहतभूषनपटगेहा ● सुतपतिबंधूसजनसनेहा ● ॥
सीसजटाअरुभस्मलगावौ ● सगुणछांडिनिर्गुणमनलावौ ॥

आयौकरनतियनपरछोहा ● वल्लीछांडिबतावनखोहा ● ॥
सुनिसखिकहतएकअरुबाला●येमधुपुरिदोउबसतमराला
वेअक्रूरऔरयेऊधो ● निरबारकपानीअरुदूधो ● ● ॥
ज्ञानतभलीगांसकीबाता ● इनहींकंसकरायौघाता ● ● ॥
इनकेकुलऐसीचलिआई ● प्रगटउजागरबंससदाई ● ॥
अबकरिकृपाब्रजहिंउठिधाये ● अबलनयोगसिखावनआये
ऐसेंएककहतअरुग्वाली ● येदोउइकमनसुनरीआली ॥
तबअक्रूरअबहियेऊधो ● ब्रजआखेटकियौइनसूधौ ● ॥
बचनफांसिफंसहरिहरनउनलियोरथबैठाय ॥
हरनीलौंइनगोपिकाहतीज्ञानसरआय ॥ ● ● ॥
देखउदीन्हौंलाय चऊंदिसदावायोगकौ ॥
भईकठिनअतिआय अबधौंकहाचाहतकियौ
लागीकहनऔरइकग्वारी ● मधुकरजानीबाततुम्हारी ● ॥
तुमजोहमेंयोगहैआन्यौ ● करीभलीकरनीसोजान्यौ ॥ ● ॥
इकहरिबिरहहीहमजरिकै●सुनतहिंअधिकउठीअबबरिकै
तापरअबजिनलौनलगावौ ● मतिहिपराईबातचलावौ ॥
दईस्यामतुम्हरेकरपाती ● सुनिकेबऊतसिरानीछाती ● ॥
कीन्हौउलटोन्यावकन्हाई ● बहेजातमांगतउतराई ॥ ● ॥
इकहमदुसहविरहदुखपावैं ● दूजेलिखिलिखियोगपठावैं
मधुकरस्यामभेदअबपायौ ● नेहरतउनकहूंगंवायौ ● ॥

चहिलै अधर सुधारस प्यायौ ❁ कियौ पोष बकुलाड लड़ायौ ॥
बकुरैं शिशुकौ लेख बनायौ ❁ गृह रचना रचि ललत मिटायौ ॥
सांप कंचुकी ज्यौं लपटाई ❁ ऐसी हितकी रीत दिखाई ॥ ❁ ॥
बकुरैं सुरत लई नहि जैसें ❁ तजी स्याम हमकों अब ऐसें ॥
कर ऊराज जहां जाउ तहां लेऊ अपन सिर भार ॥
ढीलत सबै असीसयह न्हात ऊखसौं न बार ❁ ॥
बकुरंगी सुखतूल जितहिं जात तितहीं सदा ॥
इकरंगी दुखमूल चातक मीन पतंग गति ॥ ❁ ॥
मधुप कहा कहि तुम्है सुनैयै ❁ करि कै प्रीति सबै पछितैयै ❁ ॥
निवहैगी ऐसें हम जानी ❁ उनलैकै कुब्जै रैं ठानी ॥ ❁ ❁ ॥
कारे तनकौ कहा पत्यारै ❁ मृदुमुख कनिमन हमसौं हमारै ॥
तबका हू मनहर तनजान्यौ ❁ हंसि हंसि सब लोगन सुखमान्यौ
बरवहि कुबिजा कीन्हीं नीकौ ❁ सुनि सुनि मधुप मिटत दुखजीकौ
चंदन तनक स्याम उर धरिकै ❁ श्रीसर बंस पियौ सब भरिकै
जैसौ छल हमसों हरि कीन्हौ ❁ ताकौ दाव कूबरी लीन्हौ ❁ ॥
बोली और एक यों बानी ❁ भाग दसा ऊधो किन जानी ॥ ❁ ॥
बिलपत रहत सकल ब्रजनारी ❁ कुबजा भई स्यामकी प्यारी ॥
खात बच्यौ असुरनकौ जोई ❁ अब कुलबधू कहावत सोई ॥
राजकुंवरि कोऊ हरि बरते ❁ तौ कछु हम चितमें नहि धरते ॥
बन्यौ साथ अब अति ही आगर ❁ कागी और मराल उजागर ॥

अबखेलतदोउलाजतजिबारहमासीफाग ॥
लौंडीकीडौंडीबजीहांसीअरुअनुराग ॥ ✿ ॥
हमैंदेतबैराग आपनदासीबसभये ✿ ॥
चतुरअचोरतआग ऊधोयहअचरजबडौ
ऊधोहरिऐसेकाजनकरि ✿ सुयशरह्यौत्रभुवनमाहींभरि
आयेअसुरजितेब्रजमाहीं ✿ मारेसकलबच्यौकोउनाहीं ॥
बिषजलसौंसबग्वालजिवाये ✿ कालीनागनाथलैआये ॥ ✿ ॥
इंद्रमानमर्दिब्रजहिबचायौ ✿ गोवर्द्धनकरबामउठायौ ॥
जबबिधिबालकबत्सचुराये ✿ करिकेयत्नआपउपजाये ✿ ॥
धनुषतोरिगजप्रबलसंहारौ ✿ मल्लनसहितकंसनृपमारौ
कीन्हौंउग्रसेनकौंराजा ✿ भयेसकलदेवनकेकाजा ॥ ✿ ✿ ॥
ऐसीकीरतिकरिसबनासी ✿ कीन्हीनारिकूबरीदासी ✿ ॥
कहांश्रीपतित्रभुवनसुखदायक ✿ अखिललोकब्रह्मांडकेनायक
ब्रह्माशिवइंद्रादिकदेवा ✿ करतनिरंतरजाकीसेवा ॥ ✿ ॥
ऊधोकहांकंसकीदासी ✿ यहसुनिहोतसकलब्रजहांसी ॥
कतमारतयदुकुलकौंलाजन ✿ अबकरिकैहरिऐसेकाजन ॥
गावतजगसबगीतअबवाचेरीकेकाज ॥
ऊधोयहअनुचितबडौचेरीपतिब्रजराज
ऊधोकहियौजाय अबहूचेरीपरिहरैं ॥
यहदुखकह्यौनजाय सौतिकहावतिकूबरी ॥

बोलीऔरबामइकऐसें ● ऊधोहरिरीझेधौंकैसें ॥ ● ● ॥
इकचेरीअरुकूबरपाछें ● सोवतनहीउत्तानेआछें ॥ ● ● ॥
कुटिलकुरूपअज्ञानकुलहीनी ● ताकौस्यामसुहागिनिकीनी
कहासिद्धधौंकूबरमाहीं ● हमकौंलिखिपठवतक्यौंनाही ॥
हमहूकूबररत्नबनावैं ● चलिकैटेढीचालदिखावैं ॥ ● ● ॥
कहैंस्यामसोई अबकीजै ● लोकलाजभामिनितजिदीजै ॥
हौहिंआयगोकुलकेबासी ● तजैंनिगोडीकुबिजादासी ● ॥
मधुकरजोहरिहमैंबिसारौ ● गोपीनाथनामक्यौंधारौ ● ॥
जोनहिकाजहमारेआवत ● तौकलंककतहमहिंलगावत ॥
जोपैप्रीतिकरीकुबिजाकी ● तौअबबिरदबुलावहिंताकी ॥
करतहिसुगमसबनकरिपाई ● प्रीतिनिबाहनअतिकठिनाई
अबपरतीतकवनविधिमानै ● क्षणमेंहोगएस्यामबिरानै ● ॥
ज्यौंगजकोरदत्यौंकरीहरिहमसेंपहिचान ॥
दिखरावनकौंआनहीकाजकरनकौंआन ● ॥
छांडिछुहाराद्राखफल बिषकीरबिषखात ॥
ऊधोकहियेकाहिसो मनमनकीजैबात ॥
ऊधोकहिकहातुम्हैंसुनावैं ● जैसेंहरिबिनहमदुखपावैं ॥
बररहतेमथुराघनस्यामा ● कतआयेजसुदाकेधामा ॥ ● ॥
कतकरिगोपबेषसुखदीन्हौं ● कतगोवर्द्धनकरपरलीन्हौं ॥
कतहिरासरसरचिबनमाहीं ● कियेविविधिसुखबरनिनजाहीं

करिकैऐसीप्रीतकन्हाई ❁ अबमनधरीइतीनिठुराई ॥ ❁ ॥
जबतैंतजिब्रजगएबिहारी ❁ तबतैंऐसीदसाहमारी ॥ ❁ ॥
घटेअहारबिहारहर्षहिय ❁ भोगसंयोगआसआवनजिय
बाढीनिशाबलयअभूषन ❁ लोचनजलअंचलप्रतिअंजन ॥
उर चिंताकंचुकीउसासा ❁ जीवनरह्यौअवधकीआसा ॥
बीततनिशागनतनभतारे ❁ दिवसतकतपथलोचनहारे ❁ ॥
रहीनहीसुधबुधिमनमाहीं ❁ बिरहानलतनजरतसदाहीं ॥
सुमिरिसुमिरिकैहरिगुणग्रामा ❁ दुखअधिकातसुहाततनधामा
कहांलगिकहियैनिजुबिथाअरुहरिकीनिठुराय
तापरआयेयोगअलिअबलनकरनसहाय ❁ ॥
कठिनबिरहकीपीर जिहिव्यापैसोजानही ॥
क्यौंधरियैमनधीर सुनिअलिबचनभयावने ॥
जेकचफूलफुलेलसंवारे ❁ निजकरहरिग्रंथेनिरवारे ॥ ॥
कहिपठयैतिनकौमनभावन ❁ भस्मसानिकेजटाबनावन ॥
रत्नजटिततनाटंकसुहाये ❁ निजकाननमोहनपहिराये ॥
तिनकौंअबमुद्रामाटीके ❁ ल्यायेहैंऊधोगढिनीके ॥ ❁ ❁ ॥
भालतिलकअंजननकबेसर ❁ मृगमदमलयजकुंकुमकेसर
उरकंचुकीमणिनकेहारा ❁ सबतजिकहतलगावउछारा ॥
जिहिंगरस्यामसुभगभुजमेली ❁ पठईतिहिंश्रंगीअरुसेली
पहिरेजातनचीरसुहावन ❁ ताहिभगौहैंकहतरंगावन ॥

आमुखपानसुगंधसुहाये ❁ निजहाथनब्रजराजखवाये ॥
रसविवादबक्रुत्तानतरंगा ❁ गावतकहृतरहृतहरिसंगा ॥
मदनबिलासहासरसभाष्यौ ❁ हरिमुखअधरसुधापुनिचाष्यौ
बिनमुखमौनकौंनबिधिकीजै ❁ ऊरधस्वासघूंटिकिमिजीजै
वेतौहरि अतिहीकठिनजानीतिनकीघात ॥
मधुपतुम्हैनहिंचाहियैकहृतकठिनयौंबात ॥
तबबज्रायमृदुबैन अधरातनबोलीबनहिं ॥
किएरासरसऐन अबकटुबचनसुनावहीं ॥
मधुकरमधुमाधोकीबानी ❁ हमसबजिमिमाखीलपटानी ॥
उडिनहिसकीफंसीहीतामें ❁ आवतसोचकहैंअबकामें ❁ ॥
जिमिअहारबसमीनबिचारे ❁ कंटकगिलतकठिनअनियारे
अटकतकुटिलहृदैदुखबाढै ❁ बकुरिकौनविधितिनकौंकाढै
जैसेंवधिकसुनादसुनावै ❁ मृगमनमोहिसमीपबुलावै ❁ ॥
बक्रुरिकरतधनुसरसंधाना ❁ तुरतहिंमारिहरतहैप्राना ॥
जिमिसनेहबलदीपप्रकासै ❁ रजनीकेतमकौदुखनासै ❁ ॥
रूपलोभशलभनेहिदिखाई ❁ क्षणमेंतिनकौंदेतजराई ॥ ॥
जिमिठगमदमोदकनखवावै ❁ पथिकजननसोंप्रीतजनावै ॥
रसविश्वासबढावतभारी ❁ प्राणसहितयथहरतपछारी ॥
जिमिमृदुमुसकनमनहिंचुराई ❁ खगजिमिहमब्रजनाथवझाई
पाछैंअबकरनीयहकीनी ❁ योगछुरीसुबकेगरदीनी ❁ ॥

हरिहमसोंऐसीकरीकपटप्रीतविस्तार ॥
बइबिरहबिषवेलब्रजरसकीऊखखुखार ॥
कहियेकहावखांन जिनसोंहितयहमतितिन्हैं
हरिजोहमारेप्रान हमहरिकेभायेंनहीं ॥
यहसुनिकह्योग्रौरइकग्वाली ❁ कहतकहामधुकरसोंग्राली
ऊनहीकौसंगीयहजोऊ ❁ चंचलचितस्यामतनदोऊ ❁ ॥
वेमुरलीधुनजगमनमोहन ❁ इनकीगुंजसुमनदलजोहन
वेनिसिग्रनतप्रातकऊंग्रानै ❁ येबसिकमलग्रनतरुचिमानै
वेद्वैचरणसुभगभुजचारी ❁ येषटपददोऊबिपिनबिहारी ॥
वेपटपीतमंजुतनकाछें ❁ इनकैपीतपंखदोउग्राछें ❁ ❁ ॥
वेमाधोयेमधुपकहावत ❁ काहूंभांतिभेदनहिग्रावत ❁ ❁ ॥
वेठाकुरयेसेवकउनके ❁ दोऊमिलेएकहीगुणके ॥ ❁ ❁ ॥
कहाप्रतीतकीजियेइनकी ❁ परीप्रकृतिऐसीयैजिनकी ॥
निरसजानिभाजतपलमाहीं ❁ दयाधरमइनकेकछुनाहीं ॥
मनदैसरबसप्रथमचुरावैं ❁ बहुरैंताकेकामनग्रावैं ❁ ❁ ॥
इनकीप्रीतकियेयौंमाई ❁ ज्यौंभुसपरकीभींतउठाई ❁ ॥
कह्योएकतियसुनसखीकारेसबइकसार ॥
इनसोंप्रीतनकीजियेकपटिनकीचटसार ॥
देखोकरिग्रनुमान कारेग्रहिकारेजलद ॥
कविजनकरतबखान भ्रमरकागकोयलकपट

शखिपिटारेजोअहिकारै ❁ पैपियाइअतिहितप्रतिपारै ॥ ॥
कुलसुभावसोडसिभजिजाहीं ❁ यद्यपितिन्हैंलाजकछुनाहीं
जलदसलिलबरषतचकुंघाहीं ❁ भरतसकलखरसरितामाहीं
निसदिनताहिपपीहाधावै ❁ भांबरिदैदैप्रीतबढावै ❁ ❁ ॥
एकबूंदकोंनिहिंतरसावै ❁ भ्रमरमालतीसोंमनलावै ॥ ❁ ॥
जबरसहीनहोतवामाहीं ❁ निरमोहीतजिजाहिपराहीं ॥
सुनियतकथाकागपिककेरी ❁ अंडनसेवकरावलहेरी ॥ ❁ ॥
बडेहोतनिजकुलउडजाहीं ❁ वैठतनिजुमातापितुमांहीं ॥
ऐसबकारेहरिपरवारे ❁ सबहिनमेंअलिहीअनियारे ❁ ॥
सबकोउपमाअरुगुणयेगू ❁ न्यायदेतपटतरकविलोगू ❁ ॥
अलिकुलअलककोकिलाबानी ❁ भुजभुजंगतनजलदवखानी
समुझीबातआजयहसारी ❁ खानकपटकीकुंजबिहारी ॥
मृदुमुसकनिविषडारकैगयेभुजंगकीभांगि ॥
नंदजसोदायोतजीज्योकोकिलसुतकाग ॥
गरप्रीतियेतोर जिमिअलिरसलैसुमनसों ॥
घनलौंभयेकठोर चातकलौंहमरटतसब ॥
ऊधोसुनौसकलउपखानौ ❁ बाज्ञौतांतराग पहिचानौ ॥ ❁ ॥
हरिआगेतुमसेअधिकारी ❁ कौनहिदुखपावैंब्रजनारी ❁ ॥
कहतसुनतलागतहौऐसे ❁ मीठाकहतगरलसोंजैसे ॥ ❁ ॥
पायोछोरकपटकौतबही ❁ लिखिआयोनिर्गुणपदजबही ॥

योगजहांअधिकारहिपाये ❁ क्यौंनहितूं बातहांबुलाये ❁ ॥
सुनिलीजैऊधोजीहमसें ❁ राजकाजचलिहैनहितुमसें ॥
करियेपोषआपनीकाया ❁ आयेइतैकरीबडिमाया ॥ ❁ ॥
जोतुमहैहमरेंहितआन्यौ ❁ सोहमसिरचढायसुखमान्यौ ॥
सुनिकैसबब्रजलोगअनंद्यौ ❁ नरनारीपरचौकरबंद्यौ ❁ ॥
अबसंग्हारिअपनौयहलीजै ❁ जिनतुमपठयेतिनहींदीजै ॥
उनहीमेंयहयोगसमैहै ❁ इहांनकाहूपैनिरवैहै ॥ ❁ ❁ ॥
हमब्रजबसतअहीरगुवारी ❁ योगसोगकीनहिअधिकारी
अंधआरसीवधिरध्वनिरोगग्रसिततनभोग ॥
ऊधोतिनकौन्यावहैहमैंसिखायौयोग ❁ ॥
हमैंयोगजोयोग सोइयेंगमिलाइये ॥
कहैनजानेरोग कहाकीजियेबैदसो ॥
ऊधोजाअभलेतुमआेऊ ❁ अपनेस्वारथकेसबकोऊ ॥ ❁ ॥
निर्गुणज्ञानकहांतुमपायौ ❁ कौनेयाब्रजतुम्हैपठायौ ॥ ❁ ॥
औरकह्यौसंदेसोकोऊ ❁ कहिनिःरैअबसुनियेसोऊ ❁ ॥
तबअक्रूरआयवहकीन्हैं ❁ सिगरेब्रजकोसुखहरिलीन्हैं
तुमआयेऊधोयहठाटी ❁ अनकुडायखवावतमाटी ❁ ❁ ॥
जोपैऊतीज्ञानकीगाथा ❁ तौकतरासनचेब्रजनाथा ❁ ❁ ॥
मनहरिलीन्हैंबैनुबजाई ❁ आधीनिसिसबनारिबुलाई ॥
रसलीलावृंदाबनठानी ❁ अबमथुराह्वैबैठेज्ञानी ॥ ❁ ❁ ॥

तबसमताक्यौंनहिंउरधारी ❁ मातुबमासौकंसपछारी ❁ ॥
बूझिपरेनौकेसबकोई ❁ ऊतौकछुकआसासोऊखोई ❁ ॥
पढेसबैएकैपरपाटी ❁ अधिकएकतेंएकनघाटी ॥ ❁ ❁ ॥
हमबावरीचलीनहिंक्यौंहीं ❁ जौजगचलतआपनीगौंहीं ॥

मनकीमनहीमेंरहीकहियेकाहिबिचार ॥
हमगुहारजिततेंचहीतिततेंआईधार ॥
जानतहैसबकोय जैसीतुमहमसोंकरी ॥
हमसहिलीनीसोय पावोगेअपनोकियो ॥

ऊधोजपूछतहमतुमकौं ❁ जोहरियोगसिखावतहमकौं ॥
तौकरिकृपाआपकिनआवैं ❁ योगज्ञानकहिप्रगटजनावैं ॥
जोउपदेसीनिकटनआवै ❁ तौश्रोताकिहिंबिधिमनलावै ॥
अबलगिसुनीनकाहूआनन ❁ मंत्रदानलागेबिनकानन ॥
जबलगियुक्तिनसिद्धबतावै ❁ तबलगिसाधककैसेंपावै ॥ ❁ ॥
हमगोकुलवेमथुरामाहीं ❁ खेतीहोतखंदेसननाहीं ॥ ❁ ॥
जौपैकरीस्यामयहमाया ❁ करैंश्रारतोइतनीदाया ॥ ❁ ॥
दरसनप्रथमदिखावैंआई ❁ करहिंपवित्रचरणपरसाई ॥
योगजानिकैनगरतियागैं ❁ सघनकुंजबनमनअनुरागैं ❁ ॥
आसनमौननेमआचार ❁ जपतपसंजमब्रतब्यौहार ॥ ❁ ॥
योगअंगकहियतहैंजेते ❁ बनहींमेंबनिआवैंतेते ॥ ❁ ❁ ॥
करिप्रबोधकरमाथछुवावैं ❁ हौंहिंसिद्धफलतौसुखपावैं ॥

तबतौखेलतसैंइहकरिराख्यौकछुनसुहाय ॥
अबयहयोगमिख्योकहांऊधोकहियैजाय ॥
हमकौंनिरगुणज्ञान जद्यासार यतहांसगुणहै ॥
लिखिपठयैनिर्वान चाटैंसहतनलगायकै ❁ ॥
बोलीऔरएककरिसमानी ❁ मधुकरसमुझकहतकिनबानी ॥
परमधुपियैजाततजिदीजै ❁ मुखदेखेकौन्यावनकीजै ❁ ॥
बीचहिपरैसत्यसोभाषै ❁ शवरंककीसंकनराखै ॥ ❁ ❁ ❁ ॥
इहांरतपरतदिवसअरुराती ❁ बातकहतहौठकुरसुहाती ❁ ॥
व्रजयुवतिनकौंयोगसिखावत ❁ वृषभजोतिसुरभीनगनावत
रैकतघ्नलंपटविभचारी ❁ कीरतइहैआनिविस्तारी ॥ ❁ ॥
हमजान्योअलिहैरसभोगी ❁कतसीख्यौयहयोगकुयोगी ❁ ॥
जेभैभीतहोंइलखिमाला ❁ तेक्यौंछुवैंभयानकव्याला ॥ ❁ ॥
क्यौंसठवकतछांडिसुन्याडर ❁ कहांअबलाकहांदसादिगंबर
साधहोयतौउत्तरदीजै ❁ कहातोहिकहिअपयशलीजै ॥
भईबायसीदेखियततोही ❁ इनबाननडरलागतमोही ❁ ॥
प्रथमहिंयत्नआपनौकीजै ❁ तापाछेऔरनसिखदीजै ❁ ॥
कतश्रमकरिबकबकमरतसुनतकौनतुवबात ॥
बनकोरोयौहोतहैउंडिकिनह्यांतेंजात ॥ ❁ ॥
देखिमूढचितचाय कहांपरमारथकहांबिरह ॥
राजरोगकफजाहि ताहिखवावतहौदही ❁ ॥

बोलीग्रैर एककोउनारी ● ऊधोसुनियेबातहमारी ● ॥
प्रथमहिंब्रजकीदसाबिचारै ● पाछेंयोगसिद्धबिस्तारै ॥ ● ॥
जाकारणपठयेहैंमाधो ● सोबिचारकछुजियमेंसाधो ● ॥
केतिकबीचबिरहपरमारथ ● देखौजियमेंसमुझियथारथ ॥
परमचतुरहरिकेनिजदासा ● रहैंनसदासंतनकेपासा ॥
जलबूडतपुनिपुनिअकुलाई ● कहाफेनपकरतहौधाई ॥
सुंदरस्यामकमलदललोचन ● सबबिधिसुखदसकलदुखमोचन
ब्रजकीजीवननंददुलारै ● कैसेंउरतेंजातबिसारै ॥ ● ॥ ॥
योगमुक्तिकिहिंकाजहमारें ● वाकीमुरलीपरसबबारें ॥ ● ॥
तुमनिर्गुणगुणकीरतिगाई ● करैंकहासोबऊतबडाई ● ॥
अतिअगाधपैहैंनहिंपारा ● मनबुद्धिकर्मसबनकेमारा ॥ ● ॥
रूपरेखवपुबरणनजासों ● कैसेंनेहनिबाहैंतासों ॥ ● ● ॥
बिनहींतोयतरंगअरुबिनचेतनचतुराय ॥
अबसोंब्रजमेंनहिंऊतीमधुपकरीतुमआय ॥
कहौबिबिधिबिधिकोय नहिंसुहातनंदनंदबिन ॥
अन्नअधुधारनजोय स्त्रकचंदनकौंसुखलहै ॥ ● ॥
लागीकहनग्रैर एकग्वाली ● करतबेकाजबकतहैआली ● ॥
कहियेतिहिंजोहोयविवेकी ● यहअलिनिजबातनकौटेकी
बकियासोंकोमूंडपचावै ● फटकैभुसीहाथकहाआवै ॥ ● ॥
तजिरसगेहनेहहरिपीको ● सिखवतनीरसनिर्गुणफीको ॥

देखतप्रगटनैनकछुनाहीं ❁ योतियोतिखोजततमगाहीं ॥
श्रवनसुनतजाकीमुरलीधुन ❁ भूलिरहेशिविसेयोगीजन ॥
सोप्रभुभुजग्रीवापरडारी ❁ बनबनलाडछुडायविहारी ❁ ॥
रासबिलासविविधिउपजायौ ❁ संगहमारेनाचदिखायौ ॥
लोकलाजकुलकानननसाई ❁ हमसबतिनकेहाथबिकाई ॥
काढिसुबागप्रेमकोहेली ❁ बोवतयोगजहरकीबेली ॥ ❁ ॥
चौपदहोयताहिसमुझैये ❁ कौनभांतिखटपदहिसिखैये ❁ ॥
लागैकौनकहैअबयाके ❁ काछौदूधबराबरजाके ॥ ❁ ❁ ॥

हमबिरहनबिरहाजरीजारीऔरअनंग ॥
सुखलौतबहीपाइयैजबनाचैंफिरसंग ❁ ॥
छांडिजगतउपहास दृढब्रतकीन्हौस्यामसौं ॥
सोईहमैंसुपास औरमुक्तिचाहैंनहीं ❁ ॥

सुनरेमधुपकुटिलकुबिचारी ❁ येब्रजलोगकसब्रतधारी ॥
सुंदरस्यामरूपरससाने ❁ श्रीगुपालतजिऔरनजाने ❁ ॥
जोतजिस्यामऔरकोध्यावैं ❁ बिभिचारीतेभक्तकहावैं ❁ ❁ ॥
बिद्यमानतजिसुरसरितीर ❁ चाहतकूपखोदिकैंनीर ❁ ॥
सुनैकौनयहसीखतुम्हारी ❁ अतिअनन्यमंडलीहमारी ॥
योगमोटतुमसिरधरिआनी ❁ सोनहिब्रजबासिनमनमानी
इतनीदूरजाउलैकासी ❁ चाहतमुक्तितहांकेबासी ॥ ❁ ॥
हमकहाकरैंमुक्तिलैरूखी ❁ अबलास्यामसंगकीभूखी ❁ ॥

ओसनप्यासकौंनबिधिजाई ॥ जबलगिनीरनपियैअघाई ॥
ऐसेंबातकहौअलिअमसों ॥ तऊकसोचमिलिहैंहरिहमसों।
हेतहमारेजौपगधारे ॥ तौहितकरिदुखहरोहमारे ॥ ॥
करऊसोयनस्यामजिमआवें ॥ प्रगटदेखिछविहमसुखपावें

सांचोज्ञानअौध्यानअलिसांचोयोगउपाय ॥
हमकौंसांचोनंदसुतगर्गकह्योसमुझाय ॥
बसकीन्हींमृदुहास हमचेरीनंदनंदकी ॥
नखसिखअंगबिशाल तिनहीदेखेजीजियै ॥

इतनेहीसोंकाजहमारो ॥ मिलहिफेरब्रजचंददुलारो ॥ ॥
औरअनेकउपायतिहारो ॥ राजकरउअलिहमहिंनप्यारो ॥
तुमतौमधुपप्रीतरसजानो ॥ हमकाजेकतहोतअयानो ॥ ॥
सबसुमननमेंफिरिफिरिआवत ॥ क्यौंकमलनमेंआपबधावत
जिहिंबलकाठफोरिघरकरहू ॥ क्यौंनकमलदलटारततबहू
रंगेस्यामरंगजेपहिलेसें ॥ चढतऔररंगतिनपरकैसें ॥ ॥
पारसपरसजोलोहसुहायो ॥ सोकिमअऊरिचंबुकलपटायो
सुनीजिननमुरलीधुनिकानन ॥ सोकिमसुनतकोंगरीतानन
बसेंजासुउरसगुणकन्हाई ॥ कैसेंनिर्गुणतहांसमाई ॥ ॥
यहमनस्यामसरूपलुभानो ॥ कहाकरेंलैयोगबिरानो ॥ ॥ ॥
सिंहसदाआमिषरुचिमाने ॥ तृणनभखैंबरतजैंपरानै ॥ ॥ ॥
हरितजिहमैंनऔरसुहाई ॥ कोटिभांतिकोउकहैबुझाई

ह्वैहैंगरूपविराटकेकहियतएकसमान ॥ ॥
ताहूमेंहितचंद्रमानहौंचकोरहिमान ॥ ॥
लोचनरूपअधीन सगुणसलोनेश्यामके ॥
क्योंसचपावैमीन जलबिनडारेदूधमें ॥ ॥
नहिमानतयेनैनहमारे ॥ सचनलहत्तबिनकान्हनिहारे ॥
भएश्यामछविजलकेमीना ॥ मुरलीधुनकेमृगअधीना ॥ ॥
अलिलोभीपंकजपदकरके ॥ कोकिकोकनदद्युतिदिनकरके
बदनइंदुकेकुमुदचकोरा ॥ तनघनछविकेचातकमोरा ॥ ॥
वहैरूपपरगटजवदेखैं ॥ जीवनसुफलतबहिकरलेखैं ॥
विगरिपरेमनमधुपहमारे ॥ ज्ञानबचननहिंसुनततुम्हारे ॥
ललितत्रभंगरूपरससाने ॥ खरेचकिततातेंजगजाने ॥ ॥ ॥
ध्यानपूछवौसमनहिहोई ॥ जोकोउयत्नकरैपचिकोई ॥
सोमनगएश्यामकेसाथा ॥ सुनैकौनअबनिर्गुणगाथा ॥ ॥
एकैमनएकैवहमूरति ॥ अटकोताहिनतजैमहूरति ॥ ॥
जोहोतौदूजौमनकोऊ ॥ तौहमलैधरतीतहांसोऊ ॥ ॥ ॥
ऊधोहरिहैंईशहमारे ॥ तेअबकैसेंजातबिसारे ॥ ॥ ॥ ॥
योगदीजियैलैतिन्हैंजिनकेमनदसबीस ॥
कितडारतनिर्गुणइतैऊधोब्रजमेंखीस ॥ ॥
गुणकरिमोहीश्याम कोनिर्वाहैनिर्गुणहिं ॥
कियेजन्मकेकाज कौंतजियैनंदनंदअब ॥

कहतमधुपनुमबातसुहाई ❁ कहतहिसुगमकरतकठनाई
प्रथमअग्निचंदनसीजानी ❁ सतीहोनउमहैसुखमानी ॥ ॥
ताकीतपतश्रीरसियराई ❁ कहैकौनपाछैपुनिआई ❁ ❁ ॥
पैठतसुभटयथारणजाई ❁ कुसुमलतासमखडगसुहाई ॥
दियौअपनपोहूरउदारा ❁ कोअबकरैतासुनिवारा ॥ ❁ ॥
येमनमोहनसौंउरआने ❁ दुखसुखलाभहानिनहिंजानै ॥
प्रेमपंथहूधोअतिऊधौ ❁ मतिनिर्गुणकंटकलैरूंधो ❁ ❁ ॥
नेहनहोइपुरानैक्यौंहीं ❁ सरितप्रवाहनयौनितज्यौंहीं ॥
निरखहिंआनंदरूपछकीजल ❁ रविप्रतीतनहिंमीनचटैथल
बूडतउमहिंसिंधुकेमाहीं ❁ येतउनीरनपियतअघाहीं ❁ ॥
दिनदिनबढतकमलजलजैसें ❁ हरिछबिदृगनलालसानैसें
ऐसेगुपालहृदैअंबुजअलि ❁ निकसतनाहिंसनेहरहेरलि ॥
येतकथाअबमतिकहोऊधोबारंबार ॥
भजौआननंदनंदतजिताकीजननीछार ॥ ॥
यहहमारेभाव अबकोउकछुवैकहौ ❁ ॥
जैवोहोयसुजाव रहोप्रीतनंदलालकी ॥
रहैप्राणतनप्रेमहिंखोई ❁ कौनकाजआवैपुनिसोई ❁ ॥
बिनाप्रेमसोभानहिंपावै ❁ निसागयेंजिमिशशिनसुहावै ॥
बिनाप्रेमजगखगवकजेरे ❁ चातकयशगावतसबटेरे ॥ ❁ ॥
प्रेमसहितमीननकीकरनी ❁ नैनअछतदेखउजगबरनी ॥

हमतैंप्रेमजातनहिंदीन्हौं ❁ दुहूभांतिहमतौयशलीन्हौं ॥
मिलेंश्यामतौअधिकसुहायौ ❁ नातरसकलजगतयशगायौ
कहांहमयागोकुलकीग्वारी ❁ बरनहीनघटजातगंवारी ॥
कहांवेश्रीकमलाकेनाथा ❁ बैठेपांतिहमारेसाथा ॥ ❁ ❁ ॥
निगमज्ञानमुनिध्यानअतीता ❁ सोब्रजभयेहमारेमीता ॥
तिन्हैंसंगलैरसबिलासी ❁ मुक्तिइतेपरकाकीदासी ॥ ❁ ॥
यहसुनिबोलिउठीइकआनै ❁ मेरौदुहूनकोऊमानै ॥ ❁ ॥
रसकीबातरसिकहीजानै ❁ निरसकहारसकीपहिचानै ॥
दादुरकमलनढिगबसतजनममरणपहिचान ॥
अलिअनुरागीजानिकैआपबंधावतआन ॥ ❁ ॥
जानैकहामिठास गूंगैबातसवादकौ ❁ ॥
मानकुंकाखौघास इनसौंकहिबोप्रेमरस
धनिधनिऊधोतुमबडभागी ❁ हरिसौंहितनहिमनअनुरागी
पुरइनबसतयथाजलमाहीं ❁ जलकौदागलग्यौकछुनाहीं
गागरनेहनीरमेंजैसें ❁ अपरसरहतनभीजतनैसें ॥ ❁ ॥
पैरतनदीबूंदनहिंलागी ❁ नेकरूपसौंदृष्टनपागी ॥ ❁ ॥
हमसबब्रजकीनारिअयानी ❁ ज्यौंगुडसौंचेंटीलपटानी ॥
अबकासौंवहलगनबखानै ❁ लागेबिनऊधोकोजानै ॥ ❁ ॥
हदौदहैनितसोचतरहियै ❁ प्रभुहेदनज्यौंमनमनसहियै ॥
सबतैंपीरलगनकीभारी ❁ यातरहितदुखसुखतैंन्यारी ॥

मंत्रयंत्रउपचार नपावैं ॥ बैदकहांलगिनाहिबतावैं ॥ ॥

घायलपीर जानिहैसोई ॥ लाग्यौघावजिसीकेहोई ॥ ॥

प्रेमनरुकत हमारे बूतें ॥ गजक ऊवंधतकमलकेसूतें ॥ ॥

कैसेंबिरहसमुद्रसुखाई ॥ योगअग्निकीतनकबुकाई ॥ ॥

यद्यपिसमुझायेबऊतहमकरि मनहिंकठोर ॥

तदपिनक्यौंहूंभूलई ऊधोनंदकिशोर ॥ ॥

क्योंसुखपावैंमीन पलकलगततनबसहतनहि ॥

लागेबरषबिहान अबबिनदेखेश्यामके ॥ ॥

तबषटमासरासकेमाहीं ॥ एकनिमषसमजानेनाहीं ॥ ॥

अबऔरैगतिबिनाकन्हाई ॥ एकएकपलकलपबिहाई ॥ ॥

नवबनबनहरिसंगबिहारी ॥ अबब्रजमेंयहदशाहमारी ॥

ज्यौंदेवीऊजारपुरमाहीं ॥ कोपूजैकोउमानतनाहीं ॥ ॥

कहतऔरजोबनअबरऐसो ॥ चित्रअंधेरेघरकोजैसो ॥ ॥

तबशशिअतिसीरोअबतातो ॥ भयोसकलसुखकरितनदातो

कतकरिप्रीतिगयेमनभावन ॥ जासोंहमलागीदुखपावन ॥

फिरिफिरियहैंसमुझिपछितांहीं ॥ कह्योऊतोआवनहमपाहीं

याहीआसप्राणतनमाहैं ॥ नारिकबऊरिमिल्योहीचाहैं ॥

ऊधोहृदैकठोरहमारे ॥ फटेनबिछुरतनंददुलारे ॥ ॥

हमतेंभलीजलचरीहोई ॥ अपनोनेहनिवाहतजोई ॥ ॥

जोहमप्रीतरीतिनहिंजानी ॥ तोब्रजनाथतजीदुखमानी ॥

कहांलगिकहियेआपनीऊधोतुमसोंचूक ॥
हमब्रजबासबसीमनऊंसबैदाहिनेस्रूक ॥
ऊधोकह्यौनजाय मोहनमदनगोपालसौं ॥
नैननदेखौआय एकबारब्रजकीदसा ● ॥

बोलीऔरएकब्रजबाला ● ऊधोभलीकरीगोपाला ॥ ● ● ॥
अबब्रजकबहूंआवैंनाई ● मथुरहिरहेसदासुखदाई ● ॥
इहांचलीअबऊलटीचाली ● देखतदुखएहैबनमाली ● ॥
तपतइंदुसूरजकीभाती ● चंदनपवनसेजसबताती ॥ ● ॥
भूषणबसनअनलसमदागें ● गृहबनकुंजभयानकलागें ॥
जिततितमारकुमनकीडारन ● धनुसरलियेकरतहैमारन ॥
हमतोन्यायसहैंदुखएतो ● ब्रजबासिनीग्वालजडतेतो ● ॥
वेप्रभुभोगसंयोगभुवाला ● क्योंसहिहैंकोमलतनज्वाला ॥ ● ॥
ऊधोकह्योसंदेससिधारै ● जान्यौसबपरपंचतिहारै ॥ ● ॥
बातनकहाहमैंभरमावत ● जलमथसुन्योनमाखनआवत ॥
सगुणनिकटलखनहैंजिनकौं ● निर्गुणओटबनावततिनकौं
जोयेनिजतुमयहैबखानो ● प्रभुपूरणसबमेंसमजानो ॥ ● ॥

तोतुमकापैकरनहौऊधोआवागौन ॥
कोनेरेकोदूरहैवहांकौनयहांकौन ॥
खोजेऊपावतनाहिं योगीयोगसमुद्रमें ॥
इहांबंधावतबाहिं सोजसुदाकेप्रेमबस ॥

हमगुवालगोकुलकेबासी ❁ गोपनामगोपालउपासी ॥ ❁ ॥
राजानंदजसोदारानी ❁ यमुनानदीपरमसुखदानी ॥ ❁ ॥
गिरवरधारीमित्रहमारे ❁ बृंदाबनमिलिसंगबिहारे ॥ ❁ ॥
अष्टसिद्धनवनिधिसबदासी ❁ इहांनयोगविरागउदासी ॥
वहैप्रेमरसकीसबभूखी ❁ कोजैकहामुक्तिलैरूखी ॥ ❁ ❁ ॥
निर्गुणकहाप्रेमरसजानै ❁ उपदेसकजेलोगसयानै ॥ ❁ ॥
हमऐसहिअपनीरुचिमानै ❁ रहिहैंबिरहबायबौरानै ॥ ॥
निसदिनसपनेसोंवतजागे ❁ वहैस्यामछबिसोंदृगपागे ❁ ॥
बालचरित्रकिशोरीलीला ❁ सुधासमुद्रसकलसुखशीला ॥
सुमिरिसुमिरिसोईसुखग्रासा ❁ रटिरटिमरिहैंमाधोनामा
बिरहामधुपप्रेमकोकरई ❁ ज्यौंपटपुटतरंगहीधरई ॥ ❁ ॥
ज्यौंघटप्रथमअनलतननावैं ❁ बहुरिउसहिरसभरिसुखपावैं

सनमुखसरसहिसूरजबरबिरथबेधतजाय ॥
प्रथमबीजअंकुरनमहिपुनिफलफरतअघाय ॥
कोदुखसुखहिडराय कठिनप्रेमकेपंथचलि ॥
औरनकछूउपाय ऊधोमीननीरबिन ॥

बोलीएकसखीसुनिलीजै ❁ अपनेकाजकहानहिकीजै ❁ ॥
दिनाचारयहहूसबकरियै ❁ जोहरिमिलैंयोगहूधरियै ॥
जटाबनायभस्मतनमांड़ैं ❁ मूंदरहैंनैननबिनआंजैं ॥ ❁ ॥
सींगीदंडलैहिंमृगछाला ❁ पहिरैंकंथासेलीमाला ॥ ❁ ❁ ॥

धरि धीरजसन्मुखसरसहिये ॥ भाजैश्राजउबारनलहिये ॥
बिरहज्ञानबिचविनहीकाजै ॥ मरियतहैयहदुसहदुराजै ॥
एकसखीऐसैंकहिदीन्हो ॥ ऊधेतुमजुकह्योसबकीन्हो ॥
नैनमूंदकेध्यानलगायौ ॥ इतउतमनकौंबऊतचलायौ ॥ ॥
छरभरह्यौनंदलालप्रेमरस ॥ नेकनचलतगयौगाढ़ेफस ॥
जोहरिमिलनजानिहूपरत्ते ॥ तोलैयोगसीसपरधरत्ते ॥ ॥
यहलैदेऊनिनहिंफिरजाई ॥ जिनपठएतुमइतहिसिखाई
लैहिंनवेऊजानहमारे ॥ देखियतमाथेपरसौतुम्हारे ॥ ॥ ॥

भूलेयोगीयोगजिन्हिंतुमसेंकियौबखान ॥
ज्ञान्यौगयौनपचमुएब्रह्मरंध्रतजिप्राण
हमऊरजीकौध्यान हमहिदिखावऊयोतिसो
निपटहिकूकौज्ञान ऊधोकहासुनावही ॥ ॥

ऊधोजबतैंस्यामनिहारे ॥ तबतैंयोगीनैनहमारे ॥ ॥ ॥ ॥
शिखासीखगुरजनकीटारी ॥ घरसौजनेऊलाजउतारी ॥ ॥
पलकबसनघूंघटगृहत्यागे ॥ दसादिगंबरमनअनुरागे ॥ ॥
सजतसमाधरूपटकलाये ॥ भएसिद्धनहिडिगेडिगाये ॥ ॥
ताकेबीचविघनकेकरता ॥ पचिपचिरहेमातपितुभरता ॥
अबयेश्रौरयोगनहिंजानै ॥ वहीस्यामछविसुधाभुलानै ॥ ॥
भएछद्मयनैनहमारे ॥ नहीछद्म हमतेंकऊंन्यारे ॥ ॥ ॥
हमसोंकहतकौनकीबातैं ॥ गयौकौनहमकौंतजिटहांतैं ॥ ॥

मथुराजायरजककिनमारयौ ● धनुषतोरिकिनहिंरदपछारयौ
किनमल्लनमथिकंसबहायौ ● उग्रसेनकिनबंदछुडायौ ● ॥
कोवसुदेवदेवकीजाये ● तुमकिनकेपठयेब्रजआये ॥ ● ॥
कुंडलमुकटगुंजउरराजैं ● गोकुलजसुदानंदबिराजैं ॥
कोपूरणकोअलखगतिकोगुणरहितअपार ॥
करतबृथाबकवादकतइहिब्रजनंदकुमार ॥
जातचरावनधेनु दिनउठिग्वालनसंगमिलि ॥
मधुरबजावतवेनु आवतसंध्याकेसमैं ● ● ॥
जिनऊधोमथुरातनदेखौ ● ब्रजबसिजन्मसुफलकरिलेखौ ॥
लैहौकहाजायप्रभुतामें ● परिहौजाइराजबिपतामें ॥ ● ॥
निरखौगोकुलबालकन्हाई ● घरघरमाखिनखातचुराई ॥
जन्मकर्मगुणगावौनीके ● परममधुरसुखदायकजीके ● ॥
नंदराइउत्सवकिमिकीन्हौं ● कैसेंदानद्विजनकौंदीन्हौं ● ॥
कैसेंगोपीजनसुनिधाई ● कैसेंपदभूषणपहिराई ॥ ● ● ॥
कैसेंगोपग्वालसबआये ● निरतततभेखविचित्रबनाये ॥ ● ॥
कैसेंदधिकीकीचमचाई ● ब्रजसबभइआनंदबधाई ● ● ॥
बालबिनोदकौंनबिधिकीन्हौं ● कैसेंगोवर्द्धनकरलीन्हौं ॥ ॥
कैसेंदधिकौदानचुकायौ ● सरदरससुखकिनउपजायौ ॥
यहरसप्रेमकथाचितलावौ ● अपनीनीरसकथाबहावौ ● ॥
निगमनेतिनिर्गुणकौंधावौ ● कौनहिंप्रगटदरसचितलावौ

भावतहै जोतुम्हकौं योगसोहमसौं देखि ॥
ऊधोसबतनखेहकरिसुमतिहोयकैपेखि
सबअंगकरिकैकान बैठेमनहिं बटोरिकै
तजऊज्ञानअभिमान तौयहअरथसुनावहीं
नहीजटाजहिभस्मलगावैं ● रूंधैंस्वासनश्रृंगबजावैं ॥ ● ॥
नहीवेदनहिपढैंपुराना ● समदमनेमनसंजमध्याना ● ● ॥
हमश्रीगोकुलचंदअराध्यौ ● प्रेमयोगतपतिनसौंसाध्यौ ● ॥
मनबचकरमऔरनहिंजानै ● लोकबेददुखसुखभ्रममानै ॥
मानपमाननिंदकुलकरसी ● अग्निआंचगुरुजनबचबरसी ॥
हनतितापचऊंदिसतनदेखै ● पियतधूंमउपहासबिशेखै ॥
करिसुप्रेमबंदनजगबंदन ● कर्मधर्मकामनानिकंदन ● ॥
हमजुसमाधिप्रीतबानिकहरि ● अंगमाधुरीहृदैरहीधरि
निरखतरहतनिमेषनत्यागत ● यहअनुरागयोगनितजागत
सरगुणरूपरंगरसरागे ● भ्रकुटिनैननैननलगिलागे ॥ ● ॥
हंसनप्रकाशसुमुखकुंडलदुति ● शशिअरसूरदेखियेजुद्युति
मुरलीअधरमधुरसुरगाजै ● शब्दअनाहदधुनिसोइबाजै
बरषतरसरुचिमनअचैरह्यौपरमसचमान ॥
अतिअगाधसुखसंगकौपदआनंदसमान ॥
मंत्रदियौरतिश्रौन भजनज्ञानहरिकौहमैं ॥
गुरूकरैअबकौन कौनसुनैफीकोमतौ ॥

ऊधोब्रजकीरीतनिहारी ❁ भयेविवसनिजनेमविसारी ❁ ॥
लाग्यौकहनधन्यब्रजबाला ❁ जिनकेसरबसमदनगुपाला ॥
धन्यधन्ययहप्रेमतुम्हारौ ❁ भक्तिसिखायमोहिनिस्तारौ ❁ ॥
तुमममगुरुमैंदासतुम्हारौ ❁ धन्यकृष्णपदद्दृढ़ब्रतधारौ ॥ ❁ ॥
मैंजडकौनौश्रौरउपाई ❁ अबतुमदरसभक्तिनिजपाई ॥
ऊधोआयौयोगसिखावन ❁ सीखेप्रेमभक्तिअतिपावन ❁ ॥
भयमगनरसप्रेमबिशाला ❁ लागेगावनगुणगोपाला ❁ ❁ ॥
लोटतकबहुँकुंजमेंजाई ❁ कबहूंविटपनभेटतधाई ❁ ॥
कबहूंब्रजरजसीसछवै ❁ कबहूंगोपिनपदशिरनावै ॥ ❁ ॥
पुनिपुनिकहतधन्यब्रजनारी ❁ धन्यग्वालगैयाबनचारी ॥
धन्यभूमियहसुखदसुहावन ❁ धन्यधामबृंदाबनपावन ॥
ऐसेंप्रेममगनमनफूल्यौ ❁ कोहौंकितआयौसुधिभूल्यौ ॥ ॥
ऊधोमनआनंदअतिलखिकेप्रेमबिलास ॥
आयेंहोदिनदोयकौंबीतगयेषटमास ॥
तबउपज्यौउरसोच बचनकृष्णकेसुरतकरि ॥
मनमेंभयौसकोच बोल्यौहोप्रभुबेगमुहि ❁ ॥
तबउपंगसुतरथहिपलान्यौ ❁ मथुराचलिवेकौंअतुरान्यौ ॥
ऊधोजातगोपिकनजानी ❁ आईधायसकलअकुलानी ❁ ॥
तबऊधोसबकौंसिरनाई ❁ हाथजोरिकैविनयसुनाई ❁ ॥
अबमुहिदेविअनुग्रहकीजै ❁ जाउंकृष्णपैआयसुदीजै ॥

मैंसेवकजैसेउनकेरे ❁ त्योंजानियेआपनेचेरे ॥ ❁ ❁ ❁ ॥
कह्योजोमैंकछुतुमसोंआई ❁ ढलजकहेतेंकरीढिठाई ॥ ❁ ॥
सोअपराधक्षमाअबकीजै ❁ जाउंहलपैआयसुदीजै ❁ ॥
जासोंढलकरैंमुहिदाया ❁ रहैप्रीततुमचरणअमाया ❁ ॥
करौंबडाईकहातुम्हारी ❁ ऐसीबिमलनबुद्धिहमारी ॥ ❁ ॥
हलसदातुम्हरौयशगावैं ❁ जाकोअंतनवेदनहिपावैं ॥ ❁ ॥
कबऊकसुरतकरतममरहियो ❁ जानिआपनोजनहितगहियो
सुनिऊधोकीनिर्मलबानी ❁ भईविवसब्रजतियसुखमानी ॥
क्योंनहिऊधोजीकहोऐसेबचनबिचारि ॥
अंतबडेसबभांतितुमहमनिटानजडग्वारि ॥
होयनशीलसमान लघुदीरघतातेंभये ॥
भृगुकीन्होअपमान श्रीपतिकरभूषणलियो
कहांगरलसेबचनहमारे ❁ कहांअतिशीतलमृदुलतुम्हारे ॥
तुमहितकह्योहमैंसुखमानी ❁ तरनउपायवेदबिधिबानी ॥
हमगंवारिउलटीसबबूझी ❁ कहीकटुकतुमसोंजोसूझी ॥
लोकवेदछांड्योहमजैसो ❁ ताकोफलभुगततहैं तैसो ॥ ❁ ॥
कहाकरैंमनबऊसमुझावैं ❁ स्यामदरसबिनसचनहिपावैं ॥
दुर्लभदरसतुम्हारोहमकों ❁ कहियेजानकौनबिधितुमकों ॥
करिकेक्ठपाकीजियेसोई ❁ जैसेंदरसस्यामकोहोई ॥ ❁ ॥
देखतहोयातनकोदहवो ❁ समैंपायहरिआगेकहवो ❁ ॥

घोषबसतकीचूकहमारी ❁ मननहिंधरैंलालगिरधारी ॥
जानिहमैंञ्रतिदीनदुखारी ❁ करहिंकृपामनगुणहिबिचारी
ञ्रावनञ्रवधिकहीहीजोई ❁ धरिहैंसुरतबचनकीसोई ॥
बहुतकहाकहियैब्रजराजहि ❁ करिहैंबांहगहेकीलाजहि
प्रभुदीननपतिदीनहितयहीहमारेञ्रास ॥
कबहुंकदरसदिखायकेहरिहैंलोचनप्यास
ऐसेंकहिब्रजवाम भईबिरहसागरमगन ॥
ऊधोकरिपरणाम ञ्रायेजसुमतिनंदपै ❁ ॥
मांगीबिदाजोरकरदोऊ ❁ तुमसमधन्यञ्रौरनहिंकोऊ ॥
रामकृष्णकरिसुतजिनपाये ❁ बालभावकरिगोदखिलाये ॥
धनिगोकुलधनिगोकुलबासी ❁ कियेप्रेमबसिजिनञ्रविनासी
कृपाकरीमोहिकृष्णपठायौ ❁ जातेंदरससबनकौपायौ ❁ ॥
ञ्रबतुममोकोंदेहुनिदेसू ❁ जायकृष्णसौंकहैंसंदेसू ❁ ॥
सुनिसप्रीतऊधोकीबाता ❁ नंदबबाञ्ररुजसुमतिमाता ॥
उमग्यौप्रेमनैनजलबाढे ❁ भयेजोरकरञ्रागेठाढे ॥ ❁ ❁ ॥
उरबरस्यामबिरहकीपीरा ❁ कहतसंदेसबहतदृगनीरा ॥
ऊधोहरिसोंकहियौजाई ❁ जसुदाकीञ्रासीससुनाई ❁ ॥
कमलनैनसुंदरसुखदाई ❁ कोटियुगनजीवहुदोऊभाई
कहियौबहुरिइतीसमुझाई ❁ तुमबिनदुखितजसोदामाई
इतनीदयामातकीलीजै ❁ एकबारदरसनफिरदीजै ❁ ॥

०

नंददोहनीभरिदई ❁ कह्यौनैनभरिनीर ॥
बाधौरीकोदूधयहभावतह्वोबलबीर ॥ ❁❁ ॥
दईजसोमतिमाय मुरलीललितगुपालकी ॥
ऊधोटीजैजाय प्यारीहीअतिलालकी ॥

॥ अथऊधोजीकीबिदालीला ॥

ऊधोलैमाथेधरिलीनी ❁ लखिप्रभुप्रीतिदंडवतकीनी ॥ ❁ ॥
चल्यौयोगकीनावबुडाई ❁ ह्वैगयौआयगोपब्रजआई ॥ ❁ ॥
जायकृष्णपदसीसनवायौ ❁ प्रभुसादरउठिकंठलगायौ ❁ ॥
कहियेसखाकुशलसोंआये ❁ ब्रजमेंजायबहुतदिनलाये ❁ ॥
नंदबबाअरुजसुमतिमाई ❁ कहौकोंनबिधदेखेजाई ❁ ॥
बसतप्राणमोहीमेंजिनके ❁ कैसेंदिनबीततहैंतिनके ॥ ❁ ॥
कहादसाब्रजगोपिनकेरी ❁ जिनकेप्रीतनिरंतरमेरी ❁ ॥
ऊधोसमुझतब्रजकीबाता ❁ भयेप्रेमबसपुलकितगाता ॥ ❁ ॥
भूल्यौयदुपतिनामबडाई ❁ कह्यौसुनौगोपालगुसाई ❁ ॥
कहौंकहाप्रभुतुम्हैसुनाई ❁ ब्रजकीरीतिकहीनहिजाई ❁ ॥
कृपाकरीमुहितहांपठायौ ❁ ब्रजबासिनकोदरसदिखायौ
जादिनगयेतुम्हैसिरनाई ❁ पहुंच्यौसांझगोकुलैजाई ❁ ॥
दूरहितेंलखिरथध्वजाअरुपटपीतरसाल ॥
जानितुम्है आवतहरषिधायेगोपीग्वाल ॥ ❁ ॥
रथपरमोहिनिहारि ❁ रहेठगेसेथकिसबै ॥

चलीदृगनबहिधारि परेमुरछिव्याकुलधरणि

भयेबिकलसबआसाटूटे ● बिरहघावसुरसैफिरफूटे ॥ ● ॥

जबतुम्हरौपठयोमुहिजान्यौ ● लैनंदसदनमाहिंसनमान्यौ

तुमबिनजसुमतिपरमदुखारी ● बूझीकुशलसरामतुम्हारी

तृषितचातकीजौंअकुलानी ● छलछलछलागीजकबानी ॥

बारहिबारयहैपछिताहीं ● प्रभुप्रभावहमजान्यौनाहीं ● ॥

बांधेऊखलतनकदहीकौं ● अबकसकनकसर्कनिसोहीकौं ॥

ब्रजअबसून्यबिनामनमोहन ● परमअभागीगईनगोहन

ठाढीरहीठगोरीलाई ● बिरधबैसतजिगयेकन्हाई ● ॥

दसरथप्राणतजेसुतलागी ● मैंदेखतहीरहीअभागी ● ॥

अबजनुएसेंहीमरिजैहौं ● बहुरिनस्यामहिंकनियालैहौं

यौंतुम्हरेहितजसुमतिमाता ● अतिहीदीनदुखितबिलखाता

नंदकुसुमिरततुमगुणग्रामा ● बीतीनिशाचारहूयामा ● ॥

यद्यपिमैंबोधेबहुततुमबिनकछुनसुहात ॥

तिनकीदसाबिलोकिमुहि युगसमबीतीरात ॥

नंदजसोदहिपाय गयोप्रातब्रषभानपुर ॥

सुनिसबआई धाय धामकामतजिबामतहां

मोहितुम्हारौनिजजनजानी ● सनमान्योसबहीसुखमानी

लखिपटभूषणचिन्हतुम्हारे ● भईप्रेमबससुरतसम्हारे ॥

सिथलअंगभरिआयेनैना ● पूछीकुशलसुगदगदबैना ॥ ● ॥

जबमैंकह्यौसंदेसतुह्मारै ● सुनतहिंआयौसबनतमारैं ॥
बीतीघरिकधीरउरआन्यौ ● मेरोकह्यौसांचनहिंमान्यौ ॥
दूषणसबकुबिजाकौंदीन्हौं ● कछुकपरेखौतुमसेंकीन्हौं ॥
तिनकीबाततनजातबखानी ● प्रेमपंथवेसकलसयानी ॥ ● ॥
वहरसरीतिदेखिउनकेरी ● कटुककथालागीमुहिमेरी ॥
यद्यपिमैंबहुबिधिसमुझाई ● ग्रंथउक्तिसबकथासुनाई ॥
कहिवेमेंनकछूयंकराख्यौ ● भयौपवनज्यौंभुसमैंभाख्यौ ● ॥
ज्ञानपंथजोश्रीमुखबानी ● सोसबतिनकौंभईकहानी ॥ ● ॥
कैइककहहैबनाईअनेका ● उनकेदृढव्रतपतिव्रतएका ● ॥

गहीएकह्योगहनउनमेटिवेदबिधिनीति ॥
गोपभेषभजिसांवरेरहीविश्वबरजीति ॥ ॥
नहिंसीखैंसिखज्ञान जोबिधिजाहिंसिखावही
तुमहूंबडेसुजान उहांजाउतौजानहू ● ॥

क्षमाकरौआयसुजोपाऊं ● तौअपनीसबबिपतसुनाऊं ● ॥
योगकथाकहिअबलनपाहीं ● होवैइतौदुःखकौनाहीं ● ॥
मैंनिर्गुणगुणएकबखानौ ● सोऊपूरौकहिनहिंजानौ ॥ ● ॥
वेसबउमगैबारिधज्यौंही ● जामैंथाहनपाऊंक्यौंही ● ● ॥
कहौंएकमैंपहरेकमाहीं ● वैकोटिकक्षणमैंकहिजाहीं ● ॥
कौनकौनकौउत्तरआवै ● सुनतसबैउनहींकेभावै ॥ ● ॥
प्रेमप्रीतउनकीलखिबांकी ● धरीरहीसबबातइहांकी ● ॥

रह्यौचकितजिममनकोऊलै ● जैसेंहरनचौकरीभूलै ● ॥
बेपारतपटियामौसीसा ● सिखवैंकाहियोगजगदीसा ● ॥
बेखटवेत्नासकलसुभाऊ ● मैंसठबारहखरीपढाऊं ● ● ॥
अबलनबचनसुनतहीमेरे ● भईअग्निज्यौंघृतकेगेरे ॥ ● ॥
बऊतभांतिकरमैंसबजाची ● एकैअंगनकोऊकाची ● ● ॥
सगुणप्रेमइहउनगह्यौयथापपीहापैद ॥ ॥
जानिलेऊप्रभुतुमयहैकहानिरोगहिबैद ॥
तिन्हैंनिरंतरध्यान स्यामरामअंबुजनयन ॥
लागतफीकोज्ञान अविलोकतउनकौभजन
मैंदेख्यौषटमासखोजकर ● एकैरीतसबैब्रजघरघर ● ॥
ज्यौंकुरुखेतदियेबाढतधन ● त्यौंअधिकातप्रेमनितनुमतन ॥
प्रगटतुह्मारेगुणचितदीन्है ● देहगेहअर्पणसबकीन्है ● ॥
कोऊकहतिगयेगोचारन ● कोउकहैगएअघासुरमारन ॥
कोऊकहतइंद्रजलज्ञाई ● गोवर्द्धनकरलियौकन्हाई ॥
कोऊकहतयमुनसुनिकाली ● नाथनगएत्ताहिबनमाली ॥
घरघरदुहतकहतकोऊबाला ● कोउकहैबनखेलतनंदलाला
कोऊकहतकुटिललंपटहरि ● बसेजायरोधैंकाकेघरि ● ॥
एककहतबनवेणुबजावैं ● चलौसुननयौंकहिउठिधावैं ॥
एसीलीलाप्रगटबखानै ● मेरौकह्यौनकोऊमानै ॥ ● ● ॥
हरिमानीनिजमतिघटज्ञानी ● सुनिलीन्हीउनकीमैंबानी